

ဆန္ဒသစ်ကို မိန့်လဲ

ဆုတ္တန္တမိန့်လဲက သံသုတ္တန်ကာလေး

# စတာဝဂ္ဂသံယုတ္တပါဠိ

ဓမ္မာနိပါတ် အစုမှ သမိန်ကဏ္ဍက စတာဝ  
ဂ္ဂပါဠိက ဝေဒနာပါဠိ ဂုဏ်ပါဠိ ဟူ၍လေး



• ဗုဒ္ဓ၏ ဗုဒ္ဓသာမဓုမာနိပါတ်  
ဗုဒ္ဓဓမ္မာနုပဿ ဗုဒ္ဓါနုပဿ

ဗုဒ္ဓသာမဓုမာနိပါတ်

• ၅၅ •

၂၃၅၅

ဆဋ္ဌသင်္ဂီတိ ဖိရုကံ

သုတ္တန္တပိရုကေ သံယုတ္တနိကာယေ

# မဟာဝဂ္ဂသံယုတ္တပါဠိ

ဆဋ္ဌသင်္ဂီတိယံ ထေရာ၊ သင်္ဂီတိကာရကာ ယထာ။  
သင်္ဂီယံ သု တထေဝါယံ၊ ဒုတိယမ္ပိ သုပုတ္တိတာ။



မရဗုရဓဋ္ဌ ဗုဒ္ဓသာသနသင်္ဂီတိယာ  
ဗုဒ္ဓကယန္တာလယေ ဗုဒ္ဓါပိတာ

# THE PĀLI ALPHABET IN BURMESE AND ROMAN CHARACTERS

## VOWELS

အ a    အာ ā    ခ i    ခြိ ī    ဥ u    ဥိ ū    ဧ e    ဩ o

## CONSONANTS WITH VOWEL "A"

|      |       |      |       |      |
|------|-------|------|-------|------|
| က ka | ခ kha | ဂ ga | ဃ gha | င ṅa |
| စ ca | ဆ cha | ဇ ja | ဈ jha | ည ṇa |
| တ ta | ထ tha | ဒ ḍa | ဓ dha | ဏ ṇa |
| ပ pa | ဖ pha | ဘ ba | ဗ bha | မ ma |

ယ ya    ရ ra    လ la    ဝ va    သ sa    ဟ ha    ခ္ဋ ḷa    ၵ ṁ

## VOWELS IN COMBINATION

|       |        |        |        |        |        |       |         |
|-------|--------|--------|--------|--------|--------|-------|---------|
| က ka  | ကာ kā  | ကိ ki  | ကိ kī  | ကု ku  | ကု kū  | ကေ ke | ကော ko  |
| ခ kha | ခါ khā | ခိ khi | ခိ khī | ခု khu | ခု khū | ဧ khe | ဧေါ kho |

## CONJUNCT-CONSONANTS

|        |        |        |        |
|--------|--------|--------|--------|
| ဣ kka  | ဥ ṅca  | ဥ dva  | ဗ mba  |
| ဣ kkha | ဥ ṅcha | ဈ dhya | ဃ mbha |
| ဣ kya  | ဥ ṅja  | ဇ dhva | ဗ mma  |
| ဩ kri  | ဈ ṅjha | ဓ nta  | ဈ mya  |
| ဣ kla  | ဇ ṭta  | ဓ ntva | ဗ mha  |
| ဣ kva  | ဇ ṭtha | ဓ nthā | ဣ yya  |
| ဈ khya | ဇ ḍḍa  | ဓ nda  | ဣ yha  |
| ဇ khva | ဈ ḍḍha | ဓ ndra | ဣ lla  |
| ဂ gga  | ဣ ṇta  | ဓ ndha | ဣ lya  |
| ဃ ggha | ဣ ṇtha | ဓ nna  | ဣ lha  |
| ဣ gya  | ဣ ṇḍa  | ဈ nya  | ဗ vha  |
| ဩ gra  | ဣ ṇṇa  | ဓ nha  | ဣ sta  |
| ဣ ṅka  | ဣ ṇha  | ဗ ppa  | ဣ stra |
| ဓ ṅkha | ဣ tta  | ဗ ppha | ဣ sna  |
| ဣ ṅga  | ဣ ttha | ဈ pya  | ဣ sya  |
| ဣ ṅgha | ဣ tva  | ဃ pla  | ဣ ssa  |
| ဈ cca  | ဣ tya  | ဇ bba  | ဣ sma  |
| ဃ ccha | ဩ tra  | ဃ bbha | ဣ sva  |
| ဇ jja  | ဃ dda  | ဈ bya  | ဣ hma  |
| ဈ jjha | ဃ ddha | ဩ bra  | ဣ hva  |
| ဣ ṇṇa  | ဈ dya  | ဗ mpa  | ဇ ḷha  |
| ဈ ṇha  | ဩ dra  | ဗ mpha |        |

၁-၂=a ; ဝ=i ; ဝ=ī ; ဣ=u ; ဣ=ū ; ဧ=e ; ဧ-ဧ=o

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ၁ | ၂ | ၃ | ၄ | ၅ | ၆ | ၇ | ၈ | ၉ | ၀ |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 0 |

# မဟာဝဂ္ဂသံယုတ္တပါဠိ

| မာတိကာ                     |                |      | ပိုဒ် |
|----------------------------|----------------|------|-------|
|                            | ၁-မဂ္ဂသံယုတ္တ  |      |       |
|                            | ၁-အဝိဇ္ဇာဝဂ္ဂ  |      |       |
| ၁-အဝိဇ္ဇာသုတ္တ             | ....           | .... | ၁     |
| ၂-ဥပဓုသုတ္တ                | ....           | .... | ၂     |
| ၃-သာရိပုတ္တသုတ္တ           | ....           | .... | ၃     |
| ၄-ဇာတုဿောဏိမြာဟူဏသုတ္တ     | ....           | .... | ၄     |
| ၅-ကိမတ္ထိယသုတ္တ            | ....           | .... | ၆     |
| ၆-၇-အညတရဘိက္ခုသုတ္တာနိ     | ....           | .... | ၇     |
| ၈-ဝိဘင်္ဂသုတ္တ             | ....           | .... | ၇     |
| ၉-သုကသုတ္တ                 | ....           | .... | ၉     |
| ၁၀-နန္ဒိယသုတ္တ             | ....           | .... | ၁၀    |
|                            | ၂-ဝိဟာရဝဂ္ဂ    |      |       |
| ၁-၂-ဝိဟာရသုတ္တာနိ          | ....           | .... | ၁၀    |
| ၃-၇-သေက္ခသုတ္တာဒီနိ        | ....           | .... | ၁၂-၁၃ |
| ၈-၁၀-ကုက္ကုဒ္ဓာရာမသုတ္တာနိ | ....           | .... | ၁၃-၁၄ |
|                            | ၃-မိစ္ဆတ္တဝဂ္ဂ |      |       |
| ၁-မိစ္ဆတ္တသုတ္တ            | ....           | .... | ၁၄    |
| ၂-အကုသလဓမ္မသုတ္တ           | ....           | .... | ၁၅    |
| ၃-၁၀-ပဌမပဋိပဒါသုတ္တာဒီနိ   | ....           | .... | ၁၅-၁၇ |
|                            | ၄-ပဋိပတ္တိဝဂ္ဂ |      |       |
| ၁-၂-ပဋိပတ္တိသုတ္တာနိ       | ....           | .... | ၁၈    |
| ၃-ဝိရဋ္ဌသုတ္တ              | ....           | .... | ၁၉    |
| ၄-ပါရိဂမသုတ္တ              | ....           | .... | ၁၉    |
| ၅-၁၀-ပဌမသာမညသုတ္တာဒီနိ     | ....           | .... | ၂၀-၂၁ |
| သံ ၃-က                     |                |      |       |



| မာတိကာ                          |      | ပိုဒ် |
|---------------------------------|------|-------|
| <b>၅-အညတိတ္ထိယပေယျာလဝဂ္ဂ</b>    |      |       |
| ၁-ဂ-ရာဂဝိရာဂသုတ္တာဒီပိ          | .... | ၂၁-၂၂ |
| <b>၆-သုရိယပေယျာလဝဂ္ဂ</b>        |      |       |
| ၁-၇-၇-ကလျာဏမိတ္တသုတ္တာဒီပိ      | .... | ၂၃-၂၅ |
| <b>၇-ဧကေဓမ္မပေယျာလဝဂ္ဂ</b>      |      |       |
| ၁-၇-၇-ကလျာဏမိတ္တသုတ္တာဒီပိ      | .... | ၂၅-၂၇ |
| <b>၈-ဒုတိယဧကေဓမ္မပေယျာလဝဂ္ဂ</b> |      |       |
| ၁-၇-၇-ကလျာဏမိတ္တသုတ္တာဒီပိ      | .... | ၂၈-၂၉ |
| <b>၁-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ</b>       |      |       |
| ၁-၆-၆-ပဌမပါဏိနနိဇ္ဈသုတ္တာဒီပိ   | .... | ၃၀-၃၁ |
| <b>၂-ဒုတိယဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ</b>  |      |       |
| ၁-၃၆-ပဌမပါဏိနနိဇ္ဈသုတ္တာဒီပိ    | .... | ၃၂-၃၇ |
| <b>၅-အပ္ပမာဒပေယျာလဝဂ္ဂ</b>      |      |       |
| ၁-၁၀-တထာဂတသုတ္တာဒီပိ            | .... | ၃၈-၄၁ |
| <b>၆-ဗလကရဏီယဝဂ္ဂ</b>            |      |       |
| ၁-ဗလသုတ္တ                       | .... | ၄၂    |
| ၂-ဗီဇသုတ္တ                      | .... | ၄၃    |
| ၃-နာဂသုတ္တ                      | .... | ၄၄    |
| ၄-ရုက္ခသုတ္တ                    | .... | ၄၄    |
| ၅-ကုမ္ဘသုတ္တ                    | .... | ၄၅    |
| ၆-သုကသုတ္တ                      | .... | ၄၅    |
| ၇-အာကာသသုတ္တ                    | .... | ၄၆    |
| ၈-ဇု-မေဃသုတ္တာဒီပိ              | .... | ၄၆-၄၇ |
| ၁၀-နာဝါသုတ္တ                    | .... | ၄၇    |
| ၁၁-အာဂန္တကသုတ္တ                 | .... | ၄၈    |
| ၁၂-နဒီသုတ္တ                     | .... | ၄၉    |

မာတိကာ

ပိဋက

## ၇-သေနာဝဂ္ဂ

|                     |      |      |       |
|---------------------|------|------|-------|
| ၁-၁၁-သေနာသုတ္တာဒီပိ | .... | .... | ၅၀-၅၄ |
|---------------------|------|------|-------|

## ၈-ဩဃဝဂ္ဂ

|                   |      |      |       |
|-------------------|------|------|-------|
| ၁-၁၀-ဩဃသုတ္တာဒီပိ | .... | .... | ၅၄-၅၆ |
|-------------------|------|------|-------|

## ၂-ဗောဇ္ဈင်္ဂသံယုတ္တ

## ၁-ပဗ္ဗတဝဂ္ဂ

|                      |      |      |       |
|----------------------|------|------|-------|
| ၁-ဟိမဝန္တသုတ္တ       | .... | .... | ၅၀    |
| ၂-ကာယသုတ္တ           | .... | .... | ၅၀    |
| ၃-သီလသုတ္တ           | .... | .... | ၆၁    |
| ၄-ဝတ္ထသုတ္တ          | .... | .... | ၆၄    |
| ၅-ဘိက္ခုသုတ္တ        | .... | .... | ၆၅    |
| ၆-ကုဏ္ဍလိယသုတ္တ      | .... | .... | ၆၆    |
| ၇-ကုဋ္ဌာဂါရသုတ္တ     | .... | .... | ၆၈    |
| ၈-၁၀-ဥပဝါနသုတ္တာဒီပိ | .... | .... | ၆၈-၆၉ |

## ၂-ဝိလာနဝဂ္ဂ

|                        |      |      |       |
|------------------------|------|------|-------|
| ၁-ပါဏသုတ္တ             | .... | .... | ၇၀    |
| ၂-၃-သုရိယူပမသုတ္တာဒီပိ | .... | .... | ၇၀-၇၁ |
| ၄-ပဌမဝိလာနသုတ္တ        | .... | .... | ၇၁    |
| ၅-ဒုတိယဝိလာနသုတ္တ      | .... | .... | ၇၂    |
| ၆-တတိယဝိလာနသုတ္တ       | .... | .... | ၇၃    |
| ၇-ပါရမသုတ္တ            | .... | .... | ၇၃    |
| ၈-၁၀-ဝိရဒ္ဓသုတ္တာဒီပိ  | .... | .... | ၇၄-၇၅ |

## ၃-ဥဒါယိဝဂ္ဂ

|                      |      |      |       |
|----------------------|------|------|-------|
| ၁-၉-ဗောဓာယသုတ္တာဒီပိ | .... | .... | ၇၅-၇၉ |
| ၁၀-ဥဒါယိသုတ္တ        | .... | .... | ၇၉    |

| မာတိကာ                             |                           | ပိုဒ် |
|------------------------------------|---------------------------|-------|
|                                    | <b>၄-နိဝရဏဝဂ္ဂ</b>        |       |
| ၁-၂-ကုသလသုတ္တာနိ                   | ....                      | ၈၁    |
| ၃-၇-ဥပက္ကိလေသသုတ္တာဒီနိ            | ....                      | ၈၂-၈၃ |
| ၈-အာဝရဏနိဝရဏသုတ္တ                  | ....                      | ၈၃    |
| ၉-ရုက္ခသုတ္တ                       | ....                      | ၈၅    |
| ၁၀-နိဝရဏသုတ္တ                      | ....                      | ၈၆    |
|                                    | <b>၅-စက္ကဝတ္တိဝဂ္ဂ</b>    |       |
| ၁-ဝိဓာသုတ္တ                        | ....                      | ၈၇    |
| ၂-၈-စက္ကဝတ္တိသုတ္တာဒီနိ            | ....                      | ၈၇-၈၉ |
| ၉-အဇ္ဈတ္တိကင်္ဂသုတ္တ               | ....                      | ၈၉    |
| ၁၀-ဗာဟိရင်္ဂသုတ္တ                  | ....                      | ၉၀    |
|                                    | <b>၆-သာကန္တဝဂ္ဂ</b>       |       |
| ၁-အာဟာရသုတ္တ                       | ....                      | ၉၀    |
| ၂-ပရိယာယသုတ္တ                      | ....                      | ၉၅    |
| ၃-အဂ္ဂိသုတ္တ                       | ....                      | ၉၈    |
| ၄-မေတ္တာသဟဂတသုတ္တ (ဟလိဒ္ဒဝသနသုတ္တ) | ....                      | ၁၀၁   |
| ၅-သင်္ဂါရဝသုတ္တ                    | ....                      | ၁၀၆   |
| ၆-အဘယသုတ္တ                         | ....                      | ၁၁၁   |
|                                    | <b>၇-အာနာပါနဝဂ္ဂ</b>      |       |
| ၁-၁၀-အဋ္ဌိကမဟပ္ပလသုတ္တာဒီနိ        | ....                      | ၁၁၃-၆ |
|                                    | <b>၈-နိရောဓဝဂ္ဂ</b>       |       |
| ၁-၁၀-အသုဘသုတ္တာဒီနိ                | ....                      | ၁၁၆-၇ |
|                                    | <b>၉-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ</b> |       |
| ၁-၁၂-ဂင်္ဂါနဒီအာဒိသုတ္တ            | ....                      | ၁၁၈   |
|                                    | <b>၁၀-အပ္ပမာဒဝဂ္ဂ</b>     |       |
| ၁-၁၀-တထာဂတာဒိသုတ္တ                 | ....                      | ၁၁၉   |

မာတိကာ

ပိုဒ်

## ၁၁-ဗလကရဏီယဝဂ္ဂ

|                 |      |      |     |
|-----------------|------|------|-----|
| ၁-၁၂-ဗလာဒိသုတ္တ | .... | .... | ၁၁၉ |
|-----------------|------|------|-----|

## ၁၂-သေနာဝဂ္ဂ

|                  |      |      |     |
|------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၀-သေနာဒိသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၀ |
|------------------|------|------|-----|

## ၁၃-ဩဃဝဂ္ဂ

|                |      |      |     |
|----------------|------|------|-----|
| ၁-၉-ဩဃာဒိသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၀ |
|----------------|------|------|-----|

|                    |      |      |     |
|--------------------|------|------|-----|
| ၁၀-ဥဒ္ဓန္တရိယသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၀ |
|--------------------|------|------|-----|

## ၁၄-ပုနဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

|                               |      |      |     |
|-------------------------------|------|------|-----|
| ၃၁၂-၃၂၃-ပုနဂင်္ဂါနဒိအာဒိသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၁ |
|-------------------------------|------|------|-----|

## ၁၅-ပုနအပ္ပမာဒဝဂ္ဂ

|                       |      |      |     |
|-----------------------|------|------|-----|
| ၃၂၄-၃၃၃-တထာဂတာဒိသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၁ |
|-----------------------|------|------|-----|

## ၁၆-ပုနဗလကရဏီယဝဂ္ဂ

|                       |      |      |     |
|-----------------------|------|------|-----|
| ၃၃၄-၃၄၅-ပုနဗလာဒိသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၁ |
|-----------------------|------|------|-----|

## ၁၇-ပုနသေနာဝဂ္ဂ

|                        |      |      |     |
|------------------------|------|------|-----|
| ၃၄၆-၃၅၆-ပုနသေနာဒိသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၂ |
|------------------------|------|------|-----|

## ၁၈-ပုနဩဃဝဂ္ဂ

|                       |      |      |     |
|-----------------------|------|------|-----|
| ၃၅၇-၃၆၆-ပုနဩဃာဒိသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၂ |
|-----------------------|------|------|-----|

## ၃-သတိပဋ္ဌာနသံယုတ္တ

## ၁-အဗ္ဗပါလိဝဂ္ဂ

|                 |      |      |     |
|-----------------|------|------|-----|
| ၁-အဗ္ဗပါလိသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၃ |
|-----------------|------|------|-----|

|            |      |      |     |
|------------|------|------|-----|
| ၂-သတိသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၃ |
|------------|------|------|-----|

|               |      |      |     |
|---------------|------|------|-----|
| ၃-ဘိက္ခုသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၄ |
|---------------|------|------|-----|

|            |      |      |     |
|------------|------|------|-----|
| ၄-သာလသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၅ |
|------------|------|------|-----|

|                  |      |      |     |
|------------------|------|------|-----|
| ၅-အကုသလရာသိသုတ္တ | .... | .... | ၁၂၇ |
|------------------|------|------|-----|

| မာတိကာ              |      |      | ပိုဒ် |
|---------------------|------|------|-------|
| ၆-သကုဏ္ဍိသုတ္တ      | .... | .... | ၁၂၇   |
| ၇-မက္ခဋသုတ္တ        | .... | .... | ၁၂၈   |
| ၈-သုဒ္ဓသုတ္တ        | .... | .... | ၁၃၀   |
| ၉-ဂိလာနသုတ္တ        | .... | .... | ၁၃၂   |
| ၁၀-ဘိက္ခုနုပဿယသုတ္တ | .... | .... | ၁၃၄   |

## ၂-နာလန္ဒဝဂ္ဂ

|                    |      |      |     |
|--------------------|------|------|-----|
| ၁-မဟာပုရိသသုတ္တ    | .... | .... | ၁၃၇ |
| ၂-နာလန္ဒသုတ္တ      | .... | .... | ၁၃၇ |
| ၃-စုန္ဒသုတ္တ       | .... | .... | ၁၃၉ |
| ၄-ဥက္ကဓေလသုတ္တ     | .... | .... | ၁၄၁ |
| ၅-ဗာဟိယသုတ္တ       | .... | .... | ၁၄၃ |
| ၆-ဥတ္တိယသုတ္တ      | .... | .... | ၁၄၃ |
| ၇-အရိယသုတ္တ        | .... | .... | ၁၄၄ |
| ၈-ဗြဟ္မသုတ္တ       | .... | .... | ၁၄၅ |
| ၉-သေဒကသုတ္တ        | .... | .... | ၁၄၆ |
| ၁၀-ဇနပဒကလျာဏီသုတ္တ | .... | .... | ၁၄၇ |

## ၃-သီလန္တိဝဂ္ဂ

|                      |      |      |     |
|----------------------|------|------|-----|
| ၁-သီလသုတ္တ           | .... | .... | ၁၄၈ |
| ၂-စိရဋ္ဌိတိသုတ္တ     | .... | .... | ၁၄၉ |
| ၃-၄-ပရိဟာနသုတ္တာဒိနိ | .... | .... | ၁၅၀ |
| ၅-အညတရဗြာဟ္မဏသုတ္တ   | .... | .... | ၁၅၁ |
| ၆-ပဒေသသုတ္တ          | .... | .... | ၁၅၂ |
| ၇-သမတ္တသုတ္တ         | .... | .... | ၁၅၂ |
| ၈-လောကသုတ္တ          | .... | .... | ၁၅၃ |
| ၉-သိရိဝုဗ္ဗသုတ္တ     | .... | .... | ၁၅၃ |
| ၁၀-မာနဒိန္နသုတ္တ     | .... | .... | ၁၅၅ |

မာတိကာ

ပိဋက

## ၄-အနနုဿုတဝဂ္ဂ

|                      |      |         |     |
|----------------------|------|---------|-----|
| ၁-အနနုဿုတသုတ္တ       | .... | ....    | ၁၅၅ |
| ၂-ဝိရာဂသုတ္တ         | .... | ....    | ၁၅၆ |
| ၃-၄-ဝိရဒ္ဓသုတ္တာဒိနိ | .... | ....    | ၁၅၇ |
| ၅-၉-သတိသုတ္တာဒိနိ    | .... | ၁၅၇-၁၆၀ |     |
| ၁၀-ဝိဘင်္ဂသုတ္တ      | .... | ....    | ၁၆၀ |

## ၅-အမတဝဂ္ဂ

|                        |      |      |       |
|------------------------|------|------|-------|
| ၁-၂-အမတသုတ္တာဒိနိ      | .... | .... | ၁၆၁   |
| ၃-၄-မဂ္ဂသုတ္တာဒိနိ     | .... | .... | ၁၆၁-၃ |
| ၅-ကုသလရာသိသုတ္တ        | .... | .... | ၁၆၃   |
| ၆-ပဂါတိမောက္ခသံဝရသုတ္တ | .... | .... | ၁၆၃   |
| ၇-ဒုစ္စရိတသုတ္တ        | .... | .... | ၁၆၄   |
| ၈-၁၀-မိတ္တသုတ္တာဒိနိ   | .... | .... | ၁၆၅-၆ |

## ၆-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

|                                |      |      |     |
|--------------------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၂-ဂင်္ဂါနဒီအာဒိသုတ္တဒ္ဓါဒသက | .... | .... | ၁၆၆ |
|--------------------------------|------|------|-----|

## ၇-အပ္ပမာဒဝဂ္ဂ

|                    |      |      |     |
|--------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၀-တထာဂတာဒိသုတ္တ | .... | .... | ၁၆၇ |
|--------------------|------|------|-----|

## ၈-ဗလကရဏီယဝဂ္ဂ

|                 |      |      |     |
|-----------------|------|------|-----|
| ၁-၁၂-ဗလာဒိသုတ္တ | .... | .... | ၁၆၇ |
|-----------------|------|------|-----|

## ၉-သေနာဝဂ္ဂ

|                  |      |      |     |
|------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၀-သေနာဒိသုတ္တ | .... | .... | ၁၆၈ |
|------------------|------|------|-----|

## ၁၀-ဩဃဝဂ္ဂ

|                         |      |      |     |
|-------------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၀-ဥဒ္ဓန္တကိယာဒိသုတ္တ | .... | .... | ၁၆၈ |
|-------------------------|------|------|-----|

## ၄-ဣန္ဒြိယသံယုတ္တ

## ၁-သုဒ္ဓိကဝဂ္ဂ

|                       |      |      |       |
|-----------------------|------|------|-------|
| ၁-၇-သုဒ္ဓိကသုတ္တာဒိနိ | .... | .... | ၁၇၀-၁ |
| ၈-ဒဋ္ဌဗ္ဗသုတ္တ        | .... | .... | ၁၇၂   |
| ၉-၁၀-ဝိဘင်္ဂသုတ္တာနိ  | .... | .... | ၁၇၂   |

| မာတိကာ                      |                          | ပိုဒ်  |
|-----------------------------|--------------------------|--------|
|                             | <b>၂-ပုဒုတရဝဂ္ဂ</b>      |        |
| ၁-ပဋိလာဘသုတ္တ               | ....                     | ၁၇၅    |
| ၂-၄-သံခိတ္တသုတ္တာနိ         | ....                     | ၁၇၆    |
| ၅-၇-ဝိတ္တာရသုတ္တာနိ         | ....                     | ၁၇၆-၇  |
| ၈-၁၀-ပဋိပန္နသုတ္တာဒိနိ      | ....                     | ၁၇၈    |
|                             | <b>၃-ဆဋ္ဌိန္ဒြိယဝဂ္ဂ</b> |        |
| ၁-၁၀-ပုနုဗ္ဗဝသုတ္တာဒိနိ     | ....                     | ၁၇၉-၈၂ |
|                             | <b>၄-သုခိန္ဒြိယဝဂ္ဂ</b>  |        |
| ၁-၃-သုခိကသုတ္တာဒိနိ         | ....                     | ၁၈၃    |
| ၄-၈-ပဌမသမဏဗြာဟ္မဏသုတ္တာဒိနိ | ....                     | ၁၈၃-၆  |
| ၉-ကဋ္ဌောပမသုတ္တ             | ....                     | ၁၈၇    |
| ၁၀-ဥပ္ပုဋ္ဌိပါဠိကသုတ္တ      | ....                     | ၁၈၈    |
|                             | <b>၅-ဇရာဝဂ္ဂ</b>         |        |
| ၁-ဇရာဓမ္မသုတ္တ              | ....                     | ၁၉၀    |
| ၂-ဥဏ္ဍာဘဗြာဟ္မဏသုတ္တ        | ....                     | ၁၉၁    |
| ၃-သာကေတသုတ္တ                | ....                     | ၁၉၂    |
| ၄-ပုဗ္ဗကောဋ္ဌကသုတ္တ         | ....                     | ၁၉၄    |
| ၅-၈-ပုဗ္ဗာရာမသုတ္တာနိ       | ....                     | ၁၉၅-၆  |
| ၉-ပိဏ္ဍောလဘာရဒ္ဒါဇသုတ္တ     | ....                     | ၁၉၆    |
| ၁၀-အာပဏသုတ္တ                | ....                     | ၁၉၇    |
|                             | <b>၆-သုကရခတဝဂ္ဂ</b>      |        |
| ၁-သာလသုတ္တ                  | ....                     | ၂၀၀    |
| ၂-မလ္လိကသုတ္တ               | ....                     | ၂၀၀    |
| ၃-သေခသုတ္တ                  | ....                     | ၂၀၁    |
| ၄-၆-ပဒသုတ္တာဒိနိ            | ....                     | ၂၀၂-၃  |
| ၇-သဟမ္ပတိဗြဟ္မသုတ္တ         | ....                     | ၂၀၄    |
| ၈-၁၀-သုကရခတသုတ္တာဒိနိ       | ....                     | ၂၀၅-၆  |

မာတိကာ

ပိဋက

## ၇-ဗောဓိပက္ခိယဝဂ္ဂ

|                        |      |      |       |
|------------------------|------|------|-------|
| ၁-၆-သံယောဇနသုတ္တံဒီပနိ | .... | .... | ၂၀၆-၈ |
| ၇-၁၀-ရုက္ခသုတ္တံ       | .... | .... | ၂၀၈-၉ |

## ၈-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

|                     |      |      |     |
|---------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၂-ပါစီနာဒိသုတ္တံ | .... | .... | ၂၁၀ |
|---------------------|------|------|-----|

## ၁၂-ဩဃဝဂ္ဂ

|                  |      |      |     |
|------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တံ | .... | .... | ၂၁၁ |
|------------------|------|------|-----|

## ၁၃-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

|                     |      |      |     |
|---------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၂-ပါစီနာဒိသုတ္တံ | .... | .... | ၂၁၂ |
|---------------------|------|------|-----|

## ၁၇-ဩဃဝဂ္ဂ

|                  |      |      |     |
|------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တံ | .... | .... | ၂၁၂ |
|------------------|------|------|-----|

## ၅-သဗ္ဗပ္ပဝေနသံယုတ္တ

## ၁-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

|                     |      |      |     |
|---------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၂-ပါစီနာဒိသုတ္တံ | .... | .... | ၂၁၄ |
|---------------------|------|------|-----|

## ၂-အပ္ပမာဒဝဂ္ဂ

|            |      |      |     |
|------------|------|------|-----|
| ဥဒ္ဓါနဂါထာ | .... | .... | ၂၁၅ |
|------------|------|------|-----|

## ၃-ဗလကရုဏီယဝဂ္ဂ

|                        |      |      |     |
|------------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၂-ဗလကရုဏီယာဒိသုတ္တံ | .... | .... | ၂၁၅ |
|------------------------|------|------|-----|

## ၄-သေနာဝဂ္ဂ

|                      |      |      |     |
|----------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၀-သေနာဒိသုတ္တံဒသက | .... | .... | ၂၁၆ |
|----------------------|------|------|-----|

## ၅-ဩဃဝဂ္ဂ

|                  |      |      |     |
|------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တံ | .... | .... | ၂၁၇ |
|------------------|------|------|-----|

## ၆-ဗလသံယုတ္တ

## ၁-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

|                  |      |      |     |
|------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၂-ဗလာဒိသုတ္တံ | .... | .... | ၂၁၈ |
|------------------|------|------|-----|

## ၅-ဩဃဝဂ္ဂ

|                  |      |      |     |
|------------------|------|------|-----|
| ၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တံ | .... | .... | ၂၁၉ |
|------------------|------|------|-----|



| မာတိကာ                       |                    | ပိုဒ်  |
|------------------------------|--------------------|--------|
|                              | ၆-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ |        |
| ၁-၁၂-ပါဠိနာဒိသုတ္တ           | ....               | ၂၂၀    |
|                              | ၉-သေနာဝဂ္ဂ         |        |
| ၁-၁၂-သေနာဒိသုတ္တ             | ....               | ၂၂၀    |
|                              | ၁၀-ဩဃာဝဂ္ဂ         |        |
| ၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တ              | ....               | ၂၂၁    |
|                              | ၇-ဣဒ္ဓိပါဒသံယုတ္တ  |        |
|                              | ၁-စာပါလဝဂ္ဂ        |        |
| ၁-အပါရသုတ္တ                  | ....               | ၂၂၂    |
| ၂-၄-ဝိရုဒ္ဓသုတ္တာဒိဋ္ဌိ      | ....               | ၂၂၂-၃  |
| ၅-ဣဒ္ဓိပဒေသသုတ္တ             | ....               | ၂၂၃    |
| ၆-သမတ္တသုတ္တ                 | ....               | ၂၂၄    |
| ၇-၉-ဘိက္ခုသုတ္တာဒိဋ္ဌိ       | ....               | ၂၂၄-၅  |
| ၁၀-စေတီယသုတ္တ                | ....               | ၂၂၆    |
|                              | ၂-ပါသာဒကဗ္ဗနဝဂ္ဂ   |        |
| ၁-ပုဗ္ဗသုတ္တ                 | ....               | ၂၃၀    |
| ၂-မဟာပူလသုတ္တ                | ....               | ၂၃၃    |
| ၃-ဆန္ဒသမာဓိသုတ္တ             | ....               | ၂၃၄    |
| ၄-မောဂ္ဂလ္လာနသုတ္တ           | ....               | ၂၃၅    |
| ၅-ဥဏ္ဍာဘမြာဟူဏသုတ္တ          | ....               | ၂၃၇    |
| ၆-၉-ပဌမသမဏမြာဟူဏသုတ္တာဒိဋ္ဌိ | ....               | ၂၃၉-၄၁ |
| ၁၀-ဝိဘင်္ဂသုတ္တ              | ....               | ၂၄၂    |
|                              | ၃-အယောဂုဋ္ဌဝဂ္ဂ    |        |
| ၁-မဂ္ဂသုတ္တ                  | ....               | ၂၄၅    |
| ၂-၁၀-အယောဂုဋ္ဌသုတ္တာဒိဋ္ဌိ   | ....               | ၂၄၆-၅၁ |
| ၁၁-မောဂ္ဂလ္လာနသုတ္တ          | ....               | ၂၅၂    |
| ၁၂-တထာဂတသုတ္တ                | ....               | ၂၅၃    |

မာတိကာ

ပိဋက

## ၄-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

၁-၁၂-ဂင်္ဂါနဒီအာဒိသုတ္တ ..... ၂၅၄

## ၈-ဩဃဝဂ္ဂ

၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တ ..... ၂၅၅

## ၈-အနုရုဒ္ဓသံယုတ္တ

## ၁-ရဟောဂတဝဂ္ဂ

၁-ပဌမရဟောဂတသုတ္တ ..... ၂၅၇

၂-ဒုတိယရဟောဂတသုတ္တ ..... ၂၅၉

၃-သုတနသုတ္တ ..... ၂၆၀

၄-ဂ-ပဌမကဏ္ဍကီသုတ္တာဒိနိ ..... ၂၆၀-၂

၉-အဗ္ဗပလိဝနသုတ္တ ..... ၂၆၃

၁၀-ဗာဠုဂီလာနသုတ္တ ..... ၂၆၄

## ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

၁-ကပ္ပသဟဿသုတ္တ ..... ၂၆၅

၂-၁၄-ဣဒ္ဓိဝိဓသုတ္တာဒိနိ ..... ၂၆၅-၇

## ၉-ဈာနသံယုတ္တ

## ၁-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

၁-၁၂-ဈာနာဒိသုတ္တ ..... ၂၆၈

## ၅-ဩဃဝဂ္ဂ

၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တ ..... ၂၆၉

## ၁၀-အာနာပါနသံယုတ္တ

## ၁-ဧကဓမ္မဝဂ္ဂ

၁-ဧကဓမ္မသုတ္တ ..... ၂၇၁

၂-၄-ဗောဇ္ဈင်္ဂသုတ္တာဒိနိ ..... ၂၇၂-၃

၅-၆-ဒုတိယဖလသုတ္တာဒိနိ ..... ၂၇၃-၄

၇-မဟာကပ္ပိနသုတ္တ ..... ၂၇၄

| မာတိကာ                     |      |      | ပိုဒ်  |
|----------------------------|------|------|--------|
| ၈-ပဋိပေါပမသုတ္တ            | .... | .... | ၂၇၅    |
| ၉-ဝေသာလီသုတ္တ              | .... | .... | ၂၇၈    |
| ၁၀-ကိမ္ဗိလသုတ္တ            | .... | .... | ၂၈၀    |
| ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ                |      |      |        |
| ၁-ဣစ္ဆာနင်္ဂလသုတ္တ         | .... | .... | ၂၈၃    |
| ၂-ကဇေယျသုတ္တ               | .... | .... | ၂၈၄    |
| ၃-၄-အာနန္ဒသုတ္တာဒိ         | .... | .... | ၂၈၆-၉၁ |
| ၅-၆-ဘိက္ခုသုတ္တာဒိ         | .... | .... | ၂၉၁-၂  |
| ၇-၁၀-သံယောဇနပ္ပဟာနသုတ္တာဒိ | .... | .... | ၂၉၆-၇  |
| ၁၁-သောတာပတ္တိသံယုတ္တ       |      |      |        |
| ၁-ဝေဠုဒ္ဓါရဝဂ္ဂ            |      |      |        |
| ၁-စက္ကဝတ္တိရာဇသုတ္တ        | .... | .... | ၂၉၈    |
| ၂-ဗြဟ္မစရိယောဂဓသုတ္တ       | .... | .... | ၂၉၉    |
| ၃-ဒီဃာဝုဥပါသကသုတ္တ         | .... | .... | ၂၉၉    |
| ၄-၅-သာရိပုတ္တသုတ္တာဒိ      | .... | .... | ၃၀၁-၂  |
| ၆-ထပတိသုတ္တ                | .... | .... | ၃၀၃    |
| ၇-ဝေဠုဒ္ဓါရေယျသုတ္တ        | .... | .... | ၃၀၆    |
| ၈-၁၀-ဝိဇ္ဇကာဝသထသုတ္တာဒိ    | .... | .... | ၃၁၀-၂  |
| ၂-ရာဇကရာဇဝဂ္ဂ              |      |      |        |
| ၁-သဟဿဘိက္ခုနိသံဃသုတ္တ      | .... | .... | ၃၁၄    |
| ၂-ဗြဟ္မဏသုတ္တ              | .... | .... | ၃၁၄    |
| ၃-၅-အာနန္ဒတ္ထေရသုတ္တာဒိ    | .... | .... | ၃၁၅-၇  |
| ၆-၇-မိတ္တာမစ္စသုတ္တာဒိ     | .... | .... | ၃၁၇-၈  |
| ၈-၁၀-ဒေဝစာရိကသုတ္တာဒိ      | .... | .... | ၃၁၈-၂၀ |
| ၃-သရဏာနိဝဂ္ဂ               |      |      |        |
| ၁-၂-မဟာနာမသုတ္တာဒိ         | .... | .... | ၃၂၁-၃  |
| ၃-ဂေါဓသက္ကသုတ္တ            | .... | .... | ၃၂၄    |

| မာတိကာ                  |      | ပိုဒ်       |
|-------------------------|------|-------------|
| ၄-၅-သရဏာနိသက္ကသုတ္တာနိ  | .... | .... ၃၂၆-၉  |
| ၆-၇-အနာထပိဏ္ဍိကသုတ္တာနိ | .... | .... ၃၃၂-၆  |
| ၈-၉-ဘယဝေရူပသန္တသုတ္တာနိ | .... | .... ၃၃၈-၄၀ |
| ၁၀-နန္ဒကလိစ္ဆဝိသုတ္တ    | .... | .... ၃၄၀    |

## ၄-ပုညာဘိသန္တဝဂ္ဂ

|                        |      |            |
|------------------------|------|------------|
| ၁-၃-ပုညာဘိသန္တသုတ္တာနိ | .... | .... ၃၄၁-၂ |
| ၄-၆-ဒေဝပဒသုတ္တာနိ      | .... | .... ၃၄၃-၄ |
| ၇-မဟာနာမသုတ္တ          | .... | .... ၃၄၄   |
| ၈-ဝဿသုတ္တ              | .... | .... ၃၄၅   |
| ၉-ကာဠိဂေါဓသုတ္တ        | .... | .... ၃၄၆   |
| ၁၀-နန္ဒိယသက္ကသုတ္တ     | .... | .... ၃၄၆   |

## ၅-သဂါထကပုညာဘိသန္တဝဂ္ဂ

|                           |      |             |
|---------------------------|------|-------------|
| ၁-၃-အဘိသန္တသုတ္တာနိ       | .... | .... ၃၄၈-၅၁ |
| ၄-၁၀-ပဌမမဟာဒ္ဒနသုတ္တာဒီနိ | .... | .... ၃၅၂-၄  |

## ၆-သပ္ပညဝဂ္ဂ

|                             |      |             |
|-----------------------------|------|-------------|
| ၁-သဂါထကသုတ္တ                | .... | .... ၃၅၄    |
| ၂-ဝဿိဝုတ္တသုတ္တ             | .... | .... ၃၅၅    |
| ၃-ဓမ္မဒိန္နသုတ္တ            | .... | .... ၃၅၆    |
| ၄-ဂိလာနသုတ္တ                | .... | .... ၃၅၇    |
| ၅-၁၁-သောတာပတ္တိဖလသုတ္တာဒီနိ | .... | .... ၃၅၉-၆၀ |

## ၇-မဟာပညဝဂ္ဂ

|                       |      |            |
|-----------------------|------|------------|
| ၁-၁၃-မဟာပညာသုတ္တာဒီနိ | .... | .... ၃၆၀-၁ |
|-----------------------|------|------------|

## ၁၂-သစ္စသံယုတ္တ

## ၁-သမာဓိဝဂ္ဂ

|                      |      |          |
|----------------------|------|----------|
| ၁-သမာဓိသုတ္တ         | .... | .... ၃၆၃ |
| ၂-ပဋိသလ္လာနသုတ္တ     | .... | .... ၃၆၃ |
| ၃-၄-ကုလပုတ္တသုတ္တာနိ | .... | .... ၃၆၄ |

| မာဟိကာ                 |      |      | ပိုဒ် |
|------------------------|------|------|-------|
| ၅-၆-သမဏဗြာဟ္မဏသုတ္တာနိ | .... | .... | ၃၆၅   |
| ၇-၉-ဝိတက္ကသုတ္တာဒီနိ   | .... | .... | ၃၆၆-၇ |
| ၁၀-တိရစ္ဆာန်ကထာသုတ္တ   | .... | .... | ၃၆၈   |

## ၂-ဓမ္မစက္ကပ္ပဝတ္ထနဝဂ္ဂ

|                         |      |      |       |
|-------------------------|------|------|-------|
| ၁-ဓမ္မစက္ကပ္ပဝတ္ထနသုတ္တ | .... | .... | ၃၆၈   |
| ၂-ဂ-တထာဂတသုတ္တာဒီနိ     | .... | .... | ၃၇၁-၆ |
| ၉-သင်္ကာသနသုတ္တ         | .... | .... | ၃၇၆   |
| ၁၀-တထသုတ္တ              | .... | .... | ၃၇၇   |

## ၃-ကောဠိဂါမဝဂ္ဂ

|                      |      |      |       |
|----------------------|------|------|-------|
| ၁-၂-ကောဠိဂါမသုတ္တာနိ | .... | .... | ၃၇၇   |
| ၃-သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓသုတ္တ | .... | .... | ၃၇၉   |
| ၄-အရဟန္တသုတ္တ        | .... | .... | ၃၇၉   |
| ၅-အာသဝက္ခယသုတ္တ      | .... | .... | ၃၈၀   |
| ၆-ဂ-မိတ္တသုတ္တာဒီနိ  | .... | .... | ၃၈၀-၁ |
| ၉-ပရိညေယျသုတ္တ       | .... | .... | ၃၈၁   |
| ၁၀-ဂဝဗ္ဗတိသုတ္တ      | .... | .... | ၃၈၂   |

## ၄-သီသပါဝနဝဂ္ဂ

|                   |      |      |       |
|-------------------|------|------|-------|
| ၁-သီသပါဝနသုတ္တ    | .... | .... | ၃၈၃   |
| ၂-ခဒိရပတ္တသုတ္တ   | .... | .... | ၃၈၃   |
| ၃-ဒဏှသုတ္တ        | .... | .... | ၃၈၄   |
| ၄-စေလသုတ္တ        | .... | .... | ၃၈၅   |
| ၅-သတ္တိသတသုတ္တ    | .... | .... | ၃၈၅   |
| ၆-ပါဏသုတ္တ        | .... | .... | ၃၈၆   |
| ၇-ဂ-သူရိယသုတ္တာနိ | .... | .... | ၃၈၆-၇ |
| ၉-ဣန္ဒြိယသုတ္တ    | .... | .... | ၃၈၇   |
| ၁၀-ဝါဒတ္တိကသုတ္တ  | .... | .... | ၃၈၉   |

မာတိကာ

ပိဋက

## ၅-ပပိတဝဂ္ဂ

|                             |      |      |       |
|-----------------------------|------|------|-------|
| ၁-လောကစိန္တာသုတ္တ           | .... | .... | ၃၉၀   |
| ၂-ပပိတသုတ္တ                 | .... | .... | ၃၉၁   |
| ၃-မဟာပရိဋ္ဌာဟသုတ္တ          | .... | .... | ၃၉၃   |
| ၄-ကုဋ္ဌာဂါရသုတ္တ            | .... | .... | ၃၉၄   |
| ၅-ဝါလသုတ္တ                  | .... | .... | ၃၉၅   |
| ၆-အန္ဓကာရသုတ္တ              | .... | .... | ၃၉၆   |
| ၇-ဂ-ဆိဂ္ဂဋ္ဌယုဂသုတ္တာနိ     | .... | .... | ၃၉၇-ဂ |
| ၉-၁၀-သိနေရူပဗ္ဗတရာဇသုတ္တာနိ | .... | .... | ၃၉၈-၉ |

## ၆-အဘိသမယဝဂ္ဂ

|                       |      |      |       |
|-----------------------|------|------|-------|
| ၁-နခသိခသုတ္တ          | .... | .... | ၄၀၀   |
| ၂-ပေါက္ခရဏီသုတ္တ      | .... | .... | ၄၀၀   |
| ၃-၄-သံဘောဇ္ဇသုတ္တာနိ  | .... | .... | ၄၀၁   |
| ၅-၆-မဟာပထဝီသုတ္တာနိ   | .... | .... | ၄၀၁-၂ |
| ၇-ဂ-မဟာသမုဒ္ဒသုတ္တာနိ | .... | .... | ၄၀၂   |
| ၉-၁၀-ပဗ္ဗတူပမသုတ္တာနိ | .... | .... | ၄၀၃   |

## ၇-ပဌမအာမကဓညပေယျာလဝဂ္ဂ

|                     |      |      |       |
|---------------------|------|------|-------|
| ၁-၁၀-အညတြလုတ္တာဒိနိ | .... | .... | ၄၀၄-၆ |
|---------------------|------|------|-------|

## ၈-ဒုတိယအာမကဓညပေယျာလဝဂ္ဂ

|                          |      |      |       |
|--------------------------|------|------|-------|
| ၁-၁၀-ပါဏာတိပါတသုတ္တာဒိနိ | .... | .... | ၄၀၆-ဂ |
|--------------------------|------|------|-------|

## ၉-တတိယအာမကဓညပေယျာလဝဂ္ဂ

|                        |      |      |        |
|------------------------|------|------|--------|
| ၁-၁၀-နစ္စဂီတသုတ္တာဒိနိ | .... | .... | ၄၀၈-၁၀ |
|------------------------|------|------|--------|

## ၁၀-စတုတ္ထအာမကဓညပေယျာလဝဂ္ဂ

|                           |      |      |       |
|---------------------------|------|------|-------|
| ၁-၁၁-ခေတ္တဝတ္ထုသုတ္တာဒိနိ | .... | .... | ၄၁၀-၂ |
|---------------------------|------|------|-------|

## ၁၁-ပဉ္စမတိပေယျာလဝဂ္ဂ

|                             |      |      |       |
|-----------------------------|------|------|-------|
| ၁-၃၀-မနုဿစုတိနိရယသုတ္တာဒိနိ | .... | .... | ၄၁၂-၄ |
|-----------------------------|------|------|-------|

မဟာဝဂ္ဂသံယုတ္တပါဠိမာတိကာ နိဋ္ဌိတာ။

သံယုတ္တနိကာယ

# မဟာဝဂ္ဂသံယုတ္တပါဠိ

နမော တဿ ဘဂဝတော အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ။

## ၁-မဂ္ဂသံယုတ္တ

၁-အဝိဇ္ဇာဝဂ္ဂ

၁-အဝိဇ္ဇာသုတ္တ

၁။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ ဇေတဝနေ အနာထပိဏ္ဍိကဿ အာရာမေ။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခူ အာမန္တေသိ “ဘိက္ခဝေါ”တိ။ “ဘဒန္တေ”တိ တေ ဘိက္ခူ ဘဂဝတော ပစ္စဿောသုံ။ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ—

အဝိဇ္ဇာ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗင်္ဂမာ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ သမာပတ္တိယာ၊ အနုဒ္ဓေဝံ အဟိရိကံ အနောတ္တပ္ပံ။ အဝိဇ္ဇာဂတဿ ဘိက္ခဝေ အဝိဒ္ဓသုနော မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ ပဟောတိ၊ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိဿ မိစ္ဆာသင်္ကပ္ပေါ ပဟောတိ၊ မိစ္ဆာသင်္ကပ္ပဿ မိစ္ဆာဝါစာ ပဟောတိ၊ မိစ္ဆာဝါစဿ မိစ္ဆာကမ္မန္တော ပဟောတိ၊ မိစ္ဆာကမ္မန္တဿ မိစ္ဆာအာဇီဝေါ ပဟောတိ၊ မိစ္ဆာအာဇီဝဿ မိစ္ဆာဝါယာမော ပဟောတိ၊ မိစ္ဆာဝါယာမဿ မိစ္ဆာသတိ ပဟောတိ၊ မိစ္ဆာသတိဿ မိစ္ဆာသမာဓိ ပဟောတိ။

၁-အနုဒ္ဓေဝ (သီ၊ ဣ၊ က)

ဝိဇ္ဇာ စ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗင်္ဂမာ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ သမာပတ္တိယာ၊  
အန္တဒေဝ ဟိရောတ္တပုံ။ ဝိဇ္ဇာဂတဿ ဘိက္ခဝေ ဝိဒ္ဓသုနော သမ္မာဒိဋ္ဌိ ပဟောတိ၊  
သမ္မာဒိဋ္ဌဿ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ ပဟောတိ၊ သမ္မာသင်္ကပ္ပဿ သမ္မာဝါစာ  
ပဟောတိ၊ သမ္မာဝါစဿ သမ္မာကမ္မန္တော ပဟောတိ၊ သမ္မာကမ္မန္တဿ  
သမ္မာအာဇီဝေါ ပဟောတိ၊ သမ္မာအာဇီဝဿ သမ္မာဝါယာမော ပဟောတိ၊  
သမ္မာဝါယာမဿ သမ္မာသတိ ပဟောတိ၊ သမ္မာသတိဿ သမ္မာသမာဓိ  
ပဟောတိတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ဥပဇာသုတ္တ

၂။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါသက္ခေသု ဝိဟရတိ နဂရကံ နာမ<sup>၁</sup>  
သက္ခာနံ နိဂမော။ အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ယေန ဘဂဝါ  
တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊  
ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ဥပဗုဒ္ဓိံ  
ဘန္တေ ဗြဟ္မစရိယံ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ ကလျာဏသဟာယတာ  
ကလျာဏသမ္ပဝင်္ကတာ”တိ။

မာ ဟေဝံ အာနန္ဒ၊ မာ ဟေဝံ အာနန္ဒ၊ သကလမေဝိဒံ အာနန္ဒ  
ဗြဟ္မစရိယံ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ ကလျာဏသဟာယတာ ကလျာဏ-  
သမ္ပဝင်္ကတာ၊ ကလျာဏမိတ္တဿေတံ အာနန္ဒ ဘိက္ခုနော ပါဠိကဉ်<sup>၂</sup> ကလျာဏ-  
သဟာယဿ ကလျာဏသမ္ပဝင်္ကဿ၊ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊  
အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီကရိဿတိ။

ကထဉ္စာနန္တ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော ကလျာဏသဟာယော ကလျာဏ-  
သမ္ပဝင်္ကော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီ-  
ကရေတိ။ ဣဓာနန္တ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ  
နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ<sup>၃</sup>၊ သမ္မာသင်္ကပ္ပံ ဘာဝေတိ ဝိဝေက-  
နိဿိတံ။ ပ။ သမ္မာဝါစံ ဘာဝေတိ။ ပ။ သမ္မာကမ္မန္တံ ဘာဝေတိ။ ပ။ သမ္မာအာဇီဝံ  
ဘာဝေတိ။ ပ။ သမ္မာဝါယာမံ ဘာဝေတိ။ ပ။ သမ္မာသတိံ ဘာဝေတိ။ ပ။  
သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ  
ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ အာနန္ဒ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော ကလျာဏ-  
သဟာယော ကလျာဏသမ္ပဝင်္ကော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ  
အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီကရေတိ။



တဒမိနာပေတံ အာနန္တ ပရိယာယေန ဝေဒိတဗ္ဗံ၊ ယထာ သကလမေဝိဒံ ဗြဟ္မစရိယံ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ ကလျာဏသဟာယတာ ကလျာဏသမ္ပဝက်တာ။ မမံ ဟိ အာနန္တ ကလျာဏမိတ္တံ အာဂမ္မ ဇာတိဓမ္မာ သတ္တာ ဇာတိယာ ပရိမုစ္ဆန္တိ၊ ဇရာဓမ္မာ သတ္တာ ဇရာယ ပရိမုစ္ဆန္တိ၊ မရဏဓမ္မာ သတ္တာ မရဏေန ပရိမုစ္ဆန္တိ၊ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသဓမ္မာ သတ္တာ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသေဟိ ပရိမုစ္ဆန္တိ။ ဣမိနာ ခေါ ဧတံ အာနန္တ ပရိယာယေန ဝေဒိတဗ္ဗံ၊ ယထာ သကလမေဝိဒံ ဗြဟ္မစရိယံ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ ကလျာဏသဟာယတာ ကလျာဏသမ္ပဝက်တာတိ။ ။ ဒုတိယံ။

### ၃-သာရိပုတ္တသုတ္တ

၃။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ယေန ဘဂဝါ တေနပသက်မိ၊ ဥပသက်မိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ “သကလမိဒံ ဘန္တေ ဗြဟ္မစရိယံ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ ကလျာဏသဟာယတာ ကလျာဏသမ္ပဝက်တာ”တိ။

သာဓု သာဓု သာရိပုတ္တ၊ သကလမိဒံ သာရိပုတ္တ ဗြဟ္မစရိယံ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ ကလျာဏသဟာယတာ ကလျာဏသမ္ပဝက်တာ။ ကလျာဏမိတ္တဿေတံ သာရိပုတ္တ ဘိက္ခုနော ပါဠိကဓံ ကလျာဏသဟာယဿ ကလျာဏသမ္ပဝက်ဿ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိသတိ။ ကထဉ္စ သာရိပုတ္တ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော ကလျာဏသဟာယော ကလျာဏသမ္ပဝက်ော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။

ဣဓ သာရိပုတ္တ ဘိက္ခု သမ္ဘာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ပ။ သမ္ဘာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ သာရိပုတ္တ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော ကလျာဏသဟာယော ကလျာဏသမ္ပဝက်ော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။

တဒမိနာပေတံ သာရိပုတ္တ ပရိယာယေန ဝေဒိတဗ္ဗံ၊ ယထာ သကလမိဒံ ဗြဟ္မစရိယံ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ ကလျာဏသဟာယတာ ကလျာဏသမ္ပဝက်တာ။ မမံ ဟိ သာရိပုတ္တ ကလျာဏမိတ္တံ အာဂမ္မ ဇာတိဓမ္မာ သတ္တာ

ဇာတိယာ ပရိမုစ္ဆန္တိ၊ ဇရာဓမ္မာ သတ္တာ ဇရာယ ပရိမုစ္ဆန္တိ၊ မရဏဓမ္မာ သတ္တာ မရဏေန ပရိမုစ္ဆန္တိ၊ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသဓမ္မာ သတ္တာ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသေဟိ ပရိမုစ္ဆန္တိ။ ဣမိနာ ခေါ ဧတံ သာရိပုတ္တ ပရိယာယေန ဝေဒိတဗ္ဗံ၊ ယထာ သကလမိဒံ မြဟ္မစရိယံ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ ကလျာဏသဟာယတာ ကလျာဏသမ္ပဝက်တာတိ။ ။ တတိယံ။

### ၄-ဇာဏုဿောဏိဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၄။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီဝရမာဒါယ သာဝတ္ထိံ ဝိဇ္ဇာယ ပါရိသိ။ အဒ္ဓသာ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဇာဏုဿောဏိံ ဗြာဟ္မဏံ သဗ္ဗသေတေန ဝဋ္ဋဝါ-  
ဘိရထေန သာဝတ္ထိယာ နိယျာယန္တိ၊ သေတာ သုဒ္ဓံ အဿာ ယုတ္တာ ဟောန္တိ သေတာလင်္ကာရာ သေတော ရထော သေတပရိဝါရော သေတာ ရသ္မိယော သေတာ ပတောဒလဋ္ဌိ သေတံ ဆတ္တံ သေတံ ဥဏှိသံ သေတာနိ ဝတ္ထာနိ သေတာ ဥပါဟနာ သေတာယ သုဒ္ဓံ ဝါလဗီဇနိယာ မိဇီယတိ။ တမေနံ ဇနော ဒိသ္မာ ဧဝမာဟ “ဗြဟ္မံ ဝတ ဘော ယာနံ၊ ဗြဟ္မယာနရူပံ ဝတ ဘော”တိ။

အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော သာဝတ္ထိယံ ဝိဇ္ဇာယ စရိတွာ ပစ္ဆာဘတ္တံ ဝိဇ္ဇာပါတပဋိက္ကန္တော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသိန္ဒော ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—

ဣဓာဟံ ဘန္တေ ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီဝရမာဒါယ သာဝတ္ထိံ ဝိဇ္ဇာယ ပါရိသိ။ အဒ္ဓသံခွါဟံ ဘန္တေ ဇာဏုဿောဏိံ ဗြာဟ္မဏံ သဗ္ဗသေတေန ဝဋ္ဋဝါဘိရထေန သာဝတ္ထိယာ နိယျာယန္တိ၊ သေတာ သုဒ္ဓံ အဿာ ယုတ္တာ ဟောန္တိ သေတာလင်္ကာရာ သေတော ရထော သေတပရိဝါရော သေတာ ရသ္မိယော သေတာ ပတောဒလဋ္ဌိ သေတံ ဆတ္တံ သေတံ ဥဏှိသံ သေတာနိ ဝတ္ထာနိ သေတာ ဥပါဟနာ သေတာယ သုဒ္ဓံ ဝါလဗီဇနိယာ မိဇီယတိ။ တမေနံ ဇနော ဒိသ္မာ ဧဝမာဟ “ဗြဟ္မံ ဝတ ဘော ယာနံ၊ ဗြဟ္မယာနရူပံ ဝတ ဘော”တိ။ သက္ကာ န ခေါ ဘန္တေ ဣမသ္မိံ ဓမ္မဝိနယေ ဗြဟ္မယာနံ ပညာပေတုန္တိ။

“သက္ကာ အာနန္ဒာ”တိ ဘဂဝါ အဝေါစ။ ဣမဿေဝ ခေါ ဧတံ အာနန္ဒ အရိယဿ အဋ္ဌင်္ဂိကဿ မဂ္ဂဿ အဓိဝစနံ ဗြဟ္မယာနံ ဣတိပိ ဓမ္မယာနံ ဣတိပိ အနုတ္တရော သင်္ဂါမဝိဇယော ဣတိပိတိ။

သမ္မာဒိဋ္ဌိ အာနန္ဒ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ရာဂဝိနယပရိယောသာနာ ဟောတိ။ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနာ ဟောတိ။ မောဟဝိနယပရိယောသာနာ ဟောတိ။ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ အာနန္ဒ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော ရာဂဝိနယ-ပရိယောသာနော ဟောတိ။ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနော ဟောတိ။ မောဟ-ဝိနယပရိယောသာနော ဟောတိ။ သမ္မာဝါစာ အာနန္ဒ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ရာဂဝိနယပရိယောသာနာ ဟောတိ။ ဒေါသ။ပ။ မောဟဝိနယပရိယောသာနာ ဟောတိ။ သမ္မာကမ္မန္တော အာနန္ဒ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော ရာဂဝိနယ-ပရိယောသာနော ဟောတိ။ ဒေါသ။ပ။ မောဟဝိနယပရိယောသာနော ဟောတိ။ သမ္မာအာဇီဝေါ အာနန္ဒ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော ရာဂဝိနယ-ပရိယောသာနော ဟောတိ။ ဒေါသ။ပ။ မောဟဝိနယပရိယောသာနော ဟောတိ။ သမ္မာဝါယာမော အာနန္ဒ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော ရာဂဝိနယ-ပရိယောသာနော ဟောတိ။ ဒေါသ။ပ။ မောဟဝိနယပရိယောသာနော ဟောတိ။ သမ္မာသတိ အာနန္ဒ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ရာဂဝိနယပရိယော-သာနာ ဟောတိ။ ဒေါသ။ပ။ မောဟဝိနယပရိယောသာနာ ဟောတိ။ သမ္မာသမာဓိ အာနန္ဒ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော ရာဂဝိနယပရိယောသာနော ဟောတိ။ ဒေါသ။ပ။ မောဟဝိနယပရိယောသာနော ဟောတိ။

ဣမိနာ ခေါ ဧတံ အာနန္ဒ ပရိယာယေန ဝေဒိတဗ္ဗံ၊ ယထာ ဣမဿေဝတံ အရိယဿ အဋ္ဌင်္ဂိကဿ မဂ္ဂဿ အဓိဝစနံ ဗြဟ္မယာနံ ဣတိပိ ဓမ္မယာနံ ဣတိပိ အနုတ္တရော သင်္ဂါမဝိဇယော ဣတိပိတိ။ ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ၊ ဣဒံ ဝတ္ထာန သုဂတော အထာပရံ ဧတဒဝေါစ သက္ကာ—

“ယဿ သဒ္ဓါ စ ပညာ စ၊ ဓမ္မာ ယုတ္တာ သဒါ ဓရံ။  
ဟိရိ ဤသာ မနောယောတ္တံ၊ သတိ အာရက္ခသာရထိ။  
ရထော သီလပရိက္ခာရော၊ ဈာနက္ခော စက္ကဝီရိယော။  
ဥပေက္ခာ ဓရသမာဓိ၊ အနိစ္စာ ပရိဝါရဏံ။  
အဗျာပါဒေါ အဝိဟိံသာ၊ ဝိဝေကော ယဿ အာဝုဓံ။  
တိတိက္ခာစမ္မသန္တာဟော၊ ယောဂက္ခေမာယ ဝတ္တတိ။

တေဒတ္တနိ သန္တုတံ၊ ဗြဟ္မဿာနံ အနတ္တရံ။  
နိယုန္တိ ဝိရာ လောကမှာ၊ အညဒတ္တု ဇယံ ဇယ”န္တိ။

စတုတ္ထံ။

### ၅-ကိမတ္ထိယသုတ္တ

၅။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ သမ္မဟုလာ ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ  
တေနပသင်္ကမိ”သု။ပ။ ဧကမန္တံ နိသိဒိ”သု၊ ဧကမန္တံ နိသိန္နာ ခေါ တေ ဘိက္ခု  
ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါရံ—

ဣမ နော ဘန္တေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ အမှေ ဧဝံ ပုဋ္ဌန္တိ “ကိမတ္ထိယံ  
အာရသော သမဏေ ဂေါတမေ ဗြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ မယံ ဘန္တေ  
တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဧဝံ ဗျာကရေမ “ဒုက္ခဿ ခေါ  
အာရသော ပရိညတ္ထံ ဘဂဝတိ ဗြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ ကစ္စိ မယံ ဘန္တေ ဧဝံ  
ပုဋ္ဌာ ဧဝံ ဗျာကရမာနာ ဝုတ္တဝါဒိနော စေဝ ဘဂဝတော ဟောမ၊ န စ  
ဘဂဝန္တံ အဘူတေန အဗ္ဘာဓိက္ခာမ၊ ဓမ္မဿ စာနုဓမ္မံ ဗျာကရေမ၊ န စ ကောဓိ  
သဟဓမ္မိကော ဝါဒါနုဝါဒေါ ဂါရယံ ဌာနံ အာဂစ္ဆတိတိ။

တဋ္ဌ တုမှေ ဘိက္ခဝေ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ ဧဝံ ဗျာကရမာနာ ဝုတ္တဝါဒိနော စေဝ မေ  
ဟောထ၊ န စ မံ အဘူတေန အဗ္ဘာဓိက္ခာယ၊ ဓမ္မဿ စာနုဓမ္မံ ဗျာကရေထ၊  
န စ ကောဓိ သဟဓမ္မိကော ဝါဒါနုဝါဒေါ ဂါရယံ ဌာနံ အာဂစ္ဆတိ။ ဒုက္ခဿ  
ဟိ ပရိညတ္ထံ မယံ ဗြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ။ သစေ ဝေါ ဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ  
ပရိဗ္ဗာဇကာ ဧဝံ ပုဋ္ဌေယျံ “အတ္ထိ ပနာရသော မဂ္ဂေါ၊ အတ္ထိ ပဋိပဒါ  
ဧတဿ ဒုက္ခဿ ပရိညာယာ”တိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ တုမှေ ဘိက္ခဝေ တေသံ  
အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဧဝံ ဗျာကရေယျာထ “အတ္ထိ ခေါ အာရသော  
မဂ္ဂေါ၊ အတ္ထိ ပဋိပဒါ ဧတဿ ဒုက္ခဿ ပရိညာယာ”တိ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ၊ ကတမာ ပဋိပဒါ ဧတဿ ဒုက္ခဿ  
ပရိညာယာတိ။ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ။ သေယျထိဒံ၊  
သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ၊ အယံ ပဋိပဒါ ဧတဿ  
ဒုက္ခဿ ပရိညာယာတိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ တုမှေ ဘိက္ခဝေ တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ  
ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဧဝံ ဗျာကရေယျာထာတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-ပဌမအညတရဘိက္ခုသုတ္တ

၆။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ် အညတရော ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ။ ပ။ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ သော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—  
“ဗြဟ္မစရိယံ ဗြဟ္မစရိယန္တိ ဘန္တေ ဝုစ္စတိ၊ ကတမံ န ခေါ ဘန္တေ ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတမံ ဗြဟ္မစရိယပရိယောသာနန္တိ။”

အယမေဝ ခေါ ဘိက္ခု အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဗြဟ္မစရိယံ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ယော ခေါ ဘိက္ခု ရာဂက္ခယော ဒေါသက္ခယော မောဟက္ခယော၊ ဣဒံ ဗြဟ္မစရိယပရိယောသာနန္တိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-ဒုတိယအညတရဘိက္ခုသုတ္တ

၇။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အညတရော ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ။ ပ။ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ သော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—

“ရာဂဝိနယော ဒေါသဝိနယော မောဟဝိနယော”တိ ဘန္တေ ဝုစ္စတိ၊ ကိဿ န ခေါ ဧတံ ဘန္တေ အဓိဝစနံ “ရာဂဝိနယော ဒေါသဝိနယော မောဟဝိနယော”တိ။ နိဗ္ဗာနဓာတုယာ ခေါဧတံ ဘိက္ခု အဓိဝစနံ ရာဂဝိနယော ဒေါသဝိနယော မောဟဝိနယောတိ၊ အာသဝါနံ ခယော တေန ဝုစ္စတိတိ။

ဧဝံ ဝုတ္တေ သော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “အမတံ အမတ”န္တိ ဘန္တေ ဝုစ္စတိ၊ ကတမံ န ခေါ ဘန္တေ အမတံ၊ ကတမော အမတဂါမိမဂ္ဂေါတိ။ ယော ခေါ ဘိက္ခု ရာဂက္ခယော ဒေါသက္ခယော မောဟက္ခယော၊ ဣဒံ ဝုစ္စတိ အမတံ။ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ အမတဂါမိမဂ္ဂေါ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိတိ။ ။သတ္တမံ။

## ၈-ဝိဘင်္ဂသုတ္တ

၈။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အရိယံ ဝေါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဒေသေဿာမိ ဝိဘင်္ဂဿာမိ၊ တံ သုဏာထ သာဓုကံ မနသိ ကရောထ၊ ဘာသိဿာမိတိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ တေ ဘိက္ခု ဘဂဝတော ပစ္စယောသု။ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ—

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သမ္မာဒိဋ္ဌိ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ

ဒုက္ခေ ဉာဏံ ဒုက္ခသမုဒယေ ဉာဏံ ဒုက္ခနိရောဓေ ဉာဏံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိယာ ပဋိပဒါယ ဉာဏံ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ၊ ယော ခေါ ဘိက္ခဝေ နေက္ခမ္မသင်္ကပ္ပေါ အဗျာပါဒသင်္ကပ္ပေါ အဝိဟိံသာသင်္ကပ္ပေါ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သမ္မာဝါစာ၊ ယာ ခေါ ဘိက္ခဝေ မုသာဝါဒါ ဝေရမဏီ ပိသုဏာယ ဝါစာယ ဝေရမဏီ ဖရုသာယ ဝါစာယ ဝေရမဏီ သမ္ပပ္ပလာပါ ဝေရမဏီ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမ္မာဝါစာ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သမ္မာကမ္မန္တော၊ ယာ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပါဏာတိပါတာ ဝေရမဏီ အဒိန္နာဒါနာ ဝေရမဏီ အဗြဟ္မစရိယာ ဝေရမဏီ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမ္မာကမ္မန္တော။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သမ္မာအာဇီဝေါ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော မိစ္ဆာအာဇီဝံ ပဟာယ သမ္မာအာဇီဝေန ဇီဝိတံ ကပ္ပေတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမ္မာအာဇီဝေါ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သမ္မာဝါယာမော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အနုပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ အနုပ္ပါဒါယ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ၊ ဥပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ပဟာနာယ ဆန္တံ ဇနေတိ။ပ။ အနုပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဥပ္ပါဒါယ ဆန္တံ ဇနေတိ။ပ။ ဥပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဌိတိယာ အသမ္မောသာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမ္မာဝါယာမော။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သမ္မာသတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမ္မာသတိ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သမ္မာသမာဓိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပိဝိစ္စေဝ  
ကာမေဟိ ပိဝိစ္စ အကုသလေဟိ ဓမ္မေဟိ သဝိတက္ကံ သဝိစာရံ ပိဝေကဇံ  
ပီတိသုခံ ပဌမံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ဝိတက္ကဝိစာရာနံ ဝုပသမာ  
အဇ္ဈတ္တံ သမ္ပသာဒနံ စေတသော ဧကောဒိဘာဝံ အဝိတက္ကံ အဝိစာရံ သမာဓိဇံ  
ပီတိသုခံ ဒုတိယံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ပီတိယာ စ ဝိရာဂါ ဥပေက္ခကော စ  
ဝိဟရတိ၊ သတော စ သမ္ပဇာနော သုခဉ္စ ကာယေန ပဋိသံဝေဒေတိ။ ယံ တံ  
အရိယာ အာစိက္ခန္တိ “ဥပေက္ခကော သတိမာ သုခဝိဟာရိ”တိ တတိယံ ဈာနံ  
ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ သုခဿ စ ပဟာနာ ဒုက္ခဿ စ ပဟာနာ ပုဗ္ဗေဝ  
သောမနဿဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာ အဒုက္ခမသုခံ ဥပေက္ခာသတိပါရိသုဒ္ဓိ  
စတုတ္ထံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမ္မာသမာဓိတိ။ ။  
အဋ္ဌမံ။

### ဇ-သုကသုတ္တ

၉။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သာလိသုကံ ဝါ ယဝသုကံ ဝါ  
မိစ္ဆာပဏိဟိတံ ဟတ္ထေန ဝါ ပါဒေန ဝါ အက္ကန္တံ ဟတ္ထံ ဝါ ပါဒံ ဝါ ဘိန္ဒိဿတိ၊  
လောဟိတံ ဝါ ဥပ္ပါဒေဿတီတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊  
မိစ္ဆာပဏိဟိတတ္တာ ဘိက္ခဝေ သုကဿ။ ဝေမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ သော ဝတ  
ဘိက္ခု မိစ္ဆာပဏိဟိတာယ ဒိဋ္ဌိယာ မိစ္ဆာပဏိဟိတာယ မဂ္ဂဘာဝနာယ အဝိဇ္ဇံ  
ဘိန္ဒိဿတိ၊ ဝိဇ္ဇံ ဥပ္ပါဒေဿတိ၊ နိဗ္ဗာနံ သန္တိကရိဿတီတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။  
တံ ကိဿ ဟေတု၊ မိစ္ဆာပဏိဟိတတ္တာ ဘိက္ခဝေ ဒိဋ္ဌိယာ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သာလိသုကံ ဝါ ယဝသုကံ ဝါ သမ္မာပဏိဟိတံ  
ဟတ္ထေန ဝါ ပါဒေန ဝါ အက္ကန္တံ ဟတ္ထံ ဝါ ပါဒံ ဝါ ဘိန္ဒိဿတိ၊ လောဟိတံ ဝါ  
ဥပ္ပါဒေဿတီတိ ဌာနမေတံ ဝိဇ္ဇတိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ သမ္မာပဏိဟိတတ္တာ  
ဘိက္ခဝေ သုကဿ။ ဝေမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ သော ဝတ ဘိက္ခု သမ္မာပဏိ-  
ဟိတာယ ဒိဋ္ဌိယာ သမ္မာပဏိဟိတာယ မဂ္ဂဘာဝနာယ အဝိဇ္ဇံ ဘိန္ဒိဿတိ၊ ဝိဇ္ဇံ  
ဥပ္ပါဒေဿတိ၊ နိဗ္ဗာနံ သန္တိကရိဿတီတိ ဌာနမေတံ ဝိဇ္ဇတိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊  
သမ္မာပဏိဟိတတ္တာ ဘိက္ခဝေ ဒိဋ္ဌိယာ။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာပဏိဟိတာယ ဒိဋ္ဌိယာ သမ္မာပဏိဟိတာယ  
မဂ္ဂဘာဝနာယ အဝိဇ္ဇံ ဘိန္ဒတိ၊ ဝိဇ္ဇံ ဥပ္ပါဒေတိ၊ နိဗ္ဗာနံ သန္တိကရေတီတိ။  
ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဘာဝေတိ ပိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ

နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေက-  
နိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု သမ္မာပဏိဟိတာယ ဒိဋ္ဌိယာ သမ္မာပဏိဟိတာယ မဂ္ဂဘာဝနာယ အဝိဇ္ဇာ  
ဘိန္ဒတိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥပ္ပါဒေတိ၊ နိဗ္ဗာနံ သစ္စိကရေတိတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-နန္ဒိယသုတ္တ

၁၀။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ နန္ဒိယော ပရိဗ္ဗာဇကော ယေန ဘဂဝါ  
တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝတာ သဒ္ဓိံ သမ္မောဒိ၊ သမ္မောဒနီယံ ကထံ  
သာရဏီယံ ဝီတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိတိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ နန္ဒိယော  
ပရိဗ္ဗာဇကော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ကတိ န ခေါ ဘော ဂေါတမ ဓမ္မာ  
ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ နိဗ္ဗာနင်္ဂမာ ဟောန္တိ နိဗ္ဗာနပရာယနာ နိဗ္ဗာနပရိ-  
ယောသာနာ”တိ။

အဋ္ဌမေ ခေါ နန္ဒိယ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ နိဗ္ဗာနင်္ဂမာ ဟောန္တိ  
နိဗ္ဗာနပရာယနာ နိဗ္ဗာနပရိယောသာနာ။ ကတမေ အဋ္ဌ၊ သေယျထိဒံ၊  
သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣမေ ခေါ နန္ဒိယ အဋ္ဌ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ  
ဗဟုလိကတာ နိဗ္ဗာနင်္ဂမာ ဟောန္တိ နိဗ္ဗာနပရာယနာ နိဗ္ဗာနပရိယောသာနာတိ။  
ဧဝံ ဝုတ္တေ နန္ဒိယော ပရိဗ္ဗာဇကော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “အဘိက္ကန္တံ ဘော  
ဂေါတမ၊ အဘိက္ကန္တံ ဘော ဂေါတမ။ပ။ ဥပါသကံ မံ ဘဝံ ဂေါတမော  
ဓာရေတု အဇ္ဇတဂ္ဂေ ပါဏုပေတံ သရဏံ ဂတ”န္တိ။ ။ဒသမံ။

အဝိဇ္ဇာဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

### တသုဒ္ဓါနံ

အဝိဇ္ဇေ ဥပဗုဇ္ဇ၊ သာရိပုတ္တော စ ဗြာဟ္မဏော။  
ကိမတ္ထိယော စ ဒွေ ဘိက္ခု။ ဝိဘင်္ဂေါ သူကနန္ဒိယာတိ။

### ၂-ဝိဟာရဝဂ္ဂ

#### ၁-ပဌမဝိဟာရသုတ္တ

၁၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ဣစ္ဆာမဟံ ဘိက္ခဝေ အမုမာသံ ပဋိသလ္လိယိတုံ၊ နမိ  
ကေနစိ ဥပသင်္ကမိတဗ္ဗော အညတြ ဧကေန ဝိဇ္ဇာပါတနိဟာရကေနာတိ။ “ဧဝံ



ဘန္တေ”တိ ခေါတေ ဘိက္ခူ ဘဂဝတော ပဋိသုတ္တာ နာဿုဓ ကောစိ ဘဂဝန္တံ ဥပသင်္ကမတိ အညတြ ဧကေန ဝိဇ္ဇာပါတနိဟာရကေန။

အထ ခေါ ဘဂဝါ တဿ အဗုမာသဿ အစွယေန ပဋိသလ္လာနာ ဝုဠိတော ဘိက္ခူ အာမန္တေသိ “ယေန သွာဟံ ဘိက္ခဝေ ဝိဟာရေန ပဌမာဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါ ဝိဟရာမိ၊ တဿ ပဒေသေန ဝိဟာသိ”။ သော ဧဝံ ပဇာနာမိ ‘မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ။ ပ။ မိစ္ဆာသမာဓိပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ သမ္မာသမာဓိပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ ဆန္ဒပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ ဝိတက္ကပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ သညာပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ။ ဆန္ဒော စ အဝုပသန္တော ဟောတိ၊ ဝိတက္ကော စ အဝုပသန္တော ဟောတိ၊ သညာ စ အဝုပသန္တော ဟောတိ၊ တပ္ပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ။ ဆန္ဒော စ ဝုပသန္တော ဟောတိ၊ ဝိတက္ကော စ ဝုပသန္တော ဟောတိ၊ သညာ စ ဝုပသန္တော ဟောတိ၊ တပ္ပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ။ အပ္ပတ္တဿ ပတ္တိယာ အတ္တိ အာယာမံ’။ တသ္မိမ္မိ ဌာနေ အနုပ္ပတ္တေ တပ္ပစ္စယာပိ ဝေဒယိတန္တိ”။ ။ ပဌမံ။

### ၂-ဒုတိယဝိဟာရသုတ္တ

၁၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ဣစ္ဆာမဟံ ဘိက္ခဝေ တေမာသံ ပဋိသလ္လိယိတုံ၊ နမိ ကေနစိ ဥပသင်္ကမိတဗ္ဗော အညတြ ဧကေန ဝိဇ္ဇာပါတနိဟာရကေနာတိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါတေ ဘိက္ခူ ဘဂဝတော ပဋိသုတ္တာ နာဿုဓ ကောစိ ဘဂဝန္တံ ဥပသင်္ကမတိ အညတြ ဧကေန ဝိဇ္ဇာပါတနိဟာရကေန။

အထ ခေါ ဘဂဝါ တဿ တေမာသဿ အစွယေန ပဋိသလ္လာနာ ဝုဠိတော ဘိက္ခူ အာမန္တေသိ “ယေန သွာဟံ ဘိက္ခဝေ ဝိဟာရေန ပဌမာဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါ ဝိဟရာမိ၊ တဿ ပဒေသေန ဝိဟာသိ”။ သော ဧဝံ ပဇာနာမိ ‘မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိဝုပသမပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိဝုပသမပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ။ ပ။ မိစ္ဆာသမာဓိပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ မိစ္ဆာသမာဓိဝုပသမပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ သမ္မာသမာဓိပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ သမ္မာသမာဓိဝုပသမပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ ဆန္ဒပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ ဆန္ဒဝုပသမပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ ဝိတက္ကပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ ဝိတက္ကဝုပသမပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ သညာပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ၊ သညာဝုပသမပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ။ ဆန္ဒော စ အဝုပသန္တော ဟောတိ၊ ဝိတက္ကော စ အဝုပသန္တော ဟောတိ၊ သညာ စ အဝုပသန္တော ဟောတိ၊ တပ္ပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ။ ဆန္ဒော စ ဝုပသန္တော

ဟောတိ၊ ဝိတက္ကော စ ဝုပသန္တော ဟောတိ၊ သညာ စ ဝုပသန္တော ဟောတိ၊  
တပ္ပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံ။ အပ္ပတ္တဿ ပတ္တိယာ အတ္ထိ အာယာမံ၊ တသ္မိမ္ပိ  
ဌာနေ အနုပ္ပတ္တေ တပ္ပစ္စယာပိ ဝေဒယိတံန္တိ”။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-သေက္ခသုတ္တ

၁၃။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အညတရော ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ  
တေနပသင်္ကမိ။ပ။ ဧကမန္တံ နိဿိန္တော ခေါသောဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ—  
“သေက္ခော သေက္ခော”တိ ဘန္တေ ဝုစ္စတိ။ ကိတ္တာဝတာ န ခေါ ဘန္တေ  
သေက္ခော ဟောတိတိ။ ဣမ ဘိက္ခု သေက္ခာယ သမ္မာဒိဋ္ဌိယာ သမန္နာဂတော  
ဟောတိ။ပ။ သေက္ခေန သမ္မာသမာဓိနာ သမန္နာဂတော ဟောတိ။ ဧတ္တာဝတာ  
ခေါ ဘိက္ခု သေက္ခော ဟောတိတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ပဌမဥပ္ပါဒသုတ္တ

၁၄။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အဋ္ဌိမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ  
အနုပ္ပန္နာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြိ တထာဂတဿ ပါတုဘာဝါ အရဟတော  
သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ။ ကတမေ အဋ္ဌ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။  
ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အနုပ္ပန္နာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ  
နာညတြိ တထာဂတဿ ပါတုဘာဝါ အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿာတိ။ ။  
စတုတ္ထံ။

### ၅-ဒုတိယဥပ္ပါဒသုတ္တ

၁၅။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အဋ္ဌိမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ  
အနုပ္ပန္နာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြိ သုဂတဝိနယာ။ ကတမေ အဋ္ဌ၊ သေယျထိဒံ၊  
သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ  
ဗဟုလိကတာ အနုပ္ပန္နာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြိ သုဂတဝိနယာတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ပဌမပရိသုဒ္ဓသုတ္တ

၁၆။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အဋ္ဌိမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ ပရိသုဒ္ဓါ ပရိယောဒါတာ  
အနင်္ဂဏာ ဝိဂတုပတ္တိလေသာ အနုပ္ပန္နာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြိ တထာဂတဿ  
ပါတုဘာဝါ အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ။ ကတမေ အဋ္ဌ၊ သေယျထိဒံ၊  
သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌ ဓမ္မာ ပရိသုဒ္ဓါ

ပရိယောဒါတာ အနင်္ဂဏာ ဝိဂတူပက္ကိလေသာ အနုပ္ပန္နာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြ  
တထာဂတဿ ပါတုဘာဝါ အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿာတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ဒုတိယပရိသုဒ္ဓသုတ္တ

၁၇။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အဋ္ဌိမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ ပရိသုဒ္ဓါ ပရိယောဒါတာ  
အနင်္ဂဏာ ဝိဂတူပက္ကိလေသာ အနုပ္ပန္နာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြ သုဂတဝိနယာ။  
ကတမေ အဋ္ဌ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
အဋ္ဌ ဓမ္မာ ပရိသုဒ္ဓါ ပရိယောဒါတာ အနင်္ဂဏာ ဝိဂတူပက္ကိလေသာ အနုပ္ပန္နာ  
ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြ သုဂတဝိနယာတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-ပဌမကုက္ကုဒ္ဓာရာမသုတ္တ

၁၈။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ စ အာနန္ဒော အာယသ္မာ  
စ ဘဒ္ဒေါ ပါဠိလိပုတ္တေ ဝိဟရန္တိ ကုက္ကုဒ္ဓာရာမေ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ  
ဘဒ္ဒေါ သာယနသမယံ ပဋိသလ္လာနာ ဝုဋ္ဌိတော ယေနာယသ္မာ အာနန္ဒော  
တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မတာ အာနန္ဒေန သဒ္ဓိံ သမ္မောဒိ၊  
သမ္မောဒနီယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝီတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ  
နိဿိန္ဒော ခေါ အာယသ္မာ ဘဒ္ဒေါ အာယသ္မန္တံ အာနန္ဒံ တေဒဝေါစ—

“အဗြဟ္မစရိယံ အဗြဟ္မစရိယ”န္တိ အာသုသော အာနန္ဒ ဝုစ္စတိ၊ ကတမံ န  
ခေါ အာသုသော အဗြဟ္မစရိယန္တိ။ သာဓု သာဓု အာသုသော ဘဒ္ဒ၊ ဘဒ္ဒကော  
ခေါ တေ အာသုသော ဘဒ္ဒ ဥဗ္ဗဂေါ၊ ဘဒ္ဒကံ ပဋိဘာနံ၊ ကလျာဏီ ပရိပုစ္ဆာ၊  
ဧဝံ ဟိ တံ အာသုသော ဘဒ္ဒ ပုစ္ဆသိ “အဗြဟ္မစရိယံ အဗြဟ္မစရိယန္တိ  
အာသုသော အာနန္ဒ ဝုစ္စတိ၊ ကတမံ န ခေါ အာသုသော အဗြဟ္မစရိယ”န္တိ။  
ဧဝမာသုသောတိ။ အယမေဝ ခေါ အာသုသော အဋ္ဌဂီကော မိစ္ဆာမဂ္ဂေါ  
အဗြဟ္မစရိယံ။ သေယျထိဒံ၊ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ။ပ။ မိစ္ဆာသမာဓိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဒုတိယကုက္ကုဒ္ဓာရာမသုတ္တ

၁၉။ ပါဠိလိပုတ္တနိဒါနံ။ “ဗြဟ္မစရိယံ ဗြဟ္မစရိယ”န္တိ အာသုသော အာနန္ဒ  
ဝုစ္စတိ၊ ကတမံ န ခေါ အာသုသော ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတမံ ဗြဟ္မစရိယပရိယော-  
သာနန္တိ။ သာဓု သာဓု အာသုသော ဘဒ္ဒ၊ ဘဒ္ဒကော ခေါ တေ အာသုသော ဘဒ္ဒ  
ဥဗ္ဗဂေါ၊ ဘဒ္ဒကံ ပဋိဘာနံ၊ ကလျာဏီ ပရိပုစ္ဆာ၊ ဧဝံ ဟိ တံ အာသုသော ဘဒ္ဒ  
ပုစ္ဆသိ “ဗြဟ္မစရိယံ ဗြဟ္မစရိယန္တိ အာသုသော အာနန္ဒ ဝုစ္စတိ၊ ကတမံ န ခေါ

အာရုသော ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတမံ ဗြဟ္မစရိယပရိယောသာနံ”န္တိ။ ဧဝံမာရုသောတိ။ အယမေဝ ခေါ အာရုသော အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဗြဟ္မစရိယံ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ယော ခေါ အာရုသော ရာဂက္ခယော ဒေါသက္ခယော မောဟက္ခယော၊ ဣဒံ ဗြဟ္မစရိယပရိယောသာနံန္တိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-တတိယကုတ္တုဒ္ဓာရာမသုတ္တ

၂၀။ ပါဠိလိပုတ္တနိဒါနံ။ “ဗြဟ္မစရိယံ ဗြဟ္မစရိယ”န္တိ အာရုသော အာနန္ဒ ဝုစ္စတိ၊ ကတမံ န ခေါ အာရုသော ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတမော ဗြဟ္မစရိ၊ ကတမံ ဗြဟ္မစရိယပရိယောသာနံန္တိ။ သာဓု သာဓု အာရုသော ဘဒ္ဒ၊ ဘဒ္ဒကော ခေါ တေ အာရုသော ဘဒ္ဒ ဥဗ္ဗဇီ၊ ဘဒ္ဒကံ ပဋိဘာနံ၊ ကလျာဏီ ပရိပုစ္ဆာ၊ ဧဝံ ဟိ တံ အာရုသော ဘဒ္ဒ ပုစ္ဆသိ “ဗြဟ္မစရိယံ ဗြဟ္မစရိယန္တိ အာရုသော အာနန္ဒ ဝုစ္စတိ၊ ကတမံ န ခေါ အာရုသော ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတမော ဗြဟ္မစရိ၊ ကတမံ ဗြဟ္မစရိယပရိယောသာနံ”န္တိ။ ဧဝံမာရုသောတိ။ အယမေဝ ခေါ အာရုသော အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဗြဟ္မစရိယံ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ယော ခေါ အာရုသော ဣဓိနာ အရိယေန အဋ္ဌဂီကေန မဂ္ဂေန သမန္နာဂတော၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဗြဟ္မစရိ၊ ယော ခေါ အာရုသော ရာဂက္ခယော ဒေါသက္ခယော မောဟက္ခယော၊ ဣဒံ ဗြဟ္မစရိယပရိယောသာနံန္တိ။ ။ဒသမံ။

တိဏိ သုတ္တန္တာနိ ဧကနိဒါနာနိ။

ဝိဟာရဝဂ္ဂေါ ဒုတိယော။

### တသုဒ္ဓါနံ

ဒွေ ဝိဟာရာ စ သေက္ခော စ၊ ဥပ္ပါဒါ အပရေ ဒုဝေ။

ပရိသုဗ္ဗေန ဒွေ ဝုတ္တာ၊ ကုတ္တုဒ္ဓာရာမေန တယောတိ။

### ၃-မိစ္ဆတ္တဝဂ္ဂ

#### ၁-မိစ္ဆတ္တသုတ္တ

၂၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ မိစ္ဆတ္တံ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ သမ္ပတ္တံ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ မိစ္ဆတ္တံ၊ သေယျထိဒံ၊ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ။ပ။

မိစ္ဆာသမာဓိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ မိစ္ဆတ္တံ။ ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သမ္မတ္တံ၊  
သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမ္မတ္တန္တိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-အကုသလဓမ္မသုတ္တ

၂၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အကုသလေ စ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မေ ဒေသေဿာမိ  
ကုသလေ စ ဓမ္မေ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ အကုသလာ  
ဓမ္မာ၊ သေယျထိဒံ၊ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ မိစ္ဆာသမာဓိ။ ဣမေ ဝုစ္စန္တိ ဘိက္ခဝေ  
အကုသလာ ဓမ္မာ။ ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ ကုသလာ ဓမ္မာ၊ သေယျထိဒံ၊  
သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣမေ ဝုစ္စန္တိ ဘိက္ခဝေ ကုသလာ ဓမ္မာတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ပဌမပဋိပဒါသုတ္တ

၂၃။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ မိစ္ဆာပဋိပဒဉ္စ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ  
သမ္မာပဋိပဒဉ္စ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ မိစ္ဆာပဋိပဒါ၊ သေယျထိဒံ၊  
မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ မိစ္ဆာသမာဓိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ မိစ္ဆာပဋိပဒါ။ ကတမာ  
စ ဘိက္ခဝေ သမ္မာပဋိပဒါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ  
ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမ္မာပဋိပဒါတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ဒုတိယပဋိပဒါသုတ္တ

၂၄။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ဂိဟိနော ဝါဟံ ဘိက္ခဝေ ပဗ္ဗဇိတဿ ဝါ မိစ္ဆာပဋိပဒံ  
န ဝဏ္ဏေမိ၊ ဂိဟိ ဝါ ဘိက္ခဝေ ပဗ္ဗဇိတော ဝါ မိစ္ဆာပဋိပဒန္တော မိစ္ဆာပဋိပတ္တာ-  
မိကရဏဟေတု နာရာဓကော ဟောတိ ဉာယံ ဓမ္မံ ကုသလံ။ ကတမာ စ  
ဘိက္ခဝေ မိစ္ဆာပဋိပဒါ၊ သေယျထိဒံ၊ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ မိစ္ဆာသမာဓိ။ အယံ ဝုစ္စတိ  
ဘိက္ခဝေ မိစ္ဆာပဋိပဒါ။ ဂိဟိနော ဝါဟံ ဘိက္ခဝေ ပဗ္ဗဇိတဿ ဝါ မိစ္ဆာပဋိပဒံ  
န ဝဏ္ဏေမိ၊ ဂိဟိ ဝါ ဘိက္ခဝေ ပဗ္ဗဇိတော ဝါ မိစ္ဆာပဋိပဒန္တော မိစ္ဆာပဋိပတ္တာ-  
မိကရဏဟေတု နာရာဓကော ဟောတိ ဉာယံ ဓမ္မံ ကုသလံ။

ဂိဟိနော ဝါဟံ ဘိက္ခဝေ ပဗ္ဗဇိတဿ ဝါ သမ္မာပဋိပဒံ ဝဏ္ဏေမိ၊ ဂိဟိ ဝါ  
ဘိက္ခဝေ ပဗ္ဗဇိတော ဝါ သမ္မာပဋိပဒန္တော သမ္မာပဋိပတ္တာမိကရဏဟေတု  
အာရာဓကော ဟောတိ ဉာယံ ဓမ္မံ ကုသလံ။ ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ သမ္မာပဋိပဒါ၊  
သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမ္မာပဋိပဒါ။  
ဂိဟိနော ဝါဟံ ဘိက္ခဝေ ပဗ္ဗဇိတဿ ဝါ သမ္မာပဋိပဒံ ဝဏ္ဏေမိ၊ ဂိဟိ ဝါ

ဘိက္ခဝေ ပဗ္ဗဇိတော ဝါ သမ္မာပဋိပန္နော သမ္မာပဋိပတ္တာမိကရဏဟေတု  
အာရာဓကော ဟောတိ ဉာယံ ဓမ္မံ ကုသလန္တိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ပဌမအသပ္ပုရိသသုတ္တ

၂၅။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အသပ္ပုရိသဉ္စ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ သပ္ပုရိသဉ္စ၊  
တံ သုဏာထ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ အသပ္ပုရိသော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ  
ဧကစ္စော မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိကော ဟောတိ မိစ္ဆာသင်္ကပ္ပေါ မိစ္ဆာဝါစော မိစ္ဆာ-  
ကမ္မန္တော မိစ္ဆာအာဇီဝေါ မိစ္ဆာဝါယာမော မိစ္ဆာသတိ မိစ္ဆာသမာဓိ။ အယံ  
ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အသပ္ပုရိသော။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သပ္ပုရိသော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဧကစ္စော သမ္မာဒိဋ္ဌိကော  
ဟောတိ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ သမ္မာဝါစော သမ္မာကမ္မန္တော သမ္မာအာဇီဝေါ သမ္မာ-  
ဝါယာမော သမ္မာသတိ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သပ္ပုရိသော-  
တိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ဒုတိယအသပ္ပုရိသသုတ္တ

၂၆။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အသပ္ပုရိသဉ္စ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ  
အသပ္ပုရိသေန အသပ္ပုရိသတရဉ္စ၊ သပ္ပုရိသဉ္စ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ  
သပ္ပုရိသေန သပ္ပုရိသတရဉ္စ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ  
အသပ္ပုရိသော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဧကစ္စော မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိကော ဟောတိ။ ပ။ မိစ္ဆာ-  
သမာဓိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အသပ္ပုရိသော။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ အသပ္ပုရိသေန အသပ္ပုရိသတရော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ  
ဧကစ္စော မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိကော ဟောတိ။ ပ။ မိစ္ဆာသမာဓိ မိစ္ဆာဉာဏီ မိစ္ဆာဝိမုတ္တိ။  
အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အသပ္ပုရိသေန အသပ္ပုရိသတရော။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သပ္ပုရိသော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဧကစ္စော သမ္မာဒိဋ္ဌိကော  
ဟောတိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သပ္ပုရိသော။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သပ္ပုရိသေန သပ္ပုရိသတရော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဧကစ္စော  
သမ္မာဒိဋ္ဌိကော ဟောတိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ သမ္မာဉာဏီ သမ္မာဝိမုတ္တိ။ အယံ  
ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သပ္ပုရိသေန သပ္ပုရိသတရောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-ဗုဒ္ဓသုတ္တ

၂၇။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ကုမ္ဘော အနာဓာရော သုပ္ပဝတ္တိယော ဟောတိ၊ သာဓာရော ဒုပ္ပဝတ္တိယော ဟောတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ အနာဓာရံ သုပ္ပဝတ္တိယံ ဟောတိ၊ သာဓာရံ ဒုပ္ပဝတ္တိယံ ဟောတိ။ ကော စ ဘိက္ခဝေ စိတ္တဿ အာဓာရော၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ စိတ္တဿ အာဓာရော။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ကုမ္ဘော အနာဓာရော သုပ္ပဝတ္တိယော ဟောတိ၊ သာဓာရော ဒုပ္ပဝတ္တိယော ဟောတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ အနာဓာရံ သုပ္ပဝတ္တိယံ ဟောတိ၊ သာဓာရံ ဒုပ္ပဝတ္တိယံ ဟောတိတိ။ ။သတ္တမံ။

## ၈-သမာဓိသုတ္တ

၂၈။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အရိယံ ဝေါ ဘိက္ခဝေ သမ္မာသမာဓိံ ဒေသေဿာမိ သဥပနိသံ သပရိက္ခာရံ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ အရိယော သမ္မာသမာဓိ သဥပနိသော သပရိက္ခာရော။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသတိ။ ယာ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣမေဟိ သတ္တဟင်္ဂေဟိ စိတ္တဿ ဧကဂ္ဂတာ သပရိက္ခာရတာ။ အယံ ဂုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အရိယော သမ္မာသမာဓိံ “သဥပနိသော” ဣတိပိ “သပရိက္ခာရော” ဣတိပိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

## ၉-ဝေဒနာသုတ္တ

၂၉။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တိဿော ဣမာ ဘိက္ခဝေ ဝေဒနာ။ ကတမာ တိဿော၊ သုခါ ဝေဒနာ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ အဒုက္ခမသုခါ ဝေဒနာ။ ဣမာ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿော ဝေဒနာ။ ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ ဝေဒနာနံ ပရိညာယ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗော။ ကတမော အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ ဝေဒနာနံ ပရိညာယ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။နဝမံ။

## ၁၀-ဥတ္တိယသုတ္တ

၃၀။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ ဥတ္တိယော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ။ပ။ ဧကမန္တံ နိသိန္ဓော ခေါ အာယသ္မာ ဥတ္တိယော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ဣဓ မယံ ဘန္တေ ရဟောဂတဿ ပဋိသလ္လိနဿ ဧဝံ စေတသော

ပရိဝိတက္ကော ဥဒပါဒိ ‘ပဉ္စ ကာမဂုဏာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ၊ ကတမေ န ခေါ ပဉ္စ  
ကာမဂုဏာ ဝုတ္တာ ဘဂဝတာ’တိ”။ သာဓု သာဓု ဥတ္တိယ၊ ပဉ္စမေ ခေါ  
ဥတ္တိယ ကာမဂုဏာ ဝုတ္တာ မယာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ စက္ခုဝိညေယျာ ရူပါ ဣဋ္ဌာ  
ကန္တာ မနာပါ ပိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ ရဇနီယာ။ သောတဝိညေယျာ  
သဒ္ဓါ။ပ။ သာနဝိညေယျာ ဂန္ဓာ။ပ။ ဇိဝှာဝိညေယျာ ရသာ။ပ။ ကာယဝိညေယျာ  
ဇောဋ္ဌဗ္ဗာ ဣဋ္ဌာ ကန္တာ မနာပါ ပိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ ရဇနီယာ။ ဣမေ ခေါ  
ဥတ္တိယ ပဉ္စ ကာမဂုဏာ ဝုတ္တာ မယာ။ ဣမေသံ ခေါ ဥတ္တိယ ပဉ္စန္ဒ ကာမဂုဏာနံ  
ပဟာနာယ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗော။ ကတမော အရိယော  
အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣမေသံ ခေါ  
ဥတ္တိယ ပဉ္စန္ဒ ကာမဂုဏာနံ ပဟာနာယ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ  
ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။ဒသမံ။

မိစ္ဆတ္တဝဂ္ဂေါ တတိယော။

### တဿုဒါနံ

မိစ္ဆတ္တံ အကုသလံ ဓမ္မံ၊ ဒုဝေ ပဋိပဒါပိ စ။  
အသပ္ပုရိသေန ဒွေ ကုမ္ဘော၊ သမာဓိ ဝေဒနတ္တိယေနာတိ။

### ၄-ပဋိပတ္တိဝဂ္ဂ

#### ၁-ပဌမပဋိပတ္တိသုတ္တ

၃၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ မိစ္ဆာပဋိပတ္တိန္တ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ သမ္မာ-  
ပဋိပတ္တိန္တ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ မိစ္ဆာပဋိပတ္တိ၊ သေယျထိဒံ၊  
မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ။ပ။ မိစ္ဆာသမာဓိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ မိစ္ဆာပဋိပတ္တိ။ ကတမာ စ  
ဘိက္ခဝေ သမ္မာပဋိပတ္တိ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ  
ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမ္မာပဋိပတ္တိတိ။ ။ပဌမံ။

#### ၂-ဒုတိယပဋိပတ္တိသုတ္တ

၃၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ မိစ္ဆာပဋိပန္တန္တ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ  
သမ္မာပဋိပန္တန္တ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ မိစ္ဆာပဋိပန္တန္တ၊ ဣဓ  
ဘိက္ခဝေ ဧကေစ္စာ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိကော ဟောတိ။ပ။ မိစ္ဆာသမာဓိ။ အယံ ဝုစ္စတိ



ဘိက္ခဝေ မိစ္ဆာပဋိပန္နော။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သမ္မာပဋိပန္နော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ  
ဧကစ္စော သမ္မာဒိဋ္ဌိကော ဟောတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ ဂုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ  
သမ္မာပဋိပန္နောတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ဝိရဒ္ဓသုတ္တ

၃၃။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ  
ဝိရဒ္ဓေါ၊ ဝိရဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ။  
ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ အာရဒ္ဓေါ၊ အာရဒ္ဓေါ  
တေသံ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ  
အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။  
ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ အယံ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဝိရဒ္ဓေါ၊  
ဝိရဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ။ ယေသံ  
ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ အယံ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ အာရဒ္ဓေါ၊ အာရဒ္ဓေါ  
တေသံ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ပါရဂမသုတ္တ

၃၄။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အဋ္ဌိမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ  
အပါရာ ပါရံ ဂမနာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ အဋ္ဌ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။  
သမ္မာသမာဓိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ  
အပါရာ ပါရံ ဂမနာယ သံဝတ္တန္တိတိ။

ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ၊ ဣဒံ ဝတ္တာန သုဂတော အထာပရံ တေဒဝေါစ  
သတ္တာ—

“အပ္ပကာ တေ မနုဿေသု၊ ယေ ဇနာ ပါရဂါမိနော။  
အထာယံ ဣတရာ ပဇာ၊ တီရမေဝါနုဓာဝတိ။

ယေ စ ခေါ သမ္မဒက္ခာတေ၊ ဓမ္မေ ဓမ္မာနုဝတ္တိနော။  
တေ ဇနာ ပါရမေသန္တိ၊ မစ္စုဓေယျံ သုဒုတ္တရံ။

ကဏှံ ဓမ္မံ ဝိပ္ပဟာယ၊ သုက္ကံ ဘာဝေထ ပဏှိတော။  
ဩကာ အနောကမာဂမ္မ၊ ဝိဝေကေ ယတ္ထ ခူရမံ။

တတြာဘိရတိမိစ္ဆေယျ၊ ဟိတွာ ကာမေ အကိဉ္ဇနော။  
ပရိယောဒပေယျ အတ္တာနံ၊ စိတ္တဏ္ဍေသေဟိ ပဏှိတော။

ယေသံ သမ္မောဓိယဇ်သု၊ သမ္မာ စိတ္တံ သုဘာဝိတံ။  
 အာဒါနပဋိနိဿဂ္ဂေ၊ အနုပါဒါယ ယေ ရတာ။  
 ဒီဏာသဝါ ဇုတိမန္တော၊ တေ လောကေ ပရိနိဗ္ဗုတာ''တိ။  
 စတုတ္ထံ။

### ၅-ပဌမသမညသုတ္တ

၃၅။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ သာမညဉ္စ ဝေါဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ သာမညဖလာနိ စ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သာမညံ၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သာမညံ။ ကတမာနိ စ ဘိက္ခဝေ သာမညဖလာနိ၊ သောတာပတ္တိဖလံ သကဒါဂါမိဖလံ အနာဂါမိဖလံ အရဟတ္တဖလံ။ ဣမာနိ ဝုစ္စန္တိ ဘိက္ခဝေ သာမညဖလာနိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ဒုတိယသမညသုတ္တ

၃၆။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ သာမညဉ္စ ဝေါဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ သာမညတ္ထဉ္စ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမဉ္စ ခေါဘိက္ခဝေ သာမညံ၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သာမညံ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ သာမညတ္ထော၊ ယော ခေါ ဘိက္ခဝေ ရာဂက္ခယော ဒေါသက္ခယော မောဟက္ခယော။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သာမညတ္ထောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ပဌမဗြဟ္မညသုတ္တ

၃၇။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ဗြဟ္မညဉ္စ ဝေါဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ ဗြဟ္မညဖလာနိ စ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမဉ္စ ခေါဘိက္ခဝေ ဗြဟ္မညံ၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဗြဟ္မညံ။ ကတမာနိ စ ဘိက္ခဝေ ဗြဟ္မညဖလာနိ၊ သောတာပတ္တိဖလံ သကဒါဂါမိဖလံ အနာဂါမိဖလံ အရဟတ္တဖလံ။ ဣမာနိ ဝုစ္စန္တိ ဘိက္ခဝေ ဗြဟ္မညဖလာနိတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-ဒုတိယဗြဟ္မညသုတ္တ

၃၈။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ဗြဟ္မညဉ္စ ဝေါဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ ဗြဟ္မညတ္ထဉ္စ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဗြဟ္မညံ၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဗြဟ္မညံ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ မြဟ္မညတ္ထော၊ ယော ခေါ ဘိက္ခဝေ ရာဂက္ခယော  
ဒေါသက္ခယော မောဟက္ခယော။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ မြဟ္မညတ္ထောတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ပဌမမြဟ္မစရိယသုတ္တ

၃၉။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ မြဟ္မစရိယဉ္စ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ မြဟ္မစရိယ-  
ဖလာနိ စ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ မြဟ္မစရိယံ။ အယမေဝ အရိယော  
အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ  
ဘိက္ခဝေ မြဟ္မစရိယံ။ ကတမာနိ စ ဘိက္ခဝေ မြဟ္မစရိယဖလာနိ၊ သောတာ-  
ပတ္တိဖလံ သကဒါဂါမိဖလံ အနာဂါမိဖလံ အရဟတ္တဖလံ။ ဣမာနိ ဝုစ္စန္တိ  
ဘိက္ခဝေ မြဟ္မစရိယဖလာနိတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဒုတိယမြဟ္မစရိယသုတ္တ

၄၀။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ မြဟ္မစရိယဉ္စ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ  
မြဟ္မစရိယတ္ထဉ္စ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ မြဟ္မစရိယံ၊ အယမေဝ  
အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ။  
ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ မြဟ္မစရိယံ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ မြဟ္မစရိယတ္ထော၊  
ယော ခေါ ဘိက္ခဝေ ရာဂက္ခယော ဒေါသက္ခယော မောဟက္ခယော။ အယံ  
ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ မြဟ္မစရိယတ္ထောတိ။ ။ဒသမံ။

ပဋိပတ္တိဝဂ္ဂေါ စတုတ္ထော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ပဋိပတ္တိ ပဋိပန္နော စ၊ ဝိရုဒ္ဓဉ္စ ပါရိဂမာ။  
သာမညေန စ ဒွေ ဝုတ္တာ၊ မြဟ္မညာ အပရေ ဒူဝေ။  
မြဟ္မစရိယေန ဒွေ ဝုတ္တာ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတိတိ။

## ၅-အညတိတ္ထိယပေယျာလဝဂ္ဂ

### ၁-ရာဂဝိရာဂသုတ္တ

၄၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ သစေ ဝေါ ဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ ဧဝံ  
ပုစ္ဆေယျ၊ “ကိမတ္ထိယံ အာဝုသော သမဏေ ဂေါတမေ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။

ဧဝံ ပုဋ္ဌာ တုမေ ဘိက္ခဝေ တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဧဝံ ဗျာကရေယျာယ “ရာဂဝိရာဂတ္ထံ ခေါ အာရသော ဘဂဝတိ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ သစေ ပန ဝေါဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ ဧဝံ ပုဋ္ဌေယျံ “အတ္ထိ ပနာရသော မဂ္ဂေါ အတ္ထိ ပဋိပဒါ ရာဂဝိရာဂါယာ”တိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ တုမေ ဘိက္ခဝေ တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဧဝံ ဗျာကရေယျာယ “အတ္ထိ ခေါ အာရသော မဂ္ဂေါ အတ္ထိ ပဋိပဒါ ရာဂဝိရာဂါယာ”တိ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ ကတမာ စ ပဋိပဒါ ရာဂဝိရာဂါယ။ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိပ။ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ အယံ ပဋိပဒါ ရာဂဝိရာဂါယာတိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ တုမေ ဘိက္ခဝေ တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဧဝံ ဗျာကရေယျာထာတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-၇-သံယောဇနပ္ပဟာနာဒိသုတ္တနတ္ထ

၄၂-၄၇။ သစေ ဝေါဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ ဧဝံ ပုဋ္ဌေယျံ “ကိမတ္ထိယံ အာရသော သမဏေ ဂေါတမေ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ တုမေ ဘိက္ခဝေ တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဧဝံ ဗျာကရေယျာယ “သံယောဇနပ္ပဟာနတ္ထံ ခေါ အာရသော ဘဂဝတိ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ ပ။ “အနုသယသမုပ္ပါတနတ္ထံ ခေါ အာရသော ဘဂဝတိ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ ပ။ “အဒ္ဓါနပရိညတ္ထံ ခေါ အာရသော ဘဂဝတိ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ ပ။ “အာသဝါနံ ခယတ္ထံ ခေါ အာရသော ဘဂဝတိ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ ပ။ “ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသန္တိကိရိယတ္ထံ ခေါ အာရသော ဘဂဝတိ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ ပ။ “ဉာဏဒဿနတ္ထံ ခေါ အာရသော ဘဂဝတိ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ ပ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနသုတ္တ

၄၈။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ သစေ ဝေါဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ ဧဝံ ပုဋ္ဌေယျံ “ကိမတ္ထိယံ အာရသော သမဏေ ဂေါတမေ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ တုမေ ဘိက္ခဝေ တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဧဝံ ဗျာကရေယျာယ “အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနတ္ထံ ခေါ အာရသော ဘဂဝတိ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ သစေ ပန ဝေါဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ ဧဝံ ပုဋ္ဌေယျံ “အတ္ထိ ပနာရသော မဂ္ဂေါ အတ္ထိ ပဋိပဒါ အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနာယာ”တိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ တုမေ ဘိက္ခဝေ တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဧဝံ

ဗျာကရေယျာထ “အတ္ထိ ခေါ အာဝုသော မဂ္ဂေါ အတ္ထိ ပဋိပဒါ အနုပါဒါ-  
ပရိနိဗ္ဗာနာယာ”တိ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ ကတမာ စ ပဋိပဒါ  
အနုပါဒါပရိနိဗ္ဗာနာယာ၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊  
သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ အယံ ပဋိပဒါ အနုပါဒါ-  
ပရိနိဗ္ဗာနာယာတိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ တုမှ ဘိက္ခဝေ တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ  
ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဧဝံ ဗျာကရေယျာထာတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

အညတိတ္ထိယပေယျာလံ။

### တသုဒ္ဓါနံ

ဝိရာဂသံယောဇနံ အနုသယံ၊ အဋ္ဌါနံ အာသဝါ ခယာ။  
ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဉာဏဉ္စ၊ အနုပါဒါယ အဋ္ဌမီ။

## ၆-သုရိယပေယျာလဝဂ္ဂ

### ၁-ကလျာဏမိတ္တသုတ္တ

၄၉။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ သုရိယဿ ဘိက္ခဝေ ဥဒယတော ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ  
ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ အရဏှင်္ဂံ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အရိယဿ  
အဋ္ဌဂီကဿ မဂ္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ ကလျာဏ-  
မိတ္တတာ။ ကလျာဏမိတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကင်္ခံ အရိယံ  
အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိသတိ။  
ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊  
အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ  
ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ပ။  
သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ  
ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော အရိယံ  
အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။ပဋ္ဌမံ။

## ၂-၆-သီလသမ္ပဒါဒိသုတ္တပဉ္စက

၅၀-၅၄။ သုရိယဿ ဘိက္ခဝေ ဥဒယတော ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ  
အရဏှင်္ဂံ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အရိယဿ အဋ္ဌဂီကဿ မဂ္ဂဿ

ဥပ္ပါဒါယ ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ သီလသမ္ပဒါ။ သီလသမ္ပန္နဿေတံ  
ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကဉ်။ ပ။ ယဒိဒံ ဆန္ဒသမ္ပဒါ။ ပ။ ယဒိဒံ အတ္တသမ္ပဒါ။ ပ။  
ယဒိဒံ ဝိဋ္ဌိသမ္ပဒါ။ ပ။ ယဒိဒံ အပ္ပမာဒသမ္ပဒါ။ ပ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါသုတ္တ

၅၅။ သူရိယဿ ဘိက္ခဝေ ဥဒယတော ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ  
အရုဏဂ္ဂံ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အရိယဿ အဋ္ဌင်္ဂိကဿ မဂ္ဂဿ  
ဥပ္ပါဒါယ ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါ။  
ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကဉ် အရိယံ  
အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိယတိ။  
ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ  
မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ  
ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂ-  
နိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ  
အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၁-ကလျာဏမိတ္တသုတ္တ

၅၆။ သူရိယဿ ဘိက္ခဝေ ဥဒယတော ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ  
အရုဏဂ္ဂံ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အရိယဿ အဋ္ဌင်္ဂိကဿ မဂ္ဂဿ  
ဥပ္ပါဒါယ ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ။  
ကလျာဏမိတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကဉ် အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ  
ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိယတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ  
မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယ-  
ပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ပ။  
သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ  
မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော  
အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။  
ပဌမံ။

## ၂-၆-သီလသမ္ပဒါဒိသုတ္တပစ္ဆက

၅၇-၆၁။ သူရိယဿ ဘိက္ခဝေ ဥဒယတော ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊  
ယဒိဒံ အရုဏဂ္ဂံ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အရိယဿ အဋ္ဌကိကဿ  
မဂ္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ သီလသမ္ပဒါ။ပ။  
ယဒိဒံ ဆန္ဒသမ္ပဒါ။ပ။ ယဒိဒံ အတ္တသမ္ပဒါ။ပ။ ယဒိဒံ ဝိဋ္ဌိသမ္ပဒါ။ပ။ ယဒိဒံ  
အပ္ပမာဒသမ္ပဒါ။ပ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါသုတ္တ

၆၂။ ယဒိဒံ ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါ။ ယောနိသောမနသိကာရ-  
သမ္ပန္နဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကဉ္စံ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ  
ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိယတိ။ ကထဉ္စ  
ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ  
ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ  
မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိ-  
ယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ  
ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ  
မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။သတ္တမံ။

သူရိယပေယျာလံ။

## တသျဒါနံ

ကလျာဏမိတ္တံ သီလဉ္စ၊ ဆန္ဒော စ အတ္တသမ္ပဒါ။  
ဝိဋ္ဌိ စ အပ္ပမာဒေါ စ၊ ယောနိသော ဘာဝတိ သတ္တမံ။

## ၇-ကေဓမ္မပေယျာလဝဂ္ဂ

## ၁-ကလျာဏမိတ္တသုတ္တ

၆၃။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ကေဓမ္မော ဘိက္ခဝေ ဗဟူပကာရော အရိယဿ  
အဋ္ဌကိကဿ မဂ္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ။ ကတမော ကေဓမ္မော၊ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ။

ကလျာဏမိတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိဿတိ။ ကထန္တ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေသတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂ-ပရိဏာမိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေသတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-၆-သီလသမ္ပဒါဒိသုတ္တပဉ္စက

၆၄-၆၈။ ဧကဓမ္မော ဘိက္ခဝေ ဗဟူပကာရော အရိယဿ အဋ္ဌဂီကဿ မဂ္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ။ ကတမော ဧကဓမ္မော၊ ယဒိဒံ သီလသမ္ပဒါ။ပ။ ယဒိဒံ ဆန္ဒသမ္ပဒါ။ပ။ ယဒိဒံ အတ္တသမ္ပဒါ။ပ။ ယဒိဒံ ဒိဋ္ဌိသမ္ပဒါ။ပ။ ယဒိဒံ အပ္ပမာဒသမ္ပဒါ။ပ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါသုတ္တ

၆၉။ ယဒိဒံ ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါ။ ယောနိသောမနသိကာရ-သမ္ပန္နဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိဿတိ။ ကထန္တ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေသတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေသတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသော-မနသိကာရသမ္ပန္နော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၁-ကလျာဏမိတ္တသုတ္တ

၇၀။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ဧကဓမ္မော ဘိက္ခဝေ ဗဟူပကာရော အရိယဿ အဋ္ဌဂီကဿ မဂ္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ။ ကတမော ဧကဓမ္မော၊ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ။



ကလျာဏမိတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိဿတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-၆-သီလသမ္ပဒါဒိသုတ္တပဉ္စက

၇၁-၇၅။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ဧကဓမ္မော ဘိက္ခဝေ ဗဟူပကာရော အရိယဿ အဋ္ဌဂီကဿ မဂ္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ။ ကတမော ဧကဓမ္မော၊ ယဒိဒံ သီလသမ္ပဒါ။ပ။ ယဒိဒံ ဆန္ဒသမ္ပဒါ။ပ။ ယဒိဒံ အတ္တသမ္ပဒါ။ပ။ ယဒိဒံ ဒိဋ္ဌိသမ္ပဒါ။ပ။ ယဒိဒံ အပ္ပမာဒသမ္ပဒါ။ပ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါသုတ္တ

၇၆။ ယဒိဒံ ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါ။ ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိဿတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။သတ္တမံ။

ဧကဓမ္မပေယျာလံ။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ကလျာဏမိတ္တံ သီလဉ္စ၊ ဆန္ဒော စ အတ္တသမ္ပဒါ။

ဒိဋ္ဌိ စ အပ္ပမာဒေါ စ၊ ယောနိသော ဘဝတိ သတ္တမံ။

## ဂ-ခုတိယဧကဓမ္မပေယျာလဝဂ္ဂ

## ၁-ကလျာဏမိတ္တသုတ္တ

၇၇။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ နာဟံ ဘိက္ခဝေ အညံ ဧကဓမ္မမ္ပိ သမနုပဿာမိ၊  
 ယေန အနုပ္ပန္နော ဝါ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော ဝါ  
 အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဘာဝနာပါရိပုရိ ဂစ္ဆတိ၊ ယထာယိဒံ ဘိက္ခဝေ  
 ကလျာဏမိတ္တတာ။ ကလျာဏမိတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကန္တံ  
 အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီ-  
 ကရိဿတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ  
 မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီကရေတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
 သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေက-  
 နိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
 ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ  
 ဗဟုလီကရေတိတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-၆-သီလသမ္ပဒါဒိသုတ္တပဉ္စက

၇၈-၈၂။ နာဟံ ဘိက္ခဝေ အညံ ဧကဓမ္မမ္ပိ သမနုပဿာမိ၊ ယေန အနုပ္ပန္နော  
 ဝါ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော ဝါ အရိယော အဋ္ဌဂီကော  
 မဂ္ဂေါ ဘာဝနာပါရိပုရိ ဂစ္ဆတိ၊ ယထာယိဒံ ဘိက္ခဝေ သီလသမ္ပဒါ။ ပ။  
 ယထာယိဒံ ဘိက္ခဝေ ဆန္ဒသမ္ပဒါ။ ပ။ ယထာယိဒံ ဘိက္ခဝေ အတ္တသမ္ပဒါ။ ပ။  
 ယထာယိဒံ ဘိက္ခဝေ ဒိဋ္ဌိသမ္ပဒါ။ ပ။ ယထာယိဒံ ဘိက္ခဝေ အပ္ပမာဒသမ္ပဒါ။ ပ။  
 ဆဋ္ဌံ။

## ၇-ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါသုတ္တ

၈၃။ ယထာယိဒံ ဘိက္ခဝေ ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါ။ ယောနိသော-  
 မနသိကာရသမ္ပန္နဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကန္တံ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ  
 မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီကရိဿတိ။ ကထဉ္စ  
 ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ  
 ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီကရေတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
 သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေက-  
 နိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ

ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊  
အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၁-ကလျာဏမိတ္တသုတ္တ

၈၄။ နာဟံ ဘိက္ခဝေ အညံ ဧကဓမ္မမ္ပိ သမနုပဿာမိ၊ ယေန အနုပ္ပန္နော ဝါ  
အရိယော အဋ္ဌကိကော မဂ္ဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော ဝါ အရိယော အဋ္ဌကိကော  
မဂ္ဂေါ ဘာဝနာပါရိပူရိ ဂစ္ဆတိ၊ ယထာယိဒံ ဘိက္ခဝေ ကလျာဏမိတ္တတာ။  
ကလျာဏမိတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ  
ဘာဝေဿတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိဿတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ  
မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယ-  
ပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ပ။  
သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ  
မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော အရိယံ  
အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-၆-သီလသမ္ပဒါဒိသုတ္တပဉ္စက

၈၅-၈၉။ နာဟံ ဘိက္ခဝေ အညံ ဧကဓမ္မမ္ပိ သမနုပဿာမိ၊ ယေန အနုပ္ပန္နော  
ဝါ အရိယော အဋ္ဌကိကော မဂ္ဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော ဝါ အရိယော အဋ္ဌကိကော  
မဂ္ဂေါ ဘာဝနာပါရိပူရိ ဂစ္ဆတိ။ ယထာယိဒံ ဘိက္ခဝေ သီလသမ္ပဒါ။ပ။ ယထာယိဒံ  
ဘိက္ခဝေ ဆန္ဒသမ္ပဒါ။ပ။ ယထာယိဒံ ဘိက္ခဝေ အတ္တသမ္ပဒါ။ပ။ ယထာယိဒံ  
ဘိက္ခဝေ ဒိဋ္ဌိသမ္ပဒါ။ပ။ ယထာယိဒံ ဘိက္ခဝေ အပ္ပမာဒသမ္ပဒါ။ပ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါသုတ္တ

၉၀။ ယထာယိဒံ ဘိက္ခဝေ ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါ။ ယောနိသော-  
မနသိကာရသမ္ပန္နဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ  
မဂ္ဂံ ဘာဝေဿတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိဿတိ။ ကထဉ္စ  
ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ  
ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ  
မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယ-  
ပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ

ခေါ် ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခု၊ ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ  
ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီကရေတိတိ။ ။သတ္တမံ။

ဧကဓမ္မပေယျာလံ။

### တသျဒ္ဓါနံ

ကလျာဏမိတ္တံ သီလဉ္စ၊ ဆန္ဒော စ အတ္တသမ္ပဒါ။  
ဒိဋ္ဌိ စ အပ္ပမာဒေါ စ၊ ယောနိသော ဘဝတိ သတ္တမံ။

### ၁-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

#### ၁-ပဌမပါဠိနနိန္ဒသုတ္တ

၉၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခုဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါဠိနနိန္ဒာ ပါဠိန-  
ပေါဏာ ပါဠိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ  
ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီကရေန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ  
နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ  
မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီကရေန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော  
ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ဣဓ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခု၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ  
ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိ-  
ဏာမိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓ-  
နိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ  
ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီကရေန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ  
နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာတိ။ ။ပဌမံ။

#### ၂-၅-ဒုတိယာဒိပါဠိနနိန္ဒသုတ္တံတုတ္တ

၉၂-၉၅။ သေယျထာပိ ဘိက္ခုဝေ ယမုနာ နဒီ ပါဠိနနိန္ဒာ ပါဠိနပေါဏာ  
ပါဠိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခုဝေ။ ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခုဝေ  
အစိရဝတိ နဒီ ပါဠိနနိန္ဒာ ပါဠိနပေါဏာ ပါဠိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ  
ဘိက္ခုဝေ။ ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခုဝေ သရဘူ နဒီ ပါဠိနနိန္ဒာ ပါဠိနပေါဏာ  
ပါဠိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခုဝေ။ ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခုဝေ မဟိ နဒီ  
ပါဠိနနိန္ဒာ ပါဠိနပေါဏာ ပါဠိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခုဝေ။ ပ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ဆဋ္ဌပါနိနိန္ဒသုတ္တ

၉၆။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာ ကာစိမာ မဟာနဒိယော၊ သေယျထိဒံ။  
ဂင်္ဂါ ယမုနာ အစိရဝတီ သရဘူ မဟိ၊ သဗ္ဗာ တာ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ  
ပါစိနပပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော  
အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော  
နိဗ္ဗာနပပတ္တာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော  
အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ  
နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပပတ္တာရာ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ  
ဝိဝေကနိဿိတံ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ  
နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ  
မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော  
ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပပတ္တာရာတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၁-ပဌမသမုဒ္ဒနိန္ဒသုတ္တ

၉၇။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒ-  
ပပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော  
အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ  
နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပပတ္တာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ  
ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ  
နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပပတ္တာရာ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ  
ဝိဝေကနိဿိတံ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ  
နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ  
မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော  
ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပပတ္တာရာတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-၆-ဒုတိယာဒိသမုဒ္ဒနိန္ဒသုတ္တပဉ္စက

၉၈-၁၀၂။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယမုနာ နဒီ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ  
သမုဒ္ဒပပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ  
အစိရဝတီ နဒီ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု။ ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သရဘူ နဒီ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ  
သမုဒ္ဒပပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ

မဟီ နဒီ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပဗ္ဗာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာ ကာစိမာ မဟာနဒီယော၊ သေယျထိဒံ၊ ဂင်္ဂါ ယမုနာ အစိရဝတိ သရဘူ မဟီ၊ သဗ္ဗာ တာ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပဗ္ဗာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂိုကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂိုကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂိုကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂိုကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂိုကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂိုကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာတိ။ ။ ဆဋ္ဌံ။

ဂင်္ဂါပေယျာလံ။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဆ ပါစိနတော နိန္ဒာ၊ ဆ နိန္ဒာ စ သမုဒ္ဒတော။  
ဧတေ ခွေ ဆ ဒွါဒသ ဟောန္တိ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတိတိ။  
ဂင်္ဂါပေယျာလီ ပါစိနနိန္ဒဝါစနမဂ္ဂိ၊ ဝိဝေကနိဿိတံ ဒွါဒသကီ ပဌမကီ။

## ၂-ဒုတိယဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

### ၁-ပဌမပါစိနနိန္ဒသုတ္တ

၁၀၃။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဗ္ဗာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂိုကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂိုကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂိုကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂိုကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ

ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရေတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-၆-ဒုတိယာဒိပါစိနနိန္ဒသုတ္တပဉ္စက

၁၀၄-၁၀၈။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယမုနာ နဒိ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဗ္ဗာရ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ အစိရဝတိ နဒိ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဗ္ဗာရ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သရဘူ နဒိ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဗ္ဗာရ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာ ကာစိမာ မဟာနဒိယော။ သေယျထိဒံ၊ ဂင်္ဂါ ယမုနာ အစိရဝတိ သရဘူ မဟိ၊ သဗ္ဗာ တာ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဗ္ဗာရ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ပဌမသမုဒ္ဒနိန္ဒသုတ္တ

၁၀၉။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒိ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပဗ္ဗာရ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရေ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရေ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရေတိ။ ။ပဌမံ။

### ဂ-၁၂-ဒုတိယာဒိသမုဒ္ဒနိန္ဒသုတ္တ

၁၁၀-၁၁၄။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယမုနာ နဒိ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပဗ္ဗာရ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ

အစိရဝတိ နဒီ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သရဘူ နဒီ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မဟိ နဒီ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာ ကာစိမာ မဟာနဒီယော။ သေယျထိဒံ၊ ဂင်္ဂါ ယမုနာ အစိရဝတိ သရဘူ မဟိ၊ သဗ္ဗာ တာ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

(ရာဂဝိနယဌါဒသကီ ဒုတိယကီ သမုဒ္ဒနိန္ဒန္တိ။)

### ၁.၃-ပဌမပါဠိနနိန္ဒသုတ္တ

၁၁၅။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါဠိနနိန္ဒာ ပါဠိနပေါဏာ ပါဠိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ အမတောဂဓံ အမတပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ အမတောဂဓံ အမတပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာတိ။ ။ပဌမံ။



၁၄-၁၈-ဒုတိယာဒိပါစိနနိန္ဒသုတ္တ

၁၁၆-၁၂၀။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယမုနာ နဒိ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ အစိရဝတိ နဒိ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သရဘူ နဒိ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မဟိ နဒိ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာ ကာစိမာ မဟာနဒိယော။ သေယျထိဒံ၊ ဂင်္ဂါယမုနာ အစိရဝတိ သရဘူ မဟိ၊ သဗ္ဗာ တာ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ ။ဆဋ္ဌံ။

၁၉-ပဌမသမုဒ္ဒနိန္ဒသုတ္တ

၁၂၁။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒိ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒ-  
ပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော  
အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော  
နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော  
အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော  
နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ အမတောဂဓံ  
အမတပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ  
အမတောဂဓံ အမတပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော  
နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာတိ။ ။ပဌမံ။

၂၀-၂၄-ဒုတိယာဒိသမုဒ္ဒနိန္ဒသုတ္တ

၁၂၂-၁၂၆။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယမုနာ နဒိ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ  
သမုဒ္ဒပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ  
အစိရဝတိ နဒိ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သရဘူ နဒိ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ  
သမုဒ္ဒပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ  
မဟိ နဒိ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာ ကာစိမာ မဟာနဒိယော။ သေယျထိဒံ၊

ဂင်္ဂါ ယမုနာ အစိရဝတီ သရဘူ မဟိ၊ သဗ္ဗာ တာ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပဗ္ဗာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ အမတောဂဓံ အမတပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ အမတောဂဓံ အမတပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

(အမတောဂဒ္ဓေါဒသကီ တတိယကီ။)

### ၂၅-ပဌမပါဏိနနိန္ဒသုတ္တ

၁၂၇။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါဏိနနိန္ဒာ ပါဏိနပေါဏာ ပါဏိနပဗ္ဗာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိန္ဒံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရံ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိန္ဒံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂၆-၃၀-၃တိယာဒိပါဏိနနိန္ဒသုတ္တ

၁၂၈-၁၃၂။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယမုနာ နဒီ ပါဏိနနိန္ဒာ ပါဏိနပေါဏာ ပါဏိနပဗ္ဗာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ အစိရဝတီ နဒီ ပါဏိနနိန္ဒာ ပါဏိနပေါဏာ ပါဏိနပဗ္ဗာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သရဘူ နဒီ ပါဏိနနိန္ဒာ ပါဏိနပေါဏာ ပါဏိနပဗ္ဗာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မဟိ နဒီ ပါဏိနနိန္ဒာ

ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာ ကာစိမာ မဟာနဒိယော။ သေယျထိဒံ၊ ဂင်္ဂါ ယမုနာ အစိရဝတီ သရဘူ မဟိ၊ သဗ္ဗာ တာ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိန္ဒံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပတ္တာရံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိန္ဒံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပတ္တာရံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၃၁-ပဌမသမုဒ္ဒနိန္ဒသုတ္တ

၁၃၃။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိန္ဒံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပတ္တာရံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိန္ဒံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပတ္တာရံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာတိ။ ။ပဌမံ။

### ၃၂-၃၆-ဒုတိယာဒိသမုဒ္ဒနိန္ဒသုတ္တ

၁၃၄-၁၃၈။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယမုနာ နဒီ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ အစိရဝတီ နဒီ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သရဘူ နဒီ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မဟိ နဒီ

သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပဗ္ဗာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ပ။  
 သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာ ကာစိမာ မဟာနဒိယော။ သေယျထိဒံ၊ ဂင်္ဂါယမုနာ  
 အစိရဝတိ သရဘူ မဟိ၊ သဗ္ဗာ တာ သမုဒ္ဒနိန္ဒာ သမုဒ္ဒပေါဏာ သမုဒ္ဒပဗ္ဗာရာ။  
 ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ  
 မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ။  
 ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ  
 မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာန-  
 ပဗ္ဗာရာ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိန္ဒံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ  
 နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိန္ဒံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ  
 နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော  
 အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ  
 နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

(ဂင်္ဂါပေယျာလီ။)

### တသုဒ္ဓါနံ

ဆ ပါစိနတော နိန္ဒာ၊ ဆ နိန္ဒာ စ သမုဒ္ဒတော။  
 ဧတေ ဌေ ဆ ဒွါဒသ ဟောန္တိ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတိတိ။  
 နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဒွါဒသကိ၊ စတုတ္ထကိ ဆဋ္ဌာ နဝကိ။

## ၅-အပ္ပမာဒပေယျာလဝဂ္ဂ

### ၁-တထာဂတသုတ္တ

၁၃၉။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ယာဝတာ ဘိက္ခဝေ သတ္တာ အပဒါ ဝါ ဒွိပဒါ<sup>၁</sup> ဝါ  
 စတုပ္ပဒါ ဝါ ဗဟုပ္ပဒါ<sup>၂</sup> ဝါ ရူပိနော ဝါ အရူပိနော ဝါ သညိနော ဝါ  
 အသညိနော ဝါ နေဝသညိနာသညိနော ဝါ၊ တထာဂတော တေသံ  
 အဂ္ဂမက္ခာယတိ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ  
 ကုသလာ ဓမ္မာ သဗ္ဗေ တေ အပ္ပမာဒမူလကာ အပ္ပမာဒသမောသရဏာ၊  
 အပ္ပမာဒေါ တေသံ ဓမ္မာနံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ အပ္ပမတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ  
 ဘိက္ခုနော ပါဠိကဇံ<sup>၃</sup> အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ

မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိဿတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။

ယာဝတာ ဘိက္ခဝေ သတ္တာ အပဒါ ဝါ ဒွိပဒါ ဝါ စတုပ္ပဒါ ဝါ ဗဟုပ္ပဒါ ဝါ ရူပိနော ဝါ အရူပိနော ဝါ သညိနော ဝါ အသညိနော ဝါ နေဝသညိနာသညိနော ဝါ၊ တထာဂတော တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ကုသလာ ဓမ္မာ သဗ္ဗေ တေ အပ္ပမာဒမူလကာ အပ္ပမာဒသမောသရဏာ၊ အပ္ပမာဒေါ တေသံ ဓမ္မာနံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ အပ္ပမတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေဿတိ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိဿတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ၊ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။

ယာဝတာ ဘိက္ခဝေ သတ္တာ အပဒါ ဝါ ဒွိပဒါ ဝါ စတုပ္ပဒါ ဝါ ဗဟုပ္ပဒါ ဝါ ရူပိနော ဝါ အရူပိနော ဝါ သညိနော ဝါ အသညိနော ဝါ နေဝသညိနာသညိနော ဝါ၊ တထာဂတော တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ကုသလာ ဓမ္မာ သဗ္ဗေ တေ အပ္ပမာဒမူလကာ အပ္ပမာဒသမောသရဏာ၊ အပ္ပမာဒေါ တေသံ ဓမ္မာနံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ အပ္ပမတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေဿတိ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိဿတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ အမတောဂဓိ အမတပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ အမတောဂဓိ အမတပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ

ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။

ယာဝတာ ဘိက္ခဝေ သတ္တာ အပဒါ ဝါ ဒွိပဒါ ဝါ စတုပ္ပဒါ ဝါ ဗဟုပ္ပဒါ ဝါ ရူပိနော ဝါ အရူပိနော ဝါ သညိနော ဝါ အသညိနော ဝါ နေဝသညိနာသညိနော ဝါ။ တထာဂတော တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ကုသလာ ဓမ္မာ သဗ္ဗေ တေ အပ္ပမာဒမူလကာ အပ္ပမာဒသမောသရဏာ၊ အပ္ပမာဒေါ တေသံ ဓမ္မာနံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ အပ္ပမတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိဿတိ။ ကထန္တ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိဇ္ဈံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပဏ္ဍာရံ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိဇ္ဈံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပဏ္ဍာရံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ပဒေသုတ္တ

၁၄၀။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာနိ ကာနိစိ ဇင်္ဂလာနံ ပါဏာနံ ပဒဇာတာနိ သဗ္ဗာနိ တာနိ ဟတ္ထိပဒေ သမောဓာနံ ဂစ္ဆန္တိ။ ဟတ္ထိပဒံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ မဟန္တတ္တေန။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ကုသလာ ဓမ္မာ သဗ္ဗေ တေ အပ္ပမာဒမူလကာ အပ္ပမာဒသမောသရဏာ၊ အပ္ပမာဒေါ တေသံ ဓမ္မာနံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ အပ္ပမတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေသတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိဿတိ။ ကထန္တ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-၇-ကုဋာဒိသုတ္တ

၁၄၁-၁၄၅။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ကုဋာဂါရဿ ယာ ကာစိ ဂေါပါနသိယော သဗ္ဗာ တာ ကုဋင်္ဂမာ ကုဋနိဇ္ဈာ ကုဋသမောသရဏာ၊ ကုဋံ တာသံ

အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ။ (ယထာ ဟေဋ္ဌိမသုတ္တန္တံ၊ ဧဝံ ဝိတ္ထာရေ-  
တဗ္ဗံ။) သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ မူလဂန္ဓာ၊ ကာဠာနုသာရိယံ တေသံ  
အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ  
သာရဂန္ဓာ၊ လောဟိတစန္ဒနံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ပုပ္ဖဂန္ဓာ၊ ဝဿိကံ တေသံ  
အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ  
ကုဠရာဇာနော သဗ္ဗေ တေ ရညော စက္ကဝတ္တိဿ အနုယန္တာ ဘဝန္တိ၊ ရာဇာ  
တေသံ စက္ကဝတ္တိ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-၁၀-စန္ဒိမာဒိသုတ္တ

၁၄၆-၁၄၈။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာ ကာစိ တာရကရူပါနံ ပဘာ၊  
သဗ္ဗာ တာ စန္ဒိမပ္ပဘာယ<sup>၁</sup> ကလံ နာဂ္ဂန္တိ သောဠသိ<sup>၂</sup>၊ စန္ဒပ္ပဘာ တာသံ  
အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သရဒ-  
သမယေ ဝိဒ္ဓေ ဝိဂတဝလာဟကေ ဒေဝေ အာဒိစ္စော နဘံ အဗ္ဘုဿက္ကမာနော  
သဗ္ဗံ အာကာသဂတံ တမဂတံ အဘိဝိဟစ္စ ဘာသတေ စ တပတေ စ ဝိရောစတိ  
စ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ။ပ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာနိ ကာနိစိ  
တန္တာဝုတာနံ ဝတ္ထာနံ၊ ကာသိကဝတ္တိ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ကုသလာ ဓမ္မာ သဗ္ဗေ တေ အပ္ပမာဒမူလကာ  
အပ္ပမာဒသမောသရဏာ၊ အပ္ပမာဒေါ တေသံ ဓမ္မာနံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။  
အပ္ပမတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဂ္ဂိကံ<sup>၃</sup> အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ  
ဘာဝေသတိ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရိဿတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ  
ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိ<sup>၄</sup> ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ  
ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ<sup>၅</sup>။ပ။ သမ္မာသမာဓိ<sup>၆</sup> ဘာဝေတိ  
ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ  
မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။ဒသမံ။

(ယဒပိ တထာဂတံ၊ တဒပိ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗံ။)

အပ္ပမာဒဝဂ္ဂေါ ပဉ္စမော။

## တသျဒ္ဓါနံ

တထာဂတံ ပဒံ ကုဋံ၊ မူလံ သာဓော စ ဝဿိကံ။  
ရာဇာ စန္ဒိမသုရိယာ စ၊ ဝတ္ထေန ဒသမံ ပဒံ။

## ၆-ဗလကရဏီယဝဂ္ဂ

## ၁-ဗလသုတ္တ

၁၄၉။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ဗလကရဏီယာ ကမ္မန္တာ ကရိယန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ပထဝီ နိဿာယ ပထဝီယံ ပတိဋ္ဌာယ ဧဝမေတေ ဗလကရဏီယာ ကမ္မန္တာ ကရိယန္တိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။

(ပရဂင်္ဂါပေယျာလိဝဏ္ဏိယတော ပရိပုဏ္ဏသုတ္တန္တိ ဝိတ္ထာရမဂ္ဂိ။)

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ဗလကရဏီယာ ကမ္မန္တာ ကရိယန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ပထဝီ နိဿာယ ပထဝီယံ ပတိဋ္ဌာယ ဧဝမေတေ ဗလကရဏီယာ ကမ္မန္တာ ကရိယန္တိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။



သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ဗလကရဏီယာ ကမ္မန္တာ ကရိယန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ပထဝီ နိဿာယ ပထဝီယံ ပတိဋ္ဌာယ ဧဝမေတေ ဗလကရဏီယာ ကမ္မန္တာ ကရိယန္တိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ အမတောဂဓံ အမတပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ အမတောဂဓံ အမတပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ဗလကရဏီယာ ကမ္မန္တာ ကရိယန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ပထဝီ နိဿာယ ပထဝီယံ ပတိဋ္ဌာယ ဧဝမေတေ ဗလကရဏီယာ ကမ္မန္တာ ကရိယန္တိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိဇ္ဈံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပတ္တာရံ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိဇ္ဈံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပတ္တာရံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။ ပဌမံ။

## ၂-ဗိဇေသုတ္တ

၁၅၀။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိမေ ဗိဇဂါမဘူတဂါမာ ဝုဗ္ဗိံ ဝိရုဋ္ဌိံ ဝေပုလ္လံ အာပဇ္ဇန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ပထဝီ နိဿာယ ပထဝီယံ ပတိဋ္ဌာယ ဧဝမေတေ ဗိဇဂါမဘူတဂါမာ ဝုဗ္ဗိံ ဝိရုဋ္ဌိံ ဝေပုလ္လံ အာပဇ္ဇန္တိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေန္တော ဝုဗ္ဗိံ ဝိရုဋ္ဌိံ ဝေပုလ္လံ ပါပုဏာတိ ဓမ္မေသု။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေန္တော

ဝုဗ္ဗိ ဝိရုဗ္ဗိ ဝေပုလ္လံ ပါပုဏာတိ ဓမ္မေသု၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ဝုဗ္ဗိ ဝိရုဗ္ဗိ ဝေပုလ္လံ ပါပုဏာတိ ဓမ္မေသုတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-နာဝသုတ္တ

၁၅၁။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဟိမဝန္တံ ပဗ္ဗတရာဇံ နိဿာယ နာဂါကာယံ ဝဇေန္တိ၊ ဗလံ ဂါဟေန္တိ။ တေ တတ္ထ ကာယံ ဝဇေတွာ ဗလံ ဂါဟေတွာ ကုသောဓမ္မေ ဩတရန္တိ၊ ကုသောဓမ္မေ ဩတရိတွာ မဟာသောဓမ္မေ ဩတရန္တိ၊ မဟာသောဓမ္မေ ဩတရိတွာ ကုန္ဒဒိယော ဩတရန္တိ၊ ကုန္ဒဒိယော ဩတရိတွာ မဟာနဒိယော ဩတရန္တိ၊ မဟာနဒိယော ဩတရိတွာ မဟာသမုဒ္ဒံ ဩတရန္တိ။ တေ တတ္ထ မဟန္တတ္ထံ ဝေပုလ္လတ္ထံ အာပဇ္ဇန္တိ ကာယေန။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော မဟန္တတ္ထံ ဝေပုလ္လတ္ထံ ပါပုဏာတိ ဓမ္မေသု။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော မဟန္တတ္ထံ ဝေပုလ္လတ္ထံ ပါပုဏာတိ ဓမ္မေသု၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော မဟန္တတ္ထံ ဝေပုလ္လတ္ထံ ပါပုဏာတိ ဓမ္မေသုတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ဗုဒ္ဓသုတ္တ

၁၅၂။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ရုက္ခော ပါစိနနိန္ဒော ပါစိနပေါဏော ပါစိနပဗ္ဗာရော၊ သော မူလန္တိန္ဒော၊ ကတမေန ပပတေယျာတိ။ ယေန ဘန္တေနိန္ဒော ယေန ပေါဏော ယေန ပဗ္ဗာရေတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော

၁-ကုသုဓမ္မေ (သီ၊ သျှာ)၊ ကုသုဓမ္မေ (ဣ၊ က) ၂-မဟာသမုဒ္ဒသာဂရံ (သဗ္ဗတ္ထ) သံ-၁-၂၆၉-ဝိဇ္ဇေဝိ။

၃-မူလန္တိန္ဒေ ကတေ (သျှာ)

နိဗ္ဗာနနိဇ္ဇော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရော။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိဇ္ဇော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရော။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေက-  
နိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိဇ္ဇော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရေတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ဗုဒ္ဓသုတ္တ

၁၅၃။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ကုမ္ဘော နိက္ကုဇ္ဇော ဝမတေဝ ဥဒကံ နော ပစ္စာဝမတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ဝမတေဝ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ နော ပစ္စာဝမတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ဝမတေဝ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ နော ပစ္စာဝမတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌင်္ဂိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ဝမတေဝ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ နော ပစ္စာဝမတိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-သုကသုတ္တ

၁၅၄။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သာလိသုကံ ဝါ ယဝသုကံ ဝါ သမ္မာပဏိဟိတံ ဟတ္ထေန ဝါ ပါဒေန ဝါ အက္ကန္တံ ဟတ္ထံ ဝါ ပါဒံ ဝါ ဘိန္ဒိဿတိ လောဟိတံ ဝါ ဥပ္ပါဒေဿတိတိ ဌာနမေတံ ဝိဇ္ဇတိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ သမ္မာပဏိဟိတတ္တာ ဘိက္ခဝေ သုကဿ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာပဏိဟိတာယ ဒိဋ္ဌိယာ သမ္မာပဏိဟိတာယ မဂ္ဂဘာဝနာယ အဝိဇ္ဇံ ဘိန္ဒိဿတိ ဝိဇ္ဇံ ဥပ္ပါဒေဿတိ နိဗ္ဗာနံ သန္တိကရိဿတိတိ ဌာနမေတံ ဝိဇ္ဇတိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ သမ္မာပဏိဟိ-  
တတ္တာ ဘိက္ခဝေ ဒိဋ္ဌိယာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာပဏိဟိတာယ ဒိဋ္ဌိယာ သမ္မာပဏိဟိတာယ မဂ္ဂဘာဝနာယ အဝိဇ္ဇံ ဘိန္ဒိတိ ဝိဇ္ဇံ ဥပ္ပါဒေတိ နိဗ္ဗာနံ သန္တိကရေတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ပ။

သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာပဏိဟိတာယ ဒိဋ္ဌိယာ သမ္မာပဏိဟိတာယ မဂ္ဂဘာဝနာယ အဝိဇ္ဇံ ဘိန္ဒုတိ ဝိဇ္ဇံ ဥပ္ပါဒေတိ နိဗ္ဗာနံ သတ္တိကရောတိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-အာကာသသုတ္တ

၁၅၅။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ အာကာသေ ဝိဝိဓာ ဝါတာ ဝါယန္တိ၊ ပုရတ္ထိမာပိ ဝါတာ ဝါယန္တိ၊ ပစ္ဆိမာပိ ဝါတာ ဝါယန္တိ၊ ဥတ္တရပိ ဝါတာ ဝါယန္တိ၊ ဒက္ခိဏာပိ ဝါတာ ဝါယန္တိ၊ သရဇာပိ ဝါတာ ဝါယန္တိ၊ အရဇာပိ ဝါတာ ဝါယန္တိ၊ သီတာပိ ဝါတာ ဝါယန္တိ၊ ဥဏှာပိ ဝါတာ ဝါယန္တိ၊ ပရိတ္တာပိ ဝါတာ ဝါယန္တိ၊ အဓိမတ္တာပိ ဝါတာ ဝါယန္တိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝယတော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီကရောတော စတ္တာရောပိ သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ စတ္တာရောပိ သမ္မပ္ပဓာနာ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ စတ္တာရောပိ ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ ပဉ္စပိ ဣန္ဒြိယာနိ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ ပဉ္စပိ ဗလာနိ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ သတ္တပိ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝယတော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီကရောတော စတ္တာရောပိ သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ စတ္တာရောပိ သမ္မပ္ပဓာနာ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ စတ္တာရောပိ ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ ပဉ္စပိ ဣန္ဒြိယာနိ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ ပဉ္စပိ ဗလာနိ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ သတ္တပိ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဘာဝယတော အရိယံ အဋ္ဌကိကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလီကရောတော စတ္တာရောပိ သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ စတ္တာရောပိ သမ္မပ္ပဓာနာ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ စတ္တာရောပိ ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ ပဉ္စပိ ဣန္ဒြိယာနိ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ ပဉ္စပိ ဗလာနိ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ သတ္တပိ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-ပဌမမေသသုတ္တ

၁၅၆။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂိမ္မာနံ ပစ္ဆိမေ မာသေ ဥိဟတံ ရဇောဇလံ၊ တမေနံ မဟာအကာလမေသော ဌာနသော အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိ။

ဝေမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ဥပ္ပန္နုပ္ပန္နေ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ ဌာနသော အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ဥပ္ပန္နုပ္ပန္နေ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ ဌာနသော အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ဥပ္ပန္နုပ္ပန္နေ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ ဌာနသော အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဒုတိယမေသသုတ္တ

၁၅၇။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဥပ္ပန္နံ မဟာမေသံ၊ တမေနံ မဟာဝါတော အန္တရာယေဝ အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိ။ ဧဝေမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ဥပ္ပန္နုပ္ပန္နေ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ အန္တရာယေဝ အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ဥပ္ပန္နုပ္ပန္နေ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ အန္တရာယေဝ အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ဥပ္ပန္နုပ္ပန္နေ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ အန္တရာယေဝ အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-နာဝါသုတ္တ

၁၅၈။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သာမုဒ္ဓိကာယ နာဝါယ ဝေတ္တဗန္ဓနဗန္ဓာယ ဆ မာသာနိ ဥဒကေ ပရိယာဒါယ<sup>၁</sup> ဟေမန္တိကေန ထလံ ဥက္ခိတ္တာယ ဝါတာတပပရေတာနိ ဗန္ဓနာနိ တာနိ ပါဝုဿကေန မေသေန အဘိပ္ပဝုဋ္ဌာနိ အပ္ပကသိရေနေဝ ပဋိပ္ပဿန္တိ ပူတိကာနိ ဘဝန္တိ။ ဧဝေမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝယတော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောတော အပ္ပကသိရေနေဝ သံယောဇနာနိ ပဋိပ္ပဿန္တိ ပူတိကာနိ

၁-ပရိယာတာယ(က)၊ ပရိယာဟတာယ(?)

ဘဝန္တိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝယတော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောတော အပ္ပကသိရေနော သံယောဇနာနိ ပဋိပ္ပဿန္တန္တိ ပူတိကာနိ ဘဝန္တိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝယတော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောတော အပ္ပကသိရေနော သံယောဇနာနိ ပဋိပ္ပဿန္တန္တိ ပူတိကာနိ ဘဝန္တိတိ။ ။ဒသမံ။

### ၁၁-အာဂန္တုကသုတ္တ

၁၅၉။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ အာဂန္တုကာဂါရုံ၊ တတ္ထ ပုရတ္ထိမာယပိ ဒိသာယ အာဂန္တော ဝါသံ ကပ္ပေန္တိ၊ ပစ္ဆိမာယပိ ဒိသာယ အာဂန္တော ဝါသံ ကပ္ပေန္တိ၊ ဥတ္တရာယပိ ဒိသာယ အာဂန္တော ဝါသံ ကပ္ပေန္တိ၊ ဒက္ခိဏာယပိ ဒိသာယ အာဂန္တော ဝါသံ ကပ္ပေန္တိ၊ ခတ္တိယာပိ အာဂန္တော ဝါသံ ကပ္ပေန္တိ၊ မြာဟူဏာပိ အာဂန္တော ဝါသံ ကပ္ပေန္တိ၊ ဝေဿာပိ အာဂန္တော ဝါသံ ကပ္ပေန္တိ၊ သုဒ္ဓါပိ အာဂန္တော ဝါသံ ကပ္ပေန္တိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ယေ ဓမ္မာ အဘိညာ ပရိညေယျာ၊ တေ ဓမ္မေ အဘိညာ ပရိဇာနာတိ။ ပ။ ယေ ဓမ္မာ အဘိညာ ပဟာတဗ္ဗာ၊ တေ ဓမ္မေ အဘိညာ ပဇဟတိ။ ယေ ဓမ္မာ အဘိညာ သစ္စိကာတဗ္ဗာ၊ တေ ဓမ္မေ အဘိညာ သစ္စိကရောတိ။ ယေ ဓမ္မာ အဘိညာ-ဘာဝေတဗ္ဗာ၊ တေ ဓမ္မေ အဘိညာ ဘာဝေတိ။

ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ အဘိညာ ပရိညေယျာ၊ ပဉ္စုပါဒါနက္ခန္ဓာတိဿ ဝစနိယံ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ သေယျထိဒံ၊ ရူပပါဒါနက္ခန္ဓော။ ပ။ ဝိညာဏု-ပါဒါနက္ခန္ဓော၊ ဣမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ အဘိညာ ပရိညေယျာ။ ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ အဘိညာ ပဟာတဗ္ဗာ၊ အဝိဇ္ဇာ စ ဘာဝတဏှာ စ၊ ဣမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ အဘိညာ ပဟာတဗ္ဗာ။ ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ အဘိညာ သစ္စိ-ကာတဗ္ဗာ၊ ဝိဇ္ဇာ စ ဝိမုတ္တိ စ၊ ဣမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ အဘိညာ သစ္စိကာတဗ္ဗာ။ ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ အဘိညာ ဘာဝေတဗ္ဗာ၊ သမထော စ ဝိပဿနာ စ၊ ဣမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ အဘိညာ ဘာဝေတဗ္ဗာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ယေ ဓမ္မာ အဘိညာ ပရိညေယျာ၊ တေ ဓမ္မေ အဘိညာ ပရိဇာနာတိ။

ယေ ဓမ္မာ အဘိညာ ဘာဝေတဗ္ဗာ၊ တေ ဓမ္မေ အဘိညာ ဘာဝေတိ၊  
ဇုမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ  
ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ  
ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော အရိယံ  
အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော ယေ ဓမ္မာ အဘိညာ ပရိညေယျာ၊ တေ ဓမ္မေ  
အဘိညာ ပရိဇာနာတိ။ ယေ ဓမ္မာ အဘိညာ ပဟာတဗ္ဗာ၊ တေ ဓမ္မေ  
အဘိညာ ပဇဟတိ။ ယေ ဓမ္မာ အဘိညာ သစ္စိကာတဗ္ဗာ၊ တေ ဓမ္မေ  
အဘိညာ သစ္စိကရေတိ။ ယေ ဓမ္မာ အဘိညာ ဘာဝေတဗ္ဗာ၊ တေ ဓမ္မေ  
အဘိညာ ဘာဝေတိတိ။ ။ဧကာဒသမံ။

### ၁၂-နဒီသုတ္တ

၁၆၀။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိန-  
ပဗ္ဗာရာ၊ အထ မဟာဇနကာယော အာဂစ္ဆေယျ ကုဒါလဝိဋ္ဌကံ အာဒါယ မယံ  
ဇုမံ ဂင်္ဂံ နဒီံ ပစ္ဆာနိန္ဒံ ကရိဿာမ ပစ္ဆာပေါဏံ ပစ္ဆာပဗ္ဗာရန္တိ။ တံ  
ကိံ မညထ ဘိက္ခဝေ၊ အပိ နု သော မဟာဇနကာယော ဂင်္ဂံ နဒီံ ပစ္ဆာနိန္ဒံ  
ကရေယျ ပစ္ဆာပေါဏံ ပစ္ဆာပဗ္ဗာရန္တိ။ နော ဟေတံ ဘန္တေ။ တံ ကိဿ  
ဟေတု၊ ဂင်္ဂါ ဘန္တေ နဒီ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဗ္ဗာရာ။ သာ န  
သုကရာ ပစ္ဆာနိန္ဒံ ကာတုံ ပစ္ဆာပေါဏံ ပစ္ဆာပဗ္ဗာရံ၊ ယာဝဒေဝ ပန  
သော မဟာဇနကာယော ကိလမထဿ ဝိဿာတဿ ဘာဂီ အဿာတိ။  
ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တံ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ  
မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တံ ရာဇာနော ဝါ ရာဇမဟာမတ္တာ ဝါ မိတ္တာ ဝါ အမစ္စာ  
ဝါ ဉ္ဇတိ ဝါ ဉ္ဇတိသာလောဟိတာ ဝါ ဘောဂေဟိ အဘိဟဋ္ဌံ ပဝါရေယျံ၊  
“ဟေတ္တေ ပုရိသ ကိံ တေ ဇုမေ ကာသာဝါ အနုဒဟန္တိ၊ ကိံ မုဏ္ဍော  
ကပါလမနုသံစရသိ၊ ဧဟိ ဟိနာယာဝတ္တိတွာ ဘောဂေ စ ဘုဉ္ဇဿ၊ ပုညာနိ စ  
ကရေဟိ”တိ။ သော ဝတ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေန္တော  
အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရောန္တော သိက္ခံ ပစ္စက္ခာယ ဟိနာယာ-  
ဝတ္တိဿတိတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ယံ ဟိ တံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ  
ဒိဃရတ္တံ ဝိဝေကနိန္ဒံ ဝိဝေကပေါဏံ ဝိဝေကပဗ္ဗာရံ၊ တံ ဝတ ဟိနာယာ-  
ဝတ္တိဿတိတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ  
ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဇုမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေက-  
နိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ

ဘိက္ခု အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဘာဝေတိ အရိယံ အဋ္ဌဂီကံ မဂ္ဂံ ဗဟုလိကရေတိတိ။  
(ယဒပိ ဗလကရဏီယံ၊ တဒပိ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။) ။ဒွါဒသမံ။

ဗလကရဏီယဝဂ္ဂေါ ဆဋ္ဌော။

### တသျဒ္ဓါနံ

ဗလံ ဗီဇဉ္စ နာဂေါ စ၊ ရုက္ခော ကုမ္ဘေန သူကိယာ။

အာကာသေန စ ဒွေ မေဃာ၊ နာဝါ အာဂန္တုကာ နဒီတိ။

### ၇-သေနာဝဂ္ဂ

#### ၁-သေနာသျတ္တ

၁၆၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တိဿော ဣမာ ဘိက္ခဝေ သေနာ။ ကတမာ တိဿော၊  
ကာမေသနာ ဘဝေသနာ မြဟ္မစရိယေသနာ၊ ဣမာ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿော  
သေနာ။ ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ အဘိညာယ အရိယော  
အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗော။ ကတမော အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ၊  
ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ  
ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ။  
ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ အဘိညာယ အယံ အရိယော  
အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။

တိဿော ဣမာ ခေါ ဘိက္ခဝေ သေနာ။ ကတမာ တိဿော၊ ကာမေသနာ  
ဘဝေသနာ မြဟ္မစရိယေသနာ၊ ဣမာ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿော သေနာ။  
ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ အဘိညာယ အရိယော အဋ္ဌဂီကော  
မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗော။ ကတမော အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယော-  
သာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဣမာသံ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ အဘိညာယ အယံ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ  
ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။

တိဿော ဣမာ ခေါ ဘိက္ခဝေ သေနာ။ ကတမာ တိဿော၊ ကာမေသနာ  
ဘဝေသနာ မြဟ္မစရိယေသနာ၊ ဣမာ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿော သေနာ။ ဣမာသံ



ခေါ် ဘိက္ခုဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ အဘိညာယ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗော။ ကတမော အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ။ ဣမ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ အမတောဂဓံ အမတပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ ဣမာသံ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ အဘိညာယ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။

တိဿော ဣမာ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ သေနာ။ ကတမာ တိဿော၊ ကာမေသနာ ဘဝေသနာ ဗြဟ္မစရိယေသနာ၊ ဣမာ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ တိဿော သေနာ။ ဣမာသံ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ အဘိညာယ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗော။ ကတမော အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ။ ဣမ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ နိဗ္ဗာနနိဗ္ဗာနနိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရံ။ ဣမာသံ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ အဘိညာယ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။

တိဿော ဣမာ ဘိက္ခုဝေ သေနာ။ ကတမာ တိဿော၊ ကာမေသနာ ဘဝေသနာ ဗြဟ္မစရိယေသနာ၊ ဣမာ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ တိဿော သေနာ။ ဣမာသံ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ ပရိညာယ။ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ (ယဒပိ အဘိညာ၊ တဒပိ ပရိညာယ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗံ။)

တိဿော ဣမာ ဘိက္ခုဝေ သေနာ။ ကတမာ တိဿော၊ ကာမေသနာ ဘဝေသနာ ဗြဟ္မစရိယေသနာ၊ ဣမာ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ တိဿော သေနာ။ ဣမာသံ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ ပရိက္ခယာယ။ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ (ယဒပိ အဘိညာ၊ တဒပိ ပရိက္ခယာယ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗံ။)

တိဿော ဣမာ ဘိက္ခုဝေ သေနာ။ ကတမာ တိဿော၊ ကာမေသနာ ဘဝေသနာ ဗြဟ္မစရိယေသနာ၊ ဣမာ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ တိဿော သေနာ။ ဣမာသံ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ ပဟာနာယ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗော။ ကတမော အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ။ ဣမ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂ-နိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ။ ဣမာသံ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ ပဟာနာယ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ (ယဒပိ အဘိညာ၊ တဒပိ ပဟာနာယ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗံ။) ။ပဌမံ။

## ၂-ဝိဓာသုတ္တ

၁၆၂။ တိဿော ဣမာ ဘိက္ခဝေ ဝိဓာ။ ကတမာ တိဿော၊ သေယျော-  
 ဟမသ္မိတိဝိဓာ သဒိဿောဟမသ္မိတိဝိဓာ ဟိနောဟမသ္မိတိဝိဓာ၊ ဣမာ ခေါ  
 ဘိက္ခဝေ တိဿော ဝိဓာ။ ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ ဝိဓာနံ အဘိညာယ  
 ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေ-  
 တဗ္ဗော။ ကတမော အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိ  
 ဘာဝေတိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ  
 နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ ဝိဓာနံ  
 အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော  
 မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ (ယထာ သေနာ၊ ဧဝံ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗံ။) ။ဒုတိယံ။

## ၃-အာသဝသုတ္တ

၁၆၃။ တယောမေ ဘိက္ခဝေ အာသဝါ။ ကတမေ တယော၊ ကာမာသဝေါ  
 ဘဝါသဝေါ အဝိဇ္ဇာသဝေါ၊ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ တယော အာသဝါ။ ဣမေသံ  
 ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏ္ဏန္တံ အာသဝါနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ  
 ပဟာနာယ။ ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။  
 တတိယံ။

## ၄-ဘဝသုတ္တ

၁၆၄။ တယောမေ ဘိက္ခဝေ ဘဝါ။ ကတမေ တယော၊ ကာမဘဝေါ  
 ရူပဘဝေါ အရူပဘဝေါ၊ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ တယော ဘဝါ။ ဣမေသံ ခေါ  
 ဘိက္ခဝေ တိဏ္ဏန္တံ ဘဝါနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ ပ။  
 အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-ဒုက္ခတာသုတ္တ

၁၆၅။ တိဿော ဣမာ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခတာ။ ကတမာ တိဿော၊ ဒုက္ခဒုက္ခတာ  
 သင်္ခါရဒုက္ခတာ ဝိပရိဏာမဒုက္ခတာ၊ ဣမာ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿော ဒုက္ခတာ။  
 ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ ဒုက္ခတာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ  
 ပဟာနာယ။ ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-ဝိလသုတ္တ

၁၆၆။ တယောမေ ဘိက္ခဝေ ဝိလော။ ကတမေ တယော၊ ရာဂေါ ဝိလော  
 ဒေါသော ဝိလော မောဟော ဝိလော၊ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ တယော ဝိလော။

ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏ္ဍန္တံ ခိလာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-မလသုတ္တ

၁၆၇။ တိဏှိမာနိ ဘိက္ခဝေ မလာနိ။ ကတမာနိ တိဏှိ၊ ရာဂေါ မလံ ဒေါသော မလံ မောဟော မလံ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏှိ မလာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏ္ဍန္တံ မလာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-နိဗ္ဗသုတ္တ

၁၆၈။ တယောမေ ဘိက္ခဝေ နိဗ္ဗာ။ ကတမေ တယော၊ ရာဂေါ နိဗ္ဗော ဒေါသော နိဗ္ဗော မောဟော နိဗ္ဗော၊ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ တယော နိဗ္ဗာ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏ္ဍန္တံ နိဗ္ဗာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဝေဒနာသုတ္တ

၁၆၉။ တိဿော ဣမာ ဘိက္ခဝေ ဝေဒနာ။ ကတမာ တိဿော၊ သုခါ ဝေဒနာ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ အဒုက္ခမသုခါ ဝေဒနာ၊ ဣမာ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿော ဝေဒနာ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ ဝေဒနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-တဏှာသုတ္တ

၁၇၀။ တိဿော ဣမာ ဘိက္ခဝေ တဏှာ။ ကတမာ တိဿော၊ ကာမတဏှာ ဘဝတဏှာ ဝိဘဝတဏှာ၊ ဣမာ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿော တဏှာ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ တဏှာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗော။ ကတမော အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ တဏှာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။ဒသမံ။

## ၁၁-တသိနာသုတ္တ

၁၇၁။ တိဿော ဣမာ ဘိက္ခဝေ တသိနာ။ ကတမာ တိဿော၊ ကာမတသိနာ ဘဝတသိနာ ဝိဘဝတသိနာ။ ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ တသိနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ပ။ ရာဂဝိနယ-ပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ပ။ အမတောဂဓံ အမတပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ပ။ နိဗ္ဗာနနိဗ္ဗာနနိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရံ။ ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ တသိနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။ကောဒသမံ။

ဧသနာဝဂ္ဂေါ သတ္တမော။

## တသုဒ္ဓါနံ

ဧသနာ ဝိဓာ အာသဝေါ၊ ဘဝေါ စ ဒုက္ခတာ ခိလာ။  
မလံ နိဗ္ဗော စ ဝေဒနာ၊ ခွေ တဏှာ တသိနာယ စာတိ။

## ၈-ဩစဝဂ္ဂ

## ၁-ဩစသုတ္တ

၁၇၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ စတ္တာရောမေဘိက္ခဝေ ဩဃာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ကာမောဃော ဘဝေါဃော ဝိဇ္ဇောဃော အဝိဇ္ဇောဃော၊ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဩဃာ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဩဃာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ (ယထာ ဧသနာ၊ ဧဝံ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ) ။ပဌမံ။

## ၂-ယောဂသုတ္တ

၁၇၃။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ယောဂါ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ကာမ-ယောဂေါ ဘဝယောဂေါ ဝိဇ္ဇယောဂေါ အဝိဇ္ဇာယောဂေါ၊ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ယောဂါ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ယောဂါနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-ဥပါဒါနသုတ္တ

၁၇၄။ စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဥပါဒါနာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ ကာမုပါဒါနံ ဒိဋ္ဌုပါဒါနံ သီလဗ္ဗတုပါဒါနံ အတ္တဝါဒုပါဒါနံ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရိ ဥပါဒါနာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဥပါဒါနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ . ။တတိယံ။

## ၄-ဂန္ထသုတ္တ

၁၇၅။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဂန္ထာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ အဘိဇ္ဈာ ကာယဂန္ထော ဗျာပါဒေါ ကာယဂန္ထော သီလဗ္ဗတပရာမာသော ကာယဂန္ထော ဣဒံသစ္စာဘိနိဝေသော ကာယဂန္ထော၊ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဂန္ထာ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဂန္ထာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-အနုသယသုတ္တ

၁၇၆။ သတ္တိမေ ဘိက္ခဝေ အနုသယာ။ ကတမေ သတ္တိ၊ ကာမရာဂါနုသယော ပဋိဃာနုသယော ဒိဋ္ဌာနုသယော ဝိစိကိစ္ဆာနုသယော မာနာနုသယော ဘဝရာဂါနုသယော အဝိဇ္ဇာနုသယော၊ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တာနုသယာ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တန္တံ အနုသယာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-ကာမဂုဏသုတ္တ

၁၇၇။ ပဉ္စိမေ ဘိက္ခဝေ ကာမဂုဏာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ စက္ခုဝိညေယျာ ရူပါ ဣန္ဒြာ ကန္တာ မနာပါ ပိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ ရဇနီယာ၊ သောတဝိညေယျာ သဒ္ဓါ။ပ။ ဃာနဝိညေယျာ ဂန္ဓာ။ပ။ ဇိဝှိဝိညေယျာ ရသာ။ပ။ ကာယဝိညေယျာ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာ ဣန္ဒြာ ကန္တာ မနာပါ ပိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ ရဇနီယာ၊ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ ကာမဂုဏာ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္တံ ကာမဂုဏာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-နိဝရဏသုတ္တ

၁၇၈။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ နိဝရဏာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ကာမစ္ဆန္ဒနိဝရဏံ ဗျာပါဒနိဝရဏံ ထိနမိဒ္ဓနိဝရဏံ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စနိဝရဏံ ဝိစိကိစ္ဆာနိဝရဏံ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ နိဝရဏာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒ နိဝရဏာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။သတ္တမံ။

## ၈-ဥပါဒါနက္ခန္ဓသုတ္တ

၁၇၉။ ပဋိမေ ဘိက္ခဝေ ဥပါဒါနက္ခန္ဓာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ သေယျထိဒံ၊ ရူပပါဒါနက္ခန္ဓော ဝေဒနပါဒါနက္ခန္ဓော သညပါဒါနက္ခန္ဓော သင်္ခါရပါဒါနက္ခန္ဓော ဝိညာဏပါဒါနက္ခန္ဓော၊ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စပါဒါနက္ခန္ဓာ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒ ဥပါဒါနက္ခန္ဓာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။ အဋ္ဌမံ။

## ၉-ဩရန္တာဂီယသုတ္တ

၁၈၀။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဩရန္တာဂီယာနိ သံယောဇနာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သက္ကာယဒိဋ္ဌိ ဝိစိကိစ္ဆာ သီလဗ္ဗတပရာမာသော ကာမစ္ဆန္ဒော ဗျာပါဒေါ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စောရန္တာဂီယာနိ သံယောဇနာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒ ဩရန္တာဂီယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ။ပ။ အယံ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။ ။ နဝမံ။

## ၁၀-ဥဒ္ဓန္တာဂီယသုတ္တ

၁၈၁။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဥဒ္ဓန္တာဂီယာနိ သံယောဇနာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ရူပရာဂေါ အရူပရာဂေါ မာနော ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇာ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စုဒ္ဓန္တာဂီယာနိ သံယောဇနာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒ ဥဒ္ဓန္တာဂီယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗော။ ကတမော အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ၊ ဣမေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒ ဥဒ္ဓန္တာဂီယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ

ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ အယံ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။

ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဥဒ္ဓန္တကိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ရူပရာဂေါ အရူပရာဂေါ မာနော ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇာ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စုဒ္ဓန္တကိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္တံ ဥဒ္ဓန္တကိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေတဗ္ဗော။ ကတမော အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္မာဒိဋ္ဌိံ ဘာဝေတိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ အမတောဂဓံ အမတ-  
ပရာယနံ အမတပရိယောသာနံ။ နိဗ္ဗာနနိန္တံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရံ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္တံ ဥဒ္ဓန္တကိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ အယံ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ ဘာဝေ-  
တဗ္ဗောတိ။ ။ဒသမံ။

ဩစဝဂ္ဂေါ အဋ္ဌမော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဩစော ယောဂေါ ဥပါဒါနံ၊ ဂန္တိ အနုသယေန စ။  
ကာမဂုဏာ နိဝရဏံ၊ ခန္ဓာ ဩရုဒ္ဓန္တကိယာတိ။

### ဝဂ္ဂုဒ္ဓါနံ

အဝိဇ္ဇာဝဂ္ဂေါ ပဌမော၊ ဒုတိယံ ဝိဟာရံ ဝုစ္စတိ။  
မိစ္ဆတ္ထံ တတိယော ဝဂ္ဂေါ၊ စတုတ္ထံ ပဋိပန္နေနော။  
တိတ္ထိယံ ပဉ္စမော ဝဂ္ဂေါ၊ စတဿော သူရိယေန စ။  
ဗဟုကတေ သတ္တမော ဝဂ္ဂေါ၊ ဥပ္ပါဒေါ အဋ္ဌမေန စ။  
ဒိဝသဝဂ္ဂေါ နဝမော၊ ဒသမော အပ္ပမာဒေန စ။  
ဧကောဒသဗလဝဂ္ဂေါ၊ ဒွါဒသ သေနာ ပါဠိယံ။  
ဩစဝဂ္ဂေါ ဘဝတိ တေရသာတိ။

မဂ္ဂသံယုတ္တိ ပဌမံ။

## ၂-ဗောဇ္ဈင်္ဂသံယုတ္တ

၁-ပဗ္ဗတဝဂ္ဂ

၁-ဟိမဝန္တသုတ္တ

၁၈၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဟိမဝန္တံ ပဗ္ဗတရာဇာနံ နိဿာယနာဂါကာယံ ဝဇ္ဇေန္တိ ဗလံ ဂါဟေန္တိ၊ တေ တတ္ထကာယံ ဝဇ္ဇေတွာ ဗလံ ဂါဟေတွာ ကုသောဗ္ဗေ ဩတရန္တိ၊ ကုသောဗ္ဗေ ဩတရိတွာ မဟာသောဗ္ဗေ ဩတရန္တိ၊ မဟာသောဗ္ဗေ ဩတရိတွာ ကုန္ဒဒိယော ဩတရန္တိ၊ ကုန္ဒဒိယော ဩတရိတွာ မဟာနဒိယော ဩတရန္တိ၊ မဟာနဒိယော ဩတရိတွာ မဟာသမုဒ္ဒသာဂရံ ဩတရန္တိ၊ တေ တတ္ထမဟန္တတ္ထံ ဝေပုလ္လတ္ထံ အာပဇ္ဇန္တိ ကာယေန။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ သတ္တဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေန္တော သတ္တဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရောန္တော မဟန္တတ္ထံ ဝေပုလ္လတ္ထံ ပါပုဏာတိ ဓမ္မေသု။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ သတ္တဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေန္တော သတ္တဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရောန္တော မဟန္တတ္ထံ ဝေပုလ္လတ္ထံ ပါပုဏာတိ ဓမ္မေသုတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ သတ္တဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေန္တော သတ္တဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရောန္တော မဟန္တတ္ထံ ဝေပုလ္လတ္ထံ ပါပုဏာတိ ဓမ္မေသုတိ။ ။ပဌမံ။

၂-ကာယသုတ္တ

၁၈၃။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ အယံ ကာယော အာဟာရဋ္ဌိတိကော အာဟာရံ ပဋိစ္စ တိဋ္ဌတိ၊ အနာဟာရော နော တိဋ္ဌတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ နိဝရဏာ အာဟာရဋ္ဌိတိကာ အာဟာရံ ပဋိစ္စ တိဋ္ဌန္တိ၊ အနာဟာရော နော တိဋ္ဌန္တိ။



ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ကာမစ္ဆန္တဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ကာမစ္ဆန္တဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ သုဘနိမိတ္တံ၊ တတ္ထ အယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ကာမစ္ဆန္တဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ကာမစ္ဆန္တဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဗျာပါဒဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဗျာပါဒဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ပဋိသနိမိတ္တံ၊ တတ္ထ အယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဗျာပါဒဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဗျာပါဒဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ထိနမိဒ္ဓဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ထိနမိဒ္ဓဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ အရတိ တန္တိ ဝိဇတ္တိတာ ဘတ္တသမ္ပဒေါ စေတသော စ လိနတ္တံ၊ တတ္ထ အယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ထိနမိဒ္ဓဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ထိနမိဒ္ဓဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ စေတသော အဝုပသမော၊ တတ္ထ အယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နာယ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆာယ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နာယ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ဝိစိကိစ္ဆာဋ္ဌာနိယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ အယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နာယ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆာယ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နာယ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ အယံ ကာယော အာဟာရဋ္ဌိတိကော အာဟာရံ ပဋိစ္စ တိဋ္ဌတိ၊ အနာဟာရော နော တိဋ္ဌတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣမေ ပဉ္စ နိဝရဏာ အာဟာရဋ္ဌိတိကာ အာဟာရံ ပဋိစ္စ တိဋ္ဌန္တိ၊ အနာဟာရော နော တိဋ္ဌန္တိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ အယံ ကာယော အာဟာရဋ္ဌိတိကော အာဟာရံ ပဋိစ္စ တိဋ္ဌတိ၊ အနာဟာရော နော တိဋ္ဌတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အာဟာရဋ္ဌိတိကော အာဟာရံ ပဋိစ္စ တိဋ္ဌန္တိ၊ အနာဟာရော နော တိဋ္ဌန္တိ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဋ္ဌာနိယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ကုသလာကုသလာ ဓမ္မာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဓမ္မာ ဟိနပဏီတာ ဓမ္မာ ကဏ္ဍသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ အာရမ္မဓာတု<sup>၁</sup> နိက္ကမဓာတု ပရက္ကမဓာတု၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဋ္ဌာနိယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ

ဘိက္ခဝေ ကာယပဿဒ္ဓိ စိတ္တပဿဒ္ဓိ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ သမထနိမိတ္တံ<sup>၁</sup> အဗျဂ္ဂနိမိတ္တံ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဌာနီယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ အယံ ကာယော အာဟာရဋ္ဌိတိကော အာဟာရံ ပဋိစ္စ တိဋ္ဌတိ၊ အနာဟာရော နော တိဋ္ဌတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣမေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အာဟာရဋ္ဌိတိကာ အာဟာရံ ပဋိစ္စ တိဋ္ဌန္တိ၊ အနာဟာရော နော တိဋ္ဌန္တိတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-သီလသုတ္တ

၁၈၄။ ယေ တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခူ သီလသမ္ပန္နာ သမာဓိသမ္ပန္နာ ဉာဏသမ္ပန္နာ ဝိမုတ္တိသမ္ပန္နာ ဝိမုတ္တိဉာဏဒဿနသမ္ပန္နာ၊ ဒဿနဗျာဟံ ဘိက္ခဝေ တေသံ ဘိက္ခူနံ ဗဟုကာရံ<sup>၂</sup> ဝဒါမိ၊ သဝနဗျာဟံ ဘိက္ခဝေ တေသံ ဘိက္ခူနံ ဗဟုကာရံ ဝဒါမိ၊ ဥပသင်္ကမနဗျာဟံ ဘိက္ခဝေ တေသံ ဘိက္ခူနံ ဗဟုကာရံ ဝဒါမိ၊ ပယိရူပါသနဗျာဟံ ဘိက္ခဝေ တေသံ ဘိက္ခူနံ ဗဟုကာရံ ဝဒါမိ၊ အနုဿတိဗျာဟံ ဘိက္ခဝေ တေသံ ဘိက္ခူနံ ဗဟုကာရံ ဝဒါမိ၊ အနုပဗ္ဗဇ္ဇဗျာဟံ ဘိက္ခဝေ တေသံ ဘိက္ခူနံ ဗဟုကာရံ ဝဒါမိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ တထာရူပါနံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခူနံ ဓမ္မံ သုတ္တာ ဒွယေန ဝုပကာသေန ဝုပကဋ္ဌော<sup>၃</sup> ဝိဟရတိ ကာယ-ဝုပကာသေန စ စိတ္တဝုပကာသေန စ၊ သော တထာ ဝုပကဋ္ဌော ဝိဟရန္တော တံ ဓမ္မံ အနုဿရတိ အနုဝိတက္ကေတိ။

၁-သမာဓိနိမိတ္တံ (သျှာ)

၂-ဗဟုကာရံ (သျှာ)

၃-ဒွယေန ဝုပကဋ္ဌော (သီ၊ သျှာ)

ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု တထာ ဝုပကဋ္ဌော ဝိဟရန္တော တံ ဓမ္မံ အနုဿရုတိ အနုဝိတက္ကေတိ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ၊ သော တထာ သတော ဝိဟရန္တော တံ ဓမ္မံ ပညာယ ပဝိစိနတိ ပဝိစရတိ ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတိ။

ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု တထာ သတော ဝိဟရန္တော တံ ဓမ္မံ ပညာယ ပဝိစိနတိ ပဝိစရတိ ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတိ၊ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ တဿ တံ ဓမ္မံ ပညာယ ပဝိစိနတော ပဝိစရတော ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတော အာရဒ္ဓံ ဟောတိ ဝိရိယံ အသလ္လိနံ။

ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော တံ ဓမ္မံ ပညာယ ပဝိစိနတော ပဝိစရတော ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတော အာရဒ္ဓံ ဟောတိ ဝိရိယံ အသလ္လိနံ၊ ဝိရိယ-သမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ။ ဝိရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ဝိရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ၊ အာရဒ္ဓဝိရိယဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဝီတိ နိရာမိသာ။

ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓဝိရိယဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဝီတိ နိရာမိသာ၊ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ၊ ဝီတိမနဿ ကာယောဝိ ပဿန္တတိ စိတ္တံ ပဿန္တတိ၊ ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ဝီတိမနဿ ကာယောဝိ ပဿန္တတိ စိတ္တံ ပဿန္တတိ။ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ၊ ပဿဒ္ဓကာယဿ သုခိနော စိတ္တံ သမာဓိယတိ။

ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပဿဒ္ဓကာယဿ သုခိနော စိတ္တံ သမာဓိယတိ၊ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ

ဟောတိ၊ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ သမာဓိ-  
သမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ၊ သော-  
တထာသမာဟိတံ စိတ္တံ သာဓုကံ အဇ္ဈုပေက္ခိတာ ဟောတိ။

ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု တထာသမာဟိတံ စိတ္တံ သာဓုကံ  
အဇ္ဈုပေက္ခိတာ ဟောတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော  
အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊  
ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။

ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါဘိက္ခဝေ သတ္တသု သမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေသု ဧဝံ ဗဟုလိကတေသု  
သတ္တ ဖလာ သတ္တာနိသံသာ ပါဠိကမ္ပိ။ ကတမေ သတ္တ ဖလာ သတ္တာနိသံသာ၊  
ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ အညံ အာရာဓေတိ။ နော စေ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ  
အညံ အာရာဓေတိ၊ အထ မရဏကာလေ အညံ အာရာဓေတိ။ နော စေ  
ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ အညံ အာရာဓေတိ၊ နော စေ မရဏကာလေ အညံ  
အာရာဓေတိ၊ အထ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ အန္တရာ-  
ပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ။ နော စေ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ အညံ အာရာဓေတိ၊  
နော စေ မရဏကာလေ အညံ အာရာဓေတိ၊ နော စေ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ  
သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ အထ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာ-  
ဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ။ နော စေ  
ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ အညံ အာရာဓေတိ၊ နော စေ မရဏကာလေ အညံ  
အာရာဓေတိ၊ နော စေ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ  
အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ နော စေ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ  
ပရိက္ခယာ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ အထ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယော-  
ဇနာနံ ပရိက္ခယာ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ။ နော စေ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ  
ပဋိကစ္စ အညံ အာရာဓေတိ၊ နော စေ မရဏကာလေ အညံ အာရာဓေတိ၊  
နော စေ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ  
ဟောတိ၊ နော စေ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ ဥပဟစ္စ-  
ပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ နော စေ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ  
ပရိက္ခယာ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ အထ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ  
သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ။ နော စေ ဒိဋ္ဌေဝ  
ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ အညံ အာရာဓေတိ၊ နော စေ မရဏကာလေ အညံ အာရာဓေတိ၊  
နော စေ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ

ဟောတိ၊ နော စေ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ ဥပဟစ္စ-  
ပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ နော စေ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ  
အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ နော စေ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ  
ပရိက္ခယာ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ အထ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယော-  
ဇနာနံ ပရိက္ခယာ ဥဒ္ဓိသောတော ဟောတိ အကနိဋ္ဌဂါမိ၊ ဧဝံ ဘာဝိတေသု  
ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တသု ဗောဇ္ဈင်္ဂေသု ဧဝံ ဗဟုလိကတေသု ဣမေ သတ္တ ဖလာ  
သတ္တာနိသံသာ ပါဠိကင်္ခါတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ဝိဇ္ဇယုတ္တ

၁၀၅။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ  
ဇေတဝနေ အနာထပိဏ္ဍိကဿ အာရာမေ။ တတြ ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော  
ဘိက္ခု၊ အာမန္တေသိ “အာရုသော ဘိက္ခဝေါ”တိ။ “အာရုသော”တိ ခေါ တေ  
ဘိက္ခု၊ အာယသ္မတော သာရိပုတ္တဿ ပစ္စဿောသုံ။ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော  
တေဒဝေါစ—

သတ္တိမေ အာရုသော ဗောဇ္ဈင်္ဂါ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ  
ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ပဿဒ္ဓိသမ္ပော-  
ဇ္ဈင်္ဂေါ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ၊ ဣမေ ခေါ အာရုသော  
သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ။ ဣမေသံ ခွါဟံ အာရုသော သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ယေန ယေန  
ဗောဇ္ဈင်္ဂေန အာကင်္ခါမိ ပုဗ္ဗဏှသမယံ ဝိဟရိတုံ၊ တေန တေန ဗောဇ္ဈင်္ဂေန  
ပုဗ္ဗဏှသမယံ ဝိဟရာမိ။ ယေန ယေန ဗောဇ္ဈင်္ဂေန အာကင်္ခါမိ မဇ္ဈိကံ  
သမယံ ဝိဟရိတုံ၊ တေန တေန ဗောဇ္ဈင်္ဂေန မဇ္ဈိကံ သမယံ ဝိဟရာမိ။  
ယေန ယေန ဗောဇ္ဈင်္ဂေန အာကင်္ခါမိ သာယန္တသမယံ ဝိဟရိတုံ၊ တေန တေန  
ဗောဇ္ဈင်္ဂေန သာယန္တသမယံ ဝိဟရာမိ။ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဣတိ စေ မေ  
အာရုသော ဟောတိ၊ အပ္ပမာဏောတိ မေ ဟောတိ၊ သုသမာရဒ္ဓေါတိ မေ  
ဟောတိ၊ တိဋ္ဌန္တံ စ နံ တိဋ္ဌတိတိ ပဇာနာမိ၊ သစေပိ မေ စဝတိ၊ ဣဒပ္ပစ္စယာ  
မေ စဝတိတိ ပဇာနာမိ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဣတိ စေ မေ အာရုသော  
ဟောတိ၊ အပ္ပမာဏောတိ မေ ဟောတိ၊ သုသမာရဒ္ဓေါတိ မေ ဟောတိ၊  
တိဋ္ဌန္တံ စ နံ တိဋ္ဌတိတိ ပဇာနာမိ၊ သစေပိ မေ စဝတိ၊ ဣဒပ္ပစ္စယာ မေ  
စဝတိတိ ပဇာနာမိ။

သေယျထာပိ အာရုသော ရညော ဝါ ရာဇမဟာမတ္တဿ ဝါ နာနာရတ္တာနံ  
ဒုဿာနံ ဒုဿကရဏ္ဍကော ပူရော အဿ၊ သော ယညဒေဝ ဒုဿယုဂံ

အာကဇံယျ ပုဗ္ဗဏှသမယံ ပါရုပိတုံ၊ တံ တဒေဝ ဒုဿယုဂံ ပုဗ္ဗဏှသမယံ ပါရုပေယျ။ ယညဒေဝ ဒုဿယုဂံ အာကဇံယျ မဇ္ဈန္တိကံ သမယံ ပါရုပိတုံ၊ တံ တဒေဝ ဒုဿယုဂံ မဇ္ဈန္တိကံ သမယံ ပါရုပေယျ။ ယညဒေဝ ဒုဿယုဂံ အာကဇံယျ သာယန္တသမယံ ပါရုပိတုံ၊ တံ တဒေဝ ဒုဿယုဂံ သာယန္တသမယံ ပါရုပေယျ။ ဝေမေဝ ခွါဟံ အာဝုသော ဣမေသံ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ယေန ယေန ဗောဇ္ဈင်္ဂေန အာကဇိမိ ပုဗ္ဗဏှသမယံ ဝိဟရိတုံ၊ တေန တေန ဗောဇ္ဈင်္ဂေန ပုဗ္ဗဏှသမယံ ဝိဟရာမိ။ ယေန ယေန ဗောဇ္ဈင်္ဂေန အာကဇိမိ မဇ္ဈန္တိကံ သမယံ ဝိဟရိတုံ၊ တေန တေန ဗောဇ္ဈင်္ဂေန မဇ္ဈန္တိကံ သမယံ ဝိဟရာမိ။ ယေန ယေန ဗောဇ္ဈင်္ဂေန အာကဇိမိ သာယန္တသမယံ ဝိဟရိတုံ၊ တေန တေန ဗောဇ္ဈင်္ဂေန သာယန္တသမယံ ဝိဟရာမိ။ သတိ-သမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ဣတိ စေ မေ အာဝုသော ဟောတိ၊ အပ္ပမာဏောတိ မေ ဟောတိ၊ သုသမာရဋ္ဌေတိ မေ ဟောတိ။ တိဋ္ဌန္တံ စ နံ တိဋ္ဌတိတိ ပဇာနာမိ၊ သစေပိ မေ စဝတိ၊ ဣဒပ္ပစ္စယာ မေ စဝတိတိ ပဇာနာမိ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ဣတိ စေ မေ အာဝုသော ဟောတိ၊ အပ္ပမာဏောတိ မေ ဟောတိ၊ သုသမာရဋ္ဌေတိ မေ ဟောတိ၊ တိဋ္ဌန္တံ စ နံ တိဋ္ဌတိတိ ပဇာနာမိ၊ သစေပိ မေ စဝတိ၊ ဣဒပ္ပစ္စယာ မေ စဝတိတိ ပဇာနာမိ”တိ။ ။ စတုတ္ထံ။

### ၅-ဘိက္ခုသုတ္တ

၁၈၆။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အညတရော ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ။ပ။ ဧကမန္တံ နိသိန္ဓော ခေါ သော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ ဘန္တေ ဝုစ္စန္တိ၊ ကိတ္တာဝတာ န ခေါ ဘန္တေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ ဝုစ္စန္တိ”တိ။ ဗောဓာယ သံဝတ္တန္တိတိ ခေါ ဘိက္ခု တသ္မာ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ ဝုစ္စန္တိ။ ဣစ ဘိက္ခု သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ တသိမေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝယတော ကာမာသဝါပိ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ဘဝါသဝါပိ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ အဝိဇ္ဇာသဝါပိ စိတ္တံ ဝိမုစ္စတိ၊ ဝိမုတ္တသ္မိံ “ဝိမုတ္တ”မိတိ ဉာဏံ ဟောတိ၊ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာ”တိ ပဇာနာတိ။ ဗောဓာယ သံဝတ္တန္တိတိ ဘိက္ခု တသ္မာ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ ဝုစ္စန္တိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-ကုဏ္ဍလိယသုတ္တ

၁၀၇။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သာကေတေ ဝိဟရတိ အဉ္စနဝနေ မိဂဒါယေ။ အထ ခေါ ကုဏ္ဍလိယော ပရိဗ္ဗာဇကော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝတာ သဗ္ဗိံ သမ္မောဒိ၊ သမ္မောဒနိယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသိန္ဓော ခေါ ကုဏ္ဍလိယော ပရိဗ္ဗာဇကော ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ “အဟမသ္မိ ဘော ဂေါတမ အာရာမ- နိဿယီ” ပရိသာဝစရော၊ တဿ မယံ ဘော ဂေါတမ ပစ္စာဘတ္တံ ဘုတ္တပါတရာသဿ အယမာစာရော၊<sup>၁</sup> ဟောတိ ‘အာရာမေန အာရာမံ ဥယျာနေန ဥယျာနံ အနုစင်္ကမာမိ အနုဝိစရာမိ၊ သော တတ္ထ ပဿာမိ ဧကေ သမဏ- မြာဟ္မဏေ ဣတိဝါဒပ္ပမောက္ခာနိသံသဉ္ဇေဝ ကထံ ကထေန္တေ ဥပါရမ္ဘနိသံသဉ္ဇေ၊ ဘဝံ ပန ဂေါတမော ကိမာနိသံသော ဝိဟရတိ’တိ။ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလာနိသံသော ခေါ ကုဏ္ဍလိယ တထာဂတော ဝိဟရတိတိ။

ကတမေ ပန ဘော ဂေါတမ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ ပရိပူရေန္တိတိ။ သတ္ထ ခေါ ကုဏ္ဍလိယ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ ပရိပူရေန္တိတိ။ ကတမေ ပန ဘော ဂေါတမ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္ထ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ပရိပူရေန္တိတိ၊ စတ္တာရော ခေါ ကုဏ္ဍလိယ သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္ထ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ပရိပူရေန္တိတိ။ ကတမေ ပန ဘော ဂေါတမ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေန္တိတိ၊ တိဏိ ခေါ ကုဏ္ဍလိယ သုစရိတာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေန္တိတိ။ ကတမေ ပန ဘော ဂေါတမ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ တိဏိ သုစရိတာနိ ပရိပူရေန္တိတိ၊ ဣန္ဒြိယသံဝရော ခေါ ကုဏ္ဍလိယ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော တိဏိ သုစရိတာနိ ပရိပူရေတိတိ။

ကထံ ဘာဝိတော စ ကုဏ္ဍလိယ ဣန္ဒြိယသံဝရော ကထံ ဗဟုလိကတော တိဏိ သုစရိတာနိ ပရိပူရေန္တိတိ၊ ဣမ ကုဏ္ဍလိယ ဘိက္ခု စက္ခုနာ ရူပံ ဒိသ္မာ မနာပံ နာဘိဇ္ဈတိ နာဘိဟံသတိ န ရာဂံ ဇနေတိ၊ တဿ ဌိတော စ ကာယော ဟောတိ၊ ဌိတံ စိတ္တံ အဇ္ဈတ္တံ သုသဏ္ဌိတံ သုဝိမုတ္တံ။ စက္ခုနာ ခေါ ပနေဝ ရူပံ ဒိသ္မာ အမနာပံ န မင်္ဂ ဟောတိ အပ္ပတိဌိတစိတ္တော အဒိနမာနသော အဗျာပန္နစေတသော။ တဿ ဌိတော စ ကာယော ဟောတိ၊ ဌိတံ စိတ္တံ အဇ္ဈတ္တံ သုသဏ္ဌိတံ သုဝိမုတ္တံ။

၁-အာရာမနိသာဒိ (သီ)၊ အာရာမနိယာဒိ (သျှာ)

၂-အယမာဟာရော (သျှာ၊က)



ပုန စပရံ ကုဏ္ဍလိယ ဘိက္ခု သောတေန သဒ္ဓိံ သုတွာ။ပ။ ဃာနေန ဂန္ဓိ  
ဃာယိတွာ။ပ။ ဇိဝှိယ ရသံ သာယိတွာ။ပ။ ကာယေန ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုသိတွာ။ပ။  
မနဿ ဓမ္မံ ဝိညာယ မနာပံ နာဘိဇ္ဈတိ နာဘိဟံသတိ န ရာဂံ ဇနေတိ။  
တဿ ဌိတော စ ကာယော ဟောတိ ဌိတံ စိတ္တံ အဇ္ဈတ္တံ သုသဏ္ဌိတံ သုဝိမုတ္တံ။  
မနဿ ခေါ ပနေဝ ဓမ္မံ ဝိညာယ အမနာပံ န မင်္ဂ ဟောတိ အပ္ပတိဌိတစိတ္တော  
အဒိနမာနသော အဗျာပန္နစေတသော။ တဿ ဌိတော စ ကာယော  
ဟောတိ၊ ဌိတံ စိတ္တံ အဇ္ဈတ္တံ သုသဏ္ဌိတံ သုဝိမုတ္တံ။

ယတော ခေါ ကုဏ္ဍလိယ ဘိက္ခုနော စက္ခုနာ ရူပံ ဒိသ္မာ မနာပါ-  
မနာပေသု ရူပေသု ဌိတော စ ကာယော ဟောတိ၊ ဌိတံ စိတ္တံ အဇ္ဈတ္တံ  
သုသဏ္ဌိတံ သုဝိမုတ္တံ။ သောတေန သဒ္ဓိံ သုတွာ။ပ။ ဃာနေန ဂန္ဓိ ဃာယိတွာ။ပ။  
ဇိဝှိယ ရသံ သာယိတွာ။ပ။ ကာယေန ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုသိတွာ။ပ။ မနဿ ဓမ္မံ  
ဝိညာယ မနာပါမနာပေသု ဓမ္မေသု ဌိတော စ ကာယော ဟောတိ၊ ဌိတံ  
စိတ္တံ အဇ္ဈတ္တံ သုသဏ္ဌိတံ သုဝိမုတ္တံ။ ဧဝံ ဘာဝိတော ခေါ ကုဏ္ဍလိယ  
ဣန္ဒြိယသံဝရော ဧဝံ ဗဟုလိကတော တိဏိ သုစရိတာနိ ပရိပူရေတိ။

ကထံ ဘာဝိတာနိ စ ကုဏ္ဍလိယ တိဏိ သုစရိတာနိ ကထံ ဗဟုလိကတာနိ  
စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေန္တိ၊ ဣမ ကုဏ္ဍလိယ ဘိက္ခု ကာယဒုစ္စရိတံ  
ပဟာယ ကာယသုစ္စရိတံ ဘာဝေတိ၊ ဝစီဒုစ္စရိတံ ပဟာယ ဝစီသုစ္စရိတံ  
ဘာဝေတိ၊ မနောဒုစ္စရိတံ ပဟာယ မနောသုစ္စရိတံ ဘာဝေတိ။ ဧဝံ ဘာဝိ-  
တာနိ ခေါ ကုဏ္ဍလိယ တိဏိ သုစရိတာနိ ဧဝံ ဗဟုလိကတာနိ စတ္တာရော  
သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေန္တိ။

ကထံ ဘာဝိတာ စ ကုဏ္ဍလိယ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ကထံ ဗဟုလိ-  
ကတာ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ပရိပူရေန္တိ၊ ဣမ ကုဏ္ဍလိယ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာ-  
နုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ  
အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ  
အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။  
ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ကုဏ္ဍလိယ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ  
သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ပရိပူရေန္တိ။

ကထံ ဘာဝိတာ စ ကုဏ္ဍလိယ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ကထံ ဗဟုလိကတာ  
ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ ပရိပူရေန္တိ၊ ဣမ ကုဏ္ဍလိယ ဘိက္ခု သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ  
ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ပ။

ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ကုဏ္ဍလိယ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ ပရိပူရေန္တိတိ။

ဧဝံ ဝုတ္တေ ကုဏ္ဍလိယော ပရိဗ္ဗာဇကော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “အဘိက္ကန္တံ ဘော ဂေါတမ၊ အဘိက္ကန္တံ ဘော ဂေါတမ၊ သေယျထာပိ ဘော ဂေါတမ နိက္ခုဇ္ဈိတံ ဝါ ဥက္ခုဇ္ဈေယျ၊ ပဋိစ္စန္တံ ဝါ ဝိဝရေယျ၊ မူဠဿ ဝါ မဂ္ဂံ အာစိက္ခေယျ၊ အန္ဓကာရေ ဝါ တေလပဇ္ဇောတံ ဓာရေယျ ‘စက္ခုမန္တော ရူပါနိ ဒက္ခန္တိ’တိ၊ ဧဝမေဝ ဘောတာ ဂေါတမေန အနေကပရိယာယေန ဓမ္မော ပကာသိတော၊ ဒေသာဟံ ဘဝန္တံ ဂေါတမံ သရဏံ ဂစ္ဆာမိ ဓမ္မဉ္စ ဘိက္ခုသံဃဉ္စ၊ ဥပါသကံ မံ ဘဝံ ဂေါတမော ဓာရေတု အဇ္ဇတဂ္ဂေ ပါဏုပေတံ သရဏံ ဂတ”န္တိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ကုဋ္ဌာဂါရသုတ္တ

၁၈၈။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ကုဋ္ဌာဂါရဿ ယာ ကာစိ ဂေါပါနသိယော၊ သဗ္ဗာ တာ ကုဋ္ဌနိန္နာ ကုဋ္ဌပေါဏာ ကုဋ္ဌပဗ္ဗာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေန္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္နော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေန္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္နော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေန္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္နော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-ဥပဝါနသုတ္တ

၁၈၉။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ စ ဥပဝါနော အာယသ္မာ စ သာရိပုတ္တော ကောသမ္ဘိယံ ဝိဟရန္တိ ဘောသိတာရာမေ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော သာယနသမယံ ပဋိသလ္လာနာ ဝုဋ္ဌိတော ယေနာယသ္မာ ဥပဝါနော တေနပသကံမိ၊ ဥပသကံမိတွာ အာယသ္မတာ ဥပဝါနေန သမ္ဘိံ သမ္မောဒိ၊ သမ္မောဒနိယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိတိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္တော ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော အာယသ္မန္တံ ဥပဝါနံ တေဒဝေါစ—

“ဇာနေယျ န ခေါ အာဝုသော ဥပဝါန ဘိက္ခု ပစ္စတ္တံ ယောနိသောမနသိကာရာ ဧဝံ သုသမာရဗ္ဗါ မေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဖာသုဝိဟာရာယ သံဝတ္တန္တိ”တိ။ ဇာနေယျ ခေါ အာဝုသော သာရိပုတ္တ ဘိက္ခု ပစ္စတ္တံ ယောနိသောမနသိကာရာ ဧဝံ သုသမာရဗ္ဗါ မေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဖာသုဝိဟာရာယ သံဝတ္တန္တိတိ။

သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ခေါ အာဝုသော ဘိက္ခု အာရဗ္ဗမာနော ပဇာနာတိ “စိတ္တဉ္စ မေ သုဝိမုတ္တံ၊ ထိနမိဉ္စ မေ သုသမူဟတံ၊ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဉ္စ မေ သုပ္ပဋိဝိနိတံ၊ အာရဗ္ဗဉ္စ မေ ဝိရိယံ၊ အဋ္ဌိကတွာ မနသိ ကရောမိ နော စ လိန”န္တိ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ အာဝုသော ဘိက္ခု အာရဗ္ဗမာနော ပဇာနာတိ “စိတ္တဉ္စ မေ သုဝိမုတ္တံ၊ ထိနမိဉ္စ မေ သုသမူဟတံ၊ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဉ္စ မေ သုပ္ပဋိဝိနိတံ၊ အာရဗ္ဗဉ္စ မေ ဝိရိယံ၊ အဋ္ဌိကတွာ မနသိ ကရောမိ နော စ လိန”န္တိ။ ဧဝံ ခေါ အာဝုသော သာရိပုတ္တ ဘိက္ခု ဇာနေယျ ပစ္စတ္တံ ယောနိသောမနသိကာရာ ဧဝံ သုသမာရဗ္ဗါ မေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဖာသုဝိဟာရာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ပဌမဥပ္ပန္နသုတ္တ

၁၉၀။ သတ္တိမေ ဘိက္ခဝေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အနုပ္ပန္နာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြိ တထာဂတဿ ပါတုဘာဝါ အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အနုပ္ပန္နာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြိ တထာဂတဿ ပါတုဘာဝါ အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿာတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဒုတိယဥပ္ပန္နသုတ္တ

၁၉၁။ သတ္တိမေ ဘိက္ခဝေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အနုပ္ပန္နာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြိ သုဂတဝိနယာ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အနုပ္ပန္နာ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြိ သုဂတဝိနယာတိ။ ။ဒသမံ။

ပဗ္ဗတဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဟိမဝန္တံ ကာယံ သီလံ၊ ဝတ္ထံ ဘိက္ခု စ ကုဏ္ဍလိ။  
ကုဋေ ဥပဝါနဉ္စ၊ ဥပ္ပန္နာ အပရေ ဒုဝေတိ။

## ၂-ဝိလောကဝဂ္ဂ

## ၁-ပါဏသုတ္တ

၁၉၂။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ပါဏာ စတ္တာရော ဣရိယာပထေ ကပ္ပေန္တိ ကာလေန ဂမနံ ကာလေန ဌာနံ ကာလေန နိသဇ္ဇိ ကာလေန သေယျံ၊ သဗ္ဗေ တေ ပထဝီ နိဿာယ၊ ပထဝီယံ ပတိဋ္ဌာယ၊ ဧဝမေတေ စတ္တာရော ဣရိယာပထေ ကပ္ပေန္တိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရေတိ။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရေတိ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရေတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-ပဌမသုရိယုပမသုတ္တ

၁၉၃။ သူရိယဿ ဘိက္ခဝေ ဥဒယတော ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ အရုဏဂ္ဂံ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ဥပ္ပါဒါယ ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ နိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ။ ကလျာဏမိတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကင်္ဂံ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေသတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရိသတိ။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရေတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-ဒုတိယသူရိယူပမသုတ္တ

၁၉၄။ သူရိယဿ ဘိက္ခဝေ ဥဒယတော ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ အရုဏဂ္ဂံ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ဥပ္ပါဒါယ ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ ယောနိသောမနသိကာရော။ ယောနိသော-မနသိကာရသမ္ပန္နဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကင်္ခံ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေယတိ၊ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရိယတိ။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိ-သမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရေတိတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-ပဌမဂိလာနသုတ္တ

၁၉၅။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ရာဇဂဟေ ဝိဟရတိ ဝေဠုဝနေ ကလန္တက-နိဝါပေ။တေန ခေါ ပန သမယေန အာယသ္မာ မဟာကဿပေါ ပိပ္ပလိဂုဟာယံ<sup>၁</sup> ဝိဟရတိ အာဗာဓိကော ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂိလာနော။ အထ ခေါ ဘဂဝါ သာယန္တသမယံ ပဋိသလ္လာနာ ဝုဠိတော ယေနာယသ္မာ မဟာကဿပေါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ပညတ္တေ အာသနေ နိသီဒိ၊ နိသဇ္ဇ ခေါ ဘဂဝါ အာယသ္မန္တံ မဟာကဿပံ တေဒဝေါစ—

“ကစ္စိ တေ ကဿပ ခမနီယံ၊ ကစ္စိ ယာပနီယံ၊ ကစ္စိ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ ပဋိက္ခမန္တိ နော အဘိက္ကမန္တိ၊ ပဋိက္ခမောသာနံ ပညာယတိ နော အဘိက္ကမော”တိ။ န မေ ဘန္တေ ခမနီယံ၊ န ယာပနီယံ၊ ဗာဠု မေ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ အဘိက္ကမန္တိ နော ပဋိက္ခမန္တိ၊ အဘိက္ကမောသာနံ ပညာယတိ နော ပဋိက္ခမောတိ။

သတ္တိမေ ကဿပ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ မယာ သမ္ပဒက္ခာတာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိ-သမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ခေါ ကဿပ မယာ သမ္ပဒက္ခာတော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ခေါ ကဿပ မယာ သမ္ပဒက္ခာတော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော အဘိညာယ

သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။ ဣမေ ခေါ ကဿပ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ မယာ သမ္ပဒက္ခာတာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ တဿ ဘဂဝါ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ၊ တဿ သုဂတ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ။

ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ။ အတ္တမေနော အာယသ္မာ မဟာကဿပေါ ဘဂဝတော ဘာသိတံ အဘိနန္တိ။ ဝုဠဟိ စာယသ္မာ မဟာကဿပေါ တမှာ အာဗာဓာ၊ တထာပဟိနော စာယသ္မတော မဟာကဿပဿ သော အာဗာဓော အဟောသိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ဒုတိယဂိလာနသုတ္တ

၁၉၆။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ရာဇဂဟေ ဝိဟရတိ ဝေဠုဝနေ ကလန္တက-  
နိဝါပေ။ တေန ခေါ ပန သမယေန အာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော ဂိဇ္ဈကူဠေ  
ပဗ္ဗတေ ဝိဟရတိ အာဗာဓိကော ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂိလာနော။ အထ ခေါ  
ဘဂဝါ သာယန္တသမယံ ပဋိသလ္လာနာ ဝုဠိတော ယေနာယသ္မာ မဟာ-  
မောဂ္ဂလ္လာနော တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ပညတ္တေ အာသနေ နိသီဒိ၊  
နိသဇ္ဇ ခေါ ဘဂဝါ အာယသ္မန္တံ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနံ တေဒဝေါစ—

“ကစ္စိ တေ မောဂ္ဂလ္လာန ခမနိယံ၊ ကစ္စိ ယာပနိယံ၊ ကစ္စိ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ  
ပဋိက္ကမန္တိ နော အဘိက္ကမန္တိ၊ ပဋိက္ကမောသာနံ ပညာယတိ နော  
အဘိက္ကမော”တိ။ န မေ ဘန္တေ ခမနိယံ၊ န ယာပနိယံ၊ ဗာဠု မေ ဒုက္ခာ  
ဝေဒနာ အဘိက္ကမန္တိ နော ပဋိက္ကမန္တိ၊ အဘိက္ကမောသာနံ ပညာယတိ နော  
ပဋိက္ကမောတိ။

သတ္တိမေ မောဂ္ဂလ္လာန ဗောဇ္ဈင်္ဂါ မယာ သမ္ပဒက္ခာတာ ဘာဝိတာ  
ဗဟုလိကတာ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ  
သတ္တ၊ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေါ ခေါ မောဂ္ဂလ္လာန မယာ သမ္ပဒက္ခာတော  
ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။ပ။  
ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေါ ခေါ မောဂ္ဂလ္လာန မယာ သမ္ပဒက္ခာတော ဘာဝိတော  
ဗဟုလိကတော အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။ ဣမေ  
ခေါ မောဂ္ဂလ္လာန သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ မယာ သမ္ပဒက္ခာတာ ဘာဝိတာ  
ဗဟုလိကတာ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ တဿ  
ဘဂဝါ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ၊ တဿ သုဂတ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ။

ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ။ အတ္တမနော အာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော ဘဂဝတော ဘာသိတံ အဘိနန္တိ။ ဝုဠဟိ စာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော တမှာ အာဗာဓော၊ တထာပဟိနော စာယသ္မတော မဟာမောဂ္ဂလ္လာနဿ သော အာဗာဓော အဟောသီတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-တတိယဂိလာနသုတ္တ

၁၉၇။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါရာဇဂဟေဝိဟရတိဝေဠုဝနေ ကလန္တကနိဝါပေ။ တေန ခေါ ပန သမယေန ဘဂဝါ အာဗာဓိကော ဟောတိ ဒုက္ခိတော ဗာဠဂိလာနော။ အထ ခေါ အာယသ္မာ မဟာစုန္ဒော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒ္ဓိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္တံ ခေါ အာယသ္မန္တံ မဟာစုန္ဒံ ဘဂဝါ ဧတဒဝေါစ “ပဋိဘန္တ၊ တံ စုန္ဒ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ”တိ။

သတ္တိမေ ဘန္တေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘဂဝတာ သမ္ပဒက္ခာတာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အဘိညာယ သမ္ပောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ ခေါ ဘန္တေ ဘဂဝတာ သမ္ပဒက္ခာတော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော အဘိညာယ သမ္ပောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ ခေါ ဘန္တေ ဘဂဝတာ သမ္ပဒက္ခာတော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော အဘိညာယ သမ္ပောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။ ဣမေ ခေါ ဘန္တေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘဂဝတာ သမ္ပဒက္ခာတာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အဘိညာယ သမ္ပောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ တဿ စုန္ဒ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ၊ တဿ စုန္ဒ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ။

ဣဒမဝေါစာယသ္မာ စုန္ဒော။ သမနုညော သတ္တာ အဟောသိ။ ဝုဠဟိ စ ဘဂဝါ တမှာ အာဗာဓော၊ တထာပဟိနော စ ဘဂဝတော သော အာဗာဓော အဟောသီတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ပါရ်မသုတ္တ

၁၉၈။ သတ္တိမေ ဘိက္ခဝေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အပါရာ ပါရံ ဂမနာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အပါရာ ပါရံ ဂမနာယ သံဝတ္တန္တိတိ။

အပ္ပကာ တေ မနုဿေသု၊ ယေ ဇနာ ပါရဂါမိနော။  
အထာယံ ဣတရာ ပဇာ၊ တီရမေဝါနုဓာဝတိ။

ယေ စ ခေါ သမ္ပဒက္ခာတေ၊ ဓမ္မေ ဓမ္မာနုဝတ္တိနော။  
တေ ဇနာ ပါရမေဿန္တိ၊ မစ္စုဓေယျံ သုဒုတ္တရံ။

ကဏ္ဍံ ဓမ္မံ ဝိပ္ပဟာယ၊ သုက္ကံ ဘာဝေထ ပဏ္ဍိတော။  
ဩကာ အနောကမာဂမ္မ၊ ဝိဝေကေ ယတ္ထ ဒူရမံ။

တတြာဘိရတိမိစ္ဆေယျ၊ ဟိတွာ ကာမေ အကိဉ္စနော။  
ပရိယောဒပေယျ အတ္တာနံ၊ စိတ္တဇ္ဈေသေဟိ ပဏ္ဍိတော။

ယေသံ သမ္မောဓိယဇ်သု၊ သမ္မာ စိတ္တံ သုဘာဝိတံ။  
အာဒါနပ္ပဋိနိဿဂ္ဂေ၊ အနုပါဒါယ ယေ ရတာ။  
ဒီဏာသဝါ ဇုတိမန္တော၊ တေ လောကေ ပရိနိဗ္ဗုတာတိ။

သတ္တမံ။

### ၈-ဝိရဒ္ဓသုတ္တ

၁၉၉။ ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဝိရဒ္ဓါ၊ ဝိရဒ္ဓေါ တေသံ  
အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ။ ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ သတ္တ  
ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အာရဒ္ဓါ၊ အာရဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ။  
ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ ယေသံ  
ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ ဣမေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဝိရဒ္ဓါ၊ ဝိရဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော  
မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ။ ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ ဣမေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ  
အာရဒ္ဓါ၊ အာရဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယ-  
ဂါမီတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-အရိယသုတ္တ

၂၀၀။ သတ္တိမေ ဘိက္ခဝေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အရိယာ  
နိယျာနိကာ နိယန္တိ တက္ကရဿ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယာယ။ ကတမေ သတ္တ၊  
သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ  
ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အရိယာ နိယျာနိကာ နိယန္တိ တက္ကရဿ  
သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယာယာတိ။ ။နဝမံ။



## ၁၀-နိဗ္ဗိဒါသုတ္တ

၂၀၁။ သတ္တိမေ ဘိက္ခဝေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဧကန္တနိဗ္ဗိဒါယ ဝိရာဂါယ နိရောဓာယ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဧကန္တနိဗ္ဗိဒါယ ဝိရာဂါယ နိရောဓာယ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ဒသမံ။

ဂိလာနဝဂ္ဂေါ ဒုတိယော။

## တသုဒ္ဓါနံ

ပါဏာ သူရိယူပမာ ဒွေ၊ ဂိလာနာ အပရေ တယော။  
ပါရံဂါမီ ဝိရဒ္ဓေါ စ၊ အရိယော နိဗ္ဗိဒါယ စာတိ။

## ၃-ဥဒါယိဝဂ္ဂ

## ၁-ဗောဓာယသုတ္တ

၂၀၂။ အထ ခေါ အညတရော ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ။ပ။ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ သော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—

“ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ”တိ ဘန္တေ ဝုစ္စန္တိ၊ ကိတ္တာဝတာ န ခေါ ဘန္တေ “ဗောဇ္ဈင်္ဂါ”တိ ဝုစ္စန္တိတိ။ ဗောဓာယ သံဝတ္တန္တိတိ ခေါ ဘိက္ခု၊ တသ္မာ “ဗောဇ္ဈင်္ဂါ”တိ ဝုစ္စန္တိ၊ ဣမ ဘိက္ခု သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဗောဓာယ သံဝတ္တန္တိတိ ခေါ ဘိက္ခု၊ တသ္မာ “ဗောဇ္ဈင်္ဂါ”တိ ဝုစ္စန္တိတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-ဗောဇ္ဈင်္ဂဒေသနာသုတ္တ

၂၀၃။ သတ္တ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဒေသေဿာမိ တံ သုဏာထ။ ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ၊ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-ဌာနိယသုတ္တ

၂၀၄။ ကာမရာဂဋ္ဌာနိယာနံ<sup>၁</sup> ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာနံ မနသိကာရဗဟုလိကာရာ အနုပ္ပန္နော စေဝ ကာမစ္ဆန္တော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ကာမစ္ဆန္တော ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိ။ ဗျာပါဒဋ္ဌာနိယာနံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာနံ မနသိကာရဗဟုလိကာရာ အနုပ္ပန္နော စေဝ ဗျာပါဒေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ဗျာပါဒေါ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိ။ ထိနမိဒ္ဓဋ္ဌာနိယာနံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာနံ မနသိကာရဗဟုလိကာရာ အနုပ္ပန္နဉ္စေဝ ထိနမိဒ္ဓံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နဉ္စ ထိနမိဒ္ဓံ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိ။ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဋ္ဌာနိယာနံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာနံ မနသိကာရဗဟုလိကာရာ အနုပ္ပန္နဉ္စေဝ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နဉ္စ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စံ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိ။ ဝိစိကိစ္ဆာဋ္ဌာနိယာနံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာနံ မနသိကာရဗဟုလိကာရာ အနုပ္ပန္နော စေဝ ဝိစိကိစ္ဆာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ဝိစိကိစ္ဆာ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိ။

သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဋ္ဌာနိယာနံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာနံ မနသိကာရဗဟုလိကာရာ အနုပ္ပန္နော စေဝ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဘာဝနာပါရိပုရိ ဝစ္ဆတိ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဋ္ဌာနိယာနံ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာနံ မနသိကာရဗဟုလိကာရာ အနုပ္ပန္နော စေဝ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဘာဝနာပါရိပုရိ ဝစ္ဆတိတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-အယောနိသောမနသိကာရသုတ္တ

၂၀၅။ အယောနိသော ဘိက္ခဝေ မနသိကရောတော အနုပ္ပန္နော စေဝ ကာမစ္ဆန္တော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ကာမစ္ဆန္တော ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိ။ အနုပ္ပန္နော စေဝ ဗျာပါဒေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ဗျာပါဒေါ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိ။ အနုပ္ပန္နဉ္စေဝ ထိနမိဒ္ဓံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နဉ္စ ထိနမိဒ္ဓံ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိ။ အနုပ္ပန္နဉ္စေဝ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နဉ္စ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စံ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိ။ အနုပ္ပန္နော စေဝ ဝိစိကိစ္ဆာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ဝိစိကိစ္ဆာ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိ။ အနုပ္ပန္နော စေဝ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ နုပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ နိရုဇ္ဈတိ။ပ။ အနုပ္ပန္နော စေဝ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ နုပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ နိရုဇ္ဈတိ။

ယောနိသော စ ခေါ ဘိက္ခဝေ မနသိကရောတော အနုပ္ပန္နော စေဝ  
ကာမစ္ဆန္တော နုပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ကာမစ္ဆန္တော ပဟိယတိ။ အနုပ္ပန္နော စေဝ  
ဗျာပါဒေါ နုပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ဗျာပါဒေါ ပဟိယတိ။ အနုပ္ပန္နဉ္စေဝ ထိနမိဒ္ဓံ  
နုပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နဉ္စ ထိနမိဒ္ဓံ ပဟိယတိ။ အနုပ္ပန္နဉ္စေဝ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စံ နုပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နဉ္စ  
ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စံ ပဟိယတိ။ အနုပ္ပန္နော စေဝ ဝိစိကိစ္ဆာ နုပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ  
ဝိစိကိစ္ဆာ ပဟိယတိ။

အနုပ္ပန္နော စေဝ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ  
ဘာဝနာပါရိပူရိ ဂစ္ဆတိ။ ပ။ အနုပ္ပန္နော စေဝ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊  
ဥပ္ပန္နော စ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဘာဝနာပါရိပူရိ ဂစ္ဆတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-အပရိဟာနိယသုတ္တ

၂၀၆။ သတ္တ ဝေါ ဘိက္ခဝေ အပရိဟာနိယေ ဓမ္မေ ဒေသေဿာမိ တံ  
သုဏာယ။ ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ သတ္တ အပရိဟာနိယာ ဓမ္မာ၊ ယဒိဒံ သတ္တ  
ဗောဇ္ဈင်္ဂါ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ။  
ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ အပရိဟာနိယာ ဓမ္မာတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-တဏှက္ခယသုတ္တ

၂၀၇။ ယော ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ။ ယာ ပဋိပဒါ တဏှက္ခယာယ သံဝတ္တတိ၊ တံ  
မဂ္ဂံ တံ ပဋိပဒံ ဘာဝေယ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ ကတမာ စ ပဋိပဒါ  
တဏှက္ခယာယ သံဝတ္တတိ၊ ယဒိဒံ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိ-  
သမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါတိ။ ဧဝံ ဝုတ္တေ အာယသ္မာ ဥဒါယီ  
ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ “ကထံ ဘာဝိတာ န ခေါ ဘန္တေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ  
ကထံ ဗဟုလိကတာ တဏှက္ခယာယ သံဝတ္တန္တိ”တိ။

ဣမ ဥဒါယီ ဘိက္ခု သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂ-  
နိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ ဝိပုလံ မဟဂ္ဂတံ အပ္ပမာဏံ  
အဗျာပဇ္ဇံ။ တဿ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝယတော ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂ-  
နိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ ဝိပုလံ မဟဂ္ဂတံ အပ္ပမာဏံ  
အဗျာပဇ္ဇံ တဏှာ ပဟိယတိ၊ တဏှာယ ပဟာနာ ကမ္မံ ပဟိယတိ၊ ကမ္မဿ  
ပဟာနာ ဒုက္ခံ ပဟိယတိ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ

ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ ဝိပုလံ မဟဂ္ဂတံ အပ္ပမာဏံ အဗျာပဇ္ဇံ။ တဿ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝယတော ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ ဝိပုလံ မဟဂ္ဂတံ အပ္ပမာဏံ အဗျာပဇ္ဇံ တဏှာ ပဟိယတိ၊ တဏှာယ ပဟာနာ ကမ္မံ ပဟိယတိ၊ ကမ္မဿ ပဟာနာ ဒုက္ခံ ပဟိယတိ။ ဣတိ ခေါ ဥဒါယိ တဏှက္ခယာ ကမ္မက္ခယော၊ ကမ္မက္ခယာ ဒုက္ခက္ခယောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-တဏှာနိရောဓသုတ္တ

၂၀၈။ ယော ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ ယာ ပဋိပဒါ တဏှာနိရောဓာယ သံဝတ္တတိ၊ တံ မဂ္ဂံ တံ ပဋိပဒံ ဘာဝေထ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ ကတမာ စ ပဋိပဒါ တဏှာနိရောဓာယ သံဝတ္တတိ၊ ယဒိဒံ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ကထံ ဗဟုလိကတာ တဏှာနိရောဓာယ သံဝတ္တန္တိ။

ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂ-  
နိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ  
ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ။  
ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ တဏှာ-  
နိရောဓာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-နိဗ္ဗေဒဘာဝိယသုတ္တ

၂၀၉။ နိဗ္ဗေဒဘာဝိယံ ဝေါ ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂံ ဒေသေဿာမိ တံ သုဏာထ။ ကတမော စ ဘိက္ခဝေ နိဗ္ဗေဒဘာဝိယော မဂ္ဂေါ၊ ယဒိဒံ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါတိ။ ဧဝံ ဝုတ္တေ အာယသ္မာ ဥဒါယိ ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ “ကထံ ဘာဝိတာ န ခေါ ဘန္တေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ကထံ ဗဟုလိကတာ နိဗ္ဗေဒာယ သံဝတ္တန္တိ”တိ။

ဣဓ ဥဒါယိ ဘိက္ခု သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ ဝိပုလံ မဟဂ္ဂတံ အပ္ပမာဏံ အဗျာပဇ္ဇံ။ သော သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝိတေန စိတ္တေန အနိဗ္ဗိဒ္ဓပုဗ္ဗံ အပ္ပဒါလိ-  
တပုဗ္ဗံ လောဘက္ခန္ဓံ နိဗ္ဗိဇ္ဈတိ ပဒါလေတိ၊ အနိဗ္ဗိဒ္ဓပုဗ္ဗံ အပ္ပဒါလိတပုဗ္ဗံ ဒေါသက္ခန္ဓံ  
နိဗ္ဗိဇ္ဈတိ ပဒါလေတိ၊ အနိဗ္ဗိဒ္ဓပုဗ္ဗံ အပ္ပဒါလိတပုဗ္ဗံ မောဟက္ခန္ဓံ နိဗ္ဗိဇ္ဈတိ  
ပဒါလေတိ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ

နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ° ဝိပုလံ မဟဂ္ဂတံ အပ္ပမာဏံ အဗျာပဇ္ဇိ။  
 သော ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝိတေန စိတ္တေန အနိဗ္ဗိဒ္ဓပုဗ္ဗံ အပ္ပဒါလိတပုဗ္ဗံ  
 လောဘက္ခန္ဓံ နိဗ္ဗိဇ္ဈတိ ပဒါလေတိ၊ အနိဗ္ဗိဒ္ဓပုဗ္ဗံ အပ္ပဒါလိတပုဗ္ဗံ ဒေါသက္ခန္ဓံ  
 နိဗ္ဗိဇ္ဈတိ ပဒါလေတိ၊ အနိဗ္ဗိဒ္ဓပုဗ္ဗံ အပ္ပဒါလိတပုဗ္ဗံ မောဟက္ခန္ဓံ နိဗ္ဗိဇ္ဈတိ  
 ပဒါလေတိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဥဒါယိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ  
 နိဗ္ဗေဓာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဧကဓမ္မသုတ္တ

၂၁၀။ နာဟံ ဘိက္ခဝေ အညံ ဧကဓမ္မဗ္ဗိ သမနုပဿာမိ။ ယော ဧဝံ ဘာဝိတော  
 ဗဟုလိကတာ သံယောဇနီယာနံ ဓမ္မာနံ ပဟာနာယ သံဝတ္တတိ၊ ယထာယိဒံ  
 ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ ပ။ ဥပေက္ခာ-  
 သမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ကထံ ဗဟုလိကတာ  
 သံယောဇနီယာနံ ဓမ္မာနံ ပဟာနာယ သံဝတ္တန္တိ။

ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ ပ။  
 ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ  
 ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဧဝံ  
 ဗဟုလိကတာ သံယောဇနီယာနံ ဓမ္မာနံ ပဟာနာယ သံဝတ္တန္တိ။

ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ သံယောဇနီယာ ဓမ္မာ၊ စက္ခု ဘိက္ခဝေ သံယောဇနီယော  
 ဓမ္မော၊ ဧတ္ထေတေ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ သံယောဇနဝိနိဗ္ဗာ အဇ္ဈောသာနာ။ ပ။ ဇိဝှါ  
 သံယောဇနီယာ ဓမ္မာ၊ ဧတ္ထေတေ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ သံယောဇနဝိနိဗ္ဗာ အဇ္ဈော-  
 သာနာ။ ပ။ မနော သံယောဇနီယော ဓမ္မော၊ ဧတ္ထေတေ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ သံယောဇန-  
 ဝိနိဗ္ဗာ အဇ္ဈောသာနာ။ ဣမေ ဝုစ္စန္တိ ဘိက္ခဝေ သံယောဇနီယာ ဓမ္မာတိ။ ။  
 နဝမံ။

### ၁၀-ဥဒါယိသုတ္တ

၂၁၁။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သုဗ္ဗေသု ဝိဟရတိ သေတကံ နာမ သုမ္ဘာနံ  
 နိဂမော။ အထ ခေါ အာယသ္မာ ဥဒါယိ ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ။ ပ။  
 ဧကမန္တံ နိသိန္ဓော ခေါ အာယသ္မာ ဥဒါယိ ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—

အတ္ထရိယံ ဘန္တေ၊ အတ္တုတံ ဘန္တေ၊ ယာဝ ဗဟုကတဉ္စ မေ ဘန္တေ ဘဂဝတိ  
 ပေမဉ္စ ဂါရဝေါ စ ဟိရိ စ ဩတ္တပ္ပဉ္စ။ အဟံ ဟိ ဘန္တေ ပုဗ္ဗေ အဂါရိကဘူတော

သမာနော အဗဟုကတော အဟောသိံ ဓမ္မေနံ၊ အဗဟုကတော သံဃေန။  
 သော ခွါဟံ ဘဂဝတိ ပေမဉ္စ ဂါရဝဉ္စ ဟိရိံ စ ဩတ္တပ္ပဉ္စ သမ္ပဿမာနော  
 အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇိတော၊ တဿ မေ ဘဂဝါ ဓမ္မံ ဒေသေသိ “ဣတိ ရူပံ  
 ဣတိ ရူပဿ သမုဒယော ဣတိ ရူပဿ အတ္တင်္ဂမော။ ဣတိ ဝေဒနာ။ ပ။ ဣတိ  
 သညာ။ ဣတိ သင်္ခါရာ။ ဣတိ ဝိညာဏံ။ ဣတိ ဝိညာဏဿ သမုဒယော ဣတိ  
 ဝိညာဏဿ အတ္တင်္ဂမော”တိ။

သော ခွါဟံ ဘန္တေ သုညာဂါရဂတော ဣမေသံ ပဉ္စပါဒါနက္ခန္ဓာနံ  
 ဥက္ကဋ္ဌာဝကုဋ် သမ္ပရိဝတ္တေန္တော “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ အဗ္ဘညာသိ။ “အယံ  
 ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ယထာဘူတံ အဗ္ဘညာသိ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ  
 ယထာဘူတံ အဗ္ဘညာသိ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂေါဓိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ  
 အဗ္ဘညာသိ။ ဓမ္မော စ မေ ဘန္တေ အဘိသမိတော၊ မဂ္ဂေါ စ မေ ပဋိလဒ္ဓေါ။  
 ယော မေ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော၊ တထာ တထာ ဝိဟရန္တံ တထတ္တာယ  
 ဥပနေဿတိ၊ ယထာဟံ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊  
 နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာ”တိ ပဇာနိဿာမိ။

သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ မေ ဘန္တေ ပဋိလဒ္ဓေါ၊ ယော မေ ဘာဝိတော  
 ဗဟုလိကတော၊ တထာ တထာ ဝိဟရန္တံ တထတ္တာယ ဥပနေဿတိ၊ ယထာဟံ  
 “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာ”တိ  
 ပဇာနိဿာမိ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ မေ ဘန္တေ ပဋိလဒ္ဓေါ။ ယော မေ  
 ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော၊ တထာ တထာ ဝိဟရန္တံ တထတ္တာယ ဥပနေဿတိ၊  
 ယထာဟံ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ  
 ဣတ္ထတ္တာယာ”တိ ပဇာနိဿာမိ။ အယံ ခေါ မေ ဘန္တေ မဂ္ဂေါ ပဋိလဒ္ဓေါ။  
 ယော မေ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော၊ တထာ တထာ ဝိဟရန္တံ တထတ္တာယ  
 ဥပနေဿတိ၊ ယထာဟံ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊  
 နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာ”တိ ပဇာနိဿာမိတိ။

သာဓု သာဓု ဥဒါယိ၊ ဧသော ဟိ တေ ဥဒါယိ မဂ္ဂေါ ပဋိလဒ္ဓေါ။  
 ယော တေ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော၊ တထာ တထာ ဝိဟရန္တံ တထတ္တာယ  
 ဥပနေဿတိ၊ ယထာ တံ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊  
 နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာ”တိ ပဇာနိဿသိတိ။ ။ဒသမံ။

ဥဒါယိဝဂ္ဂေါ တတိယော။

## တဿုဒ္ဓါနံ

ဗောဓာယ ဒေသနာ ဌာနာ၊ အယောနိသော စာပရိဟာနိ။  
ခယော နိရောဓော နိဗ္ဗေဓော၊ ဧကဓမ္မော ဥဒါယိနာတိ။

## ၄-နိဝရဏဝဂ္ဂ

## ၁-ပဌမကုသလသုတ္တ

၂၁၂။ ယေ ကေမိ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ ကုသလာ ကုသလဘာဂိယာ ကုသလ-  
ပက္ခိကာ၊ သဗ္ဗေ တေ အပ္ပမာဒမူလကာ အပ္ပမာဒသမောသရဏာ။ အပ္ပမာဒေါ  
တေသံ ဓမ္မာနံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ အပ္ပမတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံ  
သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေဿတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရိဿတိ။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အပ္ပမတ္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေတိ၊ သတ္တ-  
ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ  
ဝိဝေကနိဿိတံ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂ-  
နိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
အပ္ပမတ္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိ-  
ကရေတိတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-ဒုတိယကုသလသုတ္တ

၂၁၃။ ယေ ကေမိ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ ကုသလာ ကုသလဘာဂိယာ ကုသလ-  
ပက္ခိကာ၊ သဗ္ဗေ တေ ယောနိသောမနသိကာရမူလကာ ယောနိသော-  
မနသိကာရသမောသရဏာ။ ယောနိသောမနသိကာရော တေသံ ဓမ္မာနံ  
အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော  
ပါဠိကံ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေဿတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရိဿတိ။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ  
ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိ-  
သမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ  
ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ

ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရောတိတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ဥပတ္တိလေသသုတ္တ

၂၁၄။ ပဉ္စိမေ ဘိက္ခဝေ ဇာတရူပဿ ဥပတ္တိလေသာ၊ ယေဟိ ဥပတ္တိလေသေဟိ ဥပတ္တိလိဋ္ဌံ ဇာတရူပံ န စေဝ မုဒု ဟောတိ န စ ကမ္မနိယံ န စ ပဘဿရံ ပဘင်္ဂံ စ၊ န စ သမ္မာ ဥပေတိ ကမ္မာယ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ အယော ဘိက္ခဝေ ဇာတရူပဿ ဥပတ္တိလေသော၊ ယေန ဥပတ္တိလေသေန ဥပတ္တိလိဋ္ဌံ ဇာတရူပံ န စေဝ မုဒု ဟောတိ န စ ကမ္မနိယံ န စ ပဘဿရံ ပဘင်္ဂံ စ၊ န စ သမ္မာ ဥပေတိ ကမ္မာယ။ လောဟံ ဘိက္ခဝေ ဇာတရူပဿ ဥပတ္တိလေသော၊ ယေန ဥပတ္တိလေသေန ဥပတ္တိလိဋ္ဌံ ဇာတရူပံ။ ပ။ တိပု ဘိက္ခဝေ ဇာတရူပဿ ဥပတ္တိလေသော။ ပ။ သီသံ ဘိက္ခဝေ ဇာတရူပဿ ဥပတ္တိလေသော။ ပ။ သဇ္ဈ၊ ဘိက္ခဝေ ဇာတရူပဿ ဥပတ္တိလေသော၊ ယေန ဥပတ္တိလေသေန ဥပတ္တိလိဋ္ဌံ ဇာတရူပံ န စေဝ မုဒု ဟောတိ န စ ကမ္မနိယံ န စ ပဘဿရံ ပဘင်္ဂံ စ၊ န စ သမ္မာ ဥပေတိ ကမ္မာယ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ ဇာတရူပဿ ဥပတ္တိလေသာ၊ ယေဟိ ဥပတ္တိလေသေဟိ ဥပတ္တိလိဋ္ဌံ ဇာတရူပံ န စေဝ မုဒု ဟောတိ န စ ကမ္မနိယံ န စ ပဘဿရံ ပဘင်္ဂံ စ၊ န စ သမ္မာ ဥပေတိ ကမ္မာယ။

ဝေမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိမေ စိတ္တဿ ဥပတ္တိလေသာ၊ ယေဟိ ဥပတ္တိလေသေဟိ ဥပတ္တိလိဋ္ဌံ စိတ္တံ န စေဝ မုဒု ဟောတိ န စ ကမ္မနိယံ န စ ပဘဿရံ ပဘင်္ဂံ စ၊ န စ သမ္မာ သမာဓိယတိ အာသဝါနံ ခယာယ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ ကာမစ္စန္ဒော ဘိက္ခဝေ စိတ္တဿ ဥပတ္တိလေသော၊ ယေန ဥပတ္တိလေသေန ဥပတ္တိလိဋ္ဌံ စိတ္တံ န စေဝ မုဒု ဟောတိ န စ ကမ္မနိယံ န စ ပဘဿရံ ပဘင်္ဂံ စ၊ န စ သမ္မာ သမာဓိယတိ အာသဝါနံ ခယာယ။ ပ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ စိတ္တဿ ဥပတ္တိလေသာ၊ ယေဟိ ဥပတ္တိလေသေဟိ ဥပတ္တိလိဋ္ဌံ စိတ္တံ န စေဝ မုဒု ဟောတိ န စ ကမ္မနိယံ န စ ပဘဿရံ ပဘင်္ဂံ စ၊ န စ သမ္မာ သမာဓိယတိ အာသဝါနံ ခယာယာတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-အနုပတ္တိလေသသုတ္တ

၂၁၅။ သတ္ထိမေ ဘိက္ခဝေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အနာဝရဏာ အနိဝရဏာ စေတသော အနုပတ္တိလေသာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသမ္ဘိကိရိယာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂေါ ဘိက္ခဝေ အနာဝရဏော



အနိဝရဏော စေတသော အနုပက္ကိလေသော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော  
ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တတိ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ဘိက္ခဝေ  
အနာဝရဏော အနိဝရဏော စေတသော အနုပက္ကိလေသော ဘာဝိတော  
ဗဟုလိကတော ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တတိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အနာဝရဏာ အနိဝရဏာ စေတသော အနုပက္ကိလေသော  
ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-အယောနိသောမနသိကာရသုတ္တ

၂၁၆။ အယောနိသော ဘိက္ခဝေ မနသိကရောတော အနုပ္ပန္နော စေဝ  
ကာမစ္ဆန္တော ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ကာမစ္ဆန္တော ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ  
သံဝတ္တတိ။ အနုပ္ပန္နော စေဝ ဗျာပါဒေါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ဗျာပါဒေါ  
ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိ။ အနုပ္ပန္နဉ္စေဝ ထိနမိဒ္ဓံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊  
ဥပ္ပန္နဉ္စ ထိနမိဒ္ဓံ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိ။ အနုပ္ပန္နဉ္စေဝ  
ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နဉ္စ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စံ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ  
သံဝတ္တတိ။ အနုပ္ပန္နော စေဝ ဝိစိကိစ္ဆာ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ ဝိစိကိစ္ဆာ  
ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တတိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ယောနိသောမနသိကာရသုတ္တ

၂၁၇။ ယောနိသော စ ခေါ ဘိက္ခဝေ မနသိကရောတော အနုပ္ပန္နော စေဝ  
သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝနာပါရိပုရိ  
ဂစ္ဆတိ။ ပ။ အနုပ္ပန္နော စေဝ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ၊ ဥပ္ပန္နော စ  
ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝနာပါရိပုရိ ဂစ္ဆတိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ဗုဒ္ဓိသုတ္တ

၂၁၈။ သတ္တိမေ ဘိက္ခဝေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော ဗုဒ္ဓိယာ  
အပရိဟာနာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ ပ။ ဥပေက္ခာ-  
သမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော  
ဗုဒ္ဓိယာ အပရိဟာနာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-အာဝရဏနိဝရဏသုတ္တ

၂၁၉။ ပဉ္စိမေ ဘိက္ခဝေ အာဝရဏာ နိဝရဏာ စေတသော ဥပက္ကိလေသော  
ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ ကာမစ္ဆန္တော ဘိက္ခဝေ အာဝရဏော

နီဝရဏော စေတသော ဥပက္ကိလေသော ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏော၊ ဗျာပါဒေါ ဘိက္ခဝေ အာဝရဏော နီဝရဏော စေတသော ဥပက္ကိလေသော ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏော၊ ထိနမိဒ္ဓံ ဘိက္ခဝေ အာဝရဏံ နီဝရဏံ စေတသော ဥပက္ကိလေသံ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏံ၊ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စံ ဘိက္ခဝေ အာဝရဏံ နီဝရဏံ စေတသော ဥပက္ကိလေသံ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏံ၊ ဝိစိကိစ္ဆာ ဘိက္ခဝေ အာဝရဏာ နီဝရဏာ စေတသော ဥပက္ကိလေသော ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏာ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ အာဝရဏာ နီဝရဏာ စေတသော ဥပက္ကိလေသော ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏာ။

သတ္တိမေ ဘိက္ခဝေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အနာဝရဏာ အနီဝရဏာ စေတသော အနုပက္ကိလေသော ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသစ္စိကိရိယာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ ဘိက္ခဝေ အနာဝရဏော အနီဝရဏော စေတသော အနုပက္ကိလေသော ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသစ္စိကိရိယာယ သံဝတ္တတိ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ ဘိက္ခဝေ အနာဝရဏော အနီဝရဏော စေတသော အနုပက္ကိလေသော ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသစ္စိကိရိယာယ သံဝတ္တတိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အနာဝရဏာ အနီဝရဏာ စေတသော အနုပက္ကိလေသော ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသစ္စိကိရိယာယ သံဝတ္တန္တိတိ။

ယသ္မိံ ဘိက္ခဝေ သမယေ အရိယသာဝကော အဋ္ဌိံ ကတွာ မနသိ ကတွာ သဗ္ဗံ စေတသော သမန္နာဟရိတွာ ဩဟိတသောတော ဓမ္မံ သုဏာတိ၊ ဣမဿ ပဉ္စ နီဝရဏာ တသ္မိံ သမယေ န ဟောန္တိ၊ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ။

ကတမေ ပဉ္စ နီဝရဏာ တသ္မိံ သမယေ န ဟောန္တိ၊ ကာမစ္ဆန္ဒနီဝရဏံ တသ္မိံ သမယေ န ဟောတိ၊ ဗျာပါဒနီဝရဏံ တသ္မိံ သမယေ န ဟောတိ၊ ထိနမိဒ္ဓနီဝရဏံ တသ္မိံ သမယေ န ဟောတိ၊ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စနီဝရဏံ တသ္မိံ သမယေ န ဟောတိ၊ ဝိစိကိစ္ဆာနီဝရဏံ တသ္မိံ သမယေ န ဟောတိ။ ဣမဿ ပဉ္စ နီဝရဏာ တသ္မိံ သမယေ န ဟောန္တိ။

ကတမေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ ပ။ ဥပေက္ခာ-သမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ ဣမေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိ။ ယသ္မိံ ဘိက္ခဝေ သမယေ အရိယသာဝကော အဋ္ဌိံ ကတွာ မနသိ ကတွာ သဗ္ဗံ စေတသော သမန္နာဟရိတွာ

ဩဟိတသောတော ဓမ္မံ သုဏာတိ၊ ဣမဿ ပဉ္စ နိဝရဏာ တသ္မိံ သမယေ န ဟောန္တိ။ ဣမေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆန္တိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ရုက္ခသုတ္တ

၂၂၀။ သန္တိ ဘိက္ခဝေ မဟာရုက္ခာ အဏုဗီဇာ မဟာကာယာ ရုက္ခာနံ အဇ္ဈာရဟာ၊ ယေဟိ ရုက္ခာ အဇ္ဈာရုဋ္ဌာ ဩဘဂ္ဂဝိဘဂ္ဂါ ဝိပတိတာ သေန္တိ။ ကတမေ စ တေ ဘိက္ခဝေ မဟာရုက္ခာ အဏုဗီဇာ မဟာကာယာ ရုက္ခာနံ အဇ္ဈာရဟာ၊ ယေဟိ ရုက္ခာ အဇ္ဈာရုဋ္ဌာ ဩဘဂ္ဂဝိဘဂ္ဂါ ဝိပတိတာ သေန္တိ<sup>၁</sup>၊ အဿတ္ထော နိဂြောဓော ပိလက္ခော ဥဒုမ္ပရော ကစ္ဆကော ကပိတ္ထနော။ ဣမေ ခေါ တေ ဘိက္ခဝေ မဟာရုက္ခာ အဏုဗီဇာ မဟာကာယာ ရုက္ခာနံ အဇ္ဈာရဟာ၊ ယေဟိ ရုက္ခာ အဇ္ဈာရုဋ္ဌာ ဩဘဂ္ဂဝိဘဂ္ဂါ ဝိပတိတာ သေန္တိ။ ဝေမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣဓေကစ္ဆော ကုလပုတ္တော ယာဒိသကေ ကာမေ ဩဟာယ အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇိတော ဟောတိ၊ သော တာဒိသကေဟိ ကာမေဟိ တတော ဝါ ပါပိဋ္ဌတရေဟိ ဩဘဂ္ဂဝိဘဂ္ဂေါ ဝိပတိတော သေတိ။

ပဋိမေ ဘိက္ခဝေ အာဝရဏာ နိဝရဏာ စေတသော အဇ္ဈာရဟာ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ ကာမစ္ဆန္တော ဘိက္ခဝေ အာဝရဏော နိဝရဏော စေတသော အဇ္ဈာရဟော ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏော၊ ဗျာပါဒေါ ဘိက္ခဝေ အာဝရဏော နိဝရဏော စေတသော အဇ္ဈာရဟော ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏော၊ ထိနမိဒ္ဓံ ဘိက္ခဝေ အာဝရဏံ နိဝရဏံ စေတသော အဇ္ဈာရဟံ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏံ၊ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စံ ဘိက္ခဝေ အာဝရဏံ နိဝရဏံ စေတသော အဇ္ဈာရဟံ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏံ၊ ဝိစိကိစ္ဆာ ဘိက္ခဝေ အာဝရဏာ နိဝရဏာ စေတသော အဇ္ဈာရဟာ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏာ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ အာဝရဏာ နိဝရဏာ စေတသော အဇ္ဈာရဟာ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏာ။

သတ္ထိမေ ဘိက္ခဝေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အနာဝရဏာ အနိဝရဏာ စေတသော အနဇ္ဈာရဟာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ ဘိက္ခဝေ အနာဝရဏော အနိဝရဏော စေတသော အနဇ္ဈာရဟော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော ဝိဇ္ဇာ-ဝိမုတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တတိ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ ဘိက္ခဝေ

အနာဝရဏော အနီဝရဏော စေတသော အနဇ္ဈာရဟော ဘာဝိတော  
ဗဟုလိကတော ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တတိ။ ဣမေ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အနာဝရဏာ အနီဝရဏာ စေတသော  
အနဇ္ဈာရဟော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ  
သံဝတ္တန္တိတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-နီဝရဏသုတ္တ

၂၂၁။ ပဋိမေ ဘိက္ခဝေ နီဝရဏာ အန္ဓကရဏာ အစက္ခကရဏာ  
အညာဏကရဏာ ပညာနိရောဓိကာ ဝိဿာတပက္ခိယာ အနိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိကာ။  
ကတမေ ပဉ္စ၊ ကာမန္တန္တနီဝရဏံ ဘိက္ခဝေ အန္ဓကရဏံ အစက္ခကရဏံ  
အညာဏကရဏံ ပညာနိရောဓိကံ ဝိဿာတပက္ခိယံ အနိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိကံ၊  
ဗျာပါဒနီဝရဏံ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ထိနမိဒ္ဓနီဝရဏံ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စနီဝရဏံ  
ဘိက္ခဝေ။ပ။ ဝိစိကိစ္ဆာနီဝရဏံ ဘိက္ခဝေ အန္ဓကရဏံ အစက္ခကရဏံ  
အညာဏကရဏံ ပညာနိရောဓိကံ ဝိဿာတပက္ခိယံ အနိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိကံ။  
ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ နီဝရဏာ အန္ဓကရဏာ အစက္ခကရဏာ အညာဏ-  
ကရဏာ ပညာနိရောဓိကာ ဝိဿာတပက္ခိယာ အနိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိကာ။

သတ္ထိမေ ဘိက္ခဝေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ စက္ခကရဏာ ဉာဏကရဏာ ပညာဗုဒ္ဓိယာ  
အဝိဿာတပက္ခိယာ နိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိကာ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ  
ဘိက္ခဝေ စက္ခကရဏော ဉာဏကရဏော ပညာဗုဒ္ဓိယော အဝိဿာတပက္ခိယော  
နိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိကော။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ ဘိက္ခဝေ စက္ခကရဏော  
ဉာဏကရဏော ပညာဗုဒ္ဓိယော အဝိဿာတပက္ခိယော နိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိကော။  
ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ စက္ခကရဏာ ဉာဏကရဏာ ပညာဗုဒ္ဓိယာ  
အဝိဿာတပက္ခိယာ နိဗ္ဗာနသံဝတ္တနိကာတိ။ ။ဒသမံ။

နီဝရဏဝဂ္ဂေါ စတုတ္ထော။

### တသျဒ္ဓါနံ

ဒွေ ကုသလာ ကိလေသာ စ၊ ဒွေ ယောနိသော စ ဗုဒ္ဓိ စ။  
အာဝရဏာ နီဝရဏာ ရူက္ခံ၊ နီဝရဏဉ္စ တေ ဒသာတိ။

## ၅-စက္ကဝတ္ထိဝဂ္ဂ

## ၁-ဝိဇ္ဇာသုတ္တ

၂၂၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ တိဿော ဝိဇာ ပဇဟိံသု၊ သဗ္ဗေ တေ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ တိဿော ဝိဇာ ပဇဟိံသန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ တိဿော ဝိဇာ ပဇဟန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ကတမေသံ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါနံ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါနံ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ တိဿော ဝိဇာ ပဇဟိံသု။ ပ။ ပဇဟိံသန္တိ။ ပ။ ပဇဟန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-စက္ကဝတ္ထိသုတ္တ

၂၂၃။ ရညော ဘိက္ခဝေ စက္ကဝတ္ထိဿ ပါတုဘာဝါ သတ္တန္တံ ရတနာနံ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ။ ကတမေသံ သတ္တန္တံ၊ စက္ကရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ ဟတ္ထိရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ အဿရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ မဏိရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ ဣတ္ထိရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ ဂဟပတိရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ၊ ပရိဏာယကရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ။ ရညော ဘိက္ခဝေ စက္ကဝတ္ထိဿ ပါတုဘာဝါ ဣမေသံ သတ္တန္တံ ရတနာနံ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ။

တထာဂတဿ ဘိက္ခဝေ ပါတုဘာဝါ အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါရတနာနံ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ။ ကတမေသံ သတ္တန္တံ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါနံ ရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါနံ ရတနဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ။ တထာဂတဿ ဘိက္ခဝေ ပါတုဘာဝါ အရဟတော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ ဣမေသံ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါရတနာနံ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-မာရသုတ္တ

၂၂၄။ မာရသေနပ္ပမဒ္ဒနံ ဝေါဘိက္ခဝေ မဂ္ဂံ ဒေသေဿာမိ၊ တံ သုဏာထ။  
ကတမော စ ဘိက္ခဝေ မာရသေနပ္ပမဒ္ဒနော မဂ္ဂေါ၊ ယဒိဒံ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ။  
ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ။ အယံ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ မာရသေနပ္ပမဒ္ဒနော မဂ္ဂေါတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-ဒုပ္ပညသုတ္တ

၂၂၅။ အထ ခေါ အညတရော ဘိက္ခု၊ ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ။ပ။  
ဧကမန္တံ နိဿိန္တော ခေါ သော ဘိက္ခု၊ ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ဒုပ္ပညော  
ဇ္ဇေမူဂေါ ဒုပ္ပညော ဇ္ဇေမူဂေါ”တိ ဘန္တေ ဝုစ္စတိ၊ ကိတ္တာဝတာ န ခေါ ဘန္တေ  
“ဒုပ္ပညော ဇ္ဇေမူဂေါ”တိ ဝုစ္စတိတိ။ သတ္တန္တံ ခေါ ဘိက္ခု၊ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ  
အဘာဝိတတ္တာ အဗဟုလိကတတ္တာ “ဒုပ္ပညော ဇ္ဇေမူဂေါ”တိ ဝုစ္စတိ။  
ကတမေသံ သတ္တန္တံ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါယ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါယ။ ဣမေသံ  
ခေါ ဘိက္ခု၊ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ အဘာဝိတတ္တာ အဗဟုလိကတတ္တာ  
“ဒုပ္ပညော ဇ္ဇေမူဂေါ”တိ ဝုစ္စတိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-ပညဝိန္ဒသုတ္တ

၂၂၆။ “ပညဝါ အနေဇ္ဇမူဂေါ ပညဝါ အနေဇ္ဇမူဂေါ”တိ ဘန္တေ ဝုစ္စတိ၊  
ကိတ္တာဝတာ န ခေါ ဘန္တေ “ပညဝါ အနေဇ္ဇမူဂေါ”တိ ဝုစ္စတိတိ။ သတ္တန္တံ ခေါ  
ဘိက္ခု၊ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ အဘာဝိတတ္တာ အဗဟုလိကတတ္တာ “ပညဝါ အနေဇ္ဇမူဂေါ”တိ  
ဝုစ္စတိ။ ကတမေသံ သတ္တန္တံ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါယ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါယ။  
ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခု၊ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ အဘာဝိတတ္တာ အဗဟုလိကတတ္တာ  
“ပညဝါ အနေဇ္ဇမူဂေါ”တိ ဝုစ္စတိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-ဒလိဒ္ဓသုတ္တ

၂၂၇။ “ဒလိဒ္ဓေါ ဒလိဒ္ဓေါ”တိ ဘန္တေ ဝုစ္စတိ၊ ကိတ္တာဝတာ န ခေါ ဘန္တေ  
“ဒလိဒ္ဓေါ”တိ ဝုစ္စတိတိ။ သတ္တန္တံ ခေါ ဘိက္ခု၊ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ အဘာဝိတတ္တာ  
အဗဟုလိကတတ္တာ “ဒလိဒ္ဓေါ”တိ ဝုစ္စတိ။ ကတမေသံ သတ္တန္တံ၊ သတိ-  
သမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါယ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါယ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခု၊ သတ္တန္တံ  
ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ အဘာဝိတတ္တာ အဗဟုလိကတတ္တာ “ဒလိဒ္ဓေါ”တိ ဝုစ္စတိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-အဒလိဒ္ဓသုတ္တ

၂၂၈။ “အဒလိဒ္ဓေါ အဒလိဒ္ဓေါ”တိ ဘန္တေ ဝုစ္စတိ၊ ကိတ္တာဝတာ န ခေါ ဘန္တေ “အဒလိဒ္ဓေါ”တိ ဝုစ္စတိတိ။ သတ္တန္တံ ခေါ ဘိက္ခု ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ “အဒလိဒ္ဓေါ”တိ ဝုစ္စတိ။ ကတမေသံ သတ္တန္တံ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါယ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါယ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခု သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ “အဒလိဒ္ဓေါ”တိ ဝုစ္စတိတိ။ ။သတ္တမံ။

## ၈-အာဒိစ္စသုတ္တ

၂၂၉။ အာဒိစ္စဿ ဘိက္ခဝေ ဥဒယတော ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ အရုဏဂ္ဂံ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ဥပ္ပါဒါယ ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ ကလျာဏမိတ္တတာ။ ကလျာဏမိတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကင်္ခံ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝေသတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဗဟုလိကရိယတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဗဟုလိကရောတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဗဟုလိကရောတိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

## ၉-အဇ္ဈတ္တိကင်္ဂသုတ္တ

၂၃၀။ “အဇ္ဈတ္တိကံ ဘိက္ခဝေ အင်္ဂံ”န္တိ ကရိတွာ နာညံ ကေင်္ဂမ္ပိ သမနုပဿာမိ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ဥပ္ပါဒါယ၊ ယထယိဒံ ဘိက္ခဝေ ယောနိသောမနသိကာရော။ ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကင်္ခံ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝေသတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဗဟုလိကရိယတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဗဟုလိကရောတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပန္နော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဗဟုလိကရောတိတိ။ ။နဝမံ။

## ၁၀-ဗာဟိရ်သုတ္တ

၂၃၁။ “ဗာဟိရ် ဘိက္ခဝေ အင်္ဂ”န္တိ ကရိတွာ နာညံ ကေင်္ဂမ္ပိ သမနုပဿာမိ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ဥပ္ပါဒါယ၊ ယထယိဒံ ဘိက္ခဝေ ကလျာဏမိတ္တတာ။ ကလျာဏမိတ္တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံသံ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေသတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလီကရိသတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလီကရေတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကလျာဏမိတ္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေတိ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလီကရေတိတိ။

စက္ကဝတ္ထိဝဂ္ဂေါ ပဉ္စမော။

## တသုဒ္ဓါနံ

ဝိဓာ စက္ကဝတ္ထိ မာရော၊ ဒုပ္ပညော ပညဝေန စ။  
ဒလိဒ္ဓေါ အဒလိဒ္ဓေါ စ၊ အာဒိစ္စင်္ဂေန တေ ဒဿတိ။

## ၆-သာကန္တဝဂ္ဂ

## ၁-အာဟာရသုတ္တ

၂၃၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ပဉ္စန္ဒ ဘိက္ခဝေ နိဝရဏာနံ သတ္တန္တံ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ အာဟာရဉ္စ အနာဟာရဉ္စ ဒေသေဿာမိ၊ တံ သုဏာထ။ ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ကာမစ္ဆန္တဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ကာမစ္ဆန္တဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ သုဘနိမိတ္တံ၊ တတ္ထ အယောနိသောမနသိကာရဗဟုလီကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ကာမစ္ဆန္တဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ကာမစ္ဆန္တဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဗျာပါဒဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဗျာပါဒဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ



ပဋိသနိမိတ္တံ၊ တတ္ထ အယောနိသောမနသိကာရဗဟုလီကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဗျာပါဒဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဗျာပါဒဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ထိနမိဒ္ဓဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ထိနမိဒ္ဓဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ အရတိ တန္တိ ဝိဇ္ဇိတာ ဘတ္တသမ္ပဒေါ စေတသော စ လိနတ္တံ၊ တတ္ထ အယောနိသောမနသိကာရဗဟုလီကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ထိနမိဒ္ဓဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ထိနမိဒ္ဓဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ စေတသော အဝုပသမော၊ တတ္ထ အယောနိသောမနသိကာရဗဟုလီကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆာယ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ဝိစိကိစ္ဆာဌာနီယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ အယောနိသောမနသိကာရဗဟုလီကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆာယ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဌာနီယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလီကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ကုသလာကုသလာ ဓမ္မာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဓမ္မာ ဟိနပဏီတာ ဓမ္မာ ကဏ္ဍသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလီကာရော၊ အယမာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ အာရမ္မဓာတု နိက္ကမဓာတု ပရက္ကမဓာတု၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရေ အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဋ္ဌာနိယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရေ အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ကာယပ္ပဿဒ္ဓိ စိတ္တပ္ပဿဒ္ဓိ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရေ အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ အနုပ္ပန္နဿ ဝါ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ သမထနိမိတ္တံ အဗျဂ္ဂနိမိတ္တံ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရေ အနုပ္ပန္နဿ ဝါ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဋ္ဌာနိယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမာဟာရေ အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အာဟာရေ အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ကာမစ္ဆန္တဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ကာမစ္ဆန္တဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ

အသုဘနိမိတ္တံ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ကာမစ္ဆန္တဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ကာမစ္ဆန္တဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဗျာပါဒဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဗျာပါဒဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ မေတ္တာစေတောဝိမုတ္တိ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဗျာပါဒဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဗျာပါဒဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ထိနမိဒ္ဓဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ထိနမိဒ္ဓဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ အာရမ္မဓာတု နိက္ကမဓာတု ပရက္ကမဓာတု၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ထိနမိဒ္ဓဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ထိနမိဒ္ဓဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ စေတသော ဝုပသမော၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆာယ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ကုသလာကုသလာ ဓမ္မာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဓမ္မာ ဟိနပဏီတာ ဓမ္မာ ကဏ္ဍသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ ယောနိသောမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆာယ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဋ္ဌာနိယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ အမနသိကာရဗဟုလိကာရော၊ အယမနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ကုသလာကုသလာ ဓမ္မာ သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ ဓမ္မာ ဟိနပဏီတာ ဓမ္မာ ကဏ္ဍသုက္ကသပ္ပဋိဘာဂါ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ အမနသိကာရဗဟုလီကာရော၊ အယမနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီရိယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီရိယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ အာရမ္မဓာတု နိက္ကမဓာတု ပရက္ကမဓာတု၊ တတ္ထ အမနသိကာရဗဟုလီကာရော၊ အယမနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီရိယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီရိယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ဝီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဌာနီယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ အမနသိကာရဗဟုလီကာရော၊ အယမနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဝီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ကာယပ္ပဿဒ္ဓိ စိတ္တပ္ပဿဒ္ဓိ၊ တတ္ထ အမနသိကာရဗဟုလီကာရော အယမနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ သမထနိမိတ္တံ အဗျုပ္ပာနိမိတ္တံ၊ တတ္ထ အမနသိကာရဗဟုလီကာရော အယမနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ။

ကော စ ဘိက္ခဝေ အနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဌာနီယာ ဓမ္မာ၊ တတ္ထ အမနသိကာရဗဟုလီကာရော၊ အယမနာဟာရော အနုပ္ပန္နဿ ဝါ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ

ဥပ္ပါဒါယ ဥပ္ပန္နဿ ဝါ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈိကဿ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိ-  
ယာတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ပရိယာယသုတ္တ

၂၃၃။ အထ ခေါ် သမ္မဟုလာ ဘိက္ခု။ ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီဝရ-  
မာဒါယ သာဝတ္ထိံ ပိဏ္ဍာယ ပရိသိသု။ အထ ခေါ် တေသံ ဘိက္ခုနံ  
တေဒဟောသိ “အတိပ္ပဂေါ ခေါ် တာဝ သာဝတ္ထိယံ ပိဏ္ဍာယ စရိတုံ၊ ယံနုန  
မယံ ယေန အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကောနံ အာရာမော တေနုပသက်မေ-  
ယျာမာ”တိ။

အထ ခေါ် တေ ဘိက္ခု။ ယေန အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကောနံ အာရာမော  
တေနုပသက်မိသု၊ ဥပသက်မိတွာ တေဟိ အညတိတ္ထိယေဟိ ပရိဗ္ဗာဇကေဟိ  
သဒ္ဓိံ သမ္မောဒိသု၊ သမ္မောဒနီယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ  
နိသိဒိသု၊ ဧကမန္တံ နိသိန္ဓေ ခေါ် တေ ဘိက္ခု။ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကော  
တေဒဝေါစုံ—

သမဏော အာရုသော ဂေါတမော သာဝကာနံ ဧဝံ ဓမ္မံ ဒေသေတိ “ဧထ  
တုမေ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ နိဝရဏေ ပဟာယ စေတသော ဥပတ္တိလေသေ ပညာယ  
ဒုဗ္ဗလိကရဏေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ယထာဘူတံ ဘာဝေထာ”တိ။ မယဗ္ဓိ ခေါ်  
အာရုသော သာဝကာနံ ဧဝံ ဓမ္မံ ဒေသေမ “ဧထ တုမေ အာရုသော ပဉ္စ  
နိဝရဏေ ပဟာယ စေတသော ဥပတ္တိလေသေ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏေ သတ္တ  
ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ယထာဘူတံ ဘာဝေထာ”တိ။ ဣဓ နော အာရုသော ကော  
ဝိသေသော၊ ကော အဓိပ္ပယာသော၊ ကိံ နာနာကရဏံ သမဏဿ ဝါ  
ဂေါတမဿ အမှာကံ ဝါ၊ ယဒိဒံ ဓမ္မဒေသနာယ ဝါ ဓမ္မဒေသနံ  
အနုသာသနိယာ ဝါ အနုသာသနိန္တိ။

အထ ခေါ် တေ ဘိက္ခု။ တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကောနံ ဘာသိတံ  
နေဝ အဘိနန္တိသု နပုဋိက္ကောသိသု၊ အဘိနန္တိတွာ အပုဋိက္ကောသိတွာ  
ဥဋ္ဌာယာသနာ ပတ္တမိသု “ဘဂဝတော သန္တိကေ တေဿ ဘာသိတဿ  
အတ္ထံ အာဇာနိဿာမာ”တိ။ အထ ခေါ် တေ ဘိက္ခု။ သာဝတ္ထိံ ပိဏ္ဍာယ  
စရိတွာ ပစ္ဆာဘတ္တံ ပိဏ္ဍာပါတပဋိက္ကန္တာ ယေန ဘဂဝါ တေနုပသက်မိသု၊  
ဥပသက်မိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသိဒိသု၊ ဧကမန္တံ နိသိန္ဓာ  
ခေါ် တေ ဘိက္ခု။ ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစုံ—

ဣဓ မယံ ဘန္တေ ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီဝရမာဒါယ သာဝတ္ထိံ ပိဏ္ဏာယ ပရိသိမ္မ၊ တေသံ နော ဘန္တေ အမှာကံ တေဒဟောသိ “အတိပ္ပဂေါ ခေါ တာဝ သာဝတ္ထိယံ ပိဏ္ဏာယ စရိတုံ၊ ယံနုန မယံ ယေန အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ အာရာမော တေနုပသက်မေယျာမာ”တိ။ အထ ခေါ မယံ ဘန္တေ ယေန အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ အာရာမော တေနုပသက်မိမ္မ၊ ဥပသက်မိတွာ တေဟိ အညတိတ္ထိယေဟိ ပရိဗ္ဗာဇကေဟိ သဒ္ဓိံ သမ္မောဒိမ္မ၊ သမ္မောဒနိယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိမ္မ၊ ဧကမန္တံ နိသီန္တေ ခေါ အမှေ ဘန္တေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ တေဒဝေါစုံ—

သမဏော အာဝုသော ဂေါတမော သာဝကာနံ ဧဝံ ဓမ္မံ ဒေသေတိ “ဧထ တုမှေ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ နိဝရဏေ ပဟာယ စေတသော ဥပတ္တိလေသေ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ယထာဘူတံ ဘာဝေထာ”တိ။ မယဗ္ဓိ ခေါ အာဝုသော သာဝကာနံ ဧဝံ ဓမ္မံ ဒေသေမ “ဧထ တုမှေ အာဝုသော ပဉ္စ နိဝရဏေ ပဟာယ စေတသော ဥပတ္တိလေသေ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ယထာဘူတံ ဘာဝေထာ”တိ၊ ဣဓ နော အာဝုသော ကော ဝိသေသော၊ ကော အဓိပ္ပယာသော၊ ကိံ နာနာကရဏံ သမဏဿ ဝါ ဂေါတမဿ အမှာကံ ဝါ၊ ယဒိဒံ ဓမ္မဒေသနာယ ဝါ ဓမ္မဒေသနံ အနုသာသနိယာ ဝါ အနုသာသနိ”န္တိ။

အထ ခေါ မယံ ဘန္တေ တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဘာသိတံ နေဝ အဘိနန္ဒိမ္မ နပ္ပဋိက္ခောသိမ္မ၊ အနဘိနန္ဒိတွာ အပ္ပဋိက္ခောသိတွာ ဥဋ္ဌာယာသနာ ပက္ကမိမ္မ “ဘဂဝတော သန္တိကေ တေဿ ဘာသိတဿ အတ္ထံ အာဇာနိဿာမာ”တိ။

ဧဝံဝါဒိနော ဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ ဝေမဿုဝစနိယာ “အတ္ထိ ပနာဝုသော ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ ပဉ္စ နိဝရဏာ ဒသ ဟောန္တိ၊ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ စတုဒ္ဓသာ”တိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ ဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ န စေဝ သမ္မာယိဿန္တိ၊ ဥတ္တရိဉ္စ ဝိဃာတံ အာပဇ္ဇိဿန္တိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ယထာ တံ ဘိက္ခဝေ အဝိသယသ္မိံ။ နာဟံ တံ ဘိက္ခဝေ ပဿာမိ သဒေဝကေ လောကေ သမာရကေ သဗြဟ္မကေ သဿမဏဗြာဟ္မဏိယာ ပဇာယ သဒေဝမနုဿာယ၊ ယော ဣမေသံ ပဉ္စာနံ ဝေယျာကရဏေန စိတ္တံ အာရာဓေယျ အညတြ တထာဂတေန ဝါ တထာဂတ-သာဝကေန ဝါ ဣတော ဝါ ပန သုတွာ။

ကတမော စ ဘိက္ခုဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ ပဉ္စ နိဝရဏာ ဒသ ဟောန္တိ။ ယဒပိ ဘိက္ခုဝေ အဇ္ဈတ္တံ ကာမစ္ဆန္ဓော၊ တဒပိ နိဝရဏံ၊ ယဒပိ ဗဟိဒ္ဓါ ကာမစ္ဆန္ဓော၊ တဒပိ နိဝရဏံ ကာမစ္ဆန္ဓုနိဝရဏန္တိ ဣတိ ဟိဒံ ဥဋ္ဌေသံ ဂစ္ဆတိ၊ တဒမိနာပေတံ ပရိယာယေန ဌယံ ဟောတိ။ ယဒပိ ဘိက္ခုဝေ အဇ္ဈတ္တံ ဗျာပါဒေါ၊ တဒပိ နိဝရဏံ၊ ယဒပိ ဗဟိဒ္ဓါ ဗျာပါဒေါ၊ တဒပိ နိဝရဏံ၊ ဗျာပါဒနိဝရဏန္တိ ဣတိ ဟိဒံ ဥဋ္ဌေသံ ဂစ္ဆတိ၊ တဒမိနာပေတံ ပရိယာယေန ဌယံ ဟောတိ။ ယဒပိ ဘိက္ခုဝေ ထိနံ၊ တဒပိ နိဝရဏံ၊ ယဒပိ မိဒ္ဓံ၊ တဒပိ နိဝရဏံ၊ ထိနမိဒ္ဓနိဝရဏန္တိ ဣတိ ဟိဒံ ဥဋ္ဌေသံ ဂစ္ဆတိ၊ တဒမိနာပေတံ ပရိယာယေန ဌယံ ဟောတိ။ ယဒပိ ဘိက္ခုဝေ ဥဒ္ဓစ္စံ၊ တဒပိ နိဝရဏံ၊ ယဒပိ ကုက္ကုစ္စံ၊ တဒပိ နိဝရဏံ၊ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စနိဝရဏန္တိ ဣတိ ဟိဒံ ဥဋ္ဌေသံ ဂစ္ဆတိ၊ တဒမိနာပေတံ ပရိယာယေန ဌယံ ဟောတိ။ ယဒပိ ဘိက္ခုဝေ အဇ္ဈတ္တံ ဓမ္မေသု ဝိစိကိစ္ဆာ၊ တဒပိ နိဝရဏံ၊ ယဒပိ ဗဟိဒ္ဓါ ဓမ္မေသု ဝိစိကိစ္ဆာ၊ တဒပိ နိဝရဏံ၊ ဝိစိကိစ္ဆာ-နိဝရဏန္တိ ဣတိ ဟိဒံ ဥဋ္ဌေသံ ဂစ္ဆတိ၊ တဒမိနာပေတံ ပရိယာယေန ဌယံ ဟောတိ။ အယံ ခေါ ဘိက္ခုဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ ပဉ္စ နိဝရဏာ ဒသ ဟောန္တိ။

ကတမော စ ဘိက္ခုဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ စတုဒ္ဓသ ဟောန္တိ။ ယဒပိ ဘိက္ခုဝေ အဇ္ဈတ္တံ ဓမ္မေသု သတိ၊ တဒပိ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ၊ ယဒပိ ဗဟိဒ္ဓါ ဓမ္မေသု သတိ၊ တဒပိ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါတိ ဣတိ ဟိဒံ ဥဋ္ဌေသံ ဂစ္ဆတိ၊ တဒမိနာပေတံ ပရိယာယေန ဌယံ ဟောတိ။

ယဒပိ ဘိက္ခုဝေ အဇ္ဈတ္တံ ဓမ္မေသု ပညာယ ပဝိစိနတိ<sup>၁</sup> ပဝိစရတိ ပရိဝိမံ-သမာပဇ္ဇတိ၊ တဒပိ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ။ ယဒပိ ဗဟိဒ္ဓါ ဓမ္မေသု ပညာယ ပဝိစိနတိ ပဝိစရတိ ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတိ၊ တဒပိ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ၊ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါတိ ဣတိ ဟိဒံ ဥဋ္ဌေသံ ဂစ္ဆတိ၊ တဒမိနာပေတံ ပရိယာယေန ဌယံ ဟောတိ။

ယဒပိ ဘိက္ခုဝေ ကာယိကံ ဝီရိယံ၊ တဒပိ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ၊ ယဒပိ စေတသိကံ ဝီရိယံ၊ တဒပိ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ၊ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါတိ ဣတိ ဟိဒံ ဥဋ္ဌေသံ ဂစ္ဆတိ၊ တဒမိနာပေတံ ပရိယာယေန ဌယံ ဟောတိ။

ယဒပိ ဘိက္ခဝေ သဝိတက္ကသဝိစာရာ ဝီတိ၊ တဒပိ ဝီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေ၊ ယဒပိ အဝိတက္ကအဝိစာရာ ဝီတိ၊ တဒပိ ဝီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေ၊ ဝီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေတိ ဣတိ ဟိဒံ ဥဒ္ဓေသံ ဂစ္ဆတိ၊ တဒမိနာပေတံ ပရိယာယေန ဒွယံ ဟောတိ။

ယဒပိ ဘိက္ခဝေ ကာယပ္ပဿဒ္ဓိ၊ တဒပိ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေ၊ ယဒပိ စိတ္တပ္ပဿဒ္ဓိ၊ တဒပိ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေ၊ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေတိ ဣတိ ဟိဒံ ဥဒ္ဓေသံ ဂစ္ဆတိ၊ တဒမိနာပေတံ ပရိယာယေန ဒွယံ ဟောတိ။

ယဒပိ ဘိက္ခဝေ သဝိတက္ကော သဝိစာရော သမာဓိ၊ တဒပိ သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေ၊ ယဒပိ အဝိတက္ကအဝိစာရော သမာဓိ၊ တဒပိ သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေ၊ သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေတိ ဣတိ ဟိဒံ ဥဒ္ဓေသံ ဂစ္ဆတိ၊ တဒမိနာပေတံ ပရိယာယေန ဒွယံ ဟောတိ။

ယဒပိ ဘိက္ခဝေ အဇ္ဈတ္တံ ဓမ္မေသု ဥပေက္ခာ၊ တဒပိ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေ၊ ယဒပိ ဗဟိဒ္ဓါ ဓမ္မေသု ဥပေက္ခာ၊ တဒပိ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေ၊ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂေတိ ဣတိ ဟိဒံ ဥဒ္ဓေသံ ဂစ္ဆတိ၊ တဒမိနာပေတံ ပရိယာယေန ဒွယံ ဟောတိ။ အယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မသတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ စတုဒ္ဒသတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-အင်္ဂိသုတ္တ

၂၃၄။ အထ ခေါ သမ္မဟုလာ ဘိက္ခု၊ ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစိဝရမာဒါယ သာဝတ္ထိံ ဝိဇ္ဇာယ ပဝိသီသု။ (ပရိယာယသုတ္တသဒိသံ။)

ဧဝံဝါဒိနော ဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ ဝေမဿ ဝစနိယာ “ယသ္မိံ အာရုသော သမယေ လိနံ စိတ္တံ ဟောတိ၊ ကတမေသံ တသ္မိံ သမယေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ အကာလော ဘာဝနာယ၊ ကတမေသံ တသ္မိံ သမယေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ကာလော ဘာဝနာယ။ ယသ္မိံ ပနာရုသော သမယေ ဥဒ္ဓတံ စိတ္တံ ဟောတိ၊ ကတမေသံ တသ္မိံ သမယေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ အကာလော ဘာဝနာယ၊ ကတမေသံ တသ္မိံ သမယေ ဗောဇ္ဈင်္ဂါနံ ကာလော ဘာဝနာယာ”တိ။ ဧဝံ ပုဏှာ ဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ န စေဝ သမ္ပာယိဿန္တိ၊ ဥတ္တရိဉ္စ ဝိဃာတံ အာပဇ္ဇိဿန္တိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ယထာ တံ ဘိက္ခဝေ အဝိသယသ္မိံ။

နာဟံ တံ ဘိက္ခဝေ ပဿာမိ သဒေဝကေ လောကေ သမာရကေ သဗြဟ္မကေ သဿမဏဗြာဟ္မဏိယာ ပဇာယ သဒေဝမနုဿာယ၊ ယော ဣမေသံ ပဉ္စာနံ



ဝေယျာကရဏေန စိတ္တံ အာရာဓေယျ အညတြိ တထာဂတေန ဝါ တထာဂတ-  
သာဝကေန ဝါ ဣတော ဝါ ပန သုတွာ။

ယသ္မိံ ဘိက္ခဝေ သမယေ လီနံ စိတ္တံ ဟောတိ၊ အကာလော တသ္မိံ  
သမယေ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ အကာလော သမာဓိ-  
သမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ အကာလော ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ။  
တံ ကိဿ ဟေတု၊ လီနံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ၊ တံ ဧတေဟိ ဓမ္မေဟိ ဒုဿမုဋ္ဌာပယံ  
ဟောတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပုရိသော ပရိတ္တံ အဂ္ဂိံ ဥဇ္ဇာလေတုကာမော အဿ၊  
သော တတ္ထ အလ္လာနိ စေဝ တိဏာနိ ပက္ခိပေယျ၊ အလ္လာနိ စ ဂေါမယာနိ  
ပက္ခိပေယျ၊ အလ္လာနိ စ ကဋ္ဌာနိ ပက္ခိပေယျ၊ ဥဒကဝါတဉ္စ ဒဒေယျ၊ ပံသုကေန  
စ ဩကိရေယျ၊ ဘဗ္ဗော န ခေါ သော ပုရိသော ပရိတ္တံ အဂ္ဂိံ ဥဇ္ဇာလေတုန္တိ။  
နော ဟေတံ ဘန္တေ။

ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယသ္မိံ သမယေ လီနံ စိတ္တံ ဟောတိ၊ အကာလော  
တသ္မိံ သမယေ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ အကာလော သမာဓိ-  
သမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ အကာလော ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ။  
တံ ကိဿ ဟေတု၊ လီနံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ၊ တံ ဧတေဟိ ဓမ္မေဟိ ဒုဿမုဋ္ဌာပယံ  
ဟောတိ။

ယသ္မိံ စ ခေါ ဘိက္ခဝေ သမယေ လီနံ စိတ္တံ ဟောတိ၊ ကာလော တသ္မိံ  
သမယေ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ ကာလော ဝီရိယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ  
ဘာဝနာယ၊ ကာလော ပီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊  
လီနံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ၊ တံ ဧတေဟိ ဓမ္မေဟိ သုဿမုဋ္ဌာပယံ ဟောတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပုရိသော ပရိတ္တံ အဂ္ဂိံ ဥဇ္ဇာလေတုကာမော အဿ၊  
သော တတ္ထ သုက္ခာနိ စေဝ တိဏာနိ ပက္ခိပေယျ၊ သုက္ခာနိ ဂေါမယာနိ  
ပက္ခိပေယျ၊ သုက္ခာနိ ကဋ္ဌာနိ ပက္ခိပေယျ၊ မုခဝါတဉ္စ ဒဒေယျ၊ န စ ပံသုကေန  
ဩကိရေယျ၊ ဘဗ္ဗော န ခေါ သော ပုရိသော ပရိတ္တံ အဂ္ဂိံ ဥဇ္ဇာလေတုန္တိ။  
ဧဝံ ဘန္တေ။

ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယသ္မိံ သမယေ လီနံ စိတ္တံ ဟောတိ၊ ကာလော တသ္မိံ  
သမယေ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ ကာလော ဝီရိယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ  
ဘာဝနာယ၊ ကာလော ပီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊  
လီနံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ၊ တံ ဧတေဟိ ဓမ္မေဟိ သုဿမုဋ္ဌာပယံ ဟောတိ။

ယသ္မိံ ဘိက္ခဝေ သမယေ ဥဒ္ဓတံ စိတ္တံ ဟောတိ၊ အကာလော တသ္မိံ သမယေ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ အကာလော ဝီရိယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ အကာလော ဝီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ဥဒ္ဓတံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ၊ တံ ဧတေဟိ ဓမ္မေဟိ ဒုဂ္ဂပသမယံ ဟောတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပုရိသော မဟန္တံ အဂ္ဂိက္ခန္ဓံ နိဗ္ဗာပေတုကာမော အဿ၊ သော တတ္ထ သုက္ခာနိ စေဝ တိဏာနိ ပက္ခိပေယျ၊ သုက္ခာနိ စ ဂေါမယာနိ ပက္ခိပေယျ၊ သုက္ခာနိ စ ကဋ္ဌာနိ ပက္ခိပေယျ၊ မုခဝါတဉ္စ ဒဒေယျ၊ န စ ပံသုကေန ဩကိရေယျ၊ ဘဗ္ဗော န ခေါ သော ပုရိသော မဟန္တံ အဂ္ဂိက္ခန္ဓံ နိဗ္ဗာပေတုန္တိ။ နော ဟေတံ ဘန္တေ။

ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယသ္မိံ သမယေ ဥဒ္ဓတံ စိတ္တံ ဟောတိ၊ အကာလော တသ္မိံ သမယေ ဓမ္မဝိစယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ အကာလော ဝီရိယသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ အကာလော ဝီတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ဥဒ္ဓတံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ၊ တံ ဧတေဟိ ဓမ္မေဟိ ဒုဂ္ဂပသမယံ ဟောတိ။

ယသ္မိံ စ ခေါ ဘိက္ခဝေ သမယေ ဥဒ္ဓတံ စိတ္တံ ဟောတိ၊ ကာလော တသ္မိံ သမယေ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ ကာလော သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ ကာလော ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ဥဒ္ဓတံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ၊ တံ ဧတေဟိ ဓမ္မေဟိ သုဂ္ဂပသမယံ ဟောတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပုရိသော မဟန္တံ အဂ္ဂိက္ခန္ဓံ နိဗ္ဗာပေတုကာမော အဿ၊ သော တတ္ထ အလ္လာနိ စေဝ တိဏာနိ ပက္ခိပေယျ၊ အလ္လာနိ စ ဂေါမယာနိ ပက္ခိပေယျ၊ အလ္လာနိ စ ကဋ္ဌာနိ ပက္ခိပေယျ၊ ဥဒကဝါတဉ္စ ဒဒေယျ၊ ပံသုကေန စ ဩကိရေယျ၊ ဘဗ္ဗော န ခေါ သော ပုရိသော မဟန္တံ အဂ္ဂိက္ခန္ဓံ နိဗ္ဗာပေတုန္တိ။ ဧဝံ ဘန္တေ။

ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယသ္မိံ သမယေ ဥဒ္ဓတံ စိတ္တံ ဟောတိ၊ ကာလော တသ္မိံ သမယေ ပဿဒ္ဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ ကာလော သမာဓိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ၊ ကာလော ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဿ ဘာဝနာယ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ဥဒ္ဓတံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ၊ တံ ဧတေဟိ ဓမ္မေဟိ သုဂ္ဂပသမယံ ဟောတိ။ သတိံ စ ခေါ ဘိက္ခဝေ သဗ္ဗတ္ထိကံ ဝဒါမိတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-မေတ္တာသဟဂတသုတ္တ

၂၃၅။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ကောလိယေသု ဝိဟရတိ ဟလိဒ္ဓဝသနံ နာမ ကောလိယာနံ နိဂမော။ အထ ခေါ သမ္ပဟုလာ ဘိက္ခု ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီဝရမာဒါယ ဟလိဒ္ဓဝသနံ ပိဏ္ဏာယ ပဝိသိံသု။ အထ ခေါ တေသံ ဘိက္ခုနံ တေဒဟောသိ “အတိပ္ပဂေါ ခေါ တာဝ ဟလိဒ္ဓဝသနေ ပိဏ္ဏာယ စရိတုံ၊ ယံနုန မယံ ယေန အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ အာရာမော တေနပသင်္ကမေယျာမာ”တိ။

အထ ခေါ တေ ဘိက္ခု ယေန အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ အာရာမော တေနပသင်္ကမိံသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ တေဟိ အညတိတ္ထိယေဟိ ပရိဗ္ဗာဇကေဟိ သဒ္ဓိံ သမ္မောဒိံသု၊ သမ္မောဒနီယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ကေမန္တံ နိသိဒိံသု၊ ကေမန္တံ နိသိန္ဓေ ခေါ တေ ဘိက္ခု အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ တေဒဝေါစုံ—

“သမဏော အာဝုသော ဂေါတမော သာဝကာနံ ဧဝံ ဓမ္မံ ဒေသေတိ ‘ဧထ တုဗ္ဗေ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ နိဝရဏေ ပဟာယ စေတသော ဥပက္ကိလေသေ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏေ မေတ္တာသဟဂတေန စေတသာ ဧကံ ဒိသံ ဖရိတွာ ဝိဟရေယ။ တထာ ဒုတိယံ။ တထာ တတိယံ။ တထာ စတုတ္ထံ။ ဣတိ ဥဒ္ဓမဓော တိရိယံ သဗ္ဗမိ သဗ္ဗတ္တတာယ သဗ္ဗာဝန္တံ လောကံ မေတ္တာသဟဂတေန စေတသာ ဝိပုလေန မဟဂ္ဂတေန အပ္ပမာဏေန အဝေရေန အဗျာပဇ္ဇေန ဖရိတွာ ဝိဟရေယ။ ကရုဏာသဟဂတေန စေတသာ ဧကံ ဒိသံ ဖရိတွာ ဝိဟရေယ။ တထာ ဒုတိယံ။ တထာ တတိယံ။ တထာ စတုတ္ထံ။ ဣတိ ဥဒ္ဓမဓော တိရိယံ သဗ္ဗမိ သဗ္ဗတ္တတာယ သဗ္ဗာဝန္တံ လောကံ ကရုဏာသဟဂတေန စေတသာ ဝိပုလေန မဟဂ္ဂတေန အပ္ပမာဏေန အဝေရေန အဗျာပဇ္ဇေန ဖရိတွာ ဝိဟရေယ။ မုဒိတာသဟဂတေန စေတသာ ဧကံ ဒိသံ ဖရိတွာ ဝိဟရေယ။ တထာ ဒုတိယံ။ တထာ တတိယံ။ တထာ စတုတ္ထံ။ ဣတိ ဥဒ္ဓမဓော တိရိယံ သဗ္ဗမိ သဗ္ဗတ္တတာယ သဗ္ဗာဝန္တံ လောကံ မုဒိတာသဟဂတေန စေတသာ ဝိပုလေန မဟဂ္ဂတေန အပ္ပမာဏေန အဝေရေန အဗျာပဇ္ဇေန ဖရိတွာ ဝိဟရေယ။ ဥပေက္ခာသဟဂတေန စေတသာ ဧကံ ဒိသံ ဖရိတွာ ဝိဟရေယ။ တထာ ဒုတိယံ။ တထာ တတိယံ။ တထာ စတုတ္ထံ။ ဣတိ ဥဒ္ဓမဓော တိရိယံ သဗ္ဗမိ သဗ္ဗတ္တတာယ သဗ္ဗာဝန္တံ လောကံ ဥပေက္ခာသဟဂတေန စေတသာ ဝိပုလေန မဟဂ္ဂတေန အပ္ပမာဏေန အဝေရေန အဗျာပဇ္ဇေန ဖရိတွာ ဝိဟရေယ’တိ။

မယဗ္ဗိ ခေါ် အာဝုသော သာဝကာနံ ဧဝံ ဓမ္မံ ဒေသေမ ‘ဧတ တုမေ အာဝုသော ပဉ္စ နိဝရဏေ ပဟာယ စေတသော ဥပက္ကိလေသေ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏေ မေတ္တာသဟဂတေန စေတသာ ဧကံ ဒိသံ ဖရိတွာ ဝိဟရေယ။ပ။ ကရုဏာသဟဂတေန စေတသာ။ မုဒိတာသဟဂတေန စေတသာ။ ဥပေက္ခာသဟဂတေန စေတသာ ဧကံ ဒိသံ ဖရိတွာ ဝိဟရေယ။ တထာ ဒုတိယံ။ တထာ တတိယံ။ တထာ စတုတ္ထံ။ ဣတိ ဥဗ္ဗမဓော တိရိယံ သဗ္ဗမိ သဗ္ဗတ္ထတာယ သဗ္ဗာဝန္တံ လောကံ ဥပေက္ခာသဟဂတေန စေတသာ ဝိပုလေန မဟဂ္ဂတေန အပ္ပမာဏေန အဝေရေန အဗျာပဇ္ဇေန ဖရိတွာ ဝိဟရေယ’တိ။ ဣဓ နော အာဝုသော ကော ဝိသေသော၊ ကော အဓိပ္ပယာသော၊ ကိံ နာနာကရဏံ သမဏဿ ဝါ ဂေါတမဿ အမှာကံ ဝါ၊ ယဒိဗံ ဓမ္မဒေသနာယ ဝါ ဓမ္မဒေသနံ၊ အနုသာသနိယာ ဝါ အနုသာသနိ”န္တိ။

အထ ခေါ် တေ ဘိက္ခု။ တေသံ အညုတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဘာသိတံ နေဝ အဘိနန္တိသု နပ္ပုဋ္ဌိက္ခောသိသု၊ အနဘိနန္တိတွာ အပ္ပုဋ္ဌိက္ခောသိတွာ ဥဋ္ဌာယာသနာ ပက္ကမိသု “ဘဂဝတော သန္တိကေ ဧတဿ ဘာသိတဿ အတ္ထံ အာဇာနိဿာမာ”တိ။ အထ ခေါ် တေ ဘိက္ခု။ ဟလိဒ္ဓဝသနေ ပိဏ္ဍာယ စရိတွာ ပစ္စာဘတ္တံ ပိဏ္ဍာပါတပဋိက္ကန္တာ ယေန ဘဂဝါတေနုပသက်မိသု၊ ဥပသက်မိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသိဒိသု၊ ဧကမန္တံ နိသိန္ဒာ ခေါ် တေ ဘိက္ခု။ ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစုံ—

“ဣဓ မယံ ဘန္တေ ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစိဝရမာဒါယ ဟလိဒ္ဓဝသနေ ပိဏ္ဍာယ ပဝိသိမ္မ၊ တေသံ နော ဘန္တေ အမှာကံ ဧတဒဟောသိ ‘အတိပ္ပဂေါ ခေါ် တာဝ ဟလိဒ္ဓဝသနေ ပိဏ္ဍာယ စရိတုံ၊ ယံနူန မယံ ယေန အညုတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ အာရာမော တေနုပသက်မေယျာမာ’တိ။

အထ ခေါ် မယံ ဘန္တေ ယေန အညုတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ အာရာမော တေနုပသက်မိမ္မ၊ ဥပသက်မိတွာ တေဟိ အညုတိတ္ထိယေဟိ ပရိဗ္ဗာဇကေဟိ သဗ္ဗိံ သမ္မောဒိမ္မ၊ သမ္မောဒနိယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝီတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိသိဒိမ္မ၊ ဧကမန္တံ နိသိန္ဒေ ခေါ် အမေ ဘန္တေ တေ အညုတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ ဧတဒဝေါစုံ—

သမဏော အာဝုသော ဂေါတမော သာဝကာနံ ဧဝံ ဓမ္မံ ဒေသေတိ ‘ဧတ တုမေ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ နိဝရဏေ ပဟာယ စေတသော ဥပက္ကိလေသေ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏေ မေတ္တာသဟဂတေန စေတသာ ဧကံ ဒိသံ

ဖရိတွာ ဝိဟရေ။ ပ။ ကရုဏာသဟဂတေန စေတသာ။ ပ။ မုဒိတာသဟဂတေန စေတသာ။ ပ။ ဥပေက္ခာသဟဂတေန စေတသာ ဧကံ ဒိသံ ဖရိတွာ ဝိဟရေ။ တထာ ဒုတိယံ။ တထာ တတိယံ။ တထာ စတုတ္ထံ။ ဣတိ ဥဒ္ဓမဓော တိရိယံ သဗ္ဗမိ သဗ္ဗတ္တတာယ သဗ္ဗာဝန္တံ လောကံ ဥပေက္ခာသဟဂတေန စေတသာ ဝိပုလေန မဟဂ္ဂတေန အပ္ပမာဏေန အဝေရေန အဗျာပဇ္ဇေန ဖရိတွာ ဝိဟရေတိ။

မယမ္ဗိ ခေါ အာဝုသော သာဝကာနံ ဧဝံ ဓမ္မံ ဒေသေမ ‘ဧတ တုမှေ အာဝုသော ပဉ္စ နိဝရဏေ ပဟာယ စေတသော ဥပက္ခိလေသေ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏေ မေတ္တာသဟဂတေန စေတသာ ဧကံ ဒိသံ ဖရိတွာ ဝိဟရေ။ ပ။ ကရုဏာသဟဂတေန စေတသာ။ ပ။ မုဒိတာသဟဂတေန စေတသာ။ ပ။ ဥပေက္ခာသဟဂတေန စေတသာ ဧကံ ဒိသံ ဖရိတွာ ဝိဟရေ။ တထာ ဒုတိယံ။ တထာ တတိယံ။ တထာ စတုတ္ထံ။ ဣတိ ဥဒ္ဓမဓော တိရိယံ သဗ္ဗမိ သဗ္ဗတ္တတာယ သဗ္ဗာဝန္တံ လောကံ ဥပေက္ခာသဟဂတေန စေတသာ ဝိပုလေန မဟဂ္ဂတေန အပ္ပမာဏေန အဝေရေန အဗျာပဇ္ဇေန ဖရိတွာ ဝိဟရေတိ။ ဣမ နော အာဝုသော ကော ဝိသေသော၊ ကော အဓိပ္ပယာသော၊ ကိံ နာနာကရဏံ သမဏဿ ဝါ ဂေါတမဿ အမှာကံ ဝါ၊ ယဒိဒံ ဓမ္မဒေသနာယ ဝါ ဓမ္မဒေသနံ အနုသာသနိယာ ဝါ အနုသာသနိန္ဒြိယံ။

အထ ခေါ မယံ ဘန္တေ တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဘာသိတံ နေဝ အဘိနန္ဒိမှ နပ္ပဋိက္ခောသိမှ၊ အနဘိနန္ဒိတွာ အပ္ပဋိက္ခောသိတွာ ဥဋ္ဌာယာသနာ ပက္ကမိမှ ‘ဘဂဝတော သန္တိကေ တေဿ ဘာသိတဿ အတ္ထံ အာဇာနိဿာမာ’တိ။

ဧဝံဝါဒိနော ဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ ဧဝေဿ ဝစနိယာ “ကထံ ဘာဝိတာ ပနာဝုသော မေတ္တာစေတောဝိမုတ္တိ ကိံဂတိကာ ဟောတိ ကိံပရမာ ကိံဖလာ ကိံပရိယောသာနာ၊ ကထံ ဘာဝိတာ ပနာဝုသော ကရုဏာစေတောဝိမုတ္တိ ကိံဂတိကာ ဟောတိ ကိံပရမာ ကိံဖလာ ကိံပရိယောသာနာ၊ ကထံ ဘာဝိတာ ပနာဝုသော မုဒိတာစေတောဝိမုတ္တိ ကိံဂတိကာ ဟောတိ ကိံပရမာ ကိံဖလာ ကိံပရိယောသာနာ၊ ကထံ ဘာဝိတာ ပနာဝုသော ဥပေက္ခာစေတောဝိမုတ္တိ ကိံဂတိကာ ဟောတိ ကိံပရမာ ကိံဖလာ ကိံပရိယောသာနာ”တိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ ဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ န စေဝ သမ္မာယိဿန္တိ၊ ဥတ္တရိဉ္စ ဝိဃာတံ အာပဇ္ဇိဿန္တိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ယထာ တံ ဘိက္ခဝေ အဝိသယသ္မိံ။ နာဟံ တံ ဘိက္ခဝေ ပဿာမိ

သဒေဝကေ လောကေ သမာရကေ သဗြဟ္မကေ သဿမဏဗြာဟ္မဏိယာ ပဇာယ သဒေဝမနုဿာယ၊ ယော ဣမေသံ ပဉ္စာနံ ဝေယျာကရဏေန စိတ္တံ အာရာဓေယျ အညတြိ တထာဂတေန ဝါ တထာဂတသာဝကေန ဝါ ဣတော ဝါ ပန သုတွာ။

ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ မေတ္တာစေတောဝိမုတ္တိ ကိဝတိကာ ဟောတိ ကိပရမာ ကိဖလာ ကိပရိယောသာနာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု မေတ္တာသဟဂတံ သတိသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ မေတ္တာသဟဂတံ ဥပေက္ခာသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ သော သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလေ ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “ပဋိကူလေ အပ္ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အပ္ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလေ စ ပဋိကူလေ စ ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “ပဋိကူလေ စ အပ္ပဋိကူလေ စ အပ္ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အပ္ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလဉ္စ ပဋိကူလဉ္စ တဒုဘယံ အဘိနိဝဇ္ဇေတွာ ဥပေက္ခကော ဝိဟရေယျံ သတော သမ္ပဇာနော”တိ၊ ဥပေက္ခကော စ တတ္ထ ဝိဟရတိ သတော သမ္ပဇာနော။ သုဘံ ဝါ ခေါ ပန ဝိမောက္ခံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ သုဘပရမာဟံ ဘိက္ခဝေ မေတ္တာစေတောဝိမုတ္တိံ ဝဒါမိ ဣပေညဿ ဘိက္ခုနော ဥတ္တရိဝိမုတ္တိံ အပ္ပဋိဝိဇ္ဈတော။

ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ ကရုဏာစေတောဝိမုတ္တိ ကိဝတိကာ ဟောတိ ကိပရမာ ကိဖလာ ကိပရိယောသာနာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကရုဏာသဟဂတံ သတိသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ ကရုဏာသဟဂတံ ဥပေက္ခာသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ သော သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလေ ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ပ။ သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလဉ္စ ပဋိကူလဉ္စ တဒုဘယံ အဘိနိဝဇ္ဇေတွာ ဥပေက္ခကော ဝိဟရေယျံ သတော သမ္ပဇာနော”တိ၊ ဥပေက္ခကော တတ္ထ ဝိဟရတိ သတော သမ္ပဇာနော။ သဗ္ဗသော ဝါ ပန ရူပသညာနံ သမတိက္ကမာ ပဋိသသညာနံ အတ္တင်္ဂမာ နာနတ္တသညာနံ အမနသိကာရာ “အနန္တော အာကာသော”တိ အာကာသာ-နန္ဓာယတနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ အာကာသာနန္ဓာယတနပရမာဟံ ဘိက္ခဝေ

ကရုဏာစေတောဝိမုတ္တိံ ဝဒါမိ ဣပေညဿ ဘိက္ခုနော ဥတ္တရိဝိမုတ္တိံ အပ္ပဋ္ဌိ-  
ဝိဇ္ဈတော။

ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ မုဒိတာစေတောဝိမုတ္တိံ ကိံဂတိကာ ဟောတိ  
ကိံပရမာ ကိံဖလာ ကိံပရိယောသာနာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု မုဒိတာ-  
သဟဂတံ သတိသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ မုဒိတာသဟဂတံ ဥပေက္ခာ-  
သမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ  
ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ သော သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋ္ဌိကူလေ ပဋ္ဌိကူလသညီ  
ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ပဋ္ဌိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ပ။ သစေ အာကင်္ခတိ  
“အပ္ပဋ္ဌိကူလဉ္စ ပဋ္ဌိကူလဉ္စ တဒုဘယံ အဘိနိဝဇ္ဇေတွာ ဥပေက္ခကော ဝိဟရေယျံ  
သတော သမ္ပဇာနော”တိ၊ ဥပေက္ခကော တတ္ထ ဝိဟရတိ သတော သမ္ပဇာနော။  
သဗ္ဗသော ဝါ ပန အာကာသာနဉ္စာယတနံ သမတိက္ကမ္မ “အနန္တံ ဝိညာဏ”န္တိ  
ဝိညာဏဉ္စာယတနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ၊ ဝိညာဏဉ္စာယတနပရမာဟံ ဘိက္ခဝေ  
မုဒိတာစေတောဝိမုတ္တိံ ဝဒါမိ ဣပေညဿ ဘိက္ခုနော ဥတ္တရိဝိမုတ္တိံ အပ္ပဋ္ဌိ-  
ဝိဇ္ဈတော။

ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ ဥပေက္ခာစေတောဝိမုတ္တိံ ကိံဂတိကာ ဟောတိ  
ကိံပရမာ ကိံဖလာ ကိံပရိယောသာနာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဥပေက္ခာသဟဂတံ  
သတိသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ  
ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ပ။ ဥပေက္ခာသဟဂတံ ဥပေက္ခာသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ  
ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ သော  
သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋ္ဌိကူလေ ပဋ္ဌိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ပဋ္ဌိကူလသညီ  
တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “ပဋ္ဌိကူလေ အပ္ပဋ္ဌိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊  
အပ္ပဋ္ဌိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋ္ဌိကူလေ စ  
ပဋ္ဌိကူလေ စ ပဋ္ဌိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ပဋ္ဌိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။  
သစေ အာကင်္ခတိ “ပဋ္ဌိကူလေ စ အပ္ပဋ္ဌိကူလေ စ အပ္ပဋ္ဌိကူလသညီ  
ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အပ္ပဋ္ဌိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ  
“အပ္ပဋ္ဌိကူလဉ္စ ပဋ္ဌိကူလဉ္စ တဒုဘယံ အဘိနိဝဇ္ဇေတွာ ဥပေက္ခကော ဝိဟရေယျံ  
သတော သမ္ပဇာနော”တိ၊ ဥပေက္ခကော တတ္ထ ဝိဟရတိ သတော  
သမ္ပဇာနော။ သဗ္ဗသော ဝါ ပန ဝိညာဏဉ္စာယတနံ သမတိက္ကမ္မ “နတ္ထိ ကိဉ္စိ”တိ  
အာကိဉ္စညာယတနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ၊ အာကိဉ္စညာယတနပရမာဟံ ဘိက္ခဝေ  
ဥပေက္ခာစေတောဝိမုတ္တိံ ဝဒါမိ ဣပေညဿ ဘိက္ခုနော ဥတ္တရိဝိမုတ္တိံ အပ္ပဋ္ဌိ-  
ဝိဇ္ဈတောတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-သင်္ဂါရဝသုတ္တ

၂၃၆။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ သင်္ဂါရဝေါ မြာဟူဏော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝတာ သဋ္ဌိံ သမ္မောဒိ၊ သမ္မောဒနီယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ကေမန္တံ နိဿိဒိ၊ ကေမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ သင်္ဂါရဝေါ မြာဟူဏော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—

“ကော န ခေါ ဘော ဂေါတမ ဟေတု ကော ပစ္စယော၊ ယေနကဒါ ဒီဃရတ္တံ သဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ နပုဋ္ဌိဘန္တိ၊ ပဂေဝ အသဇ္ဈာယကတာ။ ကော ပန ဘော ဂေါတမ ဟေတု ကော ပစ္စယော၊ ယေနကဒါ ဒီဃရတ္တံ အသဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ ပဋ္ဌိဘန္တိ၊ ပဂေဝ သဇ္ဈာယကတာ”တိ။

ယသ္မိံ ခေါ မြာဟူဏ သမယေ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ ကာမရာဂပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ကာမရာဂဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ နပုဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ပရတ္တမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ဥဘယတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ဒီဃရတ္တံ သဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ နပုဋ္ဌိဘန္တိ၊ ပဂေဝ အသဇ္ဈာယကတာ။ သေယျထာပိ မြာဟူဏ ဥဒပတ္တော သံသဋ္ဌော လာခါယ ဝါ ဟလိဒ္ဓိယာ ဝါ နီလိယာ ဝါ မဇ္ဈိဋ္ဌာယ ဝါ တတ္ထ စက္ခုမာ ပုရိသော သင်္ကမေ မုခနိမိတ္တံ ပစ္စဝေက္ခမာနော ယထာဘူတံ န ဇာနေယျ န ပဿေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ မြာဟူဏ ယသ္မိံ သမယေ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ ကာမရာဂပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ကာမရာဂဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ နပုဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ။ ပ။ ပရတ္တမ္ပိ။ ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ဒီဃရတ္တံ သဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ နပုဋ္ဌိဘန္တိ၊ ပဂေဝ အသဇ္ဈာယကတာ။

ပုန စပရံ မြာဟူဏ ယသ္မိံ သမယေ ဗျာပါဒပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ ဗျာပါဒပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ဗျာပါဒဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ နပုဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ပရတ္တမ္ပိ။ ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ဒီဃရတ္တံ သဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ နပုဋ္ဌိဘန္တိ၊ ပဂေဝ အသဇ္ဈာယကတာ။ သေယျထာပိ မြာဟူဏ ဥဒပတ္တော အဂ္ဂိနာ သန္တတ္တော ပက္ကုထိတော<sup>၁</sup>



ဥသ္မုဒကဇာတော<sup>၁</sup>၊ တတ္ထ စက္ခုမာ ပုရိသော သကံ မုခနိမိတ္တံ ပစ္စဝေက္ခမာနော ယထာဘူတံ န ဇာနေယျ န ပဿေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ မြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ ဗျာပါဒပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ ဗျာပါဒပရေတေန။ ဥပ္ပန္နဿ စ ဗျာပါဒဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ။ ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ဒီဃရတ္တံ သဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ နပ္ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ အသဇ္ဈာယကတာ။

ပုန စပရံ မြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ ထိနမိဒ္ဓပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ ထိနမိဒ္ဓပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ထိနမိဒ္ဓဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ပိ။ ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ဒီဃရတ္တံ သဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ နပ္ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ အသဇ္ဈာယကတာ။

သေယျထာပိ မြာဟ္မဏ ဥဒပတ္တော သေဝါလပဏကပရိယောနဒ္ဓေါ၊ တတ္ထ စက္ခုမာ ပုရိသော သကံ မုခနိမိတ္တံ ပစ္စဝေက္ခမာနော ယထာဘူတံ န ဇာနေယျ န ပဿေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ မြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ ထိနမိဒ္ဓပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ ထိနမိဒ္ဓပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ထိနမိဒ္ဓဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ပိ။ ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ဒီဃရတ္တံ သဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ နပ္ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ အသဇ္ဈာယကတာ။

ပုန စပရံ မြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ပိ။ ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ဒီဃရတ္တံ သဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ နပ္ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ အသဇ္ဈာယကတာ။

သေယျထာပိ မြာဟ္မဏ ဥဒပတ္တော ဝါတေရိတော စလိတော ဘန္တော ဦမိဇာတော၊ တတ္ထ စက္ခုမာ ပုရိသော သကံ မုခနိမိတ္တံ ပစ္စဝေက္ခမာနော

ယထာဘူတံ န ဇာနေယျ န ပဿေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ မြာဟူဏ ယသ္မိံ သမယေ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စ-  
ပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနာတိ။  
အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊  
ပရတ္ထမ္ပိ။ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ  
န ပဿတိ၊ ဒီဃရတ္တံ သဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ နပ္ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ  
အသဇ္ဈာယကတာ။

ပုန စပရံ မြာဟူဏ ယသ္မိံ သမယေ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ  
ဝိဟရတိ ဝိစိကိစ္ဆာပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ဝိစိကိစ္ဆာယ နိဿရဏံ ယထာ-  
ဘူတံ နပ္ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ  
န ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ပိ။ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ပိ။ပ။ ဒီဃရတ္တံ သဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ  
နပ္ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ အသဇ္ဈာယကတာ။

သေယျထာပိ မြာဟူဏ ဥဒပတ္တော အာဝိလော လုဋ္ဌိတော ကလလီဘူတော  
အန္တကာရေ နိက္ခိတ္တော၊ တတ္ထ စက္ခုမာ ပုရိသော သင်္က မုခနိမိတ္တံ ပစ္စဝေက္ခ-  
မာနော ယထာဘူတံ န ဇာနေယျ န ပဿေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ မြာဟူဏ  
ယသ္မိံ သမယေ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ ဝိစိကိစ္ဆာ-  
ပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ဝိစိကိစ္ဆာယ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနာတိ။  
အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ပိ  
တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ဥဘယတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ  
သမယေ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ၊ ဒီဃရတ္တံ သဇ္ဈာယကတာပိ  
မန္တာ နပ္ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ အသဇ္ဈာယကတာ။ အယံ ခေါ မြာဟူဏ ဟေတု  
အယံ ပစ္စယော၊ ယေနေနဒါ ဒီဃရတ္တံ သဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ နပ္ပဋိဘန္တိ၊  
ပဂေဝ အသဇ္ဈာယကတာ။

ယသ္မိံ စ ခေါ မြာဟူဏ သမယေ န ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ  
ဝိဟရတိ န ကာမရာဂပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ကာမရာဂဿ နိဿရဏံ  
ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ  
ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊  
ဥဘယတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ဒီဃရတ္တံ  
အသဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ သဇ္ဈာယကတာ။

သေယျထာပိ မြာဟ္မဏ ဥဒပတ္တော အသံသဋ္ဌော လာခါယ ဝါဟလိဒ္ဓိယာ ဝါ နီလိယာ ဝါ မဉ္ဇိဋ္ဌာယ ဝါ၊ တတ္ထ စက္ခုမာ ပုရိသော သင်္က မုခနိမိတ္တံ ပစ္စဝေက္ခမာနော ယထာဘူတံ ဇာနေယျ ပဿေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ မြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ န ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ န ကာမရာဂပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ကာမရာဂဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ပ။

ပုန စပရံ မြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ န ဗျာပါဒပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ န ဗျာပါဒပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ဗျာပါဒဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ပိ။ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ပိ။ပ။ ဒီဃရတ္တံ အသဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ သဇ္ဈာယကတာ။

သေယျထာပိ မြာဟ္မဏ ဥဒပတ္တော န အဂ္ဂိနာ သန္တတ္တော န ပက္ကုထိတော န ဥဿုဒကဇာတော၊ တတ္ထ စက္ခုမာ ပုရိသော သင်္က မုခနိမိတ္တံ ပစ္စဝေက္ခမာနော ယထာဘူတံ ဇာနေယျ ပဿေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ မြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ န ဗျာပါဒပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ န ဗျာပါဒပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ဗျာပါဒဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ပိ။ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ပိ။ပ။ ဒီဃရတ္တံ အသဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ သဇ္ဈာယကတာ။

ပုန စပရံ မြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ န ထိနမိဒ္ဓပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ န ထိနမိဒ္ဓပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ထိနမိဒ္ဓဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ပိ။ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ပိ။ပ။ ဒီဃရတ္တံ အသဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ သဇ္ဈာယကတာ။

သေယျထာပိ မြာဟ္မဏ ဥဒပတ္တော န သေဝါလပဏကပရိယောနဋ္ဌေါ၊ တတ္ထ စက္ခုမာ ပုရိသော သင်္က မုခနိမိတ္တံ ပစ္စဝေက္ခမာနော ယထာဘူတံ ဇာနေယျ ပဿေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ မြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ န ထိနမိဒ္ဓပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ န ထိနမိဒ္ဓပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ထိနမိဒ္ဓဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ပိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ပိ။ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ပိ။ပ။ ဒီဃရတ္တံ အသဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ သဇ္ဈာယကတာ။

ပုန စပရံ ဗြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ န ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ န ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ဘိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ဘိ။ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ဘိ။ပ။ ဒီဃရတ္တံ အသဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ သဇ္ဈာယကတာ။

သေယျထာပိ ဗြာဟ္မဏ ဥဒပတ္တော န ဝါတေရိတော န စလိတော န ဘန္တော န ဦမိဇာတော၊ တတ္ထ စက္ခုမာ ပုရိသော သကံ မုခနိမိတ္တံ ပစ္စဝေက္ခမာနော ယထာဘူတံ ဇာနေယျ ပဿေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဗြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ န ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ န ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ဘိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ဘိ။ပ။ ဥဘယတ္ထမ္ဘိ။ပ။ ဒီဃရတ္တံ အသဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ သဇ္ဈာယကတာ။

ပုန စပရံ ဗြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ န ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ န ဝိစိကိစ္ဆာပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ဝိစိကိစ္ဆာယ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ အတ္တတ္ထမ္ဘိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ဘိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ဥဘယတ္ထမ္ဘိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ဒီဃရတ္တံ အသဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ သဇ္ဈာယကတာ။

သေယျထာပိ ဗြာဟ္မဏ ဥဒပတ္တော အစ္ဆော ဝိပ္ပသန္ဓော အနာဝိလော အာလောကေ နိက္ခိတ္တော၊ တတ္ထ စက္ခုမာ ပုရိသော သကံ မုခနိမိတ္တံ ပစ္စဝေက္ခမာနော ယထာဘူတံ ဇာနေယျ ပဿေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဗြာဟ္မဏ ယသ္မိံ သမယေ န ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ န ဝိစိကိစ္ဆာပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ဝိစိကိစ္ဆာယ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ၊ အတ္တတ္ထမ္ဘိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ပရတ္ထမ္ဘိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ဥဘယတ္ထမ္ဘိ တသ္မိံ သမယေ ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ၊ ဒီဃရတ္တံ အသဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ သဇ္ဈာယကတာ။ အယံ ခေါ ဗြာဟ္မဏ ဟေတု အယံ ပစ္စယော၊ ယေနေနဒါ ဒီဃရတ္တံ အသဇ္ဈာယကတာပိ မန္တာ ပဋိဘန္တိ၊ ပဂေဝ သဇ္ဈာယကတာ။

သတ္တိမေ ဗြာဟ္မဏ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အနာဝရဏာ အနိဝရဏာ စေတသော အနုပတ္တိလေသော ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ သတ္တ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ ခေါ ဗြာဟ္မဏ အနာဝရဏော အနိဝရဏော စေတသော အနုပတ္တိလေသော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တတိ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ ခေါ ဗြာဟ္မဏ အနာဝရဏော အနိဝရဏော စေတသော အနုပတ္တိလေသော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တတိ။ ဣမေ ခေါ ဗြာဟ္မဏ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ အနာဝရဏာ အနိဝရဏာ စေတသော အနုပတ္တိလေသော ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ဧဝံ ဝုတ္တေ သင်္ဂါရဝေါ ဗြာဟ္မဏော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “အဘိက္ကန္တံ ဘော ဂေါတမ။ပ။ ဥပါသကံ မံ ဘဝံ ဂေါတမော ဓာရေတု အဇ္ဇတဂ္ဂေ ပါဏုပေတံ သရဏံ ဂတ”န္တိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-အဘယသုတ္တ

၂၃၇။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ရာဇဂဟေ ဝိဟရတိ ဂိဇ္ဈကူဠေ ပဗ္ဗတေ။ အထ ခေါ အဘယော ရာဇကုမာရော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္တော ခေါ အဘယော ရာဇကုမာရော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ပူရဏော ဘန္တေ ကဿပေါ ဧဝမာဟ နတ္ထိ ဟေတု နတ္ထိ ပစ္စယော အညာဏာယ အဒဿနာယ၊ အဟေတု အပ္ပစ္စယော<sup>၁</sup> အညာဏံ အဒဿနံ ဟောတိ။ နတ္ထိ ဟေတု နတ္ထိ ပစ္စယော ဉာဏာယ ဒဿနာယ၊ အဟေတု အပ္ပစ္စယော ဉာဏံ ဒဿနံ ဟောတိ”တိ။ ဣဓ ဘဂဝါ ကိမာဟာတိ။ အတ္ထိ ရာဇကုမာရ ဟေတု အတ္ထိ ပစ္စယော အညာဏာယ အဒဿနာယ၊ သဟေတု သပ္ပစ္စယော<sup>၂</sup> အညာဏံ အဒဿနံ ဟောတိ။ အတ္ထိ ရာဇကုမာရ ဟေတု အတ္ထိ ပစ္စယော ဉာဏာယ ဒဿနာယ၊ သဟေတု သပ္ပစ္စယော ဉာဏံ ဒဿနံ ဟောတိတိ။

ကတမော ပန ဘန္တေ ဟေတု ကတမော ပစ္စယော အညာဏာယ အဒဿနာယ၊ ကထံ သဟေတု သပ္ပစ္စယော အညာဏံ အဒဿနံ ဟောတိတိ။ ယသ္မိ<sup>၁</sup> ခေါ ရာဇကုမာရ သမယေ ကာမရာဂပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ ကာမရာဂပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နဿ စ ကာမရာဂဿ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ။ အယမ္ပိ ခေါ ရာဇကုမာရ ဟေတု

၁-အပ္ပစ္စယာ(သိ)၊ အပ္ပစ္စယံ(?)

၂-သပ္ပစ္စယာ(သိ)၊ သပ္ပစ္စယံ(?)

အယံ ပစ္စယော အညာဏာယ အဒဿနာယ၊ ဧဝံဗြိ သဟေတု သပ္ပစ္စယော အညာဏံ အဒဿနံ ဟောတိ။

ပုန စပရံ ရာဇကုမာရ ယသ္မိံ သမယေ ဗျာပါဒပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ ဗျာပါဒပရေတေန။ ပ။ ထိနမိဒ္ဓပရိယုဋ္ဌိတေန။ ပ။ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စပရိယုဋ္ဌိတေန။ ပ။ ဝိစိကိစ္ဆာပရိယုဋ္ဌိတေန စေတသာ ဝိဟရတိ ဝိစိကိစ္ဆာပရေတေန၊ ဥပ္ပန္နာယ စ ဝိစိကိစ္ဆာယ နိဿရဏံ ယထာဘူတံ န ဇာနာတိ န ပဿတိ။ အယမ္ဗိ ခေါ ရာဇကုမာရ ဟေတု အယံ ပစ္စယော အညာဏာယ အဒဿနာယ၊ ဧဝံဗြိ သဟေတု သပ္ပစ္စယော အညာဏံ အဒဿနံ ဟောတိတိ။

ကော နာမာယံ ဘန္တေ ဓမ္မပရိယာယောတိ။ နိဝရဏာ နာမေတေ ရာဇကုမာရာတိ။ တဠ ဘဂဝါ နိဝရဏာ၊ တဠ သုဂတ နိဝရဏာ၊ ဧကမေကေနပိ ခေါ ဘန္တေ နိဝရဏေန အဘိဘူတော ယထာဘူတံ န ဇာနေယျ န ပဿေယျ၊ ကော ပန ဝါဒေါ ပဉ္စဟိ နိဝရဏေဟိ။

ကတမော ပန ဘန္တေ ဟေတု ကတမော ပစ္စယော ဉာဏာယ ဒဿနာယ၊ ကထံ သဟေတု သပ္ပစ္စယော ဉာဏံ ဒဿနံ ဟောတိတိ။ ဣဓ ရာဇကုမာရ ဘိက္ခု သတိသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ၊ သော သတိသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝိတေန စိတ္တေန ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ။ အယမ္ဗိ ခေါ ရာဇကုမာရ ဟေတု အယံ ပစ္စယော ဉာဏာယ ဒဿနာယ၊ ဧဝံဗြိ သဟေတု သပ္ပစ္စယော ဉာဏံ ဒဿနံ ဟောတိ။

ပုန စပရံ ရာဇကုမာရ ဘိက္ခု။ ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ၊ သော ဥပေက္ခာသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝိတေန စိတ္တေန ယထာဘူတံ ဇာနာတိ ပဿတိ။ အယမ္ဗိ ခေါ ရာဇကုမာရ ဟေတု အယံ ပစ္စယော ဉာဏာယ ဒဿနာယ၊ ဧဝံ သဟေတု သပ္ပစ္စယော ဉာဏံ ဒဿနံ ဟောတိတိ။

ကော နာမာယံ ဘန္တေ ဓမ္မပရိယာယောတိ။ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ နာမေတေ ရာဇကုမာရာတိ။ တဠ ဘဂဝါ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ၊ တဠ သုဂတ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ၊ ဧကမေကေနပိ ခေါ ဘန္တေ ဗောဇ္ဈင်္ဂေန သမန္နာဂတော ယထာဘူတံ ဇာနေယျ ပဿေယျ၊ ကော ပန ဝါဒေါ သတ္တဟိ ဗောဇ္ဈင်္ဂေဟိ။ ယောပိ မေ ဘန္တေ ဝိဇ္ဈကုဋ် ပဗ္ဗတံ

အာရောဟန္တဿ ကာယကိလမထော စိတ္တကိလမထော၊ သောပိ မေ  
ပဋိပ္ပဿဒွေ၊ ဓမ္မော စ မေ အဘိသမိတောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

သာကစ္ဆဝဂ္ဂေါ ဆဋ္ဌော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

အာဟာရာ ပရိယာယမဂ္ဂိ၊ မေတ္တံ သင်္ဂါရဝေန စ။  
အဘယော ပုစ္ဆိတော ပဉ္စ၊ ဂိဇ္ဈကုဋေ ပဗ္ဗတေတိ။

## ၇-အာနာပါနဝဂ္ဂ

### ၁-အဋ္ဌိကမဟပ္ပလသုတ္တ

၂၃၈။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အဋ္ဌိကသညာ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ  
မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌိကသညာ  
ကထံ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု၊ အဋ္ဌိကသညာသဟဂတံ သတိသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ  
ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ပ။ အဋ္ဌိကသညာသဟဂတံ  
ဥပေက္ခာသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ  
ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌိကသညာ ဧဝံ  
ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာတိ။

### အညတရဖလသုတ္တ

အဋ္ဌိကသညာယ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာယ ဗဟုလိကတာယ ဌိန္တံ ဖလာနံ  
အညတရံ ဖလံ ပါဠိကန္တံ၊ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ အညာ၊ သတိ ဝါ ဥပါဒိသေသေ  
အနာဂါမိတာ။ ကထံ ဘာဝိတာယ စ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌိကသညာယ ကထံ  
ဗဟုလိကတာယ ဌိန္တံ ဖလာနံ အညတရံ ဖလံ ပါဠိကန္တံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ အညာ၊  
သတိ ဝါ ဥပါဒိသေသေ အနာဂါမိတာ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အဋ္ဌိကသညာ-  
သဟဂတံ သတိသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ ပ။ အဋ္ဌိကသညာသဟဂတံ ဥပေက္ခာ-  
သမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ  
ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာယ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌိကသညာယ ဧဝံ

ဗဟုလိကတာယ ခြံ့ ဖလာနံ အညတရံ ဖလံ ပါဠိကံ ဝိဇ္ဇေဝ ဓမ္မေ အညာ၊ သတိ ဝါ ဥပါဒိသေသေ အနာဂါမိတာတိ။

### ဗဟုတ္တသုတ္တ

အဋ္ဌိကသညာ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟတော အတ္ထာယ သံဝတ္တတိ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌိကသညာ ကထံ ဗဟုလိကတာ မဟတော အတ္ထာယ သံဝတ္တတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အဋ္ဌိကသညာ-သဟဂတံ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ ပ။ အဋ္ဌိကသညာသဟဂတံ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌိကသညာ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ မဟတော အတ္ထာယ သံဝတ္တတိတိ။

### ယောဂက္ခေမသုတ္တ

အဋ္ဌိကသညာ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟတော ယောဂက္ခေမာယ သံဝတ္တတိ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌိကသညာ ကထံ ဗဟုလိကတာ မဟတော ယောဂက္ခေမာယ သံဝတ္တတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အဋ္ဌိကသညာသဟဂတံ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ ပ။ အဋ္ဌိကသညာ-သဟဂတံ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌိက-သညာ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ မဟတော ယောဂက္ခေမာယ သံဝတ္တတိတိ။

### သံဝေဂသုတ္တ

အဋ္ဌိကသညာ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟတော သံဝေဂါယ သံဝတ္တတိ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌိကသညာ ကထံ ဗဟုလိကတာ မဟတော သံဝေဂါယ သံဝတ္တတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အဋ္ဌိကသညာသဟဂတံ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ ပ။ အဋ္ဌိကသညာသဟဂတံ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌိကသညာ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ မဟတော သံဝေဂါယ သံဝတ္တတိတိ။



**ဖာသုဝိဟာရသုတ္တ**

အဋ္ဌိကသညာ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟတော ဖာသု-  
ဝိဟာရာယ သံဝတ္တတိ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌိကသညာ ကထံ  
ဗဟုလိကတာ မဟတော ဖာသုဝိဟာရာယ သံဝတ္တတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
အဋ္ဌိကသညာသဟဂတံ သတိသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ ပ။ အဋ္ဌိကသညာ-  
သဟဂတံ ဥပေက္ခာသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ  
နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဋ္ဌိက-  
သညာ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ မဟတော ဖာသုဝိဟာရာယ သံဝတ္တတိတိ။ ။ပဌမံ။

**၂-ပုဋ္ဌဝကသုတ္တ**

၂၃၉။ ပုဋ္ဌဝကသညာ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ။ ပ။ ။ဒုတိယံ။

**၃-ဝိနိလကသုတ္တ**

၂၄၀။ ဝိနိလကသညာ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ။တတိယံ။

**၄-ဝိန္တိဒ္ဓကသုတ္တ**

၂၄၁။ ဝိန္တိဒ္ဓကသညာ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ။စတုတ္ထံ။

**၅-ဥဒ္ဓါမာတကသုတ္တ**

၂၄၂။ ဥဒ္ဓါမာတကသညာ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ။ပဉ္စမံ။

**၆-မေတ္တာသုတ္တ**

၂၄၃။ မေတ္တာ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ။ ပ။ ။ဆဋ္ဌံ။

**၇-ကရုဏာသုတ္တ**

၂၄၄။ ကရုဏာ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ။ ပ။ ။သတ္တမံ။

**၈-မုဒိတာသုတ္တ**

၂၄၅။ မုဒိတာ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ။ ပ။ ။အဋ္ဌမံ။

**၉-ဥပေက္ခာသုတ္တ**

၂၄၆။ ဥပေက္ခာ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ။ ပ။ ။နဝမံ။

**၁၀-အာနာပါနသုတ္တ**

၂၄၇။ အာနာပါနဿတိ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ။ ပ။ ။ဒသမံ။

အာနာပါနဝဂ္ဂေါ သတ္တမော။

**တသျဒ္ဓါနံ**

အဋ္ဌိကပုဋ္ဌဝကံ ဝိနိလကံ၊ ဝိစ္ဆိဒ္ဓကံ ဥဒ္ဓါမာတေန ပဉ္စမံ။

မေတ္တာ ကရုဏာ မုဒိတာ၊ ဥပေက္ခာ အာနာပါနေန တေ ဒသာတိ။

**၈-နိရောဓဝဂ္ဂ****၁-အသုဘသုတ္တ**

၂၄၈။ အသုဘသညာ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ။ပဌမံ။

**၂-မရဏသုတ္တ**

၂၄၉။ မရဏသညာ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ။ဒုတိယံ။

**၃-အာဟာရေပဋိကူလသုတ္တ**

၂၅၀။ အာဟာရေ ပဋိကူလသညာ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ။တတိယံ။

**၄-အနဘိရတိသုတ္တ**

၂၅၁။ သဗ္ဗလောကေ အနဘိရတိသညာ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ။စတုတ္ထံ။

**၅-အနိစ္စသုတ္တ**

၂၅၂။ အနိစ္စသညာ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ။ပဉ္စမံ။

**၆-ဒုက္ခသုတ္တ**

၂၅၃။ အနိစ္စေ ဒုက္ခသညာ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-အနတ္တသုတ္တ

၂၅၄။ ဒုက္ခေ အနတ္တသညာ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ။သတ္တမံ။

## ၈-ပဟာနသုတ္တ

၂၅၅။ ပဟာနသညာ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ။အဋ္ဌမံ။

## ၉-ဝိရာဂသုတ္တ

၂၅၆။ ဝိရာဂသညာ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ။နဝမံ။

## ၁၀-နိရောဓသုတ္တ

၂၅၇။ နိရောဓသညာ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ နိရောဓသညာ ကထံ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု နိရောဓသညာသဟဂတံ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ နိရောဓသညာသဟဂတံ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ နိရောဓသညာ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာတိ။

နိရောဓသညာယ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာယ ဗဟုလိကတာယ ခြိန္တံ ဖလာနံ အညတရံ ဖလံ ပါဠိကနံ ဝိဇ္ဇေဝ ဓမ္မေ အညာ၊ သတိ ဝါ ဥပါဒိသေသေ အနာဂါမိတာ။ ကထံ ဘာဝိတာယ ဘိက္ခဝေ နိရောဓသညာယ ကထံ ဗဟုလိကတာယ ခြိန္တံ ဖလာနံ အညတရံ ဖလံ ပါဠိကနံ ဝိဇ္ဇေဝ ဓမ္မေ အညာ၊ သတိ ဝါ ဥပါဒိသေသေ အနာဂါမိတာ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု နိရောဓသညာသဟဂတံ သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ နိရောဓသညာသဟဂတံ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာယ ခေါ ဘိက္ခဝေ နိရောဓသညာယ ဧဝံ ဗဟုလိကတာယ ခြိန္တံ ဖလာနံ အညတရံ ဖလံ ပါဠိကနံ ဝိဇ္ဇေဝ ဓမ္မေ အညာ၊ သတိ ဝါ ဥပါဒိသေသေ အနာဂါမိတာတိ။

နိရောဓသညာ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟတော အတ္ထာယ သံဝတ္တတိ၊ မဟတော ယောဂက္ခေမာယ သံဝတ္တတိ၊ မဟတော သံဝေဂါယ သံဝတ္တတိ၊ မဟတော ဖာသုဝိဟာရာယ သံဝတ္တတိ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ နိရောဓသညာ ကထံ ဗဟုလိကတာ မဟတော အတ္ထာယ သံဝတ္တတိ၊ မဟတော

ယောဂက္ခေမာယ သံဝတ္တတိ၊ မဟတော သံဝေဂါယ သံဝတ္တတိ၊ မဟတော ဖာသုဝိဟာရာယ သံဝတ္တတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု နိရောဓသညာသဟဂတံ သတိသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ နိရောဓသညာသဟဂတံ ဥပေက္ခာသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ နိရောဓသညာ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ မဟတော အတ္ထာယ သံဝတ္တတိ၊ မဟတော ယောဂက္ခေမာယ သံဝတ္တတိ၊ မဟတော သံဝေဂါယ သံဝတ္တတိ၊ မဟတော ဖာသုဝိဟာရာယ သံဝတ္တတိ။ ။ဒသမံ။

နိရောဓဝဂ္ဂေါ အဋ္ဌမော။

### တသုဒ္ဓါနံ

အသုဘမရဏအာဟာရေ၊ ပဋိကူလအနဘိရတေန ။  
အနိစ္စဒုက္ခအနတ္တပဟာနံ၊ ဝိရာဂနိရောဓေန တေ ဒဿာတိ။

### ၉-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

#### ၁-၁၂-ဂင်္ဂါနဒီအာဒိသုတ္တ

၂၅၈-၂၆၉။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေန္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရော။ ကထဗ္ဗ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေန္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရော။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ဗောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဘာဝေန္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရေတိ။ (ယာဝ ဧသနာ ပါဠိ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗာ။)

ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂေါ နဝမော။

**တသျှဒ္ဓါနံ**

ဆ ပါစိနတော နိန္နာ၊ ဆ နိန္နာ စ သမုဒ္ဓတော။  
ဒွေတေ ဆ ဒွါဒသ ဟောန္တိ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတိတိ။

**၁၀-အပ္ပမာဒဝဂ္ဂ****၁-၁၀-တထာဂတာဒိသုတ္တ**

၂၇၀-၂၇၉။ ယာဝတာ ဘိက္ခဝေ သတ္တာ အပဒါ ဝါ ဒွိပဒါ ဝါ စတုပ္ပဒါ  
ဝါ ဗဟုပ္ပဒါ ဝါတိ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။

အပ္ပမာဒဝဂ္ဂေါ ဒသမော။

**တသျှဒ္ဓါနံ**

တထာဂတံ ပဒံ ကုဋံ၊ မူလံ သာရေန ဝဿိကံ။  
ရာဇာ စန္ဒိမသုရိယာ စ၊ ဝတ္ထေန ဒသမံ ပဒန္တိ။  
(အပ္ပမာဒဝဂ္ဂေါ ဗောဇ္ဈင်္ဂသံယုတ္တဿ ဗောဇ္ဈင်္ဂဝသေန ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။)

**၁၁-ဗလကရဏီယဝဂ္ဂ****၁-၁၂-ဗလာဒိသုတ္တ**

၂၈၀-၂၉၁။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေမိ ဗလကရဏီယာ ကမ္မန္တာ  
ကရိယန္တိတိ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။

ဗလကရဏီယဝဂ္ဂေါ ဧကာဒသမော။

**တသျှဒ္ဓါနံ**

ဗလံ ဗီဇဉ္စ နာဂေါ စ၊ ရုက္ခော ကုမ္ဘေန သူကိယာ။  
အာကာသေန စ ဒွေ မေဃာ၊ နာဝါ အာဂန္တုကာ နဒီတိ။  
(ဗလကရဏီယဝဂ္ဂေါ ဗောဇ္ဈင်္ဂသံယုတ္တဿ ဗောဇ္ဈင်္ဂဝသေန ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။)

## ၁၂-သေနာဝဂ္ဂ

## ၁-၁၀-သေနာဒိသုတ္တ

၂၉၂-၃၀၁။ တိဿော ဣမာ ဘိက္ခဝေ သေနာ။ ကတမာ တိဿော၊  
ကာမေသနာ ဘဝေသနာ ဗြဟ္မစရိယေသနာတိ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။  
သေနာဝဂ္ဂေါ ဌာဒသမော။

## တဿုဒ္ဓါနံ

သေနာ ဝိဓာ အာသဝေါ၊ ဘဝေါ စ ဒုက္ခတာ တိဿော။  
ဒိလံ မလဉ္စ နိဃော စ၊ ဝေဒနာတဏှာ တသိနာယ စာတိ။  
(ဗောဇ္ဈင်္ဂသံယုတ္တဿ သေနာပေယျာလံ ဝိဝေကနိဿိတတော ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။)

## ၁၃-ဩဃဝဂ္ဂ

## ၁-၉-ဩဃာဒိသုတ္တ

၃၀၂-၃၁၀။ စတ္တာရေမေ ဘိက္ခဝေ ဩဃာ။ ကတမေ စတ္တာရေ၊  
ကာမောသော ဘဝေါသော ဒိဋ္ဌောသော အဝိဇ္ဇောသောတိ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။

## ၁၀-ဥဒ္ဓန္တရိယသုတ္တ

၃၁၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဥဒ္ဓန္တရိယာနိ သံယောဇနာနိ။  
ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ရူပရာဂေါ အရူပရာဂေါ မာနော ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇာ။ ဣမာနိ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ ပဉ္စုဒ္ဓန္တရိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္တံ ဥဒ္ဓန္တ-  
ရိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ သတ္တ  
ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝေတဗ္ဗာ။ ကတမေ သတ္တ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ  
ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ပ။  
ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယ-  
ပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ အမတောဂဓံ အမတပရာယနံ  
အမတပရိယောသာနံ။ နိဗ္ဗာနနိန္တံ နိဗ္ဗာနပေါဏံ နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရံ။ ဣမေသံ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စန္တံ ဥဒ္ဓန္တရိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ  
ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ဣမေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝေတဗ္ဗာတိ။ ။ဒသမံ။

ဩဃဝဂ္ဂေါ တေရသမော။

**တသုဒ္ဓါနံ**

ဩဇော ယောဂေါ ဥပါဒါနံ၊ ဂန္ထာ အနုသယေန စ။  
ကာမဂုဏာ နိဝရဏာ၊ ခန္ဓာ ဩရုဒ္ဓဟ္မဂိယာနီတိ။

---

**၁၄-ပုနဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ**

**၃၁၂-၃၂၃-ပုနဂင်္ဂါနဒိအာဒိသုတ္တ**  
ဝဂ္ဂေါ စုဒ္ဓသမော။

**ဥဒ္ဓါနံ**

ဆ ပါစိနတော နိန္နာ၊ ဆ နိန္နာ စ သမုဒ္ဓတော။  
ဒွေတေ ဆ ဒွါဒသ ဟောန္တိ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတီတိ။  
(ဗောဇ္ဈင်္ဂသံယုတ္တဿ ဂင်္ဂါပေယျာလံ ရာဂဝသေန ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗံ။)

---

**၁၅-ပုနအပ္ပမာဒဝဂ္ဂ**

**၃၂၄-၃၃၃-တထာဂတာဒိသုတ္တ**  
ပန္နရသမော။

**ဥဒ္ဓါနံ**

တထာဂတံ ပဒံ ကုဋံ၊ မူလံ သာရေန ဝဿိကံ။  
ရာဇာ စန္ဒိမသူရိယာ စ၊ ဝတ္ထေန ဒသမံ ပဒန္တိ။  
(အပ္ပမာဒဝဂ္ဂေါ ရာဂဝသေန ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗော။)

---

**၁၆-ပုနဗလကရဏီယဝဂ္ဂ**

**၃၃၄-၃၄၅-ပုနဗလာဒိသုတ္တ**  
သောဠသမော။

**ဥဒါနံ**

ဗလံ ဗိဇ္ဇ နာဂေါ စ၊ ရုက္ခော ကုမ္ဘေန သူကိယာ။

အာကာသေန စ ခွေ မေဃာ၊ နာဝါ အာဂန္တုကာ နဒီတိ။

(ဗောဇ္ဈင်္ဂသံယုတ္တဿ ဗလကရဏီယဝဂ္ဂေါ ရာဂဝသေန ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။)

**၁၇-ပုနသေနာဝဂ္ဂ**

၃၄၆-၃၅၆-ပုနသေနာဒိသုတ္တ

ပုနသေနာဝဂ္ဂေါ သတ္တရသမော။

**ဥဒါနံ**

သေနာ ဝိဓာ အာသဝေါ၊ ဘဝေါ စ ဒုက္ခတာ တိဿော။

ဒိလံ မလဉ္စ နိဃော စ၊ ဝေဒနာတဏှာ တသိနာယ စာတိ။

**၁၈-ပုနဩဃဝဂ္ဂ**

၃၅၇-၃၆၆-ပုနဩဃာဒိသုတ္တ

ဗောဇ္ဈင်္ဂသံယုတ္တဿ ပုနဩဃဝဂ္ဂေါ အဋ္ဌာရသမော။

**ဥဒါနံ**

ဩဃော ယောဂေါ ဥပါဒါနံ၊ ဂန္ထာ အနုသယေန စ။

ကာမဂုဏာ နိဝရဏာ၊ ခန္ဓာ ဩရုဒ္ဓဟ္မာဂိယာနီတိ။

(ရာဂ ဝိနယ ပရိယောသာန ဒေါသဝိနယ ပရိယောသာန မောဟဝိနယ ပရိယောသာနဝဂ္ဂေါ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။) (ယဒပိ မဂ္ဂသံယုတ္တံ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ၊ တဒပိ ဗောဇ္ဈင်္ဂသံယုတ္တံ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။)

**ဗောဇ္ဈင်္ဂသံယုတ္တံ ဒုတိယံ။**



## ၃-သတိပဋ္ဌာနသံယုတ္တ

၁-အဗ္ဗပါလိဝဂ္ဂ

၁-အဗ္ဗပါလိသုတ္တ

၃၆၇။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဝေသာလိယံ ဝိဟရတိ အဗ္ဗပါလိဝဂ္ဂေ။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ “ဘိက္ခဝေါ”တိ။ “ဘဒန္တေ”တိ တေ ဘိက္ခု။ ဘဂဝတော ပစ္စဿောသုံ။ ဘဂဝါ ဧတဒဝေါစ—

ဧကာယန္ဓာယံ ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ သောကပရိဒေဝါနံ သမတိက္ကမာယ ဒုက္ခဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာယ ဣယဿ အဓိဂမာယ နိဗ္ဗာနဿ သစ္စိကိရိယာယ၊ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿိ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿိ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿိ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿိ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧကာယန္ဓာယံ ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ သောကပရိဒေဝါနံ သမတိက္ကမာယ ဒုက္ခဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာယ ဣယဿ အဓိဂမာယ နိဗ္ဗာနဿ သစ္စိကိရိယာယ၊ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာတိ။

ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ။ အတ္တမနာ တေ ဘိက္ခု။ ဘဂဝတော ဘာသိတံ အဘိနန္ဒန္တိ။ ။ပဌမံ။

၂-သတိသုတ္တ

၃၆၈။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဝေသာလိယံ ဝိဟရတိ အဗ္ဗပါလိဝဂ္ဂေ။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ “ဘိက္ခဝေါ”တိ။ “ဘဒန္တေ”တိ တေ ဘိက္ခု။ ဘဂဝတော ပစ္စဿောသုံ။ ဘဂဝါ ဧတဒဝေါစ—

သတော ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဝိဟရေယျ သမ္ပဇာနော အယံ ဝေါ အမှာကံ အနုသာသနီ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ သတော ဟောတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿိ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ

ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု  
ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ  
အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတော ဟောတိ။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္ပဇာနော ဟောတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
အဘိက္ကန္တေ ပဋိက္ကန္တေ သမ္ပဇာနကာရီ ဟောတိ၊ အာလောကိတေ ဝိလောကိတေ  
သမ္ပဇာနကာရီ ဟောတိ၊ သမိဉ္စိတေ ပဿာရိတေ သမ္ပဇာနကာရီ ဟောတိ၊  
သင်္ခာရိပတ္တစိဝရဓာရဏေ သမ္ပဇာနကာရီ ဟောတိ၊ အသိတေ ပီတေ ခါယိတေ  
သာယိတေ သမ္ပဇာနကာရီ ဟောတိ၊ ဥစ္စာရပဿာဝကဓမ္မေ သမ္ပဇာနကာရီ  
ဟောတိ၊ ဂတေ ဌိတေ နိဿိန္တေ သုတ္တေ ဇာဂရိတေ ဘာသိတေ တုဏှိဘာဝေ  
သမ္ပဇာနကာရီ ဟောတိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္ပဇာနကာရီ ဟောတိ၊  
သတော ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဝိဟရေယျ သမ္ပဇာနော။ အယံ ဝေါ အမှာကံ  
အနုသာသနီတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ဘိက္ခုသုတ္တ

၃၆၉။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ ဇေတဝနေ အနာထပိဏ္ဍိ-  
ကဿ အာရာမေ။ အထ ခေါ အညတရော ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိတိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္တော  
ခေါ သော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ “သာဓု မေ ဘန္တေ ဘဂဝါ သံခိတ္တေန  
ဓမ္မံ ဒေသေတု၊ ယမဟံ ဘဂဝတော ဓမ္မံ သုတွာ ဧကော ဝုပကဋ္ဌော  
အပ္ပမတ္တော အာတာပီ ပဟိတတ္တော ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ဧဝမေဝ ပနိဓေကဓမ္မေ  
မောဃပုရိသာ မဉ္ဇေဝံ အဇ္ဈေသန္တိ၊ ဓမ္မေ စ ဘာသိတေ မမေဝ အနုဗန္ဓိတဗ္ဗံ  
မညန္တိတိ။ ဒေသေတု မေ ဘန္တေ ဘဂဝါ သံခိတ္တေန ဓမ္မံ၊ ဒေသေတု သုဂတော  
သံခိတ္တေန ဓမ္မံ၊ အပ္ပေဝ နာမာဟံ ဘဂဝတော ဘာသိတဿ အတ္ထံ ဇာနေယျံ။  
အပ္ပေဝ နာမာဟံ ဘဂဝတော ဘာသိတဿ ဒါယာဒေါ အဿန္တိ။ တသ္မာတိဟ  
တွံ ဘိက္ခု အာဒိမေဝ ဝိသောဓေဟိ ကုသလေသု ဓမ္မေသု။ ကော စာဒိ  
ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ၊ သီလဉ္စ သုဝိသုဒ္ဓံ ဒိဋ္ဌိ စ ဥဇုကာ။ ယတော ခေါ တေ  
ဘိက္ခု သီလဉ္စ သုဝိသုဒ္ဓံ ဘဝိဿတိ၊ ဒိဋ္ဌိ စ ဥဇုကာ။ တတော တွံ ဘိက္ခု သီလံ  
နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ တိဝိဓေန  
ဘာဝေယျာသိ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ တံ ဘိက္ခု အဇ္ဈတ္တံ ဝါ ကာယေ ကာယာနုပဿီ  
ဝိဟရာဟိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-  
ဒေါမနဿံ။ ဗဟိဒ္ဓါ ဝါ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ အာတာပီ  
သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ  
ဝါ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ  
ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ အဇ္ဈတ္တံ ဝါ ဝေဒနာသု။ ဗဟိဒ္ဓါ ဝါ  
ဝေဒနာသု။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ဝါ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ အာတာပီ  
သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ အဇ္ဈတ္တံ ဝါ  
စိတ္တေ။ ဗဟိဒ္ဓါ ဝါ စိတ္တေ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ဝါ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ  
အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။  
အဇ္ဈတ္တံ ဝါ ဓမ္မေသု။ ဗဟိဒ္ဓါ ဝါ ဓမ္မေသု။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ဝါ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ  
ဝိဟရာဟိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-  
ဒေါမနဿံ။ ယတော ခေါ တံ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ  
ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဧဝံ တိရိစ္ဆေ ဘာဝေဿသိ၊ တတော တုယံ  
ဘိက္ခု ယာ ရတ္ထိ ဝါ ဒိဝသော ဝါ အာဂမိဿတိ၊ ဝုဒ္ဓိယေဝ ပါဠိကမ္မိ  
ကုသလေသု ဓမ္မေသု နော ပရိဟာနီတိ။

အထ ခေါသော ဘိက္ခု ဘဂဝတော ဘာသိတံ အဘိနန္ဒိတွာ အနုမောဒိတွာ  
ဥဋ္ဌာယာသနာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ပဒက္ခိဏံ ကတွာ ပက္ကာမိ။ အထ ခေါ  
သော ဘိက္ခု ဧကော ဝုပကဋ္ဌော အပ္ပမတ္တော အာတာပီ ပဟိတတ္တော  
ဝိဟရန္တော နစိရဿေဝ ယဿတ္တာယ ကုလပုတ္တာ သမ္ပဒေဝ အဂါရသ္မာ  
အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇန္တိ၊ တဒနုတ္တရံ မြဟ္မစရိယပရိယောသာနံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ  
အဘိညာ သမ္ဘိကတွာ ဥပသမ္ပဇူ ဝိဟရတိ၊ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊  
ကတံ ကရဏိယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာ”တိ အဗ္ဘညာသိ။ အညတရော စ ပန  
သော ဘိက္ခု အရဟတံ အဟောသီတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-သာလသုတ္တ

၃၇၀။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ကောသလေသု ဝိဟရတိ သာလာယမြာဟူဏ-  
ဂါမေ။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု အာမန္တေသိ။ ပ။ တေဒဝေါစ—

ယေ တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ နဝါ အစိရပဗ္ဗဇိတာ အဓနာဂတာ ဣမံ ဓမ္မဝိနယံ၊  
တေ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝနာယ သမာဒပေတဗ္ဗာ  
နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာ။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဧထ တုမေ အာဝုသော

ကာယေ ကာယာနုပဿိနော ဝိဟရထ အာတာပိနော သမ္ပဇာနာ ဧကောဒိ-  
 ဘူတာ ဝိပ္ပသန္ဓစိတ္တာ သမာဟိတာ ဧကဂ္ဂစိတ္တာ ကာယဿ ယထာဘူတံ  
 ဉာဏာယ။ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿိနော ဝိဟရထ အာတာပိနော သမ္ပဇာနာ  
 ဧကောဒိဘူတာ ဝိပ္ပသန္ဓစိတ္တာ သမာဟိတာ ဧကဂ္ဂစိတ္တာ ဝေဒနာနံ ယထာဘူတံ  
 ဉာဏာယ။ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿိနော ဝိဟရထ အာတာပိနော သမ္ပဇာနာ  
 ဧကောဒိဘူတာ ဝိပ္ပသန္ဓစိတ္တာ သမာဟိတာ ဧကဂ္ဂစိတ္တာ စိတ္တဿ ယထာဘူတံ  
 ဉာဏာယ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿိနော ဝိဟရထ အာတာပိနော သမ္ပဇာနာ  
 ဧကောဒိဘူတာ ဝိပ္ပသန္ဓစိတ္တာ သမာဟိတာ ဧကဂ္ဂစိတ္တာ ဓမ္မာနံ ယထာဘူတံ  
 ဉာဏာယ။ ယေပိ တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ သေခါ အပ္ပတ္တမာနဿ အနုတ္တရံ  
 ယောဂက္ခေမံ ပတ္တယမာနာ ဝိဟရန္တိ၊ တေပိ ကာယေ ကာယာနုပဿိနော  
 ဝိဟရန္တိ အာတာပိနော သမ္ပဇာနာ ဧကောဒိဘူတာ ဝိပ္ပသန္ဓစိတ္တာ သမာဟိတာ  
 ဧကဂ္ဂစိတ္တာ ကာယဿ ပရိညာယ။ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿိနော ဝိဟရန္တိ  
 အာတာပိနော သမ္ပဇာနာ ဧကောဒိဘူတာ ဝိပ္ပသန္ဓစိတ္တာ သမာဟိတာ  
 ဧကဂ္ဂစိတ္တာ ဝေဒနာနံ ပရိညာယ။ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿိနော ဝိဟရန္တိ  
 အာတာပိနော သမ္ပဇာနာ ဧကောဒိဘူတာ ဝိပ္ပသန္ဓစိတ္တာ သမာဟိတာ  
 ဧကဂ္ဂစိတ္တာ စိတ္တဿ ပရိညာယ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿိနော ဝိဟရန္တိ အာတာ-  
 ပိနော သမ္ပဇာနာ ဧကောဒိဘူတာ ဝိပ္ပသန္ဓစိတ္တာ သမာဟိတာ ဧကဂ္ဂစိတ္တာ  
 ဓမ္မာနံ ပရိညာယ။

ယေပိ တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ အရဟန္တော ဒိဏာသဝါ ဝုသိတဝန္တော  
 ကတကရဏိယာ ဩဟိတဘာရာ အနုပ္ပတ္တသဒတ္တာ ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနာ  
 သမ္ပဒညာ ဝိမုတ္တာ၊ တေပိ ကာယေ ကာယာနုပဿိနော ဝိဟရန္တိ အာတာ-  
 ပိနော သမ္ပဇာနာ ဧကောဒိဘူတာ ဝိပ္ပသန္ဓစိတ္တာ သမာဟိတာ ဧကဂ္ဂစိတ္တာ  
 ကာယေန ဝိသံယုတ္တာ။ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿိနော ဝိဟရန္တိ အာတာပိနော  
 သမ္ပဇာနာ ဧကောဒိဘူတာ ဝိပ္ပသန္ဓစိတ္တာ သမာဟိတာ ဧကဂ္ဂစိတ္တာ ဝေဒနာဟိ  
 ဝိသံယုတ္တာ။ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿိနော ဝိဟရန္တိ အာတာပိနော သမ္ပဇာနာ  
 ဧကောဒိဘူတာ ဝိပ္ပသန္ဓစိတ္တာ သမာဟိတာ ဧကဂ္ဂစိတ္တာ စိတ္တေန ဝိသံယုတ္တာ။  
 ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿိနော ဝိဟရန္တိ အာတာပိနော သမ္ပဇာနာ ဧကောဒိဘူတာ  
 ဝိပ္ပသန္ဓစိတ္တာ သမာဟိတာ ဧကဂ္ဂစိတ္တာ ဓမ္မေဟိ ဝိသံယုတ္တာ။

ယေပိ တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ နဝါ အစိရပဗ္ဗဇိတာ အဓနာဂတာ ဣမံ  
 ဓမ္မဝိနယံ၊ တေ ဝေါဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ ဣမေသံ စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝနာယ  
 သမာဒပေတဗ္ဗာ နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-အကုသလရာသီသုတ္တ

၃၇၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ—“အကုသလရာသီ”တိ ဘိက္ခဝေ ဝဒမာနော ပဉ္စ နိဝရဏေ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ။ ကေဝလောဟာယံ ဘိက္ခဝေ အကုသလရာသီ ယဒိဒံ ပဉ္စ နိဝရဏာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ ကာမစ္ဆန္တနိဝရဏံ ဗျာပါဒနိဝရဏံ ထိနမိဒ္ဓနိဝရဏံ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စနိဝရဏံ ဝိစိကိစ္ဆာနိဝရဏံ။ “အကုသလရာသီ”တိ ဘိက္ခဝေ ဝဒမာနော ဣမေ ပဉ္စ နိဝရဏေ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ။ ကေဝလော ဟာယံ ဘိက္ခဝေ အကုသလရာသီ ယဒိဒံ ပဉ္စ နိဝရဏာ။

“ကုသလရာသီ”တိ ဘိက္ခဝေ ဝဒမာနော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ။ ကေဝလော ဟာယံ ဘိက္ခဝေ ကုသလရာသီ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာဝီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာဝီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ “ကုသလရာသီ”တိ ဘိက္ခဝေ ဝဒမာနော ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ။ ကေဝလော ဟာယံ ဘိက္ခဝေ ကုသလရာသီ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-သကုဏဂ္ဂိယုတ္တ

၃၇၂။ ဘူတပုဗ္ဗံ ဘိက္ခဝေ သကုဏဂ္ဂိ လာပံ သကုဏံ သဟဿာ အဇ္ဈပ္ပတ္တာ အဂ္ဂဟေသိ။ အထ ခေါ ဘိက္ခဝေ လာပေါ သကုဏော သကုဏဂ္ဂိယာ ဟရိယမာနော ဧဝံ ပရိဒေဝသိ “မယမေဝမှ” အလက္ခိကာ၊ မယံ အပ္ပပုညာ၊ ယေ မယံ အဂေါစရေ စရိမှ ပရဝိသယေ၊ သစေဇ္ဇ မယံ ဂေါစရေ စရေယျာမ သကေ ပေတ္တိကေ ဝိသယေ၊ န မျာယံ<sup>၂</sup> သကုဏဂ္ဂိ အလံ အဘဝိဿ ယဒိဒံ ယုဒ္ဓါယာ”တိ။ ကော ပန တေ လာပ ဂေါစရော သကော ပေတ္တိကော ဝိသယောတိ။ ယဒိဒံ နဂ်လကဋ္ဌကရဏံ လေဉ္စုဋ္ဌာနန္တိ။ အထ ခေါ ဘိက္ခဝေ သကုဏဂ္ဂိ သကေ ဗလေ အပတ္တဒ္ဓါ သကေ ဗလေ အသံဝဒမာနာ<sup>၃</sup> လာပံ သကုဏံ ပမုဉ္ဇိ “ဂစ္ဆ ခေါ တံ လာပ တတြပိ မေ ဂန္တာ န မောက္ခသိ”တိ။

အထ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ လာပေါ် သကုဏော နဂ်လကဋ္ဌကရဏံ လေဉ္စုဋ္ဌာနံ ဂန္ဓာ မဟန္တံ လေဉ္စု အဘိရုဟိတွာ သကုဏဋ္ဌိံ ဝဒမာနော အဋ္ဌာသိ “ဧဟိ ခေါဒါနိ မေသကုဏဋ္ဌိ၊ ဧဟိ ခေါ ဒါနိ မေ သကုဏဋ္ဌိ”တိ။ အထ ခေါသာ ဘိက္ခုဝေ သကုဏဋ္ဌိ သကေ ဗလေ အပတ္ထဒ္ဓါ သကေ ဗလေ အသံဝဒမာနာ ဥဘော ပက္ခေ သန္ဓယှိ လာပံ သကုဏံ သဟသာ အဇ္ဈပ္ပတ္တာ။ ယဒါ ခေါ ဘိက္ခုဝေ အညာသိ လာပေါ် သကုဏော ဗဟုအာဂတော ခေါ မျာယံ သကုဏဋ္ဌိတိ။ အထ တဿေဝ လေဉ္စုဿ အန္တရံ ပစ္စုပါဒိ။ အထ ခေါ ဘိက္ခုဝေ သကုဏဋ္ဌိ တတ္ထေဝ ဥရံ ပစ္စတာဋ္ဌေသိ။ ဧဝံ ဟိ တံ<sup>၂</sup> ဘိက္ခုဝေ ဟောတိ ယော အဂေါစရေ စရတိ ပရဝိသယေ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခုဝေ မာ အဂေါစရေ စရိတ္တ ပရဝိသယေ၊ အဂေါစရေ ဘိက္ခုဝေ စရတံ ပရဝိသယေ လစ္ဆတိ မာရော ဩတာရံ၊ လစ္ဆတိ မာရော အာရမ္မဏံ။ ကော စ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခုနော အဂေါစရော ပရဝိသယော၊ ယဒိဒံ ပဉ္စ ကာမဂုဏာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ စက္ခုဝိညေယျာ ရူပါ ဣဋ္ဌာ ကန္တာ မနာပါ ဝိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ ရဇနီယာ။ သောတဝိညေယျာ သဒ္ဓါ။ ပ။ ဃာနဝိညေယျာ ဂန္ဓာ။ ပ။ ဇိဝှိဝိညေယျာ ရသာ။ ပ။ ကာယဝိညေယျာ ဖောဋ္ဌဗ္ဗာ ဣဋ္ဌာ ကန္တာ မနာပါ ဝိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ ရဇနီယာ။ အယံ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခုနော အဂေါစရော ပရဝိသယော။

ဂေါစရေ ဘိက္ခုဝေ စရထ သကေ ပေတ္တိကေ ဝိသယေ၊ ဂေါစရေ ဘိက္ခုဝေ စရတံ သကေ ပေတ္တိကေ ဝိသယေ န လစ္ဆတိ မာရော ဩတာရံ၊ န လစ္ဆတိ မာရော အာရမ္မဏံ။ ကော စ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခုနော ဂေါစရော သကော ပေတ္တိကော ဝိသယော၊ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္မဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္မဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ အယံ ဘိက္ခုဝေ ဘိက္ခုနော ဂေါစရော သကော ပေတ္တိကော ဝိသယောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-မက္ခဒယုတ္တ

၃၇၃။ အတ္ထိ ဘိက္ခုဝေ ဟိမဝတော ပဗ္ဗတရာဇဿ ဒုဂ္ဂါ ဝိသမာ ဒေသာ၊ ယတ္ထ နေဝ မက္ခဒုနံ စာရိ န မနုဿာနံ။ အတ္ထိ ဘိက္ခုဝေ ဟိမဝတော

ပဗ္ဗတရာဇဿ ဒုဂ္ဂါ ဝိသမာ ဒေသာ၊ ယတ္ထ မက္ကဋ္ဌာနံ ဟိ ခေါ စာရီ န မနုဿာနံ။ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ဟိမဝတော ပဗ္ဗတရာဇဿ သမာ ဘူမိဘာဂါ ရမဏီယာ၊ ယတ္ထ မက္ကဋ္ဌာနဉ္စေဝ စာရီ မနုဿာနဉ္စ။ တတြ ဘိက္ခဝေ လုဒ္ဓါ မက္ကဋ္ဌဝီထိယု လေပံ ဩဇ္ဇေန္တိ မက္ကဋ္ဌာနံ ဗာဓနာယ။

တတြ ဘိက္ခဝေ ယေ တေ မက္ကဋ္ဌာ အဗာလဇာတိကာ အလောလဇာတိကာ၊ တေ တံ လေပံ ဒိသ္မာ အာရကာ ပရိဝဇ္ဇန္တိ။ ယော ပန သော ဟောတိ မက္ကဋ္ဌော ဗာလဇာတိကော လောလဇာတိကော၊ သော တံ လေပံ ဥပသင်္ကမိတွာ ဟတ္ထေန ဂဏှာတိ၊ သော တတ္ထ ဗဇ္ဈတိ။ “ဟတ္ထံ မောစေဿာမီ”တိ ဒုတိယေန ဟတ္ထေန ဂဏှာတိ၊ သော တတ္ထ ဗဇ္ဈတိ။ “ဥဘော ဟတ္ထေ မောစေဿာမီ”တိ ပါဒေန ဂဏှာတိ၊ သော တတ္ထ ဗဇ္ဈတိ။ “ဥဘော ဟတ္ထေ မောစေဿာမိ ပါဒဉ္စာ”တိ ဒုတိယေန ပါဒေန ဂဏှာတိ၊ သော တတ္ထ ဗဇ္ဈတိ။ “ဥဘော ဟတ္ထေ မောစေဿာမိ ပါဒေ စာ”တိ တုဏှေန ဂဏှာတိ၊ သော တတ္ထ ဗဇ္ဈတိ။ ဧဝံ ဟိ သော ဘိက္ခဝေ မက္ကဋ္ဌော ပဉ္စောဒ္ဓိတော ထုနံ သေတိ အနယံ အာပန္နော၊ ဗျဿနံ အာပန္နော၊ ယထာကာမကရဏီယော လုဒ္ဓဿ။ တမေနံ ဘိက္ခဝေ လုဒ္ဓေါ ဝိဇ္ဈိတွာ တသ္မိယေဝ ကဋ္ဌကတင်္ဂါရေ<sup>၁</sup> အဝဿဇ္ဇေတွာ ယေန ကာမံ ပက္ကမတိ။ ဧဝံ သော တံ ဘိက္ခဝေ ဟောတိ၊ ယော အဂေါစရေ စရတိ ပရဝိသယေ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ မာ အဂေါစရေ စရိတ္ထ ပရဝိသယေ၊ အဂေါစရေ ဘိက္ခဝေ စရတံ ပရဝိသယေ လစ္ဆတိ မာရော ဩတာရံ၊ လစ္ဆတိ မာရော အာရမ္မဏံ။ ကော စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အဂေါစရော ပရဝိသယော၊ ယဒိဒံ ပဉ္စ ကာမဂုဏာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ စက္ခုဝိညေယျာ ရူပါ ဣဋ္ဌာ ကန္တာ မနာပါ ပိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ ရဇနီယာ။ သောတဝိညေယျာ သဒ္ဓါ။ ပ။ သာနဝိညေယျာ ဂန္ဓာ။ ပ။ ဇိဝှိဝိညေယျာ ရသာ။ ပ။ ကာယဝိညေယျာ ဖောဠဗ္ဗာ ဣဋ္ဌာ ကန္တာ မနာပါ ပိယရူပါ ကာမူပသံဟိတာ ရဇနီယာ။ အယံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အဂေါစရော ပရဝိသယော။

ဂေါစရေ ဘိက္ခဝေ စရထ သကေ ပေတ္တိကေ ဝိသယေ၊ ဂေါစရေ ဘိက္ခဝေ စရတံ သကေ ပေတ္တိကေ ဝိသယေ န လစ္ဆတိ မာရော ဩတာရံ၊ န လစ္ဆတိ မာရော အာရမ္မဏံ။ ကော စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ဂေါစရော သကော ပေတ္တိကော ဝိသယော၊ ယဒိဒံ စက္ကာရော သတိပဋ္ဌာနာ။ ကတမေ

၁-တသ္မိယေဝ မက္ကဋ္ဌံ ဥဒ္ဓရိတွာ (သီ၊ သျာ)

စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ  
အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။  
ဝေဒနာသု။ပ။စိတ္တေ။ပ။ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော  
သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ အယံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော  
ဂေါစရော သကော ပေတ္တိကော ဝိသယောတိ။ ။သတ္တမံ။

### ဂ-သုဒ္ဓသုတ္တ

၃၇၄။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဗာလော အဗျတ္တော အကုသလော သူဒေါ  
ရာဇာနံ ဝါ ရာဇမဟာမတ္တံ ဝါ<sup>၁</sup> နာနစ္စယေဟိ သူပေဟိ ပစ္စုပ္ပိတော  
အဿ အဗ္ဗိလဂ္ဂေဟိပိ တိတ္ထကဂ္ဂေဟိပိ ကဋ္ဌကဂ္ဂေဟိပိ မရရဂ္ဂေဟိပိ ခါရိကေဟိပိ  
အခါရိကေဟိပိ လောဏိကေဟိပိ အလောဏိကေဟိပိ။

သ ခေါ သော ဘိက္ခဝေ ဗာလော အဗျတ္တော အကုသလော သူဒေါ သကဿ  
ဘတ္တု နိမိတ္တံ န ဥဂ္ဂဏှာတိ “ဣဒံ ဝါ မေ အဇ္ဇ ဘတ္တု သူပေယျံ ရုစ္စတိ၊ ဣမဿ  
ဝါ အဘိဟရတိ။ ဣမဿ ဝါ ဗဟံ ဂဏှာတိ၊ ဣမဿ ဝါ ဝဏှံ ဘာသတိ။  
အဗ္ဗိလဂ္ဂံ ဝါ မေ အဇ္ဇ ဘတ္တု သူပေယျံ ရုစ္စတိ၊ အဗ္ဗိလဂ္ဂဿ ဝါ အဘိဟရတိ၊  
အဗ္ဗိလဂ္ဂဿ ဝါ ဗဟံ ဂဏှာတိ၊ အဗ္ဗိလဂ္ဂဿ ဝါ ဝဏှံ ဘာသတိ။ တိတ္ထကဂ္ဂံ ဝါ  
မေ အဇ္ဇ။ ကဋ္ဌကဂ္ဂံ ဝါ မေ အဇ္ဇ။ မရရဂ္ဂံ ဝါ မေ အဇ္ဇ။ ခါရိကံ ဝါ မေ အဇ္ဇ။  
အခါရိကံ ဝါ မေ အဇ္ဇ။ လောဏိကံ ဝါ မေ အဇ္ဇ။ အလောဏိကံ ဝါ မေ အဇ္ဇ  
ဘတ္တု သူပေယျံ ရုစ္စတိ၊ အလောဏိကဿ ဝါ အဘိဟရတိ၊ အလောဏိကဿ  
ဝါ ဗဟံ ဂဏှာတိ၊ အလောဏိကဿ ဝါ ဝဏှံ ဘာသတိ”တိ။

သ ခေါ သော ဘိက္ခဝေ ဗာလော အဗျတ္တော အကုသလော သူဒေါ န စေဝ  
လာဘီ ဟောတိ အစ္ဆာဒနဿ၊ န လာဘီ ဝေတနဿ၊ န လာဘီ အဘိဟာရာနံ။ တံ  
ကိဿ ဟေတု၊ တထာ ဟိ သော ဘိက္ခဝေ ဗာလော အဗျတ္တော အကုသလော  
သူဒေါ သကဿ ဘတ္တု နိမိတ္တံ န ဥဂ္ဂဏှာတိ။ ဝေမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
ဣဓေကစ္စော ဗာလော အဗျတ္တော အကုသလော ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ  
ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-  
ဒေါမနဿံ၊ တဿ ကာယေ ကာယာနုပဿိနော ဝိဟရတော စိတ္တံ န  
သမာဓိယတိ၊ ဥပတ္တိလေသာ န ပဟိယန္တိ၊ သော တံ နိမိတ္တံ န  
ဥဂ္ဂဏှာတိ။ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ပ။ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ



ဝိဟရတိ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ  
ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီနော  
ဝိဟရတော စိတ္တံ န သမာဓိယတိ၊ ဥပတ္တိလေသာ န ပဟိယန္တိ၊ သော တံ  
နိမိတ္တံ န ဥဂ္ဂဏှာတိ။

သ ခေါ သော ဘိက္ခဝေ ဗာလော အဗျတ္တော အကုသလော ဘိက္ခု န စေဝ  
လာဘီ ဟောတိ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သုခဝိဟာရာနံ၊ န လာဘီ သတိသမ္ပဇညဿ။  
တံ ကိဿ ဟေတု၊ တထာ ဟိ သော ဘိက္ခဝေ ဗာလော အဗျတ္တော  
အကုသလော ဘိက္ခု သကဿ စိတ္တဿ နိမိတ္တံ န ဥဂ္ဂဏှာတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပဏှိတော ဗျတ္တော ကုသလော သူဒေါ ရာဇာနံ  
ဝါ ရာဇမဟာမတ္တံ ဝါ နာနစ္စယေဟိ သူပေဟိ ပစ္စုပဋ္ဌိတော အဿ  
အဗ္ဗိလဂ္ဂေဟိပိ တိတ္တကဂ္ဂေဟိပိ ကဋ္ဌကဂ္ဂေဟိပိ မရရဂ္ဂေဟိပိ ခါရိကေဟိပိ  
အခါရိကေဟိပိ လောဏိကေဟိပိ အလောဏိကေဟိပိ။

သ ခေါ သော ဘိက္ခဝေ ပဏှိတော ဗျတ္တော ကုသလော သူဒေါ သကဿ  
ဘတ္တု နိမိတ္တံ ဥဂ္ဂဏှာတိ “ဣဒံ ဝါ မေ အဇ္ဇ ဘတ္တု သူပေယျံ ရုစ္စတိ၊ ဣမဿ ဝါ  
အဘိဟရတိ၊ ဣမဿ ဝါ ဗဟံ ဂဏှာတိ၊ ဣမဿ ဝါ ဝဏှံ ဘာသတိ။ အဗ္ဗိလဂ္ဂံ  
ဝါ မေ အဇ္ဇ ဘတ္တု သူပေယျံ ရုစ္စတိ၊ အဗ္ဗိလဂ္ဂဿ ဝါ အဘိဟရတိ၊ အဗ္ဗိလဂ္ဂဿ  
ဝါ ဗဟံ ဂဏှာတိ၊ အဗ္ဗိလဂ္ဂဿ ဝါ ဝဏှံ ဘာသတိ။ တိတ္တကဂ္ဂံ ဝါ မေ အဇ္ဇ။  
ကဋ္ဌကဂ္ဂံ ဝါ မေ အဇ္ဇ။ မရရဂ္ဂံ ဝါ မေ အဇ္ဇ။ ခါရိကံ ဝါ မေ အဇ္ဇ။ အခါရိကံ  
ဝါမေ အဇ္ဇ။ လောဏိကံ ဝါ မေ အဇ္ဇ။ အလောဏိကံ ဝါ မေ အဇ္ဇ ဘတ္တု သူပေယျံ  
ရုစ္စတိ။ အလောဏိကဿ ဝါ အဘိဟရတိ၊ အလောဏိကဿ ဝါ ဗဟံ  
ဂဏှာတိ။ အလောဏိကဿ ဝါ ဝဏှံ ဘာသတိ”တိ။

သ ခေါ သော ဘိက္ခဝေ ပဏှိတော ဗျတ္တော ကုသလော သူဒေါ လာဘီ စေဝ  
ဟောတိ အစ္ဆာဒနဿ၊ လာဘီ ဝေတနဿ၊ လာဘီ အဘိဟာရာနံ။ တံ ကိဿ  
ဟေတု၊ တထာ ဟိ သော ဘိက္ခဝေ ပဏှိတော ဗျတ္တော ကုသလော သူဒေါ  
သကဿ ဘတ္တု နိမိတ္တံ ဥဂ္ဂဏှာတိ။ ဝေမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣဓေကစ္စော  
ပဏှိတော ဗျတ္တော ကုသလော ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ  
အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊  
တဿ ကာယေ ကာယာနုပဿီနော ဝိဟရတော စိတ္တံ သမာဓိယတိ၊  
ဥပတ္တိလေသာ ပဟိယန္တိ၊ သော တံ နိမိတ္တံ ဥဂ္ဂဏှာတိ။ ဝေဒနာသု  
ဝေဒနာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ပ။စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ပ။ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ

ဝိဟရတိ အာတာပိ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-  
ဒေါမနဿံ၊ တဿ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿိနော ဝိဟရတော စိတ္တံ သမာဓိယတိ၊  
ဥပတ္တိလေသာ ပဟိယန္တိ၊ သော တံ နိမိတ္တံ ဥဂ္ဂဏှာတိ။

သ ခေါ သော ဘိက္ခဝေ ပဏှိတော ဗျတ္တော ကုသလော ဘိက္ခု လာဘီ စေဝ  
ဟောတိ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သုခဝိဟာရာနံ၊ လာဘီ ဟောတိ သတိသမ္ပဇညဿ။  
တံ ကိဿ ဟေတု၊ တထာ ဟိ သော ဘိက္ခဝေ ပဏှိတော ဗျတ္တော ကုသလော  
ဘိက္ခု သကဿ စိတ္တဿ နိမိတ္တံ ဥဂ္ဂဏှာတိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဝိလာနသုတ္တ

၃၇၅။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဝေသာလိယံ ဝိဟရတိ  
ဝေဠုဝဂါမကေ<sup>၁</sup>။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု အာမန္တေသိ “ဧေ တုမေ ဘိက္ခဝေ  
သမန္တာ ဝေသာလိယာ ယထာဓိတ္တံ ယထာသန္တိဋ္ဌံ ယထာသမ္ဘတ္တံ ဝဿံ ဥပေထ၊  
ဣဇေဝါဟံ ဝေဠုဝဂါမကေ ဝဿံ ဥပဂစ္ဆာမိ”တိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ တေ  
ဘိက္ခု ဘဂဝတော ပဋိဿုဘွာ သမန္တာ ဝေသာလိယာ ယထာဓိတ္တံ  
ယထာသန္တိဋ္ဌံ ယထာသမ္ဘတ္တံ ဝဿံ ဥပဂစ္ဆိ၊ ဘဂဝါပန တတ္ထေဝ ဝေဠုဝဂါမကေ  
ဝဿံ ဥပဂစ္ဆိ<sup>၂</sup>။

အထ ခေါ ဘဂဝတော ဝဿုပဂတဿ ခရော အာဗာဓော ဥပ္ပဇ္ဇိ၊ ဗာဠာ  
ဝေဒနာ ဝတ္ထန္တိ မာရဏန္တိကာ၊ တတြ သုဒ္ဓံ ဘဂဝါ သတော သမ္ပဇာနော  
အဓိဝါသေသိ အဝိဟညမာနော။ အထ ခေါ ဘဂဝတော တေဒဟောသိ  
“န ခေါ မေ တံ ပတိရူပံ၊ ယောဟံ အနာမန္တေတွာ ဥပဋ္ဌာကေ  
အနုပလောကေတွာ ဘိက္ခုသံဃံ ပရိနိဗ္ဗာယေယျံ၊ ယံနုနာဟံ ဣမံ အာဗာဓံ  
ဝိရိယေန ပဋိပဏာမေတွာ ဇီဝိတသင်္ခါရံ အဓိဋ္ဌာယ ဝိဟရေယျ”န္တိ။ အထ  
ခေါ ဘဂဝါ တံ အာဗာဓံ ဝိရိယေန ပဋိပဏာမေတွာ ဇီဝိတသင်္ခါရံ  
အဓိဋ္ဌာယ ဝိဟာသိ။ (အထ ခေါ ဘဂဝတော သော အာဗာဓော ပဋိပ္ပဿန္တိ။)<sup>၃</sup>

အထ ခေါ ဘဂဝါ ဝိလာနာ ဝုဋ္ဌိတော<sup>၄</sup> အစိရဝုဋ္ဌိတော ဂေလညာ ဝိဟာရာ  
နိက္ခမိတွာ ဝိဟာရပစ္စာယာယံ<sup>၅</sup> ပညတ္တေ အာသနေ နိသီဒိ။ အထ ခေါ  
အာယသ္မာ အာနန္ဒော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ  
အဘိဝါဒေတွာ ကေမန္တံ နိသီဒိ၊ ကေမန္တံ နိသီန္ဒော ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော

၁-ဗေလုဝဂါမကေ (သီ၊ သျှ၊ ကံ၊ ဣ) ၂-ဥပဂစ္ဆိ (သီ၊ ဣ) ၃-( )ဒိ-၂-ဂဌ ပိဋေ ဒိဿတိ။

၄-ဝိလာနဝုဋ္ဌိတော (သဒ္ဓနိတိ)

၅-ဝိဟာရပစ္စာယာယာယံ (ဗဟုသု)

ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ဒိဋ္ဌော မေ ဘန္တေ ဘဂဝတော ဖာသု၊ ဒိဋ္ဌံ ဘန္တေ ဘဂဝတော ခမနိယံ၊ ဒိဋ္ဌံ ဘန္တေ ဘဂဝတော ယာပနိယံ၊ အပိ စ မေ ဘန္တေ မဓုရကဇာတော ဝိယ ကာယော၊ ဒိသာပိ မေ န ပက္ခာယန္တိ၊ ဓမ္မာပိ မံ နပ္ပုဋ္ဌဘန္တိ ဘဂဝတော ဂေလညေန၊ အပိ စ မေ ဘန္တေ အဟောသိ ကာစိဒေဝ အဿာသမတ္တာ၊ န တာဝ ဘဂဝါ ပရိနိဗ္ဗာယိဿတိ၊ န ယာဝ ဘဂဝါ ဘိက္ခုသံဃံ အာရဗ္ဘ ကိဉ္စိဒေဝ ဥဒါဟရတိ”တိ။

ကို ပန ဒါနိ အာနန္တ ဘိက္ခုသံဃော မယိ ပစ္စာသီသတိ<sup>၁</sup>၊ ဒေသိတော အာနန္တ မယာ ဓမ္မော အနန္တရံ အဗာဟိရံ ကရိတွာ၊ နတ္ထာနန္တ တထာဂတဿ ဓမ္မေသု အာစရိယမုဋ္ဌိ၊ ယဿ နူန အာနန္တ ဧဝမဿ “အဟံ ဘိက္ခုသံဃံ ပရိဟရိဿာမီ”တိ ဝါ “မမုဋ္ဌေသိကော ဘိက္ခုသံဃော”တိ ဝါ၊ သော နူန အာနန္တ ဘိက္ခုသံဃံ အာရဗ္ဘ ကိဉ္စိဒေဝ ဥဒါဟရေယျ။ တထာဂတဿ ခေါ အာနန္တ န ဧဝံ ဟောတိ “အဟံ ဘိက္ခုသံဃံ ပရိဟရိဿာမီ”တိ ဝါ “မမုဋ္ဌေသိကော ဘိက္ခုသံဃော”တိ ဝါ၊ သ ကိ<sup>၂</sup> အာနန္တ တထာဂတော ဘိက္ခုသံဃံ အာရဗ္ဘ ကိဉ္စိဒေဝ ဥဒါဟရိဿတိ၊ တေရဟိ ခေါ ပနာဟံ အာနန္တ ဇိဏ္ဏော ဝုဋ္ဌေါ မဟလ္လကော အဗ္ဗဂတော ဝယောအနုပ္ပတ္တော၊ အာသီတိကော မေ ဝယော ဝတ္တတိ။ သေယျထာပိ အာနန္တ ဇေဇရသကဋ်<sup>၃</sup> ဝေဠုမိဿကေန<sup>၄</sup> ယာပေတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ အာနန္တ ဝေဠုမိဿကေန မညေ တထာဂတဿ ကာယော ယာပေတိ။

ယသ္မိ<sup>၅</sup> အာနန္တ သမယေ တထာဂတော သဗ္ဗနိမိတ္တာနံ အမနသိကာရာ ဧကစ္စာနံ ဝေဒနာနံ နိရောဓာ အနိမိတ္တံ စေတောသမာဓိ<sup>၆</sup> ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ဖာသုတရော<sup>၇</sup> အာနန္တ တသ္မိ<sup>၈</sup> သမယေ တထာဂတဿ ကာယော ဟောတိ။ တသ္မာတိဟာနန္တ အတ္တဒီပါ ဝိဟရထ အတ္တသရဏော အနညသရဏော ဓမ္မဒီပါ ဓမ္မသရဏော အနညသရဏော။

ကထဉ္စာနန္တ ဘိက္ခု အတ္တဒီပေါ ဝိဟရတိ အတ္တသရဏော အနညသရဏော ဓမ္မဒီပေါ ဓမ္မသရဏော အနညသရဏော၊ ဣဓာနန္တ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာ-နုပဿိ ဝိဟရတိ အာတာပိ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-ဒေါမနဿ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿိ ဝိဟရတိ အာတာပိ

၁-ပစ္စာသီသတိ (သီ၊ သျှ၊ ကံ၊ ဣ)

၂-သော နူန (သီ၊ ဣ)

၃-ဇေဇရသကဋ် (သဗ္ဗတ္ထ)

၄-ဝေဠုမိဿကေန (သီ)၊ ဝေဠုမိဿကေန (သျှ၊ ကံ)၊ ဝေဠုမိဿကေန (ဣ၊ က)၊ ဝေဠုမိဿကေန (က)

၅-ဖာသုတရံ (သဗ္ဗတ္ထ)

၆-တထာဂတဿ ဟောတိ (ဗဟုသု)

သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧဝံ ခေါ အာနန္တ  
ဘိက္ခု အတ္တဒီပေါ ဝိဟရတိ အတ္တသရဏော အနညသရဏော ဓမ္မဒီပေါ  
ဓမ္မသရဏော အနညသရဏော။ ယေ ဟိ ကေစိ အာနန္တ တေရဟိ ဝါ  
မမစ္စယေ ဝါ အတ္တဒီပါ ဝိဟရိဿန္တိ အတ္တသရဏာ အနညသရဏာ ဓမ္မဒီပါ  
ဓမ္မသရဏာ အနညသရဏာ။ တမတဂ္ဂေ မေတေ အာနန္တ ဘိက္ခု ဘဝိဿန္တိ  
ယေ ကေစိ သိက္ခာကာမာတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဘိက္ခုနုပဿယသုတ္တ

၃၇၆။ အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ  
ပတ္တစီဝရမာဒါယ ယေန အညတရော ဘိက္ခုနုပဿယော တေနုပသင်္ကမိ၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ ပညတ္တေ အာသနေ နိသီဒိ။ အထ ခေါ သမ္ပဟုလာ ဘိက္ခုနိယော  
ယေနာယသ္မာ အာနန္ဒော တေနုပသင်္ကမိသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မန္တံ  
အာနန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိသု၊ ဧကမန္တံ နိသိန္ဒော ခေါ တာ၊  
ဘိက္ခုနိယော အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ တေဒဝေါစုံ—

ဣဓ ဘန္တေ အာနန္တ သမ္ပဟုလာ ဘိက္ခုနိယော စတူသု သတိပဋ္ဌာနေသု  
သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တာ<sup>၁</sup> ဝိဟရန္တိယော ဥဋ္ဌာရံ ပုဗ္ဗေနာပရံ ဝိသေသံ သဉ္ဇာနန္တိတိ<sup>၂</sup>။  
ဝေမေတံ ဘဂိနိယော၊ ဝေမေတံ ဘဂိနိယော၊ ယော ဟိ ကောစိ ဘဂိနိယော  
ဘိက္ခု ဝါ ဘိက္ခုနီ ဝါ စတူသု သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တာ ဝိဟရတိ၊  
တဿေတံ ပါဠိကံ<sup>၃</sup> “ဥဋ္ဌာရံ ပုဗ္ဗေနာပရံ ဝိသေသံ သဉ္ဇာနိဿတိ”တိ။

အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော တာ ဘိက္ခုနိယော ဓမ္မိယာ ကထာယ  
သန္တဿေတွာ သမာဒပေတွာ သမုတ္တေဇေတွာ သမ္ပဟံသေတွာ ဥဋ္ဌာယာသနာ  
ပက္ကာမိ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော သာဝတ္ထိယံ ပိဏ္ဍာယ စရိတွာ  
ပစ္ဆာဘတ္တံ ပိဏ္ဍပါတပဋိက္ကန္တော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ  
ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသိန္ဒော ခေါ အာယသ္မာ  
အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစုံ—

ဣဓာဟံ ဘန္တေ ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီဝရမာဒါယ ယေန  
အညတရော ဘိက္ခုနုပဿယော တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ပညတ္တေ  
အာသနေ နိသီဒိ။ အထ ခေါ ဘန္တေ သမ္ပဟုလာ ဘိက္ခုနိယော ယေနာဟံ  
တေနုပသင်္ကမိသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ မံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိသု၊

ကေမန္တံ နိသိန္တာ ခေါ ဘန္တေ တာ ဘိက္ခုနိယော မံ တေဒဝေါစုံ “ဣဓ ဘန္တေ အာနန္တ သမ္ပဟုလာ ဘိက္ခုနိယော စတုသု သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တာ ဝိဟရန္တိယော ဥဋ္ဌာရံ ပုဗ္ဗေနာပရံ ဝိသေသံ သဉ္ဇာနန္တိ”တိ။ ဧဝံ ပုတ္တာဟံ ဘန္တေ တာ ဘိက္ခုနိယော တေဒဝေါစုံ “ဧဝမေတံ ဘဂိနိယော၊ ဧဝမေတံ ဘဂိနိယော၊ ယော ဟိ ကောစိ ဘဂိနိယော ဘိက္ခု ဝါ ဘိက္ခုနီ ဝါ စတုသု သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တာ ဝိဟရတိ၊ တဿေတံ ပါဠိကံ” ဥဋ္ဌာရံ ပုဗ္ဗေနာပရံ ဝိသေသံ သဉ္ဇာနိဿတိ”တိ။

ဧဝမေတံ အာနန္တ၊ ဧဝမေတံ အာနန္တ၊ ယော ဟိ ကောစိ အာနန္တ ဘိက္ခု ဝါ ဘိက္ခုနီ ဝါ စတုသု သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တာ ဝိဟရတိ၊ တဿေတံ ပါဠိကံ” ဥဋ္ဌာရံ ပုဗ္ဗေနာပရံ ဝိသေသံ သဉ္ဇာနိဿတိ”။

ကတမေသု စတုသု၊ ဣဓာနန္တ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ ကာယေ ကာယာနုပဿိနော ဝိဟရတော ကာယာရမ္မဏော ဝါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ကာယသ္မိံ ပရိဋ္ဌာဟော စေတသော ဝါ လိနတ္တံ၊ ဗဟိဒ္ဓါ ဝါ စိတ္တံ ဝိက္ခိပတိ။ တေနာနန္တ ဘိက္ခုနာ ကိသ္မိဉ္စိဒေဝ ပဿာဒနိယေ နိမိတ္တေ စိတ္တံ ပဏိဒဟိတဗ္ဗံ၊ တဿ ကိသ္မိဉ္စိဒေဝ ပဿာဒနိယေ နိမိတ္တေ စိတ္တံ ပဏိဒဟတော ပါမောဇ္ဇံ ဇာယတိ၊ ပမုဒိတဿ ဝီတိ ဇာယတိ၊ ဝီတိမနဿ ကာယော ပဿန္တတိ၊ ပဿဒ္ဓကာယော သုခံ ဝေဒယတိ၊ သုခိနော စိတ္တံ သမာဓိယတိ။ သော ဣတိ ပဋိသန္ဓိက္ခတိ “ယဿ ခွါဟံ အတ္ထာယ စိတ္တံ ပဏိဒဟိ”၊ သော မေ အတ္ထော အဘိနိပ္ပန္နော၊ ဟန္တ ဒါနိ ပဋိသံဟရာမီ”တိ။ သော ပဋိသံဟရတိ စေဝ န စ ဝိတက္ကေတိ န စ ဝိစာရေတိ၊ “အဝိတက္ကောမိ အဝိစာရော အဇ္ဈတ္တံ သတိမာ သုခမသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ။

ပုန စပရံ အာနန္တ ဘိက္ခု ဝေဒနာသု။ပ။စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿိနော ဝိဟရတော ဓမ္မာရမ္မဏော ဝါ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ကာယသ္မိံ ပရိဋ္ဌာဟော စေတသော ဝါ လိနတ္တံ၊ ဗဟိဒ္ဓါ ဝါ စိတ္တံ ဝိက္ခိပတိ။ တေနာနန္တ ဘိက္ခုနာ ကိသ္မိဉ္စိဒေဝ ပဿာဒနိယေ နိမိတ္တေ စိတ္တံ ပဏိဒဟိတဗ္ဗံ၊ တဿ ကိသ္မိဉ္စိ ဒေဝ ပဿာဒနိယေ နိမိတ္တေ စိတ္တံ ပဏိဒဟတော ပါမောဇ္ဇံ

ဇာယတိ၊ ပမုဒိတဿ ဝီတိ ဇာယတိ၊ ဝီတိမနဿ ကာယော ပဿန္တတိ၊ ပဿန္တ-  
ကာယော သုခံ ဝေဒယတိ၊ သုခိနော စိတ္တံ သမာဓိယတိ။ သော ဣတိ ပဋိသန္ဓိက္ခတိ  
“ယဿ ခွါဟံ အတ္ထာယ စိတ္တံ ပဏိဒဟိ”၊ သော မေ အတ္ထော အဘိနိပ္ပန္နော၊  
ဟန္တ ခါနိ ပဋိသံဟရာမိ”တိ။ သော ပဋိသံဟရတိ စေဝ န စ ဝိတက္ကေတိ န စ  
ဝိစာရေတိ၊ “အဝိတက္ကောမိ အဝိစာရော အဇ္ဈတ္တံ သတိမာ သုခမသ္မိ”တိ  
ပဇာနာတိ။ ဧဝံ ခေါ အာနန္တ ပဏိဓာယ ဘာဝနာ ဟောတိ။

ကထဉ္ဇာနန္တ အပ္ပဏိဓာယ ဘာဝနာ ဟောတိ၊ ဗဟိဒ္ဓါ အာနန္တ ဘိက္ခု စိတ္တံ  
အပ္ပဏိဓာယ “အပ္ပဏိဟိတံ မေ ဗဟိဒ္ဓါ စိတ္တံ”န္တိ ပဇာနာတိ။ အထ “ပစ္ဆာ ပုရေ  
အသံခိတ္တံ ဝိမုတ္တံ အပ္ပဏိဟိတံ”န္တိ ပဇာနာတိ။ အထ စ ပန “ကာယေ  
ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာမိ၊ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ သုခမသ္မိ”တိ  
ပဇာနာတိ။ ဗဟိဒ္ဓါ အာနန္တ ဘိက္ခု စိတ္တံ အပ္ပဏိဓာယ “အပ္ပဏိဟိတံ မေ ဗဟိဒ္ဓါ  
စိတ္တံ”န္တိ ပဇာနာတိ။ အထ “ပစ္ဆာ ပုရေ အသံခိတ္တံ ဝိမုတ္တံ အပ္ပဏိဟိတံ”န္တိ  
ပဇာနာတိ။ အထ စ ပန “ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဝိဟရာမိ၊ အာတာပီ  
သမ္ပဇာနော သတိမာ သုခမသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ။ ဗဟိဒ္ဓါ အာနန္တ ဘိက္ခု စိတ္တံ  
အပ္ပဏိဓာယ “အပ္ပဏိဟိတံ မေ ဗဟိဒ္ဓါ စိတ္တံ”န္တိ ပဇာနာတိ။ အထ “ပစ္ဆာ ပုရေ  
အသံခိတ္တံ ဝိမုတ္တံ အပ္ပဏိဟိတံ”န္တိ ပဇာနာတိ။ အထ စ ပန “စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ  
ဝိဟရာမိ၊ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ သုခမသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ။ ဗဟိဒ္ဓါ  
အာနန္တ ဘိက္ခု စိတ္တံ အပ္ပဏိဓာယ “အပ္ပဏိဟိတံ မေ ဗဟိဒ္ဓါ စိတ္တံ”န္တိ  
ပဇာနာတိ။ အထ “ပစ္ဆာ ပုရေ အသံခိတ္တံ ဝိမုတ္တံ အပ္ပဏိဟိတံ”န္တိ ပဇာနာတိ။  
အထ စ ပန “ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာမိ၊ အာတာပီ သမ္ပဇာနော  
သတိမာ သုခမသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ။ ဧဝံ ခေါ အာနန္တ အပ္ပဏိဓာယ ဘာဝနာ  
ဟောတိ။

ဣတိ ခေါ အာနန္တ ဒေသိတာ မယာ ပဏိဓာယ ဘာဝနာ၊ ဒေသိတာ  
အပ္ပဏိဓာယ ဘာဝနာ။ ယံ အာနန္တ သတ္တာရာ ကရဏီယံ သာဝကာနံ  
ဟိတေသိနာ အနုကမ္မကေန အနုကမ္မံ ဥပါဒါယ၊ ကတံ ဝေါတံ မယာ။  
ဧတာနိ အာနန္တ ရုက္ခမူလာနိ၊ ဧတာနိ သုညာဂါရာနိ။ ဈာယထာနန္တ မာပမာဒတ္ထ၊  
မာ ပစ္ဆာဝိပ္ပုဋ္ဌိသာရိနော အဟုဝတ္ထ၊ အယံ ဝေါ အမှာကံ အနုသာသနီတိ။

ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ။ အတ္တမနော အာယသ္မာ အာနန္တော ဘဂဝတော  
ဘာသိတံ အဘိနန္ဓိတိ။ ။ဒသမံ။

အဗ္ဗပါလိဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

## တဿုဒ္ဓါနံ

အဗ္ဗပါလိ သတော ဘိက္ခု၊ သာလာ ကုသလရာသိ စ။

သကုဏဋ္ဌိ မက္ကဋ္ဌော သူဒေါ၊ ဂိလာနော ဘိက္ခုနုပဿယောတိ။

## ၂-နာလန္ဒဝဂ္ဂ

## ၁-မဟာပုရိသသုတ္တ

၃၇၇။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ယေန ဘဂဝါ  
တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊  
ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ  
“မဟာပုရိသော မဟာပုရိသောတိ ဘန္တေ ဝုဇ္ဇတိ၊ ကိတ္တာဝတာ န ခေါ  
ဘန္တေ မဟာပုရိသော ဟောတိ”တိ။ ဝိမုတ္တစိတ္တတ္တာ ခွါဟံ သာရိပုတ္တ “မဟာ-  
ပုရိသော”တိ ဝဒါမိ၊ အဝိမုတ္တစိတ္တတ္တာ “နော မဟာပုရိသော”တိ ဝဒါမိ။

ကထဉ္စ သာရိပုတ္တ ဝိမုတ္တစိတ္တော ဟောတိ၊ ဣဓ သာရိပုတ္တ ဘိက္ခု  
ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ  
လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ ကာယေ ကာယာနုပဿီနော  
ဝိဟရတော စိတ္တံ ဝိရဇ္ဇတိ ဝိမုစ္စတိ အနုပါဒါယ အာသဝေဟိ။ ဝေဒနာသု။ ပ။  
စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ  
ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီနော  
ဝိဟရတော စိတ္တံ ဝိရဇ္ဇတိ ဝိမုစ္စတိ အနုပါဒါယ အာသဝေဟိ။ ဧဝံ ခေါ  
သာရိပုတ္တ ဝိမုတ္တစိတ္တော ဟောတိ၊ ဝိမုတ္တစိတ္တတ္တာ ခွါဟံ သာရိပုတ္တ  
“မဟာပုရိသော”တိ ဝဒါမိ၊ အဝိမုတ္တစိတ္တတ္တာ “နော မဟာပုရိသော”တိ  
ဝဒါမိတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-နာလန္ဒသုတ္တ

၃၇၈။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ နာလန္ဒာယံ ဝိဟရတိ ပါဝါရိကဗ္ဗဝနေ။ အထ  
ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ  
ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ အာယသ္မာ  
သာရိပုတ္တော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ဧဝံပသန္နော အဟံ ဘန္တေ ဘဂဝတိ၊ န စာဟု

န စ ဘဝိဿတိ န စေတရဟိ ဝိဇ္ဇတိ အညော သမဏော ဝါ မြာဟူဏော ဝါ ဘဂဝတာ ဘိယျောဘိညတရော ယဒိဒံ သမ္မောဓိယ”န္တိ။ ဥဋ္ဌာရာ ခေါ် ဘျာယံ သာရိပုတ္တ အာသဘီ ဝါစာ ဘာသိတာ၊ ဧကံသော ဂဟိတော၊ သီဟနာဒေါ နဒိတော “ဧဝံပသန္ဓော အဟံ ဘန္တေ ဘဂဝတိ၊ န စာဟု န စ ဘဝိဿတိ န စေတရဟိ ဝိဇ္ဇတိ အညော သမဏော ဝါ မြာဟူဏော ဝါ ဘဂဝတာ ဘိယျောဘိညတရော ယဒိဒံ သမ္မောဓိယ”န္တိ။

ကို န တေ သာရိပုတ္တ ယေ တေ အဟေသုံ အတိတမဒ္ဓါနံ အရဟန္တော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ၊ သဗ္ဗေတေ ဘဂဝန္တော စေတသာ စေတော ပရိစ္စ ရိဒိတာ “ဧဝံသီလာ တေ ဘဂဝန္တော အဟေသုံ ဣတိ ဝါ၊ ဧဝံဓမ္မော တေ ဘဂဝန္တော အဟေသုံ ဣတိ ဝါ၊ ဧဝံပညာ တေ ဘဂဝန္တော အဟေသုံ ဣတိ ဝါ၊ ဧဝံဝိဟာရိနော တေ ဘဂဝန္တော အဟေသုံ ဣတိ ဝါ၊ ဧဝံဝိမုတ္တာ တေ ဘဂဝန္တော အဟေသုံ ဣတိ ဝါ”တိ။ နော ဟေတံ ဘန္တေ။

ကို ပန တေ သာရိပုတ္တ ယေ တေ ဘဝိဿန္တိ အနာဂတမဒ္ဓါနံ အရဟန္တော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ၊ သဗ္ဗေတေ ဘဂဝန္တော စေတသာ စေတော ပရိစ္စ ရိဒိတာ “ဧဝံသီလာ တေ ဘဂဝန္တော ဘဝိဿန္တိ ဣတိ ဝါ၊ ဧဝံဓမ္မော တေ ဘဂဝန္တော ဘဝိဿန္တိ ဣတိ ဝါ၊ ဧဝံပညာ တေ ဘဂဝန္တော ဘဝိဿန္တိ ဣတိ ဝါ၊ ဧဝံဝိဟာရိနော တေ ဘဂဝန္တော ဘဝိဿန္တိ ဣတိ ဝါ၊ ဧဝံဝိမုတ္တာ တေ ဘဂဝန္တော ဘဝိဿန္တိ ဣတိ ဝါ”တိ။ နော ဟေတံ ဘန္တေ။

ကို ပန ဘျာဟံ<sup>၁</sup> သာရိပုတ္တ စေတရဟိ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ စေတသာ စေတော ပရိစ္စ ရိဒိတော “ဧဝံသီလော ဘဂဝါ ဣတိ ဝါ၊ ဧဝံဓမ္မော ဘဂဝါ ဣတိ ဝါ၊ ဧဝံပညော ဘဂဝါ ဣတိ ဝါ၊ ဧဝံဝိဟာရိ ဘဂဝါ ဣတိ ဝါ၊ ဧဝံဝိမုတ္တာ ဘဂဝါ ဣတိ ဝါ”တိ။ နော ဟေတံ ဘန္တေ။

ဧတ္ထ စ တေ သာရိပုတ္တ အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန္နေသု အရဟန္တေသု သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေသု စေတောပရိယဉာဏံ<sup>၂</sup> နတ္ထိ၊ အထ ကိဉ္ဇရဟိ ဘျာယံ သာရိပုတ္တ ဥဋ္ဌာရာ အာသဘီ ဝါစာ ဘာသိတာ၊ ဧကံသော ဂဟိတော၊ သီဟနာဒေါ နဒိတော “ဧဝံပသန္ဓော အဟံ ဘန္တေ ဘဂဝတိ၊ န စာဟု န စ ဘဝိဿတိ န စေတရဟိ ဝိဇ္ဇတိ အညော သမဏော ဝါ မြာဟူဏော ဝါ ဘဂဝတာ ဘိယျောဘိညတရော ယဒိဒံ သမ္မောဓိယ”န္တိ။



န ခေါ် မေ<sup>၁</sup> ဘန္တေ အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန္နေသု အရဟန္တေသု သမ္မာ-  
သမ္ဗုဒ္ဓေသု စေတောပရိယဉာဏံ အတ္ထိ၊ အပိ စ မေ ဓမ္မန္တယော ဝိဒိတော။  
သေယျထာပိ ဘန္တေ ရညော ပစ္စန္နိမံ နဂရံ ဒဠုဒ္ဓါပံ<sup>၂</sup> ဒဠုပါကာရတောရဏံ  
ဧကဒ္ဓါရံ၊ တဩဿ ဒေါဝါရိကော ပဏ္ဍိတော ဗျတ္တော မေဓာဝိ အညာတာနံ  
နိဝါရေတာ ဉာတာနံ ပဝေသေတာ။ သောတဿ နဂရဿ သမန္တာ အနုပရိယာ-  
ယပထံ အနုတ္တမမာနော န ပသေယျ ပါကာရသန္တိ<sup>၃</sup> ဝါ ပါကာရဝိဝရံ ဝါ  
အန္တမသောဗိဠာရနိက္ခမနမတ္တမ္ပိ။ တဿ ဝေမဿ “ယေ ခေါကေစိ ဩဠာရိကာ  
ပါဏာ ဣမံ နဂရံ ပဝိသန္တိ ဝါ နိက္ခမန္တိ ဝါ၊ သဗ္ဗေတေ ဣမိနာဝဒ္ဓါရေန ပဝိသန္တိ  
ဝါ နိက္ခမန္တိ ဝါ” တိ။ ဝေမေဝ ခေါ မေ ဘန္တေ ဓမ္မန္တယော ဝိဒိတော၊ ယေပိ တေ  
ဘန္တေ အဟေသုံ အတိတမဒ္ဓါနံ အရဟန္တော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ၊ သဗ္ဗေတေ ဘဂဝန္တော  
ပဉ္စ နိဝရဏေ ပဟာယ စေတသော ဥပက္ကိလေသေ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏေ  
စတုသု သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တာ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ယထာဘူတံ  
ဘာဝေတွာ အနုတ္တရံ သမ္မာသမ္ဗောဓိ<sup>၄</sup> အဘိသမ္ဗုဇ္ဈိ<sup>၅</sup>သု။ ယေပိ တေ ဘန္တေ  
ဘဝိဿန္တိ အနာဂတမဒ္ဓါနံ အရဟန္တော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ၊ သဗ္ဗေတေ ဘဂဝန္တော  
ပဉ္စ နိဝရဏေ ပဟာယ စေတသော ဥပက္ကိလေသေ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏေ  
စတုသု သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တာ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ယထာဘူတံ  
ဘာဝေတွာ အနုတ္တရံ သမ္မာသမ္ဗောဓိ<sup>၆</sup> အဘိသမ္ဗုဇ္ဈိဿန္တိ။ ဘဂဝါပိ ဘန္တေ  
ဧတရဟိ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ ပဉ္စ နိဝရဏေ ပဟာယ စေတသော  
ဥပက္ကိလေသေ ပညာယ ဒုဗ္ဗလိကရဏေ စတုသု သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတ-  
စိတ္တော သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ယထာဘူတံ ဘာဝေတွာ အနုတ္တရံ သမ္မာသမ္ဗောဓိ<sup>၇</sup>  
အဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါတိ။

သာဓု သာဓု သာရိပုတ္တ၊ တသ္မာတိဟ တံ သာရိပုတ္တ ဣမံ ဓမ္မပရိယာယံ  
အဘိက္ခဏံ ဘာသေယျာသိ ဘိက္ခုနံ ဘိက္ခုနီနံ ဥပါသကာနံ ဥပါသိကာနံ။  
ယေသမ္ပိ ဟိ သာရိပုတ္တ မောဃပုရိသာနံ ဘဝိဿတိ တထာဂတေ ကင်္ခါ ဝါ  
ဝိမတိ ဝါ၊ တေသမ္ပိမံ ဓမ္မပရိယာယံ သုတွာ ယာ တထာဂတေ ကင်္ခါ  
ဝါ ဝိမတိ ဝါ၊ သာ ပဟိယိဿတိတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-စုန္ဒသုတ္တ

၃၇၉။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ ဇေတဝနေ အနာထ-  
ပိဏ္ဍိကဿ အာရာမေ။ တေန ခေါ ပန သမယေန အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော

၁-န ခေါ မေ တံ (သျှာ၊ ကံ၊ က)

၂-ဒဠုဒ္ဓါပံ (သီ၊ ဣ၊ က)၊ ဒဠုဒ္ဓါပံ (သျှာ၊ ကံ)

မဂဓေသု ဝိဟရတိ နာလကဂါမကေ အာဗာဓိကော ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂိလာနော။  
စုံနှော စ သမဏုဋ္ဌေသော အာယသ္မတော သာရိပုတ္တဿ ဥပဋ္ဌာကော ဟောတိ။

အထ ခေါ် အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော တေနော အာဗာဓေန ပရိနိဗ္ဗာယိ။ အထ  
ခေါ် စုံနှော သမဏုဋ္ဌေသော အာယသ္မတော သာရိပုတ္တဿ ပတ္တစီဝရမာဒါယ  
ယေန သာဝတ္ထိ ဇေတဝနံ အနာထပိဏ္ဍိကဿ အာရာမော၊ ယေနာယသ္မာ  
အာနန္ဒော တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ အဘိဝါဒေတွာ  
ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္ဒော ခေါ် စုံနှော သမဏုဋ္ဌေသော အာယသ္မန္တံ  
အာနန္တံ တေဒဝေါစ “အာယသ္မာ ဘန္တေ သာရိပုတ္တော ပရိနိဗ္ဗုတော၊ ဣဒမဿ  
ပတ္တစီဝရ”န္တိ။ အတ္ထိ ခေါ် ဣဒံ အာဝုသော စုန္တ ကထာပါဘတံ ဘဂဝန္တံ  
ဒဿနာယ၊ အာယာမာဝုသော စုန္တ၊ ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိဿာမ၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝတော တေမတ္ထံ အာရောစေဿာမာတိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ  
ခေါ် စုံနှော သမဏုဋ္ဌေသော အာယသ္မတော အာနန္တဿ ပစ္စဿောသိ။

အထ ခေါ် အာယသ္မာ စ အာနန္ဒော စုံနှော စ သမဏုဋ္ဌေသော ယေန  
ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ  
နိဿိဒိသု၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္ဒော ခေါ် အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ  
“အယံ ဘန္တေ စုံနှော သမဏုဋ္ဌေသော ဝေမာဟ ‘အာယသ္မာ ဘန္တေ  
သာရိပုတ္တော ပရိနိဗ္ဗုတော၊ ဣဒမဿ ပတ္တစီဝရ’န္တိ။ အပိ စ မေ ဘန္တေ  
မဓုရကဇာတော ဝိယ ကာယော၊ ဒိဿာပိ မေ န ပက္ခာယန္တိ၊ ဓမ္မာပိ မံ နပ္ပုဋ်ဘန္တိ  
‘အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ပရိနိဗ္ဗုတော’တိ သုတွာ”။

ကို န ခေါ် တေ အာနန္တ သာရိပုတ္တော သီလက္ခန္တံ ဝါ အာဒါယ ပရိနိဗ္ဗုတော၊  
သမာဓိက္ခန္တံ ဝါ အာဒါယ ပရိနိဗ္ဗုတော၊ ပညာက္ခန္တံ ဝါ အာဒါယ ပရိနိဗ္ဗုတော၊  
ဝိမုတ္တိက္ခန္တံ ဝါ အာဒါယ ပရိနိဗ္ဗုတော၊ ဝိမုတ္တိဉာဏဒဿနက္ခန္တံ ဝါ အာဒါယ  
ပရိနိဗ္ဗုတောတိ။ န စ ခေါ် မေ ဘန္တေ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော သီလက္ခန္တံ ဝါ  
အာဒါယ ပရိနိဗ္ဗုတော၊ သမာဓိက္ခန္တံ ဝါ။ ပ။ ပညာက္ခန္တံ ဝါ။ ပ။ ဝိမုတ္တိက္ခန္တံ ဝါ။ ပ။  
ဝိမုတ္တိဉာဏဒဿနက္ခန္တံ ဝါ အာဒါယ ပရိနိဗ္ဗုတော၊ အပိ စ မေ ဘန္တေ  
အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ဩဝါဒကော အဟောသိ ဩတိဏ္ဏော ဝိညာပကော  
သန္တဿကော သမာဒပကော သမုတ္တေဇကော သမ္ပဟံသကော၊ အင်္ဂါလာသု  
ဓမ္မဒေသနာယ၊ အနုဂါဟကော သဗြဟ္မစာရိနံ၊ တံ မယံ အာယသ္မတော  
သာရိပုတ္တဿ ဓမ္မောဇံ ဓမ္မဘောဂံ ဓမ္မာနုဂ္ဂဟံ အနုဿရာမာတိ။

နန တံ အာနန္တ မယာ ပဋိကစ္ဆေဝံ အက္ခာတံ၊ သဗ္ဗေဟိ ဝိယေဟိ မနာပေဟိ နာနာဘာဝေါ ဝိနာဘာဝေါ အညထာဘာဝေါ၊ တံ ကုတေတ္ထ အာနန္တ လက္ခာ “ယံ တံ ဇာတံ ဘူတံ သင်္ခတံ ပလောကဓမ္မံ၊ တံ ဝတ မာ ပလုဇ္ဇိ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ သေယျထာပိ အာနန္တ မဟတော ရုက္ခဿ တိဋ္ဌတော သာရဝတော ယော မဟန္တတရော ခန္ဓော သော ပလုဇ္ဇေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ အာနန္တ မဟတော ဘိက္ခုသံဃဿ တိဋ္ဌတော သာရဝတော သာရိပုတ္တော ပရိနိဗ္ဗုတော၊ တံ ကုတေတ္ထ အာနန္တ လက္ခာ “ယံ တံ ဇာတံ ဘူတံ သင်္ခတံ ပလောကဓမ္မံ၊ တံ ဝတ မာ ပလုဇ္ဇိ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ တဿာတိဟာနန္တ အတ္တဒီပါ ဝိဟရထ အတ္တသရဏာ အနညသရဏာ ဓမ္မဒီပါ ဓမ္မသရဏာ အနညသရဏာ။

ကထဉ္စာနန္တ ဘိက္ခု အတ္တဒီပေါ ဝိဟရတိ အတ္တသရဏော အနညသရဏော ဓမ္မဒီပေါ ဓမ္မသရဏော အနညသရဏော၊ ဣဓာနန္တ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧဝံ ခေါ အာနန္တ ဘိက္ခု အတ္တဒီပေါ ဝိဟရတိ အတ္တသရဏော အနညသရဏော ဓမ္မဒီပေါ ဓမ္မသရဏော အနညသရဏော။ ယေ ဟိ ကေစိ အာနန္တ ဧတရဟိ ဝါ မမစ္စယေ ဝါ အတ္တဒီပါ ဝိဟရိဿန္တိ အတ္တသရဏာ အနညသရဏာ ဓမ္မဒီပါ ဓမ္မသရဏာ အနညသရဏာ၊ တမတဂ္ဂေ မေတေ အာနန္တ ဘိက္ခု ဘဝိဿန္တိ၊ ယေ ကေစိ သိက္ခာကာမာတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ဥက္ကဇေလသုတ္တ

၃၈၀။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဝဇ္ဇိသု ဝိဟရတိ ဥက္ကဇေလယံ ဂင်္ဂါယ နဒိယာ တီရေ မဟတာ ဘိက္ခုသံဃေန သဒ္ဓိံ အစိရပရိနိဗ္ဗုတေသု သာရိပုတ္တမောဂ္ဂလ္လာနေသု။ တေန ခေါ ပန သမယေန ဘဂဝါ ဘိက္ခုသံဃပရိဝုတော အဇ္ဈောကာသေ နိသိန္ဓော ဟောတိ။

အထ ခေါ ဘဂဝါ တုဏှိဘူတံ ဘိက္ခုသံဃံ အနုဝိလောကေတွာ ဘိက္ခု အာမန္တေသိ “အပိ မျာယံ ဘိက္ခဝေ ပရိသာ သုညာ ဝိယ ခါယတိ ပရိနိဗ္ဗုတေသု သာရိပုတ္တမောဂ္ဂလ္လာနေသု။ အသုညာ မေ ဘိက္ခဝေ ပရိသာ

ဟောတိ၊ အနပေက္ခာ တဿံ ဒိသာယံ ဟောတိ၊ ယဿံ ဒိသာယံ သာရိပုတ္တ-  
မောဂ္ဂလ္လာနာ ဝိဟရန္တိ။ ယေ ဟိ တေ ဘိက္ခဝေ အဟေသုံ အတိတမဒ္ဓါနံ  
အရဟန္တာ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ၊ တေသမ္ဘိ ဘဂဝန္တာနံ ဧတပ္ပရမံယေဝ<sup>၁</sup> သာဝကယုဂံ  
အဟောသိ၊ သေယျထာပိ မယံ သာရိပုတ္တမောဂ္ဂလ္လာနာ။ ယေပိ တေ ဘိက္ခဝေ  
ဘဝိဿန္တိ အနာဂတမဒ္ဓါနံ အရဟန္တာ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ၊ တေသမ္ဘိ ဘဂဝန္တာနံ  
ဧတပ္ပရမံယေဝ သာဝကယုဂံ ဘဝိဿတိ၊ သေယျထာပိ မယံ သာရိပုတ္တ-  
မောဂ္ဂလ္လာနာ။ အစ္ဆရိယံ ဘိက္ခဝေ သာဝကာနံ၊ အတ္တုတံ ဘိက္ခဝေ  
သာဝကာနံ၊ သတ္တု စ နာမ သာသနကရာ ဘဝိဿန္တိ ဩဝါဒပ္ပဋိကရာ၊  
စတုန္ဒု ပရိသာနံ ပိယာ ဘဝိဿန္တိ မနာပါ ဂရဘာဝနိယာ စ။  
အစ္ဆရိယံ ဘိက္ခဝေ တထာဂတဿ၊ အတ္တုတံ ဘိက္ခဝေ တထာဂတဿ၊  
ဝေရူပေပိ နာမ သာဝကယုဂေ ပရိနိဗ္ဗုတေန နတ္ထိ တထာဂတဿ သောကော  
ဝါ ပရိဒေဝေါ ဝါ၊ တံ ကုတေတ္ထ ဘိက္ခဝေ လမ္ဘာ “ယံ တံ ဇာတံ ဘူတံ  
သင်္ခတံ ပလောကဓမ္မံ၊ တံ ဝတ မာ ပလုဇ္ဇိ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။  
သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မဟတော ရုက္ခဿ တိဋ္ဌတော သာရဝတော ယေ  
မဟန္တတရာ ခန္ဓာ၊ တေ ပလုဇ္ဇေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ မဟတော  
ဘိက္ခုသံဃဿ တိဋ္ဌတော သာရဝတော သာရိပုတ္တမောဂ္ဂလ္လာနာ ပရိနိဗ္ဗုတာ၊  
တံ ကုတေတ္ထ ဘိက္ခဝေ လမ္ဘာ “ယံ တံ ဇာတံ ဘူတံ သင်္ခတံ ပလောကဓမ္မံ၊  
တံ ဝတ မာ ပလုဇ္ဇိ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ တဿာတိဟ ဘိက္ခဝေ အတ္တဒီပါ  
ဝိဟရထ အတ္တသရဏာ အနညသရဏာ ဓမ္မဒီပါ ဓမ္မသရဏာ  
အနညသရဏာ။

ကထန္တ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အတ္တဒီပေါ ဝိဟရတိ အတ္တသရဏော  
အနညသရဏော ဓမ္မဒီပေါ ဓမ္မသရဏော အနညသရဏော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ  
ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု  
ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ  
အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အတ္တဒီပေါ ဝိဟရတိ  
အတ္တသရဏော အနညသရဏော ဓမ္မဒီပေါ ဓမ္မသရဏော အနညသရဏော။  
ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရတိ ဝါ မမစ္စယေ ဝါ အတ္တဒီပါ ဝိဟရိဿန္တိ  
အတ္တသရဏာ အနညသရဏာ ဓမ္မဒီပေါ ဓမ္မသရဏာ အနညသရဏာ။ တမတဂ္ဂေ  
မေတေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဘဝိဿန္တိ၊ ယေ ကေစိ သိက္ခာကာမာတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-ဗာဟိယသုတ္တ

၃၀၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ ဗာဟိယော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ အာယသ္မာ ဗာဟိယော ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ “သာဓု မေ ဘန္တေ ဘဂဝါ သံခိတ္တေန ဓမ္မံ ဒေသေတု၊ ယမဟံ ဘဂဝတော ဓမ္မံ သုတွာ ဧကော ဝုပကဋ္ဌော အပ္ပမတ္တော အာတာပီ ပဟိတတ္တော ဝိဟရေယျ”န္တိ။ တသ္မာတိဟ တံ ဗာဟိယ အာဒိမေဝ ဝိသောဓေဟိ ကုသလေသု ဓမ္မေသု။ ကော စာဒိ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ၊ သီလဉ္စ သုဝိသုဒ္ဓံ ဒိဋ္ဌိ စ ဥဇုကာ။ ယတော စ ခေါ တေ ဗာဟိယ သီလဉ္စ သုဝိသုဒ္ဓံ ဘဝိဿတိ ဒိဋ္ဌိ စ ဥဇုကာ၊ တတော တံ ဗာဟိယ သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဘာဝေယျာသိ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣဓ တံ ဗာဟိယ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနသံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနသံ။ ယတော ခေါ တံ ဗာဟိယ သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဧဝံ ဘာဝေယျာသိ၊ တတော တုယံ ဗာဟိယ ယာ ရတ္ထိ ဝါ ဒိဝသော ဝါ အာဂမိဿတိ၊ ဝုဒ္ဓိယေဝ ပါဠိကင်္ခါ ကုသလေသု ဓမ္မေသု၊ နော ပရိဟာနီတိ။

အထ ခေါ အာယသ္မာ ဗာဟိယော ဘဂဝတော ဘာသိတံ အဘိနန္ဒိတွာ အနုမောဒိတွာ ဥဋ္ဌာယာသနာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ပဒက္ခိဏံ ကတွာ ပက္ကာမိ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ ဗာဟိယော ဧကော ဝုပကဋ္ဌော အပ္ပမတ္တော အာတာပီ ပဟိတတ္တော ဝိဟရန္တော နစိရဿေဝ ယဿတ္တာယ ကုလပုတ္တာ သမ္ပဒေဝ အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇန္တိ၊ တဒနတ္ထရံ မြဟ္မစရိယပရိယောသာနံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သန္တိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟာသိ၊ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏိယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာ”တိ အဗ္ဘညာသိ။ အညတရော စ ပနာယသ္မာ ဗာဟိယော အရဟတံ အဟောသီတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-ဥတ္တိယသုတ္တ

၃၀၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ ဥတ္တိယော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ။ ပ။ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ အာယသ္မာ ဥတ္တိယော ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ “သာဓု မေ ဘန္တေ ဘဂဝါ သံခိတ္တေန ဓမ္မံ ဒေသေတု၊ ယမဟံ

ဘဂဝတော ဓမ္မံ သုတွာ ဧကော ဝုပကဋ္ဌော အပ္ပမတ္တော အာတာပီ ပဟိတတ္တော  
ဝိဟရေယျ”န္တိ။ တသ္မာတိဟ တံ ဥတ္တိယ အာဒိမေဝ ဝိသောဓေဟိ ကုသလေသု  
ဓမ္မေသု။ ကော စာဒိ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ၊ သီလဉ္စ သုဝိသုဒ္ဓိံ ဒိဋ္ဌိံ စ ဥဇုကာ။  
ယတော စ ခေါ တေ ဥတ္တိယ သီလဉ္စ သုဝိသုဒ္ဓိံ ဘဝိဿတိံ ဒိဋ္ဌိံ စ ဥဇုကာ၊  
တတော တံ ဥတ္တိယ သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ စတ္တာရော  
သတိပဋ္ဌာနေ ဘာဝေယျာသိ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ တံ ဥတ္တိယ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ  
အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။  
ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော  
သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ယတော ခေါ တံ ဥတ္တိယ  
သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဧဝံ  
ဘာဝေယျာသိ၊ တတော တံ ဥတ္တိယ ဂမိဿသိ မဇ္ဈိမေယျဿ ပါရန္တိ။

အထ ခေါ အာယသ္မာ ဥတ္တိယော ဘဂဝတော ဘာသိတံ အဘိနန္ဒိတွာ  
အနုမောဒိတွာ ဥဋ္ဌာယာသနာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ပဒက္ခိဏံ ကတွာ  
ပက္ကာမိ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ ဥတ္တိယော ဧကော ဝုပကဋ္ဌော အပ္ပမတ္တော  
အာတာပီ ပဟိတတ္တော ဝိဟရန္တော နစိရဿေဝ ယဿတ္တာယ ကုလပုတ္တာ  
သမ္ပဒေဝ အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇန္တိ၊ တဒနတ္ထရံ ဗြဟ္မစရိယပရိယောသာနံ  
ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇူ ဝိဟာသိ၊ “ဒီဏာ ဇာတိ၊  
ဝုသိတံ ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာ”တိ အဗ္ဘညာသိ။  
အညတရော စ ပနာယသ္မာ ဥတ္တိယော အရဟတံ အဟောသီတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-အရိယသုတ္တ

၃၀၃။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ  
အရိယာ နိယျာနိကာ နိယျန္တိ တက္ကရဿ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယာယ။ ကတမေ  
စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ  
အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။  
ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော  
သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အရိယာ နိယျာနိကာ  
နိယျန္တိ တက္ကရဿ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယာယာတိ။ ။သတ္တမံ။

## ဂ-ဗြဟ္မသုတ္တ

၃၀၄။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဥရုဝေလာယံ ဝိဟရတိ နန္ဒာ နေရဉ္စရာယ တိရေ အဇပါလနိဂြောဓေ ပဌမာဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါ။ အထ ခေါ ဘဂဝတော ရဟောဂတဿ ပဋိသလ္လိနဿ ဧဝံ စေတသော ပရိဝိတက္ကော ဥဒပါဒိ—ဧကာယန္ဓာယံ မဂ္ဂေါ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ သောကပရိဒေဝါနံ သမတိက္ကမာယ ဒုက္ခဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာယ ဣယဿ အဓိဂမာယ နိဗ္ဗာနဿ သစ္စိကိရိယာယ၊ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ကာယေ ဝါ ဘိက္ခု ကာယာနုပဿီ ဝိဟရေယျ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု ဝါ ဘိက္ခု။ပ။ စိတ္တေ ဝါ ဘိက္ခု။ပ။ ဓမ္မေသု ဝါ ဘိက္ခု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရေယျ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧကာယန္ဓာယံ မဂ္ဂေါ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ သောက-ပရိဒေဝါနံ သမတိက္ကမာယ ဒုက္ခဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာယ ဣယဿ အဓိဂမာယ နိဗ္ဗာနဿ သစ္စိကိရိယာယ၊ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာတိ။

အထ ခေါ ဗြဟ္မာ သဟမ္ပတိ ဘဂဝတော စေတသာ စေတောပရိဝိတက္က-မညာယ သေယျထာပိ နာမ ဗလဝါ ပုရိသော သမိဉ္စိတံ ဝါ ဗာဟံ ပသာရေယျ၊ ပသာရိတံ ဝါ ဗာဟံ သမိဉ္စေယျ။ ဧဝမေ ခေါ ဗြဟ္မလောကေ အန္တရဟိတော ဘဂဝတော ပုရတော ပါတုရဟောသိ။ အထ ခေါ ဗြဟ္မာ သဟမ္ပတိ ဧကံသံ ဥတ္တရာသင်္ဂံ ကရိတွာ ယေန ဘဂဝါ တေနဉ္စလိ ပဏာမေတွာ ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ—ဧဝမေတံ ဘဂဝါ၊ ဧဝမေတံ သုဂတ၊ ဧကာယန္ဓာယံ ဘန္တေ မဂ္ဂေါ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ သောကပရိဒေဝါနံ သမတိက္ကမာယ ဒုက္ခဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာယ ဣယဿ အဓိဂမာယ နိဗ္ဗာနဿ သစ္စိကိရိယာယ၊ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ကာယေ ဝါ ဘန္တေ ဘိက္ခု ကာယာနုပဿီ ဝိဟရေယျ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-ဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု ဝါ ဘန္တေ ဘိက္ခု။ပ။ စိတ္တေ ဝါ ဘန္တေ ဘိက္ခု။ပ။ ဓမ္မေသု ဝါ ဘန္တေ ဘိက္ခု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရေယျ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧကာယန္ဓာယံ ဘန္တေ မဂ္ဂေါသတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ သောကပရိဒေဝါနံ သမတိက္ကမာယ ဒုက္ခဒေါမနဿာနံ

အတ္ထင်္ဂမာယ ဉာယဿ အဓိဂမာယ နိဗ္ဗာနဿ သစ္စိကိရိယာယ၊ ယဒိဒံ စက္ကာရော သတိပဋ္ဌာနာတိ။

ဣဒမဝေါစ ဗြဟ္မာ သဟမ္ပတိ၊ ဣဒံ ဝတ္တာ အထာပရံ ဧတဒဝေါစ—

“ဧကာယနံ ဇာတိခယန္တဒဿိ၊ မဂ္ဂံ ပဇာနာတိ ဟိတာနုကမ္ပိ။  
ဧတေန မဂ္ဂေန တရိသု ပုဗ္ဗေ၊ တရိဿန္တိ ယေ စ တရန္တိ ဩဃ”န္တိ။

အဋ္ဌမံ။

### ၉-သေဒကသုတ္တ

၃၀၅။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သုဗ္ဗေသု ဝိဟရတိ သေဒကံ နာမ သုတ္တနံ နိဂမော။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ “ဘူတပုဗ္ဗံ ဘိက္ခဝေ စဏ္ဍာလဝံသိကော စဏ္ဍာလဝံသံ ဥဿာပေတွာ မေဒကထာလိကံ အန္တေဝါသိ” အာမန္တေသိ ‘ဧဟိ တံ သမ္ပ မေဒကထာလိကေ စဏ္ဍာလဝံသံ အဘိရုဟိတွာ မမ ဥပရိခန္ဓေ တိဋ္ဌာဟိ’တိ။ “ဧဝံ အာစရိယာ”တိ ခေါ ဘိက္ခုဝေ မေဒကထာလိကာ အန္တေဝါသိ စဏ္ဍာလဝံသိကဿ ပဋိဿုတွာ စဏ္ဍာလဝံသံ အဘိရုဟိတွာ အာစရိယဿ ဥပရိခန္ဓေ အဋ္ဌာသိ။ အထ ခေါ ဘိက္ခုဝေ စဏ္ဍာလဝံသိကော မေဒကထာလိကံ အန္တေဝါသိ ဧတဒဝေါစ “တံ သမ္ပ မေဒကထာလိကေ မမံ ရက္ခ၊ အဟံ တံ ရက္ခိဿာမိ၊ ဧဝံ မယံ အညမညံ ဂုတ္တာ အညမညံ ရက္ခိတာ သိပ္ပါနိ စေဝ ဒဿေဿာမ၊ လာဘဉ္စ လစ္ဆာမ၊ သောတ္ထိနာ စ စဏ္ဍာလဝံသံ ဩရောဟိဿာမာ”တိ။ ဧဝံ ဂုတ္တေ ဘိက္ခုဝေ မေဒကထာလိကာ အန္တေဝါသိ စဏ္ဍာလဝံသိကံ ဧတဒဝေါစ “န ခေါ ပနေတံ အာစရိယ ဧဝံ ဘဝိဿတိ၊ တံ အာစရိယ အတ္တာနံ ရက္ခ၊ အဟံ အတ္တာနံ ရက္ခိဿာမိ၊ ဧဝံ မယံ အတ္တဂုတ္တာ အတ္တရက္ခိတာ သိပ္ပါနိ စေဝ ဒဿေဿာမ၊ လာဘဉ္စ လစ္ဆာမ၊ သောတ္ထိနာ စ စဏ္ဍာလဝံသံ ဩရောဟိဿာမာ”တိ။

“သော တတ္ထ ဉာယော”တိ ဘဂဝါ ဧတဒဝေါစ၊ ယထာ မေဒကထာလိကာ အန္တေဝါသိ အာစရိယံ အဝေါစ “အတ္တာနံ ဘိက္ခုဝေ ရက္ခိဿာမိ”တိ သတိပဋ္ဌာနံ သေဝိတဗ္ဗံ၊ “ပရံ ရက္ခိဿာမိ”တိ သတိပဋ္ဌာနံ သေဝိတဗ္ဗံ။ အတ္တာနံ ဘိက္ခုဝေ ရက္ခန္တော ပရံ ရက္ခတိ၊ ပရံ ရက္ခန္တော အတ္တာနံ ရက္ခတိ။



ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ အတ္တာနံ ရက္ခန္တော ပရံ ရက္ခတိ၊ အာသေဝနာယ ဘာဝနာယ ဗဟုလိကမ္ပေန။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ အတ္တာနံ ရက္ခန္တော ပရံ ရက္ခတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ပရံ ရက္ခန္တော အတ္တာနံ ရက္ခတိ၊ ခန္တိယာ အဝိဟိံသာယ မေတ္တစိတ္တတာယ အနုဒယတာယ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပရံ ရက္ခန္တော အတ္တာနံ ရက္ခတိ။ “အတ္တာနံ ဘိက္ခဝေ ရက္ခိဿာမီ”တိ သတိပဋ္ဌာနံ သေဝိတဗ္ဗံ၊ “ပရံ ရက္ခိဿာမီ”တိ သတိပဋ္ဌာနံ သေဝိတဗ္ဗံ၊ အတ္တာနံ ဘိက္ခဝေ ရက္ခန္တော ပရံ ရက္ခတိ၊ ပရံ ရက္ခန္တော အတ္တာနံ ရက္ခတိတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဇနပဒကလျာဏီသုတ္တ

၃၀၆။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သုဗ္ဗေသု ဝိဟရတိ သေဒကံ နာမ သုမ္ဘာနံ နိဂမော။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု အာမန္တေသိ “ဘိက္ခဝေါ”တိ။ “ဘဒန္တေ”တိ တေ ဘိက္ခု ဘဂဝတော ပစ္စယောသု။ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ—

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ “ဇနပဒကလျာဏီ ဇနပဒကလျာဏီ”တိ ခေါ ဘိက္ခဝေ မဟာဇနကာယော သန္တိပတေယျ၊ သာ ခေါ ပနဿ ဇနပဒကလျာဏီ ပရမပါသာဝိနီ နစ္စေ၊ ပရမပါသာဝိနီ ဂီတေ။ “ဇနပဒကလျာဏီ နစ္စတိ ဂါယတိ”တိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိယျောသော မတ္တာယ မဟာဇနကာယော သန္တိပတေယျ၊ အထ ပုရိသော အာဂစ္ဆေယျ ဇီဝိတုကာမော အမရိတုကာမော သုခကာမော ဒုက္ခပ္ပုဋ်ကုလော။ တမေနံ ဧဝံ ဝဒေယျ “အယံ တေ အဗ္ဘော ပုရိသ သမတိတ္ထိကော တေလပတ္တော အန္တရေန စ မဟာသမဇ္ဇံ အန္တရေန စ ဇနပဒကလျာဏီယာ ပရိဟရိတဗ္ဗော၊ ပုရိသော စ တေ ဥက္ခိတ္တာသိကော ပိဋိတော ပိဋိတော အနုဗန္ဓိဿတိ “ယတ္ထေဝ နံ ထောကမ္ပိ ဆဇ္ဇေဿတိ၊ တတ္ထေဝ တေ သိရော ပါတေဿတိ”တိ။ တံ ကိံ မညထ ဘိက္ခဝေ၊ အပိ န သော ပုရိသော အမုံ တေလပတ္တံ အမနသိကရိတွာ ဗဟိဒ္ဓါ ပမာဒံ အာဟရေယျာတိ။ နော ဟေတံ ဘန္တေ။

ဥပမာ ခေါ မျာယံ ဘိက္ခဝေ ကတာ အတ္ထဿ ဝိညာပနာယ၊ အယံ စေဝေတ္ထ အတ္ထော၊ “သမတိတ္ထိကော တေလပတ္တော”တိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ကာယဂတာယ ဧတံ သတိယာ အဓိဝစနံ။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဧဝံ သိက္ခိတဗ္ဗံ “ကာယဂတာ သတိ နော ဘာဝိတာ ဘဝိဿတိ ဗဟုလိကတာ ယာနိကတာ

ဝတ္ထုကတာ အနုဠိတာ ပရိစိတာ သုသမာရဋ္ဌါ”တိ။ ဧဝံ ဟိ ခေါ ဘိက္ခဝေ သိက္ခိတဗ္ဗန္တိ။ ။ဒသမံ။

နာလန္တဝဂ္ဂေါ ဒုတိယော။

### တသျဒ္ဓါနံ

မဟာပုရိသော နာလန္တံ၊ စုန္ဒော စေလဉ္စ ဗာဟိယော။  
ဥတ္တိယော အရိယော မြဟ္တာ၊ သေဒကံ ဇနပဒေန စာတိ။

### ၃-သီလဋ္ဌိတိဝဂ္ဂ

#### ၁-သီလသုတ္တ

၃၈၇။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ စ အာနန္ဒော အာယသ္မာ စ ဘဒ္ဒေါ ပါဠိလိပုတ္တေ ဝိဟရန္တိ ကုတ္တုဋ္ဌာရာမေ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ ဘဒ္ဒေါ သာယနသမယံ ပဋိသလ္လာနာ ဝုဠိတော ယေနာယသ္မာ အာနန္ဒော တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မတာ အာနန္ဒေန သဗ္ဗိံ သမ္မောဒိ၊ သမ္မောဒနီယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္ဒော ခေါ အာယသ္မာ ဘဒ္ဒေါ အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ ဧတဒဝေါစ “ယာနိမာနိ အာရုသော အာနန္တ ကုသလာနိ သီလာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ၊ ဣမာနိ ကုသလာနိ သီလာနိ ကိမတ္ထိယာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ”တိ။

သာဓု သာဓု အာရုသော ဘဒ္ဓ၊ ဘဒ္ဓကော ခေါ တေ အာရုသော ဘဒ္ဓ ဥဗ္ဗင်္ဂေါ၊ ဘဒ္ဓကံ ပဋိဘာနံ၊ ကလျာဏီ ပရိပုစ္ဆာ၊ ဧဝံ ဟိ တံ အာရုသော ဘဒ္ဓ ပုစ္ဆသိ “ယာနိမာနိ အာရုသော အာနန္တ ကုသလာနိ သီလာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ၊ ဣမာနိ ကုသလာနိ သီလာနိ ကိမတ္ထိယာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ”တိ။ ဧဝမာရုသောတိ။ ယာနိမာနိ အာရုသော ဘဒ္ဓ ကုသလာနိ သီလာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ၊ ဣမာနိ ကုသလာနိ သီလာနိ ယာဝဒေဝ စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝနာယ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓာရုသော ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။

ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ယာနိမာနိ အာဝုသော ဘဒ္ဒ ကုသလာနိ သီလာနိ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာ၊ ဣမာနိ ကုသလာနိ သီလာနိ ယာဝဒေဝ ဣမေသံ စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝနာယ ဝုတ္တာနိ ဘဂဝတာတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-စိရဋ္ဌိတိသုတ္တ

၃၈၈။ တံယေဝ နိဒါနံ။ ဧကမန္တံ နိသိန္ဓော ခေါ အာယသ္မာ ဘဒ္ဒေါ အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ တေဒဝေါစ “ကော န ခေါ အာဝုသော အာနန္တံ ဟေတု ကော ပစ္စယော၊ ယေန တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော န စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိ၊ ကော ပနာဝုသော အာနန္တံ ဟေတု ကော ပစ္စယော၊ ယေန တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိ”တိ။

သာဓု သာဓု အာဝုသော ဘဒ္ဒ၊ ဘဒ္ဒကော ခေါ တေ အာဝုသော ဘဒ္ဒ ဥဗ္ဗင်္ဂေါ၊ ဘဒ္ဒကံ ပဋိဘာနံ၊ ကလျာဏီ ပရိပုစ္ဆာ၊ ဧဝံ ဟိ တံ အာဝုသော ဘဒ္ဒ ပုစ္ဆသိ “ကော န ခေါ အာဝုသော အာနန္တံ ဟေတု ကော ပစ္စယော၊ ယေန တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော န စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိ၊ ကော ပနာ-  
ဝုသော အာနန္တံ ဟေတု ကော ပစ္စယော၊ ယေန တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိ”တိ။ ဧဝမာဝုသောတိ။ စတုန္တံ ခေါ အာဝုသော သတိပဋ္ဌာနာနံ အဘာဝိတတ္တာ အဗဟုလိကတတ္တာ တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော န စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိ။ စတုန္တံ ခေါ အာဝုသော သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓာဝုသော ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေသံ ခေါ အာဝုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ အဘာဝိတတ္တာ အဗဟုလိကတတ္တာ တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော န စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိ။ ဣမေသံ ခေါ အာဝုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-ပရိဟာနသုတ္တ

၃၈၉။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ စ အာနန္ဒော အာယသ္မာ စ ဘဒ္ဒေါ ပါဠိလိပုတ္တေ ဝိဟရန္တိ ကုက္ကုဒ္ဓာရာမေ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ ဘဒ္ဒေါ သာယန္တသမယံ ပဋိသလ္လာနာ ဝုဋ္ဌိတော ယေနာယသ္မာ အာနန္ဒော တေနပ-  
သင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မတာ အာနန္ဒေန သဒ္ဓိံ သမ္မောဒိ၊ သမ္မောဒနိယံ  
ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္ဒော  
ခေါ အာယသ္မာ ဘဒ္ဒေါ အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ ဧတဒဝေါစ “ကော န ခေါ  
အာဝုသော အာနန္တံ ဟေတု ကော ပစ္စယော၊ ယေန သဒ္ဓမ္မပရိဟာနံ ဟောတိ၊  
ကော န ခေါ အာဝုသော အာနန္တံ ဟေတု ကော ပစ္စယော၊ ယေန  
သဒ္ဓမ္မအပရိဟာနံ ဟောတိ” တိ။

သာဓုသာဓု အာဝုသော ဘဒ္ဓ၊ ဘဒ္ဓကော ခေါတေ အာဝုသော ဘဒ္ဓ ဥဗ္ဗင်္ဂေါ၊  
ဘဒ္ဓကံ ပဋိဘာနံ၊ ကလျာဏီ ပရိပုစ္ဆာ၊ ဧဝံ ဟိ တံ အာဝုသော ဘဒ္ဓ ပုစ္ဆသိ “ကော  
န ခေါ အာဝုသော အာနန္တံ ဟေတု ကော ပစ္စယော၊ ယေန သဒ္ဓမ္မပရိဟာနံ  
ဟောတိ၊ ကော ပနာဝုသော အာနန္တံ ဟေတု ကော ပစ္စယော၊ ယေန  
သဒ္ဓမ္မအပရိဟာနံ ဟောတိ” တိ။ ဧဝမာဝုသောတိ။ စတုန္တံ ခေါ အာဝုသော  
သတိပဋ္ဌာနာနံ အဘာဝိတတ္တာ အဗဟုလိကတတ္တာ သဒ္ဓမ္မပရိဟာနံ ဟောတိ။  
စတုန္တံ ခေါ အာဝုသော သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ  
သဒ္ဓမ္မအပရိဟာနံ ဟောတိ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓာဝုသော ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ  
အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။  
ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော  
သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေသံ ခေါ အာဝုသော  
စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ အဘာဝိတတ္တာ အဗဟုလိကတတ္တာ သဒ္ဓမ္မပရိဟာနံ  
ဟောတိ။ ဣမေသမ္ဘ ခေါ အာဝုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ  
ဗဟုလိကတတ္တာ သဒ္ဓမ္မအပရိဟာနံ ဟောတိတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-သုဒ္ဓသုတ္တ

၃၉၀။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနာ။ ကတမေ  
စတ္တာရော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ  
သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။

စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ  
ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော  
သတိပဋ္ဌာနာတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-အညတရမြာဟူဏသုတ္တ

၃၉၁။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ ဇေတဝနေ  
အနာထပိဏ္ဍိကဿ အာရာမေ။ အထ ခေါ အညတရော မြာဟူဏော ယေန  
ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝတာ သဒ္ဓိံ သမ္မောဒိ၊ သမ္မောဒနိယံ  
ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ  
သော မြာဟူဏော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ကော န ခေါ ဘော ဂေါတမ  
ဟေတု ကော ပစ္စယော၊ ယေန တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော န  
စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိ၊ ကော ပန ဘော ဂေါတမ ဟေတု ကော ပစ္စယော၊  
ယေန တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိ”တိ။

စတုန္တံ ခေါ မြာဟူဏ သတိပဋ္ဌာနာနံ အဘာဝိတတ္တာ အဗဟုလိကတတ္တာ  
တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော န စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိ၊ စတုန္တံ ခေါ  
မြာဟူဏ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ တထာဂတေ  
ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣမ မြာဟူဏ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ  
ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-  
ဒေါမနဿံ။ဝေဒနာသု။ပ။စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ  
သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေသံ  
ခေါ မြာဟူဏ စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ အဘာဝိတတ္တာ အဗဟုလိကတတ္တာ  
တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော န စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိ။ ဣမေသံ  
ခေါ မြာဟူဏ စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ  
တထာဂတေ ပရိနိဗ္ဗုတေ သဒ္ဓမ္မော စိရဋ္ဌိတိကော ဟောတိတိ။

ဧဝံ ဝုတ္တေ သော မြာဟူဏော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “အဘိက္ကန္တံ ဘော  
ဂေါတမ။ပ။ ဥပါသကံ မံ ဘဝံ ဂေါတမော ဓာရေတု အဇ္ဇတဂ္ဂေ ပါဏုပေတံ  
သရဏံ ဂတ”န္တိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-ပဒေသသုတ္တ

၃၉၂။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ စ သာရိပုတ္တော အာယသ္မာ စ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော အာယသ္မာ စ အနုရုဒ္ဓေါ သာကေတေ ဝိဟရန္တိ ကဏ္ဍကီဝနေ<sup>၁</sup>။ အထ ခေါ အာယသ္မာ စ သာရိပုတ္တော အာယသ္မာ စ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော သာယန္တသမယံ ပဋိသလ္လာနာ ဝုဋ္ဌိတာ ယေနာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ တေနပသင်္ကမိ<sup>၂</sup>သု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မတာ အနုရုဒ္ဓေန သဋ္ဌိံ သမ္မောဒိ<sup>၃</sup>သု၊ သမ္မောဒနိယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိသိဒိ<sup>၄</sup>သု၊ ဧကမန္တံ နိသိန္ဓော ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော အာယသ္မန္တံ အနုရုဒ္ဓံ တေဒဝေါစ “သေခေါ သေခေါတိ” အာဝုသော အနုရုဒ္ဓ ဝုစ္စတိ၊ ကိတ္တာဝတာ န ခေါ အာဝုသော သေခေါ ဟောတိ”တိ၊ စတုန္တံ ခေါ အာဝုသော သတိပဋ္ဌာနာနံ ပဒေသံ ဘာဝိတတ္တာ သေခေါ ဟောတိ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓာဝုသော ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေသံ ခေါ အာဝုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ပဒေသံ ဘာဝိတတ္တာ သေခေါ ဟောတိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-သမတ္တသုတ္တ

၃၉၃။ တံယေဝ နိဒါနံ။ ဧကမန္တံ နိသိန္ဓော ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော အာယသ္မန္တံ အနုရုဒ္ဓံ တေဒဝေါစ “အသေခေါ အသေခေါတိ အာဝုသော အနုရုဒ္ဓ ဝုစ္စတိ၊ ကိတ္တာဝတာ န ခေါ အာဝုသော အသေခေါ ဟောတိ”တိ။ စတုန္တံ ခေါ အာဝုသော သတိပဋ္ဌာနာနံ သမတ္တံ ဘာဝိတတ္တာ အသေခေါ ဟောတိ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓာဝုသော ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေသံ

ခေါ် အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ သမတ္တံ ဘာဝိတတ္တာ အသေခေါ်  
ဟောတီတိ။ ။သတ္တမံ။

### ဂ-လောကသုတ္တ

၃၉၄။ တံယေဝ နိဒါနံ။ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ် အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော  
အာယသ္မန္တံ အနုရုဒ္ဓံ တေဒဝေါစ “ကတမေသံ အာရုသော အနုရုဒ္ဓံ ဓမ္မာနံ  
ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မဟာဘိညတံ<sup>၁</sup> ပတ္တော”တိ။ စတုန္တံ အာရုသော  
သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မဟာဘိညတံ ပတ္တော။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓာဟံ အာရုသော ကာယေ ကာယာနုပဿီ  
ဝိဟရာမိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-  
ဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာမိ အာတာပီ  
သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေသံ  
ခွါဟံ အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ  
မဟာဘိညတံ ပတ္တော။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ  
ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ သဟဿံ လောကံ အဘိဇာနာမီတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-သိရိဝေဒသုတ္တ

၃၉၅။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ရာဇဂဟေ ဝိဟရတိ ဝေဠုဝနေ  
ကလန္တကနိဝါပေ။ တေန ခေါ် ပန သမယေန သိရိဝေဒော<sup>၂</sup> ဂဟပတိ  
အာဗာဓိကော ဟောတိ ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂီလာနော။ အထ ခေါ် သိရိဝေဒော  
ဂဟပတိ အညတရံ ပုရိသံ အာမန္တေသိ “ဧဟိ တံ အန္တော ပုရိသ ယေနာယသ္မာ  
အာနန္ဒော တေနပသင်္ကမ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ မမ ဝစနေန အာယသ္မတော  
အာနန္ဒဿ ပါဒေ သိရဿ ဝန္တံ ‘သိရိဝေဒော ဘန္တေ ဂဟပတိ အာဗာဓိကော  
ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂီလာနော၊ သော အာယသ္မတော အာနန္ဒဿ ပါဒေ သိရဿ  
ဝန္တတိ’တိ။ ဧဝဉ္စ ဝဒေဟိ ‘သာဓု ကိရ ဘန္တေ အာယသ္မာ အာနန္ဒော  
ယေန သိရိဝေဒဿ ဂဟပတိဿ နိဝေသနံ တေနပသင်္ကမတု အနုကမ္ပံ ဥပါ-  
ဒါယာ’တိ”။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ် သော ပုရိသော သိရိဝေဒဿ ဂဟပတိဿ  
ပဋိဿတု ယေနာယသ္မာ အာနန္ဒော တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ  
အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော

ခေါ သော ပုရိသော အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ တေဒဝေါစ “သိရိဝဇော ဘန္တေ ဂဟပတိ အာဗာဓိကော ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂီလာနော၊ သော အာယသ္မတော အာနန္တဿ ပါဒေ သိရဿ ဝန္တတိ၊ ဧဝံ ဝဒေတိ ‘သာဓု ကိရ ဘန္တေ အာယသ္မာ အာနန္တော ယေန သိရိဝဇဿ ဂဟပတိဿ နိဝေသနံ တေနုပသင်္ကမတု အနုကပ္ပံ ဥပါဒါယာ’တိ”။ အဓိဝါသေသိ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္တော တုဏှိဘာဝေန။

အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္တော ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီရမာဒါယ ယေန သိရိဝဇဿ ဂဟပတိဿ နိဝေသနံ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ပညတ္တေ အာသနေ နိသီဒိ၊ နိသဇ္ဇ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္တော သိရိဝဇံ ဂဟပတိံ တေဒဝေါစ “ကစ္စိ တေ ဂဟပတိ ခမနီယံ၊ ကစ္စိ ယာပနီယံ၊ ကစ္စိ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ ပဋိက္ခမန္တိ နော အဘိက္ခမန္တိ၊ ပဋိက္ခမောသာနံ ပညာယတိ နော အဘိက္ခမော”တိ။ န မေ ဘန္တေ ခမနီယံ၊ န ယာပနီယံ၊ ဗာဠု မေ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ အဘိက္ခမန္တိ နော ပဋိက္ခမန္တိ၊ အဘိက္ခမောသာနံ ပညာယတိ နော ပဋိက္ခမောတိ။

တသ္မာတိဟ တေ ဂဟပတိ ဧဝံ သိက္ခိတဗ္ဗံ “ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရိဿာမိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿ။ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရိဿာမိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿ”န္တိ။ ဧဝံ ဟိ တေ ဂဟပတိ သိက္ခိတဗ္ဗန္တိ။

ယေမေ ဘန္တေ ဘဂဝတာ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဒေသိတာ၊ သံဝိဇ္ဇန္တိ တေ ဓမ္မာ<sup>၁</sup> မယိ၊ အဟန္တ တေသု ဓမ္မေသု သန္တိဿာမိ။ အဟံ ဟိ ဘန္တေ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာမိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿ။ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာမိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿ။ ယာနိ စိမာနိ ဘန္တေ ဘဂဝတာ ပဉ္စေရဟ္မဂီယာနိ သံယောဇနာနိ ဒေသိတာနိ၊ နာဟံ ဘန္တေ တေသံ ကိဉ္စိ အတ္တနိ အပ္ပဟိနံ သမနုပဿာမိတိ။ လာဘာ တေ ဂဟပတိ၊ သုလဉ္စိ တေ ဂဟပတိ၊ အနာဂါမိဖလံ တယာ ဂဟပတိ ဗျာကတန္တိ။ ။နဝမံ။



## ၁၀-မာနဒိန္နသုတ္တ

၃၉၆။ တံယေဝ နိဒါနံ။ တေန ခေါပန သမယေန မာနဒိန္နော ဂဟပတိ အာဗာဓိကော ဟောတိ ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂီလာနော။ အထ ခေါ မာနဒိန္နော ဂဟပတိ အညတရံ ပုရိသံ အာမန္တေသိ “ဧဟိ တံ အဟ္မော ပုရိသံ။ပ။” န မေ ဘန္တေ ခမနိယံ၊ န ယာပနိယံ၊ ဗာဠု မေ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ အဘိက္ကမန္တိ နော ပဋိက္ကမန္တိ၊ အဘိက္ကမောသာနံ ပညာယတိ နော ပဋိက္ကမောတိ။ ဝေရူပါယ စာဟံ ဘန္တေ ဒုက္ခာယ ဝေဒနာယ ဖုဠော သမာနော ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာမိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာမိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ယာနိ စိမာနိ ဘန္တေ ဘဂဝတာ ပဉ္စောရဟ္မဂီယာနိ သံယောဇနာနိ ဒေသိတာနိ၊ နာဟံ ဘန္တေ တေသံ ကိဉ္စိ အတ္တနိ အပ္ပဟိနံ သမနုပဿာမီတိ။ လာဘာ တေ ဂဟပတိ၊ သုလဉ္စိ တေ ဂဟပတိ၊ အနာဂါမိဖလံ တယာ ဂဟပတိ ဗျာကတန္တိ။ ။ဒသမံ။

သီလဋ္ဌိတိဝဂ္ဂေါ တတိယော။

## တသုဒ္ဓါနံ

သီလံ ဋ္ဌိတိ ပရိဟာနံ၊ သုဒ္ဓိံ ဗြာဟ္မဏပဒေသံ။  
သမတ္တံ လောကော သိရိဝဇော၊ မာနဒိန္နေန တေ ဒသာတိ။

## ၄-အနနုဿုတဝဂ္ဂ

## ၁-အနနုဿုတသုတ္တ

၃၉၇။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အယံ ကာယေ ကာယာနုပဿနာတိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ သာ ခေါ ပနာယံ ကာယေ ကာယာနုပဿနာ ဘာဝေတဗ္ဗာတိ မေ ဘိက္ခဝေ။ပ။ ဘာဝိတာတိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။

အယံ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿနာတိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ သာ ခေါ ပနာယံ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿနာ ဘာဝေတဗ္ဗာတိ မေ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ဘာဝိတာတိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿု-  
တေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။

အယံ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿနာတိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ သာ ခေါ ပနာယံ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿနာ ဘာဝေတဗ္ဗာတိ မေ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ဘာဝိတာတိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿု-  
တေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။

အယံ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿနာတိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ သာ ခေါ ပနာယံ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿနာ ဘာဝေတဗ္ဗာတိ မေ ဘိက္ခဝေ။ ပ။ ဘာဝိတာတိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿု-  
တေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-ဝိရာဇသုတ္တ

၃၉၈။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဧကန္တနိဗ္ဗိဒါယ ဝိရာဂါယ နိရောဓာယ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဧကန္တနိဗ္ဗိဒါယ ဝိရာဂါယ နိရောဓာယ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ ဒုတိယံ။

## ၃-ဝိရုဒ္ဓသုတ္တ

၃၉၉။ ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဝိရုဒ္ဓါ၊ ဝိရုဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ<sup>၁</sup> သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ။ ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ အာရုဒ္ဓါ၊ အာရုဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဝိရုဒ္ဓါ၊ ဝိရုဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ။ ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ အာရုဒ္ဓါ၊ အာရုဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-ဘာဝိတသုတ္တ

၄၀၀။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အပါရာ ပါရိ ဂမနာယ သံဝတ္တန္တိ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အပါရာ ပါရိ ဂမနာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-သတိသုတ္တ

၄၀၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ သတော ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဝိဟရေယျ သမ္ပဇာနော၊ အယံ ဝေါ အမှာကံ အနုသာသနီ။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ သတော ဟောတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ

၁-အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ(က) ဣမသ္မိံ ယေဝ သုတ္တေ ဒိဿတိ အဋ္ဌင်္ဂိကောတိပဒံ၊

န ပနာညတ္ထ ဣဒ္ဓိပါဒ အနုရုဒ္ဓါဒီသု။

အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတော ဟောတိ။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္ပဇာနော ဟောတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ဝိဒိတာ ဝေဒနာ ဥပ္ပဇန္တိ၊ ဝိဒိတာ ဥပ္ပဋ္ဌဟန္တိ၊ ဝိဒိတာ အဗ္ဘတ္တံ ဂစ္ဆန္တိ။ ဝိဒိတာ ဝိတက္ကာ ဥပ္ပဇန္တိ၊ ဝိဒိတာ ဥပ္ပဋ္ဌဟန္တိ၊ ဝိဒိတာ အဗ္ဘတ္တံ ဂစ္ဆန္တိ။ ဝိဒိတာ သညာ ဥပ္ပဇန္တိ၊ ဝိဒိတာ ဥပ္ပဋ္ဌဟန္တိ၊ ဝိဒိတာ အဗ္ဘတ္တံ ဂစ္ဆန္တိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမ္ပဇာနော ဟောတိ။ သတော ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဝိဟရေယျ သမ္ပဇာနော၊ အယံ ဝေါ အမှာကံ အနုသာသနီတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-အညာသုတ္တ

၄၀၂။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ခြိန္တံ ဖလာနံ အညတရံ ဖလံ ပါဂ္ဂိကံ။ ဝိဇ္ဇေဝ ဓမ္မေ အညာ၊ သတိ ဝါ ဥပါဒိသေသေ အနာဂါမိတာတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ဆန္ဒသုတ္တ

၄၀၃။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ ကာယေ ကာယာ-နုပဿိနော ဝိဟရတော ယော ကာယသ္မိံ ဆန္ဒော၊ သော ပဟိယတိ၊ ဆန္ဒဿ ပဟာနာ အမတံ သစ္စိကတံ ဟောတိ။

ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿိနော ဝိဟရတော ယော ဝေဒနာသု ဆန္ဒော၊ သော ပဟိယတိ၊ ဆန္ဒဿ ပဟာနာ အမတံ သစ္စိကတံ ဟောတိ။

စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီနော ဝိဟရတော ယော စိတ္တံ ခန္တော၊ သော ပဟိယတိ၊ ဆန္တဿ ပဟာနာ အမတံ သစ္စိကတံ ဟောတိ။

ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီနော ဝိဟရတော ယော ဓမ္မေသု ခန္တော၊ သော ပဟိယတိ၊ ဆန္တဿ ပဟာနာ အမတံ သစ္စိကတံ ဟောတိတိ။ ။သတ္တမံ။

### ဂ-ပရိညာတသုတ္တ

၄၀၄။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ ကာယေ ကာယာ-  
နုပဿီနော ဝိဟရတော ကာယော ပရိညာတော ဟောတိ၊ ကာယဿ ပရိညာတတ္တာ အမတံ သစ္စိကတံ ဟောတိ။

ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီနော ဝိဟရတော ဝေဒနာ ပရိညာတာ ဟောန္တိ၊ ဝေဒနာနံ ပရိညာတတ္တာ အမတံ သစ္စိကတံ ဟောတိ။

စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီနော ဝိဟရတော စိတ္တံ ပရိညာတံ ဟောတိ၊ စိတ္တဿ ပရိညာတတ္တာ အမတံ သစ္စိကတံ ဟောတိ။

ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ၊ တဿ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီနော ဝိဟရတော ဓမ္မာ ပရိညာတာ ဟောန္တိ၊ ဓမ္မာနံ ပရိညာတတ္တာ အမတံ သစ္စိကတံ ဟောတိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

## ၉-ဘာဝနာသုတ္တ

၄၀၅။ စတုန္တံ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝနံ ဒေသေဿာမိ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမာ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝနာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ အယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝနာတိ။ ။နဝမံ။

## ၁၀-ဝိဘင်္ဂသုတ္တ

၄၀၆။ သတိပဋ္ဌာနဉ္စ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ သတိပဋ္ဌာနဘာဝနဉ္စ သတိပဋ္ဌာနဘာဝနာဂါမိနိဉ္စ ပဋိပဒံ၊ တံ သုဏာထ။ ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနံ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ပ။ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနံ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနဘာဝနာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမုဒယဓမ္မာနုပဿီ ကာယသ္မိံ ဝိဟရတိ၊ ဝယဓမ္မာနုပဿီ ကာယသ္မိံ ဝိဟရတိ၊ သမုဒယဝယဓမ္မာနုပဿီ ကာယသ္မိံ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ သမုဒယဓမ္မာနုပဿီ ဝေဒနာသု ဝိဟရတိ။ပ။ သမုဒယဓမ္မာနုပဿီ စိတ္တေ ဝိဟရတိ။ပ။ သမုဒယဓမ္မာနုပဿီ ဓမ္မေသု ဝိဟရတိ၊ ဝယဓမ္မာနုပဿီ ဓမ္မေသု ဝိဟရတိ၊ သမုဒယဝယဓမ္မာနုပဿီ ဓမ္မေသု ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနဘာဝနာ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါ၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ သမ္မာဝါစာ သမ္မာကမ္မန္တော သမ္မာအာဇီဝေါ သမ္မာဝါယာမော သမ္မာသတိ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါတိ။ ။ ဒသမံ။

အနနုဿုတဝဂ္ဂေါ စတုတ္ထော။

## တသုဒ္ဓါနံ

အနန္တသုတံ ဝိရာဂေါ၊ ဝိရဒ္ဓေါ ဘာဝနာ သတိ။  
အညာ ဆန္တံ ပရိညာယ၊ ဘာဝနာ ဝိဘဏ်န စာတိ။

## ၅-အမတဝဂ္ဂ

## ၁-အမတသုတ္တ

၄၀၇။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ စတုသု ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တာ  
ဝိဟရေ။ မာ ဝေါ အမတံ ပနဿ။ ကတမေသု စတုသု၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ  
လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ  
ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-  
ဒေါမနဿံ။ ဣမေသု ဘိက္ခဝေ စတုသု သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တာ  
ဝိဟရေ။ မာ ဝေါ အမတံ ပနဿာတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-သမုဒယသုတ္တ

၄၀၈။ စတုနံ ဘိက္ခဝေ သတိပဋ္ဌာနာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ ဒေသေဿာမိ၊  
တံ သုဏာထ။ ကော စ ဘိက္ခဝေ ကာယဿ သမုဒယော၊ အာဟာရသမုဒယာ  
ကာယဿ သမုဒယော၊ အာဟာရနိရောဓာ ကာယဿ အတ္တင်္ဂမော။  
ဗဿသမုဒယာ ဝေဒနာနံ သမုဒယော၊ ဗဿနိရောဓာ ဝေဒနာနံ အတ္တင်္ဂမော။  
နာမရူပသမုဒယာ စိတ္တဿ သမုဒယော၊ နာမရူပနိရောဓာ စိတ္တဿ အတ္တင်္ဂမော။  
မနသိကာရသမုဒယာ ဓမ္မာနံ သမုဒယော၊ မနသိကာရနိရောဓာ ဓမ္မာနံ  
အတ္တင်္ဂမောတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-မဂ္ဂသုတ္တ

၄၀၉။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တတြ ခေါဘဂဝါဘိက္ခု အာမန္တေသိ—ကေမိဒါဟံ  
ဘိက္ခဝေ သမယံ ဥရုဝေလာယံ ဝိဟရာမိ နန္ဒာ နေရဉ္စရာယ တီရေ  
အဇပါလနိဂြောဓေ ပဌမာဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါ။ တဿ မယံ ဘိက္ခဝေ ရဟောဂတဿ  
ပဋိသလ္လိနဿ ဧဝံ စေတသော ပရိဝိတက္ကော ဥဒပါဒိ ကောယန္ဓာယံ မဂ္ဂေါ

သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ သောကပရိဒေဝါနံ သမတိက္ကမာယ ဒုက္ခဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာယ ဉ္ဈယဿ အဓိဂမာယ နိဗ္ဗာနဿ သစ္စိကိရိယာယ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ကာယေ ဝါ ဘိက္ခု ကာယာနုပဿီ ဝိဟရေယျ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု ဝါ ဘိက္ခု ဝေဒနာနုပဿီ ဝိဟရေယျ။ ပ။ စိတ္တေ ဝါ ဘိက္ခု စိတ္တာနုပဿီ ဝိဟရေယျ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဝါ ဘိက္ခု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရေယျ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧကာယန္ဓာယံ မဂ္ဂေါ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ သောကပရိဒေဝါနံ သမတိက္ကမာယ ဒုက္ခဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာယ ဉ္ဈယဿ အဓိဂမာယ နိဗ္ဗာနဿ သစ္စိကိရိယာယ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာတိ။

အထ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဗြဟ္မာ သဟမ္ပတိ မမ စေတသာ စေတောပရိဝိတက္ကမညာယ၊ သေယျထာပိ နာမ ဗလဝါ ပုရိသော သမိဉ္ဇိတံ ဝါ ဗာဟံ ပသာရေယျ၊ ပသာရိတံ ဝါ ဗာဟံ သမိဉ္ဇေယျ၊ ဧဝမေဝ ဗြဟ္မလောကေ အန္တရဟိတော မမ ပုရတော ပါတုရဟောသိ။ အထ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဗြဟ္မာ သဟမ္ပတိ ဧကံသံ ဥတ္တရာသင်္ဂံ ကရိတွာ ယေနာဟံ တေနဉ္စလိံ ပဏာမေတွာ မံ တေဒဝေါစ— ဧဝမေတံ ဘဂဝါ၊ ဧဝမေတံ သုဂတ၊ ဧကာယန္ဓာယံ ဘန္တေ မဂ္ဂေါ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ သောကပရိဒေဝါနံ သမတိက္ကမာယ ဒုက္ခဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာယ ဉ္ဈယဿ အဓိဂမာယ နိဗ္ဗာနဿ သစ္စိကိရိယာယ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ကာယေ ဝါ ဘန္တေ ဘိက္ခု ကာယာနုပဿီ ဝိဟရေယျ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု ဝါ။ ပ။ စိတ္တေ ဝါ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဝါ ဘန္တေ ဘိက္ခု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရေယျ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧကာယန္ဓာယံ ဘန္တေ မဂ္ဂေါ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ သောကပရိဒေဝါနံ သမတိက္ကမာယ ဒုက္ခဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာယ ဉ္ဈယဿ အဓိဂမာယ နိဗ္ဗာနဿ သစ္စိကိရိယာယ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာတိ။

ဣဒမဝေါစ ဘိက္ခဝေ ဗြဟ္မာ သဟမ္ပတိ၊ ဣဒံ ဝတွာ အထာပရံ တေဒဝေါစ—

“ဧကာယနံ ဇာတိခယန္တဒဿီ၊ မဂ္ဂံ ပဇာနာတိ ဟိတာနုကမ္ပိ။

ဧတေန မဂ္ဂေန တရိံသု ပုဗ္ဗေ၊ တရိဿန္တိ ယေ စ တရန္တိ ဩဃ”န္တိ။

တတိယံ။



## ၄-သတိသုတ္တ

၄၁၀။ သတောဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုဝိဟရေယျ၊ အယံ ဝေါ အမှာကံ အနုသာသနီ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတော ဟောတိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတော ဟောတိ၊ သတော ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဝိဟရေယျ၊ အယံ ဝေါ အမှာကံ အနုသာသနီတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-ကုသလရာသီသုတ္တ

၄၁၁။ “ကုသလရာသီ”တိ ဘိက္ခဝေ ဝဒမာနော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ။ ကေဝလော ဟာယံ ဘိက္ခဝေ ကုသလရာသီ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ “ကုသလရာသီ”တိ ဘိက္ခဝေ ဝဒမာနော ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ။ ကေဝလော ဟာယံ ဘိက္ခဝေ ကုသလရာသီ ယဒိဒံ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-ပါတိမောက္ခသံဝရသုတ္တ

၄၁၂။ အထ ခေါ အညတရော ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ။ ပ။ ကေမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ သော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—

သာဓု မေ ဘန္တေ ဘဂဝါ သံခိတ္တေန ဓမ္မံ ဒေသေတု၊ ယမဟံ ဘဂဝတော ဓမ္မံ သုတွာ ဧကော ဝုပကဋ္ဌော အပ္ပမတ္တော အာတာပီ ပဟိတတ္တော ဝိဟရေယန္တိ။ တသ္မာတိဟ တံ ဘိက္ခု အာဒိမေဝ ဝိသောဓေဟိ ကုသလေသု ဓမ္မေသု။ ကော စာဒိ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ၊ ဣမ တံ ဘိက္ခု ပါတိမောက္ခသံဝရသံဝုတော ဝိဟရာဟိ အာစာရဂေါစရသမ္ပန္နော အဏုမတ္တေသု ဝဇ္ဇေသု ဘယဒဿာပိ၊ သမာဒါယ သိက္ခဿု သိက္ခာပဒေသု၊ ယတော ခေါ တံ ဘိက္ခု ပါတိမောက္ခသံဝရသံဝုတော ဝိဟရိဿသိ အာစာရဂေါစရသမ္ပန္နော အဏုမတ္တေသု

ဝဇ္ဇေသု ဘယဒဿာဝီ၊ သမာဒါယ သိက္ခဿု သိက္ခာပဒေသု၊ တတော တံ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဘာဝေယျာသိ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ တံ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ယတော ခေါ တံ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဧဝံ ဘာဝေယျာသိ၊ တတော တုယံ ဘိက္ခု ယာ ရတ္ထိဝါ ဒိဝသော ဝါ အာဂမိဿတိ၊ ဝုဒ္ဓိယေဝ ပါဠိကင်္ခါ ကုသလေသု ဓမ္မေသု၊ နော ပရိဟာနီတိ။ အထ ခေါ သော ဘိက္ခု ဘဂဝတော ဘာသိတံ အဘိနန္ဒိတွာ အနုမောဒိတွာ ဥဋ္ဌာယာသနာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ပဒက္ခိဏံ ကတွာ ပက္ကာမိ။

အထ ခေါ သော ဘိက္ခု ဧကော ဝုပကဋ္ဌော အပ္ပမတ္တော အာတာပီ ပဟိတတ္တော ဝိဟရန္တော နစိရဿေဝ ယဿတ္တာယ ကုလပုတ္တာ သမ္ပဒေဝ အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇန္တိ၊ တဒနုတ္တရံ မြဟ္မစရိယပရိယောသာနံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သမ္ဘိကတွာ ဥပသမ္ပဇေ ဝိဟရတိ၊ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏိယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာ”တိ အပ္ပညာသိ၊ အညတရော စ ပန သော ဘိက္ခု အရဟတံ အဟောသီတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ဒုစရိတသုတ္တ

၄၁၃။ အထ ခေါ အညတရော ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ။ ပ။ သာဓု မေ ဘန္တေ ဘဂဝါ သံခိတ္တေန ဓမ္မံ ဒေသေတု၊ ယမဟံ ဘဂဝတော ဓမ္မံ သုတွာ ဧကော ဝုပကဋ္ဌော အပ္ပမတ္တော အာတာပီ ပဟိတတ္တော ဝိဟရေယျန္တိ။ တဿ္မာတိဟ တံ ဘိက္ခု အာဒိမေဝ ဝိသောဓေဟိ ကုသလေသု ဓမ္မေသု။ ဧကော စာဒိ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ၊ ဣမ တံ ဘိက္ခု ကာယဒုစရိတံ ပဟာယ ကာယသုစရိတံ ဘာဝေယျာသိ၊ ဝစီဒုစရိတံ ပဟာယ ဝစီသုစရိတံ ဘာဝေယျာသိ၊ မနောဒုစရိတံ ပဟာယ မနောသုစရိတံ ဘာဝေယျာသိ၊ ယတော ခေါ တံ ဘိက္ခု ကာယဒုစရိတံ ပဟာယ ကာယသုစရိတံ ဘာဝေယျာသိ၊ ဝစီဒုစရိတံ ပဟာယ ဝစီသုစရိတံ ဘာဝေယျာသိ၊ မနောဒုစရိတံ ပဟာယ မနောသုစရိတံ ဘာဝေယျာသိ၊ တတော တံ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဘာဝေယျာသိ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣဓ တံ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။စိတ္တေ။ပ။ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ယတော ခေါ တံ ဘိက္ခု၊ သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဧဝံ ဘာဝေဿသိ၊ တတော တုယံ ဘိက္ခု ယာ ရတ္ထိ ဝါ ဒိဝသော ဝါ အာဂမိဿတိ၊ ဝုဒ္ဓိယေဝ ပါဠိကင်္ခါ ကုသလေသု ဓမ္မေသု၊ နော ပရိဟာနီတိ။ပ။ အညတရော စ ပန သော ဘိက္ခု အရဟတံ အဟောသီတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-မိတ္တသုတ္တ

၄၁၄။ ယေ ဘိက္ခဝေ အနုကမ္ပေယျာယ၊ ယေ စ ခေါ သောတဗ္ဗံ မညေယျ၊ မိတ္တာ ဝါ အမစ္စာ ဝါ ဉှတိ ဝါ သာလောဟိတာ ဝါ၊ တေ ဝေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝနာယ သမာဒပေတဗ္ဗာ နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။စိတ္တေ။ပ။ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ယေ ဘိက္ခဝေ အနုကမ္ပေယျာယ၊ ယေ စ သောတဗ္ဗံ မညေယျ၊ မိတ္တာ ဝါ အမစ္စာ ဝါ ဉှတိ ဝါ သာလောဟိတာ ဝါ၊ တေ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဣမေသံ စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝနာယ သမာဒပေတဗ္ဗာ နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဝေဒနာသုတ္တ

၄၁၅။ တိဿော ဣမာ ဘိက္ခဝေ ဝေဒနာ။ ကတမာ တိဿော၊ သုခါဝေဒနာ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ အဒုက္ခမသုခါ ဝေဒနာ၊ ဣမာ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿော ဝေဒနာ။ ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ ဝေဒနာနံ ပရိညာယ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝေတဗ္ဗာ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။စိတ္တေ။ပ။ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ ဝေဒနာနံ ပရိညာယ ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝေတဗ္ဗာတိ။ ။နဝမံ။

## ၁၀-အာသဝသုတ္တ

၄၁၆။ တယောမေ ဘိက္ခဝေ အာသဝါ။ ကတမေ တယော၊ ကာမာသဝေါ ဘဝါသဝေါ အဝိဇ္ဇာသဝေါ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ တယော အာသဝါ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏ္ဍန္တံ အာသဝါနံ ပဟာနာယ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝေတဗ္ဗာ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏ္ဍန္တံ အာသဝါနံ ပဟာနာယ ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝေတဗ္ဗာတိ။ ။ ဒသမံ။

အမတဝဂ္ဂေါ ပဉ္စမော။

## တသုဒ္ဓါနံ

အမတံ သမုဒယော မဂ္ဂေါ၊ သတိ ကုသလရာသိ စ။  
ပါတိမောက္ခံ ဒုစ္စရိတံ၊ မိတ္တဝေဒနာ အာသဝေန စာတိ။

## ၆-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

## ၁-၁၂-ဂင်္ဂါနဒီအာဒိသုတ္တဒ္ဓါသက

၄၁၇-၄၂၈။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါစီနနိန္ဒာ ပါစီနပေါဏာ ပါစီနပဗ္ဗာရာ၊ ဝေမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနော ဘာဝေန္တော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနော ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရော။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနော ဘာဝေန္တော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနော ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။

ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပိ သမ္ပဇာနော  
သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
စက္ကာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဘာဝေန္တော စက္ကာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဗဟုလိ-  
ကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိဇ္ဇော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဉ္စာရောတိ  
ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။

ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂေါ ဆဋ္ဌော။

### တသုဒ္ဓါနံ

ဆ ပါစိနတော နိဇ္ဇာ၊ ဆ နိဇ္ဇာ စ သမုဒ္ဓတော။  
ဧတေ ဌေ ဆ ဒ္ဓါဒသ ဟောန္တိ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတိတိ။

### ၇-အပ္ပမာဒဝဂ္ဂ

#### ၁-၁၀-တထာဂတဒိသုတ္တ

၄၂၉-၄၃၀။ ယာဝတာ ဘိက္ခဝေ သတ္တာ အပဒါ ဝါ ခွိပဒါ ဝါ စတုပ္ပဒါ  
ဝါ ဗဟုပ္ပဒါ ဝါတိ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။

အပ္ပမာဒဝဂ္ဂေါ သတ္တမော။

### တသုဒ္ဓါနံ

တထာဂတံ ပဒံ ကုဋံ၊ မူလံ သာရော စ ဝဿိကံ။  
ရာဇာ စဗ္ဗိမသုရိယာ၊ ဝတ္ထေန ဒသမံ ပဒန္တိ။

### ဂ-ဗလကရဏီယဝဂ္ဂ

#### ၁-၁၂-ဗလာဒိသုတ္တ

၄၃၉-၄၅၀။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေမိ ဗလကရဏီယာ ကမ္မန္တာ  
ကရိယန္တိတိ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။

ဗလကရဏီယဝဂ္ဂေါ အဋ္ဌမော။

### တသျှဒ္ဓါနံ

ဗလံ ဗိဇ္ဇေ နာဂေါ စ၊ ရုက္ခော ကုမ္ဘေန သူကိယာ။  
အာကာသေန စ ခွေ မေဃာ၊ နာဝါ အာဂန္တုကာ နဒိတိ။

### ၉-သေနာဝဂ္ဂ

#### ၁-၁၀-သေနာဒိသုတ္တ

၄၅၁-၄၆၀။ တိဿော ဣမာ ဘိက္ခဝေ သေနာ။ ကတမာ တိဿော၊  
ကာမေသနာ ဘဝေသနာ မြဟ္မစရိယေသနာတိ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။  
သေနာဝဂ္ဂေါ နဝမော။

### တသျှဒ္ဓါနံ

သေနာ ဝိမာ အာသဝေါ၊ ဘဝေါ စ ဒုက္ခတာ တိဿော။  
ဒိလံ မလဉ္စ နိဃော စ၊ ဝေဒနာ တဏှာ တသိနာယ စာတိ။

### ၁၀-ဩဃဝဂ္ဂ

#### ၁-၁၀-ဥဒ္ဓန္တာဂိယာဒိသုတ္တ

၄၆၁-၄၇၀။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဥဒ္ဓန္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ကတမာနိ  
ပဉ္စ၊ ရူပရာဂေါ အရူပရာဂေါ မာနော ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇာ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
ပဉ္စ၊ ဥဒ္ဓန္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဓံ ဥဒ္ဓန္တာဂိယာနံ  
သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ စတ္တာရော  
သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝေတဗ္ဗာ။

ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ  
 အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။  
 ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော  
 သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
 ပဉ္စန္ဒံ ဥဒ္ဓန္တရိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ  
 ပဟာနာယ ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝေတဗ္ဗာတိ။ ။ဒသမံ။

(ယထာ မဂ္ဂသံယုတ္တံ၊ တထာ သတိပဋ္ဌာနသံယုတ္တံ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗံ။)

ဩဃဝဂ္ဂေါ ဒသမော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဩဇော ယောဂေါ ဥပါဒါနံ၊ ဂန္ထာ အနုသယေန စ။  
 ကာမဂုဏာ နိဝရဏာ၊ ခန္ဓာ ဩရုဒ္ဓန္တရိယာတိ။

**သတိပဋ္ဌာနသံယုတ္တံ တတိယံ။**

## ၄-ဣန္ဒြိယသံယုတ္တ

### ၁-သုဒ္ဓိကဝဂ္ဂ

### ၁-သုဒ္ဓိကသုတ္တ

၄၇၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တဏှံ ခေါ ဘဂဝါ တေဒဝေါ။—ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဝိရိယိန္ဒြိယံ သတိန္ဒြိယံ သမာဓိန္ဒြိယံ ပညိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒြိယာနိတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ပဌမသောတာပန္နသုတ္တ

၄၇၂။ ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဝိရိယိန္ဒြိယံ သတိန္ဒြိယံ သမာဓိန္ဒြိယံ ပညိန္ဒြိယံ။ ယတော ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဣမေသံ ပဉ္စန္ဒြိယာနံ အဿာဒဉ္စ<sup>၁</sup> အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော သောတာပန္နော အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏောတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ဒုတိယသောတာပန္နသုတ္တ

၄၇၃။ ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဝိရိယိန္ဒြိယံ သတိန္ဒြိယံ သမာဓိန္ဒြိယံ ပညိန္ဒြိယံ။ ယတော ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဣမေသံ ပဉ္စန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော သောတာပန္နော အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏောတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ပဌမအရဟန္တသုတ္တ

၄၇၄။ ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဝိရိယိန္ဒြိယံ သတိန္ဒြိယံ သမာဓိန္ဒြိယံ ပညိန္ဒြိယံ။ ယတော ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဣမေသံ ပဉ္စန္ဒြိယာနံ အဿာဒဉ္စ<sup>၁</sup> အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ

၁-သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က) သံ-၁-၄၃၃-ပိဋေပိ။



ဝိဒိတွာ အနုပါဒါဝိမုတ္တော ဟောတိ။ အယံ ဝုစ္ဆတိ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရဟံ  
ဒီဏာသဝေါ ဝုသိတဝါ ကတကရဏိယော ဩဟိတဘာရော အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော  
ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနော သမ္ပဒညာဝိမုတ္တောတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ဒုတိယအရဟန္တသုတ္တ

၄၇၅။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဝိရိယိန္ဒြိယံ  
သတိန္ဒြိယံ သမာဓိန္ဒြိယံ ပညိန္ဒြိယံ။ ယတော ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဣမေသံ ပဉ္စန္ဒ  
ဣန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ  
ဝိဒိတွာ အနုပါဒါဝိမုတ္တော ဟောတိ။ အယံ ဝုစ္ဆတိ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရဟံ  
ဒီဏာသဝေါ ဝုသိတဝါ ကတကရဏိယော ဩဟိတဘာရော အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော  
ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနော သမ္ပဒညာဝိမုတ္တောတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ပဌမသမဏဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၄၇၆။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ဣမေသံ ပဉ္စန္ဒ ဣန္ဒြိယာနံ  
အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ။ န မေ တေ  
ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သမဏေသု ဝါ သမဏသမ္ပတာ၊  
ဗြာဟ္မဏေသု ဝါ ဗြာဟ္မဏသမ္ပတာ၊ န စ ပနေတေ အာယသ္မန္တော သာမညတ္ထံ  
ဝါ ဗြဟ္မညတ္ထံ ဝါ ဒိဋ္ဌေ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သန္တိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရန္တိ။

ယေ စ ခေါ ကေစိ<sup>၁</sup> ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ဣမေသံ ပဉ္စန္ဒ  
ဣန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ  
ပဇာနန္တိ။ တေ ခေါ မေ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သမဏေသု  
စေဝ သမဏသမ္ပတာ၊ ဗြာဟ္မဏေသု စ ဗြာဟ္မဏသမ္ပတာ၊ တေ စ ပနာယသ္မန္တော  
သာမညတ္ထန္တ ဗြဟ္မညတ္ထန္တ ဒိဋ္ဌေ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သန္တိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ  
ဝိဟရန္တိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ဒုတိယသမဏဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၄၇၇။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ  
နပ္ပဇာနန္တိ။ သဒ္ဓိန္ဒြိယသမုဒယံ နပ္ပဇာနန္တိ။ သဒ္ဓိန္ဒြိယနိရောဓံ နပ္ပဇာနန္တိ။  
သဒ္ဓိန္ဒြိယနိရောဓဂေါဓိနိ<sup>၂</sup> ပဋိပဒံ နပ္ပဇာနန္တိ။ ဝိရိယိန္ဒြိယံ နပ္ပဇာနန္တိ။ ပ။ သတိန္ဒြိယံ

နပ္ပဇာနန္တိ။ပ။ သမာဓိန္ဒြိယံ နပ္ပဇာနန္တိ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ ပညိန္ဒြိယ-  
သမုဒယံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ ပညိန္ဒြိယနိရောဓံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ ပညိန္ဒြိယနိရောဓဂါမိနိ  
ပဋိပဒံ နပ္ပဇာနန္တိ။ န မေ တေ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ  
သမဏေသု ဝါ သမဏသမ္ပတာ၊ ဗြာဟ္မဏေသု ဝါ ဗြာဟ္မဏသမ္ပတာ၊ န စ  
ပနေတေ အာယသ္မန္တော သာမညတ္ထံ ဝါ ဗြဟ္မညတ္ထံ ဝါ ဒိဋ္ဌေ ဓမ္မေ သယံ  
အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရန္တိ။

ယေ စ ခေါ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ပဇာနန္တိ၊  
သဒ္ဓိန္ဒြိယသမုဒယံ ပဇာနန္တိ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယနိရောဓံ ပဇာနန္တိ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယနိရောဓဂါမိနိ  
ပဋိပဒံ ပဇာနန္တိ။ ဝိရိယိန္ဒြိယံ ပဇာနန္တိ၊ ဝိရိယိန္ဒြိယသမုဒယံ ပဇာနန္တိ၊  
ဝိရိယိန္ဒြိယနိရောဓံ ပဇာနန္တိ၊ ဝိရိယိန္ဒြိယနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒံ ပဇာနန္တိ။  
သတိန္ဒြိယံ ပဇာနန္တိ။ပ။ သမာဓိန္ဒြိယံ ပဇာနန္တိ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ ပဇာနန္တိ၊  
ပညိန္ဒြိယသမုဒယံ ပဇာနန္တိ၊ ပညိန္ဒြိယနိရောဓံ ပဇာနန္တိ၊ ပညိန္ဒြိယနိရောဓဂါမိနိ  
ပဋိပဒံ ပဇာနန္တိ။ တေ ခေါ မေ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ  
သမဏေသု စေဝ သမဏသမ္ပတာ၊ ဗြာဟ္မဏေသု စ ဗြာဟ္မဏသမ္ပတာ၊  
တေ စ ပနာယသ္မန္တော သာမညတ္ထံ ဗြဟ္မညတ္ထံ ဒိဋ္ဌေ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ  
သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရန္တိတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-ဒဋ္ဌဗ္ဗသုတ္တ

၄၇၈။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
ကတ္ထ စ ဘိက္ခဝေ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဒဋ္ဌဗ္ဗံ၊ စတုသု သောတာပတ္တိယဏ်သု ဣတ္ထ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ  
ဒဋ္ဌဗ္ဗံ၊ ကတ္ထ စ ဘိက္ခဝေ ဝိရိယိန္ဒြိယံ ဒဋ္ဌဗ္ဗံ၊ စတုသု သမ္ပပ္ပဓာနေသု ဣတ္ထ ဝိရိယိန္ဒြိယံ  
ဒဋ္ဌဗ္ဗံ၊ ကတ္ထ စ ဘိက္ခဝေ သတိန္ဒြိယံ ဒဋ္ဌဗ္ဗံ၊ စတုသု သတိပဋ္ဌာနေသု ဣတ္ထ သတိန္ဒြိယံ  
ဒဋ္ဌဗ္ဗံ၊ ကတ္ထ စ ဘိက္ခဝေ သမာဓိန္ဒြိယံ ဒဋ္ဌဗ္ဗံ၊ စတုသု ဈာနေသု ဣတ္ထ သမာဓိန္ဒြိယံ  
ဒဋ္ဌဗ္ဗံ၊ ကတ္ထ စ ဘိက္ခဝေ ပညိန္ဒြိယံ ဒဋ္ဌဗ္ဗံ၊ စတုသု အရိယသစ္စေသု ဣတ္ထ ပညိန္ဒြိယံ  
ဒဋ္ဌဗ္ဗံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဋိန္ဒြိယာနိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ပဌမဝိဘင်္ဂသုတ္တ

၄၇၉။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ၊ ဣစ ဘိက္ခဝေ အရိယသဘာဝကော သဒ္ဓေါ ဟောတိ၊  
သဒ္ဓဟတိ တထာဂတဿ ဗောဓိံ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ

ဝိဇ္ဇာစရဏသမ္ပန္နော သုဂတော လောကဝိဇ္ဇာ အနုတ္တရော ပုရိသဒမ္ပသာရထိ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဝိရိယိန္ဒြိယံ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော အာရဒ္ဓ-  
ဝိရိယော ဝိဟရတိ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ပဟာနာယ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ  
ဥပသမ္ပဒါယ ထာမဝါ ဒဠပရက္ကမော အနိက္ခိတ္တရုရော ကုသလေသု ဓမ္မေသု။  
ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဝိရိယိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သတိန္ဒြိယံ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော သတိမာ  
ဟောတိ ပရမေန သတိနေပက္ကေန သမန္နာဂတော၊ စိရကတဗ္ဗိ စိရဘာသိတဗ္ဗိ  
သရိတာ အနုဿရိတာ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သတိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သမာဓိန္ဒြိယံ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဝေါဿဂ္ဂါ-  
ရဗ္ဗဏံ ကရိတွာ လဘတိ သမာဓိံ၊ လဘတိ စိတ္တဿ ဧကဂ္ဂတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ  
ဘိက္ခဝေ သမာဓိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ပညိန္ဒြိယံ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ပညဝါ  
ဟောတိ ဥဒယတ္ထဂါမိနိယာ ပညာယ သမန္နာဂတော အရိယာယ နိဗ္ဗေဓိကာယ  
သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမိနိယာ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ပညိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
ပဉ္စိန္ဒြိယာနီတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဒုတိယဝိဘင်္ဂသုတ္တ

၄၇၀။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော သဒ္ဓေါ  
ဟောတိ၊ သဒ္ဓဟတိ တထာဂတဿ ဗောဓိံ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ အရဟံ  
သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ ဝိဇ္ဇာစရဏသမ္ပန္နော သုဂတော လောကဝိဇ္ဇာ အနုတ္တရော  
ပုရိသဒမ္ပသာရထိ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ  
ဘိက္ခဝေ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဝိရိယိန္ဒြိယံ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော  
အာရဒ္ဓဝိရိယော ဝိဟရတိ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ပဟာနာယ ကုသလာနံ  
ဓမ္မာနံ ဥပသမ္ပဒါယ ထာမဝါ ဒဠပရက္ကမော အနိက္ခိတ္တရုရော ကုသလေသု  
ဓမ္မေသု၊ သော အနုပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ အနုပ္ပါဒါယ  
ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ ဝိရိယံ အာရဘတိ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ၊  
ဥပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ပဟာနာယ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ

ဝီရိယံ အာရဘတိ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ၊ အနုပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဥပ္ပါဒါယ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ ဝီရိယံ အာရဘတိ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ၊ ဥပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဌိတိယာ<sup>၁</sup> အသမ္မောဿာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ ဝီရိယံ အာရဘတိ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဝီရိယိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သတိန္ဒြိယံ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော သတိမာ ဟောတိ ပရမေန သတိနေပက္ကေန သမန္နာဂတော၊ စိရကတမ္ပိ စိရဘာသိတမ္ပိ သရိတာ အနုဿရိတာ၊ သော ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သတိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သမာဓိန္ဒြိယံ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဝေါဿဂ္ဂါရမ္ပဏံ ကရိတွာ လဘတိ သမာဓိံ၊ လဘတိ စိတ္တဿ ဧကဂ္ဂတံ၊ သော ဝိဝိစ္စေဝ ကာမေဟိ ဝိဝိစ္စ အကုသလေဟိ ဓမ္မေဟိ သဝိတက္ကံ သဝိစာရံ ဝိဝေကဇံ ဝီတိသုခံ ပဌမံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ဝိတက္ကဝိစာရာနံ ဝူပသမာ အဇ္ဈတ္တံ သမ္ပသာဒနံ စေတသော ဧကောဒိဘာဝံ အဝိတက္ကံ အဝိစာရံ သမာဓိဇံ ဝီတိသုခံ ဒုတိယံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ဝီတိယာ စ ဝိရာဂါ ဥပေက္ခကော စ ဝိဟရတိ သတော စ သမ္ပဇာနော သုခဉ္စ ကာယေန ပဋိသံဝေဒေတိ၊ ယံ တံ အရိယာ အာစိက္ခန္တိ “ဥပေက္ခကော သတိမာ သုခဝိဟာရိ”တိ၊ တတိယံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ သုခဿ စ ပဟာနာ ဒုက္ခဿ စ ပဟာနာ ပုဗ္ဗေဝ သောမနဿဒေါမနဿာနံ အတ္ထင်္ဂမာ အဒုက္ခမသုခံ ဥပေက္ခာသတိပါရိသုဒ္ဓိံ စတုတ္ထံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမာဓိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ပညိန္ဒြိယံ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ပညဝါ ဟောတိ ဥဒယတ္ထဂါမိနိယာ ပညာယ သမန္နာဂတော အရိယာယ နိဗ္ဗေမိကာယ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမိနိယာ၊ သော “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ၊ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ

ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ပညိန္ဒိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဋိန္ဒိယာနိတိ။ ။ဒသမံ။

သုဒ္ဓိကဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

### တသုဒ္ဓါနံ

သုဒ္ဓိကဉ္စေဝ ဒွေ သောတာ၊ အရဟန္တာ အပရေ ဒုဝေ။  
သမဏဗြာဟ္မဏာ ဒဋ္ဌဗ္ဗံ၊ ဝိဘင်္ဂါ အပရေ ဒုဝေတိ။

## ၂-မုဒုတရဝဂ္ဂ

### ၁-ပဋိလာဘသုတ္တ

၄၈၁။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သုဒ္ဓိန္ဒိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒိယံ။  
ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သုဒ္ဓိန္ဒိယံ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော သဒ္ဓေါ  
ဟောတိ၊ သဒ္ဓဟတိ တထာဂတဿ ဗောဓိံ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ အရဟံ  
သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ ဝိဇ္ဇာစရဏသမ္ပန္နော သုဂတော လောကဝိဒ္ဓ အနတ္တရော  
ပုရိသဒမ္ပသာရထိ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ  
ဘိက္ခဝေ သုဒ္ဓိန္ဒိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဝီရိယိန္ဒိယံ။ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော သမ္ပပ္ပဓာနေ  
အာရမ္ဘ ဝီရိယံ ပဋိလာဘတိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဝီရိယိန္ဒိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သတိန္ဒိယံ။ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ  
အာရမ္ဘ သတိံ ပဋိလာဘတိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သတိန္ဒိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သမာဓိန္ဒိယံ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော  
ဝေါဿဂ္ဂါရမ္မဏံ ကရိတွာ လဘတိ သမာဓိံ၊ လဘတိ စိတ္တဿ ဧကဂ္ဂတံ။  
ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သမာဓိန္ဒိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ပညိန္ဒိယံ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ပညဝါ  
ဟောတိ ဥဒယတ္ထဂါမိနိယာ ပညာယ သမန္နာဂတော အရိယာယ နိဗ္ဗေဓိကာယ  
သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမိနိယာ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ပညိန္ဒိယံ။ ဣမာနိ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ ပဋိန္ဒိယာနိတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-ပဌမသံဃိတ္တသုတ္တ

၄၈၂။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
 ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဋိန္ဒြိယာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒ ဣန္ဒြိယာနံ  
 သမတ္တာ ပရိပူရတ္တာ အရဟံ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ အနာဂါမီ  
 ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သကဒါဂါမီ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ  
 သောတာပန္နော ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဓမ္မာနုသာရီ ဟောတိ၊  
 တတော မုဒုတရေဟိ သဒ္ဓါနုသာရီ ဟောတိတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-ဒုတိယသံဃိတ္တသုတ္တ

၄၈၃။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
 ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဋိန္ဒြိယာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒ ဣန္ဒြိယာနံ  
 သမတ္တာ ပရိပူရတ္တာ အရဟံ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ အနာဂါမီ  
 ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သကဒါဂါမီ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ  
 သောတာပန္နော ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဓမ္မာနုသာရီ ဟောတိ၊  
 တတော မုဒုတရေဟိ သဒ္ဓါနုသာရီ ဟောတိ။ ဣတိ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
 ဣန္ဒြိယဝေမတ္တတာ ဖလဝေမတ္တတာ ဟောတိ၊ ဖလဝေမတ္တတာ ပုဂ္ဂလဝေမတ္တ-  
 တာတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-တတိယသံဃိတ္တသုတ္တ

၄၈၄။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
 ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဋိန္ဒြိယာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒ ဣန္ဒြိယာနံ  
 သမတ္တာ ပရိပူရတ္တာ အရဟံ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ အနာဂါမီ  
 ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သကဒါဂါမီ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ  
 သောတာပန္နော ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဓမ္မာနုသာရီ ဟောတိ၊  
 တတော မုဒုတရေဟိ သဒ္ဓါနုသာရီ ဟောတိ။ ဣတိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပရိပူရံ  
 ပရိပူရကာရီ အာရာဓေတိ၊ ပဒေသံ ပဒေသကာရီ အာရာဓေတိ၊  
 အဝဉ္စာနိဟေဝဂါဟံ ဘိက္ခဝေ ပဋိန္ဒြိယာနိတိ ဝဒါမိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-ပဌမဝိတ္ထာရသုတ္တ

၄၈၅။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
 ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဋိန္ဒြိယာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒ ဣန္ဒြိယာနံ

သမတ္တာ ပရိပူရတ္တာ အရဟံ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ  
ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ တတော  
မုဒုတရေဟိ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သသင်္ခါရ-  
ပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဥဒ္ဓိသောတော ဟောတိ  
အကနိဋ္ဌဂါမီ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သကဒါဂါမီ ဟောတိ၊ တတော  
မုဒုတရေဟိ သောတာပန္နော ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဓမ္မာနုသာရီ  
ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သဒ္ဓါနုသာရီ ဟောတိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ဒုတိယဝိတ္ထာရသုတ္တ

၄၈၆။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒံ ဣန္ဒြိယာနံ  
သမတ္တာ ပရိပူရတ္တာ အရဟံ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ  
ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ တတော  
မုဒုတရေဟိ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သသင်္ခါရ-  
ပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဥဒ္ဓိသောတော ဟောတိ  
အကနိဋ္ဌဂါမီ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သကဒါဂါမီ ဟောတိ၊ တတော  
မုဒုတရေဟိ သောတာပန္နော ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဓမ္မာနုသာရီ  
ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သဒ္ဓါနုသာရီ ဟောတိ။ ဣတိ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
ဣန္ဒြိယဝေမတ္တတာ ဖလဝေမတ္တတာ ဟောတိ၊ ဖလဝေမတ္တတာ ပုဂ္ဂလဝေမတ္တတာ  
ဟောတိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-တတိယဝိတ္ထာရသုတ္တ

၄၈၇။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒံ ဣန္ဒြိယာနံ  
သမတ္တာ ပရိပူရတ္တာ အရဟံ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ  
ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ တတော  
မုဒုတရေဟိ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သသင်္ခါရ-  
ပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဥဒ္ဓိသောတော ဟောတိ  
အကနိဋ္ဌဂါမီ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သကဒါဂါမီ ဟောတိ၊ တတော  
မုဒုတရေဟိ သောတာပန္နော ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဓမ္မာနုသာရီ  
ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သဒ္ဓါနုသာရီ ဟောတိ။ ဣတိ ခေါ ဘိက္ခဝေ

ပရိပူရံ ပရိပူရကာရီ အာရာဓေတိ၊ ပဒေသံ ပဒေသကာရီ အာရာဓေတိ၊  
အဝဉ္ဇာနိ တွေဝါဟံ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနီတိ ဝဒါမီတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-ပဋိပန္နသုတ္တ

၄၈၈။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ  
သမတ္တာ ပရိပူရတ္တာ အရဟံ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ အရဟတ္တ-  
ဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ အနာဂါမိ  
ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ အနာဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော  
ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သကဒါဂါမိ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ  
သကဒါဂါမိဖလသစ္စိကိရိယာယ ပဋိပန္နော ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ  
သောတာပန္နော ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သောတာပတ္တိဖလသစ္စိ-  
ကိရိယာယ ပဋိပန္နော ဟောတိ။ ယဿ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣမာနိ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ  
သဗ္ဗေန သဗ္ဗံ သဗ္ဗထာ သဗ္ဗံ နတ္ထိ၊ တမဟံ “ဗာဟိရော ပုထုဇ္ဇနပက္ခေ ဌိတော”တိ  
ဝဒါမီတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-သမ္ပန္နသုတ္တ

၄၈၉။ အထ ခေါ အညတရော ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသီန္တော  
ခေါ သော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါ။—

“ဣန္ဒြိယသမ္ပန္နော ဣန္ဒြိယသမ္ပန္နောတိ ဘန္တေ ဝုစ္စတိ၊ ကိတ္တာဝတာ န ခေါ  
ဘန္တေ ဣန္ဒြိယသမ္ပန္နော ဟောတိ”တိ။ ဣဓ ဘိက္ခု ဘိက္ခု သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ  
ဥပသမဂါမိံ သမ္မောဓဂါမိံ၊ ဝိရိယိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ဥပသမဂါမိံ သမ္မောဓဂါမိံ၊  
သတိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ဥပသမဂါမိံ သမ္မောဓဂါမိံ၊ သမာဓိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ  
ဥပသမဂါမိံ သမ္မောဓဂါမိံ၊ ပညိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ဥပသမဂါမိံ သမ္မောဓဂါမိံ။  
ဧတ္တာဝတာ ခေါ ဘိက္ခု ဘိက္ခု ဣန္ဒြိယသမ္ပန္နော ဟောတိတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-အာသဝက္ခယသုတ္တ

၄၉၀။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ



ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဘိက္ခု အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတော-  
ဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သမ္ဘိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ  
ဝိဟရတိတိ။ ။ဒသမံ။

မုဒုတရဝဂ္ဂေါ ဒုတိယော။

### တသျဒ္ဓါနံ

ပဋိလာဘော တယော သံဝိတ္တာ၊ ဝိတ္တာရာ အပရေ တယော။  
ပဋိပန္နော စ သမ္ပန္နော၊ ဒသမံ အာသဝက္ခယန္တိ။

### ၃-ဆဋ္ဌိန္ဒြိယဝဂ္ဂ

#### ၁-ပုနန္တဝသုတ္တ

၄၉၁။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
ယာဝကီဝဉ္ဇာဟံ ဘိက္ခဝေ ဣမေသံ ပဉ္စန္ဒံ ဣန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ  
အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ နာဗ္ဗညာသိ။ နေဝ တာဝါဟံ  
ဘိက္ခဝေ သဒေဝကေ လောကေ သမာရကေ သဗြဟ္မကေ သဿမဏဗြာဟ္မ-  
ဏိယာ ပဇာယ သဒေဝမနုဿာယ အနုတ္တရံ သမ္မာသမ္ဗောဓိံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါတိ  
ပစ္စညာသိ။ ယတော စ ခွါဟံ ဘိက္ခဝေ ဣမေသံ ပဉ္စန္ဒံ ဣန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ  
အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ အဗ္ဗညာသိ။  
အထာဟံ ဘိက္ခဝေ သဒေဝကေ လောကေ သမာရကေ သဗြဟ္မကေ သဿမဏ-  
ဗြာဟ္မဏိယာ ပဇာယ သဒေဝမနုဿာယ အနုတ္တရံ သမ္မာသမ္ဗောဓိံ  
အဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါတိ ပစ္စညာသိ။ ဤဏဉ္စ ပန မေ ဒဿနံ ဥဒပါဒိ၊ အကုပ္ပိ မေ  
ဝိမုတ္တိံ၊ အယမန္တိမာ ဇာတိ၊ နတ္ထိဒါနိ ပုနန္တဝေါတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ဇိဝိတိန္ဒြိယသုတ္တ

၄၉၂။ တိဏိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ တိဏိ၊ ဣတ္ထိန္ဒြိယံ  
ပုရိသိန္ဒြိယံ ဇိဝိတိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏိ ဣန္ဒြိယာနိတိ။ ။ဒုတိယံ။

၁-ပဋိပန္နော စူဠသမော (သျှ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)

၂-အဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါ ပစ္စညာသိ (သိ၊ သျှ၊ ကံ)

၃-စေတောဝိမုတ္တိ (သိ၊ ဣ၊ က)

## ၃-အညိန္ဒြိယသုတ္တ

၄၉၃။ တိဏိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ တိဏိ၊ အနညာ-  
တညဿာမိတိန္ဒြိယံ အညိန္ဒြိယံ အညာတာဝိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏိ  
ဣန္ဒြိယာနိတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-ဧကမိဇိသုတ္တ

၄၉၄။ ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ  
သမတ္တာ ပရိပူရတ္တာ အရဟံ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ  
ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ တတော  
မုဒုတရေဟိ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သသင်္ခါရ-  
ပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဥဒ္ဓိသောတော ဟောတိ အကနိဋ္ဌဂါမီ၊  
တတော မုဒုတရေဟိ သကဒါဂါမီ ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဧကမိဇိ<sup>၁</sup>  
ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ကောလံကောလော ဟောတိ၊ တတော  
မုဒုတရေဟိ သတ္တက္ခတ္တုပရမော ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ ဓမ္မာနုသာရီ  
ဟောတိ၊ တတော မုဒုတရေဟိ သဒ္ဓါနုသာရီ ဟောတိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-သုဒ္ဓကသုတ္တ

၄၉၅။ ဆယိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ဆ၊ စက္ခုန္ဒြိယံ  
သောတိန္ဒြိယံ ဃာနိန္ဒြိယံ ဇိဝိန္ဒြိယံ ကာယိန္ဒြိယံ မနိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
ဆ ဣန္ဒြိယာနိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-သောတာပန္နသုတ္တ

၄၉၆။ ဆယိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ဆ၊ စက္ခုန္ဒြိယံ။ ပ။  
မနိန္ဒြိယံ။ ယတော ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဣမေသံ ဆန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ  
သမုဒယဉ္စ အတ္ထင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ ပဇာ-  
နာတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော သောတာပန္နော အဝိနိပါတ-  
ဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-အရဟန္တသုတ္တ

၄၉၇။ ဆယိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ဆ၊ စက္ခုန္ဒြိယံ သောတိန္ဒြိယံ ဃာနိန္ဒြိယံ ဇိဝိန္ဒြိယံ ကာယိန္ဒြိယံ မနိန္ဒြိယံ။ ယတော ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဣမေသံ ဆန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ ဝိဒိတွာ အနုပါဒါဝိမုတ္တော ဟောတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရဟံ ခိဏာသဝေါ ဝုသိတဝါ ကတကရဏိယော ဩဟိတဘာရော အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနော သမ္မဒညာဝိမုတ္တောတိ။ ။သတ္တမံ။

## ၈-သမ္ပုဒ္ဓသုတ္တ

၄၉၈။ ဆယိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ဆ၊ စက္ခုန္ဒြိယံ သောတိန္ဒြိယံ ဃာနိန္ဒြိယံ ဇိဝိန္ဒြိယံ ကာယိန္ဒြိယံ မနိန္ဒြိယံ။ ယာဝကီဝဉ္စဟံ ဘိက္ခဝေ ဣမေသံ ဆန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ နာဗ္ဗညာသိ။ နေဝ တာဝါဟံ ဘိက္ခဝေ သဒေဝကေ လောကေ သမာရကေ သဗြဟ္မကေ သဿမဏဗြာဟ္မဏိယာ ပဇာယ သဒေဝမနုဿာယ အနုတ္တရံ သမ္မာသမ္ဗောဓိံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါတိ ပစ္စညာသိ။ ယတော စ ခွါဟံ ဘိက္ခဝေ ဣမေသံ ဆန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ အဗ္ဗညာသိ။ အထာဟံ ဘိက္ခဝေ သဒေဝကေ လောကေ သမာရကေ သဗြဟ္မကေ သဿမဏဗြာဟ္မဏိယာ ပဇာယ သဒေဝမနုဿာယ အနုတ္တရံ သမ္မာသမ္ဗောဓိံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါတိ ပစ္စညာသိ။ ဤဏဉ္စ ပန မေ ဒဿနံ ဥဒပါဒိ၊ အကုပ္ပါ မေ ဝိမုတ္တိ၊ အယမန္တိမာ ဇာတိ၊ နတ္ထိဒါနိ ပုနတ္တဝေါတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

## ၉-ပဌမသမဏဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၄၉၉။ ဆယိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ဆ၊ စက္ခုန္ဒြိယံ သောတိန္ဒြိယံ ဃာနိန္ဒြိယံ ဇိဝိန္ဒြိယံ ကာယိန္ဒြိယံ မနိန္ဒြိယံ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ဣမေသံ ဆန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ န မေ တေ ဘိက္ခဝေ သမဏာဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သမဏေသု ဝါ သမဏသမ္ပတာ၊ ဗြာဟ္မဏေသု ဝါ ဗြာဟ္မဏသမ္ပတာ၊ န စ ပနေတေ အာယသ္မန္တော သာမညတ္ထံ ဝါ ဗြဟ္မညတ္ထံ

ဝါ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရန္တိ။  
 ယေ စ ခေါကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ဣမေသံ ဆန္တံ ဇုလိယာနံ  
 သမုဒယဉ္စ အတ္ထင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ  
 ပဇာနန္တိ၊ တေ ခေါမေ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သမဏေသု စေဝ  
 သမဏသမ္ပတာ၊ ဗြာဟ္မဏေသု စ ဗြာဟ္မဏသမ္ပတာ၊ တေ စ ပနာယသ္မန္တော  
 သာမညတ္ထဉ္စ ဗြဟ္မညတ္ထဉ္စ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ  
 ဝိဟရန္တိတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ခုတိယသမဏဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၅၀၀။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ စက္ခုဋ္ဌိယံ  
 နပ္ပဇာနန္တိ၊ စက္ခုဋ္ဌိယသမုဒယံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ စက္ခုဋ္ဌိယနိရောဓံ နပ္ပဇာနန္တိ၊  
 စက္ခုဋ္ဌိယနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒံ နပ္ပဇာနန္တိ။ သောတိဋ္ဌိယံ။ပ။ ဃာနိဋ္ဌိယံ။ပ။  
 ဇိဝိဋ္ဌိယံ။ပ။ ကာယိဋ္ဌိယံ။ပ။ မနိဋ္ဌိယံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ မနိဋ္ဌိယသမုဒယံ နပ္ပဇာနန္တိ၊  
 မနိဋ္ဌိယနိရောဓံ နပ္ပဇာနန္တိ။ မနိဋ္ဌိယနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒံ နပ္ပဇာနန္တိ။ န မေ တေ  
 ဘိက္ခဝေ။ပ။ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရန္တိ။

ယေ စ ခေါ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ စက္ခုဋ္ဌိယံ  
 ပဇာနန္တိ၊ စက္ခုဋ္ဌိယသမုဒယံ ပဇာနန္တိ၊ စက္ခုဋ္ဌိယနိရောဓံ ပဇာနန္တိ၊  
 စက္ခုဋ္ဌိယနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒံ ပဇာနန္တိ။ သောတိဋ္ဌိယံ။ပ။ ဃာနိဋ္ဌိယံ။ပ။  
 ဇိဝိဋ္ဌိယံ။ပ။ ကာယိဋ္ဌိယံ။ပ။ မနိဋ္ဌိယံ ပဇာနန္တိ၊ မနိဋ္ဌိယသမုဒယံ ပဇာနန္တိ၊  
 မနိဋ္ဌိယနိရောဓံ ပဇာနန္တိ၊ မနိဋ္ဌိယနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒံ ပဇာနန္တိ၊ တေ  
 ခေါမေ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သမဏေသု စေဝ သမဏသမ္ပတာ၊  
 ဗြာဟ္မဏေသု စ ဗြာဟ္မဏသမ္ပတာ၊ တေ စ ပနာယသ္မန္တော သာမညတ္ထဉ္စ  
 ဗြဟ္မညတ္ထဉ္စ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရန္တိတိ။ ။  
 ဒသမံ။

ဆဋ္ဌိဋ္ဌိယဝဂ္ဂေါ တတိယော။

### တသုဒ္ဓါနံ

ပုနတ္တဝေါ ဇီဝိတညာယ၊ ဧကဗိဇီ စ သုဒ္ဓကံ။  
 သောတော အရဟသမ္ပုဋ္ဌေါ၊ ဒွေ စ သမဏဗြာဟ္မဏာတိ။

## ၄-သုခိန္ဒြိယဝဂ္ဂ

## ၁-သုခိန္ဒြိယသုတ္တ

၅၀၁။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သုခိန္ဒြိယံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ သောမနသိန္ဒြိယံ ဒေါမနသိန္ဒြိယံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဋိန္ဒြိယာနိတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-သောတာပန္နသုတ္တ

၅၀၂။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သုခိန္ဒြိယံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ သောမနသိန္ဒြိယံ ဒေါမနသိန္ဒြိယံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။ ယတော ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဣမေသံ ပဉ္စန္ဒ ဣန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော သောတာပန္နော အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏောတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-အရဟန္တသုတ္တ

၅၀၃။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သုခိန္ဒြိယံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ သောမနသိန္ဒြိယံ ဒေါမနသိန္ဒြိယံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။ ယတော ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဣမေသံ ပဉ္စန္ဒ ဣန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ ဝိဒိတွာ အနုပါဒါဝိမုတ္တော ဟောတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရဟံ ဒိဏာသဝေါ ဝုသိတဝါ ကတကရဏီယော ဩဟိတဘာရော အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနော သမ္မဒညာ-ဝိမုတ္တောတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-ပဌမသမဏဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၅၀၄။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သုခိန္ဒြိယံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ သောမနသိန္ဒြိယံ ဒေါမနသိန္ဒြိယံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။ ယေ ဟိ ကေမိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ဣမေသံ ပဉ္စန္ဒ ဣန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ န မေ တေ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သမဏေသု ဝါ သမဏသမ္ပတာ၊ ဗြာဟ္မဏေသု ဝါ ဗြာဟ္မဏသမ္ပတာ၊ န စ ပနေတေ အာယသ္မန္တော သာမညတ္ထံ ဝါ ဗြဟ္မညတ္ထံ ဝါ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သတ္ထိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရန္တိ။

ယေ စ ခေါ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ဣမေသံ ပဉ္စန္ဒ ဣန္ဒြိယာနံ သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ အာဒိနဝဉ္စ နိဿရဏဉ္စ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ၊ တေ ခေါ မေ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သမဏေသု စေဝ သမဏသမ္ပတာ၊ ဗြာဟ္မဏေသု စ ဗြာဟ္မဏသမ္ပတာ၊ တေ စ ပနာယသ္မန္တော သာမညတ္ထဉ္စ ဗြဟ္မညတ္ထဉ္စ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရန္တိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ဒုတိယသမဏဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၅၀၅။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သုခိန္ဒြိယံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ သောမနဿိန္ဒြိယံ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သုခိန္ဒြိယံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ သုခိန္ဒြိယသမုဒယံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ သုခိန္ဒြိယ-  
နိရောဓံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ သုခိန္ဒြိယနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဉ် နပ္ပဇာနန္တိ။ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ နပ္ပဇာနန္တိ။ ပ။ သောမနဿိန္ဒြိယံ နပ္ပဇာနန္တိ။ ပ။ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ နပ္ပဇာနန္တိ။ ပ။ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ ဥပေက္ခိန္ဒြိယသမုဒယံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ ဥပေက္ခိန္ဒြိယနိရောဓံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ ဥပေက္ခိန္ဒြိယနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဉ် နပ္ပဇာနန္တိ။ န မေ တေ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သမဏေသု ဝါ သမဏသမ္ပတာ၊ ဗြာဟ္မဏေသု ဝါ ဗြာဟ္မဏသမ္ပတာ၊ န စ ပနေတေ အာယသ္မန္တော သာမညတ္ထံ ဝါ ဗြဟ္မညတ္ထံ ဝါ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရန္တိ။

ယေ စ ခေါ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သုခိန္ဒြိယံ ပဇာနန္တိ၊ သုခိန္ဒြိယသမုဒယံ ပဇာနန္တိ၊ သုခိန္ဒြိယနိရောဓံ ပဇာနန္တိ၊ သုခိန္ဒြိယနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဉ် ပဇာနန္တိ။ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ ပဇာနန္တိ။ ပ။ သောမနဿိန္ဒြိယံ ပဇာနန္တိ။ ပ။ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ ပဇာနန္တိ။ ပ။ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ ပဇာနန္တိ၊ ဥပေက္ခိန္ဒြိယသမုဒယံ ပဇာနန္တိ၊ ဥပေက္ခိန္ဒြိယနိရောဓံ ပဇာနန္တိ၊ ဥပေက္ခိန္ဒြိယနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဉ် ပဇာနန္တိ။ တေ စ ခေါ မေ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သမဏေသု စေဝ သမဏသမ္ပတာ၊ ဗြာဟ္မဏေသု စ ဗြာဟ္မဏသမ္ပတာ၊ တေ စ ပနာယသ္မန္တော သာမညတ္ထဉ္စ ဗြဟ္မညတ္ထဉ္စ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရန္တိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ပဌမဝိဘင်္ဂသုတ္တ

၅၀၆။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သုခိန္ဒြိယံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ သောမနဿိန္ဒြိယံ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သုခိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ကာယိကံ သုခံ ကာယိကံ သာတံ ကာယသမ္ပဿဇံ သုခံ သာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သုခိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ကာယိကံ ဒုက္ခံ ကာယိကံ အသာတံ ကာယသမ္ပဿဇံ ဒုက္ခံ အသာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သောမနဿိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စေတသိကံ သုခံ စေတသိကံ သာတံ မနောသမ္ပဿဇံ သုခံ သာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သောမနဿိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စေတသိကံ ဒုက္ခံ စေတသိကံ အသာတံ မနောသမ္ပဿဇံ ဒုက္ခံ အသာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ကာယိကံ ဝါ စေတသိကံ ဝါ နေဝသာတံ နာသာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနီတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ဒုတိယဝိဘင်္ဂသုတ္တ

၅၀၇။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သုခိန္ဒြိယံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ သောမနဿိန္ဒြိယံ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သုခိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ကာယိကံ သုခံ ကာယိကံ သာတံ ကာယသမ္ပဿဇံ သုခံ သာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သုခိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ကာယိကံ ဒုက္ခံ ကာယိကံ အသာတံ ကာယသမ္ပဿဇံ ဒုက္ခံ အသာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သောမနဿိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စေတသိကံ သုခံ စေတသိကံ သာတံ မနောသမ္ပဿဇံ သုခံ သာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သောမနဿိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စေတသိကံ ဒုက္ခံ စေတသိကံ အသာတံ မနောသမ္ပဿဇံ ဒုက္ခံ အသာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ကာယိကံ ဝါ စေတသိကံ ဝါ နေဝသာတံ နာသာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။

တတြ ဘိက္ခဝေ ယဉ္စ သုခိန္ဒြိယံ ယဉ္စ သောမနဿိန္ဒြိယံ၊ သုခါ သာ ဝေဒနာ ဒဋ္ဌဗ္ဗာ။ တတြ ဘိက္ခဝေ ယဉ္စ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ ယဉ္စ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ၊ ဒုက္ခာ သာ ဝေဒနာ ဒဋ္ဌဗ္ဗာ။ တတြ ဘိက္ခဝေ ယဒိဒံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ၊ အဒုက္ခမသုခါ သာ ဝေဒနာ ဒဋ္ဌဗ္ဗာ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနီတိ။ ။သတ္တမံ။

### ဂ-တတိယဝိဘင်္ဂသုတ္တ

၅၀၈။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သုခိန္ဒြိယံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ သောမနဿိန္ဒြိယံ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သုခိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ကာယိကံ သုခံ ကာယိကံ သာတံ ကာယသမ္ပဿဇံ သုခံ သာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သုခိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ကာယိကံ ဒုက္ခံ ကာယိကံ အသာတံ ကာယသမ္ပဿဇံ ဒုက္ခံ အသာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ သောမနဿိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စေတသိကံ သုခံ စေတသိကံ သာတံ မနောသမ္ပဿဇံ သုခံ သာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ သောမနဿိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စေတသိကံ ဒုက္ခံ စေတသိကံ အသာတံ မနောသမ္ပဿဇံ ဒုက္ခံ အသာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ၊ ယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ကာယိကံ ဝါ စေတသိကံ ဝါ နေဝသာတံ နာသာတံ ဝေဒယိတံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။

တတြ ဘိက္ခဝေ ယဉ္စ သုခိန္ဒြိယံ ယဉ္စ သောမနဿိန္ဒြိယံ၊ သုခါ သာ ဝေဒနာ ဒဋ္ဌဗ္ဗာ။ တတြ ဘိက္ခဝေ ယဉ္စ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ ယဉ္စ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ၊ ဒုက္ခာ သာ ဝေဒနာ ဒဋ္ဌဗ္ဗာ။ တတြ ဘိက္ခဝေ ယဒိဒံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ၊ အဒုက္ခမသုခါ သာ ဝေဒနာ



ဒဋ္ဌဗ္ဗာ။ ဣတိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣမာနိ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ပဉ္စ ဟုတွာ တိဏိ ဟောန္တိ၊  
တိဏိ ဟုတွာ ပဉ္စ ဟောန္တိ ပရိယာယေနာတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ဇ-ကဋ္ဌောပမသုတ္တ

၅၀၉။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သုခိန္ဒြိယံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ  
သောမနဿိန္ဒြိယံ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။ သုခဝေဒနိယံ ဘိက္ခဝေ ဖဿံ  
ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ သုခိန္ဒြိယံ၊ သော သုခိတောဝ သမာနော “သုခိတောသ္မိ”တိ  
ပဇာနာတိ၊ တဿေဝ သုခဝေဒနိယဿ ဖဿဿ နိရောဓာ ယံ တဇ္ဇံ ဝေဒယိတံ  
သုခဝေဒနိယံ ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပန္နံ သုခိန္ဒြိယံ၊ တံ နိရုဇ္ဈတိ၊ တံ ဂူပသမ္ပတိတိ  
ပဇာနာတိ။

ဒုက္ခဝေဒနိယံ ဘိက္ခဝေ ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ၊ သော ဒုက္ခိတောဝ  
သမာနော “ဒုက္ခိတောသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ၊ တဿေဝ ဒုက္ခဝေဒနိယဿ  
ဖဿဿ နိရောဓာ ယံ တဇ္ဇံ ဝေဒယိတံ ဒုက္ခဝေဒနိယံ ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပန္နံ  
ဒုက္ခိန္ဒြိယံ၊ တံ နိရုဇ္ဈတိ၊ တံ ဂူပသမ္ပတိတိ ပဇာနာတိ။

သောမနဿဝေဒနိယံ ဘိက္ခဝေ ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ သောမနဿိန္ဒြိယံ၊ သော  
သုမနောဝ သမာနော “သုမနောသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ၊ တဿေဝ သောမနဿ-  
ဝေဒနိယဿ ဖဿဿ နိရောဓာ ယံ တဇ္ဇံ ဝေဒယိတံ သောမနဿဝေဒနိယံ  
ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပန္နံ သောမနဿိန္ဒြိယံ၊ တံ နိရုဇ္ဈတိ၊ တံ ဂူပသမ္ပတိတိ ပဇာနာတိ။

ဒေါမနဿဝေဒနိယံ ဘိက္ခဝေ ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ၊ သော  
ဒုမ္မနောဝ သမာနော “ဒုမ္မနောသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ၊ တဿေဝ ဒေါမနဿ-  
ဝေဒနိယဿ ဖဿဿ နိရောဓာ ယံ တဇ္ဇံ ဝေဒယိတံ ဒေါမနဿဝေဒနိယံ  
ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပန္နံ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ၊ တံ နိရုဇ္ဈတိ၊ တံ ဂူပသမ္ပတိတိ ပဇာနာတိ။

ဥပေက္ခာဝေဒနိယံ ဘိက္ခဝေ ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ၊ သော  
ဥပေက္ခကောဝ သမာနော “ဥပေက္ခကောသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ၊ တဿေဝ  
ဥပေက္ခာဝေဒနိယဿ ဖဿဿ နိရောဓာ ယံ တဇ္ဇံ ဝေဒယိတံ ဥပေက္ခာဝေဒနိယံ  
ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပန္နံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ၊ တံ နိရုဇ္ဈတိ၊ တံ ဂူပသမ္ပတိတိ ပဇာနာတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ခြိန္တံ ကဋ္ဌာနံ သံဃဋ္ဌနသမောဓာနာ<sup>၁</sup> ဥသ္မာ ဇာယတိ၊  
တေဇော အဘိနိဗ္ဗတ္တတိ၊ တေသံယေဝ ကဋ္ဌာနံ နာနာဘာဝါဝိနိက္ခေပါ<sup>၂</sup>

၁-သံဃဋ္ဌနသမောဓာနာ (ဣ၊က)၊ သံဃဋ္ဌနသမောဓာနာ (သျှ၊ကံ)

၂-နာနာဘာဝါနိက္ခေပါ (သျှ၊ကံ၊ဣ၊က)

ယာ တဇ္ဇာ ဥဿာ၊ သာ နိရုဇ္ဈတိ၊ သာ ဝုပသမ္ပတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ သုခဝေဒနိယံ ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဇတိ သုခိန္ဒြိယံ၊ သော သုခိတောဝ သမာနော “သုခိတောသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ၊ တဿေဝ သုခဝေဒနိယဿ ဖဿဿ နိရောဓာယံ တဇ္ဇံ ဝေဒယိတံ သုခဝေဒနိယံ ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဈတိ သုခိန္ဒြိယံ၊ တံ နိရုဇ္ဈတိ၊ တံ ဝုပသမ္ပတိတိ ပဇာနာတိ။ ဒုက္ခဝေဒနိယံ ဘိက္ခဝေ ဖဿံ ပဋိစ္စ။ ပ။ သောမနဿဝေဒနိယံ ဘိက္ခဝေ ဖဿံ ပဋိစ္စ။ ပ။ ဒေါမနဿဝေဒနိယံ ဘိက္ခဝေ ဖဿံ ပဋိစ္စ။ ပ။ ဥပေက္ခာဝေဒနိယံ ဘိက္ခဝေ ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဈတိ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ၊ သော ဥပေက္ခကောဝ သမာနော “ဥပေက္ခကောသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ၊ တဿေဝ ဥပေက္ခာဝေဒနိယဿ ဖဿဿ နိရောဓာယံ တဇ္ဇံ ဝေဒယိတံ ဥပေက္ခာဝေဒနိယံ ဖဿံ ပဋိစ္စ ဥပ္ပဇ္ဈတိ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။ တံ နိရုဇ္ဈတိ၊ တံ ဝုပသမ္ပတိတိ ပဇာနာတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဥပ္ပဒ္ဓိပါဠိကသုတ္တ

၅၁၀။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ သုခိန္ဒြိယံ သောမနဿိန္ဒြိယံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အပ္ပမတ္တဿ အာတာပိနော ပဟိတတ္တဿ ဝိဟရတော ဥပ္ပဇ္ဈတိ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ၊ သော ဧဝံ ပဇာနာတိ “ဥပ္ပန္နံ ခေါ မေ ဣဒံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ၊ တဉ္စ ခေါ သနိမိတ္တံ သနိဒါနံ သသင်္ခါရံ သပ္ပစ္စယံ၊ တဉ္စ အနိမိတ္တံ အနိဒါနံ အသင်္ခါရံ အပ္ပစ္စယံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ ဥပ္ပဇ္ဈိဿတိ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ သော ဒုက္ခိန္ဒြိယဉ္စ ပဇာနာတိ၊ ဒုက္ခိန္ဒြိယသမုဒယဉ္စ ပဇာနာတိ၊ ဒုက္ခိန္ဒြိယနိရောဓဉ္စ ပဇာနာတိ။ ယတ္ထ စုပ္ပန္နံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ၊ တဉ္စ ပဇာနာတိ။ ကတ္ထ စုပ္ပန္နံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဝိဝိဇ္ဇေဝ ကာမေဟိ ဝိဝိဇ္ဇ အကုသလေဟိ ဓမ္မေဟိ သဝိတက္ကံ သဝိစာရံ ဝိဝေကဇံ ဝီတိသုခံ ပဌမံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ၊ ဧတ္ထ စုပ္ပန္နံ ဒုက္ခိန္ဒြိယံ အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အညာသိ ဒုက္ခိန္ဒြိယဿ နိရောဓံ၊ တဒတ္ထာယ စိတ္တံ ဥပသံဟရတိ။

ဣဓ ပန ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အပ္ပမတ္တဿ အာတာပိနော ပဟိတတ္တဿ ဝိဟရတော ဥပ္ပဇ္ဈတိ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ၊ သော ဧဝံ ပဇာနာတိ “ဥပ္ပန္နံ ခေါ မေ ဣဒံ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ၊ တဉ္စ ခေါ သနိမိတ္တံ သနိဒါနံ သသင်္ခါရံ သပ္ပစ္စယံ၊ တဉ္စ အနိမိတ္တံ အနိဒါနံ အသင်္ခါရံ အပ္ပစ္စယံ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ ဥပ္ပဇ္ဈိဿတိ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ သော ဒေါမနဿိန္ဒြိယဉ္စ ပဇာနာတိ၊ ဒေါမနဿိန္ဒြိယသမုဒယဉ္စ ပဇာနာတိ၊ ဒေါမနဿိန္ဒြိယနိရောဓဉ္စ ပဇာနာတိ။ ယတ္ထ စုပ္ပန္နံ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ

အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ၊ တဉ္စ ပဇာနာတိ။ ကတ္ထ ဖုပ္ပန္နံ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဝိတက္ကဝိစာရာနံ ဝုပသမာ အဇ္ဈတ္တံ သမ္ပသာဒနံ စေတသော ဧကောဒိဘာဝံ အဝိတက္ကံ အဝိစာရံ သမာဓိဇံ ဝီတိသုခံ ဒုတိယံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ဧတ္ထ ဖုပ္ပန္နံ ဒေါမနဿိန္ဒြိယံ အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အညာသိ ဒေါမနဿိန္ဒြိယဿ နိရောဓံ၊ တဒတ္ထာယ စိတ္တံ ဥပသံဟရတိ။

ဣဓ ပန ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အပ္ပမတ္တဿ အာတာပိနော ပဟိတတ္တဿ ဝိဟရတော ဥပ္ပဇ္ဇတိ သုခိန္ဒြိယံ၊ သော ဧဝံ ပဇာနာတိ “ဥပ္ပန္နံ ခေါ မေ ဣဒံ သုခိန္ဒြိယံ၊ တဉ္စ ခေါ သနိမိတ္တံ သနိဒါနံ သသင်္ခါရံ သပ္ပစ္စယံ၊ တဉ္စ အနိမိတ္တံ အနိဒါနံ အသင်္ခါရံ အပ္ပစ္စယံ သုခိန္ဒြိယံ ဥပ္ပဇ္ဇိဿတိ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ သော သုခိန္ဒြိယဉ္စ ပဇာနာတိ သုခိန္ဒြိယသမုဒယဉ္စ ပဇာနာတိ၊ သုခိန္ဒြိယ- နိရောဓဉ္စ ပဇာနာတိ။ ယတ္ထ ဖုပ္ပန္နံ သုခိန္ဒြိယံ အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ၊ တဉ္စ ပဇာနာတိ။ ကတ္ထ ဖုပ္ပန္နံ သုခိန္ဒြိယံ အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဝီတိယာ စ ဝိရာဂါ ဥပေက္ခကော စ ဝိဟရတိ သတော စ သမ္ပဇာနော သုခဉ္စ ကာယေန ပဋိသံဝေဒေတိ။ ယံ တံ အရိယာ အာစိက္ခန္တိ “ဥပေက္ခကော သတိမာ သုခဝိဟာရီ”တိ၊ တတိယံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ဧတ္ထ ဖုပ္ပန္နံ သုခိန္ဒြိယံ အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အညာသိ သုခိန္ဒြိယဿ နိရောဓံ၊ တဒတ္ထာယ စိတ္တံ ဥပသံဟရတိ။

ဣဓ ပန ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အပ္ပမတ္တဿ အာတာပိနော ပဟိတတ္တဿ ဝိဟရတော ဥပ္ပဇ္ဇတိ သောမနဿိန္ဒြိယံ၊ သော ဧဝံ ပဇာနာတိ “ဥပ္ပန္နံ ခေါ မေ ဣဒံ သောမနဿိန္ဒြိယံ၊ တဉ္စ ခေါ သနိမိတ္တံ သနိဒါနံ သသင်္ခါရံ သပ္ပစ္စယံ၊ တဉ္စ အနိမိတ္တံ အနိဒါနံ အသင်္ခါရံ အပ္ပစ္စယံ သောမနဿိန္ဒြိယံ ဥပ္ပဇ္ဇိဿတိ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ သော သောမနဿိန္ဒြိယဉ္စ ပဇာနာတိ၊ သောမနဿိန္ဒြိယ- သမုဒယဉ္စ ပဇာနာတိ၊ သောမနဿိန္ဒြိယနိရောဓဉ္စ ပဇာနာတိ။ ယတ္ထ ဖုပ္ပန္နံ သောမနဿိန္ဒြိယံ အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ၊ တဉ္စ ပဇာနာတိ။ ကတ္ထ ဖုပ္ပန္နံ သောမနဿိန္ဒြိယံ အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ သုခဿ စ ပဟာနာ ဒုက္ခဿ စ ပဟာနာ ပုဗ္ဗေဝ သောမနဿဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာ အဒုက္ခမသုခံ ဥပေက္ခာသတိပါရိသုဒ္ဓိံ စတုတ္ထံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ ဧတ္ထ ဖုပ္ပန္နံ သောမနဿိန္ဒြိယံ အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ အညာသိ သောမနဿိန္ဒြိယဿ နိရောဓံ၊ တဒတ္ထာယ စိတ္တံ ဥပသံဟရတိ။

ဣဒေ ပန ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အပ္ပမတ္တဿ အာတာပိနော ပဟိတတ္တဿ  
ဝိဟရတော ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။ သော ဧဝံ ပဇာနာတိ “ဥပ္ပန္နံ ခေါ မေ  
ဣဒံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ။ တဉ္စ ခေါ သနိမိတ္တံ သနိဒါနံ သသင်္ခါရံ သပ္ပစ္စယံ။ တဉ္စ  
အနိမိတ္တံ အနိဒါနံ အသင်္ခါရံ အပ္ပစ္စယံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ ဥပ္ပဇ္ဇိဿတိ”တိ  
နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ သော ဥပေက္ခိန္ဒြိယဉ္စ ပဇာနာတိ။ ဥပေက္ခိန္ဒြိယသမုဒယဉ္စ  
ပဇာနာတိ။ ဥပေက္ခိန္ဒြိယနိရောဓဉ္စ ပဇာနာတိ။ ယတ္ထ စုပ္ပန္နံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ  
အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ။ တဉ္စ ပဇာနာတိ။ ကတ္ထ စုပ္ပန္နံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ အပရိသေသံ  
နိရုဇ္ဈတိ။ ဣဒေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သဗ္ဗသော နေဝသညာနာသညာယတနံ  
သမတိက္ကမ္မ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ။ ဧတ္ထ စုပ္ပန္နံ ဥပေက္ခိန္ဒြိယံ  
အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈတိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အညာသိ ဥပေက္ခိန္ဒြိယဿ  
နိရောဓံ။ တဒတ္ထာယ စိတ္တံ ဥပသံဟရတိတိ။ ။ဒသမံ။

သုခိန္ဒြိယဝဂ္ဂေါ စတုတ္ထော။

### တသုဒ္ဓါနံ

သုဒ္ဓိကဉ္စ သောတော အရဟာ၊ ဒုဝေ သမဏဗြာဟ္မဏာ။  
ဝိဘဏေန တယော ဝုတ္တာ၊ ကဋ္ဌော ဥပ္ပုပ္ပါဒိကန္တိ။

### ၅-ဇရာဝဂ္ဂ

#### ၁-ဇရာဓမ္မသုတ္တ

၅၁၁။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ  
ပုဗ္ဗာရာမေ မိဂါရမာတုပါသာဒေ။ တေန ခေါ ပန သမယေန ဘဂဝါ  
သာယန္တသမယံ ပဋိသလ္လာနာ ဝုဠိတော ပစ္ဆာတပေ နိသိန္ဓော ဟောတိ ပိဋ္ဌံ  
ဩတာပယမာနော။

အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဘဂဝတော ဂတ္တာနိ ပါဏိနာ  
အနောမဇ္ဇန္တော ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ “အတ္တရိယံ ဘန္တေ၊ အတ္တုတံ ဘန္တေ၊  
န ဧဝံ ဒါနိ ဘန္တေ ဘဂဝတော တာဝ ပရိသုဉ္ဇေါ ဆဝိဝဏ္ဏော ပရိယော-  
ဒါတော၊ သိထိလာနိ စ ဂတ္တာနိ သဗ္ဗာနိ ဝလိယဇာတာနိ၊ ပုရတော

ပဗ္ဗာရော စ ကာယော၊ ဒိဿတိ စ ဣန္ဒြိယာနံ အညထတ္တံ စက္ခုန္ဒြိယဿ  
သောတိန္ဒြိယဿ ဃာနိန္ဒြိယဿ ဇိဝိန္ဒြိယဿ ကာယိန္ဒြိယဿာ”တိ။

ဧဝံ ဟေတံ အာနန္ဒ ဟောတိ ဇရာဓမ္မော ယောဗ္ဗညေ၊ ဗျာဓိဓမ္မော  
အာရောဂျေ၊ မရဏဓမ္မော ဇီဝိတေ၊ န စေဝ တာဝ ပရိသုဒ္ဓေါ ဟောတိ  
ဆဝိဝဏ္ဏော ပရိယောဒါတော၊ သိထိလာနိ စ ဟောန္တိ ဂတ္တာနိ သဗ္ဗာနိ  
ဝလိယဇာတာနိ၊ ပုရတော ပဗ္ဗာရော စ ကာယော၊ ဒိဿတိ စ ဣန္ဒြိယာနံ  
အညထတ္တံ စက္ခုန္ဒြိယဿ သောတိန္ဒြိယဿ ဃာနိန္ဒြိယဿ ဇိဝိန္ဒြိယဿ  
ကာယိန္ဒြိယဿာတိ။

ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ၊ ဣဒံ ဝတွာ စ သုဂတော အထာပရံ ဧတဒဝေါစ  
သတ္တာ—

“မိ တံ ဇဗ္ဗိ ဇရေ အတ္ထ၊ ဒုဗ္ဗဏ္ဏကရဏီ ဇရေ။  
တာဝ မနောရမံ ဗိမ္ဗု၊ ဇရာယ အဘိမဒ္ဓိတံ။  
ယောဝိ ဝဿသတံ ဇီဝေ၊ သောဝိ မစ္စုပရာယဏော”။  
န ကိဉ္စိ ပရိဝဇ္ဇေတိ၊ သဗ္ဗမေဝါဘိမဒ္ဓတိ”တိ။

ပဌမံ။

## ၂-ဥက္ကာဘမြာဟူဏသုတ္တ

၅၁၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ ဥက္ကာဘော မြာဟူဏော ယေန ဘဂဝါ  
တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝတာ သဒ္ဓိံ သမ္မောဒိ၊ သမ္မောဒနီယံ  
ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္ဒော ခေါ  
ဥက္ကာဘော မြာဟူဏော ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ—

ပဉ္စမာနိ ဘော ဂေါတမ ဣန္ဒြိယာနိ နာနာဝိသယာနိ နာနာဂေါစရာနိ န  
အညမညဿ ဂေါစရဝိသယံ ပစ္စနဘောန္တိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ စက္ခုန္ဒြိယံ  
သောတိန္ဒြိယံ ဃာနိန္ဒြိယံ ဇိဝိန္ဒြိယံ ကာယိန္ဒြိယံ။ ဣမေသံ န ခေါ ဘော ဂေါတမ  
ပဉ္စန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ နာနာဝိသယာနံ နာနာဂေါစရာနံ န အညမညဿ ဂေါစရ-  
ဝိသယံ ပစ္စနဘောန္တာနံ ကိံ ပဋိသရဏံ၊ ကော စ နေသံ ဂေါစရဝိသယံ  
ပစ္စနဘောတိတိ။

ပဉ္စမာနိ မြာဟူဏ ဣန္ဒြိယာနိ နာနာဝိသယာနိ နာနာဂေါစရာနိ န  
အညမညဿ ဂေါစရဝိသယံ ပစ္စနဘောန္တိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ စက္ခုန္ဒြိယံ

သောတိန္ဒြိယံ ဃာနိန္ဒြိယံ ဇိဝိန္ဒြိယံ ကာယိန္ဒြိယံ။ ဣမေသံ ခေါ ဗြာဟ္မဏ ပဉ္စန္ဒြိယာနံ နာနာဝိသယာနံ နာနာဂေါစရာနံ န အညမညဿ ဂေါစရဝိသယံ ပစ္စနဘောန္တာနံ မနော ပဋိသရဏံ၊ မနောဝ နေသံ ဂေါစရဝိသယံ ပစ္စနဘောတိတိ။

မနဿ ပန ဘော ဂေါတမ ကိံ ပဋိသရဏန္တိ၊ မနဿ ခေါ ဗြာဟ္မဏ သတိ ပဋိသရဏန္တိ။ သတိယာ ပန ဘော ဂေါတမ ကိံ ပဋိသရဏန္တိ၊ သတိယာ ခေါ ဗြာဟ္မဏ ဝိမုတ္တိ ပဋိသရဏန္တိ။ ဝိမုတ္တိယာ ပန ဘော ဂေါတမ ကိံ ပဋိသရဏန္တိ၊ ဝိမုတ္တိယာ ခေါ ဗြာဟ္မဏ နိဗ္ဗာနံ ပဋိသရဏန္တိ။ နိဗ္ဗာနဿ ပန ဘော ဂေါတမ ကိံ ပဋိသရဏန္တိ၊ အစ္စယာသိံ ဗြာဟ္မဏ ပဉ္စ နာသက္ခိ ပဉ္စဿ ပရိယန္တံ ဂဟေတုံ၊ နိဗ္ဗာနောဂဓံ ဟိ ဗြာဟ္မဏ ဗြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ နိဗ္ဗာနပရာယဏံ နိဗ္ဗာနပရိယောသာနန္တိ။

အထ ခေါ ဥဏ္ဍာဘော ဗြာဟ္မဏော ဘဂဝတော ဘာသိတံ အဘိနန္ဒိတွာ အနုမောဒိတွာ ဥဋ္ဌာယာသနာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ပဒက္ခိဏံ ကတွာ ပက္ကာမိ။

အထ ခေါ ဘဂဝါ အစိရပက္ကန္တေ ဥဏ္ဍာဘော ဗြာဟ္မဏေ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ “သေယျထာပိ ဘိက္ခုဝေ ကုဋ္ဌာဂါရေ ဝါ ကုဋ္ဌာဂါရသာလာယံ ဝါ၊ ပါစိနဝါတပါနာ သူရိယေ ဥဂ္ဂစ္ဆန္တေ ဝါတပါနေန ရသ္မိံ” ပဝိသိတွာ ကွာဿ၊ ပတိဋ္ဌိတာ”တိ။ ပစ္ဆိမာယံ ဘန္တေ ဘိတ္တိယန္တိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခုဝေ ဥဏ္ဍာဘဿ ဗြာဟ္မဏဿ တထာဂတေ သဒ္ဓါ နိဝိဋ္ဌာ၊ မူလဇာတာ ပတိဋ္ဌိတာ၊ ဒဋ္ဌာ အသံဟာရိယာ သမဏေန ဝါ ဗြာဟ္မဏေန ဝါ ဒေဝေန ဝါ မာရေန ဝါ ဗြဟ္မာနာ ဝါ ကေနစိ ဝါ လောကသ္မိံ။ ဣမမ္ပိ စေ ဘိက္ခုဝေ သမယေ ဥဏ္ဍာဘော ဗြာဟ္မဏော ကာလံ ကရေယျ၊ နတ္ထိ တံ သံယောဇနံ၊ ယေန သံယောဇနေန သံယုတ္တော ဥဏ္ဍာဘော ဗြာဟ္မဏော ပုန ဣမံ လောကံ အာဂစ္ဆေယျာတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-သာကေတသုတ္တ

၅၁၃။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သာကေတေ ဝိဟရတိ အဉ္စနဝနေ မိဂဒါယေ။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ “အတ္ထိ န ခေါ

၁-အစ္စသရာ (သီ၊ သျာ၊ ကံ)၊ အဇ္ဈပရံ (ဣ၊ က)

၃-ရသ္မိယော (သျာ၊ က)

၂-ကုဋ္ဌာဂါရံ ဝါ ကုဋ္ဌာဂါရသာလံ ဝါ ဥက္ကရာယ (က-သိ)

၄-ကာယ (သျာ၊ က)

ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ ယာနိ ပဉ္စန္ဒြိယာနိ၊ တာနိ ပဉ္စ ဗလာနိ ဟောန္တိ။ ယာနိ ပဉ္စ ဗလာနိ၊ တာနိ ပဉ္စန္ဒြိယာနိ ဟောန္တိ”တိ။

ဘဂဝံမူလကာ နော ဘန္တေ ဓမ္မာ ဘဂဝံနေတ္တိကာ ဘဂဝံပဋိသရဏာ၊ သာဓု ဝတ ဘန္တေ၊ ဘဂဝန္တံယေဝ ပဋိဘာတု ဧတဿ ဘာသိတဿ အတ္ထော၊ ဘဂဝတော သုတွာ ဘိက္ခု။ ဓာရေဿန္တိတိ။ပ။ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ ယာနိ ပဉ္စန္ဒြိယာနိ၊ တာနိ ပဉ္စ ဗလာနိ၊ ဟောန္တိ။ ယာနိ ပဉ္စ ဗလာနိ၊ တာနိ ပဉ္စန္ဒြိယာနိ ဟောန္တိ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ ယာနိ ပဉ္စန္ဒြိယာနိ၊ တာနိ ပဉ္စ ဗလာနိ ဟောန္တိ။ ယာနိ ပဉ္စ ဗလာနိ၊ တာနိ ပဉ္စန္ဒြိယာနိ ဟောန္တိ။ ယံ ဘိက္ခဝေ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ၊ တံ သဒ္ဓါဗလံ၊ ယံ သဒ္ဓါဗလံ၊ တံ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ၊ ယံ ဝီရိယိန္ဒြိယံ၊ တံ ဝီရိယဗလံ၊ ယံ ဝီရိယဗလံ၊ တံ ဝီရိယိန္ဒြိယံ၊ ယံ သတိန္ဒြိယံ၊ တံ သတိဗလံ၊ ယံ သတိဗလံ၊ တံ သတိန္ဒြိယံ၊ ယံ သမာဓိန္ဒြိယံ၊ တံ သမာဓိဗလံ၊ ယံ သမာဓိဗလံ၊ တံ သမာဓိန္ဒြိယံ၊ ယံ ပညိန္ဒြိယံ၊ တံ ပညာဗလံ၊ ယံ ပညာဗလံ၊ တံ ပညိန္ဒြိယံ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ နဒိ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဗ္ဗာရာ၊ တဿ မဇ္ဈေ ဒီပေါ၊ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ တဿာ နဒိယာ ဧကော သောတောတွေဝ သင်္ချိ<sup>၁</sup> ဂစ္ဆတိ၊ အတ္ထိ ပန ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ တဿာ နဒိယာ ဒွေ သောတာနိတွေဝ သင်္ချိ<sup>၁</sup> ဂစ္ဆတိ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ တဿာ နဒိယာ ဧကော သောတောတွေဝ သင်္ချိ<sup>၁</sup> ဂစ္ဆတိ။ ယဉ္စ ဘိက္ခဝေ တဿ ဒီပဿ ပုရိမန္တေ<sup>၂</sup> ဥဒကံ၊ ယဉ္စ ပုရိမန္တေ ဥဒကံ၊ အယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ တဿာ နဒိယာ ဧကော သောတောတွေဝ သင်္ချိ<sup>၁</sup> ဂစ္ဆတိ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ တဿာ နဒိယာ ဒွေ သောတာနိတွေဝ သင်္ချိ<sup>၁</sup> ဂစ္ဆန္တိ။ ယဉ္စ ဘိက္ခဝေ တဿ ဒီပဿ ဥတ္တရန္တေ ဥဒကံ၊ ယဉ္စ ဒက္ခိဏန္တေ ဥဒကံ၊ အယံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ တဿာ နဒိယာ ဒွေ သောတာနိတွေဝ သင်္ချိ<sup>၁</sup> ဂစ္ဆန္တိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယံ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ၊ တံ သဒ္ဓါဗလံ၊ ယံ သဒ္ဓါဗလံ၊ တံ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ၊ ယံ ဝီရိယိန္ဒြိယံ၊ တံ ဝီရိယဗလံ၊ ယံ ဝီရိယဗလံ၊ တံ ဝီရိယိန္ဒြိယံ၊ ယံ သတိန္ဒြိယံ၊ တံ

၁-သင်္ချိ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)

၂-ပုရိမန္တေ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)

သတိဗလံ၊ ယံ သတိဗလံ၊ တံ သတိဇ္ဈိယံ၊ ယံ သမာဓိဇ္ဈိယံ၊ တံ သမာဓိဗလံ၊ ယံ သမာဓိဗလံ၊ တံ သမာဓိဇ္ဈိယံ၊ ယံ ပညိဇ္ဈိယံ၊ တံ ပညာဗလံ၊ ယံ ပညာဗလံ၊ တံ ပညိဇ္ဈိယံ။ ပဉ္စန္ဒ ဘိက္ခဝေ ဇုနိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဘိက္ခု အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သမ္ဘိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ပုဗ္ဗကောဋ္ဌကသုတ္တ

၅၁၄။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ ပုဗ္ဗကောဋ္ဌကေ။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ အာယသ္မန္တံ သာရိပုတ္တံ အာမန္တေသိ “သဒ္ဓဟသိ” တံ သာရိပုတ္တ သဒ္ဓိဇ္ဈိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနံ။ ပ။ ပညိဇ္ဈိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနံ”န္တိ။

န ခွါဟံ ဧတ္ထ ဘန္တေ ဘဂဝတော သဒ္ဓါယ ဂစ္ဆာမိ သဒ္ဓိဇ္ဈိယံ။ ပ။ ပညိဇ္ဈိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနံ။ ယေသံ ဟေတံ ဘန္တေ အညာတံ အဿ အဒိဋ္ဌံ အဝိဒိတံ အသမ္ဘိကတံ အဇဿိတံ<sup>၂</sup> ပညာယ၊ တေ တတ္ထ ပရေသံ သဒ္ဓါယ ဂစ္ဆေယျ။ သဒ္ဓိဇ္ဈိယံ။ ပ။ ပညိဇ္ဈိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနံ။ ယေသဉ္စ ခေါ ဧတံ ဘန္တေ ဉာတံ ဒိဋ္ဌံ ဝိဒိတံ သမ္ဘိကတံ ဇဿိတံ ပညာယ၊ နိက္ကန္တိ တေ တတ္ထ နိဗ္ဗိကိန္နော သဒ္ဓိဇ္ဈိယံ။ ပ။ ပညိဇ္ဈိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနံ။ မယုဉ္စ ခေါ ဧတံ ဘန္တေ ဉာတံ ဒိဋ္ဌံ ဝိဒိတံ သမ္ဘိကတံ ဇဿိတံ ပညာယ၊ နိက္ကန္တိဟံ တတ္ထ နိဗ္ဗိကိန္နော သဒ္ဓိဇ္ဈိယံ။ ပ။ ပညိဇ္ဈိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနန္တိ။

သာဓု သာဓု သာရိပုတ္တ၊ ယေသံ ဟေတံ သာရိပုတ္တ အညာတံ အဿ အဒိဋ္ဌံ အဝိဒိတံ အသမ္ဘိကတံ အဇဿိတံ ပညာယ၊ တေ တတ္ထ ပရေသံ သဒ္ဓါယ ဂစ္ဆေယျ။ သဒ္ဓိဇ္ဈိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနံ။ ပ။ ပညိဇ္ဈိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနံ။ ယေသဉ္စ ခေါ ဧတံ သာရိပုတ္တ ဉာတံ ဒိဋ္ဌံ ဝိဒိတံ သမ္ဘိကတံ ဇဿိတံ ပညာယ၊ နိက္ကန္တိ တေ တတ္ထ



နိဗ္ဗိကိစ္ဆာ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနံ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနန္တိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ပဌမပုဗ္ဗာရာမသုတ္တ

၅၁၅။ ဧဝံမေသုတံ—ဧကံသမယံ ဘဂဝါသာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ ပုဗ္ဗာရာမေ မိဂါရမာတုပါသာဒေ။ တဏှ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ “ကတိနံ န ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဒိဏာသဝေါ ဘိက္ခု။ အညံ ဗျာကရေတိ ‘ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမိ’တိ”။

ဘဂဝံမူလကာ နော ဘန္တေ ဓမ္မာ။ပ။ ဧကဿ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယဿ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဒိဏာသဝေါ ဘိက္ခု။ အညံ ဗျာကရေတိ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမိ”တိ။ ကတမဿ ဧကဿ၊ ပညိန္ဒြိယဿ။ ပညဝတော ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ တဒန္တယာ သဒ္ဓါ သဏ္ဍာတိ၊ တဒန္တယံ ဝီရိယံ သဏ္ဍာတိ၊ တဒန္တယာ သတိ သဏ္ဍာတိ၊ တဒန္တယော သမာဓိ သဏ္ဍာတိ။ ဣမဿ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဧကဿ ဣန္ဒြိယဿ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဒိဏာသဝေါ ဘိက္ခု။ အညံ ဗျာကရေတိ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမိ”တိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ဒုတိယပုဗ္ဗာရာမသုတ္တ

၅၁၆။ တံယေဝ နိဒါနံ။ ကတိနံ န ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဒိဏာသဝေါ ဘိက္ခု။ အညံ ဗျာကရေတိ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမိ”တိ။ ဘဂဝံမူလကာ နော ဘန္တေ ဓမ္မာ။ပ။ ဦး၌ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဒိဏာသဝေါ ဘိက္ခု။ အညံ ဗျာကရေတိ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမိ”တိ။ ကတမေသံ ဦး၌၊ အရိယာယ စ ပညာယ အရိယာယ စ ဝိမုတ္တိယာ။ ယာ ဟိဿ ဘိက္ခဝေ အရိယာ ပညာ၊ တဒဿ ပညိန္ဒြိယံ။ ယာ ဟိဿ ဘိက္ခဝေ အရိယာ ဝိမုတ္တိ၊ တဒဿ သမာဓိန္ဒြိယံ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဦး၌ ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဒိဏာသဝေါ ဘိက္ခု။ အညံ ဗျာကရေတိ “ဒိဏာ ဇာတိ၊

ဝုသိတံ ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမီ”တိ။ ။ ဆဋ္ဌံ။

### ၇-တတိယပုဗ္ဗာရာမသုတ္တ

၅၁၇။ တံယေဝ နိဒါနံ။ ကတိနံ န ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ခီဏာသဝေါ ဘိက္ခု အညံ ဗျာကရေတိ “ခီဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမီ”တိ။ ဘဂဝံ-  
မူလကာ နော ဘန္တေ ဓမ္မာ။ ပ။ စတုနံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ခီဏာသဝေါ ဘိက္ခု အညံ ဗျာကရေတိ “ခီဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမီ”တိ။ ကတမေသံ စတုနံ၊ ဝိရိယိန္ဒြိယဿ သတိန္ဒြိယဿ သမာဓိန္ဒြိယဿ ပညိန္ဒြိယဿ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုနံ ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ခီဏာသဝေါ ဘိက္ခု အညံ ဗျာကရေတိ “ခီဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမီ”တိ။ ။ သတ္တမံ။

### ၈-စတုတ္ထပုဗ္ဗာရာမသုတ္တ

၅၁၈။ တံယေဝ နိဒါနံ။ ကတိနံ န ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ခီဏာသဝေါ ဘိက္ခု အညံ ဗျာကရေတိ “ခီဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမီ”တိ။ ဘဂဝံမူလကာ နော ဘန္တေ ဓမ္မာ။ ပ။ ပဉ္စနံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိ-  
တတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ခီဏာသဝေါ ဘိက္ခု အညံ ဗျာကရေတိ “ခီဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမီ”တိ။ ကတမေသံ ပဉ္စနံ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယဿ ဝိရိယိန္ဒြိယဿ သတိန္ဒြိယဿ သမာဓိန္ဒြိယဿ ပညိန္ဒြိယဿ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စနံ ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိ-  
ကတတ္တာ ခီဏာသဝေါ ဘိက္ခု အညံ ဗျာကရေတိ “ခီဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမီ”တိ။ ။ အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဝိဇ္ဇောလဘာရဒ္ဒါဇသုတ္တ

၅၁၉။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ကောသမ္ဘိယံ ဝိဟရတိ ဘောသိတာရာမေ။ တေန ခေါ ပန သမယေန အာယသ္မတာ ဝိဇ္ဇောလဘာရ-  
ဒ္ဒါဇေန အညာ ဗျာကတာ ဟောတိ “ခီဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ ဗြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ

ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမီ”တိ။ အထ ခေါ သမ္ပဟုလာ ဘိက္ခု။  
ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိံသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ  
ဧကမန္တံ နိသိဒ္ဓိံသု၊ ဧကမန္တံ နိသိန္ဒာ ခေါတေ ဘိက္ခု။ ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစုံ—

အာယသ္မတာ ဘန္တေ ပိဏ္ဍောလဘာရဒွါဇေန အညာ ဗျာကတာ “ဒိဏာ  
ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ  
ပဇာနာမီ”တိ။ ကိံ န ခေါ ဘန္တေ အတ္ထဝသံ သမ္ပဿမာနေန အာယသ္မတာ  
ပိဏ္ဍောလဘာရဒွါဇေန အညာ ဗျာကတာ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊  
ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမီ”တိ။

တိဏ္ဍန္တံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ပိဏ္ဍောလ-  
ဘာရဒွါဇေန ဘိက္ခုနာ အညာ ဗျာကတာ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊  
ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမီ”တိ။ ကတမေသံ တိဏ္ဍန္တံ၊  
သတိန္ဒြိယဿ သမာဓိန္ဒြိယဿ ပညိန္ဒြိယဿ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဏ္ဍန္တံ  
ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ပိဏ္ဍောလဘာရဒွါဇေန ဘိက္ခုနာ  
အညာ ဗျာကတာ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ  
ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမီ”တိ။ ဣမာနိ စ ဘိက္ခဝေ တိဏ္ဍိန္ဒြိယာနိ ကိမန္တာနိ၊  
ဓယန္တာနိ။ ကိဿ ဓယန္တာနိ၊ ဇာတိဇရာမရဏဿ၊ “ဇာတိဇရာမရဏံ ဓယ”န္တိ  
ခေါ ဘိက္ခဝေ သမ္ပဿမာနေန ပိဏ္ဍောလဘာရဒွါဇေန ဘိက္ခုနာ အညာ  
ဗျာကတာ “ဒိဏာ ဇာတိ၊ ဝုသိတံ မြဟ္မစရိယံ၊ ကတံ ကရဏီယံ၊ နာပရံ  
ဣတ္ထတ္တာယာတိ ပဇာနာမီ”တိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-အာပဏသုတ္တ

၅၂၀။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ အင်္ဂေသု ဝိဟရတိ အာပဏံ  
နာမ အင်္ဂါနံ နိဂမော။ တဤ ခေါ ဘဂဝါ အာယသ္မန္တံ သာရိပုတ္တံ  
အာမန္တေသိ “ယော သော သာရိပုတ္တ အရိယသာဝကော တထ္ထာဂတေ  
ဧကန္တဂတော” အဘိပ္ပသန္တော၊ န သော တထ္ထာဂတေ ဝါ တထ္ထာဂတသာသနေ  
ဝါ ကင်္ခေယျ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆေယျ ဝါ”တိ။

ယော သော ဘန္တေ အရိယသာဝကော တထ္ထာဂတေ ဧကန္တဂတော  
အဘိပ္ပသန္တော၊ န သော တထ္ထာဂတေ ဝါ တထ္ထာဂတသာသနေ ဝါ ကင်္ခေယျ  
ဝါ ဝိစိကိစ္ဆေယျ ဝါ။ သဒ္ဓဿ ဟိ ဘန္တေ အရိယသာဝကဿ ဧတံ ပါဠိကင်္ခံ

ယံ အာရဒ္ဓဝီရိယော ဝိဟရိဿတိ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ပဟာနာယ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဥပသမ္ပဒါယ ထာမဝါ ဒဠ္ဗပရက္ကမော အနိက္ခိတ္တရုရော ကုသလေသု ဓမ္မေသု။ ယံ ဟိဿ ဘန္တေ ဝီရိယံ၊ တဒဿ ဝီရိယိန္ဒြိယံ။

သဒ္ဓဿ ဟိ ဘန္တေ အရိယသာဝကဿ အာရဒ္ဓဝီရိယဿ ဧတံ ပါဠိကံ<sup>၁</sup> ယံ သတိမာ ဘဝိဿတိ ပရမေန သတိနေပက္ကေန သမန္နာဂတော စိရကတဗ္ဗိ စိရဘာသိတဗ္ဗိ သရိတာ အနုဿရိတာ။ ယာ ဟိဿ ဘန္တေ သတိ၊ တဒဿ သတိန္ဒြိယံ။

သဒ္ဓဿ ဟိ ဘန္တေ အရိယသာဝကဿ အာရဒ္ဓဝီရိယဿ ဥပဋ္ဌိတဿတိနော ဧတံ ပါဠိကံ<sup>၂</sup> ယံ ဝေါဿဂ္ဂါရမ္မဏံ ကရိတွာ လဘိဿတိ သမာဓိ<sup>၃</sup>၊ လဘိဿတိ စိတ္တဿ ဧကဂ္ဂတံ။ ယော ဟိဿ ဘန္တေ သမာဓိ၊ တဒဿ သမာဓိန္ဒြိယံ။

သဒ္ဓဿ ဟိ ဘန္တေ အရိယသာဝကဿ အာရဒ္ဓဝီရိယဿ ဥပဋ္ဌိတဿတိနော သမာဟိတစိတ္တဿ ဧတံ ပါဠိကံ<sup>၄</sup> ယံ ဧဝံ ပဇာနိဿတိ “အနမတဂ္ဂေါ ခေါ သံသာရော၊ ပုဗ္ဗကောဋိ န ပညာယတိ အဝိဇ္ဇာနိဝရဏာနံ သတ္တာနံ တဏှာသံယောဇနာနံ သန္တာဝတံ သံသရတံ၊ အဝိဇ္ဇာယ တွေဝ တမော-ကာယဿ အသေသဝိရာဂနိရောဓော သန္တမေတံ ပဒံ၊ ပဏီတမေတံ ပဒံ၊ ယဒိဒံ သဗ္ဗသင်္ခါရသမထော သဗ္ဗပုပ္ဖိပဋိနိဿဂ္ဂေါ တဏှာက္ခယော ဝိရာဂေါ နိရောဓော နိဗ္ဗာနံ”<sup>၅</sup>။ ယာ ဟိဿ ဘန္တေ ပညာ၊ တဒဿ ပညိန္ဒြိယံ။

သဒ္ဓေါ သော<sup>၁</sup> ဘန္တေ အရိယသာဝကော ဧဝံ ပဒဟိတွာ ပဒဟိတွာ ဧဝံ သရိတွာ သရိတွာ ဧဝံ သမာဒဟိတွာ သမာဒဟိတွာ ဧဝံ ပဇာနိတွာ ပဇာနိတွာ ဧဝံ အဘိသဒ္ဓဟတိ “ဣမေ ခေါ တေ ဓမ္မာ၊ ယေ မေ ပုဗ္ဗေ သုတဝါ အဟေသုံ၊ တေနာဟံ တေရဟိ ကာယေန စ ဖုဿိတွာ ဝိဟရာမိ၊ ပညာယ စ အတိဝိဇ္ဇာ<sup>၂</sup> ပဿာမိ”<sup>၃</sup>တိ။ ယာ ဟိဿ ဘန္တေ သဒ္ဓါ၊ တဒဿ သဒ္ဓိန္ဒြိယန္တိ။

သာရ သာရ သာရိပုတ္တ၊ ယော သော သာရိပုတ္တ အရိယသာဝကော တထာဂတေ ဧကန္တဂတော အဘိပ္ပသန္နော၊ န သော တထာဂတေ ဝါ တထာဂတသာသနေ ဝါ ကင်္ခေယျ ဝါ ဝိစိကိစ္ဆေယျ ဝါ။ သဒ္ဓဿ ဟိ သာရိပုတ္တ အရိယသာဝကဿ ဧတံ ပါဠိကံ<sup>၄</sup> ယံ အာရဒ္ဓဝီရိယော ဝိဟရိဿတိ

၁-နိဗ္ဗာနန္တိ (?)

၂-သ ခေါ သော (သီ၊ သျှ၊ ကံ)

၃-ပဋိဝိဇ္ဇာ (သီ၊ က) တဒဠကထာသု ပန အတိဝိဇ္ဇိတွာတိ ဝဏ္ဏိတံ။

အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ပဟာနာယ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဥပသမ္ပဒါယ ထာမဝါ  
ဒဠပရက္ကမော အနိက္ခိတ္တဓုရော ကုသလေသု ဓမ္မေသု။ ယံ ဟိဿ သာရိပုတ္တ ဝီရိယံ၊  
တဒဿ ဝီရိယိန္ဒြိယံ။

သဒ္ဓဿ ဟိ သာရိပုတ္တ အရိယသာဝကဿ အာရဒ္ဓဝီရိယဿ ဧတံ  
ပါဠိကံ<sup>၁</sup> ယံ သတိမာ ဘဝိဿတိ ပရမေန သတိနေပက္ကေန သမန္တာဂတော  
စိရကတမ္ပိ စိရဘာသိတမ္ပိ သရိတာ အနုဿရိတာ။ ယာ ဟိဿ သာရိပုတ္တ သတိ၊  
တဒဿ သတိန္ဒြိယံ။

သဒ္ဓဿ ဟိ သာရိပုတ္တ အရိယသာဝကဿ အာရဒ္ဓဝီရိယဿ ဥပဋ္ဌိ-  
တဿတိနော ဧတံ ပါဠိကံ<sup>၁</sup> ယံ ဝေါဿဂ္ဂါရမ္မဏံ ကရိတွာ လဘိဿတိ  
သမာဓိ<sup>၂</sup>၊ လဘိဿတိ စိတ္တဿ ဧကဂ္ဂတံ။ ယော ဟိဿ သာရိပုတ္တ သမာဓိ၊  
တဒဿ သမာဓိန္ဒြိယံ။

သဒ္ဓဿ ဟိ သာရိပုတ္တ အရိယသာဝကဿ အာရဒ္ဓဝီရိယဿ ဥပဋ္ဌိ-  
တဿတိနော သမာဟိတစိတ္တဿ ဧတံ ပါဠိကံ<sup>၁</sup> ယံ ဧဝံ ပဇာနိဿတိ  
“အနမတဂ္ဂေါ ခေါ သံသာရော၊ ပုဗ္ဗကောဋ် န ပညာယတိ အဝိဇ္ဇာနိဝရဏာနံ  
သတ္တာနံ တဏှာသံယောဇနာနံ သန္တာဝတံ သံသရတံ၊ အဝိဇ္ဇာယ တွေဝ  
တမောကာယဿ အသေသဝိရာဂနိရောဓော သန္တမေတံ ပဒံ၊ ပဏီတမေတံ  
ပဒံ၊ ယဒိဒံ သဗ္ဗသင်္ခါရသမထော သဗ္ဗပဓိပဋိနိဿဂ္ဂေါ တဏှာက္ခယော ဝိရာဂေါ  
နိရောဓော နိဗ္ဗာနံ”။ ယာ ဟိဿ သာရိပုတ္တ ပညာ၊ တဒဿ ပညိန္ဒြိယံ။

သဒ္ဓေါ သော<sup>၁</sup> သာရိပုတ္တ အရိယသာဝကော ဧဝံ ပဒဟိတွာ ပဒဟိတွာ ဧဝံ  
သရိတွာ သရိတွာ ဧဝံ သမာဒဟိတွာ သမာဒဟိတွာ ဧဝံ ပဇာနိတွာ ပဇာနိတွာ  
ဧဝံ အဘိသဒ္ဓဟတိ “ဣမေ ခေါ တေ ဓမ္မာ၊ ယေ မေ ပုဗ္ဗေ သုတဝါ အဟေသုံ၊  
တေနာဟံ ဧတရဟိ ကာယေန စ ဖုသိတွာ ဝိဟရာမိ၊ ပညာယ စ အတိဝိဇ္ဇာ<sup>၂</sup>  
ပဿာမီ”တိ။ ယာ ဟိဿ သာရိပုတ္တ သဒ္ဓါ၊ တဒဿ သဒ္ဓိန္ဒြိယန္တိ။ ။ဒသမံ။

ဇရာဝဂ္ဂေါ ပဉ္စမော။

### တသုဒ္ဓါနံ

ဇရာ ဥဏှာဘော မြာဟ္မဏော၊ သာကေတော ပုဗ္ဗကောဋ္ဌကော။  
ပုဗ္ဗာရာမေ စ စတ္တာရိ၊ ပိဏ္ဏောလော အာပဏေန စာတိ<sup>၃</sup>။

၁-သ ခေါ သော (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)

၂-ပဋိဝိဇ္ဇာ (က-သီ၊ က)

၃-သဒ္ဓေန တေ ဒဿတိ (သျှာ၊ ကံ၊ က)

## ၆-သုကရဓတဝဂ္ဂ

## ၁-သာလသုတ္တ

၅၂၁။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ကောသလေသု ဝိဟရတိ သာလာယ မြာဟ္မဏဂါမေ။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ—သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ တိရစ္ဆာနဂတာ ပါဏာ၊ သီဟော မိဂရာဇာ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ထာမေန ဇဝေန သူရေန ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ ပညိန္ဒြိယံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယ။

ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘိက္ခဝေ ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ ဝီရိယိန္ဒြိယံ ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ သတိန္ဒြိယံ ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ သမာဓိန္ဒြိယံ ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ ပညိန္ဒြိယံ ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ တိရစ္ဆာနဂတာ ပါဏာ၊ သီဟော မိဂရာဇာ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ထာမေန ဇဝေန သူရေန။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ ပညိန္ဒြိယံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယာတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-မဇ္ဈိကသုတ္တ

၅၂၂။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ မလ္လေသု၊ ဝိဟရတိ ဥရုဝေလကပ္ပံ နာမ မလ္လာနံ နိဂမော။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ—ယာဝကီဝဉ္စ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ အရိယဉာဏံ န ဥပ္ပန္နံ ဟောတိ၊ နေဝ တာဝ စတုန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ သဏ္ဍိတိ ဟောတိ၊ နေဝ တာဝ စတုန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ အဝဋ္ဌိတိ ဟောတိ။ ယတော စ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ အရိယဉာဏံ ဥပ္ပန္နံ ဟောတိ၊ အထ စတုန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ သဏ္ဍိတိ ဟောတိ၊ အထ စတုန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ အဝဋ္ဌိတိ ဟောတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာဝကီဝဉ္စ ကုဋ္ဌာဂါရဿ ကုဋံ န ဥဿိတံ ဟောတိ၊ နေဝ တာဝ ဂေါပါနသီနံ သဏ္ဍိတိ ဟောတိ၊ နေဝ တာဝ ဂေါပါနသီနံ အဝဋ္ဌိတိ ဟောတိ။ ယတော စ ခေါ ဘိက္ခဝေ ကုဋ္ဌာဂါရဿ ကုဋံ

ဥဿိတံ ဟောတိ၊ အထ ဂေါပါနသီနံ သဏ္ဌိတိ ဟောတိ၊ အထ ဂေါပါနသီနံ အဝဠိတိ ဟောတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယာဝကီဝဉ္စ အရိယသာဝကဿ အရိယဉာဏံ န ဥပ္ပန္နံ ဟောတိ၊ နေဝ တာဝ စတုန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ သဏ္ဌိတိ ဟောတိ၊ နေဝ တာဝ စတုန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ အဝဠိတိ ဟောတိ။ ယတော စ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ အရိယဉာဏံ ဥပ္ပန္နံ ဟောတိ၊ အထ စတုန္တံ ဣန္ဒြိယာနံ။ပ။ အဝဠိတိ ဟောတိ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယဿ ဝီရိယိန္ဒြိယဿ သတိန္ဒြိယဿ သမာဓိန္ဒြိယဿ။ ပညဝတော ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ တဒန္တယာ သဒ္ဓါ သဏ္ဌာတိ၊ တဒန္တယံ ဝီရိယံ သဏ္ဌာတိ၊ တဒန္တယာ သတိ သဏ္ဌာတိ၊ တဒန္တယော သမာဓိ သဏ္ဌာတိတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-သေခသုတ္တ

၅၂၃။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ကောသမ္ဘိယံ ဝိဟရတိ ဘောသိတာရာမေ။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု အာမန္တေသိ—အတ္ထိ န ခေါ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ သေခေါ ဘိက္ခု သေခဘူမိယံ ဌိတော “သေခေါသ္မိ”တိ ပဇာနေယျ၊ အသေခေါ ဘိက္ခု အသေခဘူမိယံ ဌိတော “အသေခေါသ္မိ”တိ ပဇာနေယျာတိ။

ဘဂဝံမူလကာ နော ဘန္တေ ဓမ္မာ။ပ။ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ သေခေါ ဘိက္ခု သေခဘူမိယံ ဌိတော “သေခေါသ္မိ”တိ ပဇာနေယျ၊ အသေခေါ ဘိက္ခု အသေခဘူမိယံ ဌိတော “အသေခေါသ္မိ”တိ ပဇာနေယျ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ သေခေါ ဘိက္ခု သေခဘူမိယံ ဌိတော “သေခေါသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ သေခေါ ဘိက္ခု “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ၊ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ အယမ္ပိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ သေခေါ ဘိက္ခု သေခဘူမိယံ ဌိတော “သေခေါသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ သေခေါ ဘိက္ခု ဣတိ ပဋိသဉ္ဇိက္ခတိ “အတ္ထိ န ခေါ ဣတော ဗဟိဒ္ဓါ အညော သမဏော ဝါ မြာဟ္မဏော ဝါ၊ ယော ဧဝံ ဘူတံ တစ္ဆံ တထံ

ဓမ္မံ ဒေသေတိ ယထာ ဘဂဝါ”တိ။ သော ဧဝံ ပဇာနာတိ “နတ္ထိ ခေါ ဣတော ဗဟိဒ္ဓါ အညော သမဏော ဝါ မြာဟ္မဏော ဝါ။ ယော ဧဝံ ဘူတံ တစ္ဆံ တထံ ဓမ္မံ ဒေသေတိ ယထာ ဘဂဝါ”တိ။ အယမ္ပိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ သေခေါ ဘိက္ခု သေခဘူမိယံ ဌိတော “သေခေါသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ သေခေါ ဘိက္ခု ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ပဇာနာတိ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဝီရိယိန္ဒြိယံ သတိန္ဒြိယံ သမာဓိန္ဒြိယံ ပညိန္ဒြိယံ။ ယံဂတိကာနိ ယံပရမာနိ ယံဖလာနိ ယံပရိယောသာနာနိ န ဟေဝ ခေါ ကာယေန ဖုသိတွာ ဝိဟရတိ၊ ပညာယ စ အတိဝိဇ္ဇာ ပဿတိ။ အယမ္ပိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ သေခေါ ဘိက္ခု သေခဘူမိယံ ဌိတော “သေခေါသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ အသေခေါ ဘိက္ခု အသေခဘူမိယံ “ဌိတော အသေခေါသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အသေခေါ ဘိက္ခု ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ပဇာနာတိ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဝီရိယိန္ဒြိယံ သတိန္ဒြိယံ သမာဓိန္ဒြိယံ ပညိန္ဒြိယံ။ ယံဂတိကာနိ ယံပရမာနိ ယံဖလာနိ ယံပရိယောသာနာနိ ကာယေန စ ဖုသိတွာ ဝိဟရတိ၊ ပညာယ စ အတိဝိဇ္ဇာ ပဿတိ။ အယမ္ပိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ အသေခေါ ဘိက္ခု အသေခဘူမိယံ ဌိတော “အသေခေါသ္မိ”တိ ပဇာနာတိ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အသေခေါ ဘိက္ခု ဆ ဇုနိယာနိ ပဇာနာတိ၊ စက္ခုန္ဒြိယံ သောတိန္ဒြိယံ ဃာနိန္ဒြိယံ ဇိဝ္ဗိန္ဒြိယံ ကာယိန္ဒြိယံ မနိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဆ ဇုနိယာနိ သဗ္ဗေန သဗ္ဗံ သဗ္ဗထာ သဗ္ဗံ အပရိသေသံ နိရုဇ္ဈိဿန္တိ၊ အညာနိ စ ဆ ဇုနိယာနိ “န ကုဟိဉ္စိ ကိသ္မိဉ္စိ ဥပ္ပဇ္ဇိဿန္တိ”တိ ပဇာနာတိ။ အယမ္ပိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပရိယာယော၊ ယံ ပရိယာယံ အာဂမ္မ အသေခေါ ဘိက္ခု အသေခဘူမိယံ ဌိတော “အသေခေါသ္မိ”တိ ပဇာနာတိတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ပဒသုတ္တ

၅၂၄။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယာနိ ကာနိစိ ဇင်္ဂလာနံ<sup>၁</sup> ပါဏာနံ ပဒဇာတာနိ၊ သဗ္ဗာနိ တာနိ ဟတ္ထိပဒေ သမောဓာနံ ဂစ္ဆန္တိ၊ ဟတ္ထိပဒံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ မဟန္တတ္တေန။ ဧဝေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယာနိ ကာနိစိ ပဒါနိ ဗောဓာယ



သံဝတ္တန္တိ၊ ပညိန္ဒြိယံ ပဒံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယ။  
 ကတမာနိ စ ဘိက္ခဝေ ပဒါနိ ဗောဓာယ သံဝတ္တန္တိ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘိက္ခဝေ  
 ပဒံ၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ ဝိရိယိန္ဒြိယံ ပဒံ၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။  
 သတိန္ဒြိယံ ပဒံ၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ သမာဓိန္ဒြိယံ ပဒံ၊ တံ ဗောဓာယ  
 သံဝတ္တတိ။ ပညိန္ဒြိယံ ပဒံ၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ  
 ယာနိ ကာနိစိ ဇင်္ဂလာနံ ပါဏာနံ ပဒဇာတာနိ၊ သဗ္ဗာနိ တာနိ ဟတ္ထိပဒေ  
 သမောဓာနံ ဂစ္ဆန္တိ၊ ဟတ္ထိပဒံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ မဟန္တတ္တေန။  
 ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယာနိ ကာနိစိ ပဒါနိ ဗောဓာယ သံဝတ္တန္တိ၊ ပညိန္ဒြိယံ  
 ပဒံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယာတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-သာရသုတ္တ

၅၂၅။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ သာရဂန္ဓာ၊ လောဟိတစန္ဒနံ  
 တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ဗောဓိပက္ခိယာ  
 ဓမ္မာ၊ ပညိန္ဒြိယံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယ။ ကတမေ စ  
 ဘိက္ခဝေ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘိက္ခဝေ ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ  
 ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ ဝိရိယိန္ဒြိယံ။ပ။ သတိန္ဒြိယံ။ပ။ သမာဓိန္ဒြိယံ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ  
 ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ  
 ယေ ကေစိ သာရဂန္ဓာ၊ လောဟိတစန္ဒနံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ  
 ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ ပညိန္ဒြိယံ တေသံ  
 အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယာတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ပတိဋ္ဌိတသုတ္တ

၅၂၆။ ဧကဓမ္မေ ပတိဋ္ဌိတဿ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ  
 ဟောန္တိ သုဘာဝိတာနိ။ ကတမသ္မိံ ဧကဓမ္မေ အပ္ပမာဒေ။ ကတမော စ  
 ဘိက္ခဝေ အပ္ပမာဒေါ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စိတ္တံ ရက္ခတိ အာသဝေသု စ  
 သာသဝေသု စ ဓမ္မေသု၊ တဿ စိတ္တံ ရက္ခတော အာသဝေသု စ သာသဝေသု  
 စ ဓမ္မေသု သဒ္ဓိန္ဒြိယမ္ပိ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ၊ ဝိရိယိန္ဒြိယမ္ပိ ဘာဝနာပါရိပူရိံ  
 ဂစ္ဆတိ၊ သတိန္ဒြိယမ္ပိ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ၊ သမာဓိန္ဒြိယမ္ပိ ဘာဝနာပါရိပူရိံ  
 ဂစ္ဆတိ၊ ပညိန္ဒြိယမ္ပိ ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ ဧဝမ္ပိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဧကဓမ္မေ  
 ပတိဋ္ဌိတဿ ဘိက္ခုနော ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဟောန္တိ သုဘာဝိတာနိတိ။ ။  
 ဆဋ္ဌံ။

## ၇-သဟမ္ပတိဗြဟ္မသုတ္တ

၅၂၇။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဥရုဝေလာယံ ဝိဟရတိ နဇ္ဇာ နေရဉ္စရာယ တိရေ အဇပါလနိဂြောဓေ ပဌမာဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါ။ အထ ခေါ ဘဂဝတော ရဟောဂတဿ ပဋိသလ္လိနဿ ဧဝံ စေတသော ပရိဝိတက္ခော ဥဒပါဒိ “ပဋိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ အမတောဂဓာနိ ဟောန္တိ အမတပရာယဏာနိ အမတပရိယောသာနာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနံ။ ဝီရိယိန္ဒြိယံ။ ပ။ သတိန္ဒြိယံ။ ပ။ သမာဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနံ။ ဣမာနိ ပဋိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ အမတောဂဓာနိ ဟောန္တိ အမတပရာယဏာနိ အမတပရိယောသာနာနိ”တိ။

အထ ခေါ ဗြဟ္မာ သဟမ္ပတိ ဘဂဝတော စေတသာ စေတောပရိဝိတက္ခမညာယ သေယျထာဝိ နာမ ဗလဝါ ပုရိသော သမိဉ္စိတံ ဝါ ဗာဟံ ပသာရေယျ၊ ပသာရိတံ ဝါ ဗာဟံ သမိဉ္စေယျ၊ ဧဝမေဝ ဗြဟ္မလောကေ အန္တရဟိတော ဘဂဝတော ပုရတော ပါတုရဟောသိ။ အထ ခေါ ဗြဟ္မာ သဟမ္ပတိ ဧကံသံ ဥတ္တရာသင်္ဂံ ကရိတွာ ယေန ဘဂဝါ တေနဉ္စလိ ပဏာမေတွာ ဘဂဝန္တိ ဧတဒဝေါစ—ဧဝမေတံ ဘဂဝါ၊ ဧဝမေတံ သုဂတ၊ ပဋိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ အမတောဂဓာနိ ဟောန္တိ အမတပရာယဏာနိ အမတပရိယောသာနာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ ဘာဝိတံ ဗဟုလိကတံ အမတောဂဓံ ဟောတိ အမတပရာယဏံ အမတပရိယောသာနံ။ ဣမာနိ ပဋိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ အမတောဂဓာနိ ဟောန္တိ အမတပရာယဏာနိ အမတပရိယောသာနာနိ။

ဘူတပုဗ္ဗာဟံ ဘန္တေ ကဿပေ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေ ဗြဟ္မစရိယံ အစရိံ၊ တတြိပိမံ ဧဝံ ဇာနန္တိ “သဟကော ဘိက္ခု သဟကော ဘိက္ခု”တိ။ သော ခွါဟံ ဘန္တေ ဣမေသံယေဝ ပဉ္စန္ဒ ဣန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတက္ခာ ဗဟုလိကတက္ခာ ကာမေသု ကာမစ္ဆန္တံ ဝိရာဇေတွာ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ ဗြဟ္မလောကံ ဥပပဇ္ဇော၊ တတြိပိမံ ဧဝံ ဇာနန္တိ “ဗြဟ္မာ သဟမ္ပတိ ဗြဟ္မာ သဟမ္ပတိ”တိ။ ဧဝမေတံ ဘဂဝါ၊ ဧဝမေတံ သုဂတ၊ အဟမေတံ ဇာနာမိ၊ အဟမေတံ ပဿာမိ၊ ယထာ ဣမာနိ ပဋိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ အမတောဂဓာနိ ဟောန္တိ အမတပရာယဏာနိ အမတပရိယောသာနာနိတိ။ ။သတ္တမံ။

## ဂ-သူကရခေတသုတ္တ

၅၂၈။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ရာဇဂဟေ ဝိဟရတိ ဂိဇ္ဈကုဋေ ပဗ္ဗတေ သူကရခေတယံ။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ အာယသ္မန္တံ သာရိပုတ္တံ အာမန္တေသိ “ကိ” န ခေါ သာရိပုတ္တ အတ္ထဝသံ သမ္ဗဿမာနော ဒီဏာသဝေါ ဘိက္ခု တထာဂတေ ဝါ တထာဂတသာသနော ဝါ ပရမနိပစ္စကာရံ ပဝတ္တမာနော ပဝတ္တတိ”တိ။ အနုတ္တရံ ဟိ ဘန္တေ ယောဂက္ခေမံ သမ္ဗဿမာနော ဒီဏာသဝေါ ဘိက္ခု တထာဂတေ ဝါ တထာဂတသာသနော ဝါ ပရမနိပစ္စကာရံ ပဝတ္တမာနော ပဝတ္တတိတိ။ သာဓု သာဓု သာရိပုတ္တ၊ အနုတ္တရံ ဟိ သာရိပုတ္တ ယောဂက္ခေမံ သမ္ဗဿမာနော ဒီဏာသဝေါ ဘိက္ခု တထာဂတေ ဝါ တထာဂတသာသနော ဝါ ပရမနိပစ္စကာရံ ပဝတ္တမာနော ပဝတ္တတိ။

ကတမော စ သာရိပုတ္တ အနုတ္တရော ယောဂက္ခေမော၊ ယံ သမ္ဗဿမာနော ဒီဏာသဝေါ ဘိက္ခု တထာဂတေ ဝါ တထာဂတသာသနော ဝါ ပရမနိပစ္စကာရံ ပဝတ္တမာနော ပဝတ္တတိတိ။ ဣဓ ဘန္တေ ဒီဏာသဝေါ ဘိက္ခု သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ဥပသမဂါမိံ သမ္မောဓဂါမိံ။ ဝီရိယိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ။ ပ။ သတိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ။ သမာဓိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ။ ပညိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ဥပသမဂါမိံ သမ္မောဓဂါမိံ။ အယံ ခေါ ဘန္တေ အနုတ္တရော ယောဂက္ခေမော၊ ယံ သမ္ဗဿမာနော ဒီဏာသဝေါ ဘိက္ခု တထာဂတေ ဝါ တထာဂတသာသနော ဝါ ပရမနိပစ္စကာရံ ပဝတ္တမာနော ပဝတ္တတိတိ။ သာဓု သာဓု သာရိပုတ္တ၊ ဧသော ဟိ သာရိပုတ္တ အနုတ္တရော ယောဂက္ခေမော၊ ယံ သမ္ဗဿမာနော ဒီဏာသဝေါ ဘိက္ခု တထာဂတေ ဝါ တထာဂတသာသနော ဝါ ပရမနိပစ္စကာရံ ပဝတ္တမာနော ပဝတ္တတိတိ။

ကတမော စ သာရိပုတ္တ ပရမနိပစ္စကာရော၊ ယံ ဒီဏာသဝေါ ဘိက္ခု တထာဂတေ ဝါ တထာဂတသာသနော ဝါ ပရမနိပစ္စကာရံ ပဝတ္တမာနော ပဝတ္တတိတိ။ ဣဓ ဘန္တေ ဒီဏာသဝေါ ဘိက္ခု သတ္တရိ သင်္ဂါရဝေါ ဝိဟရတိ သပ္ပတိဿော၊<sup>၁</sup> ဓမ္မေ သင်္ဂါရဝေါ ဝိဟရတိ သပ္ပတိဿော၊ သံဃေ သင်္ဂါရဝေါ ဝိဟရတိ သပ္ပတိဿော၊ သိက္ခာယ သင်္ဂါရဝေါ ဝိဟရတိ သပ္ပတိဿော၊ သမာဓိသ္မိံ သင်္ဂါရဝေါ ဝိဟရတိ သပ္ပတိဿော။ အယံ ခေါ ဘန္တေ ပရမနိပစ္စကာရော၊ ယံ ဒီဏာသဝေါ ဘိက္ခု တထာဂတေ ဝါ တထာဂတသာသနော ဝါ ပရမနိပစ္စကာရံ ပဝတ္တမာနော ပဝတ္တတိတိ။ သာဓု သာဓု သာရိပုတ္တ၊ ဧသော

ဟိ သာရိပုတ္တ ပရမနိပစ္စကာရော၊ ယံ ဒီဏာသဝေါ ဘိက္ခု တထာဂတေ ဝါ  
တထာဂတသာသနော ဝါ ပရမနိပစ္စကာရံ ပဝတ္တမာနော ပဝတ္တတိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ပဌမဥပ္ပါဒသုတ္တ

၅၂၉။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိ-  
ကတာနိ အနုပ္ပန္နာနိ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြိ တထာဂတဿ ပါတုဘာဝါ အရဟတော  
သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဝိရိယိန္ဒြိယံ သတိန္ဒြိယံ သမာဓိန္ဒြိယံ  
ပညိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ  
အနုပ္ပန္နာနိ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြိ တထာဂတဿ ပါတုဘာဝါ အရဟတော  
သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓဿာတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဒုတိယဥပ္ပါဒသုတ္တ

၅၃၀။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ အနုပ္ပန္နာနိ  
ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြိ သုဂတဝိနယာ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဝိရိယိန္ဒြိယံ  
သတိန္ဒြိယံ သမာဓိန္ဒြိယံ ပညိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ  
ဗဟုလိကတာနိ အနုပ္ပန္နာနိ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ နာညတြိ သုဂတဝိနယာတိ။ ။ဒသမံ။

သုကရခတဝဂ္ဂေါ ဆဋ္ဌော။

### တသုဒ္ဓါနံ

သာလံ မလ္လိကံ သေခေါ စ၊ ပဒံ သာရံ ပတိဋ္ဌိတံ။  
ဗြဟ္မသုကရခတောယော၊ ဥပ္ပါဒါ အပရေ ဒုဝေတိ။

### ၇-ဗောဓိပက္ခိယဝဂ္ဂ

#### ၁-သံယောဇနသုတ္တ

၅၃၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိ-  
ကတာနိ သံယောဇနပ္ပဟာနာယံ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။  
ပညိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ  
သံယောဇနပ္ပဟာနာယံ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-အနုသယသုတ္တ

၅၃၂။ ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ အနုသယသမုဋ္ဌါတယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ အနုသယသမုဋ္ဌါတယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-ပရိညာသုတ္တ

၅၃၃။ ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ အဒ္ဓါနပရိညာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ အဒ္ဓါနပရိညာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ တတိယံ။

## ၄-အာသဝက္ခယသုတ္တ

၅၃၄။ ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ အာသဝါနံ ခယာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ အာသဝါနံ ခယာယ သံဝတ္တန္တိတိ။

ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ သံယောဇနပ္ပဟာနာယ သံဝတ္တန္တိ၊ အနုသယသမုဋ္ဌါတယ သံဝတ္တန္တိ၊ အဒ္ဓါနပရိညာယ သံဝတ္တန္တိ၊ အာသဝါနံ ခယာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတာနိ ဗဟုလိကတာနိ သံယောဇနပ္ပဟာနာယ သံဝတ္တန္တိ၊ အနုသယသမုဋ္ဌါတယ သံဝတ္တန္တိ၊ အဒ္ဓါနပရိညာယ သံဝတ္တန္တိ၊ အာသဝါနံ ခယာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-ပဌမဗလသုတ္တ

၅၃၅။ ပဉ္စမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒိန္ဒြိယာနိ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ခိန္တံ ဖလာနံ အညတရံ ဖလံ ပါပိကံ။ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ အညာ၊ သတိ ဝါ ဥပါဒိသေသေ အနာဂါမိတာတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-ဒုတိယဖလသုတ္တ

၅၃၆။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဣန္ဒြိယာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စသဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။  
 ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဋိန္ဒြိယာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒြိယာနံ  
 ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ သတ္တ ဖလာ သတ္တာနိသံသာ ပါဝိကဗီ။  
 ကတမေ သတ္တ ဖလာ သတ္တာနိသံသာ၊ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ အညံ အာရာဓေတိ။  
 နော စေ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ အညံ အာရာဓေတိ၊ အထ မရဏကာလေ  
 အညံ အာရာဓေတိ။ နော စေ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ အညံ အာရာဓေတိ၊ နော စေ  
 မရဏကာလေ အညံ အာရာဓေတိ၊ အထ ပဉ္စန္ဒြိယာနံ သံယောဇနာနံ  
 ပရိက္ခယာ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယိ ဟောတိ။ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယိ ဟောတိ။  
 အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယိ ဟောတိ။ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယိ ဟောတိ။ ဥဒ္ဓိသောတော  
 ဟောတိ အကနိဋ္ဌဂါမီ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒြိယာနံ ဘာဝိတတ္တာ  
 ဗဟုလိကတတ္တာ ဣမေ သတ္တ ဖလာ သတ္တာနိသံသာ ပါဝိကဗီတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-ပဌမရက္ခသုတ္တ

၅၃၇။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ဇမ္ဗုဒီပကာ ရုက္ခာ၊ ဇမ္ဗု တေသံ  
 အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊  
 ပညိန္ဒြိယံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယ။ ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ  
 ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘိက္ခဝေ ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ  
 ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ ဝိရိယိန္ဒြိယံ။ ပ။ သတိန္ဒြိယံ။ သမာဓိန္ဒြိယံ။ ပညိန္ဒြိယံ  
 ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ  
 ယေ ကေစိ ဇမ္ဗုဒီပကာ ရုက္ခာ၊ ဇမ္ဗု တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ  
 ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ ပညိန္ဒြိယံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ  
 ယဒိဒံ ဗောဓာယာတိ။ ။သတ္တမံ။

## ၈-ဒုတိယရက္ခသုတ္တ

၅၃၈။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ ဒေဝါနံ တာဝတိံသာနံ ရုက္ခာ၊  
 ပါရိဆတ္တကော တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေစိ  
 ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ ပညိန္ဒြိယံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယ။  
 ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘိက္ခဝေ ဗောဓိပက္ခိယော  
 ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ ဝိရိယိန္ဒြိယံ။ ပ။ သတိန္ဒြိယံ။ သမာဓိန္ဒြိယံ။  
 ပညိန္ဒြိယံ ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ သေယျထာပိ

ဘိက္ခဝေ ယေ ကေဓိ ဒေဝါနံ တာဝတိံသာနံ ရုက္ခာ၊ ပါရိဆတ္တကော တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေဓိ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ ပညိန္ဒြိယံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယာတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-တတိယရုက္ခသုတ္တ

၅၃၉။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေဓိ အသုရာနံ ရုက္ခာ၊ စိတ္တပါဠလိ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေဓိ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ ပညိန္ဒြိယံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယ။ ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘိက္ခဝေ ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေဓိ အသုရာနံ ရုက္ခာ၊ စိတ္တပါဠလိ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေဓိ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ ပညိန္ဒြိယံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယာတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-စတုတ္ထရုက္ခသုတ္တ

၅၄၀။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေဓိ သုပဏ္ဏာနံ ရုက္ခာ၊ ကုဋ္ဌသိမ္ဗလိ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေဓိ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ ပညိန္ဒြိယံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယ။ ကတမေ စ ဘိက္ခဝေ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘိက္ခဝေ ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ ဗောဓိပက္ခိယော ဓမ္မော၊ တံ ဗောဓာယ သံဝတ္တတိ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေဓိ သုပဏ္ဏာနံ ရုက္ခာ၊ ကုဋ္ဌသိမ္ဗလိ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ကေဓိ ဗောဓိပက္ခိယာ ဓမ္မာ၊ ပညိန္ဒြိယံ တေသံ အဂ္ဂမက္ခာယတိ ယဒိဒံ ဗောဓာယာတိ။ ။ဒသမံ။

ဗောဓိပက္ခိယဝဂ္ဂေါ သတ္တမော။

### တသုဒ္ဓါနံ

သံယောဇနာ အနုသယာ၊ ပရိညာ အာသဝက္ခယာ။  
ဒွေ ဗလာ စတုရော ရုက္ခာ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတိတိ။

## ဂ-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

## ၁-၁၂-ပါစိနာဒိသုတ္တ

၅၄၁-၅၅၂။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝေန္တော ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝေန္တော ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဝီရိယိန္ဒြိယံ။ ပ။ သတိန္ဒြိယံ။ သမာဓိန္ဒြိယံ။ ပညိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝေန္တော ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာတိ။ ။ ခွါဒသမံ။

ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂေါ အဋ္ဌမော။

## တဿုဒ္ဓါနံ

ဆ ပါစိနတော နိန္ဒာ၊ ဆ နိန္ဒာ စ သမုဋ္ဌတော။  
ဒွေတေ ဆ ခွါဒသ ဟောန္တိ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတိတိ။

အပ္ပမာဒဝဂ္ဂေါ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗော။

## တဿုဒ္ဓါနံ

တထာဂတံ ပဒံ ကူဠံ၊ မူလံ သာရေန ဝဿိကံ။  
ရာဇာ စဒ္ဓိမသုရိယာ၊ ဝတ္ထေန ဒသမံ ပဒန္တိ။

ဗလကရဏီယဝဂ္ဂေါ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗော။

## တဿုဒ္ဓါနံ

ဗလံ ဗီဇဉ္စ နာဂေါ စ၊ ရုက္ခော ကုမ္ဘေန သူကိယာ။  
အာကာသေန စ ဒွေ မေဃာ၊ နာဝါ အာဂန္တုကာ နဒီတိ။



ဧသနာဝဂ္ဂေါ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဧသနာ ဝိဓာ အာသဝေါ၊ ဘဝေါ စ ဒုက္ခတာ တိဿော။  
ဒိလံ မလဉ္စ နိဃော စ၊ ဝေဒနာ တဏှာ တသိနာ စာတိ။

### ၁၂-ဩစဝဂ္ဂ

### ၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တ

၅၇၇-၅၉၆။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဥဒ္ဓဟ္မဂ္ဂိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ရူပရာဂေါ အရူပရာဂေါ မာနော ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇာ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ၊ ဥဒ္ဓဟ္မဂ္ဂိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဓံ ဥဒ္ဓဟ္မဂ္ဂိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝေတဗ္ဗာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဓံ ဥဒ္ဓဟ္မဂ္ဂိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ဣမာနိ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝေတဗ္ဗာနိတိ။ ။ ဒသမံ။ ။ (ယထာ မဂ္ဂသံယုတ္တံ၊ တထာ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။)

ဩစဝဂ္ဂေါ ဒွါဒသမော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဩဃော ယောဂေါ ဥပါဒါနံ၊ ဂန္ထာ အနုသယေန စ။  
ကာမဂုဏာ နိဝရဏာ၊ ခန္ဓာ ဩရုဒ္ဓဟ္မဂ္ဂိယာတိ။

## ၁၃-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

## ၁-၁၂-ပါစိနာဒိသုတ္တ

၅၉၇-၆၀၈။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပတ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝေန္တော ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝေန္တော ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ပ။ ပညိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝေန္တော ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရာတိ။ ။ ခုဒ္ဒါဒသမံ။

ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂေါ တေရသမော။

## တဿုဒ္ဓါနံ

ဆ ပါစိနတော နိန္ဒာ၊ ဆ နိန္ဒာ စ သမုဒ္ဓတော။

ဒွေတေ ဆ ခုဒ္ဒါဒသ ဟောန္တိ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတိတိ။

(အပ္ပမာဒဝဂ္ဂ ဗလကရဏီယဝဂ္ဂ ဒေသနာဝဂ္ဂါ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗာ။)

## ၁၇-ဩဃဝဂ္ဂ

## ၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တ

၆၄၁-၆၅၀။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဥဒ္ဓဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ရူပရာဂေါ အရူပရာဂေါ မာနော ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇာ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ၊ ဥဒ္ဓဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ၊ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္တံ ဥဒ္ဓဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝေတဗ္ဗာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။

ဝိရိယိန္ဒြိယံ။ပ။ သတိန္ဒြိယံ။ သမာဓိန္ဒြိယံ။ ပညိန္ဒြိယံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိ-  
ယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဣမေသံ  
ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒ ဥဒ္ဓန္တကိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ  
ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ဣမာနိ ပဉ္စိန္ဒြိယာနိ ဘာဝေတဗ္ဗာနီတိ။

ဩစဝဂ္ဂေါ သတ္တရသမော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဩဇော ယောဂေါ ဥပါဒါနံ၊ ဂန္ထာ အနုသယေန စ။  
ကာမဂုဏာ နိဝရဏာ၊ ခန္ဓာ ဩရုဒ္ဓန္တကိယာတိ။

ဣန္ဒြိယသံယုတ္တံ စတုတ္ထံ။

# ၅-သမ္မပ္ပဓာနသံယုတ္တ

## ၁-ဂင်္ဂါပေယျာလစဂ္ဂ

### ၁-၁၂-ပါစိနာဒိသုတ္တ

၆၅၁-၆၆၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တဤ ခေါ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ—စတ္တာ-  
ရောမေ ဘိက္ခဝေ သမ္မပ္ပဓာနာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
အနုပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ အနုပ္ပါဒါယ ဆန္တံ ဇနေတိ  
ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ၊ ဥပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ  
အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ပဟာနာယ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊  
စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ၊ အနုပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဥပ္ပါဒါယ ဆန္တံ  
ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ၊ ဥပ္ပန္နာနံ  
ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဌိတိယာ အသမ္မောဿာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ  
ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊  
စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော သမ္မပ္ပဓာနာတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါစိနနိန္နာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဗ္ဗာရာ။  
ဝေမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စတ္တာရော သမ္မပ္ပဓာနေ ဘာဝေန္တော စတ္တာရော  
သမ္မပ္ပဓာနေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္နော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော  
နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စတ္တာရော သမ္မပ္ပဓာနေ ဘာဝေန္တော  
စတ္တာရော သမ္မပ္ပဓာနေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္နော ဟောတိ နိဗ္ဗာန-  
ပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရာ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အနုပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ  
အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ အနုပ္ပါဒါယ ဆန္တံ ဇနေတိ၊ ဝါယမတိ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊  
စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ၊ ဥပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ  
ပဟာနာယ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ၊  
ပဒဟတိ၊ အနုပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဥပ္ပါဒါယ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊  
ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ၊ ဥပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ  
ဌိတိယာ အသမ္မောဿာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ ဘာဝနာယ  
ပါရိပူရိယာ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ  
ပဒဟတိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စတ္တာရော သမ္မပ္ပဓာနေ ဘာဝေန္တော  
စတ္တာရော သမ္မပ္ပဓာနေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္နော ဟောတိ နိဗ္ဗာန-  
ပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရေတိ။ ။ဒွါဒသမံ။

ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

**တဿုဒ္ဓါနံ**

ဆ ပါစိနတော နိန္ဒာ၊ ဆ နိန္ဒာ စ သမုဒ္ဓတော။

ဒွေတေ ဆ ဒွါဒသ ဟောန္တိ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတိတိ။

(သမ္ဗုဒ္ဓာနသံယုတ္တဿ ဂင်္ဂါပေယျာလီ သမ္ဗုဒ္ဓာနဝသေန ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗော။)

**၂-အပ္ပမာဒဝဂ္ဂ**

**တဿုဒ္ဓါနံ**

တထာဂတံ ပဒံ ကုဋံ၊ မူလံ သာရေန ဝဿိကံ။

ရာဇာ စန္ဒိမသုရိယာ၊ ဝတ္ထေန ဒသမံ ပဒန္တိ။

(အပ္ပမာဒဝဂ္ဂေါ သမ္ဗုဒ္ဓာနဝသေန ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗော။)

**၃-ဗလကရဏီယဝဂ္ဂ**

**၁-၁၂-ဗလကရဏီယာဒိသုတ္တ**

၆၇၃-၆၈၄။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယေ ဧကေဓိ ဗလကရဏီယာ ကမ္မန္တာ ကယိရန္တိ၊ သဗ္ဗေတေ ပထဝီ နိဿာယ ပထဝီယံ ပတိဋ္ဌာယ၊ ဧဝမေတေ ဗလကရဏီယာ ကမ္မန္တာ ကယိရန္တိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ စတ္တာရော သမ္ဗုဒ္ဓာနေ ဘာဝေတိ စတ္တာရော သမ္ဗုဒ္ဓာနေ ဗဟုလိကရေတိ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ စတ္တာရော သမ္ဗုဒ္ဓာနေ ဘာဝေတိ စတ္တာရော သမ္ဗုဒ္ဓာနေ ဗဟုလိကရေတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အနုပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ အနုပ္ပါဒါယ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ပ။ ဥပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဌိတိယာ အသမ္ဘောသာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သီလံ

နိဿာယ သီလေ ပတိဋ္ဌာယ စတ္တာရော သမ္ဗပ္ပဓာနေ ဘာဝေတိ စတ္တာရော  
သမ္ဗပ္ပဓာနေ ဗဟုလိကရောတိတိ။ (ဧဝံ ဗလကရဏီယဝဂ္ဂေါ သမ္ဗပ္ပဓာနဝသေန  
ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။) ။ဒွါဒသမံ။

ဗလကရဏီယဝဂ္ဂေါ တတိယော။

### တသျှဒါနံ

ဗလံ ဗိဇ္ဇ နာဂေါ စ၊ ရုက္ခော ကုမ္ဘေန သူကိယာ။  
အာကာသေန စ ဒွေ မေဃာ၊ နာဝါ အာဂန္တုကာ နဒိတိ။

### ၄-သေနာဝဂ္ဂ

#### ၁-၁၀-သေနာဒိသုတ္တဒသက

၆၈၅-၆၉၄။ တိဿော ဣမာ ဘိက္ခဝေ သေနာ။ ကတမာ တိဿော၊  
ကာမေသနာ ဘဝေသနာ မြဟ္မစရိယေသနာ။ ဣမာ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿော  
သေနာ။ ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ  
ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ စတ္တာရော သမ္ဗပ္ပဓာနာ ဘာဝေတဗ္ဗော။ ကတမေ  
စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အနုပ္ပန္နာနံ။ပ။ ဥပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ  
ဌိတိယာ အသမ္မောသာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ ဘာဝနာယ  
ပါရိပူရိယာ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ  
ပဒဟတိ။ ဣမာသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ တိဿန္တံ သေနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ  
ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ဣမေ စတ္တာရော သမ္ဗပ္ပဓာနာ ဘာဝေတဗ္ဗောတိ။  
ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။ ။ဒသမံ။

သေနာဝဂ္ဂေါ စတုတ္ထော။

### တသျှဒါနံ

သေနာ ဝိဓာ အာသဝေါ၊ ဘဝေါ စ ဒုက္ခတာ တိဿော။  
ဒိလံ မလဉ္စ နိဗ္ဗော စ၊ ဝေဒနာ တဏှာ တသိနာ စာတိ။

## ၅-ဩဃဝဂ္ဂ

## ၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တ

၆၉၅-၇၀၄။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဥဒ္ဓန္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ရူပရာဂေါ အရူပရာဂေါ မာနော ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇာ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ၊ ဥဒ္ဓန္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္တံ ဥဒ္ဓန္တာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ စတ္တာရော သမ္ပပ္ပဓာနာ ဘာဝေတဗ္ဗာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အနုပ္ပန္နာနံ။ ပ။ ဥပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဌိတိယာ အသမ္မောဿာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္တံ ဥဒ္ဓန္တာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ဣမေ စတ္တာရော သမ္ပပ္ပဓာနာ ဘာဝေတဗ္ဗာတိ။ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗာ။ ။ဒသမံ။

ဩဃဝဂ္ဂေါ ပဉ္စမော။

## တဿုဒ္ဓါနံ

ဩဇော ယောဂေါ ဥပါဒါနံ၊ ဂန္ထာ အနုသယေန စ။  
ကာမဂုဏာ နိဝရဏာ၊ ခန္ဓာ ဩရုဒ္ဓန္တာဂိယာတိ။

သမ္ပပ္ပဓာနသံယုတ္တံ ပဉ္စမံ။

## ၆-ဗလသံယုတ္တ

၁-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

၁-၁၂-ဗလာဒိသုတ္တ

၇၀၅-၇၁၆။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဗလာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ သဒ္ဓါဗလံ ဝိရိယဗလံ သတိဗလံ သမာဓိဗလံ ပညာဗလံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ ဗလာနိတိ။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဟ္တာရာ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စ ဗလာနိ ဘာဝေန္တော ပဉ္စဗလာနိ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဟ္တာရော။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စ ဗလာနိ ဘာဝေန္တော ပဉ္စ ဗလာနိ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဟ္တာရော။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သဒ္ဓါဗလံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဝိရိယဗလံ။ ပ။ သတိဗလံ။ သမာဓိဗလံ။ ပညာဗလံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စ ဗလာနိ ဘာဝေန္တော ပဉ္စ ဗလာနိ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဟ္တာရေတိ။ ။ ခွါဒသမံ။

ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

### တသုဒ္ဓါနံ

ဆ ပါစိနတော နိန္ဒာ၊ ဆ နိန္ဒာ စ သမုဒ္ဓတော။  
ဒွေတေ ဆ ခွါဒသ ဟောန္တိ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတိတိ။

အပ္ပမာဒဝဂ္ဂေါ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗော။

### တသုဒ္ဓါနံ

တထာဂတံ ပဒံ ကူဠံ၊ မူလံ သာရေန ဝဿိကံ။  
ရာဇာ စန္ဒိမသုရိယာ၊ ဝတ္ထေန ဒသမံ ပဒန္တိ။



ဗလကရဏီယဝဂ္ဂေါ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။

တသုဒ္ဓါနံ

ဗလံ ဗီဇေ နာဂေါ စ၊ ရုက္ခော ကုမ္ဘေန သူကိယာ။  
အာကာသေန စ ခွေ မေဃာ၊ နာဝါ အာဂန္တုကာ နဒီတိ။



သေနာဝဂ္ဂေါ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။

တသုဒ္ဓါနံ

သေနာ ဝိဓာ အာသဝေါ၊ ဘဝေါ စ ဒုက္ခတာ တိဿော။  
ခိလံ မလဉ္စ နိဃော စ၊ ဝေဒနာ တဏှာ တသိနာ စာတိ။



၅-ဩဃဝဂ္ဂ

၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တ

၇၄၉-၇၅၀။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဥဒ္ဓဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ရူပရာဂေါ အရူပရာဂေါ မာနော ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇာ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ၊ ဥဒ္ဓဟ္တာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဓံ ဥဒ္ဓဟ္တာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ပဉ္စ ဗလာနိ ဘာဝေတဗ္ဗာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သဒ္ဓါဗလံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဝီရိယဗလံ။ ပ။ သတိဗလံ သမာဓိဗလံ ပညာဗလံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဓံ ဥဒ္ဓဟ္တာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ဣမာနိ ပဉ္စ ဗလာနိ ဘာဝေတဗ္ဗာနီတိ။ (ဧဝံ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။)

## ၆-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

## ၁-၁၂-ပါစိနာဒိသုတ္တ

၇၅၉-၇၇၀။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဟ္တာရ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စ ဗလာနိ ဘာဝေန္တော ပဉ္စ ဗလာနိ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဟ္တာရေ။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စ ဗလာနိ ဘာဝေန္တော ပဉ္စ ဗလာနိ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဟ္တာရေ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သဒ္ဓါဗလံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပဉ္စ ဗလာနိ ဘာဝေန္တော ပဉ္စ ဗလာနိ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဟ္တာရေတိ။ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗာ။ ။ဒွါဒသမံ။

ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂေါ ဆဋ္ဌော။

## တဿုဒ္ဓါနံ

ဆ ပါစိနတော နိန္ဒာ၊ ဆ နိန္ဒာ စ သမုဒ္ဓတော။  
 ဒွေတေ ဆ ဒွါဒသ ဟောန္တိ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပရစ္စတိတိ။  
 (အပ္ပမာဒ ဗလကရဏီယဝဂ္ဂါ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗာ။)

## ၉-သေနာဝဂ္ဂ

## ၁-၁၂-သေနာဒိသုတ္တ

၇၉၂-၈၀၂။ ဧဝံ သေနာပါဠိ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗာ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။

သေနာဝဂ္ဂေါ နဝမော။

## တဿုဒ္ဓါနံ

သေနာ ဝိဓာ အာသဝေါ၊ ဘဝေါ စ ဒုက္ခတာ တိဿော။  
 ဒိလံ မလဉ္စ နိဿော စ၊ ဝေဒနာ တဏှာ တသိနာ စာတိ။

## ၁၀-ဩစဝဂ္ဂ

## ၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တ

၈၀၃-၈၁၂။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဥဒ္ဓန္တရိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ရူပရာဂေါ အရူပရာဂေါ မာနော ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇာ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ၊ ဥဒ္ဓန္တရိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒံ ဥဒ္ဓန္တရိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ပဉ္စ ဗလာနိ ဘာဝေတဗ္ဗာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သဒ္ဓါဗလံ ဘာဝေတိ။ ပ။ ပညာဗလံ ဘာဝေတိ ရာဂဝိနယပရိယောသာနံ ဒေါသဝိနယပရိယောသာနံ မောဟဝိနယပရိယောသာနံ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒံ ဥဒ္ဓန္တရိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ဣမာနိ ပဉ္စ ဗလာနိ ဘာဝေတဗ္ဗာနိတိ။ ။ဒသမံ။

ဩစဝဂ္ဂေါ ဒသမော။

## တဿုဒ္ဓါနံ

ဩဇော ယောဂေါ ဥပါဒါနံ၊ ဂန္တော အနုသယေန စ။  
ကာမဂုဏာ နိဝရဏာ၊ ခန္ဓော ဩရုဒ္ဓန္တရိယာတိ။

ဗလသံယုတ္တံ ဆဋ္ဌိ။

# ၇-ဣန္ဒြိယသံယုတ္တ

## ၁-စာပါလဝဂ္ဂ

### ၁-အပါရသုတ္တ

၈၁၃။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဣဋ္ဌိပါဒါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အပါရာ ပါရံ ဂမနာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဋ္ဌိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဝီရိယသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဋ္ဌိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ စိတ္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဋ္ဌိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဋ္ဌိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဋ္ဌိပါဒါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အပါရာ ပါရံ ဂမနာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ဝိရဒ္ဓသုတ္တ

၈၁၄။ ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဋ္ဌိပါဒါ ဝိရဒ္ဓါ၊ ဝိရဒ္ဓေါတေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမိ။ ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဋ္ဌိပါဒါ အာရဒ္ဓါ၊ အာရဒ္ဓေါတေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမိ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဋ္ဌိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဝီရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ပ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဋ္ဌိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ ဣမေ စတ္တာရော ဣဋ္ဌိပါဒါ ဝိရဒ္ဓါ၊ ဝိရဒ္ဓေါတေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမိ။ ယေသံ ကေသဉ္စိ ဘိက္ခဝေ ဣမေ စတ္တာရော ဣဋ္ဌိပါဒါ အာရဒ္ဓါ၊ အာရဒ္ဓေါတေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမိတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-အရိယသုတ္တ

၈၁၅။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဣဋ္ဌိပါဒါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အရိယာ နိယျာနိကာ နိယျန္တိ တက္ကရဿ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယာယ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဋ္ဌိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဝီရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ပ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဋ္ဌိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဋ္ဌိပါဒါ

ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ အရိယာ နိယျာနိကာ နိယျန္တိ တက္ကရဿ သမ္မာ  
ဒုက္ခက္ခယာယာတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-နိဗ္ဗိဒါသုတ္တ

၈၁၆။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ  
ဧကန္တနိဗ္ဗိဒါယ ဝိရာဂါယ နိရောဓာယ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ  
နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒ-  
သမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဝိရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တ-  
သမာဓိ။ပ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဣမေ  
ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဧကန္တနိဗ္ဗိဒါယ  
ဝိရာဂါယ နိရောဓာယ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ  
သံဝတ္တန္တိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ဣဒ္ဓိပဒေသသုတ္တ

၈၁၇။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ  
ဝါ ဣဒ္ဓိပဒေသံ အဘိနိပ္ပါဒေသုံ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ  
ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ  
မြာဟူဏာ ဝါ ဣဒ္ဓိပဒေသံ အဘိနိပ္ပါဒေသန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ  
ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ သမဏာ ဝါ  
မြာဟူဏာ ဝါ ဣဒ္ဓိပဒေသံ အဘိနိပ္ပါဒေန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ  
ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ  
ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဝိရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ပ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာန-  
သင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ  
သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ ဣဒ္ဓိပဒေသံ အဘိနိပ္ပါဒေသုံ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံ-  
ယေဝ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ  
အနာဂတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ ဣဒ္ဓိပဒေသံ အဘိနိပ္ပါဒေသန္တိ၊  
သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။  
ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ ဣဒ္ဓိပဒေသံ  
အဘိနိပ္ပါဒေန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ  
ဗဟုလိကတတ္တာတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-သမတ္တသုတ္တ

၈၁၈။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ သမတ္တံ ဣဒ္ဓိံ အဘိနိပ္ပါဒေသုံ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ သမတ္တံ ဣဒ္ဓိံ အဘိနိပ္ပါဒေသန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ သမတ္တံ ဣဒ္ဓိံ အဘိနိပ္ပါဒေန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။

ကတမေသံ စတုနံ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဝိရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ပ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာန-  
သင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ သမတ္တံ ဣဒ္ဓိံ အဘိနိပ္ပါဒေသုံ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံ-  
ယေဝ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ သမတ္တံ ဣဒ္ဓိံ အဘိနိပ္ပါဒေသန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ သမတ္တံ ဣဒ္ဓိံ အဘိနိပ္ပါဒေန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-ဘိက္ခုသုတ္တ

၈၁၉။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ ဘိက္ခု၊ အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရိသု၊ သဗ္ဗေ တေ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဒ္ဓါနံ ဘိက္ခု၊ အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရိသန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ ဘိက္ခု၊ အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဝိရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ ဘိက္ခု၊ အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရိသု၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဒ္ဓါနံ ဘိက္ခု၊ အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရိသန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ တေရဟိ ဘိက္ခု၊ အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-ဗုဒ္ဓသုတ္တ

၈၂၀။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒါ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဝိရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ၊ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ တထာဂတော အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါတိ ဝုစ္စတိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဉာဏသုတ္တ

၈၂၁။ “အယံ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတော ဣဒ္ဓိပါဒေါ”တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ “သော ခေါ ပနာယံ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတော ဣဒ္ဓိပါဒေါ ဘာဝေတဗ္ဗော”တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ “ဘာဝိတော”တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။

“အယံ ဝိရိယသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတော ဣဒ္ဓိပါဒေါ”တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ “သော ခေါ ပနာယံ ဝိရိယသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတော ဣဒ္ဓိပါဒေါ ဘာဝေတဗ္ဗော”တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ “ဘာဝိတော”တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။

“အယံ စိတ္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတော ဣဒ္ဓိပါဒေါ”တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ “သော ခေါ ပနာယံ စိတ္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတော ဣဒ္ဓိပါဒေါ ဘာဝေတဗ္ဗော”တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ “ဘာဝိတော”တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။

“အယံ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတော ဣဒ္ဓိပါဒေါ”တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ “သော ခေါ ပနာယံ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတော ဣဒ္ဓိပါဒေါ ဘာဝေတဗ္ဗော”တိ မေ ဘိက္ခဝေ။ “ဘာဝိတော”တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-စေတိယသုတ္တ

၈၂၂။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဝေသာလိယံ ဝိဟရတိ မဟာဝနေ ကုဋ္ဌာဂါရသာလာယံ။ အထ ခေါ ဘဂဝါ ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစိဝရမာဒါယ ဝေသာလိံ ပိဏ္ဍာယ ပါရိသိ၊ ဝေသာလိယံ ပိဏ္ဍာယ စရိတွာ ပစ္ဆာဘတ္တံ ပိဏ္ဍပါတပဋိက္ကန္တော အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ အာမန္တေသိ “ဂဏှာဟိ အာနန္တ နိသီဒနံ၊ ယေန စာပါလံ စေတိယံ” တေနုပသင်္ကမိဿာမ ဒိဝါဝိဟာရာယာ”တိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္တော ဘဂဝတော ပဋိဿုတွာ နိသီဒနံ အာဒါယ ဘဂဝန္တံ ပိဋ္ဌိတော ပိဋ္ဌိတော အနုဗန္ဓိ။ အထ ခေါ ဘဂဝါ ယေန စာပါလံ စေတိယံ တေနုပသင်္ကမိ၊



ဥပသင်္ကမိတွာ ပညတ္တေ အာသနေ နိသီဒိ။ အာယသ္မာပိ ခေါ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသီန္တံ ခေါ အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ—

ရမဏီယာ အာနန္ဒ ဝေသာလီ၊ ရမဏီယံ ဥဒေနံ စေတီယံ၊ ရမဏီယံ ဂေါတမကံ စေတီယံ၊ ရမဏီယံ သတ္တမ္ဘံ စေတီယံ၊ ရမဏီယံ ဗဟုပုတ္တံ စေတီယံ<sup>၁</sup>၊ ရမဏီယံ သာရန္တဒံ စေတီယံ<sup>၂</sup>၊ ရမဏီယံ စာပါလံ စေတီယံ။ ယဿ ကဿစိ အာနန္ဒ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ယာနိကတာ ဝတ္ထုကတာ အနုဋ္ဌိတာ ပရိစိတာ သုသမာရဒ္ဓါ၊ သော အာကင်္ခမာနော ကပ္ပံ ဝါ တိဋ္ဌေယျ ကပ္ပါဝသေသံ ဝါ၊ တထာဂတဿ ခေါ အာနန္ဒ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ယာနိကတာ ဝတ္ထုကတာ အနုဋ္ဌိတာ ပရိစိတာ သုသမာရဒ္ဓါ၊ အာကင်္ခမာနော အာနန္ဒ တထာဂတော ကပ္ပံ ဝါ တိဋ္ဌေယျ ကပ္ပါဝသေသံ ဝါတိ။

ဝေဗ္ဗိ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝတာ ဩဠာရိကေ နိမိတ္တေ ကယိရမာနေ ဩဠာရိကေ ဩဘာသေ ကယိရမာနေ နာသက္ခိ ပဋိဝိဇ္ဈိတုံ၊ န ဘဂဝန္တံ ယာစိ “တိဋ္ဌတု ဘန္တေ ဘဂဝါကပ္ပံ၊ တိဋ္ဌတု သုဂတော ကပ္ပံ”<sup>၃</sup> ဗဟုဇနဟိတာယ ဗဟုဇနသုခါယ လောကာနုကမ္ဘာယ အတ္ထာယ ဖိတာယ သုခါယ ဒေဝမနုဿာနံ”န္တိ၊ ယထာ တံ မာရေန ပရိယုဋ္ဌိတစိတ္တော။

ဒုတိယမ္ပိ ခေါ ဘဂဝါ။ပ။ တတိယမ္ပိ ခေါ ဘဂဝါ အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ အာမန္တေသိ “ရမဏီယာ အာနန္ဒ ဝေသာလီ၊ ရမဏီယံ ဥဒေနံ စေတီယံ၊ ရမဏီယံ ဂေါတမကံ စေတီယံ၊ ရမဏီယံ သတ္တမ္ဘံ စေတီယံ၊ ရမဏီယံ ဗဟုပုတ္တံ စေတီယံ၊ ရမဏီယံ သာရန္တဒံ စေတီယံ၊ ရမဏီယံ စာပါလံ စေတီယံ။ ယဿ ကဿစိ အာနန္ဒ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ယာနိကတာ ဝတ္ထုကတာ အနုဋ္ဌိတာ ပရိစိတာ သုသမာရဒ္ဓါ၊ သော အာကင်္ခမာနော ကပ္ပံ ဝါ တိဋ္ဌေယျ ကပ္ပါဝသေသံ ဝါ၊ တထာဂတဿ ခေါ အာနန္ဒ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ယာနိကတာ ဝတ္ထုကတာ အနုဋ္ဌိတာ ပရိစိတာ သုသမာရဒ္ဓါ၊ အာကင်္ခမာနော အာနန္ဒ တထာဂတော ကပ္ပံ ဝါ တိဋ္ဌေယျ ကပ္ပါဝသေသံ ဝါ”တိ။

၁-ဗဟုပုတ္တကစေတီယံ (သျှ၊ကံ၊ဇု၊က)

၂-အာနန္ဒစေတီယံ (က)၊ သာနန္ဒရံ (က)

၃-သုဂတော ကပ္ပါဝသေသံ (ဇု၊က) ဒီ-၂-၈၆-ပိဋ္ဌေပိ။

ဝေဗ္ဗိ ခေါ် အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝတာ ဩဋ္ဌာရိကေ နိဗ္ဗိတ္တေ ကယိရမာနေ ဩဋ္ဌာရိကေ ဩဘာသေ ကယိရမာနေ နာသက္ခိ ပဋိဝိဇ္ဈိတုံ၊ န ဘဂဝန္တံ ယာစိ “တိဋ္ဌတု ဘန္တေ ဘဂဝါ ကပ္ပံ၊ တိဋ္ဌတု သုဂတော ကပ္ပံ ဗဟုဇနဟိတာယ ဗဟုဇနသုခါယ လောကာနုကမ္ဘာယ အတ္ထာယ ဟိတာယ သုခါယ ဒေဝမနုဿာန”န္တိ၊ ယထာ တံ မာရေန ပရိယုဋ္ဌိတစိတ္တော။

အထ ခေါ်ဘဂဝါအာယသ္မန္တံ အာနန္တံ အာမန္တေသိ “ဂစ္ဆ ခေါ်တုံ အာနန္တံ၊ ယဿဒါနိ ကာလံ မညသိ”တိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ် အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝတော ပဋိသုတ္တာ ဥဋ္ဌာယာသနာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ပဒက္ခိဏံ ကတွာ အဝိဇ္ဇာရေ အညတရသ္မိံ ရုက္ခမူလေ နိသီဒိ။ အထ ခေါ် မာရော ပါပိမာ အစိရပက္ကန္တေ အာယသ္မန္တေ အာနန္ဒေ ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ပရိနိဗ္ဗာတုဒါနိ ဘန္တေ ဘဂဝါ၊ ပရိနိဗ္ဗာတုဒါနိ သုဂတော”၊ ပရိနိဗ္ဗာနကာလောဒါနိ ဘန္တေ ဘဂဝတော။ ဘာသိတာ ခေါ် ပနေသာ ဘန္တေ ဘဂဝတာ ဝါစာ “န တာဝါဟံ ပါပိမ ပရိနိဗ္ဗာယိဿာမိ၊ ယာဝ မေ ဘိက္ခု။ န သာဝကာ ဘဝိဿန္တိ ဝိယတ္တာ ဝိနိတာ ဝိသာရဒါ ဗဟုဿုတာ ဓမ္မဓရာ ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပန္နာ သာမီစိပ္ပဋိပန္နာ အနုဓမ္မစာရိနော သင်္က အာစရိယင်္ကံ ဥဂ္ဂဟေတွာ အာစိက္ခိဿန္တိ ဒေသေဿန္တိ ပညပေဿန္တိ ပဋ္ဌပေဿန္တိ ဝိဝရိဿန္တိ ဝိဘဇိဿန္တိ ဥတ္တာနိကရိဿန္တိ”၊ ဥပ္ပန္နံ ပရပ္ပဝါဒံ သဟဓမ္မေန သုနိဂ္ဂဟိတံ နိဂ္ဂဟေတွာ သပ္ပါဋိဟာရိယံ ဓမ္မံ ဒေသေဿန္တိ”တိ။

သန္တိ ခေါ် ပန ဘန္တေ တေရဟိ ဘိက္ခု။ ဘဂဝတော သာဝကာ ဝိယတ္တာ ဝိနိတာ ဝိသာရဒါ ဗဟုဿုတာ ဓမ္မဓရာ ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပန္နာ သာမီစိပ္ပဋိပန္နာ အနုဓမ္မစာရိနော သင်္က အာစရိယင်္ကံ ဥဂ္ဂဟေတွာ အာစိက္ခိန္တိ ဒေသေန္တိ ပညပေန္တိ ပဋ္ဌပေန္တိ ဝိဝရန္တိ ဝိဘဇန္တိ ဥတ္တာနိကရေန္တိ၊ ဥပ္ပန္နံ ပရပ္ပဝါဒံ သဟဓမ္မေန သုနိဂ္ဂဟိတံ နိဂ္ဂဟေတွာ သပ္ပါဋိဟာရိယံ ဓမ္မံ ဒေသေန္တိ။ ပရိနိဗ္ဗာတုဒါနိ ဘန္တေ ဘဂဝါ၊ ပရိနိဗ္ဗာတုဒါနိ သုဂတော၊ ပရိနိဗ္ဗာနကာလောဒါနိ ဘန္တေ ဘဂဝတော။

ဘာသိတာ ခေါ် ပနေသာ ဘန္တေ ဘဂဝတာ ဝါစာ “န တာဝါဟံ ပါပိမ ပရိနိဗ္ဗာယိဿာမိ၊ ယာဝ မေ ဘိက္ခုနိယော န သာဝကာ ဘဝိဿန္တိ ဝိယတ္တာ

၁-ပရိနိဗ္ဗာတု သုဂတော (သီ၊ သျှာ၊ ကံ) ဧဝပရိပိ။

၂-ဥတ္တာနိကရိဿန္တိ (က)၊ ဥတ္တာနိကရိဿန္တိ (ဇု)

ဝိနိတာ ဝိသာရဒါ ဗဟုဿုတာ ဓမ္မဓရာ ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပန္နာ သာမီစိပ္ပဋိပန္နာ အနုဓမ္မစာရိနိယော သကံ အာစရိယကံ ဥဂ္ဂဟေတွာ အာစိက္ခန္တိ ဒေသေဿန္တိ ပညပေဿန္တိ ပဋ္ဌပေဿန္တိ ဝိဝရိဿန္တိ ဝိဘဇိဿန္တိ ဥတ္တာနိကရိဿန္တိ၊ ဥပ္ပန္နံ ပရပ္ပဝါဒံ သဟဓမ္မေန သုနိဂ္ဂဟိတံ နိဂ္ဂဟေတွာ သပ္ပါဋိဟာရိယံ ဓမ္မံ ဒေသေဿန္တိ”တိ။

သန္တိ ခေါ ပန ဘန္တေ တေရဟိ ဘိက္ခုနိယော ဘဂဝတော သာဝိကာ ဝိယတ္တာ ဝိနိတာ ဝိသာရဒါ ဗဟုဿုတာ ဓမ္မဓရာ ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပန္နာ သာမီစိပ္ပဋိပန္နာ အနုဓမ္မစာရိနိယော သကံ အာစရိယကံ ဥဂ္ဂဟေတွာ အာစိက္ခန္တိ ဒေသေဿန္တိ ပညပေဿန္တိ ပဋ္ဌပေဿန္တိ ဝိဝရန္တိ ဝိဘဇန္တိ ဥတ္တာနိကရေဇန္တိ၊ ဥပ္ပန္နံ ပရပ္ပဝါဒံ သဟဓမ္မေန သုနိဂ္ဂဟိတံ နိဂ္ဂဟေတွာ သပ္ပါဋိဟာရိယံ ဓမ္မံ ဒေသေဿန္တိ၊ ပရိနိဗ္ဗာတုဒါနိ ဘန္တေ ဘဂဝါ၊ ပရိနိဗ္ဗာတုဒါနိ သုဂတော၊ ပရိနိဗ္ဗာနကာလောဒါနိ ဘန္တေ ဘဂဝတော။

ဘာသိတာ ခေါ ပနေသာ ဘန္တေ ဘဂဝတာ ဝါစာ “န တာဝါဟံ ပါပိမ ပရိနိဗ္ဗာယိဿာမိ၊ ယာဝ မေ ဥပါသကာ။ပ။ ယာဝ မေ ဥပါသိကာ န သာဝိကာ ဘဝိဿန္တိ ဝိယတ္တာ ဝိနိတာ ဝိသာရဒါ ဗဟုဿုတာ ဓမ္မဓရာ ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပန္နာ သာမီစိပ္ပဋိပန္နာ အနုဓမ္မစာရိနိယော သကံ အာစရိယကံ ဥဂ္ဂဟေတွာ အာစိက္ခန္တိ ဒေသေဿန္တိ ပညပေဿန္တိ ပဋ္ဌပေဿန္တိ ဝိဝရိဿန္တိ ဝိဘဇိဿန္တိ ဥတ္တာနိကရိဿန္တိ၊ ဥပ္ပန္နံ ပရပ္ပဝါဒံ သဟဓမ္မေန သုနိဂ္ဂဟိတံ နိဂ္ဂဟေတွာ သပ္ပါဋိဟာရိယံ ဓမ္မံ ဒေသေဿန္တိ”တိ။

သန္တိ ခေါ ပန ဘန္တေ တေရဟိ ဥပါသကာ ဥပါသိကာ ဘဂဝတော သာဝိကာ ဝိယတ္တာ ဝိနိတာ ဝိသာရဒါ ဗဟုဿုတာ ဓမ္မဓရာ ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပန္နာ သာမီစိပ္ပဋိပန္နာ အနုဓမ္မစာရိနိယော သကံ အာစရိယကံ ဥဂ္ဂဟေတွာ အာစိက္ခန္တိ ဒေသေဿန္တိ ပညပေဿန္တိ ပဋ္ဌပေဿန္တိ ဝိဝရန္တိ ဝိဘဇန္တိ ဥတ္တာနိကရေဇန္တိ၊ ဥပ္ပန္နံ ပရပ္ပဝါဒံ သဟဓမ္မေန သုနိဂ္ဂဟိတံ နိဂ္ဂဟေတွာ သပ္ပါဋိဟာရိယံ ဓမ္မံ ဒေသေဿန္တိ။ ပရိနိဗ္ဗာတုဒါနိ ဘန္တေ ဘဂဝါ၊ ပရိနိဗ္ဗာတုဒါနိ သုဂတော၊ ပရိနိဗ္ဗာနကာလောဒါနိ ဘန္တေ ဘဂဝတော။

ဘာသိတာ ခေါ ပနေသာ ဘန္တေ ဘဂဝတာ ဝါစာ “န တာဝါဟံ ပါပိမ ပရိနိဗ္ဗာယိဿာမိ၊ ယာဝ မေ ဣဒံ မြဟ္မစရိယံ န ဣဒ္ဓဇ္ဇေဝ ဘဝိဿတိ ဖိတဉ္စ၊ ဝိတ္ထာရိတံ ဗာဟုဇဉ် ပုထုဘူတံ ယာဝ ဒေဝမနုဿေဟိ သုပ္ပကာသိတ”န္တိ။ တယိဒံ ဘန္တေ ဘဂဝတော၊ မြဟ္မစရိယံ ဣဒ္ဓဇ္ဇေဝ ဖိတဉ္စ၊ ဝိတ္ထာရိတံ ဗာဟုဇဉ်

ပုထုဘူတံ ယာဝ ဒေဝမနုဿေဟိ သုပ္ပကာသိတံ။ ပရိနိဗ္ဗာတုဒါနိ ဘန္တေ ဘဂဝါ၊  
ပရိနိဗ္ဗာတုဒါနိ သုဂတော၊ ပရိနိဗ္ဗာနကာလောဒါနိ ဘန္တေ ဘဂဝတောတိ။

ဧဝံ ဝုတ္တေ ဘဂဝါ မာရံ ပါပိမန္တံ တေဒဝေါစ “အပ္ပေါသုက္ကော တံ ပါပိမ  
ဟောဟိ၊ န စိရံ” တထာဂတဿ ပရိနိဗ္ဗာနံ ဘဝိဿတိ၊ ဣတော တိဏ္ဍံ  
မာသာနံ အစ္စယေန တထာဂတော ပရိနိဗ္ဗာယိဿတိ”တိ။ အထ ခေါ ဘဂဝါ  
စာပါလေ စေတိယေ သတော သမ္ပဇာနော အာယုသင်္ခါရံ ဩဿဇိ၊ ဩဿဋ္ဌေ စ  
ဘဂဝတာ အာယုသင်္ခါရေ မဟာဘူမိစာလော အဟောသိ ဘိသနကော  
လောမဟံသော၊ ဒေဝဒုန္နုဘိယော? စ ဖလိံသု။ အထ ခေါ ဘဂဝါ ဧတမတ္ထံ  
ဝိဒိတွာ တာယံ ဝေလာယံ ဣမံ ဥဒါနံ ဥဒါနေသိ—

“တုလမတုလဉ္စ သမ္ဘဝံ၊ ဘဝသင်္ခါရမဝဿဇိ မုနိ။  
အဇ္ဈတ္တရတော သမာဟိတော၊ အဘိန္နိ ကဝစမိဝတ္တသမ္ဘဝ”န္တိ။

ဒသမံ။

စာပါလဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

### တသုဒ္ဓါနံ

အပါရာပိ ဝိရဒ္ဓေါ စ၊ အရိယာ နိဗ္ဗိဒါပိ စ။  
ပဒေသံ သမတ္ထံ ဘိက္ခု၊ ဗုဒ္ဓံ ဉာဏဉ္စ စေတိယန္တိ။

## ၂-ပါသာဒကမ္ပနဝဂ္ဂ

### ၁-ပုဗ္ဗသုတ္တ

၈၂၃။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ပုဗ္ဗေဝ မေ ဘိက္ခဝေ သမ္မောဓာ အနဘိသမ္ပုဒ္ဓဿ  
ဗောဓိသတ္တဿေဝ သတော ဧတဒဟောသိ “ကော န ခေါ ဟေတု ကော  
ပစ္စယော ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာယာ”တိ။ တဿ မယံ ဘိက္ခဝေ ဧတဒဟောသိ “ဣဓ  
ဘိက္ခု၊ ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ  
ဆန္တော န စ အတိလိနော ဘဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတော ဘဝိဿတိ၊ န စ  
အဇ္ဈတ္တံ သံခိက္ကော ဘဝိဿတိ။ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိက္ကော ဘဝိဿတိ၊ ပစ္ဆာပုရေ-  
သညိ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ၊

ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော၊ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ၊ ဣတိ ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဗ္ဗေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။

ဝီရိယသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ ဝီရိယံ န စ အတိလိနံ ဘဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတံ ဘဝိဿတိ၊ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တံ ဘဝိဿတိ၊ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တံ ဘဝိဿတိ၊ ပစ္ဆာပုရေသညီ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ၊ ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော၊ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ၊ ဣတိ ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဗ္ဗေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။

စိတ္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ စိတ္တံ န စ အတိလိနံ ဘဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတံ ဘဝိဿတိ၊ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တံ ဘဝိဿတိ၊ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တံ ဘဝိဿတိ၊ ပစ္ဆာပုရေသညီ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ၊ ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော၊ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ၊ ဣတိ ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဗ္ဗေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။

ဝီရိယသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ ဝီရိယံ န စ အတိလိနာ ဘဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတာ ဘဝိဿတိ၊ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တာ ဘဝိဿတိ၊ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တာ ဘဝိဿတိ၊ ပစ္ဆာပုရေသညီ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ၊ ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော၊ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ၊ ဣတိ ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဗ္ဗေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။

ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါ ဘိက္ခု စတူသု ဣဒ္ဓိပါဒေသု ဧဝံ ဗဟုလိကတေသု အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောတိ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဟောတိ၊ ဗဟုဓာပိ ဟုတွာ ဧကော ဟောတိ၊ အာဝိဘာဝံ တိရောဘာဝံ တိရောကုနံ တိရောပါကာရံ တိရောပဗ္ဗတံ အသဇ္ဇမာနော ဂစ္ဆတိ သေယျထာပိ အာကာသေ။ ပထဝိယာပိ ဥမ္မုဇ္ဇနိမုဇ္ဇံ ကရောတိ သေယျထာပိ ဥဒကေ။ ဥဒကေပိ

အဘိဇ္ဇမာနေ<sup>၁</sup> ဂစ္ဆတိ သေယျထာပိ ပထဝိယံ။ အာကာသေပိ ပလ္လင်္ကေန ကမတိ သေယျထာပိ ပက္ခိ သကုဏော။ ဣမေပိ စန္ဒိမသုရိယေ ဧဝံမဟိဒ္ဓိကေ ဧဝံမဟာနုဘာဝေ ပါဏိနာ ပရိမသတိ<sup>၂</sup> ပရိမဇ္ဇတိ၊ ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေတိ။

ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါ ဘိက္ခု စတူသု ဣဒ္ဓိပါဒေသု ဧဝံ ဗဟုလိကတေသု ဒိဗ္ဗာယ သောတဓာတုယာ ဝိသုဒ္ဓါယ အတိက္ကန္တမာနုသိကာယ ဥဘော သဒ္ဓေ သုဏာတိ ဒိဗ္ဗေ စ မာနုသေ စ ဒူရေ သန္တိကေ စာတိ။

ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါ ဘိက္ခု စတူသု ဣဒ္ဓိပါဒေသု ဧဝံ ဗဟုလိကတေသု ပရသတ္တာနံ ပရပုဂ္ဂလာနံ စေတသာ စေတော ပရိစ္စ ပဇာနာတိ၊ သရာဂံ ဝါ စိတ္တံ “သရာဂံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ ဝီတရာဂံ ဝါ စိတ္တံ “ဝီတရာဂံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ သဒေါသံ ဝါ စိတ္တံ “သဒေါသံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ ဝီတဒေါသံ ဝါ စိတ္တံ “ဝီတဒေါသံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ သမောဟံ ဝါ စိတ္တံ “သမောဟံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ ဝီတမောဟံ ဝါ စိတ္တံ “ဝီတမောဟံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ သံခိတ္တံ ဝါ စိတ္တံ “သံခိတ္တံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ ဝိက္ခိတ္တံ ဝါ စိတ္တံ “ဝိက္ခိတ္တံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ မဟဂ္ဂတံ ဝါ စိတ္တံ “မဟဂ္ဂတံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ အမဟဂ္ဂတံ ဝါ စိတ္တံ “အမဟဂ္ဂတံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ သဥတ္တရံ ဝါ စိတ္တံ “သဥတ္တရံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ အနုတ္တရံ ဝါ စိတ္တံ “အနုတ္တရံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ သမာဟိတံ ဝါ စိတ္တံ “သမာဟိတံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ အသမာဟိတံ ဝါ စိတ္တံ “အသမာဟိတံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ ဝိမုတ္တံ ဝါ စိတ္တံ “ဝိမုတ္တံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ၊ အဝိမုတ္တံ ဝါ စိတ္တံ “အဝိမုတ္တံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာတိ။

ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါ ဘိက္ခု စတူသု ဣဒ္ဓိပါဒေသု ဧဝံ ဗဟုလိကတေသု အနေကဝိဟိတံ ပုဗ္ဗေနိဝါသံ အနုဿရတိ။ သေယျထိဒံ၊ ကေမိ ဇာတိံ<sup>၃</sup> ဒွေပိ ဇာတိယော တိဿောပိ ဇာတိယော စတဿောပိ ဇာတိယော ပဉ္စပိ ဇာတိယော ဒသပိ ဇာတိယော ဝိသမ္ပိ ဇာတိယော တိံသမ္ပိ ဇာတိယော စတ္တာလီသမ္ပိ ဇာတိယော ပညာသမ္ပိ ဇာတိယော ဇာတိသတမ္ပိ ဇာတိ-သဟဿမ္ပိ ဇာတိသတသဟဿမ္ပိ အနေကေပိ သံဝဋ္ဋကပ္ပေ အနေကေပိ ဝိဝဋ္ဋကပ္ပေ အနေကေပိ သံဝဋ္ဋဝိဝဋ္ဋကပ္ပေ၊ “အမုတြာသိ” ဧဝံနာမော ဧဝံ-ဂေါတ္တော ဧဝံဝဏ္ဏော ဧဝံမာဟာရော ဧဝံသုခဒုက္ခပ္ပုဋိသံဝေဒီ ဧဝံ-မာယုပရိယန္တော၊ သော တတော စုတော အမုတြ ဥဒပါဒိ<sup>၄</sup>၊ တတြာပါသိ<sup>၅</sup>

“ဧဝံနာမော ဧဝံဂေါတ္တော ဧဝံဝဏ္ဏော ဧဝမာဟာရော ဧဝံသုခဒုက္ခပ္ပုဋ်-  
သံဝေဒီ ဧဝမာယုပရိယန္တော၊ သော တတော စုတော ဣဂ္ဂုပပန္နော”တိ။ ဣတိ  
သာကာရံ သဥဒ္ဓေသံ အနေကဝိဟိတံ ပုဗ္ဗေနိဝါသံ အနုဿရတိ။

ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါ ဘိက္ခု၊ စတုသု ဣဒ္ဓိပါဒေသု ဧဝံ ဗဟုလီကတေသု  
ဒိဗ္ဗေန စက္ခုနာ ဝိသုဒ္ဓေန အတိက္ကန္တမာနုသကေန သတ္တေ ပဿတိ စဝမာနေ  
ဥပပဇ္ဇမာနေ ဟိနေ ပဏီတေ သုဝဏ္ဏေ ဒုဗ္ဗဏ္ဏေ သုဂတေ ဒုဂ္ဂတေ၊  
ယထာကမ္မူပဂေ သတ္တေ ပဇာနာတိ “ဣမေ ဝတ ဘောန္တော သတ္တာ  
ကာယဒုစ္စရိတေန သမန္နာဂတာ ဝစီဒုစ္စရိတေန သမန္နာဂတာ မနောဒုစ္စရိတေန  
သမန္နာဂတာ၊ အရိယာနံ ဥပဝါဒကာ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိကာ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိကမ္မသမာဒါနာ၊  
တေ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပန္နာ။  
ဣမေ ဝါ ပန ဘောန္တော သတ္တာ ကာယသုစရိတေန သမန္နာဂတာ  
ဝစီသုစရိတေန သမန္နာဂတာ၊ မနောသုစရိတေန သမန္နာဂတာ အရိယာနံ  
အနုပဝါဒကာ သမ္မာဒိဋ္ဌိကာ သမ္မာဒိဋ္ဌိကမ္မသမာဒါနာ၊ တေ ကာယဿ ဘေဒါ  
ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပန္နာ”တိ။ ဣတိ ဒိဗ္ဗေန စက္ခုနာ  
ဝိသုဒ္ဓေန အတိက္ကန္တမာနုသကေန သတ္တေ ပဿတိ စဝမာနေ ဥပပဇ္ဇမာနေ  
ဟိနေ ပဏီတေ သုဝဏ္ဏေ ဒုဗ္ဗဏ္ဏေ သုဂတေ ဒုဂ္ဂတေ၊ ယထာကမ္မူပဂေ သတ္တေ  
ပဇာနာတိ။

ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါ ဘိက္ခု၊ စတုသု ဣဒ္ဓိပါဒေသု ဧဝံ ဗဟုလီကတေသု  
အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ  
အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-မဟပ္ပလသုတ္တ

ဂ ၂၄။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝိတာ ဗဟုလီကတာ မဟပ္ပလာ  
ဟောန္တိ မဟာနိသံသာ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ  
ကထံ ဗဟုလီကတာ မဟပ္ပလာ ဟောန္တိ မဟာနိသံသာ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ ဆန္ဒော န  
စ အတိလီနော ဘာဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတော ဘာဝိဿတိ၊ န စ အဇ္ဈတ္တံ  
သံခိတ္တော ဘာဝိဿတိ၊ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တော ဘာဝိဿတိ၊ ပစ္ဆာပုရေသညိ စ  
ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ၊ ယထာ အဓော  
တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော၊ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ

တထာ ဒိဝါ၊ ဣတိ ဝိဝဋ္ဌေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။

ဝိရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ ဝိမံသာ န စ အတိလီနာ ဘဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတာ ဘဝိဿတိ၊ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တာ ဘဝိဿတိ၊ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တာ ဘဝိဿတိ၊ ပစ္ဆာပုရေသညိ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ၊ ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော၊ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ၊ ဣတိ ဝိဝဋ္ဌေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောန္တိ မဟာနိသံသာ။

ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စတူသု ဣဒ္ဓိပါဒေသု ဧဝံ ဗဟုလိကတေသု အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောတိ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဟောတိ။ပ။ ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္ထေတိ။ပ။

ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စတူသု ဣဒ္ဓိပါဒေသု ဧဝံ ဗဟုလိကတေသု အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သမ္ဘိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ဆန္ဒသမာဓိသုတ္တ

၈၂၅။ ဆန္ဒံ စေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု နိဿာယ လဘတိ သမာဓိံ၊ လဘတိ စိတ္တဿ ဧကဂ္ဂတံ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဆန္ဒသမာဓိ။ သော အနုပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ အနုပ္ပါဒါယ ဆန္ဒံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝိရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ ဥပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ပဟာနာယ ဆန္ဒံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝိရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ အနုပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဥပ္ပါဒါယ ဆန္ဒံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝိရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ ဥပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဌိတိယာ အသမ္မောသာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ ဆန္ဒံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝိရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ ဣမေ ဝုစ္စန္တိ ပဓာနသင်္ခါရာတိ၊ ဣတိ အယဉ္စ ဆန္ဒော အယဉ္စ ဆန္ဒသမာဓိ ဣမေ စ ပဓာနသင်္ခါရာ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတော ဣဒ္ဓိပါဒေါ။



ဝီရိယံ စေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု နိဿာယ လဘတိ သမာဓိံ၊ လဘတိ စိတ္တဿ ဧကဂ္ဂတံ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဝီရိယသမာဓိံ။ သော အနုပ္ပန္နာနံ။ ပ။ ဥပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဌိတိယာ အသမ္မောသာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ ဣမေ ဝုစ္စန္တိ ပဓာနသင်္ခါရာတိ။ ဣတိ ဣဒဉ္စ ဝီရိယံ အယဉ္စ ဝီရိယသမာဓိ ဣမေ စ ပဓာနသင်္ခါရာ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဝီရိယသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတော ဣဒ္ဓိပါဒေါ။

စိတ္တံ စေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု နိဿာယ လဘတိ သမာဓိံ၊ လဘတိ စိတ္တဿ ဧကဂ္ဂတံ၊ အယံ ဝုစ္စတိ စိတ္တသမာဓိံ။ သော အနုပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ။ ပ။ ဥပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဌိတိယာ အသမ္မောသာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ ဣမေ ဝုစ္စန္တိ ပဓာနသင်္ခါရာတိ။ ဣတိ ဣဒဉ္စ စိတ္တံ အယဉ္စ စိတ္တသမာဓိ ဣမေ စ ပဓာနသင်္ခါရာ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ စိတ္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတော ဣဒ္ဓိပါဒေါ။

ဝီရိယံ စေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု နိဿာယ လဘတိ သမာဓိံ၊ လဘတိ စိတ္တဿ ဧကဂ္ဂတံ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဝီရိယသမာဓိံ။ သော အနုပ္ပန္နာနံ ပါပကာနံ အကုသလာနံ ဓမ္မာနံ အနုပ္ပါဒါယ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ ပ။ ဥပ္ပန္နာနံ ကုသလာနံ ဓမ္မာနံ ဌိတိယာ အသမ္မောသာယ ဘိယျောဘာဝါယ ဝေပုလ္လာယ ဘာဝနာယ ပါရိပူရိယာ ဆန္တံ ဇနေတိ ဝါယမတိ၊ ဝီရိယံ အာရဘတိ၊ စိတ္တံ ပဂ္ဂဏှာတိ ပဒဟတိ။ ဣမေ ဝုစ္စန္တိ ပဓာနသင်္ခါရာ။ ဣတိ အယဉ္စ ဝီရိယံ အယဉ္စ ဝီရိယသမာဓိ ဣမေ စ ပဓာနသင်္ခါရာ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဝီရိယသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတော ဣဒ္ဓိပါဒေါတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-မောဂ္ဂလ္လာနသုတ္တ

၈၂၆။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ ပုဗ္ဗာရာမေ မိဂါရမာတုပါသာဒေ။ တေန ခေါ ပန သမယေန သမ္ပဟုလာ ဘိက္ခုဟေဋ္ဌာမိဂါရမာတုပါသာဒေ ဝိဟရန္တိ ဥဒ္ဓတာ ဥဒ္ဓန္ဓာ စပလာ မုခရာ ဝိကိဏ္ဏဝါစာ မုဋ္ဌဿတိနော အသမ္ပဇာနာ အသမာဟိတာ ဘန္တစိတ္တာ<sup>၁</sup> ပါကတိန္ဒြိယာ။

အထ ခေါ ဘဂဝါ အာယသ္မန္တံ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနံ အာမန္တေသိ “ဧတေ ခေါ မောဂ္ဂလ္လာန သဗြဟ္မစာရိနော ဟေဋ္ဌာမိဂါရမာတုပါသာဒေ ဝိဟရန္တိ ဥဒ္ဓတာ ဥဒ္ဓန္တာ စပလာ မုခရာ ဝိကိဏ္ဍဝါစာ မုဋ္ဌဿတိနော အသမ္ပဇာနာ အသမာဟိတာ ဘန္တစိတ္တာ ပါကတိဋ္ဌိယာ၊ ဂစ္ဆ မောဂ္ဂလ္လာန၊ တေ ဘိက္ခု သံဝေဇေဟိ”တိ။

“ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ အာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော ဘဂဝတော ပဋိဿုတွာ တထာရူပံ ဣဒ္ဓါဘိသင်္ခါရံ အဘိသင်္ခါသိ”။ ယထာ ပါဒဂုံဋ္ဌကေန မိဂါရမာတုပါသာဒံ သက်မွေသိ သမ္ပကမွေသိ သမ္ပစာလေသိ။ အထ ခေါ တေ ဘိက္ခု သံဝိဂ္ဂါ လောမဟဋ္ဌဇာတာ ဧကမန္တံ အဋ္ဌံသု၊ အစ္ဆရိယံ ဝတ ဘော၊ အပ္ပုတံ ဝတ ဘော၊ နိဝါတဉ္စ ဝတ၊ အယဉ္စ မိဂါရမာတုပါသာဒေါ ဂမ္ဘီရနေမော သုနိခါတော အစလော အသမ္ပကမ္ဘိ၊ အထ စ ပန သက်မွေတော သမ္ပကမ္ဘိတော သမ္ပစာလိတောတိ။

အထ ခေါ ဘဂဝါ ယေန တေ ဘိက္ခု တေနုပသက်မိ၊ ဥပသက်မိတွာ တေ ဘိက္ခု ဘဂဝါ တေဒဝေါစ “ကိ” န တုမှေ ဘိက္ခဝေ သံဝိဂ္ဂါ လောမဟဋ္ဌဇာတာ ဧကမန္တံ ဌိတာ”တိ။ အစ္ဆရိယံ ဘန္တေ၊ အပ္ပုတံ ဘန္တေ၊ နိဝါတဉ္စ ဝတ၊ အယဉ္စ မိဂါရမာတုပါသာဒေါ ဂမ္ဘီရနေမော သုနိခါတော အစလော အသမ္ပကမ္ဘိ၊ အထ စ ပန သက်မွေတော သမ္ပကမ္ဘိတော သမ္ပစာလိတောတိ။ တုမှေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ သံဝေဇေတုကာမေန မောဂ္ဂလ္လာနေန ဘိက္ခုနာ ပါဒဂုံဋ္ဌကေန မိဂါရမာတုပါသာဒေါ သက်မွေတော သမ္ပကမ္ဘိတော သမ္ပစာလိတော။ တံ ကိ” မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမေသံ ဓမ္မာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မောဂ္ဂလ္လာနော ဘိက္ခု ဧဝံမဟိဋ္ဌိကော ဧဝံမဟာနုဘာဝေါတိ။ ဘဂဝံမူလကာ နော ဘန္တေ ဓမ္မာ ဘဂဝံနေတ္ထိကာ ဘဂဝံပဋိသရဏာ၊ သာဓု ဝတ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံယေဝ ပဋိဘာတု ဧတဿ ဘာသိတဿ အတ္ထော၊ ဘဂဝတော သုတွာ ဘိက္ခု ဓာရေဿန္တိတိ။

တေန ဟိ ဘိက္ခဝေ သုဏာထ၊ စတုန္တံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မောဂ္ဂလ္လာနော ဘိက္ခု ဧဝံမဟိဋ္ဌိကော ဧဝံမဟာနုဘာဝေါ။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ မောဂ္ဂလ္လာနော ဘိက္ခု ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဝီရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ ဝိမံသာ န

စ အတိလိနာ ဘဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတာ ဘဝိဿတိ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တာ ဘဝိဿတိ၊ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တာ ဘဝိဿတိ။ ပစ္ဆာပုရေသညီ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ၊ ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော၊ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ၊ ဣတိ ဝိဝဋ္ဌေန စေတသာ အပရိယော-  
နဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မောဂ္ဂလ္လာနော ဘိက္ခု၊ ဧဝံမဟိဒ္ဓိကော ဧဝံမဟာနုဘာဝေါ၊ ဣမေသဉ္စ ပန ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မောဂ္ဂလ္လာနော ဘိက္ခု၊ အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနုဘောတိ။ ပ။  
ယာဝ မြဟ္မလောကာဝိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေတိ။ ပ။ ဣမေသဉ္စ ပန ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မောဂ္ဂလ္လာနော ဘိက္ခု၊ အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ဥက္ကာဘဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၈၂၇။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ကောသဗ္ဗိယံ ဝိဟရတိ ဘောသိတာရာမေ။ အထ ခေါ ဥက္ကာဘောဗြာဟ္မဏော ယေနာယသ္မာ အာနန္ဒော တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မတာ အာနန္ဒေန သဒ္ဓိံ သမ္မောဒိ၊ သမ္မောဒနီယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသီန္ဒော ခေါ ဥက္ကာဘော ဗြာဟ္မဏော အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ တေဒဝေါစ “ကိမတ္ထိယံ န ခေါ ဘော အာနန္တံ သမဏေ ဂေါတမေ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိ”တိ။ ဆန္ဒပ္ပဟာနတ္ထံ ခေါ ဗြာဟ္မဏ ဘဂဝတိ မြဟ္မစရိယံ ဝုဿတိတိ။

အတ္ထိ ပန ဘော အာနန္တံ မဂ္ဂေါ၊ အတ္ထိ ပဋိပဒါ ဧတဿ ဆန္ဒဿ ပဟာနာယာတိ။ အတ္ထိ ခေါ ဗြာဟ္မဏ မဂ္ဂေါ၊ အတ္ထိ ပဋိပဒါ ဧတဿ ဆန္ဒဿ ပဟာနာယာတိ။

ကတမော ပန ဘော အာနန္တံ မဂ္ဂေါ၊ ကတမာ ပဋိပဒါ ဧတဿ ဆန္ဒဿ ပဟာနာယာတိ၊ ဣဓ ဗြာဟ္မဏ ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရ-  
သမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဝီရိယသမာဓိ။ ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝီရိယသ-  
မာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ အယံ ခေါ ဗြာဟ္မဏ မဂ္ဂေါ အယံ ပဋိပဒါ ဧတဿ ဆန္ဒဿ ပဟာနာယာတိ။

ဧဝံ သန္တေ ဘော အာနန္ဒ သန္တကံ ဟောတိ နော အသန္တကံ။ ဆန္တေနော ဆန္တံ ပဇဟိဿတိတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ တေန ဟိ မြာဟ္မဏ တညေဝေတ္ထ ပဋိပုစ္ဆိဿာမိ။ ယထာ တေ ခမေယျ၊ တထာ တံ ဗျာကရေယျာသိ။ တံ ကိံ မညသိ မြာဟ္မဏ၊ အဟောသိ တေ ပုဗ္ဗေ ဆန္တော “အာရာမံ ဂမိဿာမီ”တိ၊ တဿ တေ အာရာမဂတဿ ယော တဇ္ဇော ဆန္တော၊ သော ပဋိပ္ပဿဒ္ဓေါတိ။ ဧဝံ ဘော။ အဟောသိ တေ ပုဗ္ဗေ ဝိရိယံ “အာရာမံ ဂမိဿာမီ”တိ၊ တဿ တေ အာရာမဂတဿ ယံ တဇ္ဇံ ဝိရိယံ၊ တံ ပဋိပ္ပဿဒ္ဓန္တိ။ ဧဝံ ဘော။ အဟောသိ တေ ပုဗ္ဗေ စိတ္တံ “အာရာမံ ဂမိဿာမီ”တိ၊ တဿ တေ အာရာမဂတဿ ယံ တဇ္ဇံ စိတ္တံ၊ တံ ပဋိပ္ပဿဒ္ဓန္တိ။ ဧဝံ ဘော။ အဟောသိ တေ ပုဗ္ဗေ ဝိမံသာ “အာရာမံ ဂမိဿာမီ”တိ၊ တဿ တေ အာရာမဂတဿ ယာ တဇ္ဇာ ဝိမံသာ၊ သာ ပဋိပ္ပဿဒ္ဓေါတိ။ ဧဝံ ဘော။

ဧဝမေဝ ခေါ မြာဟ္မဏ ယော သော ဘိက္ခု အရဟံ ဒီဏာသဝေါ ပုသိတဝါ ကတကရဏိယော ဩဟိတဘာရော အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနော သမ္ပဒညာဝိမုတ္တော၊ တဿ ယော ပုဗ္ဗေ ဆန္တော အဟောသိ အရဟတ္တပ္ပတ္တိယာ၊ အရဟတ္တပ္ပတ္တေ ယော တဇ္ဇော ဆန္တော၊ သော ပဋိပ္ပဿဒ္ဓေါ။ ယံ ပုဗ္ဗေ ဝိရိယံ အဟောသိ အရဟတ္တပ္ပတ္တိယာ၊ အရဟတ္တပ္ပတ္တေ ယံ တဇ္ဇံ ဝိရိယံ၊ တံ ပဋိပ္ပဿဒ္ဓံ။ ယံ ပုဗ္ဗေ စိတ္တံ အဟောသိ အရဟတ္တပ္ပတ္တိယာ၊ အရဟတ္တပ္ပတ္တေ ယံ တဇ္ဇံ စိတ္တံ၊ တံ ပဋိပ္ပဿဒ္ဓံ။ ယာ ပုဗ္ဗေ ဝိမံသာ အဟောသိ အရဟတ္တပ္ပတ္တိယာ၊ အရဟတ္တပ္ပတ္တေ ယာ တဇ္ဇာ ဝိမံသာ၊ သာ ပဋိပ္ပဿဒ္ဓေါ။ တံ ကိံ မညသိ မြာဟ္မဏ၊ ဣတိ ဧဝံ သန္တေ သန္တကံ ဝါ ဟောတိ နော အသန္တကံ ဝါတိ။

အပ္ပါ ဘော အာနန္ဒ ဧဝံ သန္တေ သန္တကံ ဟောတိ နော အသန္တကံ။ အဘိက္ကန္တံ ဘော အာနန္ဒ၊ အဘိက္ကန္တံ ဘော အာနန္ဒ၊ သေယျထာဝိ ဘော အာနန္ဒ နိက္ကဇ္ဇိတံ ဝါ ဥက္ကဇ္ဇေယျ၊ ပဋိစ္ဆန္တံ ဝါ ဝိဝရေယျ၊ မူဠဿ ဝါ မဂ္ဂံ အာစိက္ခေယျ၊ အန္ဓကာရေ ဝါ တေလပဇ္ဇောတံ ဓာရေယျ “စက္ခုမန္တော ရူပါနိ ဒက္ခန္တိ”တိ၊ ဧဝမေဝံ ဘောတာ အာနန္ဒေန အနေကပရိယာယေန ဓမ္မော ပကာသိတော၊ ဒေသာဟံ ဘော အာနန္ဒ တံ ဘဝန္တံ ဂေါတမံ သရဏံ ဂစ္ဆာမိ ဓမ္မဉ္စ ဘိက္ခုသံဃဉ္စ၊ ဥပါသကံ မံ ဘဝံ အာနန္ဒော ဓာရေတု အဇ္ဇတဂ္ဂေ ပါဏုပေတံ သရဏံ ဂတန္တိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-ပဌမသမဏဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၈၂၈။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတီတမဋ္ဌါနံ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ မဟိဋ္ဌိကာ အဟေသံ မဟာနုဘာဝါ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဋ္ဌါနံ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ မဟိဋ္ဌိကာ ဘဝိဿန္တိ မဟာနုဘာဝါ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ မဟိဋ္ဌိကာ မဟာနုဘာဝါ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။

ကတမေသံ စတုနံ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတီတမဋ္ဌါနံ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ မဟိဋ္ဌိကာ အဟေသံ မဟာနုဘာဝါ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဋ္ဌါနံ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ မဟိဋ္ဌိကာ ဘဝိဿန္တိ မဟာနုဘာဝါ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ မဟိဋ္ဌိကာ မဟာနုဘာဝါ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-ဒုတိယသမဏဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၈၂၉။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတီတမဋ္ဌါနံ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောသံ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ အဟေသံ၊ ဗဟုဓာပိ ဟုတွာ ဧကော အဟေသံ၊ အာဝိဘာဝံ တိရောဘာဝံ တိရောကုနံ တိရောပါကာရံ တိရောပဗ္ဗတံ အသဇ္ဇမာနာ အဂမံသု သေယျထာပိ အာကာသေ။ ပထဝိယာပိ ဥမ္မုဇ္ဇနိမုဇ္ဇံ အကံသု သေယျထာပိ ဥဒကေ။ ဥဒကေပိ အဘိဇ္ဇမာနေ<sup>၁</sup> အဂမံသု သေယျထာပိ ပထဝိယံ။ အာကာသေပိ ပလ္လင်္ကေန ကမိံသု သေယျထာပိ ပက္ခိ သကုဏော။ ဣမေပိ စန္ဒိမသုရိယေ ဧဝံမဟိဋ္ဌိကေ ဧဝံမဟာနုဘာဝေ ပါဏိနာ ပရိမသိံသု<sup>၂</sup> ပရိမဇ္ဇိံသု၊ ယာဝ ဗြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေသံ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။

ယေ ဟိ ကေဓိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဋ္ဌါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟ္မဏာ ဝါ အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောဿန္တိ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဘဝိဿန္တိ၊ ဗဟုဓာပိ ဟုတွာ ဧကော ဘဝိဿန္တိ၊ အာဝိဘာဝံ တိရောဘာဝံ တိရောကုန္တံ တိရောပါကာရံ တိရောပဗ္ဗတံ အသဇ္ဇမာနာ ဂမိဿန္တိ သေယျထာပိ အာကာသေ။ ပထဝိယာပိ ဥမ္မုဇ္ဇနိမုဇ္ဇံ ကရိဿန္တိ သေယျထာပိ ဥဒကေ။ ဥဒကေပိ အဘိဇ္ဇမာနေ ဂမိဿန္တိ သေယျထာပိ ပထဝိယံ။ အာကာသေပိ ပလ္လင်္ကေန ကမိဿန္တိ သေယျထာပိ ပက္ခိ သကုဏော။ ဣမေပိ စန္ဒိမသုရိယေ ဧဝံမဟိဒ္ဓိကေ ဧဝံမဟာနုဘာဝေ ပါဏိနာ ပရိမသိဿန္တိ ပရိမဇ္ဇိဿန္တိ၊ ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တိဿန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။

ယေ ဟိ ကေဓိ ဘိက္ခဝေ တေရဟိ သမဏာ ဝါ မြာဟ္မဏာ ဝါ အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောဿန္တိ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဟောဿန္တိ၊ ဗဟုဓာပိ ဟုတွာ ဧကော ဟောဿန္တိ၊ အာဝိဘာဝံ တိရောဘာဝံ တိရောကုန္တံ တိရောပါကာရံ တိရောပဗ္ဗတံ အသဇ္ဇမာနာ ဂစ္ဆန္တိ သေယျထာပိ အာကာသေ။ ပထဝိယာပိ ဥမ္မုဇ္ဇနိမုဇ္ဇံ ကရောဏန္တိ သေယျထာပိ ဥဒကေ။ ဥဒကေပိ အဘိဇ္ဇမာနေ ဂစ္ဆန္တိ သေယျထာပိ ပထဝိယံ။ အာကာသေပိ ပလ္လင်္ကေန ကမန္တိ သေယျထာပိ ပက္ခိ သကုဏော။ ဣမေပိ စန္ဒိမသုရိယေ ဧဝံမဟိဒ္ဓိကေ ဧဝံမဟာနုဘာဝေ ပါဏိနာ ပရိမသန္တိ ပရိမဇ္ဇန္တိ၊ ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာတိ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ယေ ဟိ ကေဓိ ဘိက္ခဝေ အတီတမဋ္ဌါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟ္မဏာ ဝါ အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောသုံ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ အဟေသုံ။ ပ။ ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေသုံ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။

ယေ ဟိ ကေဓိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဋ္ဌါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟ္မဏာ ဝါ အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောဿန္တိ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဘဝိဿန္တိ။ ပ။ ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တိဿန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ။

ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ အနေကရိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောန္တိ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဟောန္တိ။ပ။ ယာဝ မြဟူလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-ဘိက္ခုသုတ္တ

၈၃၀။ စတုန္တံ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဘိက္ခု အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝီရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရ- သမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဘိက္ခု အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဣဒ္ဓါဒိဒေသနာသုတ္တ

၈၃၁။ ဣဒ္ဓိံ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဒေသေဿာမိ ဣဒ္ဓိပါဒဉ္စ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနဉ္စ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနိဉ္စ ပဋိပဒံ၊ တံ သုဏာထ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိံ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အနေကရိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောတိ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဟောတိ၊ ဗဟုဓာပိ ဟုတွာ ဧကော ဟောတိ။ပ။ ယာဝ မြဟူလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေတိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိံ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒေါ၊ ယော သော ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ ယာ ပဋိပဒါ ဣဒ္ဓိလာဘာယ ဣဒ္ဓိပဋိလာဘာယ သံဝတ္တတိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒေါ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဆန္ဒ- သမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝီရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါ၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ သမ္မာဝါစာ သမ္မာကမ္မန္တော သမ္မာအာဇီဝေါ သမ္မာဝါယာမော သမ္မာသတိ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဝိဘင်္ဂသုတ္တ

၈၃၂။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောန္တိ မဟာနိသံသာ။

ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ ကထံ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောန္တိ မဟာနိသံသာ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ ဆန္ဒော န စ အတိလိနော ဘဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတော ဘဝိဿတိ၊ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တော ဘဝိဿတိ၊ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တော ဘဝိဿတိ။ ပစ္စာပုရေသညိ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္စာ၊ ယထာ ပစ္စာ တထာ ပုရေ။ ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော။ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ။ ဣတိ ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ ဝိမံသာ န စ အတိလိနော ဘဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတာ ဘဝိဿတိ၊ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တာ ဘဝိဿတိ၊ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တာ ဘဝိဿတိ။ ပစ္စာပုရေသညိ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္စာ၊ ယထာ ပစ္စာ တထာ ပုရေ။ ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော။ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ။ ဣတိ ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ အတိလိနော ဆန္ဒော၊ ယော ဘိက္ခဝေ ဆန္ဒော ကောသဇ္ဇသဟဂတော ကောသဇ္ဇသမ္ပယုတ္တော၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အတိလိနော ဆန္ဒော။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတော ဆန္ဒော၊ ယော ဘိက္ခဝေ ဆန္ဒော ဥဒ္ဓစ္စသဟဂတော ဥဒ္ဓစ္စသမ္ပယုတ္တော၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတော ဆန္ဒော။



ကတမော စ ဘိက္ခဝေ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တော ဆန္တော၊ ယော ဘိက္ခဝေ ဆန္တော ထိနမိဒ္ဓသဟဂတော ထိနမိဒ္ဓသမ္ပယုတ္တော၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တော ဆန္တော။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တော ဆန္တော၊ ယော ဘိက္ခဝေ ဆန္တော ဗဟိဒ္ဓါ ပဉ္စ ကာမဂုဏေ အာရဗ္ဘ အနုဝိက္ခိတ္တော အနုဝိသဇ္ဇော၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တော ဆန္တော။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပစ္ဆာပုရေသညီ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပစ္ဆာ-ပုရေသညာ သုဂ္ဂဟိတာ ဟောတိ သုမနသိကတာ သူပဓာရိတာ သုပ္ပဋိဝိဒ္ဓါ ပညာယ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ပစ္ဆာပုရေသညီ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော ဝိဟရတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဣမမေဝ ကာယံ ဥဒ္ဓံ ပါဒတလာ အဓော ကေသမတ္တကာ တစပရိယန္တံ ပူရံ နာနပ္ပကာရဿ အသုစိနော ပစ္စဝေက္ခတိ “အတ္ထိ ဣမသ္မိ” ကာယေ ကေသာ လောမာ နခါ ဒန္တာ တစော၊ မံသံ နှာရ အဋ္ဌိ အဋ္ဌိမိဉ္စ ဝက္ကံ၊ ဟဒယံ ယကနံ ကိလောမကံ ဝိဟကံ ပပ္ပါသံ၊ အန္တံ အန္တဂုဏံ ဥဒရိယံ ကရိသံ၊ ဝိတ္တံ သေမံ ပုဗ္ဗော လောဟိတံ သေဒေါ မေဒေါ၊ အဿု ဝဿာ ခေဋ္ဌော သိဃာဏိကာ လသိကာ မုတ္တ”န္တိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော ဝိဟရတိ။

ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ ဝိဟရတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယေဟိ အာကာရေဟိ ယေဟိ လိင်္ဂေဟိ ယေဟိ နိမိတ္တေဟိ ဒိဝါ ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ သော တေဟိ အာကာရေဟိ တေဟိ လိင်္ဂေဟိ တေဟိ နိမိတ္တေဟိ ရတ္တိံ ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ယေဟိ ဝါ ပန အာကာရေဟိ ယေဟိ လိင်္ဂေဟိ ယေဟိ နိမိတ္တေဟိ ရတ္တိံ ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ သော တေဟိ အာကာရေဟိ တေဟိ လိင်္ဂေဟိ တေဟိ နိမိတ္တေဟိ ဒိဝါ ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ ဝိဟရတိ။

ကထမ္ဘ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အာလောကသညာ သုဂ္ဂဟိတာ ဟောတိ။ ဒိဝါသညာ သွာမိဋ္ဌိတာ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။

ကတမ္ဘ ဘိက္ခဝေ အတိလိနံ ဝီရိယံ။ ယံ ဘိက္ခဝေ ဝီရိယံ ကောသဇ္ဇသဟဂတံ ကောသဇ္ဇသမ္ပယုတ္တံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အတိလိနံ ဝီရိယံ။

ကတမ္ဘ ဘိက္ခဝေ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတံ ဝီရိယံ။ ယံ ဘိက္ခဝေ ဝီရိယံ ဥဒ္ဓစ္စသဟဂတံ ဥဒ္ဓစ္စသမ္ပယုတ္တံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတံ ဝီရိယံ။

ကတမ္ဘ ဘိက္ခဝေ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တံ ဝီရိယံ။ ယံ ဘိက္ခဝေ ဝီရိယံ ထိနမိဒ္ဓသဟဂတံ ထိနမိဒ္ဓသမ္ပယုတ္တံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တံ ဝီရိယံ။

ကတမ္ဘ ဘိက္ခဝေ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တံ ဝီရိယံ။ ယံ ဘိက္ခဝေ ဝီရိယံ ဗဟိဒ္ဓါ ပဉ္စ ကာမဂုဏေ အာရဗ္ဗ အနုဝိက္ခိတ္တံ အနုဝိသင်္ခံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တံ ဝီရိယံ။ ပ။

ကထမ္ဘ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အာလောကသညာ သုဂ္ဂဟိတာ ဟောတိ။ ဒိဝါသညာ သွာမိဋ္ဌိတာ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။

ကတမ္ဘ ဘိက္ခဝေ အတိလိနံ စိတ္တံ။ ယံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ ကောသဇ္ဇသဟဂတံ ကောသဇ္ဇသမ္ပယုတ္တံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အတိလိနံ စိတ္တံ။

ကတမ္ဘ ဘိက္ခဝေ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတံ စိတ္တံ။ ယံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ ဥဒ္ဓစ္စသဟဂတံ ဥဒ္ဓစ္စသမ္ပယုတ္တံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတံ စိတ္တံ။

ကတမ္ဘ ဘိက္ခဝေ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တံ စိတ္တံ။ ယံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ ထိနမိဒ္ဓသဟဂတံ ထိနမိဒ္ဓသမ္ပယုတ္တံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တံ စိတ္တံ။

ကတမ္ဘ ဘိက္ခဝေ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တံ စိတ္တံ။ ယံ ဘိက္ခဝေ စိတ္တံ ဗဟိဒ္ဓါ ပဉ္စ ကာမဂုဏေ အာရဗ္ဗ အနုဝိက္ခိတ္တံ အနုဝိသင်္ခံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တံ စိတ္တံ။ ပ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ အတိလိနာ ဝီရိယံ။ ယာ ဘိက္ခဝေ ဝီရိယံ ကောသဇ္ဇသဟဂတာ ကောသဇ္ဇသမ္ပယုတ္တာ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အတိလိနာ ဝီရိယံ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတာ ဝိမံသာ၊ ယာ ဘိက္ခဝေ ဝိမံသာ ဥဒ္ဓစ္စသဟဂတာ ဥဒ္ဓစ္စသမ္ပယုတ္တာ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတာ ဝိမံသာ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တာ ဝိမံသာ၊ ယာ ဘိက္ခဝေ ဝိမံသာ ထိနမိဒ္ဓသဟဂတာ ထိနမိဒ္ဓသမ္ပယုတ္တာ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တာ ဝိမံသာ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တာ ဝိမံသာ၊ ယာ ဘိက္ခဝေ ဝိမံသာ ဗဟိဒ္ဓါ ပဉ္စ ကာမဂုဏေ အာရဗ္ဘ အနုဝိက္ခိတ္တာ အနုဝိသဋ္ဌာ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တာ ဝိမံသာ။ပ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ၊ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောန္တိ မဟာနိသံသာ။

ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စတုသု ဣဒ္ဓိပါဒေသု ဧဝံ ဗဟုလိကတေသု အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောတိ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဟောတိ၊ ဗဟုဓာပိ ဟုတွာ ဧကော ဟောတိ။ပ။ ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္ထေတိ။ ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စတုသု ဣဒ္ဓိပါဒေသု ဧဝံ ဗဟုလိကတေသု အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိတိ။ ။ဒသမံ။

ပါသာဒကမ္ပနဝဂ္ဂေါ ဒုတိယော။

### တသုဒ္ဓါနံ

ပုဗ္ဗံ မဟပ္ပလံ ဆန္တံ၊ မောဂ္ဂလ္လာနဉ္စ ဥဏ္ဍာဘံ။

ဒွေ သမဏဗြာဟ္မဏာ ဘိက္ခု၊ ဒေသနာ ဝိဘဇ္ဇေန စာတိ။

### ၃-အယောဂုဋ္ဌဝဂ္ဂ

#### ၁-မဂ္ဂသုတ္တ

ဂဉ္ဇု။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ပုဗ္ဗေဝ မေ ဘိက္ခဝေ သမ္မောဓာ အနဘိသမ္ပုဒ္ဓဿ ဗောဓိသတ္တဿေဝ သတော ဧတဒဟောသိ “ကော န ခေါ မဂ္ဂေါ ကာ ပဋိပဒါ

ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာယာ”တိ။ တဿ မယံ ဘိက္ခဝေ တေဒဟောသိ—ဇုမ ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဣတိ မေ ဆန္ဒော န စ အတိလိနော ဘဝိဿတိ။ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတော ဘဝိဿတိ။ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တော ဘဝိဿတိ။ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တော ဘဝိဿတိ။ ပစ္ဆာပုရေသညိ စ ဝိဟရတိ။ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ။ ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော။ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ။ ဣတိ ဝိဝဋ္ဌေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဣတိ မေ ဝိမံသာ န စ အတိလိနော ဘဝိဿတိ။ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတော ဘဝိဿတိ။ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တော ဘဝိဿတိ။ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တော ဘဝိဿတိ။ ပစ္ဆာပုရေသညိ စ ဝိဟရတိ။ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ။ ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော။ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ။ ဣတိ ဝိဝဋ္ဌေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။

ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စတုသု ဣဒ္ဓိပါဒေသု ဧဝံ ဗဟုလိကတေသု အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိမံ ပစ္စနဘောတိ။ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဟောတိ။ ဗဟုဓာပိ ဟုတွာ ဧကော ဟောတိ။ ပ။ ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေတိ။ ဧဝံ ဘာဝိတေသု ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စတုသု ဣဒ္ဓိပါဒေသု ဧဝံ ဗဟုလိကတေသု အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သမ္ဘိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိတိ။ ။ပဌမံ။

(ဆပိ အဘိညာယော ဝိတ္တာရေတဗ္ဗာ။)

## ၂-အယောရုဋ္ဌသုတ္တ

၈၃၄။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္ဒော ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “အဘိဇာနာတိ န ခေါ ဘန္တေ ဘဂဝါ ဣဒ္ဓိယာ မနောမယေန ကာယေန မြဟ္မလောကံ ဥပသင်္ကမိတာ”တိ။ အဘိဇာနာမိ ခွါဟံ အာနန္ဒ ဣဒ္ဓိယာ မနောမယေန ကာယေန မြဟ္မလောကံ ဥပသင်္ကမိတာတိ။ အဘိဇာနာတိ ပန ဘန္တေ ဘဂဝါ ဣမိနာ စာတုမဟာဘူတိကေန ကာယေန ဣဒ္ဓိယာ မြဟ္မလောကံ

ဥပသင်္ကမိတာတိ။ အဘိဇာနာမိ ခွါဟံ အာနန္တ ဣမိနာ စာတုမဟာဘူတိကေန<sup>၁</sup>  
ကာယေန ဣဒ္ဓိယာ မြဟ္မလောကံ ဥပသင်္ကမိတာတိ။

ယဉ္ဇ ခေါ် ဩမာတိ ဘန္တေ ဘဂဝါ ဣဒ္ဓိယာ မနောမယေန ကာယေန  
မြဟ္မလောကံ ဥပသင်္ကမိတုံ၊ ယဉ္ဇ ခေါ် အဘိဇာနာတိ ဘန္တေ ဘဂဝါ ဣမိနာ  
စာတုမဟာဘူတိကေန ကာယေန ဣဒ္ဓိယာ မြဟ္မလောကံ ဥပသင်္ကမိတာ၊  
တယိဒံ ဘန္တေ ဘဂဝတော အတ္တရိယံ စေဝ အတ္တုတံ စာတိ။ အတ္တရိယာ စေဝ  
အာနန္တ တထာဂတာ အတ္တရိယဓမ္မသမန္နာဂတာ စ၊ အတ္တုတာ စေဝ အာနန္တ  
တထာဂတာ အတ္တုတဓမ္မသမန္နာဂတာ စ။

ယသ္မိံ အာနန္တ သမယေ တထာဂတော ကာယမ္ပိ စိတ္တေ သမောဒဟတိ၊<sup>၂</sup>  
စိတ္တမ္ပိ ကာယေ သမောဒဟတိ၊ သုခသညဉ္စ လဟုသညဉ္စ ကာယေ  
ဩက္ကမိတွာ ဝိဟရတိ။ တသ္မိံ အာနန္တ သမယေ တထာဂတဿ ကာယော  
လဟုတရော စေဝ ဟောတိ မုဒုတရော စ ကမ္မနိယတရော စ ပဘဿရ-  
တရော စ။

သေယျထာပိ အာနန္တ အယောဂုဋ္ဌော ဒီဝသံ သန္တတ္တော လဟုတရော  
စေဝ ဟောတိ မုဒုတရော စ ကမ္မနိယတရော စ ပဘဿရတရော စ။  
ဝေမေဝ ခေါ် အာနန္တ ယသ္မိံ သမယေ တထာဂတော ကာယမ္ပိ စိတ္တေ  
သမောဒဟတိ၊ စိတ္တမ္ပိ ကာယေ သမောဒဟတိ၊ သုခသညဉ္စ လဟုသညဉ္စ  
ကာယေ ဩက္ကမိတွာ ဝိဟရတိ၊ တသ္မိံ အာနန္တ သမယေ တထာဂတဿ  
ကာယော လဟုတရော စေဝ ဟောတိ မုဒုတရော စ ကမ္မနိယတရော စ  
ပဘဿရတရော စ။

ယသ္မိံ အာနန္တ သမယေ တထာဂတော ကာယမ္ပိ စိတ္တေ သမောဒဟတိ၊  
စိတ္တမ္ပိ ကာယေ သမောဒဟတိ၊ သုခသညဉ္စ လဟုသညဉ္စ ကာယေ ဩက္ကမိတွာ  
ဝိဟရတိ၊ တသ္မိံ အာနန္တ သမယေ တထာဂတဿ ကာယော အပ္ပကသိရေနေဝ  
ပထဝိယာ ဝေဟာသံ အတ္တုဂ္ဂစ္ဆတိ။ သော အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောတိ၊  
ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဟောတိ၊ ဗဟုဓာပိ ဟုတွာ ဧကော ဟောတိ။ပ။  
ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေတိ။

သေယျထာပိ အာနန္တ တူလပိစု ဝါ ကပ္ပိသပိစု ဝါ လဟုကော ဝါတူ-  
ပါဒါနော အပ္ပကသိရေနေဝ ပထဝိယာ ဝေဟာသံ အတ္တုဂ္ဂစ္ဆတိ။ ဧဝေမေ  
ခေါ် အာနန္တ ယသ္မိံ သမယေ တထာဂတော ကာယမ္ပိ စိတ္တေ သမောဒဟတိ၊

စိတ္တဗ္ဗိ ကာယေ သမောဒဟတိ၊ သုခသညဉ္စ လဟုသညဉ္စ ကာယေ ဩက္ကမိတွာ  
ဝိဟရတိ၊ တသ္မိံ အာနန္တ သမယေ တထာဂတဿ ကာယော အပ္ပကသီရေနော  
ပထဝိယာ ဝေဟာသံ အတ္တဂုစ္ဆတိ။ သော အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောတိ။  
ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဟောတိ။ ပ။ ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ  
ဝတ္တေတိတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ဘိက္ခုသုတ္တ

၈၃၅။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒါ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ ပ။  
စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။  
ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ၊ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုနံ  
ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဘိက္ခု အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ  
စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သမ္ဘိကတွာ  
ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-သုဒ္ဓိကသုတ္တ

၈၃၆။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒါ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ ပ။  
စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဣမေ  
ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ပဌမဖလသုတ္တ

၈၃၇။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒါ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ  
ဘိက္ခု ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ ပ။  
စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဣမေ  
ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ၊ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုနံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ  
ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဘိက္ခုနာ ဦးနံ ဖလာနံ အညတရံ ဖလံ  
ပါဠိကံ။ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ အညာ၊ သတိ ဝါ ဥပါဒိသေသေ အနာဂါမိ-  
တာတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-ဒုတိယဖလသုတ္တ

၈၃၈။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဣဋ္ဌိပါဒါ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဋ္ဌိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝီရိယသမာဓိ။ ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝီရိယသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဋ္ဌိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဣဋ္ဌိပါဒါ၊ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဋ္ဌိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလီကတတ္တာ သတ္တ ဖလာ သတ္တာနိသံသာ ပါဠိကမ္ပိ။

ကတမေ သတ္တ ဖလာ သတ္တာနိသံသာ၊ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ<sup>၁</sup> အညံ အာရာဓေတိ။ နော စေ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ အညံ အာရာဓေတိ၊ အထ မရဏကာလေ အညံ အာရာဓေတိ။ နော စေ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ အညံ အာရာဓေတိ၊ နော စေ မရဏကာလေ အညံ အာရာဓေတိ၊ အထ ပဉ္စန္ဓံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ၊ ဥဋ္ဌိသောတော ဟောတိ အကနိဋ္ဌဂါမီ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဋ္ဌိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလီကတတ္တာ ဣမေ သတ္တ ဖလာ သတ္တာနိသံသာ ပါဠိကမ္ပိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-ပဌမအာနန္ဒသုတ္တ

၈၃၉။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္ဒော ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ။—

ကတမာ န ခေါ ဘန္တေ ဣဋ္ဌိ၊ ကတမော ဣဋ္ဌိပါဒေါ၊ ကတမာ ဣဋ္ဌိပါဒ-ဘာဝနာ၊ ကတမာ ဣဋ္ဌိပါဒဘာဝနာဂါမိနီ ပဋိပဒါတိ။ ဣဓာနန္တ ဘိက္ခု၊ အနေကဝိဟိတံ ဣဋ္ဌိဝိဓံ ပစ္စနုဘောတိ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဟောတိ၊ ဗဟုဓာပိ ဟုတွာ ဧကော ဟောတိ။ ပ။ ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္ထေတိ၊ အယံ ဝုစ္စတာနန္တ ဣဋ္ဌိ။

ကတမော စာနန္တ ဣဋ္ဌိပါဒေါ၊ ယော အာနန္တ မဂ္ဂေါ ယာ ပဋိပဒါ ဣဋ္ဌိလာဘာယ ဣဋ္ဌိပဋိလာဘာယ သံဝတ္တတိ၊ အယံ ဝုစ္စတာနန္တ ဣဋ္ဌိပါဒေါ။

ကတမာ စာနန္တ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ၊ ဣဓာနန္တ ဘိက္ခု၊ ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာန-  
သင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာ-  
သမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ အယံ ဝုစ္စတာနန္တ  
ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ။

ကတမာ စာနန္တ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါ၊ အယမေဝ အရိယော  
အဋ္ဌကိကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ၊ အယံ ဝုစ္စတာနန္တ  
ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါတိ။ ။သတ္တမံ။

### ဂ-ဗုဒ္ဓိယအာနန္တသုတ္တ

ဂ၄၀။ ဧကမန္တံ နိဿိန္တံ ခေါ အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ  
“ကတမာ န ခေါ အာနန္တ ဣဒ္ဓိ၊ ကတမော ဣဒ္ဓိပါဒေါ၊ ကတမာ ဣဒ္ဓိပါဒ-  
ဘာဝနာ၊ ကတမာ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ။ ဘဂဝံမူလကာ နော  
ဘန္တေ ဓမ္မာ၊ ဘဂဝံနေတ္တိကာ။ပ။

ဣဓာနန္တ ဘိက္ခု၊ အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောတိ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ  
ဗဟုဓာ ဟောတိ။ပ။ ယာဝ ဗြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေတိ၊ အယံ  
ဝုစ္စတာနန္တ ဣဒ္ဓိ။

ကတမော စာနန္တ ဣဒ္ဓိပါဒေါ၊ ယော အာနန္တ မဂ္ဂေါ ယာ ပဋိပဒါ  
ဣဒ္ဓိလာဘာယ ဣဒ္ဓိပဋိလာဘာယ သံဝတ္တတိ၊ အယံ ဝုစ္စတာနန္တ ဣဒ္ဓိပါဒေါ။

ကတမာ စာနန္တ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ၊ ဣဓာနန္တ ဘိက္ခု၊ ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာန-  
သင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။  
ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ အယံ ဝုစ္စတာနန္တ  
ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ။

ကတမာ စာနန္တ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါ၊ အယမေဝ အရိယော  
အဋ္ဌကိကော မဂ္ဂေါ၊ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ၊ အယံ  
ဝုစ္စတာနန္တ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ဇ-ပဌမဘိက္ခုသုတ္တ

ဂ၄၁။ အထ ခေါ သမ္မဟုလာ ဘိက္ခု၊ ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိံသု၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိံသု၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္တံ



ခေါ်တေ ဘိက္ခု။ ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစုံ “ကတမာ န ခေါ ဘန္တေ ဣဒ္ဓိ၊ ကတမော ဣဒ္ဓိပါဒေါ၊ ကတမာ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ၊ ကတမာ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ။

ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောတိ၊ ဧကောပိ ဟုတ္တာ ဗဟုဓာ ဟောတိ။ပ။ ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေတိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒေါ၊ ယော ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ ယာ ပဋိပဒါ ဣဒ္ဓိလာဘာယ ဣဒ္ဓိပဋိလာဘာယ သံဝတ္တတိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒေါ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝီရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါ၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဒုတိယဘိက္ခုသုတ္တ

၈၄၂။ အထ ခေါ သမ္မဟုလာ ဘိက္ခု။ ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိံသု။ပ။ ကေမန္တံ နိသိန္ဓေ ခေါ တေ ဘိက္ခု။ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ “ကတမာ န ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိ၊ ကတမော ဣဒ္ဓိပါဒေါ၊ ကတမာ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ၊ ကတမာ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ။ ဘဂဝံမူလကာ နော ဘန္တေ ဓမ္မာ၊ ဘဂဝံနေတ္ထိကာ။ပ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောတိ၊ ဧကောပိ ဟုတ္တာ ဗဟုဓာ ဟောတိ။ပ။ ယာဝ မြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေတိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒေါ၊ ယော ဘိက္ခဝေ မဂ္ဂေါ ယာ ပဋိပဒါ ဣဒ္ဓိလာဘာယ ဣဒ္ဓိပဋိလာဘာယ သံဝတ္တတိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒေါ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဆန္တသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္နာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝီရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။

ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒ် ဘာဝေတိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒ်ဘာဝနာ။

ကတမာ စ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒ်ဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါ၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌကိကော မဂ္ဂေါ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ၊ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒ်ဘာဝနာဂါမိနိ ပဋိပဒါတိ။ ။ဒသမံ။

### ၁၁-မောဂ္ဂလ္လာနသုတ္တ

၈၄၃။ တဏှံ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု၊ အာမန္တေသိ “တံ ကိ” မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမေသံ ဓမ္မာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မောဂ္ဂလ္လာနော ဘိက္ခု၊ ဧဝံမဟိဒ္ဓိကော ဧဝံမဟာနုဘာဝေါ”တိ။ ဘဂဝံမူလကာ နော ဘန္တေ ဓမ္မာ၊ ဘဂဝံနေတ္တိကာ။ပ။ စတုန္တံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒ်နံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မောဂ္ဂလ္လာနော ဘိက္ခု၊ ဧဝံမဟိဒ္ဓိကော ဧဝံမဟာနုဘာဝေါ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဝ ဘိက္ခဝေ မောဂ္ဂလ္လာနော ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒ် ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ ဆန္ဒော န စ အတိလိနာ ဘဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတော ဘဝိဿတိ၊ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တာ ဘဝိဿတိ၊ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တာ ဘဝိဿတိ။ ပစ္ဆာပုရေသညိ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ။ ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော။ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ။ ဣတိ ဝိဝဋ္ဋေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒ် ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ ဝိမံသာ န စ အတိလိနာ ဘဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတာ ဘဝိဿတိ၊ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တာ ဘဝိဿတိ၊ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တာ ဘဝိဿတိ။ပ။ ဣတိ ဝိဝဋ္ဋေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံ စိတ္တံ ဘာဝေတိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒ်နံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မောဂ္ဂလ္လာနော ဘိက္ခု၊ ဧဝံမဟိဒ္ဓိကော ဧဝံမဟာနုဘာဝေါ။

ဣမေသဉ္စ ပန ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒ်နံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မောဂ္ဂလ္လာနော ဘိက္ခု၊ ဧဝံ အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောတိ၊ ဧကောပိ ဟုတ္တာ ဗဟုဓာ ဟောတိ၊ ဗဟုဓာပိ ဟုတ္တာ ဧကော ဟောတိ။ပ။

ယာဝ ဗြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေတိ။ ဣမေသဉ္စ ပန ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မောဂ္ဂလ္လာနော ဘိက္ခု အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သမ္ဘိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိတိ။ ။ကောဒသမံ။

### ၁၂-တထာဂတသုတ္တ

၈၄၄။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ “တံ ကိ” မညယ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမေသံ ဓမ္မာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ တထာဂတော ဧဝံ-မဟိဒ္ဓိကော ဧဝံမဟာနုဘာဝေါ”တိ။ ဘဂဝံမူလကာ နော ဘန္တေ ဓမ္မာ။ပ။ စတုန္တံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ တထာဂတော ဧဝံမဟိဒ္ဓိကော ဧဝံမဟာနုဘာဝေါ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ တထာဂတော ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာန-သင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ ဆန္ဒော န စ အတိလိနော ဘဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတော ဘဝိဿတိ၊ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တော ဘဝိဿတိ၊ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တော ဘဝိဿတိ။ ပစ္ဆာပုရေသညီ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ။ ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော။ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ။ ဣတိ ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံစိတ္တံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာန-သင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ၊ ဣတိ မေ ဝိမံသာ န စ အတိလိနော ဘဝိဿတိ၊ န စ အတိပ္ပဂ္ဂဟိတာ ဘဝိဿတိ၊ န စ အဇ္ဈတ္တံ သံခိတ္တော ဘဝိဿတိ၊ န စ ဗဟိဒ္ဓါ ဝိက္ခိတ္တာ ဘဝိဿတိ။ ပစ္ဆာပုရေသညီ စ ဝိဟရတိ၊ ယထာ ပုရေ တထာ ပစ္ဆာ၊ ယထာ ပစ္ဆာ တထာ ပုရေ။ ယထာ အဓော တထာ ဥဒ္ဓံ၊ ယထာ ဥဒ္ဓံ တထာ အဓော။ ယထာ ဒိဝါ တထာ ရတ္တိံ၊ ယထာ ရတ္တိံ တထာ ဒိဝါ။ ဣတိ ဝိဝဇ္ဇေန စေတသာ အပရိယောနဋ္ဌေန သပ္ပဘာသံစိတ္တံ ဘာဝေတိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ တထာဂတော ဧဝံမဟိဒ္ဓိကော ဧဝံမဟာနုဘာဝေါ။

ဣမေသဉ္စ ပန ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ တထာဂတော အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောတိ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဟောတိ။ပ။ ယာဝ ဗြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေတိ။ ဣမေသဉ္စ ပန ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဣဒ္ဓိပါဒါနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ တထာဂတော

အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ  
သယံ အဘိညာ သမ္ဘိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိတိ။ ။ဒွါဒသမံ။

(ဆပိ အဘိညာယော ဝိတ္တာရေတဗ္ဗာ။)

အယောဂုဋ္ဌဝဂ္ဂေါ တတိယော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

မဂ္ဂေါ အယောဂုဋ္ဌော ဘိက္ခု၊ သုဒ္ဓိကဇ္ဇာပိ ဒွေ ဖလာ။

ဒွေ စာနန္တာ ဒုဝေ ဘိက္ခု၊ မောဂ္ဂလ္လာနော တထာဂတောတိ။

### ၄-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

#### ၁-၁၂-ဂင်္ဂါနဒီအာဒိသုတ္တ

ဂ၄၅-ဂ၅၆။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါစီနနိန္ဒာ ပါစီနပေါဏာ  
ပါစီနပတ္တာရာ၊ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒေ ဘာဝေန္တော  
စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာန-  
ပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရော။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒေ  
ဘာဝေန္တော စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ  
နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရော။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာန-  
သင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ပ။ စိတ္တသမာဓိ။  
ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။

ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒေ ဘာဝေန္တော စတ္တာရော  
ဣဒ္ဓိပါဒေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော  
နိဗ္ဗာနပတ္တာရောတိ။ ။ဒွါဒသမံ။

ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂေါ စတုတ္ထော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဆ ပါစီနတော နိန္ဒာ၊ ဆ နိန္ဒာ စ သမုဒ္ဓတော။

ဒွေတေ ဆ ဒွါဒသ ဟောန္တိ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတိတိ။

အပ္ပမာဒဝဂ္ဂေါ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

တထာဂတံ ပဒံ ကုဋံ၊ မူလံ သာရော စ ဝဿိကံ။  
ရာဇာ စဒ္ဓိမသုရိယာ၊ ဝတ္ထေန ဒသမံ ပဒန္တိ။

ဗလကရဏီယဝဂ္ဂေါ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဗလံ ဗိဇဉ နာဂေါ စ၊ ရုက္ခော ကုမ္ဘေန သူကိယာ။  
အာကာသေန စ ဒွေ မေဃာ၊ နာဝါ အာဂန္တုကာ နဒီတိ။

ဧသနာဝဂ္ဂေါ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဧသနာ ဝိဓာ အာသဝေါ၊ ဘဝေါ စ ဒုက္ခတာ တိဿော။  
ဝိလံ မလဉ္ဇ နီဃော စ၊ ဝေဒနာ တဏှာ တသိနာ စာတိ။

### ဂ-ဩစဝဂ္ဂ

### ၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တ

ဂဂဇ-ဂဇဂ။ ပဋိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဥဒ္ဓဟ္မဂိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ကတမာနိ ပဉ္စ၊ ရူပရာဂေါ အရူပရာဂေါ မာနော ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇာ၊ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စ၊ ဥဒ္ဓဟ္မဂိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဓံ ဥဒ္ဓဟ္မဂိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝေတဗ္ဗော။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဆန္ဒသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။ ဝိရိယသမာဓိ။ပ။

စိတ္တသမာဓိ။ ဝိမံသာသမာဓိပ္ပဓာနသင်္ခါရသမန္တာဂတံ ဣဒ္ဓိပါဒံ ဘာဝေတိ။  
 ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒံ ဥဒ္ဓန္တုကာရိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ  
 ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ဣမေ စတ္တာရော ဣဒ္ဓိပါဒါ ဘာဝေတဗ္ဗာတိ။

(ယထာ မဂ္ဂသံယုတ္တံ၊ တထာ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗံ။)

ဩစာဝဂ္ဂေါ အဋ္ဌမော။

တဿုဒ္ဓါနံ

ဩစော ယောဂေါ ဥပါဒါနံ၊ ဂန္ထာ အနုသယေန စ။  
 ကာမဂုဏာ နိဝရဏာ၊ ခန္ဓာ ဩရုဒ္ဓန္တုကာရိယာတိ။

ဣဒ္ဓိပါဒသံယုတ္တံ သတ္တမံ။

# ၈-အနုရုဒ္ဓသံယုတ္တ

## ၁-ရဟောဂတဝဂ္ဂ

### ၁-ပဌမရဟောဂတသုတ္တ

၈၉၉။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ ဇေတဝနေ အနာထဝိဏ္ဏိကဿ အာရာမေ။ အထ ခေါ အာယသ္မတော အနုရုဒ္ဓဿ ရဟောဂတဿ ပဋိသလ္လိနဿ ဧဝံ စေတသော ပရိဝိတက္ကော ဥဒပါဒိ “ယေသံ ကေသဉ္စိ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဝိရဒ္ဓါ၊ ဝိရဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ။ ယေသံ ကေသဉ္စိ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ အာရဒ္ဓါ၊ အာရဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ”တိ။

အထ ခေါ အာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော အာယသ္မတော အနုရုဒ္ဓဿ စေတသာ စေတောပရိဝိတက္ကမညာယ သေယျထာပိ နာမ ဗလဝါ ပုရိသော သမိဉ္စိတံ ဝါ ဗာဟံ ပသာရေယျ၊ ပသာရိတံ ဝါ ဗာဟံ သမိဉ္စေယျ၊ ဧဝမေဝ အာယသ္မတော အနုရုဒ္ဓဿ သမ္ပုဓေ ပါတုရဟောသိ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော အာယသ္မန္တံ အနုရုဒ္ဓံ တေဒဝေါစ “ကိတ္တာဝတာ န ခေါ အာဝုသော အနုရုဒ္ဓ ဘိက္ခုနော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ အာရဒ္ဓါ ဟောန္တိ”တိ။

ဣဓာဝုသော ဘိက္ခု အဇ္ဈတ္တံ ကာယေ သမုဒယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ အဇ္ဈတ္တံ ကာယေ ဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ အဇ္ဈတ္တံ ကာယေ သမုဒယဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿ။ ဗဟိဒ္ဓါ ကာယေ သမုဒယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ ဗဟိဒ္ဓါ ကာယေ ဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ ဗဟိဒ္ဓါ ကာယေ သမုဒယဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ကာယေ သမုဒယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ကာယေ ဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ကာယေ သမုဒယဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿ။

သော သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလေ ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “ပဋိကူလေ အပ္ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အပ္ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလေ စ ပဋိကူလေ စ ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “ပဋိကူလေ စ အပ္ပဋိကူလေ စ အပ္ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အပ္ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလဉ္စ ပဋိကူလဉ္စ တဒုဘယံ အဘိနိဝဇ္ဇေတွာ ဥပေက္ခကော ဝိဟရေယျံ သတော သမ္ပဇာနော”တိ၊ ဥပေက္ခကော တတ္ထ ဝိဟရတိ သတော သမ္ပဇာနော။

အဇ္ဈတ္တံ ဝေဒနာသု သမုဒယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ အဇ္ဈတ္တံ ဝေဒနာသု ဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ အဇ္ဈတ္တံ ဝေဒနာသု သမုဒယဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဗဟိဒ္ဓါ ဝေဒနာသု သမုဒယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ ဗဟိဒ္ဓါ ဝေဒနာသု ဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ ဗဟိဒ္ဓါ ဝေဒနာသု သမုဒယဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ဝေဒနာသု သမုဒယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ဝေဒနာသု ဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ဝေဒနာသု သမုဒယဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။

သော သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလေ ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “ပဋိကူလေ အပ္ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အပ္ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလေ စ ပဋိကူလေ စ ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “ပဋိကူလေ စ အပ္ပဋိကူလေ စ အပ္ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အပ္ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလဉ္စ ပဋိကူလဉ္စ တဒုဘယံ အဘိနိဝဇ္ဇေတွာ ဥပေက္ခကော ဝိဟရေယျံ သတော သမ္ပဇာနော”တိ၊ ဥပေက္ခကော တတ္ထ ဝိဟရတိ သတော သမ္ပဇာနော။

အဇ္ဈတ္တံ စိတ္တေ။ပ။ ဗဟိဒ္ဓါ စိတ္တေ။ပ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ စိတ္တေ သမုဒယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ စိတ္တေ ဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ စိတ္တေ သမုဒယဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ။ပ။ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ သော သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလေ ပဋိကူလသညီ



ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ပ။ ဥပေက္ခကော တတ္ထ ဝိဟရတိ သတော သမ္ပဇာနော။

အဇ္ဈတ္တံ ဓမ္မေသု။ပ။ ဗဟိဒ္ဓါ ဓမ္မေသု။ပ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ဓမ္မေသု သမုဒယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ဓမ္မေသု ဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ဓမ္မေသု သမုဒယဝယဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ သော သစေ အာကင်္ခတိ “အပ္ပဋိကူလေ ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ ပဋိကူလသညီ တတ္ထ ဝိဟရတိ။ပ။ ဥပေက္ခကော တတ္ထ ဝိဟရတိ သတော သမ္ပဇာနော။ ဣတ္တာဝတာ ခေါ အာဝုသော ဘိက္ခုနော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ အာရဒ္ဓါ ဟောန္တိတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ဒုတိယရဟောဂတသုတ္တ

၉၀၀။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အာယသ္မတော အနုရုဒ္ဓဿ ရဟောဂတဿ ပဋိသလ္လိနဿ ဧဝံ စေတသော ပရိဝိတက္ကော ဥဒပါဒိ “ယေသံ ကေသဉ္စိ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဝိရဒ္ဓါ၊ ဝိရဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ။ ယေသံ ကေသဉ္စိ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ အာရဒ္ဓါ၊ အာရဒ္ဓေါ တေသံ အရိယော မဂ္ဂေါ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမီ”တိ။

အထ ခေါ အာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော အာယသ္မတော အနုရုဒ္ဓဿ စေတသာ စေတောပရိဝိတက္ကမညာယ သေယျထာပိ နာမ ဗလဝါ ပုရိသော သမိဉ္စိတံ ဝါ ဗာဟံ ပသာရေယျ၊ ပသာရိတံ ဝါ ဗာဟံ သမိဉ္ဇေယျ၊ ဧဝမေဝ အာယသ္မတော အနုရုဒ္ဓဿ သမ္ပုဓေ ပါတုရဟောသိ။

အထ ခေါ အာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော အာယသ္မန္တံ အနုရုဒ္ဓိ တေဒဝေါစ “ကိတ္တာဝတာ န ခေါ အာဝုသော အနုရုဒ္ဓ ဘိက္ခုနော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ အာရဒ္ဓါ ဟောန္တိ”တိ။ ဣဇာဝုသော ဘိက္ခု အဇ္ဈတ္တံ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဗဟိဒ္ဓါ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ပ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။

အဇ္ဈတ္တံ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဗဟိဒ္ဓါ ဝေဒနာသု

ဝေဒနာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ  
အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဝိဟရတိ  
အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။

အဇ္ဈတ္တံ စိတ္တေ။ပ။ ဗဟိဒ္ဓါ စိတ္တေ။ပ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ  
ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-  
ဒေါမနဿံ။

အဇ္ဈတ္တံ ဓမ္မေသု။ပ။ ဗဟိဒ္ဓါ ဓမ္မေသု။ပ။ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ  
ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-  
ဒေါမနဿံ။ ဧတ္တာဝတာ ခေါ အာဝုသော ဘိက္ခုနော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ  
အာရဒ္ဓါ ဟောန္တိတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-သုတနုသုတ္တ

၉၀၁။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ သုတနု-  
တိရေ။ အထ ခေါ သမ္ပဟုလာ ဘိက္ခု။ ယေနာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ တေနုပ-  
သင်္ကမိံသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မတာ အနုရုဒ္ဓေန သဒ္ဓိံ သမ္မောဒိံသု၊  
သမ္မောဒနီယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိံသု၊ ဧကမန္တံ  
နိဿိန္တာ ခေါ တေ ဘိက္ခု။ အာယသ္မန္တံ အနုရုဒ္ဓံ တေဒဝေါစုံ “ကတမေသံ  
အာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ ဓမ္မာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မဟာဘိညတံ  
ပတ္တော”တိ။

စတုန္တံ ခွါဟံ အာဝုသော သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ  
မဟာဘိညတံ ပတ္တော။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓာဟံ အာဝုသော ကာယေ  
ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာမိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ  
အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာမိ  
အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။  
ဣမေသံ ခွါဟံ အာဝုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ  
မဟာဘိညတံ ပတ္တော။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာဝုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ  
ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဟိနံ ဓမ္မံ ဟိနတော အပ္ပညာသိံ၊ မဇ္ဈိမံ ဓမ္မံ  
မဇ္ဈိမတော အပ္ပညာသိံ၊ ပဏီတံ ဓမ္မံ ပဏီတတော အပ္ပညာသိန္တိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ပဌမကဏ္ဍကီသုတ္တ

၉၀၂။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ စ အနုရုဒ္ဓေါ အာယသ္မာ စ သာရိပုတ္တော  
အာယသ္မာ စ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော သာကေတေ ဝိဟရန္တိ ကဏ္ဍကီဝနေ။

အထ ခေါ် အာယသ္မာ စ သာရိပုတ္တော အာယသ္မာ စ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော သာယန္တသမယံ ပဋိသလ္လာနာ ဝုဋ္ဌိတာ ယေနာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ တေနုပသင်္ကမိံသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မတာ အနုရုဒ္ဓေန သဗ္ဗိံ သမ္မောဒိံသု၊ သမ္မောဒနိယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိံသု၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ် အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော အာယသ္မန္တံ အနုရုဒ္ဓံ တေဒဝေါစ “သေခေနာဝုသော အနုရုဒ္ဓံ ဘိက္ခုနာ ကတမေ ဓမ္မာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟာတဗ္ဗာ”တိ။

သေခေနာဝုသော သာရိပုတ္တ ဘိက္ခုနာ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟာတဗ္ဗာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣဓာဝုသော ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ သေခေနာဝုသော သာရိပုတ္တ ဘိက္ခုနာ ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟာတဗ္ဗာတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ဒုတိယကဏ္ဍကီသုတ္တ

၉၀၃။ သာကေတနိဒါနံ။ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ် အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော အာယသ္မန္တံ အနုရုဒ္ဓံ တေဒဝေါစ “အသေခေနာဝုသော အနုရုဒ္ဓံ ဘိက္ခုနာ ကတမေ ဓမ္မာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟာတဗ္ဗာ”တိ။ အသေခေနာဝုသော သာရိပုတ္တ ဘိက္ခုနာ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟာတဗ္ဗာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣဓာဝုသော ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ အသေခေနာဝုသော သာရိပုတ္တ ဘိက္ခုနာ ဣမေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟာတဗ္ဗာတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-တတိယကဏ္ဍကီသုတ္တ

၉၀၄။ သာကေတနိဒါနံ။ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ် အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော အာယသ္မန္တံ အနုရုဒ္ဓံ တေဒဝေါစ “ကတမေသံ အာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ ဓမ္မာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မဟာဘိညတံ ပတ္တော”တိ။ စတုန္တံ ခွါဟံ အာဝုသော သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မဟာဘိညတံ

ပတ္တော။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓာဟံ အာရုဿော ကာယေ ကာယာနုပဿီ  
ဝိဟရာမိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-  
ဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာမိ အာတာပီ  
သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေသံ  
ခွါဟံ အာရုဿော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ  
မဟာဘိညတံ ပတ္တော။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရုဿော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ  
ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ သဟဿံ လောကံ အဘိဇာနာမိတိ။ ။ ဆဋ္ဌံ။

### ၇-တဏှာက္ခယသုတ္တ

၉၀၅။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တတြ ခေါအာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ  
“အာရုဿော ဘိက္ခုဝေါ”တိ။ “အာရုဿော”တိ ခေါတေ ဘိက္ခု။ အာယသ္မတော  
အနုရုဒ္ဓဿ ပစ္စဿောသုံ။ အာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ ဧတဒဝေါစ—

စတ္တာရောမေ အာရုဿော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ  
တဏှာက္ခယာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣဓာရုဿော ဘိက္ခု၊ ကာယေ  
ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ ပ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ  
ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာ-  
ဒေါမနဿံ။ ဣမေ ခေါ အာရုဿော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ  
ဗဟုလိကတာ တဏှာက္ခယာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ သတ္တမံ။

### ဂ-သလဋ္ဌာဂါရသုတ္တ

၉၀၆။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ သလဋ္ဌာ-  
ဂါရေ။ တတြ ခေါအာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ။ ပ။ ဧတဒဝေါစ—  
သေယျထာပိ အာရုဿော ဂင်္ဂါ နဒီ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဗ္ဗာရာ၊  
အထ မဟာဇနကာယော အာဂစ္ဆေယျ ကုဒါလပိဋကံ<sup>၁</sup> အာဒါယ “မယံ  
ဣမံ ဂင်္ဂါနဒီ<sup>၂</sup> ပစ္ဆာနိန္ဒံ ကရိဿာမ ပစ္ဆာပေါဏံ ပစ္ဆာပဗ္ဗာရ”န္တိ။ တံ ကိ<sup>၃</sup>  
မညထာရုဿော၊ အပိ နု သော မဟာဇနကာယော ဂင်္ဂါနဒီ<sup>၂</sup> ပစ္ဆာနိန္ဒံ ကရေယျ  
ပစ္ဆာပေါဏံ ပစ္ဆာပဗ္ဗာရန္တိ။ နော ဟေတံ အာရုဿော။ တံ ကိဿ ဟေတု၊  
ဂင်္ဂါ အာရုဿော နဒီ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဗ္ဗာရာ။ သာ န သုကရာ  
ပစ္ဆာနိန္ဒံ ကာတုံ ပစ္ဆာပေါဏံ ပစ္ဆာပဗ္ဗာရံ၊ ယာဝေဝ စ ပန သော  
မဟာဇနကာယော ကိလမထဿ ဝိဃာတဿ ဘာဂီ အဿာတိ။

ဝေမေဝ ခေါ် အာဝုသော ဘိက္ခု စက္ကာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဘာဝေန္တံ စက္ကာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဗဟုလိကရောန္တံ ရာဇာနော ဝါ ရာဇမဟာမတ္တာ ဝါ မိတ္တာ ဝါ အမစ္ဆာ ဝါ ဉ္ဇတိ ဝါ သာလောဟိတာ ဝါ ဘောဂေဟိ အဘိဟဋ္ဌံ ပဝါရေယျံ “ဟေဗ္ဘော ပုရိသ၊ ကိံ တေ ဣမေ ကာသာဝါ အနုဒဟန္တိ၊ ကိံ မုဏ္ဍော ကပါလမနုသဉ္ဇရသိ၊ ဧဟိ ဟိနာယာဝတ္တိတွာ ဘောဂေ စ ဘုဉ္ဇဿ၊ ပုညာနိ စ ကရောဟိ”တိ။

သော ဝတ အာဝုသော ဘိက္ခု စက္ကာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဘာဝေန္တော စက္ကာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဗဟုလိကရောန္တော သိက္ခံ ပစ္စက္ခာယ ဟိနာယာဝတ္တိဿတိတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ယံ ဟိ တံ အာဝုသော စိတ္တံ ဒီဃရတ္တံ ဝိဝေကနိန္တံ ဝိဝေကပေါဏံ ဝိဝေကပဗ္ဗာရံ၊ တံ ဝတ ဟိနာယာဝတ္တိဿတိတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ ကထဉ္ဇာဝုသော ဘိက္ခု စက္ကာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဘာဝေတိ၊ စက္ကာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဗဟုလိကရောတိတိ။ ဣဓာဝုသော ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ။ပ။ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဧဝံ ခေါ် အာဝုသော ဘိက္ခု စက္ကာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဘာဝေတိ။ စက္ကာရော သတိပဋ္ဌာနေ ဗဟုလိကရောတိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

## ၉-အဗ္ဗပါလိဝနသုတ္တ

၉၀၇။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ စ အနုရုဒ္ဓေါ အာယသ္မာ စ သာရိပုတ္တော ဝေသာလိယံ ဝိဟရန္တိ အဗ္ဗပါလိဝနေ။ အထ ခေါ် အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော သာယန္တသမယံ ပဋိသလ္လာနာ ဝုဋ္ဌိတော။ပ။ ဧကမန္တံ နိဿိန္တော ခေါ် အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော အာယသ္မန္တံ အနုရုဒ္ဓံ တေဒဝေါစ—

ဝိပ္ပသန္တာနိ ခေါ် တေ အာဝုသော အနုရုဒ္ဓ ဣန္ဒြိယာနိ၊ ပရိသုဒ္ဓေါ မုခဝဏ္ဏော ပရိယောဒါတော၊ ကတမေနာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ ဝိဟာရေန ဧတရဟိ ဗဟုလံ ဝိဟရတိတိ။ စတူသု ခွါဟံ အာဝုသော သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တော ဧတရဟိ ဗဟုလံ ဝိဟရာမိ။ ကတမေသု စတူသု၊ ဣဓာဟံ အာဝုသော ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာမိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာမိ

အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။  
ဣမေသု ခွါဟံ အာဂုသော စတုသု သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တော  
တေရဟိ ဗဟုလံ ဝိဟရာမိ။ ယော သော အာဂုသော ဘိက္ခု အရဟံ  
ဒီဏာသဝေါ ဝုသိတဝါ ကတကရဏီယော ဩဟိတဘာရော အနုပ္ပတ္တသဒတ္တော  
ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနော သမ္ပဒညာဝိမုတ္တော၊ သော ဣမေသု စတုသု  
သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တော ဗဟုလံ ဝိဟရတိတိ။

လာဘာ ဝဟ နော အာဂုသေ၊ သုလဒ္ဓိံ ဝတ နော အာဂုသော၊  
ယေ မယံ အာယသ္မတော အနုရုဒ္ဓဿ သမ္ပုခါဝ အဿုမှ အာသဘိံ ဝါစံ  
ဘာသမာနဿာတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဗာဠုဂီလာနသုတ္တ

၉၀၈။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ အန္ဓဝနသ္မိံ  
အာဗာဓိကော ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂီလာနော။ အထ ခေါ သမ္ပဟုလာ ဘိက္ခု။  
ယေနာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ တေနုပသင်္ကမိံသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မန္တံ  
အနုရုဒ္ဓံ တေဒဝေါစုံ—

ကတမေနာယသ္မတော အနုရုဒ္ဓဿ ဝိဟာရေန ဝိဟရတော ဥပ္ပန္နာ  
သာရိရိကာ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ စိတ္တံ န ပရိယာဒါယ တိဋ္ဌန္တိတိ။ စတုသု ခေါ  
မေ အာဂုသော သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တဿ ဝိဟရတော ဥပ္ပန္နာ  
သာရိရိကာ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ စိတ္တံ န ပရိယာဒါယ တိဋ္ဌန္တိ။ ကတမေသု စတုသု၊  
ဣဓာဟံ အာဂုသော ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာမိ။ပ။ ဝေဒနာသု။ပ။  
စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာမိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ  
ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေသု ခေါ မေ အာဂုသော စတုသု  
သတိပဋ္ဌာနေသု သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တဿ ဝိဟရတော ဥပ္ပန္နာ သာရိရိကာ ဒုက္ခာ  
ဝေဒနာ စိတ္တံ န ပရိယာဒါယ တိဋ္ဌန္တိတိ။ ။ဒသမံ။

ရဟောဂတဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ရဟောဂတေန ဒွေ ဝုတ္တာ၊ သုတနု ကဏ္ဍကီ တယော။  
တဏှာက္ခယသလဋ္ဌာဂါရံ၊ အဗ္ဗပါလိ စ ဂီလာနန္တိ။

## ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

## ၁-ကပ္ပသဟဿသုတ္တ

၉၀၉။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ ဇေတဝနေ အနာထဝိဏ္ဏိကဿ အာရာမေ။ အထ ခေါ သမ္ပဟုလာ ဘိက္ခု ယေနာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ တေနပသင်္ကမိံသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မတာ အနုရုဒ္ဓေန သဒ္ဓိံ။ ပ။ ကေမန္တံ နိသိန္ဓာ ခေါ တေ ဘိက္ခု အာယသ္မန္တံ အနုရုဒ္ဓံ တေဒဝေါစုံ—

ကတမေသံ အာယသ္မာ အနုရုဒ္ဓေါ ဓမ္မာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မဟာဘိညတံ ပတ္တောတိ။ စတုန္တံ ခွါဟံ အာရသော သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မဟာဘိညတံ ပတ္တော။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓာဟံ အာရသော ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရာမိ။ ပ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရာမိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ ဣမေသံ ခွါဟံ အာရသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ မဟာဘိညတံ ပတ္တော။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ကပ္ပသဟဿံ အနုဿရာမိတိ။ ။ ပဌမံ။

## ၂-ဣဒ္ဓိဝိဓသုတ္တ

၉၁၀။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ အနေကဝိဟိတံ ဣဒ္ဓိဝိဓံ ပစ္စနဘောမိ၊ ဧကောပိ ဟုတွာ ဗဟုဓာ ဟောမိ။ ပ။ ယာဝ ဗြဟ္မလောကာပိ ကာယေန ဝသံ ဝတ္တေမိတိ။ ။ ဒုတိယံ။

## ၃-ဒိဗ္ဗသောတသုတ္တ

၉၁၁။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဒိဗ္ဗာယ သောတဓာတုယာ ဝိသုဒ္ဓါယ အတိက္ကန္တ-မာနုသိကာယ ဥဘော သဒ္ဓေ သုဏာမိ ဒိဗ္ဗေ စ မာနုသေ စ ယေ ဒူရေ သန္တိကေ စာတိ။ ။ တတိယံ။

## ၄-စေတောပရိယသုတ္တ

၉၁၂။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ပရသတ္တာနံ ပရပုဂ္ဂလာနံ စေတသာ စေတော ပရိစ္စ

ပဇာနာမိ၊ သရာဂံ ဝါ စိတ္တံ “သရာဂံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာမိ။ ပ။ အဝိမုတ္တံ ဝါ စိတ္တံ “အဝိမုတ္တံ စိတ္တံ” နှိ ပဇာနာမိတိ။ ။ စတုတ္ထံ။

### ၅-ဌာနသုတ္တ

၉၁၃။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဌာနဉ္စ ဌာနတော အဋ္ဌာနဉ္စ အဋ္ဌာနတော ယထာဘူတံ ပဇာနာမိတိ။ ။ ပဉ္စမံ။

### ၆-ကမ္မသမာဒါနသုတ္တ

၉၁၄။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ အတိတာနာဂတပစ္စုပ္ပန်နာနံ ကမ္မသမာဒါနာနံ ဌာနသော ဟေတုသော ဝိပါကံ ယထာဘူတံ ပဇာနာမိတိ။ ။ ဆဋ္ဌံ။

### ၇-သဗ္ဗတ္တဂါမိနိသုတ္တ

၉၁၅။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ သဗ္ဗတ္တဂါမိနိပ္ပုဋိပဒံ ယထာဘူတံ ပဇာနာမိတိ။ ။ သတ္တမံ။

### ၈-နာနာဓာတုသုတ္တ

၉၁၆။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ အနေကဓာတုနာနာဓာတုလောကံ ယထာဘူတံ ပဇာနာမိတိ။ ။ အဋ္ဌမံ။

### ၉-နာနာမိမုတ္တိသုတ္တ

၉၁၇။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ သတ္တာနံ နာနာမိမုတ္တိကတံ ယထာဘူတံ ပဇာနာမိတိ။ ။ နဝမံ။

### ၁၀-ဣန္ဒြိယပရောပရိယတ္တသုတ္တ

၉၁၈။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ပရသတ္တာနံ ပရပုဂ္ဂလာနံ ဣန္ဒြိယပရောပရိယတ္တံ ယထာဘူတံ ပဇာနာမိတိ။ ။ ဒသမံ။



**၁၁-ဈာနာဒိသုတ္တ**

၉၁၉။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဈာနဝိမောက္ခသမာဓိသမာပတ္တိနံ သံကိလေသံ ဝေါဒါနံ ဝုဋ္ဌာနံ ယထာဘူတံ ပဇာနာမီတိ။ ။ဧကောဒသမံ။

**၁၂-ပုဗ္ဗေနိဝါသသုတ္တ**

၉၂၀။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ အနေကဝိဟိတံ ပုဗ္ဗေနိဝါသံ အနုဿရာမိ။ သေယျထိဒံ၊ ဧကမ္ပိ ဇာတိံ ခွေပိ ဇာတိယော။ ပ။ ဣတိ သာကာရံ သဉ္ဇေသံ အနေကဝိဟိတံ ပုဗ္ဗေနိဝါသံ အနုဿရာမီတိ။ ။ဒွါဒသမံ။

**၁၃-ဒိဗ္ဗစက္ခုသုတ္တ**

၉၂၁။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ ဒိဗ္ဗေန စက္ခုနာ ဝိသုဒ္ဓေန အတိက္ကန္တမာနုသကေန သတ္တေ ပဿာမိ စဝမာနေ ဥပပဇ္ဇမာနေ။ ပ။ ဣတိ ဒိဗ္ဗေန စက္ခုနာ ဝိသုဒ္ဓေန အတိက္ကန္တ-မာနုသကေန ယထာကမ္မူပဂေ သတ္တေ ပဇာနာမီတိ။ ။တေရသမံ။

**၁၄-အာသဝက္ခယသုတ္တ**

၉၂၂။ ဣမေသဉ္စ ပနာဟံ အာရုသော စတုန္တံ သတိပဋ္ဌာနာနံ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သမ္ဘိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရာမီတိ။ ။စုဒ္ဓသမံ။

ဒုတိယော ဝဂ္ဂေါ။

**တဿုဒ္ဓါနံ**

မဟာဘိညံ ဣဒ္ဓိ ဒိဗ္ဗံ၊ စေတောပရိယံ ဌာနံ ကမ္မံ၊  
သဗ္ဗတ္ထဓာတုမိမုတ္တိ၊ ဣန္ဒြိယံ ဈာနံ တိဿော ဝိဇ္ဇာတိ။

**အနုရုဒ္ဓသံယုတ္တံ အဋ္ဌမံ။**

## ၉-ဈာနသံယုတ္တ

၁-ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂ

၁-၁၂-ဈာနာဒိသုတ္တ

၉၂၃-၉၃၄။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တဩ ခေါ။ပ။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဈာနာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဝိဝိစ္ဆေဝ ကာမေဟိ ဝိဝိစ္စ အကုသလေဟိ ဓမ္မေဟိ သဝိတက္ကံ သဝိစာရံ ဝိဝေကဇံ ဝီတိသုခံ ပဌမံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ဝိတက္ကဝိစာရာနံ ဝူပသမာ အဇ္ဈတ္တံ သမ္ပဿဒနံ စေတသော ဧကောဒိဘာဝံ အဝိတက္ကံ အဝိစာရံ သမာဓိဇံ ဝီတိသုခံ ဒုတိယံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ဝီတိယာ စ ဝိရာဂါ ဥပေက္ခကော စ ဝိဟရတိသတော စ သမ္ပဇာနော သုခဉ္စ ကာယေန ပဋိသံဝေဒေတိ။ ယံ တံ အရိယာ အာစိက္ခန္တိ “ဥပေက္ခကော သတိမာ သုခဝိဟာရီ”တိ။ တတိယံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ သုခဿ စ ပဟာနာ ဒုက္ခဿ စ ပဟာနာ ပုဗ္ဗေဝ သောမနဿဒေါမနဿာနံ အတ္ထင်္ဂမာ အဒုက္ခမသုခံ ဥပေက္ခာသတိပါရိသုဒ္ဓိံ စတုတ္ထံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဈာနာတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂင်္ဂါ နဒီ ပါစိနနိန္ဒာ ပါစိနပေါဏာ ပါစိနပဗ္ဗာရာ၊ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ စတ္တာရော ဈာနေ ဘာဝေန္တော စတ္တာရော ဈာနေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာန-ပဗ္ဗာရော။ ကထဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ စတ္တာရော ဈာနေ ဘာဝေန္တော စတ္တာရော ဈာနေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာန-ပဗ္ဗာရော။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဝိဝိစ္ဆေဝ ကာမေဟိ ဝိဝိစ္စ အကုသလေဟိ ဓမ္မေဟိ သဝိတက္ကံ သဝိစာရံ ဝိဝေကဇံ ဝီတိသုခံ ပဌမံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ဝိတက္ကဝိစာရာနံ ဝူပသမာ။ပ။ ဒုတိယံ ဈာနံ။ တတိယံ ဈာနံ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ စတ္တာရော ဈာနေ ဘာဝေန္တော စတ္တာရော ဈာနေ ဗဟုလိကရောန္တော နိဗ္ဗာနနိန္ဒော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပဗ္ဗာရောတိ။ ။ဒွါဒသမံ။

ဂင်္ဂါပေယျာလဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

**တဿုဒ္ဓါနံ**

ဆပါစိနတော နိန္ဒာ၊ ဆ နိန္ဒာ စ သမုဒ္ဓတော။  
ဒွေတေ ဆ ဒ္ဓါဒသ ဟောန္တိ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဂုစ္ဆတိတိ။

---

အပ္ပမာဒဝဂ္ဂေါ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။

**တဿုဒ္ဓါနံ**

တထာဂတံ ပဒံ ကုဋံ၊ မူလံ သာရော စ ဝဿိကံ။  
ရာဇာ စဒ္ဓိမသုရိယာ၊ ဝတ္ထေန ဒသမံ ပဒန္တိ။

---

ဗလကရုဏီယဝဂ္ဂေါ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။

**တဿုဒ္ဓါနံ**

ဗလံ ဗိဇဇ နာဂေါ စ၊ ရုက္ခော ကုမ္ဘေန သူကိယာ။  
အာကာသေန စ ဒွေ မေဃာ၊ နာဝါ အာဂန္တုကာ နဒီတိ။

---

ဇေနာဝဂ္ဂေါ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗော။

**တဿုဒ္ဓါနံ**

ဇေနာ ဝိဓာ အာသဝေါ၊ ဘဝေါ စ ဒုက္ခတာ တိဿော။  
ဒိလံ မလဇ္ဇ နိဃော စ၊ ဝေဒနာ တဏှာ တဿိနာ စာတိ။

---

**၅-ဩဃဝဂ္ဂ**

**၁-၁၀-ဩဃာဒိသုတ္တ**

၉၆၇-၉၇၆။ ပဉ္စိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဥဒ္ဓဟ္မာဂိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ကတမာနိ  
ပဉ္စ၊ ရူပရာဂေါ အရူပရာဂေါ မာနော ဥဒ္ဓစ္စံ အဝိဇ္ဇာ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ

ပဉ္စဒ္ဓန္တရိယာနိ သံယောဇနာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒ ဥဒ္ဓန္တရိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ စတ္တာရော ဈာနာ ဘာဝေတဗ္ဗာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု၊ ဝိဝိဇ္ဇေဝ ကာမေဟိ ဝိဝိဇ္ဇ အကုသလေဟိ ဓမ္မေဟိ သဝိတက္ကံ သဝိစာရံ ဝိဝေကဇီ ဝီတိသုခံ ပဌမံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ၊ ဝိတက္ကဝိစာရာနံ ဝုပသမာ အဇ္ဈတ္တံ သမ္ပသာဒနံ စေတသော ဧကောဒိဘာဝံ အဝိတက္ကံ အဝိစာရံ သမာဓိဇီ ဝီတိသုခံ ဒုတိယံ ဈာနံ။ ပ။ တတိယံ ဈာနံ။ ပ။ စတုတ္ထံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ၊ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ပဉ္စန္ဒ ဥဒ္ဓန္တရိယာနံ သံယောဇနာနံ အဘိညာယ ပရိညာယ ပရိက္ခယာယ ပဟာနာယ ဣမေ စတ္တာရော ဈာနာ ဘာဝေတဗ္ဗာတိ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။

(ယထာ မဂ္ဂသံယုတ္တံ၊ တထာ ဝိတ္တာရေတဗ္ဗံ။)

ဩဃဝဂ္ဂေါ ပဉ္စမော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဩဇော ယောဂေါ ဥပါဒါနံ၊ ဂန္တာ အနုသယေန စ။  
ကာမဂုဏာ နိဝရဏာ၊ ခန္ဓာ ဩရုဒ္ဓန္တရိယာတိ။

ဈာနသံယုတ္တံ နဝမံ။

## ၁၀-အာနာပါနိဿယုတ္တ

၁-ကေဓမ္မဝဂ္ဂ

၁-ကေဓမ္မသုတ္တ

၉၇၇။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တတြ ခေါ။ပ။ တေဒဝေါစ—ကေဓမ္မော ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော မဟပ္ပလော ဟောတိ မဟာနိဿယော။ ကတမော ကေဓမ္မော၊ အာနာပါနိဿယတိ<sup>၁</sup>။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနိဿယတိ ကထံ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိဿယာ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရညဂတော ဝါ ရုက္ခမူလဂတော ဝါ သုညာဂါရဂတော ဝါ နိဿိဒတိ ပလ္လင်္ဂ<sup>၂</sup> အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ ပဏိဓာယ ပရိမုခံ သတိ<sup>၃</sup> ဥပဋ္ဌပေတွာ၊ သော သတောဝ အဿသတိ၊ သတောဝ<sup>၂</sup> ပဿသတိ။ ဒိဃံ ဝါ အဿသန္တော “ဒိဃံ အဿသမီ”တိ ပဇာနာတိ၊ ဒိဃံ ဝါ ပဿသန္တော “ဒိဃံ ပဿသမီ”တိ ပဇာနာတိ၊ ရဿံ ဝါ အဿသန္တော “ရဿံ အဿသမီ”တိ ပဇာနာတိ၊ ရဿံ ဝါ ပဿသန္တော “ရဿံ ပဿသမီ”တိ ပဇာနာတိ။ သဗ္ဗကာယပ္ပုဋ်သံဝေဒီ “အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ သဗ္ဗကာယပ္ပုဋ်သံဝေဒီ “ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ ပဿန္တယံ ကာယသင်္ခါရံ “အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ ပဿန္တယံ ကာယသင်္ခါရံ “ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ ဝီတိပ္ပုဋ်သံဝေဒီ “အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ ဝီတိပ္ပုဋ်သံဝေဒီ “ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ သုခပ္ပုဋ်သံဝေဒီ “အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ သုခပ္ပုဋ်သံဝေဒီ “ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ စိတ္တသင်္ခါရပ္ပုဋ်သံဝေဒီ “အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ စိတ္တသင်္ခါရပ္ပုဋ်သံဝေဒီ “ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ ပဿန္တယံ စိတ္တသင်္ခါရံ “အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ ပဿန္တယံ စိတ္တသင်္ခါရံ “ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ စိတ္တပ္ပုဋ်သံဝေဒီ “အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ စိတ္တပ္ပုဋ်သံဝေဒီ “ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ အဘိပ္ပမောဒယံ စိတ္တံ “အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ အဘိပ္ပမောဒယံ စိတ္တံ “ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ သမာဒဟံ စိတ္တံ “အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ သမာဒဟံ စိတ္တံ “ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ ဝိမောစယံ စိတ္တံ “အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။

၁-အာနာပါနိဿယတိ (သီ၊ ဣ)

၂-သတော (ဗဟုသု) တတိယပါရာဇိကေသိ။

ဝိမောစယံ စိတ္တံ “ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ အနိစ္စာနုပဿီ “အဿသိ-  
ဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ အနိစ္စာနုပဿီ “ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊  
ဝိရာဂါနုပဿီ “အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ ဝိရာဂါနုပဿီ “ပဿသိ-  
ဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “နိရောဓာနုပဿီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊  
“နိရောဓာနုပဿီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿ-  
သိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။  
ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ  
ဟောတိ မဟာနိသံသာတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ဗောဇ္ဈင်္ဂသုတ္တ

၉၇၈။ အာနာပါနဿတိ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ  
ဟောတိ မဟာနိသံသာ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိ ကထံ  
ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
အာနာပါနဿတိသဟဂတံ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ  
ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ အာနာပါနဿတိ-  
သဟဂတံ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ။ပ။ အာနာပါနဿတိသဟဂတံ  
ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ  
ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိ ဧဝံ  
ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-သုဒ္ဓိကသုတ္တ

၉၇၉။ အာနာပါနဿတိ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ  
ဟောတိ မဟာနိသံသာ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိ  
ကထံ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
အရညဂတော ဝါ ရုက္ခမူလဂတော ဝါ သုညာဂါရဂတော ဝါ နိသီဒတိ  
ပလ္လင်္ဂံ အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ ပဏိဓာယ ပရိမုခံ သတိံ ဥပဋ္ဌပေတွာ၊  
သော သတောဝ အဿသတိ၊ သတောဝ ပဿသတိ။ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ  
အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမီ”တိ  
သိက္ခတိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ  
မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-ပဌမဖလသုတ္တ

၉၀၀။ အာနာပါနဿတိ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိ ကထံ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရည-  
ဂတော ဝါ ရုက္ခမူလဂတော ဝါ သုညာဂါရဂတော ဝါ နိသီဒတိ ပလ္လင်္ကံ  
အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ ပဏိဓာယ ပရိမုခံ သတိံ ဥပဋ္ဌပေတွာ။ သော သတောဝ  
အဿသတိ။ သတောဝ ပဿသတိ။ ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိဿာမီ”တိ  
သိက္ခတိ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ  
ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ  
မဟာနိသံသာ။ ဧဝံ ဘာဝိတာယ ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိယာ  
ဧဝံ ဗဟုလိကတာယ ခြိန္တံ ဖလာနံ အညတရံ ဖလံ ပါဋိကံ ဝိဇ္ဇေဝ ဓမ္မေ အညာ၊  
သတိ ဝါ ဥပါဒိသေသေ အနာဂါမိတာတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-ဒုတိယဖလသုတ္တ

၉၀၁။ အာနာပါနဿတိ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ  
ဟောတိ မဟာနိသံသာ။ ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိ ကထံ  
ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ မဟာနိသံသာ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရည-  
ဂတော ဝါ ရုက္ခမူလဂတော ဝါ သုညာဂါရဂတော ဝါ နိသီဒတိ ပလ္လင်္ကံ  
အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ ပဏိဓာယ ပရိမုခံ သတိံ ဥပဋ္ဌပေတွာ။ သော သတောဝ  
အဿသတိ။ သတောဝ ပဿသတိ။ ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိဿာမီ”တိ  
သိက္ခတိ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ  
ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ မဟပ္ပလာ ဟောတိ  
မဟာနိသံသာ။

ဧဝံ ဘာဝိတာယ ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိယာ ဧဝံ ဗဟုလိကတာယ  
သတ္တ ဖလာ သတ္တာနိသံသာ ပါဋိကံ။ ကတမေ သတ္တ ဖလာ သတ္တာနိသံသာ။  
ဝိဇ္ဇေဝ ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ အညံ အာရာဓေတိ။ နော စေ ဝိဇ္ဇေဝ ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ အညံ  
အာရာဓေတိ။ အထ မရဏကာလေ အညံ အာရာဓေတိ။ နော စေ ဝိဇ္ဇေဝ  
ဓမ္မေ ပဋိကစ္စ အညံ အာရာဓေတိ။ နော စေ မရဏကာလေ အညံ အာရာဓေတိ။  
အထ ပဉ္စန္ဓံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ  
ဟောတိ။ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ။ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ။  
သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ ဟောတိ။ ဥဗ္ဘိသောတော ဟောတိ အကနိဋ္ဌဂါမီ။ ဧဝံ

ဘာဝိတာယ ခေါ် ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိယာ ဧဝံ ဗဟုလိကတာယ ဣမေ  
သတ္တ ဖလာ သတ္တာနိသံသာ ပါဠိကဒ္ဓိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-အရိဋ္ဌသုတ္တ

၉၈၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တတြ ခေါဘဂဝါ။ ပ။ တေဒဝေါစ “ဘာဝေထ နော  
တုမှေ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိ”န္တိ။ ဧဝံ ဝုတ္တေ အာယသ္မာ အရိဋ္ဌော ဘဂဝန္တံ  
တေဒဝေါစ “အဟံ ခေါ ဘန္တေ ဘာဝေမိ အာနာပါနဿတိ”န္တိ။ ယထာ  
ကထံ ပန တံ အရိဋ္ဌ ဘာဝေသိ အာနာပါနဿတိန္တိ။ အတိတေသု မေ ဘန္တေ  
ကာမေသု ကာမစ္ဆန္တော ပဟီနော၊ အနာဂတေသု မေ ကာမေသု ကာမစ္ဆန္တော  
ဝိဂတော၊ အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ<sup>၁</sup> စ မေ ဓမ္မေသု ပဋိသသညာ သုပ္ပုဋိဝိနိတာ၊ သော၊  
သတောဝ အဿသိဿာမိ၊ သတောဝ ပဿသိဿာမိ။ ဧဝံ ခွါဟံ ဘန္တေ  
ဘာဝေမိ အာနာပါနဿတိန္တိ။

အတ္ထေသာ အရိဋ္ဌ အာနာပါနဿတိ၊ နေသာ နတ္ထိတိ ဝဒါမိ၊ အပိ စ အရိဋ္ဌ  
ယထာ အာနာပါနဿတိ ဝိတ္တာရေန ပရိပုဏ္ဏာ ဟောတိ၊ တံ သုဏာဟိ  
သာဓုကံ မနသိ ကရောဟိ၊ ဘာသိဿာမိတိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ အာယသ္မာ  
အရိဋ္ဌော ဘဂဝတော ပစ္စယောသိ။ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ—

ကထဉ္စ အရိဋ္ဌ အာနာပါနဿတိ ဝိတ္တာရေန ပရိပုဏ္ဏာ ဟောတိ၊ ဣဓ အရိဋ္ဌ  
ဘိက္ခု အရညဂတော ဝါ ရုက္ခမူလဂတော ဝါ သုညာဂါရဂတော ဝါ နိသီဒတိ  
ပလ္လင်္ဂ<sup>၂</sup> အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ ပဏိဓာယ ပရိမုခံ သတိ<sup>၃</sup> ဥပဋ္ဌပေတွာ၊  
သော သတောဝ အဿသတိ၊ သတောဝ ပဿသတိ၊ ဒိဃံ ဝါ အဿသန္တော  
“ဒိဃံအဿသာမိ”တိ ပဇာနာတိ။ ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿိ အဿသိဿာမိ”တိ  
သိက္ခတိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿိ ပဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ။ ဧဝံ ခေါ အရိဋ္ဌ  
အာနာပါနဿတိ ဝိတ္တာရေန ပရိပုဏ္ဏာ ဟောတိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-မဟာကပ္ပိနသုတ္တ

၉၈၃။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တေန ခေါပန သမယေန အာယသ္မာ မဟာကပ္ပိနော  
ဘဂဝတော အဝိဇ္ဇာရေ နိသိန္တော ဟောတိ ပလ္လင်္ဂ<sup>၁</sup> အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ  
ပဏိဓာယ ပရိမုခံ သတိ<sup>၂</sup> ဥပဋ္ဌပေတွာ။ အဒ္ဓသာ ခေါ ဘဂဝါ အာယသ္မန္တံ  
မဟာကပ္ပိနံ အဝိဇ္ဇာရေ နိသိန္တံ ပလ္လင်္ဂ<sup>၃</sup> အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ ပဏိဓာယ  
ပရိမုခံ သတိ<sup>၄</sup> ဥပဋ္ဌပေတွာ၊ ဒိသ္မာန ဘိက္ခု အာမန္တေသိ—



ပဿထ နော တုမေ ဘိက္ခဝေ ဧတဿ ဘိက္ခုနော ကာယဿ ဣဉ္ဇိတတ္ထံ ဝါ ဖန္ဓိတတ္ထံ ဝါတိ။ ယဒါပိ မယံ ဘန္တေ တံ အာယသ္မန္တံ ပဿာမ သံဃမဇ္ဈေ ဝါ နိသိန္တံ ဧကံ ဝါ ရဟော နိသိန္တံ၊ တဒါပိ မယံ တဿ အာယသ္မတော န ပဿာမ ကာယဿ ဣဉ္ဇိတတ္ထံ ဝါ ဖန္ဓိတတ္ထံ ဝါတိ။

ယဿ ဘိက္ခဝေ သမာဓိဿ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ နေဝ ကာယဿ ဣဉ္ဇိတတ္ထံ ဝါ ဟောတိ ဖန္ဓိတတ္ထံ ဝါ၊ န စိတ္တဿ ဣဉ္ဇိတတ္ထံ ဝါ ဟောတိ ဖန္ဓိတတ္ထံ ဝါ၊ တဿ သော ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သမာဓိဿ နိကာမလာဘီ အကိစ္ဆလာဘီ အကသိရလာဘီ။ ကတမဿ စ ဘိက္ခဝေ သမာဓိဿ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ နေဝ ကာယဿ ဣဉ္ဇိတတ္ထံ ဝါ ဟောတိ ဖန္ဓိတတ္ထံ ဝါ၊ န စိတ္တဿ ဣဉ္ဇိတတ္ထံ ဝါ ဟောတိ ဖန္ဓိတတ္ထံ ဝါ။

အာနာပါနဿတိသမာဓိဿ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတတ္တာ ဗဟုလိကတတ္တာ နေဝ ကာယဿ ဣဉ္ဇိတတ္ထံ ဝါ ဟောတိ ဖန္ဓိတတ္ထံ ဝါ၊ န စိတ္တဿ ဣဉ္ဇိတတ္ထံ ဝါ ဟောတိ ဖန္ဓိတတ္ထံ ဝါ။ ကထံ ဘာဝိတေ စ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိမ္ပိ ကထံ ဗဟုလိကတေ နေဝ ကာယဿ ဣဉ္ဇိတတ္ထံ ဝါ ဟောတိ ဖန္ဓိတတ္ထံ ဝါ၊ န စိတ္တဿ ဣဉ္ဇိတတ္ထံ ဝါ ဟောတိ ဖန္ဓိတတ္ထံ ဝါ။

ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရညဂတော ဝါ ရုက္ခမူလဂတော ဝါ သုညာဂါရဂတော ဝါ နိသီဒတိ ပလ္လင်္ဂံ အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ ပဏိဓာယ ပရိမုခံ သတိံ ဥပဋ္ဌပေတွာ၊ သော သတောဝ အဿသတိ၊ သတောဝ ပဿသတိ။ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ဧဝံ ဘာဝိတေ စ ခေါဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိမ္ပိ ဧဝံ ဗဟုလိကတေ နေဝ ကာယဿ ဣဉ္ဇိတတ္ထံ ဝါ ဟောတိ ဖန္ဓိတတ္ထံ ဝါ၊ န စိတ္တဿ ဣဉ္ဇိတတ္ထံ ဝါ ဟောတိ ဖန္ဓိတတ္ထံ ဝါတိ။ ။သတ္တမံ။

### ဂ-ပဒီပေါပမသုတ္တ

၉၈၄။ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော မဟပ္ပလော ဟောတိ မဟာနိသံသော။ ကထံ ဘာဝိတော စ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ကထံ ဗဟုလိကတော မဟပ္ပလော ဟောတိ မဟာနိသံသော။

ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရညဂတော ဝါ ရုက္ခမူလဂတော ဝါ သုညာဂါရဂတော ဝါ နိသီဒတိ ပလ္လင်္ဂံ အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ ပဏိဓာယ

ပရိမုခံ သတိံ ဥပဋ္ဌပေတွာ၊ သော သတောဝံ အဿသတိ၊ သတောဝံ ပဿသတိ၊  
ဒီဃံဝါ အဿသန္တော “ဒီဃံ အဿသမိ” တိ ပဇာနာတိ။ ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ  
အဿသိဿာမိ” တိ သိက္ခတိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမိ” တိ သိက္ခတိ။  
ဧဝံ ဘာဝိတော ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ဧဝံ ဗဟုလိကတော  
မဟပ္ပလော ဟောတိ မဟာနိသံသော။

အဟမ္ပိ သုခံ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေဝ သမ္မောဓာ အနဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါ ဗောဓိသတ္တောဝ  
သမာနော ဣဓိနာ ဝိဟာရေန ဗဟုလံ ဝိဟရာမိ၊ တဿ မယံ ဘိက္ခဝေ  
ဣဓိနာ ဝိဟာရေန ဗဟုလံ ဝိဟရတော နေဝ ကာယော ကိလမတိ န စက္ခုနိ၊  
အနုပါဒါယ စ မေ အာသဝေဟိ စိတ္တံ ဝိမုစ္ဆိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကင်္ခေယျ “နေဝ မေ ကာယော  
ကိလမေယျ န စက္ခုနိ၊ အနုပါဒါယ စ မေ အာသဝေဟိ စိတ္တံ ဝိမုစ္ဆေယျာ” တိ၊  
အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ  
ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကင်္ခေယျ “ယေ မေ ဂေဟသိတာ သရသင်္ကပ္ပါ၊  
တေ ပဟိယေယျ” နှိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ  
ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကင်္ခေယျ “အပ္ပဋိကူလေ  
ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ” နှိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ  
မနသိ ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကင်္ခေယျ  
“ပဋိကူလေ အပ္ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ” နှိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိ-  
သမာဓိ သာဓုကံ မနသိ ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ  
အာကင်္ခေယျ “ပဋိကူလေ စ အပ္ပဋိကူလေ စ ပဋိကူလသညီ ဝိဟရေယျ” နှိ၊  
အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ  
ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကင်္ခေယျ “ပဋိကူလေ စ အပ္ပဋိကူလေ စ အပ္ပဋိ-  
ကူလသညီ ဝိဟရေယျ” နှိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ  
ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကင်္ခေယျ “အပ္ပဋိကူလဉ္စ  
ပဋိကူလဉ္စ တဒုဘယံ အဘိနိဝဇ္ဇေတွာ ဥပေက္ခကော ဝိဟရေယျ သတော  
သမ္ပဇာနော” တိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ  
ကာတဗ္ဗော။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကင်္ခေယျ “ဝိဝိစ္ဆေဝ ကာမေဟိ  
ဝိဝိစ္ဆ အကုသလေဟိ ဓမ္မေဟိ သဝိတက္ကံ သဝိစာရံ ဝိဝေကဇံ ဝီတိသုခံ ပဌမံ  
ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရေယျ” နှိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ  
မနသိ ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကင်္ခေယျ

“ဝိတက္ကဝိစာရာနံ ဝုပသမာ အဇ္ဈတ္တံ သမ္ပသာဒနံ စေတသော ဧကောဒိဘာဝံ အဝိတက္ကံ အဝိစာရံ သမာဓိဇီဝိတိသုခံ ဒုတိယံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကဇ္ဈေယျ “ဝိတိယာ စ ဝိရာဂါ ဥပေက္ခကော စ ဝိဟရေယျ။ သတော စ သမ္ပဇာနော သုခဉ္စ ကာယေန ပဋိသံဝေဒေယျ။ ယံ တံ အရိယာ အာစိက္ခန္တိ ‘ဥပေက္ခကော သတိမာ သုခဝိဟာရိ’တိ၊ တတိယံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကဇ္ဈေယျ “သုခဿ စ ပဟာနာ ဒုက္ခဿ စ ပဟာနာ ပုဗ္ဗေဝ သောမနဿဒေါမနဿာနံ အတ္တင်္ဂမာ အဒုက္ခမသုခံ ဥပေက္ခာသတိပါရိသုဒ္ဓိံ စတုတ္ထံ ဈာနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ ကာတဗ္ဗော။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကဇ္ဈေယျ “သဗ္ဗသော ရူပသညာနံ သမတိက္ကမာ ပဋိသညာနံ အတ္တင်္ဂမာ နာနတ္တသညာနံ အမနသိကာရာ ‘အနန္တော အာကာသော’တိ အာကာသာနဉ္စာယတနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကဇ္ဈေယျ “သဗ္ဗသော အာကာသာနဉ္စာယတနံ သမတိက္ကမ္မ ‘အနန္တံ ဝိညာဏ’န္တိ ဝိညာဏဉ္စာယတနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကဇ္ဈေယျ “သဗ္ဗသော ဝိညာဏဉ္စာယတနံ သမတိက္ကမ္မ ‘နတ္ထိ ကိဉ္စိ’တိ အာကိဉ္စညာယတနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကဇ္ဈေယျ “သဗ္ဗသော အာကိဉ္စညာယတနံ သမတိက္ကမ္မ နေဝသညာနာသညာယတနံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ ကာတဗ္ဗော။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စေပိ အာကဇ္ဈေယျ “သဗ္ဗသော နေဝသညာနာသညာယတနံ သမတိက္ကမ္မ သညာဝေဒယိတနိရောဓံ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရေယျ”န္တိ၊ အယမေဝ အာနာပါနဿတိသမာဓိ သာဓုကံ မနသိ ကာတဗ္ဗော။

ဧဝံ ဘာဝိတေ ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိမိ ဧဝံ ဗဟုလိကတေ သုခံ စေ ဝေဒနံ ဝေဒယတိ၊ သာ “အနိစ္စာ”တိ ပဇာနာတိ၊ “အနဇ္ဈောသိတာ”တိ ပဇာနာတိ၊ “အနဘိနန္ဒိတာ”တိ ပဇာနာတိ။ ဒုက္ခံ စေ ဝေဒနံ ဝေဒယတိ၊ သာ “အနိစ္စာ”တိ ပဇာနာတိ၊ “အနဇ္ဈောသိတာ”တိ ပဇာနာတိ။

“အနဘိနန္ဒိတာ”တိ ပဇာနာတိ။ အဒုက္ခမသုခံ စေ ဝေဒနံ ဝေဒယတိ၊ သာ “အနိစ္စာ”တိ ပဇာနာတိ၊ “အနဇ္ဈောသိတာ”တိ ပဇာနာတိ၊ “အနဘိနန္ဒိတာ”တိ ပဇာနာတိ။

သုခံ<sup>၁</sup> စေ ဝေဒနံ ဝေဒယတိ၊ ဝိသံယုတ္တော နံ ဝေဒယတိ။ ဒုက္ခံ စေ ဝေဒနံ ဝေဒယတိ၊ ဝိသံယုတ္တော နံ ဝေဒယတိ။ အဒုက္ခမသုခံ စေ ဝေဒနံ ဝေဒယတိ၊ ဝိသံယုတ္တော နံ ဝေဒယတိ။ သော ကာယပရိယန္တိကံ ဝေဒနံ ဝေဒယမာနော “ကာယပရိယန္တိကံ ဝေဒနံ ဝေဒယာမိ”တိ ပဇာနာတိ၊ ဇီဝိတပရိယန္တိကံ ဝေဒနံ ဝေဒယမာနော “ဇီဝိတပရိယန္တိကံ ဝေဒနံ ဝေဒယာမိ”တိ ပဇာနာတိ၊ ကာယဿ ဘေဒါ ဥဗ္ဗံ ဇီဝိတပရိယာဒါနာ “ဣဓေဝ သဗ္ဗဝေဒယိတာနိ အနဘိနန္ဒိတာနိ သိတိဘဝိဿန္တိ”တိ ပဇာနာတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ တေလန္တ ပဋိစ္စ ဝဋ်ဉ္စ ပဋိစ္စ တေလပ္ပဒီပေါ ဈာယေယျ၊ တဿေဝ တေလဿ စ ဝဋ်ဉ္စာ စ ပရိယာဒါနာ အနာဟာရော နိဗ္ဗာယေယျ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယပရိယန္တိကံ ဝေဒနံ ဝေဒယမာနော “ကာယပရိယန္တိကံ ဝေဒနံ ဝေဒယာမိ”တိ ပဇာနာတိ၊ ဇီဝိတပရိယန္တိကံ ဝေဒနံ ဝေဒယမာနော “ဇီဝိတပရိယန္တိကံ ဝေဒနံ ဝေဒယာမိ”တိ ပဇာနာတိ၊ ကာယဿ ဘေဒါ ဥဗ္ဗံ ဇီဝိတပရိယာဒါနာ “ဣဓေဝ သဗ္ဗဝေဒယိတာနိ အနဘိနန္ဒိတာနိ သိတိဘဝိဿန္တိ”တိ ပဇာနာတိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဝေသာလီသုတ္တ

၉၈၅။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဝေသာလီယံ ဝိဟရတိ မဟာဝနေ ကူဠာဂါရသလာယံ။ တေန ခေါ ပန သမယေန ဘဂဝါ ဘိက္ခုနံ အနေကပရိယာယေန အသုဘကထံ ကထေတိ၊ အသုဘာယ ဝဏ္ဏံ ဘာသတိ၊ အသုဘဘာဝနာယ ဝဏ္ဏံ ဘာသတိ။

အထ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု အာမန္တေသိ “ဣစ္ဆာမဟံ ဘိက္ခဝေ အမုမာသံ ပဋိသလ္လိယိတုံ၊ နာမိ ကေနစိ ဥပသင်္ကမိတဗ္ဗော အညတြ ဧကေန ပိဏ္ဍပါတနိဟာရကေနာ”တိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ တေ ဘိက္ခု ဘဂဝတော ပဋိသုတွာ နာဿုဓ ကောစိ ဘဂဝန္တံ ဥပသင်္ကမတိ အညတြ ဧကေန ပိဏ္ဍပါတနိဟာရကေန။

၁-သော သုခံ (သီ၊ သျာ၊ ကံ၊ ဣ) မ-၃-၂၈၈-ပိဋကိ။ အဋ္ဌကထာဦးကာ ဩလောကေတဗ္ဗာ။

အထ ခေါ် တေ ဘိက္ခု။ “ဘဂဝါ အနေကပရိယာယေန အသုဘကထံ ကထေတိ၊ အသုဘာယ ဝဏ္ဏံ ဘာသတိ၊ အသုဘဘာဝနာယ ဝဏ္ဏံ ဘာသတိ”တိ အနေကာကာရဝေါကာရံ အသုဘဘာဝနာနုယောဂမနုယုတ္တာ ဝိဟရန္တိ။ တေ ဣမိနာ ကာယေန အဇ္ဈိယမာနာ<sup>၁</sup> ဟရာယမာနာ ဇီရုစ္ဆမာနာ သတ္တဟာရကံ ပရိယေသန္တိ၊ ဒသပိ ဘိက္ခု။ ကောဟေန သတ္ထံ အာဟရန္တိ၊ ဝိသမ္ပိပ။ တိံသမ္ပိ ဘိက္ခု။ ကောဟေန သတ္ထံ အာဟရန္တိ။

အထ ခေါ် ဘဂဝါ တဿ အဗုမာသဿ အစ္စယေန ပဋိသလ္လာနာ ဝုဠိတော အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ အာမန္တေသိ “ကိံ န ခေါ အာနန္တံ တနဘူတော ဝိယ ဘိက္ခုသံဃော”တိ။ တထာ ဟိ ပန ဘန္တေ “ဘဂဝါ ဘိက္ခုနံ အနေကပရိယာယေန အသုဘကထံ ကထေတိ၊ အသုဘာယ ဝဏ္ဏံ ဘာသတိ၊ အသုဘဘာဝနာယ ဝဏ္ဏံ ဘာသတိ”တိ အနေကာကာရဝေါကာရံ အသုဘဘာဝနာနုယောဂမနုယုတ္တာ ဝိဟရန္တိ။ တေ ဣမိနာ ကာယေန အဇ္ဈိယမာနာ ဟရာယမာနာ ဇီရုစ္ဆမာနာ သတ္တဟာရကံ ပရိယေသန္တိ၊ ဒသပိ ဘိက္ခု။ ကောဟေန သတ္ထံ အာဟရန္တိ၊ ဝိသမ္ပိ ဘိက္ခု။ တိံသမ္ပိ ဘိက္ခု။ ကောဟေန သတ္ထံ အာဟရန္တိ၊ သာဓု ဘန္တေ ဘဂဝါ အညံ ပရိယာယံ အာစိက္ခတု၊ ယထာယံ ဘိက္ခုသံဃော အညာယ သဏ္ဌာဟေယျာတိ။

တေနဟာနန္တ ယာဝတိကာ ဘိက္ခု။ ဝေသာလီ<sup>၂</sup> ဥပနိဿာယ ဝိဟရန္တိ၊ တေ သဗ္ဗေ ဥပဋ္ဌာနသာလာယံ သန္တိပါတေဟိတိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္တော၊ ဘဂဝတော ပဋိသုတ္တာ ယာဝတိကာ ဘိက္ခု။ ဝေသာလီ<sup>၂</sup> ဥပနိဿာယ ဝိဟရန္တိ၊ တေ သဗ္ဗေ ဥပဋ္ဌာနသာလာယံ သန္တိပါတေတွာ ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “သန္တိပတိတော” ဘန္တေ ဘိက္ခုသံဃော၊ ယဿဒါနိ ဘန္တေ ဘဂဝါ ကာလံ မညတိ”တိ။

အထ ခေါ် ဘဂဝါ ယေန ဥပဋ္ဌာနသာလာ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ပညတ္တေ အာသနေ နိသီဒိ၊ နိသဇ္ဇ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ—အယမ္ပိ ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ဘာဝိတော ဗဟုလီကတော သန္တော စေဝ ပဏီတော စ အသေစနကော စ သုခေါ စ ဝိဟာရော၊ ဥပ္ပန္နုပ္ပန္နေ စ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ ဌာနသော အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဂိမ္မာနံ ပစ္စိမေ မာသေ ဦဟတံ ရဇောဇလ္လံ၊ တမေနံ မဟာအကာလမေသော ဌာနသော အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော သန္တော စေဝ ပဏီတော စ အသေစနကော စ သုခေါ စ ဝိဟာရော၊ ဥပ္ပန္နုပ္ပန္နေ စ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ ဌာနသော အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိ။ ကထံ ဘာဝိတော စ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ကထံ ဗဟုလိကတော သန္တော စေဝ ပဏီတော စ အသေစနကော စ သုခေါ စ ဝိဟာရော၊ ဥပ္ပန္နုပ္ပန္နေ စ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ ဌာနသော အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိ။

ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရညဂတော ဝါ ရုက္ခမူလဂတော ဝါ သုညာဂါရ-  
ဂတော ဝါ နိဿိဒတိ ပလ္လက္ခံ အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ ပဏိဓာယ ပရိမုခံ  
သတိံ ဥပဋ္ဌပေတွာ၊ သော သတောဝ အဿသတိ၊ သတောဝ ပဿသတိ။ ပ။  
“ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿ-  
သိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ဧဝံ ဘာဝိတော ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိ  
ဧဝံ ဗဟုလိကတော သန္တော စေဝ ပဏီတော စ အသေစနကော စ သုခေါ စ  
ဝိဟာရော၊ ဥပ္ပန္နုပ္ပန္နေ စ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ ဌာနသော  
အန္တရဓာပေတိ ဝုပသမေတိတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ကိမ္ဘိလသုတ္တ

၉၈၆။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ကိမ္ဘိလာယံ<sup>၁</sup> ဝိဟရတိ  
ဝေဠုဝနေ။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ အာယသ္မန္တံ ကိမ္ဘိလံ အာမန္တေသိ “ကထံ  
ဘာဝိတော န ခေါ ကိမ္ဘိလ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ကထံ ဗဟုလိကတော  
မဟပ္ပလော ဟောတိ မဟာနိသံသော”တိ။

ဧဝံ ဝုတ္တေ အာယသ္မာ ကိမ္ဘိလော တုဏှိ အဟောသိ။ ဒုတိယဗ္ဗိ ခေါ ဘဂဝါ။ ပ။  
တတိယဗ္ဗိ ခေါ ဘဂဝါ အာယသ္မန္တံ ကိမ္ဘိလံ အာမန္တေသိ “ကထံ ဘာဝိတော  
န ခေါ ကိမ္ဘိလ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ကထံ ဗဟုလိကတော မဟပ္ပလော  
ဟောတိ မဟာနိသံသော”တိ။ တတိယဗ္ဗိ ခေါ အာယသ္မာ ကိမ္ဘိလော တုဏှိ  
အဟောသိ။

ဧဝံ ဝုတ္တေ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ “ဧတဿ ဘဂဝါ  
ကာလော၊ ဧတဿ သုဂတ ကာလော၊ ယံ ဘဂဝါ အာနာပါနဿတိသမာဓိ”

ဘာသေယျ၊ ဘဂဝတော သုတွာ ဘိက္ခု ဓာရေဿန္တိ”တိ။ တေနဟာနန္တ သုဏာဟိ သာဓုကံ မနသိ ကရောဟိ၊ ဘာသိဿာမိတိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္တော ဘဂဝတော ပစ္စသေသာသိ။ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ—

ကထံ ဘာဝိတော စ အာနန္တ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ကထံ ဗဟုလိကတော မဟပ္ပလော ဟောတိ မဟာနိသံသော၊ ဣဓာနန္တ ဘိက္ခု အရညဂတော ဝါ ရုက္ခမူလဂတော ဝါ သုညာဂါရဂတော ဝါ နိသီဒတိ ပလ္လင်္ကံ အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ ပဏိဓာယ ပရိမုခံ သတိံ ဥပဋ္ဌပေတွာ၊ သော သတောဝ အဿသတိ၊ သတောဝ ပဿသတိ။ ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ။ ဧဝံ ဘာဝိတော ခေါ အာနန္တ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ဧဝံ ဗဟုလိကတော မဟပ္ပလော ဟောတိ မဟာနိသံသော။

ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခု ဒီဃံ ဝါ အဿသန္တော “ဒီဃံ အဿသာမိ”တိ ပဇာနာတိ၊ ဒီဃံ ဝါ ပဿသန္တော “ဒီဃံ ပဿသာမိ”တိ ပဇာနာတိ၊ ရဿံ ဝါ အဿသန္တော “ရဿံ အဿသာမိ”တိ ပဇာနာတိ၊ ရဿံ ဝါ ပဿသန္တော “ရဿံ ပဿသာမိ”တိ ပဇာနာတိ၊ “သဗ္ဗကာယပ္ပဋိသံဝေဒီ အဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ၊ “သဗ္ဗကာယပ္ပဋိသံဝေဒီ ပဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဿန္တယံ ကာယသင်္ခါရံ အဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဿန္တယံ ကာယသင်္ခါရံ ပဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ၊ ကာယေ ကာယာနုပဿီ အာနန္တ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ကာယညတရာဟံ အာနန္တ ဧတံ ဝဒါမိ ယဒိဒံ အဿာသပဿာသံ၊ တသ္မာတိဟာနန္တ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ (၁)

ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခု “ဝိတိပ္ပဋိသံဝေဒီ အဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ၊ “ဝိတိပ္ပဋိသံဝေဒီ ပဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ၊ “သုခပ္ပဋိသံဝေဒီ အဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ၊ “သုခပ္ပဋိသံဝေဒီ ပဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ၊ “စိတ္တသင်္ခါရပ္ပဋိသံဝေဒီ အဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ၊ “စိတ္တသင်္ခါရပ္ပဋိသံဝေဒီ ပဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဿန္တယံ စိတ္တသင်္ခါရံ ပဿသိဿာမိ”တိ သိက္ခတိ၊ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ အာနန္တ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ

သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ဝေဒနာညတရာဟံ အာနန္တဇေတံ ဝဒါမိ ယဒိဒံ အဿာသပဿာသာနံ<sup>၁</sup> သာဓုကံ မနသိကာရံ။ တသ္မာတိဟာနန္တ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ (၂)

ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခု “စိတ္တပ္ပဋိသံဝေဒီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ “စိတ္တပ္ပဋိသံဝေဒီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ အဘိပ္ပမောဒယံ စိတ္တံ။ ပ။ သမာဒဟံ စိတ္တံ။ “ဝိမောစယံ စိတ္တံ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ “ဝိမောစယံ စိတ္တံ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ အာနန္တ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နာဟံ အာနန္တ မုဠဿတိဿ အသမ္ပဇာနဿ အာနာပါနဿတိသမာဓိဘာဝနံ ဝဒါမိ။ တသ္မာတိဟာနန္တ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ (၃)

ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခု “အနိစ္စာနုပဿီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ပ။ ဝိရာဂါနုပဿီ။ နိရောဓာနုပဿီ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ အာနန္တ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ သော ယံ တံ ဟောတိ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿာနံ ပဟာနံ၊ တံ ပညာယ ဒိသ္မာ သာဓုကံ အဇ္ဈုပေက္ခိတာ ဟောတိ။ တသ္မာတိဟာနန္တ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ (၄)

သေယျထာပိ အာနန္တ စတုမဟာပထေ<sup>၂</sup> မဟာပံသုပုဇ္ဇော ပုရတ္ထိမာယ စေပိ ဒိသာယ အာဂစ္ဆေယျ သကဋံ ဝါ ရထော ဝါ၊ ဥပဟနတေဝ တံ ပံသုပုဋ္ဌံ။ ပစ္စိမာယ စေပိ ဒိသာယ အာဂစ္ဆေယျ။ ဥတ္တရာယ စေပိ ဒိသာယ။ ဒက္ခိဏာယ စေပိ ဒိသာယ အာဂစ္ဆေယျ သကဋံ ဝါ ရထော ဝါ၊ ဥပဟနတေဝ တံ ပံသုပုဋ္ဌံ။ ဝေမေဝ ခေါ အာနန္တ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရန္တောပိ

၁-အဿာသပဿာသံ (ဇုက) မ-၃-၁၂၆-ပိဋ္ဌေဝိ။

၂-စာတုမ္မဟာပထေ (သိ၊ သျာ၊ ကံ)



ဥပဟနတေဝ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေ။ ဝေဒနာသု။ ပ။ စိတ္တေ။ ပ။ ဓမ္မေသု  
ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရန္တောပိ ဥပဟနတေဝ ပါပကေ အကုသလေ ဓမ္မေတိ။ ။ဒသမံ။

ဧကဓမ္မဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

### တသုဒ္ဓါနံ

ဧကဓမ္မော စ ဗောဇ္ဈင်္ဂေါ၊ သုဒ္ဓိကဉ္စ ဒုဝေ ဖလာ။  
အရိဋ္ဌော ကပ္ပိနော ဒီပေါ၊ ဝေသာလီ ကိမိလေန စာတိ။

### ၂-ဒုတိယဝဂ္ဂ

#### ၁-ဣစ္ဆာနင်္ဂလသုတ္တ

၉၈၇။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဣစ္ဆာနင်္ဂလေ ဝိဟရတိ ဣစ္ဆာနင်္ဂလဝနသဏ္ဍေ။  
တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ “ဣစ္ဆာမဟံ ဘိက္ခုဝေ တေမာသံ  
ပဋိသလ္လိယိတုံ၊ နာမိ ကေနစိ ဥပသင်္ကမိတဗ္ဗော အညတြ ဧကေန ပိဏ္ဍပါတ-  
နိဟာရကေနာ”တိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါတေ ဘိက္ခု။ ဘဂဝတော ပဋိသုတ္တာ  
နာဿုဓ ကောစိ ဘဂဝန္တံ ဥပသင်္ကမတိ အညတြ ဧကေန ပိဏ္ဍပါတ-  
နိဟာရကေန။

အထ ခေါ ဘဂဝါ တဿ တေမာသဿ အစွယေန ပဋိသလ္လာနာ ဝုဋ္ဌိတော  
ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ—သစေ ခေါ ဘိက္ခုဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ ဧဝံ  
ပုစ္ဆေယျ “ကတမေနာဝုသော ဝိဟာရေန သမဏော ဂေါတမော ဝဿာဝါသံ  
ဗဟုလံ ဝိဟာသိ”တိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ တုဗ္ဗေ ဘိက္ခုဝေ တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ  
ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဧဝံ ဗျာကရေယျာထ “အာနာပါနဿတိသမာဓိနာ ခေါ  
အာဝုသော ဘဂဝါ ဝဿာဝါသံ ဗဟုလံ ဝိဟာသိ”တိ။ ဣဓာဟံ ဘိက္ခုဝေ  
သတော အဿသာမိ၊ သတော ပဿသာမိ။ ဒီဃံ အဿသန္တော “ဒီဃံ  
အဿသာမိ”တိ ပဇာနာမိ၊ ဒီဃံ ပဿသန္တော “ဒီဃံ ပဿသာမိ”တိ  
ပဇာနာမိ၊ ရဿံ အဿသန္တော “ရဿံ အဿသာမိ”တိ ပဇာနာမိ၊ ရဿံ  
ပဿသန္တော “ရဿံ ပဿသာမိ”တိ ပဇာနာမိ၊ “သဗ္ဗကာယပ္ပုဋိသံဝေဒီ  
အဿသိသာမိ”တိ ပဇာနာမိ။ ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိသာမိ”တိ  
ပဇာနာမိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိသာမိ”တိ ပဇာနာမိ။

ယံ ဟိ တံ ဘိက္ခဝေ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ အရိယဝိဟာရော ဣတိပိ၊  
 မြဟ္မဝိဟာရော ဣတိပိ၊ တထာဂတဝိဟာရော ဣတိပိ။ အာနာပါနဿတိသမာဓိ<sup>၁</sup>  
 သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ အရိယဝိဟာရော ဣတိပိ၊ မြဟ္မဝိဟာရော ဣတိပိ၊  
 တထာဂတဝိဟာရော ဣတိပိ။ ယေ တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သေခါ အပ္ပတ္တမာနသာ  
 အနုတ္တရံ ယောဂက္ခေမံ ပတ္တယမာနာ ဝိဟရန္တိ၊ တေသံ အာနာပါနဿတိ-  
 သမာဓိ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော အာသဝါနံ ခယာယ သံဝတ္တတိ၊ ယေ စ  
 ခေါ တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရဟန္တာ ဒိဏာသဝါ ဝုသိတဝန္တာ ကတ-  
 ကရဏီယာ ဩဟိတဘာရာ အနုပ္ပတ္တသဒတ္တာ ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနာ  
 သမ္ပဒညာဝိမုတ္တာ၊ တေသံ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ဘာဝိတော ဗဟုလိ-  
 ကတော ဒိဋ္ဌဓမ္မသုခဝိဟာရာယ စေဝ သံဝတ္တတိ သတိသမ္ပဇညာယ စ။

ယံ ဟိ တံ ဘိက္ခဝေ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ အရိယဝိဟာရော ဣတိပိ၊  
 မြဟ္မဝိဟာရော ဣတိပိ၊ တထာဂတဝိဟာရော ဣတိပိ။ အာနာပါနဿတိသမာဓိ<sup>၁</sup>  
 သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ အရိယဝိဟာရော ဣတိပိ၊ မြဟ္မဝိဟာရော ဣတိပိ၊  
 တထာဂတဝိဟာရော ဣတိပိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ကနဲယျသုတ္တ

၉၈၈။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ လောမသကံဘိယော<sup>၂</sup> သက္ကေသု ဝိဟရတိ  
 ကပိလဝတ္ထုသ္မိ<sup>၃</sup> နိဂြောဓရာမေ။ အထ ခေါ မဟာနာမော သက္ကော  
 ယေနာယသ္မာ လောမသကံဘိယော တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မန္တံ  
 လောမသကံဘိယံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသီန္နော ခေါ  
 မဟာနာမော သက္ကော အာယသ္မန္တံ လောမသကံဘိယံ တေဒဝေါစ “သော  
 ဧဝ န ခေါ ဘန္တေ သေခေါ ဝိဟာရော သော တထာဂတဝိဟာရော၊ ဥဒါဟု  
 အညောဝ<sup>၄</sup> သေခေါ ဝိဟာရော အညော တထာဂတဝိဟာရော”တိ။

န ခေါ အာဝုသော မဟာနာမ သွေဝ သေခေါ ဝိဟာရော၊ သော  
 တထာဂတဝိဟာရော၊ အညော ခေါ အာဝုသော မဟာနာမ သေခေါ  
 ဝိဟာရော၊ အညော တထာဂတဝိဟာရော။ ယေ တေ အာဝုသော မဟာနာမ  
 ဘိက္ခု သေခါ အပ္ပတ္တမာနသာ အနုတ္တရံ ယောဂက္ခေမံ ပတ္တယမာနာ  
 ဝိဟရန္တိ၊ တေ ပဉ္စ နိဝရဏေ ပဟာယ ဝိဟရန္တိ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ ကာမစ္ଛန္ဒနိဝရဏံ  
 ပဟာယ ဝိဟရန္တိ၊ ဗျာပါဒနိဝရဏံ။ ပ။ ထိနမိဒ္ဓနိဝရဏံ။ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စနိဝရဏံ။  
 ဝိစိကိစ္ဆာနိဝရဏံ ပဟာယ ဝိဟရန္တိ။

ယေပိ တေ အာဝုသော မဟာနာမ ဘိက္ခု။ သေခေါ အပ္ပတ္တမာနသာ အနုတ္တရံ ယောဂက္ခေမံ ပတ္တယမာနာ ဝိဟရန္တိ၊ တေ ဣမေ ပဉ္စ နိဝရဏေ ပဟာယ ဝိဟရန္တိ။

ယေ စ ခေါ တေ အာဝုသော မဟာနာမ ဘိက္ခု။ အရဟန္တော ဒီဏာသဝါ ဝုသိတဝန္တော ကတကရဏီယာ ဩဟိတဘာရာ အနုပ္ပတ္တသဒတ္တာ ပရိက္ခိဏ-ဘဝသံယောဇနာ သမ္ပဒညာဝိမုတ္တာ၊ တေသံ ပဉ္စ နိဝရဏာ ပဟိနာ ဥစ္ဆန္တမူလာ တာလာဝတ္ထုကတာ အနဘာဝံကတာ<sup>၁</sup> အာယတိ<sup>၂</sup> အနုပ္ပါဒဓမ္မာ။ ကတမေ ပဉ္စ၊ ကာမန္တန္တနိဝရဏံ ပဟိနံ ဥစ္ဆန္တမူလံ တာလာဝတ္ထုကတံ အနဘာဝံကတံ အာယတိ<sup>၃</sup> အနုပ္ပါဒဓမ္မံ။ ဗျာပါဒနိဝရဏံ ပဟိနံ။ ပ။ ထိနမိဒ္ဓနိဝရဏံ။ ဥဒ္ဓစ္စကုက္ကုစ္စနိဝရဏံ။ ဝိစိကိစ္ဆာနိဝရဏံ ပဟိနံ ဥစ္ဆန္တမူလံ တာလာဝတ္ထုကတံ အနဘာဝံကတံ အာယတိ<sup>၄</sup> အနုပ္ပါဒဓမ္မံ။

ယေ တေ အာဝုသော မဟာနာမ ဘိက္ခု။ အရဟန္တော ဒီဏာသဝါ ဝုသိတဝန္တော ကတကရဏီယာ ဩဟိတဘာရာ အနုပ္ပတ္တသဒတ္တာ ပရိက္ခိဏ-ဘဝသံယောဇနာ သမ္ပဒညာဝိမုတ္တာ၊ တေသံ ဣမေ ပဉ္စ နိဝရဏာ ပဟိနာ ဥစ္ဆန္တမူလာ တာလာဝတ္ထုကတာ အနဘာဝံကတာ အာယတိ<sup>၅</sup> အနုပ္ပါဒဓမ္မာ။ တဒမိနာပေတံ အာဝုသော မဟာနာမ ပရိယာယေန ဝေဒိတဗ္ဗံ၊ ယထာ အညောဝ သေခေါ ဝိဟာရော၊ အညော တထာဂတဝိဟာရော။

ဧကမိဒံ အာဝုသော မဟာနာမ သမယံ ဘဂဝါ ဣစ္ဆာနင်္ဂလေ ဝိဟရတိ ဣစ္ဆာနင်္ဂလဝနသဏ္ဍေ။ တတြ ခေါ အာဝုသော မဟာနာမ ဘဂဝါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ “ဣစ္ဆာမဟံ ဘိက္ခဝေ တေမာသံ ပဋိသလ္လိယိတုံ၊ နာမိ ဧကေနိ ဥပသင်္ကမိတဗ္ဗော အညတြ ဧကေန ပိဏ္ဍပါတနိဟာရကေနာ”တိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ အာဝုသော မဟာနာမ တေ ဘိက္ခု။ ဘဂဝတော ပဋိသုတ္တာ နာဿုမ ကောစိ ဘဂဝန္တံ ဥပသင်္ကမတိ အညတြ ဧကေန ပိဏ္ဍပါတနိဟာရ-ကေန။

အထ ခေါ အာဝုသော ဘဂဝါ တဿ တေမာသံသ အစ္စယေန ပဋိသလ္လာနာ ဝုဋ္ဌိတော ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ—သစေ ခေါ ဘိက္ခဝေ အညတိတ္ထိယာ ပရိဗ္ဗာဇကာ ဧဝံ ပုစ္ဆေယျံ “ကတမေနာဝုသော ဝိဟာရေန သမဏော ဂေါတမော ဝဿာဝါသံ ဗဟုလံ ဝိဟာသိ”တိ။ ဧဝံ ပုဋ္ဌာ တုမေ ဘိက္ခဝေ

တေသံ အညတိတ္ထိယာနံ ပရိဗ္ဗာဇကာနံ ဧဝံ ဗျာကရေယျာထ “အာနာ-  
ပါနဿတိသမာဓိနာ ခေါ အာရုသော ဘဂဝါ ဝဿာဝါသံ ဗဟုလံ  
ဝိဟာသီ”တိ။ ဣဓာဟံ ဘိက္ခဝေ သတော အဿသာမိ၊ သတော ပဿသာမိ၊  
ဒီဃံ အဿသန္တော “ဒီဃံ အဿသာမိ”တိ ပဇာနာမိ၊ ဒီဃံ ပဿသန္တော  
“ဒီဃံ ပဿသာမိ”တိ ပဇာနာမိ။ ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိဿာမိ”တိ  
ပဇာနာမိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမိ”တိ ပဇာနာမိ။

ယံ ဟိ တံ ဘိက္ခဝေ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ အရိယဝိဟာရော ဣတိပိ၊  
ဗြဟ္မဝိဟာရော ဣတိပိ၊ တထာဂတဝိဟာရော ဣတိပိ။ အာနာပါနဿတိသမာဓိ  
သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ အရိယဝိဟာရော ဣတိပိ၊ ဗြဟ္မဝိဟာရော ဣတိပိ၊  
တထာဂတဝိဟာရော ဣတိပိ။

ယေ တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ သေခါ အပ္ပတ္တမာနသာ အနုတ္တရံ ယောဂက္ခေမံ  
ပတ္ထယမာနာ ဝိဟရန္တိ၊ တေသံ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ဘာဝိတော  
ဗဟုလိကတော အာသဝါနံ ခယာယ သံဝတ္တတိ။

ယေ စ ခေါ တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ အရဟန္တော ဒီဏာသဝါ ဝုသိတဝန္တော  
ကတကရဏီယာ ဩဟိတဘာရာ အနုပ္ပတ္တသဒတ္တာ ပရိက္ခိဏဘဝသံယောဇနာ  
သမ္ပဒညာဝိမုတ္တာ၊ တေသံ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ဘာဝိတော ဗဟုလိ-  
ကတော ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သုခဝိဟာရာယ စေဝ သံဝတ္တတိ သတိသမ္ပဇညာယ စ။

ယံ ဟိ တံ ဘိက္ခဝေ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ အရိယဝိဟာရော ဣတိပိ၊  
ဗြဟ္မဝိဟာရော ဣတိပိ၊ တထာဂတဝိဟာရော ဣတိပိ။ အာနာပါနဿတိ-  
သမာဓိ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ အရိယဝိဟာရော ဣတိပိ၊ ဗြဟ္မဝိဟာရော  
ဣတိပိ၊ တထာဂတဝိဟာရော ဣတိပိတိ။ ဣမိနာ ခေါ ဧတံ အာရုသော  
မဟာနာမ ပရိယာယေန ဝေဒိတဗ္ဗံ၊ ယထာ အညောဝ သေခေါ ဝိဟာရော၊  
အညော တထာဂတဝိဟာရောတိ။

### ၃-ပဌမအာနန္ဒသုတ္တ

၉၈၉။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ယေန ဘဂဝါ  
တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ  
နိသီန္တော ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “အတ္ထိ န ခေါ

ဘန္တေ ဧကဓမ္မော<sup>၁</sup> ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော ဓမ္မေ ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဒွေ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ”တိ။

အတ္ထိ ခေါ် အာနန္ဒ ဧကဓမ္မော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော ဓမ္မေ ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ။ သတ္တ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဒွေ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိတိ။

ကတမော ပန ဘန္တေ ဧကဓမ္မော<sup>၁</sup> ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော ဓမ္မေ ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဒွေ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိတိ။ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ခေါ် အာနန္ဒ ဧကဓမ္မော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိ<sup>၂</sup> ပရိပူရေန္တိ။

ကထံ ဘာဝိတော အာနန္ဒ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ကထံ ဗဟုလိကတော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေတိ။ ဣဓာနန္ဒ ဘိက္ခု အရညဂတော ဝါ ရုက္ခမူလဂတော ဝါ သုညာဂါရဂတော ဝါ နိသီဒတိ ပလ္လင်္ဂ<sup>၃</sup> အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ ပဏိဓာယ ပရိမုခံ သတိ<sup>၄</sup> ဥပဋ္ဌပေတွာ၊ သော သတောဝ အဿသတိ၊ သတောဝ ပဿသတိ၊ ဒီဃံ ဝါ အဿသန္တော “ဒီဃံ အဿသာမီ”တိ ပဇာနာတိ၊ ဒီဃံ ဝါ ပဿသန္တော “ဒီဃံ ပဿသာမီ”တိ ပဇာနာတိ။ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ ယသ္မိ<sup>၅</sup> သမယေ အာနန္ဒ ဘိက္ခု ဒီဃံ ဝါ အဿသန္တော “ဒီဃံ အဿသာမီ”တိ ပဇာနာတိ၊ ဒီဃံ ဝါ ပဿသန္တော “ဒီဃံ ပဿသာမီ”တိ ပဇာနာတိ၊ ရဿံ ဝါ။ပ။ “ပဿမ္ဘယံ ကာယသင်္ခါရံ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဿမ္ဘယံ ကာယသင်္ခါရံ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ကာယေ ကာယာနုပဿီ အာနန္ဒ ဘိက္ခု တသ္မိ<sup>၆</sup> သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ကာယညတရာဟံ အာနန္ဒ ဧတံ ဝဒါမိ ယဒိဒံ အဿာသပဿာသံ။ တသ္မာတိဟာနန္ဒ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဘိက္ခု တသ္မိ<sup>၇</sup> သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ (၁)

ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခု၊ “ဝိတိပ္ပုဋ်သံဝေဒီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ သုခပ္ပုဋ်သံဝေဒီ။ပ။ စိတ္တသင်္ခါရပ္ပုဋ်သံဝေဒီ။ “ပဿန္တယံ စိတ္တသင်္ခါရံ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဿန္တယံ စိတ္တသင်္ခါရံ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ အာနန္တ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ဝေဒနာညတရာဟံ အာနန္တ ဧတံ ဝဒါမိ၊ ယဒိဒံ အဿာသပဿာသာနံ သာဓုကံ မနသိကာရံ။ တသ္မာတိဟာနန္တ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ (၂)

ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခု၊ “စိတ္တပ္ပုဋ်သံဝေဒီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “စိတ္တပ္ပုဋ်သံဝေဒီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ အဘိပ္ပမောဒယံ စိတ္တံ။ပ။ သမာဒဟံ စိတ္တံ။ “ဝိမောစယံ စိတ္တံ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ဝိမောစယံ စိတ္တံ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ အာနန္တ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နာဟံ အာနန္တ မုဠဿတိဿ အသမ္ပဇာနဿ အာနာပါနဿတိသမာဓိဘာဝနံ ဝဒါမိ။ တသ္မာ တိဟာနန္တ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ (၃)

ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခု၊ အနိစ္စာနုပဿီ။ပ။ ဝိရာဂါနုပဿီ။ နိရောဓာနုပဿီ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ အာနန္တ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ သော ယံ တံ ဟောတိ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿာနံ ပဟာနံ၊ တံ ပညာယ ဒိသ္မာ သာဓုကံ အဇ္ဈုပေက္ခိတာ ဟောတိ။ တသ္မာတိဟာနန္တ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ (၄)

ဧဝံ ဘာဝိတော ခေါ အာနန္တ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ဧဝံ ဗဟုလိကတော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေတိ။

ကထံ ဘာဝိတာ စာနန္တ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ကထံ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ပရိပူရေန္တိ၊ ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခု ကာယေ

ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ၊ ဥပဋ္ဌိတာဿ<sup>၁</sup> တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော<sup>၂</sup> သတိ ဟောတိ အသမ္ပုဋ္ဌာ။ ယသ္မိံ သမယေ အာနန္ဒ ဘိက္ခုနော ဥပဋ္ဌိတာ သတိ ဟောတိ အသမ္ပုဋ္ဌာ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၁)

သော တထာသတော ဝိဟရန္တော တံ ဓမ္မံ ပညာယ ပဝိစိနတိ ပဝိစရတိ ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတိ။ ယသ္မိံ သမယေ အာနန္ဒ ဘိက္ခု တထာသတော ဝိဟရန္တော တံ ဓမ္မံ ပညာယ ပဝိစိနတိ ပဝိစရတိ ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတိ။ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၂)

တဿ တံ ဓမ္မံ ပညာယ ပဝိစိနတော ပဝိစရတော ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတော အာရဒ္ဓံ ဟောတိ ဝီရိယံ အသလ္လိနံ။ ယသ္မိံ သမယေ အာနန္ဒ ဘိက္ခုနော တံ ဓမ္မံ ပညာယ ပဝိစိနတော ပဝိစရတော ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတော အာရဒ္ဓံ ဟောတိ ဝီရိယံ အသလ္လိနံ၊ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ဝီရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၃)

အာရဒ္ဓဝီရိယဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဝီတိ နိရာမိသာ။ ယသ္မိံ သမယေ အာနန္ဒ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓဝီရိယဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ဝီတိ နိရာမိသာ၊ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ဝီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၄)

ဝီတိမနဿ ကာယောပိ ပဿန္တတိ၊ စိတ္တဗ္ဗိ ပဿန္တတိ။ ယသ္မိံ သမယေ အာနန္ဒ ဘိက္ခုနော ဝီတိမနဿ ကာယောပိ ပဿန္တတိ၊ စိတ္တဗ္ဗိ ပဿန္တတိ၊ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ပဿဒ္ဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၅)

၁-ဥပဋ္ဌိတာဿတိ (ဣ၊က)

၂-တသ္မိံ သမယေ အာနန္ဒ ဘိက္ခုနော (ဣ၊က)၊ တသ္မိံ သမယေ (မ-၃-၁၂၇-ပိဋက)

ပဿဒ္ဓကာယဿ သုခိနော စိတ္တံ သမာဓိယတိ။ ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခုနော ပဿဒ္ဓကာယဿ သုခိနော စိတ္တံ သမာဓိယတိ၊ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၆)

သော တထာသမာဟိတံ စိတ္တံ သာဓုကံ အဇ္ဈုပေက္ခိတာ ဟောတိ။ ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခု တထာသမာဟိတံ စိတ္တံ သာဓုကံ အဇ္ဈုပေက္ခိတာ ဟောတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၇)

ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခု ဝေဒနာသု။ပ။ စိတ္တေ။ပ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဝိဟရတိ၊ ဥပဋ္ဌိတာဿ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော သတိ ဟောတိ အသမ္ပုဋ္ဌာ။ ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခုနော ဥပဋ္ဌိတာ သတိ ဟောတိ အသမ္ပုဋ္ဌာ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (ယထာ ပဌမံ သတိပဋ္ဌာနံ၊ ဧဝံ ဝိတ္ထာရေတဗ္ဗံ။)

သော တထာသမာဟိတံ စိတ္တံ သာဓုကံ အဇ္ဈုပေက္ခိတာ ဟောတိ။ ယသ္မိံ သမယေ အာနန္တ ဘိက္ခု တထာသမာဟိတံ စိတ္တံ သာဓုကံ အဇ္ဈုပေက္ခိတာ ဟောတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ အာနန္တ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ပရိပူရေန္တိ။

ကထံ ဘာဝိတာ အာနန္တ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ကထံ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ ပရိပူရေန္တိ။ ဣဓာနန္တ ဘိက္ခု သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ



ဘာဝေတိ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္မောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂ-  
နိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ အာနန္တ  
သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ ပရိပူရေန္တိတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ဒုတိယအာနန္တသုတ္တ

၉၉၀။ အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္တော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္တံ ခေါ  
အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ ဘဂဝါ ဧတဒဝေါစ “အတ္ထိ န ခေါ အာနန္တ ဧကမေဃော  
ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော ဓမ္မေ ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော ဓမ္မာ  
ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ  
ဗဟုလိကတာ ဒွေ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ”တိ။ ဘဂဝံမူလကာ နော ဘန္တေ ဓမ္မာ။ပ။  
အတ္တာနန္တ ဧကမေဃော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော ဓမ္မေ ပရိပူရေတိ၊  
စတ္တာရော ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဓမ္မာ  
ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဒွေ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ။

ကတမော စာနန္တ ဧကမေဃော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော ဓမ္မေ  
ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ၊  
သတ္တ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဒွေ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ။ အာနာပါနဿတိ-  
သမာဓိ အာနန္တ ဧကမေဃော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ  
ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ  
ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ ပရိပူရေန္တိတိ။  
ကထံ ဘာဝိတော စာနန္တ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ကထံ ဗဟုလိကတော  
စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေတိ၊ ဣဓာနန္တ ဘိက္ခု အရညဂတော ဝါ။ပ။  
ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ အာနန္တ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ  
ပရိပူရေန္တိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ပဌမဘိက္ခုသုတ္တ

၉၉၁။ အထ ခေါ သမ္မဟုလာ ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိသု၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိသု၊ ဧကမန္တံ  
နိဿိန္တံ ခေါ တေ ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ “အတ္ထိ န ခေါ ဘန္တေ  
ဧကမေဃော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော ဓမ္မေ ပရိပူရေတိ၊  
စတ္တာရော ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဓမ္မာ

ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဒွေ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ”တိ။ အတ္ထိ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
ဧကဓမ္မော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော ဓမ္မေ ပရိပူရေတိ၊  
စတ္တာရော ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဓမ္မာ  
ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဒွေ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိတိ။

ကတမော ပန ဘန္တေ ဧကဓမ္မော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော  
ဓမ္မေ ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဓမ္မေ  
ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဒွေ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိတိ။  
အာနာပါနဿတိသမာဓိ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဧကဓမ္မော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော  
စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ  
ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ  
ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ ပရိပူရေန္တိတိ။

ကထံ ဘာဝိတော စ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ကထံ  
ဗဟုလိကတော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေတိ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု  
အရညဂတော ဝါ။ပ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဧဝံ  
ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ ပရိပူရေန္တိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ခုတိယဘိက္ခုသုတ္တ

၉၉၂။ အထ ခေါ သမ္မဟုလာ ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကပိသု၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိသု၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္တေ  
ခေါ တေ ဘိက္ခု ဘဂဝါ တေဒဝေါစ “အတ္ထိ န ခေါ ဘိက္ခဝေ ဧကဓမ္မော  
ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော ဓမ္မေ ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော ဓမ္မာ  
ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ  
ဗဟုလိကတာ ဒွေ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ”တိ။ ဘဂဝံမူလကာ နော ဘန္တေ ဓမ္မာ။ပ။  
ဘဂဝတော သုတွာ ဘိက္ခု ဓာရေဿန္တိတိ။ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ ဧကဓမ္မော  
ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော ဓမ္မေ ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော ဓမ္မာ  
ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ  
ဗဟုလိကတာ ဒွေ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ။

ကတမော စ ဘိက္ခဝေ ဧကဓမ္မော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော စတ္တာရော  
ဓမ္မေ ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဓမ္မေ  
ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဒွေ ဓမ္မေ ပရိပူရေန္တိ။  
အာနာပါနဿတိသမာဓိ ဘိက္ခဝေ ဧကဓမ္မော ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော

စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေတိ၊ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ပရိပူရေန္တိ၊ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ ပရိပူရေန္တိတိ။

ကထံ ဘာဝိတော စ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ကထံ ဗဟုလိကတော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေတိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရညဂတော ဝါ ရုက္ခမူလဂတော ဝါ သုညာဂါရဂတော ဝါ နိသီဒတိ ပလ္လင်္ကံ အာဘုဇိတွာ ဥဇုံ ကာယံ ပဏိဓာယ ပရိမုခံ သတိံ ဥပဋ္ဌပေတွာ၊ သောသတောဝ အဿသတိ၊ သတောဝ ပဿသတိ။ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။

ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဒီဃံ ဝါ အဿသန္တော “ဒီဃံ အဿသာမီ”တိ ပဇာနာတိ၊ ဒီဃံ ဝါ ပဿသန္တော “ဒီဃံ ပဿသာမီ”တိ ပဇာနာတိ။ ရဿံ ဝါ အဿသန္တော “ရဿံ အဿသာမီ”တိ ပဇာနာတိ။ပ။ သဗ္ဗကာယပ္ပုဋိသံဝေဒီ။ပ။ “ပဿန္တယံ ကာယသင်္ခါရံ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဿန္တယံ ကာယသင်္ခါရံ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ကာယညတရာဟံ ဘိက္ခဝေ ဧတံ ဝဒါမိ ယဒိဒံ အဿာသပဿာသံ။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ (၁)

ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဝီတိပ္ပုဋိသံဝေဒီ။ပ။ သုခပ္ပုဋိသံဝေဒီ။ စိတ္တသင်္ခါရပ္ပုဋိသံဝေဒီ။ “ပဿန္တယံ စိတ္တသင်္ခါရံ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ ပဿန္တယံ စိတ္တသင်္ခါရံ “ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ဝေဒနာညတရာဟံ ဘိက္ခဝေ ဧတံ ဝဒါမိ ယဒိဒံ အဿာသပဿာသနံ သာဓုကံ မနသိကာရံ။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဝေဒနာသု ဝေဒနာနုပဿီ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ (၂)

ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု စိတ္တပ္ပုဋိသံဝေဒီ။ပ။ အဘိပ္ပမောဒယံ စိတ္တံ။ပ။ “သမာဒဟံ စိတ္တံ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “သမာဒဟံ စိတ္တံ

ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ဝိမောစယံ စိတ္တံ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ဝိမောစယံ စိတ္တံ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နာဟံ ဘိက္ခဝေ မုဋ္ဌဿတိဿ အသမ္ပဇာနဿ အာနာပါနဿတိသမာဓိဘာဝနံ ဝဒါမိ။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ စိတ္တေ စိတ္တာနုပဿီ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ (၃)

ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အနိစ္စာနုပဿီ။ပ။ ဝိရာဂါနုပဿီ။ပ။ နိရောဓာနုပဿီ။ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ၊ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ သော ယံ တံ ဟောတိ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿာနံ ပဟာနံ၊ တံ ပညာယ ဒိသ္မာ သာဓုကံ အဇ္ဈုပေက္ခိတာ ဟောတိ။ တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မေသု ဓမ္မာနုပဿီ ဘိက္ခု တသ္မိံ သမယေ ဝိဟရတိ အာတာပီ သမ္ပဇာနော သတိမာ ဝိနေယျ လောကေ အဘိဇ္ဈာဒေါမနဿံ။ (၄)

ဧဝံ ဘာဝိတော ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ဧဝံ ဗဟုလိကတော စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနေ ပရိပူရေတိ။

ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ကထံ ဗဟုလိကတာ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ပရိပူရေန္တိ။ ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ကာယေ ကာယာနုပဿီ ဝိဟရတိ၊ ဥပဋ္ဌိတာဿ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော သတိ ဟောတိ အသမ္ပဋ္ဌာ။ ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ဥပဋ္ဌိတာ သတိ အသမ္ပဋ္ဌာ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၁)

သော တထာသတော ဝိဟရန္တော တံ ဓမ္မံ ပညာယ ပဝိစိနတိ ပဝိစရတိ ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတိ။ ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု တထာသတော ဝိဟရန္တော တံ ဓမ္မံ ပညာယ ပဝိစိနတိ ပဝိစရတိ ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတိ၊ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ဓမ္မဝိစယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၂)

တဿ တံ ဓမ္မံ ပညာယ ပဝိစိနတော ပဝိစရတော ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတော အာရဒ္ဓံ ဟောတိ ဝိရိယံ အသလ္လိနံ။ ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော တံ ဓမ္မံ ပညာယ ပဝိစိနတော ပဝိစရတော ပရိဝိမံသမာပဇ္ဇတော အာရဒ္ဓံ ဟောတိ ဝိရိယံ အသလ္လိနံ၊ ဝိရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ဝိရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ဝိရိယသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၃)

အာရဒ္ဓဝိရိယဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ပီတိ နိရာမိသာ။ ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓဝိရိယဿ ဥပ္ပဇ္ဇတိ ပီတိ နိရာမိသာ၊ ပီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ပီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ပီတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၄)

ပီတိမနဿ ကာယောပိ ပဿန္တတိ၊ စိတ္တဗ္ဗိ ပဿန္တတိ။ ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပီတိမနဿ ကာယောပိ ပဿန္တတိ၊ စိတ္တဗ္ဗိ ပဿန္တတိ၊ ပဿန္တိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ပဿန္တိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ပဿန္တိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၅)

ပဿဒ္ဓကာယဿ သုခိနော စိတ္တံ သမာဓိယတိ။ ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပဿဒ္ဓကာယဿ သုခိနော စိတ္တံ သမာဓိယတိ၊ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ သမာဓိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၆)

သော တထာသမာဟိတံ စိတ္တံ သာဓုကံ အဇ္ဈုပေက္ခိတာ ဟောတိ။ ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု တထာသမာဟိတံ စိတ္တံ သာဓုကံ အဇ္ဈုပေက္ခိတာ ဟောတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ (၇)

ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ဝေဒနာသုပ။ စိတ္တေပ။ ဓမ္မေသုဓမ္မာနုပဿိ ဝိဟရတိ၊ ဥပဋ္ဌိတာဿ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော သတိ

ဟောတိ အသမ္ပုဋ္ဌာ။ ယသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ဥပဋ္ဌိတာ သတိ  
ဟောတိ အသမ္ပုဋ္ဌာ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော  
အာရဒ္ဓေါ ဟောတိ၊ သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊  
သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။ပ။

သော တထာသမာဟိတံ စိတ္တံ သာဓုကံ အဇ္ဈုပေက္ခိတာ ဟောတိ။ ယသ္မိံ  
သမယေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု တထာသမာဟိတံ စိတ္တံ သာဓုကံ အဇ္ဈုပေက္ခိတာ  
ဟောတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော အာရဒ္ဓေါ  
ဟောတိ၊ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခု ဘာဝေတိ၊  
ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂါ တသ္မိံ သမယေ ဘိက္ခုနော ဘာဝနာပါရိပူရိံ ဂစ္ဆတိ။  
ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော သတိပဋ္ဌာနာ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ  
သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂေ ပရိပူရေန္တိ။

ကထံ ဘာဝိတာ စ ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ကထံ ဗဟုလိကတာ  
ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ ပရိပူရေန္တိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု သတိသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ  
ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ။ ဓမ္မဝိစယ-  
သမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ  
ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ။ပ။ ဥပေက္ခာသမ္ပောဇ္ဈင်္ဂံ ဘာဝေတိ ဝိဝေကနိဿိတံ  
ဝိရာဂနိဿိတံ နိရောဓနိဿိတံ ဝေါဿဂ္ဂပရိဏာမိံ။ ဧဝံ ဘာဝိတာ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ သတ္တ ဗောဇ္ဈင်္ဂါ ဧဝံ ဗဟုလိကတာ ဝိဇ္ဇာဝိမုတ္တိံ ပရိပူရေန္တိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-သံယောဇနပ္ပဟာနသုတ္တ

၉၉၃။ အာနာပါနသတိသမာဓိ ဘိက္ခဝေ ဘာဝိတော ဗဟုလိကတော  
သံယောဇနပ္ပဟာနာယ သံဝတ္တတိ။ပ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-အနုသယသမုပ္ပါတသုတ္တ

၉၉၄။ အနုသယသမုပ္ပါတာယ သံဝတ္တတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-အဒ္ဓါနပရိညာသုတ္တ

၉၉၅။ အဒ္ဓါနပရိညာယ သံဝတ္တတိ။ ။နဝမံ။

**၁၀-အာသဝက္ခယသုတ္တ**

၉၉၆။ အာသဝါနံ ခယာယ သံဝတ္တတိ။ ကထံ ဘာဝိတော စ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ကထံ ဗဟုလိကတော သံယောဇနပ္ပဟာနာယ သံဝတ္တတိ။ အနုသယသမုပ္ပါတာယ သံဝတ္တတိ။ အဗ္ဗါနပရိညာယ သံဝတ္တတိ။ အာသဝါနံ ခယာယ သံဝတ္တတိ။ ဣဓ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု အရညဂတော ဝါ ရုက္ခမူလဂတော ဝါ။ပ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ အဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ “ပဋိနိဿဂ္ဂါနုပဿီ ပဿသိဿာမီ”တိ သိက္ခတိ။ ဧဝံ ဘာဝိတော ခေါ ဘိက္ခဝေ အာနာပါနဿတိသမာဓိ ဧဝံ ဗဟုလိကတော သံယောဇနပ္ပဟာနာယ သံဝတ္တတိ။ပ။ အနုသယသမုပ္ပါတာယ သံဝတ္တတိ။ပ။ အဗ္ဗါနပရိညာယ သံဝတ္တတိ။ပ။ အာသဝါနံ ခယာယ သံဝတ္တတိတိ။ ။ဒသမံ။

ဒုတိယော ဝဂ္ဂေါ။

**တသုဒ္ဓါနံ**

ဣစ္ဆာနင်္ဂလံ ကင်္ခေယံ၊ အာနန္ဒာ အပရေ ဒုဝေ။  
ဘိက္ခူ သံယောဇနာနုသယာ၊ အဗ္ဗါနံ အာသဝက္ခယန္တိ။

**အာနာပါနသံယုတ္တံ ဒသမံ။**

# ၁၁-သောတာပတ္တိသံယုတ္တ

၁-ဝေဠုဒါရဝဂ္ဂ

၁-စက္ကဝတ္တိရာဇသုတ္တ

၉၉၇။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တတြ ခေါဘဂဝါ။ ပ။ တေဒဝေါစ “ကိဉ္ဇာပိ ဘိက္ခဝေ ရာဇာ စက္ကဝတ္တိ” စတုနံ ဒီပါနံ ဣဿရိယာဓိပစ္စံ ရဇ္ဇံ ကာရေတွာ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပဇ္ဇတိ ဒေဝါနံ တာဝတိံသာနံ သကဗျတံ။ သော တတ္ထ နန္ဒနေ ဝနေ အစ္ဆရာသဃံပရိဝုတော ဒိဗ္ဗေဟိ စ ပဉ္စဟိ ကာမဂုဏေဟိ သမပ္ပိတော သမင်္ဂိဘူတော ပရိစာရေတိ သော စတူဟိ ဓမ္မေဟိ အသမန္တာဂတော။ အထ ခေါ သော အပရိမုတ္တောဝ<sup>၂</sup> နိရယာ။ အပရိမုတ္တော တိရစ္ဆာနယောနိယာ။ အပရိမုတ္တော ပေတ္တိဝိသယာ။ အပရိမုတ္တော အပါယ-ဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတာ။ ကိဉ္ဇာပိ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ပိဏ္ဍိယာလောပေန ယာပေတိ။ နန္ဒကာနိ စ ဓာရေတိ။ သော စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္တာဂတော။ အထ ခေါ သော ပရိမုတ္တော<sup>၃</sup> နိရယာ။ ပရိမုတ္တော တိရစ္ဆာနယောနိယာ။ ပရိမုတ္တော ပေတ္တိဝိသယာ။ ပရိမုတ္တော အပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတာ။

ကတမေဟိ စတူဟိ။ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ ဝိဇ္ဇာစရဏသမ္ပန္နော သုဂတော လောကဝိဒူ အနတ္တရော ပုရိသဒမ္မသာရထိ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော ဟောတိ “သွာက္ခာတော ဘဂဝတာ ဓမ္မော သန္တိဋ္ဌိကော အကာလိကော ဧဟိပဿိကော ဩပနေယျိကော ပစ္စတ္တံ ဝေဒိတဗ္ဗော ဝိညူဟိ”တိ။ သံဃေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော ဟောတိ “သုပ္ပုဋ္ဌိပန္နော ဘဂဝတော သာဝကသံဃော ဥဇုပ္ပုဋ္ဌိပန္နော ဘဂဝတော သာဝကသံဃော ဣယပ္ပုဋ္ဌိပန္နော ဘဂဝတော သာဝကသံဃော သာမိစိပ္ပုဋ္ဌိပန္နော ဘဂဝတော သာဝကသံဃော။ ယဒိဗံ စတ္တာရိ ပုရိသယုဂါနိ အဋ္ဌ ပုရိသပုဂ္ဂလာ။ ဧသ ဘဂဝတော သာဝကသံဃော အာဟုနေယျော ပါဟုနေယျော ဒက္ခိဏေယျော အဉ္ဇလိကရဏီယော အနတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿာ”တိ။ အရိယကန္တေဟိ

၁-စက္ကဝတ္တိ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)

၂-အပရိမုတ္တော စ (သျှာ၊ ကံ၊ က)

၃-ပရိမုတ္တော စ (သျှာ၊ ကံ၊ က)



သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အခဏှေဟိ အတ္ထိဒ္ဓေဟိ အသဗလေဟိ အကမ္မာသေဟိ ဘုဇိဿေဟိ ဝိညုပ္ပသတ္တေဟိ အပရာမဋ္ဌေဟိ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ၊ ယော စ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ ဒီပါနံ ပဋိလာဘော၊ ယော စတုန္တံ ဓမ္မာနံ ပဋိလာဘော၊ စတုန္တံ ဒီပါနံ ပဋိလာဘော စတုန္တံ ဓမ္မာနံ ပဋိလာဘဿ ကလံ နာဂ္ဂတိ သောဠသိန္တိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ဗြဟ္မစရိယောဂသုတ္တ

၉၉၈။ စတူဟိ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော။

ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ ဝိဇ္ဇာစရဏသမ္ပန္နော သုဂတော လောကဝိဒ္ဓ အနုတ္တရော ပုရိသဒမ္မသာရထိ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အခဏှေဟိ။ ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏောတိ။

ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ၊ ဣဒံ ဝတ္တာနံ<sup>၁</sup> သုဂတော၊ အထာပရံ တေဒဝေါစ သတ္တာ—

“ယေသံ သဒ္ဓါ စ သီလဉ္စ၊ ပသာဒေါ ဓမ္မဒဿနံ။  
တေ ဝေ ကာလေန ပစ္စေန္တိ၊ ဗြဟ္မစရိယောဂဓံ သုခ”န္တိ။  
ဒုတိယံ။

### ၃-ဒိဃာဝုဥပါသကသုတ္တ

၉၉၉။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ရာဇဂဟေ ပိဟရတိ ဝေဠုဝနေ ကလန္တကနိဝါပေ။ တေန ခေါ ပန သမယေန ဒိဃာဝု ဥပါသကော အာဗာဓိကော ဟောတိ ဒုက္ခိတော ဗာဠဂိလာနော။ အထ ခေါ ဒိဃာဝု ဥပါသကော ပိတရံ ဇောတိကံ ဂဟပတိ<sup>၂</sup> အာမန္တေသိ “ဧဟိ တံ ဂဟပတိ ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ မမ ဝစနေန ဘဂဝတော ပါဒေ သိရသာ ဝန္တ ‘ဒိဃာဝု

ဘန္တေ ဥပါသကော အာဗာဓိကော ဟောတိ ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂိလာနော၊  
 သော ဘဂဝတော ပါဒေ သိရဿ ဝန္တတိ'တိ။ ဧဝံ ဝဒေဟိ 'သာဓု ကိရ ဘန္တေ  
 ဘဂဝါ ယေန ဒီဃာဝုဿ ဥပါသကဿ နိဝေသနံ တေနုပသင်္ကမတု အနုကမ္ပံ  
 ဥပါဒါယာ'တိ"။ "ဧဝံ တာတာ"တိ ခေါ ဇောတိကော ဂဟပတိ ဒီဃာဝုဿ  
 ဥပါသကဿ ပဋိဿတော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ  
 ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ ဇောတိကော  
 ဂဟပတိ ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ "ဒီဃာဝု ဘန္တေ ဥပါသကော အာဗာဓိကော  
 ဟောတိ ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂိလာနော၊ သော ဘဂဝတော ပါဒေ သိရဿ  
 ဝန္တတိ၊ ဧဝံ ဝဒေဟိ 'သာဓု ကိရ ဘန္တေ ဘဂဝါ ယေန ဒီဃာဝုဿ  
 ဥပါသကဿ နိဝေသနံ တေနုပသင်္ကမတု အနုကမ္ပံ ဥပါဒါယာ'တိ"။  
 အဓိဝါသေသိ ဘဂဝါ တုဏှိဘာဝေန။

အထ ခေါ ဘဂဝါ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီဝရမာဒါယ ယေန ဒီဃာဝုဿ  
 ဥပါသကဿ နိဝေသနံ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ပညတ္တေ အာသနေ  
 နိဿိဒိ၊ နိသဇ္ဇ ခေါ ဘဂဝါ ဒီဃာဝု ဥပါသကံ တေဒဝေါစ "ကစ္စိ တေ ဒီဃာဝု  
 ခမနိယံ ကစ္စိ ယာပနိယံ၊ ကစ္စိ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ ပဋိက္ခမန္တိ နော အဘိက္ခမန္တိ၊  
 ပဋိက္ခမောသာနံ ပညာယတိ နော အဘိက္ခမော"တိ။ န မေ ဘန္တေ ခမနိယံ  
 န ယာပနိယံ၊ ဗာဠု မေ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ အဘိက္ခမန္တိ နော ပဋိက္ခမန္တိ၊  
 အဘိက္ခမောသာနံ ပညာယတိ နော ပဋိက္ခမောတိ။ တဿှာတိဟ တေ  
 ဒီဃာဝု ဧဝံ သိက္ခိတဗ္ဗံ "ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဘဝိဿာမိ၊  
 'ဣတိပိ သော ဘဂဝါ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ ဝိဇ္ဇာစရဏသမ္ပန္နော သုဂတော  
 လောကဝိဇ္ဇ အနုတ္တရော ပုရိသဒမ္မသာရထိ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ  
 ဘဂဝါ'တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော  
 ဘဝိဿာမိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ"။ ဧဝံ ဟိ တေ ဒီဃာဝု  
 သိက္ခိတဗ္ဗန္တိ။

ယာနိမာနိ ဘန္တေ ဘဂဝတာ စတ္တာရိ သောတာပတ္တိယင်္ဂါနိ ဒေသိတာနိ၊  
 သံဝိဇ္ဇန္တေတေ ဓမ္မာ မယိ၊ အဟဉ္စ တေသု ဓမ္မေသု သန္တိဿာမိ။ အဟံ ဟိ  
 ဘန္တေ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော "ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။  
 သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါဘဂဝါ"တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ  
 သီလေဟိ သမန္နာဂတော အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိတိ။ တဿှာ-  
 တိဟ တံ ဒီဃာဝု ဣမေသု စတူသု သောတာပတ္တိယင်္ဂေသု ပတိဋ္ဌာယ ဆ  
 ဝိဇ္ဇာဘာဂိယေ ဓမ္မေ ဥတ္တရိ ဘာဝေယျာသိ "ဣမ တံ ဒီဃာဝု သမ္ပသင်္ခါရေသု

အနိစ္စာနုပဿီ ဝိဟရာဟိ အနိစ္စေ ဒုက္ခသညီ ဒုက္ခေ အနတ္တသညီ ပဟာနသညီ ဝိရာဂသညီ နိရောဓသညီ”တိ။ ဧဝံ ဟိ တေ ဒီဃာဝု သိက္ခိတဗ္ဗန္တိ။

ယေမေ ဘန္တေ ဘဂဝတာ ဆ ဝိဇ္ဇာဘာဂိယာ ဓမ္မာ ဒေသိတာ၊ သံဝိဇ္ဇန္တေ-  
တေ ဓမ္မာ မယိ၊ အဟန္တ တေသု ဓမ္မေသု သန္တိဿာမိ။ အဟံ ဟိ ဘန္တေ  
သဗ္ဗသင်္ခါရေသု အနိစ္စာနုပဿီ ဝိဟရာမိ အနိစ္စေ ဒုက္ခသညီ ဒုက္ခေ အနတ္တသညီ  
ပဟာနသညီ ဝိရာဂသညီ နိရောဓသညီ။ အပိ စ မေ ဘန္တေ ဧဝံ ဟောတိ  
“မာ ဟေဝါယံ ဇောတိကော ဂဟပတိ မမစ္စယေန ဝိဃာတံ အာပဇ္ဇိတိ”။ မာတွံ  
တာတ ဒီဃာဝု ဧဝံ မနဿကာသိ၊ ဣဃံ တွံ တာတ ဒီဃာဝု ယဒေဝ တေ  
ဘဂဝါ အာဟ၊ တဒေဝ တွံ သာဓုကံ မနသိ ကရောဟိ”တိ။

အထ ခေါ ဘဂဝါ ဒီဃာဝု ဥပါသကံ ဣမိနာ ဩဝါဒေန ဩဝိတွာ  
ဥဋ္ဌာယာသနာ ပက္ကာမိ။ အထ ခေါ ဒီဃာဝု ဥပါသကော အစိရပက္ကန္တဿ  
ဘဂဝတော ကာလမကာသိ။ အထ ခေါ သမ္မဟုလာ ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ  
တေနုပသင်္ကမိံသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိံသု၊  
ဧကမန္တံ နိဿိန္တာ ခေါ တေ ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစုံ “ယော သော ဘန္တေ  
ဒီဃာဝု နာမ ဥပါသကော ဘဂဝတာ သံခိတ္တေန ဩဝါဒေန ဩဝိတော၊  
သော ကာလင်္ဂတော၊ တဿ ကာ ဂတိ၊ ကော အဘိသမ္ပရာယော”တိ။  
ပဏှိတော ဘိက္ခုဝေ ဒီဃာဝု ဥပါသကော ပစ္စပါဒိ၊ ဓမ္မဿာနုဓမ္မံ၊ န  
စ မံ ဓမ္မာဓိကရဏံ၊ ဝိဟေသေသိ၊ ဒီဃာဝု ဘိက္ခုဝေ ဥပါသကော ပဉ္စန္တံ  
ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ ဩပပါတိကော တတ္ထ ပရိနိဗ္ဗာယီ  
အနာဝတ္တိဓမ္မော တသ္မာ လောကာတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ပဌမသာရိပုတ္တသုတ္တ

၁၀၀၀။ ဧကံ သမယံ အာယသ္မာ စ သာရိပုတ္တော အာယသ္မာ စ အာနန္ဒော  
သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရန္တိ ဇေတဝနေ အနာထပိဏှိကဿ အာရာမေ။ အထ ခေါ  
အာယသ္မာ အာနန္ဒော သာယနသမယံ ပဋိသလ္လာနာ ဝုဋ္ဌိတော။ ပ။ ဧကမန္တံ  
နိဿိန္တာ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော အာယသ္မန္တံ သာရိပုတ္တံ ဧတဒဝေါစ  
“ကတိနံ န ခေါ အာဝုသော သာရိပုတ္တ ဓမ္မာနံ သမန္တာဂမနဟေတု ဧဝမယံ  
ပဇာ ဘဂဝတာ ဗျာကတာ ‘သောတာပန္တာ အဝိနိပါတဓမ္မာ နိယတာ

၁-အာပဇ္ဇိတိ(က)

၂-အဟောသိ သစ္စဝါဒိ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)

၃-န စ ဓမ္မာဓိကရဏံ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)

၄-ဝိဟေဋ္ဌေသိ (ဣတိပိ အညတ္တ)

သမ္မောဓိပရာယဏာ’တိ”။ စတုန္တံ ခေါ အာဝုသော ဓမ္မာနံ သမန္တာဂမနဟေတု ဧဝမယံ ပဇာ ဘဂဝတာ ဗျာကတာ “သောတာပန္နာ အဝိနိပါတဓမ္မာ နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာ”။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဣဓာဝုသော အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေန သမန္တာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္တာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေသံ ခေါ အာဝုသော စတုန္တံ ဓမ္မာနံ သမန္တာဂမနဟေတု ဧဝမယံ ပဇာ ဘဂဝတာ ဗျာကတာ “သောတာပန္နာ အဝိနိပါတဓမ္မာ နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာ”တိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-၃ တိယသာရိပုတ္တသုတ္တ

၁၀၀၁။ အထ ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသိဒ္ဓိ၊ ဧကမန္တံ နိသိန္တံ ခေါ အာယသ္မန္တံ သာရိပုတ္တံ ဘဂဝါ ဧတဒဝေါစ “သောတာပတ္တိယင်္ဂံ သောတာပတ္တိယင်္ဂန္တိ ဟိဒံ သာရိပုတ္တ ဝုစ္စတိ၊ ကတမံ န ခေါ သာရိပုတ္တ သောတာပတ္တိယင်္ဂံ”န္တိ။ သပ္ပုရိသသံသေဝေါ ဟိ ဘန္တေ သောတာပတ္တိယင်္ဂံ၊ သဒ္ဓမ္မဿဝနံ သောတာပတ္တိယင်္ဂံ၊ ယောနိသောမနသိကာရော သောတာပတ္တိယင်္ဂံ၊ ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပတ္တိ သောတာပတ္တိယင်္ဂန္တိ။ သာဓု သာဓု သာရိပုတ္တ၊ သပ္ပုရိသသံသေဝေါ ဟိ သာရိပုတ္တ သောတာပတ္တိယင်္ဂံ၊ သဒ္ဓမ္မဿဝနံ သောတာပတ္တိယင်္ဂံ၊ ယောနိသောမနသိကာရော သောတာပတ္တိယင်္ဂံ၊ ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပတ္တိ သောတာပတ္တိယင်္ဂံ။

“သောတော သောတော”တိ ဟိဒံ သာရိပုတ္တ ဝုစ္စတိ၊ ကတမော န ခေါ သာရိပုတ္တ သောတောတိ။ အယမေဝ ဟိ ဘန္တေ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ သောတော။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ သမ္မာဝါစာ သမ္မာကမ္မန္တော သမ္မာအာဇီဝေါ သမ္မာဝါယာမော သမ္မာသတိ သမ္မာသမာဓိတိ။ သာဓု သာဓု သာရိပုတ္တ၊ အယမေဝ ဟိ သာရိပုတ္တ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ သောတော။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။

“သောတာပန္နော သောတာပန္နော”တိ ဟိဒံ သာရိပုတ္တ ဝုစ္စတိ၊ ကတမော န ခေါ သာရိပုတ္တ သောတာပန္နောတိ။ ယော ဟိ ဘန္တေ ဣမိနာ အရိယေန အဋ္ဌင်္ဂိကေန မဂ္ဂေန သမန္တာဂတော၊ အယံ ဝုစ္စတိ သောတာပန္နော၊ သွာယံ

အာယသ္မာ ဧဝံနာမော ဧဝံဂေါတ္တောတိ။ သာဓု သာဓု သာရိပုတ္တ၊ ယော ဟိ သာရိပုတ္တ ဣမိနာ အရိယေန အဋ္ဌင်္ဂိကေန မဂ္ဂေန သမန္နာဂတော၊ အယံ ပုစ္ဆတိ သောတာပန္နော၊ သွာယံ အာယသ္မာ ဧဝံနာမော ဧဝံဂေါတ္တောတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ထပတိသုတ္တ

၁၀၀၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တေန ခေါ ပန သမယေန သမ္ပဟုလာ ဘိက္ခု။ ဘဂဝတော စီဝရကမ္ပံ ကရေန္တိ “နိဋ္ဌိတစီဝရော ဘဂဝါ တေမာသစ္စယေန စာရိကံ ပက္ကမိဿတိ”တိ။ တေန ခေါ ပန သမယေန ဣသိဒတ္တပုရာဏာ ထပတယော သာဓုကေ ပဋိဝသန္တိ ကေနစိဒေဝ ကရဏီယေန။ အသောသုံ ခေါ ဣသိဒတ္တပုရာဏာ ထပတယော “သမ္ပဟုလာ ကိရ ဘိက္ခု။ ဘဂဝတော စီဝရကမ္ပံ ကရေန္တိ “နိဋ္ဌိတစီဝရော ဘဂဝါ တေမာသစ္စယေန စာရိကံ ပက္ကမိဿတိ”တိ။

အထ ခေါ ဣသိဒတ္တပုရာဏာ ထပတယော မဂ္ဂေ ပုရိသံ ဌပေသုံ “ယဒါ တုံ အန္တော ပုရိသ ပဿေယျာသိ ဘဂဝန္တံ အာဂစ္ဆန္တံ အရဟန္တံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓံ၊ အထ အမှာကံ အာရောစေယျာသိ”တိ။ ဒွိဟတိဟံ ဌိတော ခေါ သော ပုရိသော အဒ္ဓသ ဘဂဝန္တံ ခုရတောဝ အာဂစ္ဆန္တံ၊ ဒိသွာန ယေန ဣသိဒတ္တပုရာဏာ ထပတယော တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဣသိဒတ္တပုရာဏေ ထပတယော တေဒဝေါစ “အယံ သော ဘန္တေ ဘဂဝါ အာဂစ္ဆတိ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ၊ ယဿဒါနိ ကာလံ မညှထာ”တိ။

အထ ခေါ ဣသိဒတ္တပုရာဏာ ထပတယော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဘဂဝန္တံ ဝိဋ္ဌိတော ဝိဋ္ဌိတော အနုဗန္ဓိသု။ အထ ခေါ ဘဂဝါ မဂ္ဂါ ဩက္ကမ္ပ ယေန အညတရံ ရုက္ခမူလံ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ပညတ္တေ အာသနေ နိသီဒိ၊ ဣသိဒတ္တပုရာဏာ ထပတယော ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ကေမန္တံ နိသီဒိသု၊ ကေမန္တံ နိသိန္နာ ခေါ တေ ဣသိဒတ္တပုရာဏာ ထပတယော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—

ယဒါ မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “သာဝတ္ထိယာ ကောသလေသု စာရိကံ ပက္ကမိဿတိ”တိ၊ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အနတ္တမနတာ ဟောတိ ဒေါမနဿံ “ခူရေ နော ဘဂဝါ ဘဝိဿတိ”တိ။ ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “သာဝတ္ထိယာ ကောသလေသု စာရိကံ ပက္ကန္တော”တိ၊ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အနတ္တမနတာ ဟောတိ ဒေါမနဿံ၊ “ခူရေ နော ဘဂဝါ”တိ။

ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “ကောသလေဟိ မလ္လေသု စာရိကံ ပက္ကမိဿတိ”တိ၊ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အနတ္တမနတာ ဟောတိ ဒေါမနဿံ “ဗူရေ နော ဘဂဝါ ဘဝိဿတိ”တိ။ ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “ကောသလေဟိ မလ္လေသု စာရိကံ ပက္ကန္တော”တိ၊ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အနတ္တမနတာ ဟောတိ ဒေါမနဿံ “ဗူရေ နော ဘဂဝါ”တိ။

ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “မလ္လေဟိ ဝဇ္ဇိသု စာရိကံ ပက္ကမိဿတိ”တိ၊ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အနတ္တမနတာ ဟောတိ ဒေါမနဿံ “ဒူရေ နော ဘဂဝါ ဘဝိဿတိ”တိ။ ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “မလ္လေဟိ ဝဇ္ဇိသု စာရိကံ ပက္ကန္တော”တိ၊ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အနတ္တမနတာ ဟောတိ ဒေါမနဿံ “ဒူရေ နော ဘဂဝါ”တိ။

ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “ဝဇ္ဇိဟိ ကာသီသု စာရိကံ ပက္ကမိဿတိ”တိ၊ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အနတ္တမနတာ ဟောတိ ဒေါမနဿံ “ဗူရေ နော ဘဂဝါ ဘဝိဿတိ”တိ။ ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “ဝဇ္ဇိဟိ ကာသီသု စာရိကံ ပက္ကန္တော”တိ၊ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အနတ္တမနတာ ဟောတိ ဒေါမနဿံ “ဗူရေ နော ဘဂဝါ”တိ။

ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “ကာသီဟိ မာဂဓေ စာရိကံ ပက္ကမိဿတိ”တိ၊ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အနတ္တမနတာ ဟောတိ ဒေါမနဿံ “ဗူရေ နော ဘဂဝါ ဘဝိဿတိ”တိ။ ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “ကာသီဟိ မာဂဓေ စာရိကံ ပက္ကန္တော”တိ၊ ဟောတိ အနပ္ပကာ နော တသ္မိံ သမယေ အနတ္တမနတာ ဟောတိ အနပ္ပကံ ဒေါမနဿံ “ဗူရေ နော ဘဂဝါ”တိ။

ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “မာဂဓေဟိ ကာသီသု စာရိကံ ပက္ကမိဿတိ”တိ၊ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အတ္တမနတာ ဟောတိ သောမနဿံ “အာသန္ဓေ နော ဘဂဝါ ဘဝိဿတိ”တိ။ ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “မာဂဓေဟိ ကာသီသု စာရိကံ ပက္ကန္တော”တိ၊ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အတ္တမနတာ ဟောတိ သောမနဿံ “အာသန္ဓေ နော ဘဂဝါ”တိ။

ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “ကာသီဟိ ဝဇ္ဇိသု စာရိကံ ပတ္တမိဿတိ”တိ၊ ဟောတိ နော တဿိံ သမယေ အတ္တမနတာ၊ ဟောတိ

သောမနဿ “အာသန္ဓေ နော ဘဂဝါ ဘဝိဿတိ”တိ။ ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “ကာသီဟိ ဝဇ္ဇိသု စာရိကံ ပက္ကန္တော”တိ။ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အတ္တမနတာ၊ ဟောတိ သောမနဿ “အာသန္ဓေ နော ဘဂဝါ”တိ။

ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “ဝဇ္ဇိဟိ မလ္လေသု စာရိကံ ပက္ကမိဿတိ”တိ။ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အတ္တမနတာ၊ ဟောတိ သောမနဿ “အာသန္ဓေ နော ဘဂဝါ ဘဝိဿတိ”တိ။ ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “ဝဇ္ဇိဟိ မလ္လေသု စာရိကံ ပက္ကန္တော”တိ။ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အတ္တမနတာ၊ ဟောတိ သောမနဿ “အာသန္ဓေ နော ဘဂဝါ”တိ။

ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “မလ္လေဟိ ကောသလေ စာရိကံ ပက္ကမိဿတိ”တိ။ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အတ္တမနတာ၊ ဟောတိ သောမနဿ “အာသန္ဓေ နော ဘဂဝါ ဘဝိဿတိ”တိ။ ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “မလ္လေဟိ ကောသလေ စာရိကံ ပက္ကန္တော”တိ။ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အတ္တမနတာ၊ ဟောတိ သောမနဿ “အာသန္ဓေ နော ဘဂဝါ”တိ။

ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “ကောသလေဟိ သာဝတ္ထိံ စာရိကံ ပက္ကမိဿတိ”တိ။ ဟောတိ နော တသ္မိံ သမယေ အတ္တမနတာ၊ ဟောတိ သောမနဿ “အာသန္ဓေ နော ဘဂဝါ ဘဝိဿတိ”တိ။ ယဒါ ပန မယံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ သုဏာမ “သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ ဇေတဝနေ အနာထ-ပိဏ္ဍိကဿ အာရာမေ”တိ။ ဟောတိ အနုပ္ပကာ နော တသ္မိံ သမယေ အတ္တမနတာ၊ ဟောတိ အနုပ္ပကံ သောမနဿ “အာသန္ဓေ နော ဘဂဝါ”တိ။

တသ္မာတိဟ ထပတယော သမ္မာဓော သရာဝါသော ရဇာပထော၊ အဗ္ဘောကာသော ပဗ္ဗဇ္ဇော၊ အလဉ္စ ပန ဝေါ ထပတယော အပ္ပမာဒါယာတိ။ အတ္ထိ ခေါ နော ဘန္တေ ဧတမှာ သမ္မာဓော အညော သမ္မာဓော သမ္မာဓတရော စေဝ သမ္မာဓသင်္ခါတတရော စာတိ။ ကတမော ပန ဝေါ ထပတယော ဧတမှာ သမ္မာဓော အညော သမ္မာဓော သမ္မာဓတရော စေဝ သမ္မာဓသင်္ခါတတရော စာတိ။

ဣဓ မယံ ဘန္တေ ယဒါ ရဇာ ပသေနဒိ ကောသလော ဥယျာနဘူမိံ နိယျာတုကာမော ဟောတိ။ ယေ တေ ရညော ပသေနဒိဿ ကောသလဿ နာဂါ ဩပဝယာ၊ တေ ကပ္ပေတွာ၊ ယာ တာ ရညော ပသေနဒိဿ ကောသလဿ ပဇာပတိယော ဝိယာ မနာပါ၊ တာ ဧကံ ပုရတော

ဧကံ ပစ္ဆတော နိသီဒါပေမ။ တာသံ ခေါ ပန ဘန္တေ ဘဂိနိနံ ဧဝရူပေါ  
ဂန္ဓော ဟောတိ၊ သေယျထာပိ နာမ ဂန္ဓကရဏ္ဍကဿ တာဝဒေဝ  
ဝိဝရိယမာနဿ ယထာ တံ ရာဇကညာနံ ဂန္ဓေန ဝိဘူသိတာနံ။ တာသံ  
ခေါ ပန ဘန္တေ ဘဂိနိနံ ဧဝရူပေါ ကာယသမ္ပဿော ဟောတိ၊ သေယျထာပိ  
နာမ တူလဝိစုနော ဝါ ကပ္ပိသဝိစုနော ဝါ ယထာ တံ ရာဇကညာနံ  
သုခေမိတာနံ။ တသ္မိံ ခေါ ပန ဘန္တေ သမယေ နာဂေါပိ ရက္ခိတဗ္ဗော  
ဟောတိ၊ တာပိ ဘဂိနိယော ရက္ခိတဗ္ဗော ဟောန္တိ၊ အတ္တာပိ ရက္ခိတဗ္ဗော  
ဟောတိ၊ န ခေါ ပန မယံ ဘန္တေ အဘိဇာနာမ တာသု ဘဂိနိသု ပါပကံ  
စိတ္တံ ဥပ္ပါဒေတာ။ အယံ ခေါ နော ဘန္တေ ဧတမှာ သမ္မာဓာ အညော  
သမ္မာဓော သမ္မာဓတရော စေဝ သမ္မာဓသင်္ခါတတရော စာတိ။

တသ္မာတိဟ ထပတယော သမ္မာဓော ဃရာဝါသော ရဇာပထော၊  
အတ္တောကာသော ပဗ္ဗဇ္ဇော၊ အလဉ္စ ပန ဝေါ ထပတယော အပ္ပမာဒါယ။  
စတူဟိ ခေါ ထပတယော ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော  
သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော။

ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣမ ထပတယော အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပ-  
သာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ  
ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ ဝိဂတမလမစ္ဆေရေန  
စေတသာ အဇ္ဈာဂါရံ ဝသတိ မုတ္တစာဂေါ ပယတပါဏိ ဝေါဿဂ္ဂရတော  
ယာစယောဂေါ ဒါနသံဝိဘာဂရတော၊ ဣမေဟိ ခေါ ထပတယော စတူဟိ  
ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော သောတာပန္နော ဟောတိ  
အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော။

တုမှေ ခေါ ထပတယော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတာ “ဣတိပိ သော  
ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။  
ယံ ခေါ ပန ကိဉ္စိ ကုလေ ဒေယျဓမ္မံ၊ သဗ္ဗံ တံ အပ္ပဋ္ဌိဝိဘတ္တံ သီလဝန္တေဟိ  
ကလျာဏဓမ္မေဟိ။ တံ ကိံ မညထ ထပတယော၊ ကတိဝိဓာ တေ ကောသလေသု  
မနုဿာ ယေ တုမှာကံ သမသမာ ယဒိဒံ ဒါနသံဝိဘာဂေတိ။ လာဘာ နော  
ဘန္တေ၊ သုလဉ္စ နော ဘန္တေ၊ ယေသံ နော ဘဂဝါ ဧဝံ ပဇာနာတိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ဝေဠုဒ္ဓါရေယျသုတ္တ

၁၀၀၃။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ကောသလေသု စာရိကံ  
စရမာနော မဟတာ ဘိက္ခုသံဃေန သဗ္ဗိံ ယေန ဝေဠုဒ္ဓါရံ နာမ ကောသလာနံ



မြာဟ္မဏဂါမော တဒဝသရိ။ အသောသုံ ခေါ် တေ ဝေဠုဒွါရေယျကာ မြာဟ္မဏဂဟပတိကာ “သမဏော ခလု ဘော ဂေါတမော သကျပုတ္တော သကျကုလာ ပဗ္ဗဇိတော ကောသလေသု စာရိကံ စရမာနော မဟတာ ဘိက္ခုသံသေန သဒ္ဓိံ ဝေဠုဒွါရံ အနုပုတ္တော၊ တံ ခေါပန ဘဝန္တံ ဂေါတမံ ဧဝံ ကလျာဏော ကိတ္တိသဒ္ဓေါ အဗ္ဘုဂ္ဂတော ‘ဣတိပိ သော ဘဂဝါ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ ဝိဇ္ဇာစရဏသမ္ပန္နော သုဂတော လောကဝိဇ္ဇ အနုတ္တရော ပုရိသဒမ္ပသာရထိ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ’” သော ဣမံ လောကံ သဒေဝကံ သမာရကံ သဗြဟ္မကံ သဿမဏမြာဟ္မဏိံ ပဇံ သဒေဝမနုဿံ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ပဝေဒေတိ၊ သော ဓမ္မံ ဒေသေတိ အာဒိ- ကလျာဏံ မဇ္ဈေကလျာဏံ ပရိယောသာနကလျာဏံ သာတ္ထံ သဗျဉ္ဇနံ ကေဝလပရိပုဏ္ဏံ ပရိသုဒ္ဓိံ မြဟ္မစရိယံ ပကာသေတိ၊ သာဓု ခေါ ပန တထာရူပါနံ အရဟတံ ဒဿနံ ဟောတိ”တိ။

အထ ခေါ် တေ ဝေဠုဒွါရေယျကာ မြာဟ္မဏဂဟပတိကာ ယေန ဘဂဝါ တေနပသက်မိံသု၊ ဥပသက်မိတွာ အပ္ပေကစ္စေ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိံသု၊ အပ္ပေကစ္စေ ဘဂဝတာ သဒ္ဓိံ သမ္မောဒိံသု၊ သမ္မောဒနိယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိံသု၊ အပ္ပေကစ္စေ ယေန ဘဂဝါ တေနဉ္စလိံ ပဏာမေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိံသု၊ အပ္ပေကစ္စေ ဘဂဝတော သန္တိကေ နာမဂေါတ္တံ သာဝေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိံသု၊ အပ္ပေကစ္စေ တုဏှိဘူတာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိံသု။ ဧကမန္တံ နိဿိန္နာ ခေါ တေ ဝေဠုဒွါရေယျကာ မြာဟ္မဏဂဟပတိကာ ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစုံ “မယံ ဘော ဂေါတမ ဧဝံကာမာ ဧဝံဆန္ဒာ ဧဝံအဓိပ္ပါယာ ပုတ္တသမ္မာသေယနံ အဇ္ဈာဝသေယျာမ၊ ကာသိက- စန္ဒနံ ပစ္စနဘဝေယျာမ၊ မာလာဂန္ဓဝိလေပနံ ဓာရေယျာမ၊ ဇာတရူပရဇတံ သာဒိယေယျာမ၊ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပဇ္ဇေယျာမ၊ တေသံ နော ဘဝံ ဂေါတမော အမှာကံ ဧဝံကာမာနံ ဧဝံဆန္ဒာနံ ဧဝံအဓိပ္ပါယာနံ တထာ ဓမ္မံ ဒေသေတု၊ ယထာ မယံ ပုတ္တသမ္မာသေ- သယနံ အဇ္ဈာဝသေယျာမ။ ပ။ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပဇ္ဇေယျာမာ”တိ။

အတ္တပနာယိကံ ဝေါ ဂဟပတယော ဓမ္မပရိယာယံ ဒေသေဿာမိ၊ တံ သုဏာထ သာဓုကံ မနသိ ကရေထ၊ ဘာသိဿာမီတိ။ “ဧဝံ ဘော”တိ ခေါ တေ ဝေဠုဒွါရေယျကာ မြာဟ္မဏဂဟပတိကာ ဘဂဝတော ပစ္စသောသုံ။ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ—

ကတမော စ ဂဟပတယော အတ္ထုပနာယိကော ဓမ္မပရိယာယော၊ ဣဓ ဂဟပတယော အရိယသာဝကော ဣတိ ပဋိသန္ဓိက္ခတိ “အဟံ ခေါသ္မိ ဇီဝိတုကာမော အမရိတုကာမော သုခကာမော ဒုက္ခပ္ပုဋ်ကူလော။ ယော ခေါ မံ ဇီဝိတုကာမံ အမရိတုကာမံ သုခကာမံ ဒုက္ခပ္ပုဋ်ကူလံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေယျ၊ န မေတံ အဿ ပိယံ မနာပံ။ အဟဉ္ဇေဝ ခေါ ပန ပရံ ဇီဝိတုကာမံ အမရိတုကာမံ သုခကာမံ ဒုက္ခပ္ပုဋ်ကူလံ ဇီဝိတာ ဝေါရောပေယျ၊ ပရဿပိ တံ အဿ အပ္ပိယံ အမနာပံ။ ယော ခေါ မျာယံ ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ၊ ပရဿပေသော ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ။ ယော ခေါ မျာယံ ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ၊ ကထာဟံ ပရံ တေန သံယောဇေယျ”န္တိ။ သော ဣတိ ပဋိသန္ဓိယ အတ္တနာ စ ပါဏာတိပါတာ ပဋိဝိရတော ဟောတိ၊ ပရဉ္စ ပါဏာတိပါတာ ဝေရမဏိယာ သမာဒပေတိ၊ ပါဏာတိပါတာ ဝေရမဏိယာ စ ဝဏ္ဏံ ဘာသတိ၊ ဧဝဿာယံ ကာယသမာစာရော တိကောဋိပရိသုဒ္ဓေါ ဟောတိ။

ပုန စပရံ ဂဟပတယော အရိယသာဝကော ဣတိ ပဋိသန္ဓိက္ခတိ “ယော ခေါ မေ အဒိန္နံ ထေယျသင်္ခါတံ အာဒိယေယျ၊ န မေတံ အဿ ပိယံ မနာပံ။ အဟဉ္ဇေဝ ခေါ ပန ပရဿ အဒိန္နံ ထေယျသင်္ခါတံ အာဒိယေယျ၊ ပရဿပိ တံ အဿ အပ္ပိယံ အမနာပံ။ ယော ခေါ မျာယံ ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ၊ ပရဿပေသော ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ။ ယော ခေါ မျာယံ ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ၊ ကထာဟံ ပရံ တေန သံယောဇေယျ”န္တိ။ သော ဣတိ ပဋိသန္ဓိယ အတ္တနာ စ အဒိန္နာဒါနာ ပဋိဝိရတော ဟောတိ၊ ပရဉ္စ အဒိန္နာဒါနာ ဝေရမဏိယာ သမာဒပေတိ၊ အဒိန္နာဒါနာ ဝေရမဏိယာ စ ဝဏ္ဏံ ဘာသတိ၊ ဧဝဿာယံ ကာယသမာစာရော တိကောဋိပရိသုဒ္ဓေါ ဟောတိ။

ပုန စပရံ ဂဟပတယော အရိယသာဝကော ဣတိ ပဋိသန္ဓိက္ခတိ “ယော ခေါ မေ ဒါရေသု စာရိတ္တံ အာပဇ္ဇေယျ၊ န မေတံ အဿ ပိယံ မနာပံ။ အဟဉ္ဇေဝ ခေါ ပန ပရဿ ဒါရေသု စာရိတ္တံ အာပဇ္ဇေယျ၊ ပရဿပိ တံ အဿ အပ္ပိယံ အမနာပံ။ ယော ခေါ မျာယံ ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ၊ ပရဿပေသော ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ။ ယော ခေါ မျာယံ ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ၊ ကထာဟံ ပရံ တေန သံယောဇေယျ”န္တိ။ သော ဣတိ ပဋိသန္ဓိယ အတ္တနာ စ ကာမေသုမိစ္ဆာစာရာ ပဋိဝိရတော ဟောတိ၊ ပရဉ္စ ကာမေသုမိစ္ဆာစာရာ ဝေရမဏိယာ သမာဒပေတိ၊ ကာမေသုမိစ္ဆာစာရာ ဝေရမဏိယာ စ

ဝဏ္ဏံ ဘာသတိ၊ ဧဝမဿာယံ ကာယသမာစာရော တိကောဋိပရိသုဒ္ဓေါ  
ဟောတိ။

ပုန စပရံ ဂဟပတယော အရိယသာဝကော ဣတိ ပဋိသန္ဓိက္ခတိ “ယော  
ခေါ မေ မုသာဝါဒေန အတ္ထံ ဘဇ္ဇေယျ၊ န မေတံ အဿ ပိယံ မနာပံ။  
အဟဇ္ဇေဝ ခေါ ပန ပရဿ မုသာဝါဒေန အတ္ထံ ဘဇ္ဇေယျံ၊ ပရဿပိ တံ အဿ  
အပ္ပိယံ အမနာပံ။ ယော ခေါ မျာယံ ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ၊ ပရဿ-  
ပေသော ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ။ ယော ခေါ မျာယံ ဓမ္မော အပ္ပိယော  
အမနာပေါ၊ ကထာဟံ ပရံ တေန သံယောဇေယျ”န္တိ။ သော ဣတိ ပဋိသန္ဓိယ  
အတ္တနာ စ မုသာဝါဒါ ပဋိဝိရတော ဟောတိ၊ ပရဇ္ဇ မုသာဝါဒါ ဝေရမဏိယာ  
သမာဒပေတိ၊ မုသာဝါဒါ ဝေရမဏိယာ စ ဝဏ္ဏံ ဘာသတိ၊ ဧဝမဿာယံ  
ဝစီသမာစာရော တိကောဋိပရိသုဒ္ဓေါ ဟောတိ။

ပုန စပရံ ဂဟပတယော အရိယသာဝကော ဣတိ ပဋိသန္ဓိက္ခတိ ယော  
ခေါ မံ ပိသုဏာယ ဝါစာယ မိတ္တေ ဘိန္နေယျ၊ န မေတံ အဿ ပိယံ မနာပံ။  
အဟဇ္ဇေဝ ခေါ ပန ပရံ ပိသုဏာယ ဝါစာယ မိတ္တေ ဘိန္နေယျံ၊ ပရဿပိ တံ  
အဿ အပ္ပိယံ အမနာပံ။ ပ။ ဧဝမဿာယံ ဝစီသမာစာရော တိကောဋိပရိသုဒ္ဓေါ  
ဟောတိ။

ပုန စပရံ ဂဟပတယော အရိယသာဝကော ဣတိ ပဋိသန္ဓိက္ခတိ ယော ခေါ  
မံ ဖရုသာယ ဝါစာယ သမုဒါစရေယျ၊ န မေတံ အဿ ပိယံ မနာပံ။ အဟဇ္ဇေဝ  
ခေါ ပန ပရံ ဖရုသာယ ဝါစာယ သမုဒါစရေယျံ၊ ပရဿပိ တံ အဿ အပ္ပိယံ  
အမနာပံ။ ယော ခေါ မျာယံ ဓမ္မော။ ပ။ ဧဝမဿာယံ ဝစီသမာစာရော  
တိကောဋိပရိသုဒ္ဓေါ ဟောတိ။

ပုန စပရံ ဂဟပတယော အရိယသာဝကော ဣတိ ပဋိသန္ဓိက္ခတိ “ယော ခေါ  
မံ သမ္မဘာသေန သမ္မပ္ပလာပဘာသေန သမုဒါစရေယျ၊ န မေတံ အဿ ပိယံ  
မနာပံ။ အဟဇ္ဇေဝ ခေါ ပန ပရံ သမ္မဘာသေန သမ္မပ္ပလာပဘာသေန  
သမုဒါစရေယျံ၊ ပရဿပိ တံ အဿ အပ္ပိယံ အမနာပံ။ ယော ခေါ မျာယံ  
ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ၊ ပရဿပေသော ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ။  
ယော ခေါ မျာယံ ဓမ္မော အပ္ပိယော အမနာပေါ၊ ကထာဟံ ပရံ တေန သံယော-  
ဇေယျ”န္တိ။ သော ဣတိ ပဋိသန္ဓိယ အတ္တနာ စ သမ္မပ္ပလာပါ ပဋိဝိရတော

ဟောတိ၊ ပရဉ္စ သမ္ဗုပ္ပလာပါ ဝေရမဏိယာ သမာဒပေတိ၊ သမ္ဗုပ္ပလာပါ ဝေရမဏိယာ စ ဝဏ္ဏံ ဘာသတိ၊ ဝေမဿာယံ ဝစီသမာစာရော တိကောဋိ-  
ပရိသုဒ္ဓေါ ဟောတိ။

သော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော  
ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ  
အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော ဟောတိ “သုပ္ပုဋ္ဌိပန္နော ဘဂဝတော သာဝက-  
သံဃော။ပ။ အနတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿာ”တိ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ  
သမန္တာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ယတော ခေါ  
ဂဟပတယော အရိယသာဝကော ဣမေဟိ သတ္တဟိ သဒ္ဓမ္မေဟိ<sup>၁</sup> သမန္တာဂတော  
ဟောတိ ဣမေဟိ စတူဟိ အာကမ္ဘိယေဟိ ဌာနေဟိ၊ သော အာကမ္ဘာနော  
အတ္တနာဝ အတ္တာနံ ဗျာကရေယျ “ဒိဏနိရယောမိ ဒိဏတိရစ္ဆာနယောနိ၊  
ဒိဏပေတ္တိဝိသယော ဒိဏာပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတော၊ သောတာပန္နောဟမသ္မိ  
အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”တိ။

ဧဝံ ဝုတ္တေ ဝေဠုဒ္ဓါရေယျကာ မြာဟ္မဏဂဟပတိကာ ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစုံ  
“အဘိက္ကန္တံ ဘော ဂေါတမ။ပ။ ဧတေ မယံ ဘဝန္တံ ဂေါတမံ သရဏံ ဂစ္ဆာမ  
ဓမ္မဉ္စ ဘိက္ခုသံဃဉ္စ၊ ဥပါသကေ နော ဘဝံ ဂေါတမော ဓာရေတု အဇ္ဇတဂ္ဂေ  
ပါဏုပေတေ<sup>၂</sup> သရဏံ ဂတေ”တိ။ ။သတ္တမံ။

### ဂ-ပဌမဂိဉ္ဇကာဝသထသုတ္တ

၁၀၀၄။ ဧဝံမေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဉာတိကေ ဝိဟရတိ ဂိဉ္ဇကာ-  
ဝသထေ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသက်မိ၊  
ဥပသက်မိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ကေမန္တံ နိဿိဒိ၊ ကေမန္တံ နိဿိန္ဒော  
ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—

သာဠော နာမ ဘန္တေ ဘိက္ခု ကာလင်္ဂတော၊ တဿ ကာ ဂတိ၊ ကော  
အဘိသမ္ဗရာယော။ နန္ဒာ နာမ ဘန္တေ ဘိက္ခုနီ ကာလင်္ဂတာ၊ တဿာ ကာ  
ဂတိ၊ ကော အဘိသမ္ဗရာယော။ သုဒတ္တော နာမ ဘန္တေ ဥပါသကော  
ကာလင်္ဂတော၊ တဿ ကာ ဂတိ၊ ကော အဘိသမ္ဗရာယော။ သုဇာတာ  
နာမ ဘန္တေ ဥပါသိကာ ကာလင်္ဂတာ၊ တဿာ ကာ ဂတိ၊ ကော  
အဘိသမ္ဗရာယောတိ။

၁-ဓမ္မေဟိ (သီ) ၂-ဒိဏတိရစ္ဆာနယောနိယော (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)၊ ဒိဏတိရစ္ဆာနယောနိကော (က)  
၃-ပါဏုပေတံ (က)

သာဠော အာနန္ဒ ဘိက္ခု ကာလင်္ကတော အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သန္တိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟာသိ။ နန္ဒာ အာနန္ဒ ဘိက္ခုနီ ကာလင်္ကတာ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုဒ္ဓါဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ ဩပပါတိကာ တတ္ထ ပရိနိဗ္ဗာယ်နိ အနာဝတ္တိဓမ္မာ တသ္မာ လောကော။ သုဒတ္တော အာနန္ဒ ဥပါသကော ကာလင်္ကတော တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ ရာဂဒေါသမောဟာနံ တနုတ္တာ သကဒါဂါမိ သကိဒေဝ ဣမံ လောကံ အာဂန္တာ ဒုက္ခဿန္တံ ကရိဿတိ။ သုဇာတာ အာနန္ဒ ဥပါသိကာ ကာလင်္ကတာ တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ သောတာပန္နော အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏော။

အနုစ္စရိယံ ခေါ ပနေတံ အာနန္ဒ ယံ မနုဿဘူတော ကာလံ ကရေယျ၊ တသ္မိံ တသ္မိံ စေ မံ ကာလင်္ကတေ ဥပသင်္ကမိတွာ ဧတမတ္ထံ ပဋိပုစ္ဆိဿထ၊ ဝိဟေသာပေသာ အာနန္ဒ အဿ တထာဂတဿ၊ တသ္မာတိဟာနန္ဒ ဓမ္မာဒါသံ နာမ ဓမ္မပရိယာယံ ဒေသေဿာမိ၊ ယေန သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော အာကင်္ခမာနော အတ္တနာဝ အတ္တာနံ ဗျာကရေယျ “ဒိဏနိရယောမှိ ဒိဏတိရုစ္ဆာနယောနိ ဒိဏပေတ္တိဝိသယော ဒိဏာပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတော၊ သောတာပန္နောဟမသ္မိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”။

ကတမော စ သော အာနန္ဒ ဓမ္မာဒါသော ဓမ္မပရိယာယော၊ ယေန သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော အာကင်္ခမာနော အတ္တနာဝ အတ္တာနံ ဗျာကရေယျ “ဒိဏနိရယောမှိ ဒိဏတိရုစ္ဆာနယောနိ ဒိဏပေတ္တိဝိသယော ဒိဏာပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတော၊ သောတာပန္နောဟမသ္မိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”။

ဣဓ အာနန္ဒ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္တာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ အယံ ခေါ သော အာနန္ဒ ဓမ္မာဒါသော ဓမ္မပရိယာယော၊ ယေန သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော အာကင်္ခမာနော အတ္တနာဝ အတ္တာနံ ဗျာကရေယျ “ဒိဏနိရယောမှိ ဒိဏတိရုစ္ဆာနယောနိ ဒိဏပေတ္တိဝိသယော ဒိဏာပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတော၊ သောတာပန္နောဟမသ္မိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”တိ။ ။အဋ္ဌမံ။

(တိဏိပိ သုတ္တန္တာနိ ဧကနိဒါနာနိ။)

## ၉-ဒုတိယဂိဇ္ဈကာဝသထသုတ္တ

၁၀၀၅။ ဧကမန္တံ နိဿိန္ဒော ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ  
 တေဒဝေါစ “အသောကော နာမ ဘန္တေ ဘိက္ခု ကာလင်္ဂတော၊ တဿ ကာ  
 ဂတိ၊ ကော အဘိသမ္ပရာယော။ အသောကာ နာမ ဘန္တေ ဘိက္ခုနိ  
 ကာလင်္ဂတာ။ ပ။ အသောကော နာမ ဘန္တေ ဥပါသကော ကာလင်္ဂတော။ ပ။  
 အသောကာ နာမ ဘန္တေ ဥပါသိကာ ကာလင်္ဂတာ၊ တဿာ ကာ ဂတိ၊  
 ကော အဘိသမ္ပရာယော”တိ။

အသောကော အာနန္ဒ ဘိက္ခု ကာလင်္ဂတော အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ  
 စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သမ္ဘိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ  
 ဝိဟာသိ။ ပ။ (ပုရိမဝေယျာကရဏေန ဧကနိဒါနံ။)

အယံ ခေါ သော အာနန္ဒ ဓမ္မာဒါသော ဓမ္မပရိယာယော၊ ယေန  
 သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော အာကင်္ခမာနော အတ္တနာဝ အတ္တာနံ  
 ဗျာကရေယျ “ဒိဏနိရယောမိ ဒိဏတိရစ္ဆာနယောနိ ဒိဏပေတ္တိဝိသယော  
 ဒိဏာပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတော၊ သောတာပန္နောဟမသ္မိ အဝိနိပါတဓမ္မော  
 နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”တိ။ ။နဝမံ။

## ၁၀-တတိယဂိဇ္ဈကာဝသထသုတ္တ

၁၀၀၆။ ဧကမန္တံ နိဿိန္ဒော ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ တေ-  
 ဒဝေါစ “ကက္ကဋ္ဌော နာမ ဘန္တေ ဉှတိကေ ဥပါသကော ကာလင်္ဂတော၊  
 တဿ ကာ ဂတိ၊ ကော အဘိသမ္ပရာယော။ ကဋ္ဌိဘော နာမ ဘန္တေ ဉှတိကေ  
 ဥပါသကော။ ပ။ နိကတော နာမ ဘန္တေ ဉှတိကေ ဥပါသကော။ ကဋ္ဌိဿဟော  
 နာမ ဘန္တေ ဉှတိကေ ဥပါသကော။ တုဋ္ဌော နာမ ဘန္တေ ဉှတိကေ  
 ဥပါသကော။ သန္တုဋ္ဌော နာမ ဘန္တေ ဉှတိကေ ဥပါသကော။ ဘဒ္ဒေါ နာမ  
 ဘန္တေ ဉှတိကေ ဥပါသကော။ သုဘဒ္ဒေါ နာမ ဘန္တေ ဉှတိကေ ဥပါသကော  
 ကာလင်္ဂတော၊ တဿ ကာ ဂတိ၊ ကော အဘိသမ္ပရာယောတိ။

ကက္ကဋ္ဌော အာနန္ဒ ဥပါသကော ကာလင်္ဂတော ပဉ္စန္ဒံ ဩရဟ္မဂိယာနံ  
 သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ ဩပပါတိကော တတ္ထ ပရိနိဗ္ဗာယံ အနာဝတ္တိဓမ္မော  
 တသ္မာ လောကော။ ကဋ္ဌိဘော အာနန္ဒ။ ပ။ နိကတော အာနန္ဒ။ ကဋ္ဌိဿဟော

အာနန္ဒ။ တုဋ္ဌော အာနန္ဒ။ သန္တုဋ္ဌော အာနန္ဒ။ ဘဒ္ဒေါ အာနန္ဒ။ သုဘဒ္ဒေါ အာနန္ဒ ဥပါသကော ကာလင်္ကတော ပဉ္စန္ဒံ ဩရုဟ္မာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ ဩပပါတိကော တတ္ထ ပရိနိဗ္ဗာယံ အနာဝတ္တိဓမ္မော တဿ လောကာ။ (သဗ္ဗေ ဧကဂတိကာ ကာတဗ္ဗာ။)

ပရောပညာသ အာနန္ဒ ဉှုတိကေ ဥပါသကာ ကာလင်္ကတာ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုဟ္မာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ ဩပပါတိကာ တတ္ထ ပရိနိဗ္ဗာယိနော အနာဝတ္တိဓမ္မော တဿ လောကာ။ သာမိကနုဂတိ အာနန္ဒ ဉှုတိကေ ဥပါသကာ ကာလင်္ကတာ တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ ရာဂဒေါသမောဟာနံ တနုတ္တာ သကဒါဂါမိနော သကိဒေဝ ဣမံ လောကံ အာဂန္တှာ ဒုက္ခဿန္တံ ကရိဿန္တိ။ ဆာတိရေကာနိ ခေါ အာနန္ဒ ပဉ္စသတာနိ ဉှုတိကေ ဥပါသကာ ကာလင်္ကတာ တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ သောတာပန္နာ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏော။

အနုစ္စရိယံ ခေါ ပနေတံ အာနန္ဒ ယံ မနုဿဘူတော ကာလံ ကရေယျ။ တသ္မိံ တသ္မိံ စေ မံ ကာလင်္ကတေ ဥပသင်္ကမိတွာ ဧတမတ္ထံ ပဋိပုစ္ဆိဿထ။ ဝိဟေသာပေသာ အာနန္ဒ အဿ တထာဂတဿ။ တဿာတိဟာနန္ဒ ဓမ္မာဒါသံ နာမ ဓမ္မပရိယာယံ ဒေသေဿာမိ။ ယေန သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော အာကင်္ခမာနော အတ္တနာဝ အတ္တာနံ ဗျာကရေယျ “ဒိဏနိရယောမိ ဒိဏတိရုတ္တာနယောနိ ဒိဏပေတ္တိဝိသယော ဒိဏာပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတော၊ သောတာပန္နောဟမသ္မိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”။

ကတမော စ သော အာနန္ဒ ဓမ္မာဒါသော ဓမ္မပရိယာယော ယေန သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော အာကင်္ခမာနော အတ္တနာဝ အတ္တာနံ ဗျာကရေယျ “ဒိဏနိရယောမိ ဒိဏတိရုတ္တာနယောနိ ဒိဏပေတ္တိဝိသယော ဒိဏာပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတော၊ သောတာပန္နောဟမသ္မိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”။

ဣဓာနန္ဒ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္တာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ အယံ ခေါ သော အာနန္ဒ ဓမ္မာဒါသော ဓမ္မပရိယာယော ယေန သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော အာကင်္ခမာနော အတ္တနာဝ အတ္တာနံ ဗျာကရေယျ “ဒိဏနိရယောမိ ဒိဏတိရုတ္တာနယောနိ

ဒိဏပေတ္တိဝိသယော ဒိဏာပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတော၊ သောတာပန္နောဟမသ္မိ  
အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”တိ။ ။ဒသမံ။

ဝေဠုဒွါရဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

### တသုဒ္ဓါနံ

ရာဇာ ဩဂဓိဃာဝု၊ သာရိပုတ္တာပရေ ဒုဝေ။  
ထပတိ ဝေဠုဒွါရေယျာ၊ ဂိဉ္ဇကာဝသထေ တယောတိ။

## ၂-ရာဇကာရာမဝဂ္ဂ

### ၁-သဟဿဘိက္ခုနိသံဃသုတ္တ

၁၀၀၇။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ ရာဇကာရာမေ။ အထ  
ခေါ သဟဿဘိက္ခုနိသံဃော<sup>၁</sup> ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ  
ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ အဋ္ဌာသိ၊ ဧကမန္တံ ဌိတာ ခေါ တာ  
ဘိက္ခုနိယော ဘဂဝါ တေဒဝေါစ—

စတူဟိ ခေါ ဘိက္ခုနိယော ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော  
သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော။  
ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣဓ ဘိက္ခုနိယော အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာ-  
ဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္ထာ ဒေဝ-  
မနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃော။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ  
သမန္နာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ  
ခေါ ဘိက္ခုနိယော စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော  
သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာ-  
ယဏောတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၁၀၀၈။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ဗြာဟ္မဏာ ဘိက္ခုဝေ ဥဒယဂါမိနိ<sup>၂</sup> နာမ ပဋိပဉ်  
ပညပေန္တိ၊ တေ သာဝကံ ဧဝံ သမာဒပေန္တိ “ဧဟိ တံ အဗ္ဘော ပုရိသ၊  
ကာလဿေဝ ဥဋ္ဌာယ ပါစိနမုခေါ ယာဟိ၊ သော တံ မာ သောန္တံ ပရိဝဇ္ဇေဟိ



မာ ပပပါတံ မာ ခါဏံ မာ ကဏ္ဍကဋ္ဌာနံ<sup>၁</sup> မာ စန္ဒနိယံ မာ ဩဋ္ဌိဂလ္လံ၊ ယတ္ထ<sup>၂</sup> ပပတေယျာသိ၊ တတ္ထေဝ မရဏံ အာဂမေယျာသိ။ ဧဝံ တံ အတ္တေ ပုရိသ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပဋိဿသိ”တိ။

တံ ခေါ ပနေတံ ဘိက္ခဝေ ဗြာဟ္မဏာနံ ဗာလဂမနမေတံ<sup>၃</sup> မုဠဂမနမေတံ၊ န နိဗ္ဗိဒါယ န ဝိရာဂါယ န နိရောဓာယ န ဥပသမာယ န အဘိညာယ န သမ္မောဓာယ န နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။ အဟဉ္စ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယဿ ဝိနယေ ဥဒယဂါမိနိ<sup>၄</sup> ပဋိပဒံ ပညာပေမိ၊ ယာ ဧကန္တနိဗ္ဗိဒါယ ဝိရာဂါယ နိရောဓာယ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။

ကတမာ စ သာ ဘိက္ခဝေ ဥဒယဂါမိနိ ပဋိပဒါ၊ ယာ ဧကန္တနိဗ္ဗိဒါယ။ပ။ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ အယံ ခေါ သာ ဘိက္ခဝေ ဥဒယဂါမိနိ ပဋိပဒါ ဧကန္တနိဗ္ဗိဒါယ။ပ။ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-အာနန္ဒတ္ထေရသုတ္တ

၁၀၀၉။ ဧကံသမယံအာယသ္မာ စ အာနန္ဒော အာယသ္မာ စ သာရိပုတ္တော သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရန္တိ ဇေတဝနေ အနာထပိဏ္ဍိကဿ အာရာမေ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော သာယန္တသမယံ ပဋိသလ္လာနာ ဝုဋ္ဌိတော ယေနာယသ္မာ အာနန္ဒော တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မတာ အာနန္ဒေန သဋ္ဌိံ သမ္မောဒိ၊ သမ္မောဒနိယံ ကထံ သာရဏီယံ ဝိတိသာရေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္ဒော ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော အာယသ္မန္တံ အာနန္ဒံ တေဒဝေါစ “ကတိနံ ခေါ အာဝုသော အာနန္ဒ ဓမ္မာနံ ပဟာနာ၊ ကတိနံ ဓမ္မာနံ သမန္နာဂမနဟေတု ဧဝမယံ ပဇာ ဘဂဝတာ ဗျာကတာ ‘သောတာပန္နာ အဝိနိပါတဓမ္မာ နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာ’တိ”။ စတုန္တံ ခေါ အာဝုသော ဓမ္မာနံ ပဟာနာ စတုန္တံ ဓမ္မာနံ သမန္နာဂမနဟေတု ဧဝမယံ ပဇာ ဘဂဝတာ ဗျာကတာ “သောတာပန္နာ အဝိနိပါတဓမ္မာ နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာ”တိ။

၁-ကဏ္ဍကံ ဋ္ဌာနံ (ဣ၊က) ၂-ယတ္ထေဝ (သျှ၊ကံ)၊ ယာနိ ဝါ(သီ) ၃-ဗာလာနံ ဂမနမေတံ(သီ)

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ယထာရူပေန ခေါ အာရသော ဗုဒ္ဓေ အပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပဿ ဗုဒ္ဓေ အပ္ပသာဒေါ န ဟောတိ။ ယထာရူပေန စ ခေါ အာရသော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော သုတဝါ အရိယသာဝကော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပဿ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေါ ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။

ယထာရူပေန စ ခေါ အာရသော ဓမ္မေ အပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပဿ ဓမ္မေ အပ္ပသာဒေါ န ဟောတိ။ ယထာရူပေန စ ခေါ အာရသော ဓမ္မေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော သုတဝါ အရိယသာဝကော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပဿ ဓမ္မေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေါ ဟောတိ “သွာက္ခာတော ဘဂဝတာ ဓမ္မော။ပ။ ဝိညူဟိ”တိ။

ယထာရူပေန စ ခေါ အာရသော သံဃေ အပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပဿ သံဃေ အပ္ပသာဒေါ န ဟောတိ။ ယထာရူပေန စ ခေါ အာရသော သံဃေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော သုတဝါ အရိယသာဝကော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပဿ သံဃေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေါ ဟောတိ “သုပ္ပဋိ-ပန္နော ဘဂဝတော သာဝကသံဃော။ပ။ အနုတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောက-ဿာ”တိ။

ယထာရူပေန စ ခေါ အာရသော ဒုဿီလျေန သမန္တာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပဿ ဒုဿီလျံ န ဟောတိ။ ယထာရူပေဟိ စ ခေါ အာရသော အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္တာဂတော သုတဝါ အရိယ-သာဝကော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပါနိ အရိယကန္တာနိ သီလာနိ ဟောန္တိ အဓဏ္ဍာနိ။ပ။ သမာဓိ-သံဝတ္တနိကာနိ။ ဣမေသံ ခေါ အာရသော စတုန္တံ ဓမ္မာနံ ပဟာနာ ဣမေသံ

စတုန္တံ ဓမ္မာနံ သမန္နာဂမနဟေတု ဧဝမယံ ပဇာ ဘဂဝတာ ဗျာကတာ  
“သောတာပန္နာ အဝိနိပါတဓမ္မာ နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာ”တိ။ ။  
တတိယံ။

### ၄-ဒုဂ္ဂတိဘယသုတ္တ

၁၀၁၀။ စတူဟိ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော သဗ္ဗ-  
ဒုဂ္ဂတိဘယံ သမတိက္ကန္တော ဟောတိ။ ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ အရိယ-  
သာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ  
သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။  
အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိ-  
သံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော  
အရိယသာဝကော သဗ္ဗဒုဂ္ဂတိဘယံ သမတိက္ကန္တော ဟောတိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတဘယသုတ္တ

၁၀၁၁။ စတူဟိ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော သဗ္ဗ-  
ဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတဘယံ သမတိက္ကန္တော ဟောတိ။ ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣဓ ဘိက္ခဝေ  
အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ  
သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။  
သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။  
သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော  
အရိယသာဝကော သဗ္ဗဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတဘယံ သမတိက္ကန္တော ဟောတိတိ။ ။  
ပဉ္စမံ။

### ၆-ပဌမဗိက္ခာမစ္ဆသုတ္တ

၁၀၁၂။ ယေ တေ ဘိက္ခဝေ အနုကမ္ပေယျာယ၊ ယေ စ သောတဗ္ဗံ မညေယျံ၊  
ဗိက္ခာ ဝါ အမစ္စာ ဝါ ဉှတိ ဝါ သာလောဟိတာ ဝါ၊ တေ ဘိက္ခဝေ စတူသု  
သောတာပတ္တိယဇ်သု သမာဒပေတဗ္ဗာ နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာ။  
ကတမေသု စတူသု၊ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေ သမာဒပေတဗ္ဗာ နိဝေသေတဗ္ဗာ  
ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ  
ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေသု သီလေသု သမာဒပေတဗ္ဗာ  
နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာ အခဏ္ဍေသု။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေသု။ ယေ  
တေ ဘိက္ခဝေ အနုကမ္ပေယျာယ၊ ယေ စ သောတဗ္ဗံ မညေယျံ၊ ဗိက္ခာ ဝါ

အမစ္စာ ဝါ ဉှတီ ဝါ သာလောဟိတာ ဝါ၊ တေ ဘိက္ခဝေ ဣမေသု စတုသု သောတာပတ္တိယဇ်သု သမာဒပေတဗ္ဗာ နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာတိ။ ။ ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ဒုတိယမိတ္တာမစ္စသုတ္တ

၁၀၁၃။ ယေ တေ ဘိက္ခဝေ အနုကမ္မေယျာယ၊ ယေ စ သောတဗ္ဗံ မညေယျံ မိတ္တာ ဝါ အမစ္စာ ဝါ ဉှတီ ဝါ သာလောဟိတာ ဝါ၊ တေ ဘိက္ခဝေ စတုသု သောတာပတ္တိယဇ်သု သမာဒပေတဗ္ဗာ နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာ။ ကတမေသု စတုသု၊ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေ သမာဒပေတဗ္ဗာ နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။

သိယာ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ မဟာဘူတာနံ အညထတ္တံ ပထဝီဓာတုယာ အာပေါဓာတုယာ တေဇောဓာတုယာ ဝါယောဓာတုယာ၊ န တွေဝ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတဿ အရိယသာဝကဿ သိယာ အညထတ္တံ။ တတြိဒံ အညထတ္တံ၊ သော ဝတ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော နိရယံ ဝါ တိရစ္ဆာနယောနိံ ဝါ ပေတ္တိဝိသယံ ဝါ ဥပပဋိဿတီတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေသု သီလေသု သမာဒပေတဗ္ဗာ နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာ အခဏှေသု။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေသု။ သိယာ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ မဟာဘူတာနံ အညထတ္တံ ပထဝီဓာတုယာ အာပေါဓာတုယာ တေဇောဓာတုယာ ဝါယောဓာတုယာ၊ န တွေဝ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတဿ အရိယသာဝကဿ သိယာ အညထတ္တံ။ တတြိဒံ အညထတ္တံ၊ သော ဝတ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော နိရယံ ဝါ တိရစ္ဆာနယောနိံ ဝါ ပေတ္တိဝိသယံ ဝါ ဥပပဋိဿတီတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ ယေ တေ ဘိက္ခဝေ အနုကမ္မေယျာယ၊ ယေ စ သောတဗ္ဗံ မညေယျံ မိတ္တာ ဝါ အမစ္စာ ဝါ ဉှတီ ဝါ သာလောဟိတာ ဝါ၊ တေ ဘိက္ခဝေ ဣမေသု စတုသု သောတာပတ္တိယဇ်သု သမာဒပေတဗ္ဗာ နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-ပဌမဒေဝဓာရိကသုတ္တ

၁၀၁၄။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော သေယျထာပိ နာမ ဗလဝါ ပုရိသော သမိဉ္ဇိတံ ဝါ ဗာဟံ ပသာရေယျ၊ ပသာရိတံ

ဝါ ဗာဟံ သမိဇ္ဈေယျ၊ ဧဝမေဝ ဇေတဝနေ အန္တရဟိတော ဒေဝေသု  
တာဝတိံသေသု ပါတုရဟောသိ။ အထ ခေါ သမ္ပဟုလာ တာဝတိံသကာယိကာ  
ဒေဝတာယော ယေနာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော တေနပသင်္ကမိံသု၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မန္တံ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ အဋ္ဌံသု၊  
ဧကမန္တံ ဌိတာ ခေါ တာ ဒေဝတာယော အာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော  
တေဒဝေါစ—

သာဓု ခေါ အာဝုသော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂမနံ ဟောတိ  
“ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဗုဒ္ဓေ  
အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂမနဟေတု ခေါ အာဝုသော ဧဝမိဓေကစ္စေ သတ္တာ  
ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပဇ္ဇန္တိ။ သာဓု  
ခေါ အာဝုသော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ သာဓု ခေါ အာဝုသော အရိယကန္တေဟိ  
သီလေဟိ သမန္ဓာဂမနံ ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။  
အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂမနဟေတု ခေါ အာဝုသော ဧဝမိဓေကစ္စေ  
သတ္တာ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပဇ္ဇန္တိတိ။

သာဓု ခေါ မာရိသ မောဂ္ဂလ္လာန၊ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂမနံ  
ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။  
ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂမနဟေတု ခေါ မာရိသ မောဂ္ဂလ္လာန ဧဝမိဓေ-  
ကစ္စေ သတ္တာ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ  
ဥပပဇ္ဇန္တိ။ သာဓု ခေါ မာရိသ မောဂ္ဂလ္လာန ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ  
သီလေဟိ သမန္ဓာဂမနံ ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။  
အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂမနဟေတု ခေါ မာရိသ မောဂ္ဂလ္လာန  
ဧဝမိဓေကစ္စေ သတ္တာ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ  
ဥပပဇ္ဇန္တိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဒုတိယဒေဝစာရိကသုတ္တ

၁၀၁၅။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော  
သေယျထာပိ နာမ ဗလဝါ ပုရိသော သမိဉ္စိတံ ဝါ ဗာဟံ ပသာရေယျ၊  
ပသာရိတံ ဝါ ဗာဟံ သမိဇ္ဈေယျ၊ ဧဝမေဝ ဇေတဝနေ အန္တရဟိတော ဒေဝေသု  
တာဝတိံသေသု ပါတုရဟောသိ။ အထ ခေါ သမ္ပဟုလာ တာဝတိံသကာယိကာ  
ဒေဝတာယော ယေနာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော တေနပသင်္ကမိံသု၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မန္တံ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ အဋ္ဌံသု၊

ဧကမန္တံ ဌိတာ ခေါ် တာ ဒေဝတာယော အာယသ္မာ မဟာမောဂ္ဂလ္လာနော တေဒဝေါစ—

သာဓု ခေါ် အာရုသော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂမနံ ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂမနဟေတု ခေါ် အာရုသော ဧဝမိဓေကစွေ သတ္တာ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပန္နာ။ သာဓု ခေါ် အာရုသော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂမနံ ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂမနဟေတု ခေါ် အာရုသော ဧဝမိဓေကစွေ သတ္တာ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပန္နာတိ။

သာဓု ခေါ် မာရိသ မောဂ္ဂလ္လာန၊ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂမနံ ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂမနဟေတု ခေါ် မာရိသ မောဂ္ဂလ္လာန ဧဝမိဓေကစွေ သတ္တာ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပန္နာ။ သာဓု ခေါ် မာရိသ မောဂ္ဂလ္လာန ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂမနံ ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂမနဟေတု ခေါ် မာရိသ မောဂ္ဂလ္လာန ဧဝမိဓေကစွေ သတ္တာ ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ သုဂတိံ သဂ္ဂံ လောကံ ဥပပန္နာတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-တတိယဒေဝစာရိကသုတ္တ

၁၀၁၆။ အထ ခေါ် ဘဂဝါ သေယျထာပိ နာမ ဗလဝါ ပုရိသော သမိဉ္ဇိတံ ဝါ ဗာဟံ ပသာရေယျ၊ ပသာရိတံ ဝါ ဗာဟံ သမိဉ္ဇေယျ၊ ဧဝမေဝ ဇေတဝနေ အန္တရဟိတော ဒေဝေသု တာဝတိံသေသု ပါတုရဟောသိ။ အထ ခေါ် သမ္ပဟုလာ တာဝတိံသကာယိကာ ဒေဝတာယော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိံသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ အဋ္ဌံသု၊ ဧကမန္တံ ဌိတာ ခေါ် တာ ဒေဝတာယော ဘဂဝါ တေဒဝေါစ—

သာဓု ခေါ် အာရုသော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂမနံ ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂမနဟေတု ခေါ် အာရုသော ဧဝမိဓေကစွေ သတ္တာ သောတာပန္နာ အဝိနိပါတဓမ္မာ နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာ။ သာဓု ခေါ်

အာရုဿော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္တာဂမနံ  
ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ  
သမန္တာဂမနဟေတု ခေါ အာရုဿော ဧဝမိဓေကဓ္စေ သတ္တာ သောတာပန္နာ  
အဝိနိပါတဓမ္မာ နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာတိ။

သာဓု ခေါ မာရိသ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂမနံ ဟောတိ “ဣတိပိ  
သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ၊ ဗုဒ္ဓေ  
အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂမနဟေတု ခေါ မာရိသ ဧဝမယံ ပဇာ  
သောတာပန္နာ အဝိနိပါတဓမ္မာ နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာ။ သာဓု ခေါ  
မာရိသ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္တာဂမနံ ဟောတိ  
အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္တာ-  
ဂမနဟေတု ခေါ မာရိသ ဧဝမယံ ပဇာ သောတာပန္နာ အဝိနိပါတဓမ္မာ  
နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာတိ။ ။ဒသမံ။

ရာဇကာရာမဝဂ္ဂေါ ဒုတိယော။

### တသုဒ္ဓါနံ

သဟဿဗြာဟ္မဏာနန္တ၊ ဒုဂ္ဂတိ အပရေ ဒုဝေ။  
မိတ္တာမစ္စာ ဒုဝေ ဝုတ္တာ၊ တယော စ ဒေဝစာရိကာတိ။

### ၃-သရဏာနိဝဂ္ဂ

#### ၁-ပဌမမဟာနာမသုတ္တ

၁၀၁၇။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သက္ကေသု ဝိဟရတိ ကပိလ-  
ဝတ္ထုသ္မိံ နိဂြောဓာရာမေ။ အထ ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ယေန ဘဂဝါ  
တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒ္ဓိ၊  
ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ဣဒံ  
ဘန္တေ ကပိလဝတ္ထု ဣဒ္ဓဇ္ဇေဝ ဖိတဇ္ဇ ဗာဟုဇဉ် အာကိဏ္ဏမနုဿံ သမ္မာဗျူဟံ၊  
သော ခွါဟံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ ဝါ ပယိရူပါသိတွာ မနောဘာဝနီယေ ဝါ  
ဘိက္ခူ သာယန္တသမယံ ကပိလဝတ္ထု ပဝိသန္တော ဘန္တေနပိ” ဟတ္ထိနာ

၁-ဝိဒ္ဓန္တေနပိ(သိ)၊ ဘမန္တေနပိ(က)

သမာဂစ္ဆာမိ၊ ဘန္တေနပိ အဿေန သမာဂစ္ဆာမိ၊ ဘန္တေနပိ ရထေန သမာဂစ္ဆာမိ၊ ဘန္တေနပိ သကဋေန သမာဂစ္ဆာမိ၊ ဘန္တေနပိ ပုရိသေန သမာဂစ္ဆာမိ။ တဿ မယံ ဘန္တေ တသ္မိံ သမယေ မုဿတေဝ<sup>၁</sup> ဘဂဝန္တံ အာရဗ္ဘ သတိ၊ မုဿတိ<sup>၂</sup> ဓမ္မံ အာရဗ္ဘ သတိ၊ မုဿတိ သံဃံ အာရဗ္ဘ သတိ။ တဿ မယံ ဘန္တေ ဧဝံ ဟောတိ “ဣမမ္ပိ စာဟံ သမယေ ကာလံ ကရေယျံ၊ ကာ မယံ ဂတိ၊ ကော အဘိသမ္ပရာယော”တိ။

မာ ဘာယိ မဟာနာမ၊ မာ ဘာယိ မဟာနာမ၊ အပါပကံ တေ မရဏံ ဘဝိဿတိ အပါပိကာ ကာလံကိရိယာ<sup>၃</sup>။ ယဿ ကဿစိ မဟာနာမ ဒီဃရတ္တံ သဒ္ဓါပရိဘာဝိတံ စိတ္တံ၊ သီလပရိဘာဝိတံ စိတ္တံ၊ သုတပရိဘာဝိတံ စိတ္တံ၊ စာဂပရိဘာဝိတံ စိတ္တံ၊ ပညာပရိဘာဝိတံ စိတ္တံ၊ တဿ ယော ဟိ ခွါယံ ကာယော ရူပီ စာတုမဟာဘူတိကော<sup>၄</sup> မာတာပေတ္တိကသမ္ဘဝေါ ဩဒန- ကုမ္မာသုပစယော အနိစ္စုက္ခာဒနပရိမဒ္ဒနဘေဒနဝိဒ္ဓံသနဓမ္မော။ တံ ဣဓေဝ ကာကာ ဝါ ခါဒန္တိ၊ ဂိဇ္ဈာ ဝါ ခါဒန္တိ၊ ကုလလာ ဝါ ခါဒန္တိ၊ သုနခါ ဝါ ခါဒန္တိ၊ သိင်္ဂါလာ<sup>၅</sup> ဝါ ခါဒန္တိ၊ ဝိဝိဓာ ဝါ ပါဏကဇာတာ ခါဒန္တိ။ ယဉ္စ ခုဿ စိတ္တံ ဒီဃရတ္တံ သဒ္ဓါပရိဘာဝိတံ။ ပ။ ပညာပရိဘာဝိတံ၊ တံ ဥဒ္ဓဂါမိ ဟောတိ ဝိသေသဂါမိ။

သေယျထာပိ မဟာနာမ ပုရိသော သပ္ပိကုန္တံ ဝါ တေလကုန္တံ ဝါ ဂမ္ဘိရံ ဥဒကရဟဒံ ဩဂါဟိတွာ ဘိန္နေယျ။ တတြ ယာ အဿ သက္ခရာ ဝါ ကဋ္ဌလာ<sup>၆</sup> ဝါ၊ သာ အဓောဂါမီ အဿ။ ယဉ္စ ခုဿ တတြ သပ္ပိ ဝါ တေလံ ဝါ၊ တံ ဥဒ္ဓဂါမိ အဿ ဝိသေသဂါမိ။ ဧဝေဝ ခေါ မဟာနာမ ယဿ ကဿစိ ဒီဃရတ္တံ သဒ္ဓါပရိဘာဝိတံ စိတ္တံ။ ပ။ ပညာပရိဘာဝိတံ စိတ္တံ။ တဿ ယော ဟိ ခွါယံ ကာယော ရူပီ စာတုမဟာဘူတိကော မာတာပေတ္တိက- သမ္ဘဝေါ ဩဒနကုမ္မာသုပစယော အနိစ္စုက္ခာဒနပရိမဒ္ဒနဘေဒနဝိဒ္ဓံသနဓမ္မော။ တံ ဣဓေဝ ကာကာ ဝါ ခါဒန္တိ၊ ဂိဇ္ဈာ ဝါ ခါဒန္တိ၊ ကုလလာ ဝါ ခါဒန္တိ၊ သုနခါ ဝါ ခါဒန္တိ၊ သိင်္ဂါလာ ဝါ ခါဒန္တိ၊ ဝိဝိဓာ ဝါ ပါဏကဇာတာ ခါဒန္တိ။ ယဉ္စ ခုဿ စိတ္တံ ဒီဃရတ္တံ သဒ္ဓါပရိဘာဝိတံ။ ပ။ ပညာပရိဘာဝိတံ၊ တံ ဥဒ္ဓဂါမိ ဟောတိ ဝိသေသဂါမိ။ တုယံ ခေါ ပန မဟာနာမ ဒီဃရတ္တံ သဒ္ဓါပရိဘာဝိတံ စိတ္တံ။ ပ။ ပညာပရိဘာဝိတံ စိတ္တံ၊ မာ ဘာယိ

၁-မုဿတေဝ(?)      ၂-မုဿတိ(?)      ၃-ကာလကိရိယာ (သီ၊ သျှ၊ ကံ)  
၄-စာတုမဟာဘူတိကော (သီ၊ သျှ၊ ကံ)      ၅-သိင်္ဂါလာ (သီ၊ သျှ၊ ကံ၊ ဣ)      ၆-ကဏလာ (ဣ၊ က)



မဟာနာမ၊ မာ ဘာယိ မဟာနာမ၊ အပါပကံ တေ မရဏံ ဘဝိဿတိ  
အပါပိကာ ကာလံကိရိယာတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ဒုတိယမဟာနာမသုတ္တ

၁၀၁၈။ ဧဝံ မေ သုတံ—ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သက္ကေသု ဝိဟရတိ ကဝိလ-  
ဝတ္ထုသ္မိံ နိဂြောဓာရာမေ။ အထ ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ယေန ဘဂဝါ  
တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊  
ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ  
“ဣဒံ ဘန္တေ ကဝိလဝတ္ထု၊ ဣဒ္ဓဉ္စေဝ ဖိတဉ္စ ဗာဟုဇညံ အာကိဏ္ဏမနုဿံ  
သမ္မာဓဗျူဟံ၊ သော ခွါဟံ ဘန္တေ ဘဂဝန္တံ ဝါ ပယိရူပါသိတွာ မနော-  
ဘာဝနိယေ ဝါ ဘိက္ခူ၊ သာယန္တသမယံ ကဝိလဝတ္ထု၊ ပဝိသန္တော ဘန္တေနပိ  
ဟတ္ထိနာ သမာဂစ္ဆာမိ၊ ဘန္တေနပိ အဿေန သမာဂစ္ဆာမိ၊ ဘန္တေနပိ  
ရထေန သမာဂစ္ဆာမိ၊ ဘန္တေနပိ သကဋေန သမာဂစ္ဆာမိ၊ ဘန္တေနပိ  
ပုရိသေန သမာဂစ္ဆာမိ၊ တဿ မယံ ဘန္တေ တသ္မိံ သမယေ မုဿတေဝ  
ဘဂဝန္တံ အာရဗ္ဘ သတိ၊ မုဿတိ ဓမ္မံ အာရဗ္ဘ သတိ၊ မုဿတိ သံဃံ အာရဗ္ဘ  
သတိ။ တဿ မယံ ဘန္တေ ဧဝံ ဟောတိ “ဣမံ စာဟံ သမယေ ကာလံ-  
ကရေယျံ၊ ကာ မယံ ဂတိ၊ ကော အဘိသမ္ပရာယော”တိ။

မာ ဘာယိ မဟာနာမ၊ မာ ဘာယိ မဟာနာမ၊ အပါပကံ တေ မရဏံ  
ဘဝိဿတိ အပါပိကာ ကာလံကိရိယာ။ စတူဟိ ခေါ မဟာနာမ ဓမ္မေဟိ  
သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော နိဗ္ဗာနနိန္နော ဟောတိ နိဗ္ဗာနပေါဏော  
နိဗ္ဗာနပတ္တာရော။ ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣဓ မဟာနာမ အရိယသာဝကော  
ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။  
သတ္တာဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ အရိယကန္တေဟိ  
သီလေဟိ သမန္တာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ ပ။ သမာဓိသံဝတ္ထုနိကေဟိ။

သေယျထာပိ မဟာနာမ ရုက္ခော ပါစီနနိန္နော ပါစီနပေါဏော ပါစီန-  
ပတ္တာရော၊ သော မူလန္တိန္နော ကတမေန ပပတေယျာတိ။ ယေန ဘန္တေ နိန္နော  
ယေန ပေါဏော ယေန ပတ္တာရေတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ မဟာနာမ ဣမေဟိ  
စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော နိဗ္ဗာနနိန္နော ဟောတိ  
နိဗ္ဗာနပေါဏော နိဗ္ဗာနပတ္တာရေတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-ဂေါဓသက္ကသုတ္တ

၁၀၁၉။ ကပိလဝတ္ထုနိဒါနံ။ အထ ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ယေန ဂေါဓာ သက္ကော တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဂေါဓံ သက္ကံ တေဒဝေါစ “ကတိဟိ” တံ ဂေါဓေ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတံ သောတာပန္နပုဂ္ဂလံ အာဇာနာသိ အဝိနိပါတဓမ္မံ နိယတံ သမ္မောဓိပရာယဏန္တိ။

တိဟိ ခွါဟံ မဟာနာမ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတံ သောတာပန္နပုဂ္ဂလံ အာဇာနာသိ အဝိနိပါတဓမ္မံ နိယတံ သမ္မောဓိပရာယဏံ။ ကတမေဟိ တိဟိ၊ ဣဓ မဟာနာမ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “သုပ္ပုဂ္ဂိပန္နော ဘဂဝတော သာဝကသံဃော။ပ။ အနတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿာ”တိ။ ဣမေဟိ ခွါဟံ မဟာနာမ တိဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတံ သောတာပန္နပုဂ္ဂလံ အာဇာနာသိ အဝိနိပါတဓမ္မံ နိယတံ သမ္မောဓိပရာယဏံ။

တံ ပန မဟာနာမ ကတိဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတံ သောတာပန္နပုဂ္ဂလံ အာဇာနာသိ အဝိနိပါတဓမ္မံ နိယတံ သမ္မောဓိပရာယဏန္တိ။ စတူဟိ ခွါဟံ ဂေါဓေ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတံ သောတာပန္နပုဂ္ဂလံ အာဇာနာသိ အဝိနိပါတဓမ္မံ နိယတံ သမ္မောဓိပရာယဏံ။ ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣဓ ဂေါဓေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အာရေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ ခွါဟံ ဂေါဓေ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတံ သောတာပန္နပုဂ္ဂလံ အာဇာနာသိ အဝိနိပါတဓမ္မံ နိယတံ သမ္မောဓိပရာယဏန္တိ။

အာဂမေဟိ တံ မဟာနာမ၊ အာဂမေဟိ တံ မဟာနာမ၊ ဘဂဝါဝ ဧတံ ဇာနေယျ ဧတေဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတံ ဝါ အသမန္နာဂတံ ဝါတိ၊ အာယာမ ဂေါဓေ၊ ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမေယျာမ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝတော တေမတ္ထံ အာရောစေဿာမာတိ။ အထ ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ဂေါဓာ စ သက္ကော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိသု၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိသု၊ ဧကမန္တံ နိသီန္နော ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—

ဣဓာဟံ ဘန္တေ ယေန ဂေါဓာ သက္ကော တေနပသင်္ကမိ။ ဥပသင်္ကမိတွာ ဂေါဓံ သက္ကံ တေဒဝေါစံ “ကတိဟိ တံ ဂေါဓေ ဓမ္မေဟိ သမန္ဓာဂတံ သောတာပန္နပုဂ္ဂလံ အာဇာနာသိ အဝိနိပါတဓမ္မံ နိယတံ သမ္မောဓိပရာယဏံ”။ ဧဝံ ဝုတ္တေ ဘန္တေ ဂေါဓာ သက္ကော မံ တေဒဝေါစံ—

တိဟိ ခွါဟံ မဟာနာမ ဓမ္မေဟိ သမန္ဓာဂတံ သောတာပန္နပုဂ္ဂလံ အာဇာနာသိ အဝိနိပါတဓမ္မံ နိယတံ သမ္မောဓိပရာယဏံ။ ကတမေဟိ တိဟိ၊ ဣဓ မဟာနာမ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္ထာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂတော ဟောတိ “သုပ္ပုဂ္ဂိပန္နော ဘဂဝတော သာဝကသံဃော။ ပ။ အနုတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿာ”တိ။ ဣမေဟိ ခွါဟံ မဟာနာမ တိဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္ဓာဂတံ သောတာပန္နပုဂ္ဂလံ အာဇာနာသိ အဝိနိပါတဓမ္မံ နိယတံ သမ္မောဓိပရာယဏံ။ တံ ပန မဟာနာမ ကတမေဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္ဓာဂတံ သောတာပန္နပုဂ္ဂလံ အာဇာနာသိ အဝိနိပါတဓမ္မံ နိယတံ သမ္မောဓိပရာယဏန္တိ။

ဧဝံ ဝုတ္တာဟံ ဘန္တေ ဂေါဓံ သက္ကံ တေဒဝေါစံ “စတူဟိ ခွါဟံ ဂေါဓေ ဓမ္မေဟိ သမန္ဓာဂတံ သောတာပန္နပုဂ္ဂလံ အာဇာနာသိ အဝိနိပါတဓမ္မံ နိယတံ သမ္မောဓိပရာယဏံ။ ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣဓ ဂေါဓေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂတော ဟောတိ ‘ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္ထာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ’တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ ခွါဟံ ဂေါဓေ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္ဓာဂတံ သောတာပန္နပုဂ္ဂလံ အာဇာနာသိ အဝိနိပါတဓမ္မံ နိယတံ သမ္မောဓိပရာယဏ”န္တိ။

ဧဝံ ဝုတ္တေ ဘန္တေ ဂေါဓာ သက္ကော မံ တေဒဝေါစံ “အာဂမေဟိ တံ မဟာနာမ၊ အာဂမေဟိ တံ မဟာနာမ၊ ဘဂဝါ ဧတံ ဇာနေယျ ဧတေဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္ဓာဂတံ ဝါ အသမန္ဓာဂတံ ဝါ”တိ။ ဣဓ ဘန္တေ ကောစိဒေဝ ဓမ္မော သမုပ္ပါဒေါ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ၊ ဧကတော အဿ ဘဂဝါ ဧကတော ဘိက္ခုသံဃော စ၊ ယေနေဝ ဘဂဝါ၊ တေနေဝါဟံ အဿံ၊ ဧဝံ ပသန္တံ မံ ဘန္တေ ဘဂဝါ ဓာရေတု။ ဣဓ ဘန္တေ ကောစိဒေဝ ဓမ္မော သမုပ္ပါဒေါ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ၊ ဧကတော အဿ ဘဂဝါ၊ ဧကတော ဘိက္ခုသံဃော ဘိက္ခုနီသံဃော စ၊ ယေနေဝ ဘဂဝါ၊ တေနေဝါဟံ အဿံ၊ ဧဝံ ပသန္တံ မံ ဘန္တေ ဘဂဝါ ဓာရေတု။ ဣဓ ဘန္တေ ကောစိဒေဝ ဓမ္မော သမုပ္ပါဒေါ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ၊ ဧကတော အဿ ဘဂဝါ၊ ဧကတော

ဘိက္ခုသံဃော ဘိက္ခုနီသံဃော စ ဥပါသကာ စ၊ ယေနော ဘဂဝါ၊ တေနော-  
ဝါဟံ အဿံ၊ ဧဝံ ပသန္တံ မံ ဘန္တေ ဘဂဝါ ဓာရေတု။ ဣမ ဘန္တေ ကောစိ-  
ဒေဝ ဓမ္မော သမုပ္ပါဒေါ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ၊ ဧကတော အဿ ဘဂဝါ၊ ဧကတော  
ဘိက္ခုသံဃော ဘိက္ခုနီသံဃော ဥပါသကာ ဥပါသိကာယော စ၊ ယေနော  
ဘဂဝါ၊ တေနောဝါဟံ အဿံ၊ ဧဝံ ပသန္တံ မံ ဘန္တေ ဘဂဝါ ဓာရေတု။ ဣမ ဘန္တေ  
ကောစိဒေဝ ဓမ္မော သမုပ္ပါဒေါ ဥပ္ပဇ္ဇေယျ၊ ဧကတော အဿ ဘဂဝါ၊ ဧကတော  
ဘိက္ခုသံဃော ဘိက္ခုနီသံဃော ဥပါသကာ ဥပါသိကာယော သဒေဝကော စ  
လောကော သမာရကော သဗြဟ္မကော သဿမဏဗြာဟ္မဏီ ပဇာ သဒေဝ-  
မနုဿာ၊ ယေနော ဘဂဝါ၊ တေနောဝါဟံ အဿံ၊ ဧဝံ ပသန္တံ မံ ဘန္တေ  
ဘဂဝါ ဓာရေတုတိ။ ဧဝံဝါဒီ တံ ဂေါဓေ မဟာနာမံ သက္ကံ ကိံ ဝဒေသီတိ။  
ဧဝံဝါဒါဟံ ဘန္တေ မဟာနာမံ သက္ကံ န ကိဉ္စိ ဝဒါမိ အညတြ ကလျာဏာ  
အညတြ ကုသလာတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ပဌမသရဏာနိသက္ကသုတ္တ

၁၀၂၀။ ကပိလဝတ္ထုနိဒါနံ။ တေန ခေါပန သမယေန သရဏာနိ သက္ကော  
ကာလင်္ကတော ဟောတိ၊ သော ဘဂဝတာ ဗျာကတော “သောတာပန္နော  
အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”တိ။ တတြ သုဒ္ဓံ သမ္မဟုလာ  
သက္ကာ သင်္ဂမ္မ သမာဂမ္မ ဥဇ္ဈာယန္တိ ဒီယန္တိ ဝိပါစေန္တိ “အစ္ဆရိယံဝတ ဘော၊  
အဗ္ဘုတံဝတ ဘော၊ ဧတ္ထ ဒါနိ ကော န သောတာပန္နော ဘဝိဿတိ၊  
ယတြ ဟိ နာမ သရဏာနိ သက္ကော ကာလင်္ကတော၊ သော ဘဂဝတာ  
ဗျာကတော ‘သောတာပန္နော အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယ-  
ဏော’တိ။ သရဏာနိ သက္ကော သိက္ခာဒုဗ္ဗလုမာပါဒိ၊ မဇ္ဇေပါနံ အပါယိ”တိ။

အထ ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသီန္တော  
ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ—ဣမ ဘန္တေ သရဏာနိ  
သက္ကော ကာလင်္ကတော၊ သော ဘဂဝတာ ဗျာကတော “သောတာပန္နော  
အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”တိ။ တတြ သုဒ္ဓံ ဘန္တေ  
သမ္မဟုလာသက္ကာ သင်္ဂမ္မ သမာဂမ္မ ဥဇ္ဈာယန္တိ ဒီယန္တိ ဝိပါစေန္တိ “အစ္ဆရိယံဝတ  
ဘော၊ အဗ္ဘုတံဝတ ဘော၊ ဧတ္ထ ဒါနိ ကော န သောတာပန္နော ဘဝိဿတိ၊  
ယတြ ဟိ နာမ သရဏာနိ သက္ကော ကာလင်္ကတော၊ သော ဘဂဝတာ

ဗျာကတော ‘သောတာပန္နော အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယ-  
ဏော’တိ၊ သရဏာနိ သက္ကော သိက္ခာဒုဗ္ဗလျမာပါဒိ၊ မဇ္ဇပါနံ အပါယိ”တိ။

ယော သော မဟာနာမ ဒီဃရတ္တံ ဥပါသကော ဗုဒ္ဓံ သရဏံ ဂတော၊ ဓမ္မံ  
သရဏံ ဂတော၊ သံဃံ သရဏံ ဂတော၊ သော ကထံ ဝိနိပါတံ ဂစ္ဆေယျ။ ယံ ဟိ  
တံ မဟာနာမ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ “ဒီဃရတ္တံ ဥပါသကော ဗုဒ္ဓံ သရဏံ  
ဂတော၊ ဓမ္မံ သရဏံ ဂတော၊ သံဃံ သရဏံ ဂတော”တိ။ သရဏာနိ သက္ကံ  
သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ၊ သရဏာနိ မဟာနာမ သက္ကော ဒီဃရတ္တံ  
ဥပါသကော ဗုဒ္ဓံ သရဏံ ဂတော၊ ဓမ္မံ သရဏံ ဂတော၊ သံဃံ သရဏံ ဂတော၊  
သော ကထံ ဝိနိပါတံ ဂစ္ဆေယျ။

ဣဓ မဟာနာမ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော  
ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါဘဂဝါ”တိ။  
ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ ဟာသပညော၊ ဇဝနပညော၊ ဝိမုတ္တိယာ စ သမန္နာဂတော၊  
သော အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ  
သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရတိ။ အယမ္ပိ ခေါ မဟာနာမ  
ပုဂ္ဂလော ပရိမုတ္တော နိရယာ၊ ပရိမုတ္တော တိရစ္ဆာနယောနိယာ၊ ပရိမုတ္တော  
ပေတ္တိဝိသယာ၊ ပရိမုတ္တော အပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတာ။

ဣဓ ပန မဟာနာမ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာ-  
ဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ  
ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ ဟာသပညော၊ ဇဝနပညော၊ န စ ဝိမုတ္တိယာ  
သမန္နာဂတော၊ သော ပဉ္စန္ဒံ ဩရုပ္ပာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ  
ဩပပါတိကော ဟောတိ တတ္ထ ပရိနိဗ္ဗာယီ အနာဝတ္တိဓမ္မော တဿာ<sup>၁</sup>  
လောကာ၊ အယမ္ပိ ခေါ မဟာနာမ ပုဂ္ဂလော ပရိမုတ္တော နိရယာ၊ ပရိမုတ္တော  
တိရစ္ဆာနယောနိယာ၊ ပရိမုတ္တော ပေတ္တိဝိသယာ၊ ပရိမုတ္တော အပါယဒုဂ္ဂတိ-  
ဝိနိပါတာ။

“ဣဓ ပန မဟာနာမ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာ-  
ဂတော ဟောတိ ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ  
ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ န ဟာသပညော၊ န ဇဝနပညော၊ န စ ဝိမုတ္တိယာ  
သမန္နာဂတော၊ သော တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ ရာဂဒေါသမောဟာနံ  
တနုတ္တာ သကဒါဂါမီ ဟောတိ၊ သကိဒေဝ ဣမံ လောကံ အာဂန္တာ ဒုက္ခဿန္တံ

ကရောတိ၊ အယဗ္ဗိ ခေါ မဟာနာမ ပုဂ္ဂလော ပရိမုတ္တော နိရယာ၊ ပရိမုတ္တော တိရစ္ဆာနယောနိယာ၊ ပရိမုတ္တော ပေတ္တိဝိသယာ၊ ပရိမုတ္တော အပါယဒုဂ္ဂတိ-  
ဝိနိပါတာ။

ဣဓ ပန မဟာနာမ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာ-  
ဂတော ဟောတိ “ဣတိဝိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ  
ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ န ဟာသပညော၊ န ဇဝနပညော၊ န စ  
ဝိမုတ္တိယာ သမန္နာဂတော၊ သော တိတ္ထံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ သောတာ-  
ပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏောတိ။ အယဗ္ဗိ  
ခေါ မဟာနာမ ပုဂ္ဂလော ပရိမုတ္တော နိရယာ၊ ပရိမုတ္တော တိရစ္ဆာနယောနိယာ၊  
ပရိမုတ္တော ပေတ္တိဝိသယာ၊ ပရိမုတ္တော အပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတာ။

ဣဓ ပန မဟာနာမ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော န ဟေဝ ခေါ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန  
သမန္နာဂတော ဟောတိ။ န ဓမ္မေ။ပ။ န သံဃေ။ပ။ န ဟာသပညော၊ န ဇဝန-  
ပညော၊ န စ ဝိမုတ္တိယာ သမန္နာဂတော။ အဝိ စဿ ဣမေ ဓမ္မာ ဟောန္တိ  
သဒ္ဓိန္ဒြိယံ ဝီရိယိန္ဒြိယံ သတိန္ဒြိယံ သမာဓိန္ဒြိယံ ပညိန္ဒြိယံ၊ တထာဂတပ္ပဝေဒိတာ  
စဿ ဓမ္မာ ပညာယ မတ္တသော နိဇ္ဈာနံ ခမန္တိ၊ အယဗ္ဗိ ခေါ မဟာနာမ  
ပုဂ္ဂလော အဂန္တာ နိရယံ အဂန္တာ တိရစ္ဆာနယောနိ အဂန္တာ ပေတ္တိဝိသယံ  
အဂန္တာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ။

ဣဓ ပန မဟာနာမ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော န ဟေဝ ခေါ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပ-  
သာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ။ န ဓမ္မေ။ပ။ န သံဃေ။ပ။ န ဟာသ-  
ပညော၊ န ဇဝနပညော၊ န စ ဝိမုတ္တိယာ သမန္နာဂတော။ အဝိ စဿ ဣမေ ဓမ္မာ  
ဟောန္တိ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ။ တထာဂတေ စဿ သဒ္ဓါမတ္တံ ဟောတိ  
ပေမမတ္တံ။ အယဗ္ဗိ ခေါ မဟာနာမ ပုဂ္ဂလော အဂန္တာ နိရယံ အဂန္တာ  
တိရစ္ဆာနယောနိ အဂန္တာ ပေတ္တိဝိသယံ အဂန္တာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ။  
ဣမေ စေဝိ မဟာနာမ မဟာသာလာ သုဘာသိတံ ဒုဗ္ဘာသိတံ အာဇာနေယျ၊  
ဣမေစာဟံ<sup>၁</sup> မဟာသာလေ ဗျာကရေယျံ “သောတာပန္နာ အဝိနိပါတဓမ္မာ  
နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာ”တိ၊ ကိမင်္ဂ<sup>၂</sup> ပန သရဏာနိ သက္ကံ၊ သရဏာနိ  
မဟာနာမ သက္ကော မရဏကာလေ သိက္ခံ သမာဗိယိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-ဒုတိယသရဏာနိသက္ကသုတ္တ

၁၀၂၁။ ကပိလဝတ္ထုနိဒါနံ။ တေန ခေါ ပန သမယေန သရဏာနိ သက္ကော ကာလင်္ကတော ဟောတိ။ သော ဘဂဝတာ ဗျာကတော “သောတာပန္နော အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”တိ။ တတြ သုဒ္ဓံ သမ္ပဟုလာ သက္ကာ သင်္ဂမ္မ သမာဂမ္မ ဥဇ္ဈာယန္တိ ခီယန္တိ ဝိပါစေန္တိ “အတ္ထရိယံ ဝတ ဘော၊ အပ္ပုတံ ဝတ ဘော၊ ဧတ္ထ ဒါနိ ကော န သောတာပန္နော ဘဝိဿတိ၊ ယတြ ဟိ နာမ သရဏာနိ သက္ကော ကာလင်္ကတော၊ သော ဘဂဝတာ ဗျာကတော ‘သောတာပန္နော အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော’တိ။ သရဏာနိ သက္ကော သိက္ခာယ အပရိပူရကာရီ အဟောသိ”တိ။ အထ ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—

“ဣဓ ဘန္တေ သရဏာနိ သက္ကော ကာလင်္ကတော၊ သော ဘဂဝတာ ဗျာကတော ‘သောတာပန္နော အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော’တိ။ တတြ သုဒ္ဓံ ဘန္တေ သမ္ပဟုလာ သက္ကာ သင်္ဂမ္မ သမာဂမ္မ ဥဇ္ဈာယန္တိ ခီယန္တိ ဝိပါစေန္တိ ‘အတ္ထရိယံ ဝတ ဘော၊ အပ္ပုတံ ဝတ ဘော၊ ဧတ္ထ ဒါနိ ကော န သောတာပန္နော ဘဝိဿတိ၊ ယတြ ဟိ နာမ သရဏာနိ သက္ကော ကာလင်္ကတော၊ သော ဘဂဝတာ ဗျာကတော ‘သောတာပန္နော အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော’တိ။ သရဏာနိ သက္ကော သိက္ခာယ အပရိပူရကာရီ အဟောသိ”တိ။

ယော သော မဟာနာမ ဒီဃရတ္တံ ဥပါသကော ဗုဒ္ဓံ သရဏံ ဂတော၊ ဓမ္မံ သရဏံ ဂတော၊ သံဃံ သရဏံ ဂတော၊ သော ကထံ ဝိနိပါတံ ဂစ္ဆေယျ။ ယံ ဟိ တံ မဟာနာမ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ “ဒီဃရတ္တံ ဥပါသကော ဗုဒ္ဓံ သရဏံ ဂတော၊ ဓမ္မံ သရဏံ ဂတော၊ သံဃံ သရဏံ ဂတော”။ သရဏာနိ သက္ကံ သမ္မာ ဝဒမာနော ဝဒေယျ “သရဏာနိ မဟာနာမ သက္ကော ဒီဃရတ္တံ ဥပါသကော ဗုဒ္ဓံ သရဏံ ဂတော၊ ဓမ္မံ သရဏံ ဂတော၊ သံဃံ သရဏံ ဂတော၊ သော ကထံ ဝိနိပါတံ ဂစ္ဆေယျ”။

ဣဓ မဟာနာမ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော ဗုဒ္ဓေ ဧကန္တဂတော ဟောတိ အဘိပ္ပသန္နော “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ ဟာသပညော၊ ဇဝနပညော၊ ဝိမုတ္တိယာ စ

သမန္တာဂတော၊ သော အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သန္တိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရတိ၊ အယဗ္ဗိ ခေါ မဟာနာမ ပုဂ္ဂလော ပရိမုတ္တော နိရယာ၊ ပရိမုတ္တော တိရစ္ဆာနယောနိယာ၊ ပရိမုတ္တော ပေတ္တိဝိသယာ၊ ပရိမုတ္တော အပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတာ။

ဣဓ ပန မဟာနာမ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော ဗုဒ္ဓေ ဧကန္တဂတော ဟောတိ အဘိပ္ပသန္ဓော “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ ဟာသပညော၊ ဇဝနပညော၊ န စ ဝိမုတ္တိယာ သမန္တာဂတော၊ သော ပဉ္စန္ဒံ ဩရဟ္မဂိယာနံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယိ ဟောတိ၊ ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယိ ဟောတိ၊ အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယိ ဟောတိ၊ သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယိ ဟောတိ၊ ဥဗ္ဘိသောတော ဟောတိ အကနိဋ္ဌဂါမီ။ အယဗ္ဗိ ခေါ မဟာနာမ ပုဂ္ဂလော ပရိမုတ္တော နိရယာ၊ ပရိမုတ္တော တိရစ္ဆာနယောနိယာ၊ ပရိမုတ္တော ပေတ္တိဝိသယာ၊ ပရိမုတ္တော အပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတာ။

ဣဓ ပန မဟာနာမ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော ဗုဒ္ဓေ ဧကန္တဂတော ဟောတိ အဘိပ္ပသန္ဓော “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ န ဟာသပညော၊ န ဇဝနပညော၊ န စ ဝိမုတ္တိယာ သမန္တာဂတော၊ သော တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ ရာဂဒေါသမောဟာနံ တနုတ္တာ သကဒါဂါမီ ဟောတိ၊ သကိဒေဝ ဣမံ လောကံ အာဂန္တာ ဒုက္ခဿန္တံ ကရေတိ။ အယဗ္ဗိ ခေါ မဟာနာမ ပုဂ္ဂလော ပရိမုတ္တော နိရယာ၊ ပရိမုတ္တော တိရစ္ဆာနယောနိယာ၊ ပရိမုတ္တော ပေတ္တိဝိသယာ၊ ပရိမုတ္တော အပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတာ။

ဣဓ ပန မဟာနာမ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော ဗုဒ္ဓေ ဧကန္တဂတော ဟောတိ အဘိပ္ပသန္ဓော “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ န ဟာသပညော၊ န ဇဝနပညော၊ န စ ဝိမုတ္တိယာ သမန္တာဂတော။ သော တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော၊ အယဗ္ဗိ ခေါ မဟာနာမ ပုဂ္ဂလော ပရိမုတ္တော နိရယာ၊ ပရိမုတ္တော တိရစ္ဆာနယောနိယာ၊ ပရိမုတ္တော ပေတ္တိဝိသယာ၊ ပရိမုတ္တော အပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတာ။

ဣဓ ပန မဟာနာမ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော န ဟေဝ ခေါ ဗုဒ္ဓေ ဧကန္တဂတော ဟောတိ အဘိပ္ပသန္ဓော။ပ။ န ဓမ္မေ။ပ။ န သံဃေ။ပ။ န ဟာသပညော၊ န ဇဝနပညော၊ န စ ဝိမုတ္တိယာ သမန္တာဂတော၊ အပိ စဿ ဣမေ ဓမ္မာ ဟောန္တိ



သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ၊ တထာဂတပ္ပဝေဒိတော စဿ ဓမ္မော ပညာယ မတ္တသော နိဇ္ဈာနံ ခမန္တိ။ အယဗ္ဗိ ခေါ မဟာနာမ ပုဂ္ဂလော အဂန္တာ နိရယံ အဂန္တာ တိရစ္ဆာနယောနိ အဂန္တာ ပေတ္တိဝိသယံ အဂန္တာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိ ဝိနိပါတံ။

ဣဓ ပန မဟာနာမ ဧကစ္စော ပုဂ္ဂလော န ဟေဝ ခေါ ဗုဒ္ဓေ ဧကန္တဂတော ဟောတိ အဘိပ္ပသန္ဓော။ န ဓမ္မေ။ပ။ န သံဃေ။ပ။ န ဟာသပညော၊ န ဇဝနပညော၊ န စ ဝိမုတ္တိယာ သမန္တာဂတော။ အပိ စဿ ဣမေ ဓမ္မော ဟောန္တိ သဒ္ဓိန္ဒြိယံ။ပ။ ပညိန္ဒြိယံ၊ တထာဂတေ စဿ သဒ္ဓါမတ္တံ ဟောတိ ပေမမတ္တံ။ အယဗ္ဗိ ခေါ မဟာနာမ ပုဂ္ဂလော အဂန္တာ နိရယံ အဂန္တာ တိရစ္ဆာနယောနိ အဂန္တာ ပေတ္တိဝိသယံ အဂန္တာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိ ဝိနိပါတံ။

သေယျထာပိ မဟာနာမ ဒုက္ခေတ္တံ ဒုပ္ပန္နံ အဝိဟတခါဏုကံ၊ ဗီဇာနိ စဿ ခဏှာနိ ပူတီနိ ဝါတာတပဟတာနိ အသာရာဒါနိ အသုခသယိတာနိ<sup>၁</sup>၊ ဒေဝေါ စ န သမ္မာ<sup>၂</sup> ဓာရံ အနုပ္ပဝေစ္ဆေယျ၊ အပိ န တာနိ ဗီဇာနိ ဝုဒ္ဓိ ဝိရုဋ္ဌိ ဝေပုလ္လံ အာပဇ္ဇေယျန္တိ။ နော ဟေတံ ဘန္တေ။ ဧဝမေဝ ခေါ မဟာနာမ ဣဓ ဓမ္မော ဒုရက္ခာတော<sup>၃</sup> ဟောတိ ဒုပ္ပဝေဒိတော အနိယျာနိကော အနုပသမသံဝတ္တ- နိကော အသမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓပ္ပဝေဒိတော။ ဣဒမဟံ ဒုက္ခေတ္တသ္မိ ဝဒါမိ၊ တသ္မိ စ ဓမ္မေ သာဝကော ဝိဟရတိ ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပန္နော သာမီစိပ္ပဋိပန္နော အနုဓမ္မစာရိ၊ ဣဒမဟံ ဒုဗ္ဗိဇေသ္မိ ဝဒါမိ။

သေယျထာပိ မဟာနာမ သုခေတ္တံ သုဘူမံ သုဝိဟတခါဏုကံ၊ ဗီဇာနိ စဿ အခဏှာနိ အပူတီနိ အဝါတာတပဟတာနိ သာရာဒါနိ သုခသယိတာနိ၊ ဒေဝေါ စ<sup>၄</sup> သမ္မာ ဓာရံ အနုပ္ပဝေစ္ဆေယျ။ အပိ န တာနိ ဗီဇာနိ ဝုဒ္ဓိ ဝိရုဋ္ဌိ ဝေပုလ္လံ အာပဇ္ဇေယျန္တိ။ ဧဝံ ဘန္တေ။ ဧဝမေဝ ခေါ မဟာနာမ ဣဓ ဓမ္မော သွာက္ခာတော ဟောတိ သုပ္ပဝေဒိတော နိယျာနိကော ဥပသမသံဝတ္တ- နိကော သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓပ္ပဝေဒိတော၊ ဣဒမဟံ သုခေတ္တသ္မိ ဝဒါမိ၊ တသ္မိ စ ဓမ္မေ သာဝကော ဝိဟရတိ ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပန္နော သာမီစိပ္ပဋိပန္နော အနုဓမ္မစာရိ၊ ဣဒမဟံ သုဗ္ဗိဇေသ္မိ ဝဒါမိ၊ ကိမင်္ဂ ပန သရဏာနိ သက္ကံ၊ သရဏာနိ မဟာနာမ သက္ကော မရဏကာလေ သိက္ခာယ ပရိပူရကာရိ အဟော- သီတိ။ ။ပဉ္စမံ။

၁-အသုခါယသယိတာနိ(က)

၂-ဒေဝေါ ပန သမ္မာ (သျှ၊ကံ)၊ ဒေဝေါ န သမ္မာ (က) ဒီ-၂-၂၇၉-ပိဋကိ။

၃-ဒွါက္ခာတော (ဣ၊က)

၄-ဒေဝေါ စဿ (သျှ၊ကံ၊က)

## ၆-ပဌမအနာထပိဏ္ဍိကသုတ္တ

၁၀၂၂။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တေန ခေါပန သမယေန အနာထပိဏ္ဍိကော ဂဟပတိ အာဗာဓိကော ဟောတိ ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂီလာနော။ အထ ခေါ အနာထပိဏ္ဍိကော ဂဟပတိ အညတရံ ပုရိသံ အာမန္တေသိ “ဟေ တံ အဟ္မော ပုရိသ ယေနာယသ္မာ သာရိပုတ္တော တေနပသင်္ကမ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ မမ ဝစနေန အာယသ္မတော သာရိပုတ္တဿ ပါဒေ သိရသာ ဝန္တတိ။ အနာထပိဏ္ဍိကော ဘန္တေ ဂဟပတိ အာဗာဓိကော ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂီလာနော၊ သော အာယသ္မတော သာရိပုတ္တဿ ပါဒေ သိရသာ ဝန္တတိ”တိ။ ဧဝံ ဝဒေဟိ “သာဓု ကိရ ဘန္တေ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ယေန အနာထပိဏ္ဍိကဿ ဂဟပတိဿ နိဝေသနံ၊ တေနပသင်္ကမတု အနုကမ္ပံ ဥပါဒါယာ”တိ။

“ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ သော ပုရိသော အနာထပိဏ္ဍိကဿ ဂဟပတိဿ ပဋိဿုတွာ ယေနာယသ္မာ သာရိပုတ္တော တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မန္တံ သာရိပုတ္တံ အဘိဝါဒေတွာ ကေမန္တံ နိသီဒိ၊ ကေမန္တံ နိသိန္ဒော ခေါ သော ပုရိသော အာယသ္မန္တံ သာရိပုတ္တံ တေဒဝေါစ—

အနာထပိဏ္ဍိကော ဘန္တေ ဂဟပတိ အာဗာဓိကော ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂီလာနော၊ သော အာယသ္မတော သာရိပုတ္တဿ ပါဒေ သိရသာ ဝန္တတိ။ ဧဝံ ဝဒေဟိ “သာဓု ကိရ ဘန္တေ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ယေန အနာထပိဏ္ဍိကဿ ဂဟပတိဿ နိဝေသနံ၊ တေနပသင်္ကမတု အနုကမ္ပံ ဥပါဒါယာ”တိ။ အဓိဝါသေသိ ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော တုဏှိဘာဝေန။

အထ ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီဝရမာဒါယ အာယသ္မတာ အာနန္တေန ပစ္စာသမဏေန ယေန အနာထပိဏ္ဍိကဿ ဂဟပတိဿ နိဝေသနံ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ပညတ္တေ အာသနေ နိသီဒိ၊ နိသဇ္ဇ ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော အနာထပိဏ္ဍိကံ ဂဟပတိံ တေဒဝေါစ “ကစ္စိ တေ ဂဟပတိ ခမနိယံ၊ ကစ္စိ ယာပနိယံ၊ ကစ္စိ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ ပဋိက္ခမန္တိ၊ နော အဘိက္ခမန္တိ၊ ပဋိက္ခမောသာနံ ပညာယတိ၊ နော အဘိက္ခမော”တိ။ န မေ ဘန္တေ ခမနိယံ၊ န ယာပနိယံ၊ ဗာဠု မေ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ အဘိက္ခမန္တိ၊ နော ပဋိက္ခမန္တိ၊ အဘိက္ခမောသာနံ ပညာယတိ၊ နော ပဋိက္ခမောတိ။

ယထာရူပေန ခေါ ဂဟပတိ ဗုဒ္ဓေ အပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ

ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပေါ တေ ဗုဒ္ဓေ အပ္ပဿာဒေါ နတ္ထိ၊ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေါ “ဇုတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝ-မနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ၊ တဉ္စ ပန တေ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပေန ခေါ ဂဟပတိ ဓမ္မေ အပ္ပဿာဒေန သမန္တာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပေါ တေ ဓမ္မေ အပ္ပဿာဒေါ နတ္ထိ၊ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ ဓမ္မေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေါ “သွာက္ခာတော ဘဂဝတာ ဓမ္မော။ပ။ ပစ္စတ္တံ ဝေဒိတဗ္ဗော ဝိညူဟိ”တိ၊ တဉ္စ ပန တေ ဓမ္မေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပေန ခေါ ဂဟပတိ သံဃေ အပ္ပဿာဒေန သမန္တာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပေါ တေ သံဃေ အပ္ပဿာဒေါ နတ္ထိ၊ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ သံဃေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေါ “သုပ္ပုဋ္ဌိပန္နော ဘဂဝတော သာဝကသံဃော။ပ။ အနုတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿာ”တိ၊ တဉ္စ ပန တေ သံဃေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပေန ခေါ ဂဟပတိ ဒုဿီလျေန သမန္တာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပံ တေ ဒုဿီလျံ နတ္ထိ။ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ အရိယကန္တာနိ သီလာနိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကာနိ၊ တာနိ စ ပန တေ အရိယကန္တာနိ သီလာနိ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပါယ ခေါ ဂဟပတိ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိယာ သမန္တာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပါ တေ မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ နတ္ထိ။ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ သမ္မာဒိဋ္ဌိ၊ တဉ္စ ပန သမ္မာဒိဋ္ဌိ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပေန ခေါ ဂဟပတိ မိစ္ဆာသင်္ကပ္ပေန သမန္တာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ

ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပေါ တေ ဖိစ္ဆာသင်္ကပ္ပေါ နတ္ထိ။ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ၊ တဉ္စ ပန တေ သမ္မာသင်္ကပ္ပံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပါယ ခေါ ဂဟပတိ ဖိစ္ဆာဝါစာယ သမန္နာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပေါ တေ ဖိစ္ဆာဝါစာ နတ္ထိ။ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ သမ္မာဝါစာ၊ တဉ္စ ပန တေ သမ္မာဝါစံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပေန ခေါ ဂဟပတိ ဖိစ္ဆာကမ္မန္တေန သမန္နာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပေါ တေ ဖိစ္ဆာကမ္မန္တော နတ္ထိ။ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ သမ္မာကမ္မန္တော၊ တဉ္စ ပန တေ သမ္မာကမ္မန္တံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပေန ခေါ ဂဟပတိ ဖိစ္ဆာအာဇီဝေန သမန္နာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပေါ တေ ဖိစ္ဆာအာဇီဝေါ နတ္ထိ။ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ သမ္မာအာဇီဝေါ၊ တဉ္စ ပန တေ သမ္မာအာဇီဝံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပေန ခေါ ဂဟပတိ ဖိစ္ဆာဝါယာမေန သမန္နာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပေါ တေ ဖိစ္ဆာဝါယာမော နတ္ထိ။ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ သမ္မာဝါယာမော၊ တဉ္စ ပန တေ သမ္မာဝါယာမံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပါယ ခေါ ဂဟပတိ ဖိစ္ဆာသတိယာ သမန္နာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပေါ တေ ဖိစ္ဆာသတိ နတ္ထိ။ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ သမ္မာသတိ၊ တဉ္စ ပန တေ သမ္မာသတိံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပေန ခေါ ဂဟပတိ ဖိစ္ဆာသမာဓိနာ သမန္နာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ

ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပေါ တေ မိစ္ဆာသမာဓိ နတ္ထိ။ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ သမ္မာသမာဓိ၊ တဉ္စ ပန တေ သမ္မာသမာဓိံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပေန ခေါ ဂဟပတိ မိစ္ဆာဉာဏေန သမန္နာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပံ တေ မိစ္ဆာဉာဏံ နတ္ထိ။ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ သမ္မာဉာဏံ၊ တဉ္စ ပန တေ သမ္မာဉာဏံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျ။

ယထာရူပါယ ခေါ ဂဟပတိ မိစ္ဆာဝိမုတ္တိယာ သမန္နာဂတော အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ကာယဿ ဘေဒါ ပရံ မရဏာ အပါယံ ဒုဂ္ဂတိံ ဝိနိပါတံ နိရယံ ဥပပဇ္ဇတိ၊ တထာရူပါ တေ မိစ္ဆာဝိမုတ္တိ နတ္ထိ။ အတ္ထိ စ ခေါ တေ ဂဟပတိ သမ္မာဝိမုတ္တိ၊ တဉ္စ ပန တေ သမ္မာဝိမုတ္တိံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တေယျာတိ။

အထ ခေါ အနာထပိဏ္ဍိကဿ ဂဟပတိဿ ဌာနသော ဝေဒနာ ပဋိပ္ပဿန္တိံသု။ အထ ခေါ အနာထပိဏ္ဍိကော ဂဟပတိ အာယသ္မန္တဉ္စ သာရိပုတ္တံ အာယသ္မန္တဉ္စ အာနန္တံ သကေနေဝ ထာလိပါကေန ပရိဝိသိ။ အထ ခေါ အနာထပိဏ္ဍိကော ဂဟပတိ အာယသ္မန္တံ သာရိပုတ္တံ ဘုတ္တာဝိံ ဩနိတပတ္တပါဏိံ အညတရံ နိစာသနံ ဂဟေတွာ ဧကမန္တံ နိသိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသိန္တံ ခေါ အနာထပိဏ္ဍိကံ ဂဟပတိံ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော ဣမာဟိ ဂါထာဟိ အနုမောဒိ—

“ယဿ သဒ္ဓါ တထာဂတေ၊ အစလာ သုပ္ပတိဋ္ဌိတာ။

သီလဉ္စ ယဿ ကလျာဏံ၊ အရိယကန္တံ ပသံသိတံ။

သံဃေ ပသာဒေါ ယဿတ္ထိ၊ ဥဇုဘူတဉ္စ ဒဿနံ။

အဒလိဒ္ဓေါတိံ<sup>၁</sup> တံ အာဟု၊ အမောဃံ တဿ ဇီဝိတံ။

တသ္မာ သဒ္ဓဉ္စ သီလဉ္စ၊ ပသာဒံ ဓမ္မဒဿနံ။

အနုယုဇ္ဈေထ မေဓာဝီ၊ သရံ ဗုဒ္ဓါနသာသနံ”န္တိ။

အထ ခေါ အာယသ္မာ သာရိပုတ္တော အနာထပိဏ္ဍိကံ ဂဟပတိံ ဣမာဟိ ဂါထာဟိ အနုမောဒိတွာ ဥဌာယာသနာ ပက္ကာမိ။

အထ ခေါ် အာယသ္မာ အာနန္ဒော ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္တံ ခေါ် အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ “ဟန္တ ကုတော န တံ အာနန္တ အာဂစ္ဆသိ ဒိဝါ ဒိဝဿာတိ။ အာယသ္မတာ ဘန္တေ သာရိပုတ္တေန အနာထ-  
ပိဏ္ဍိကော ဂဟပတိ ဣမိနာ စ ဣမိနာ စ သြဝါဒေန သြဝေတောတိ။ ပဏ္ဍိတော အာနန္တ သာရိပုတ္တော၊ မဟာပညော အာနန္တ သာရိပုတ္တော၊ ယတြ ဟိ နာမ စတ္တာရိ သောတာပတ္တိယင်္ဂါနိ ဒသဟာကာရေဟိ ဝိဘဇိ-  
ဿတိ”တိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ဒုတိယအနာထပိဏ္ဍိကသုတ္တ

၁၀၂၃။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ တေန ခေါ် ပန သမယေန အနာထပိဏ္ဍိကော ဂဟပတိ အာဗာဓိကော ဟောတိ ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂိလာနော။ အထ ခေါ် အနာထပိဏ္ဍိကော ဂဟပတိ အညတရံ ပုရိသံ အာမန္တေသိ “ဧဟိ တံ အဗ္ဗော ပုရိသ၊ ယေနာယသ္မာ အာနန္ဒော တေနုပသင်္ကမ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ မမ ဝစနေန အာယသ္မတော အာနန္တဿ ပါဒေ သိရသာ ဝန္တု၊ အနာထပိဏ္ဍိကော ဘန္တေ ဂဟပတိ အာဗာဓိကော ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂိလာနော၊ သော အာယသ္မတော အာနန္တဿ ပါဒေ သိရသာ ဝန္တတိတိ၊ ဧဝဉ္စ ဝဒေဟိ ‘သာဓု ကိရ ဘန္တေ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ယေန အနာထပိဏ္ဍိကဿ ဂဟပတိဿ နိဝေသနံ တေနုပသင်္ကမတု၊ အနုကမ္ပံ ဥပါဒါယာ’တိ”။

“ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ် သော ပုရိသော အနာထပိဏ္ဍိကဿ ဂဟပတိဿ ပဋိဿုတွာ ယေနာယသ္မာ အာနန္ဒော တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္တော ခေါ် သော ပုရိသော အာယသ္မန္တံ အာနန္တံ တေဒဝေါစ “အနာထပိဏ္ဍိကော ဘန္တေ ဂဟပတိ အာဗာဓိကော ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂိလာနော၊ သော အာယသ္မတော အာနန္တဿ ပါဒေ သိရသာ ဝန္တတိ၊ ဧဝဉ္စ ဝဒတိ ‘သာဓု ကိရ ဘန္တေ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ယေန အနာထပိဏ္ဍိကဿ ဂဟပတိဿ နိဝေသနံ တေနုပသင်္ကမတု အနုကမ္ပံ ဥပါဒါယာ’တိ”။ အဓိဝါသေသိ ခေါ် အာယသ္မာ အာနန္ဒော တုဏှိဘာဝေန။

အထ ခေါ် အာယသ္မာ အာနန္ဒော ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီဝရ-  
မာဒါယ ယေန အနာထပိဏ္ဍိကဿ ဂဟပတိဿ နိဝေသနံ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ပညတ္တေ အာသနေ နိဿိဒိ၊ နိသဇ္ဇ ခေါ် အာယသ္မာ အာနန္ဒော

အနာထပိဏ္ဍိကံ ဂဟပတိံ တေဒဝေါစ “ကစ္စိ တေ ဂဟပတိ ခမနီယံ၊ ကစ္စိ ယာပနီယံ၊ ကစ္စိ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ ပဋိက္ခမန္တိ၊ နော အဘိက္ခမန္တိ၊ ပဋိက္ခမောသာနံ ပညာယတိ၊ နော အဘိက္ခမော”တိ။ န မေ ဘန္တေ ခမနီယံ၊ န ယာပနီယံ၊ ဗာဠာ မေ ဒုက္ခာ ဝေဒနာ အဘိက္ခမန္တိ၊ နော ပဋိက္ခမန္တိ၊ အဘိက္ခမောသာနံ ပညာယတိ၊ နော ပဋိက္ခမောတိ။

စတူဟိ ခေါ ဂဟပတိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတဿ အဿုတဝတော ပုထုဇ္ဇနဿ ဟောတိ ဥတ္တာသော၊ ဟောတိ ဆန္တိတတ္ထံ၊ ဟောတိ သမ္ပရာယိကံ မရဏဘယံ။ ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣမ ဂဟပတိ အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ဗုဒ္ဓေ အပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ၊ တဉ္စ ပနဿ ဗုဒ္ဓေ အပ္ပသာဒံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဟောတိ ဥတ္တာသော၊ ဟောတိ ဆန္တိတတ္ထံ၊ ဟောတိ သမ္ပရာယိကံ မရဏဘယံ။

ပုန စပရံ ဂဟပတိ အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ဓမ္မေ အပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ၊ တဉ္စ ပနဿ ဓမ္မေ အပ္ပသာဒံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဟောတိ ဥတ္တာသော၊ ဟောတိ ဆန္တိတတ္ထံ၊ ဟောတိ သမ္ပရာယိကံ မရဏဘယံ။

ပုန စပရံ ဂဟပတိ အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော သံဃေ အပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ၊ တဉ္စ ပနဿ သံဃေ အပ္ပသာဒံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဟောတိ ဥတ္တာသော၊ ဟောတိ ဆန္တိတတ္ထံ၊ ဟောတိ သမ္ပရာယိကံ မရဏဘယံ။

ပုန စပရံ ဂဟပတိ အဿုတဝါ ပုထုဇ္ဇနော ဒုဿီလျေန သမန္နာဂတော ဟောတိ၊ တဉ္စ ပနဿ ဒုဿီလျံ အတ္တနိ သမနုပဿတော ဟောတိ ဥတ္တာသော၊ ဟောတိ ဆန္တိတတ္ထံ၊ ဟောတိ သမ္ပရာယိကံ မရဏဘယံ။ ဣမေဟိ ခေါ ဂဟပတိ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတဿ အဿုတဝတော ပုထုဇ္ဇနဿ ဟောတိ ဥတ္တာသော၊ ဟောတိ ဆန္တိတတ္ထံ၊ ဟောတိ သမ္ပရာယိကံ မရဏဘယံ။

စတူဟိ ခေါ ဂဟပတိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတဿ သုတဝတော အရိယသာဝကဿ န ဟောတိ ဥတ္တာသော၊ န ဟောတိ ဆန္တိတတ္ထံ၊ န ဟောတိ သမ္ပရာယိကံ မရဏဘယံ။ ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣမ ဂဟပတိ သုတဝါ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ၊ တဉ္စ ပနဿ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒံ အတ္တနိ သမနုပဿတော န ဟောတိ ဥတ္တာသော၊ န ဟောတိ ဆန္တိတတ္ထံ၊ န ဟောတိ သမ္ပရာယိကံ မရဏဘယံ။

ပုန စပရံ ဂဟပတိ သုတဝါ အရိယသာဝကော ဓမ္မေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “သွာက္ခာတော ဘဂဝတာ ဓမ္မော။ပ။ ပစ္စတ္တံ

ဝေဒိတဗ္ဗော ဝိညူဟီ”တိ၊ တဉ္စ ပနဿ ဓမ္မေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒံ အတ္တနိ သမနုပဿတော န ဟောတိ ဥတ္တာသော၊ န ဟောတိ ဆန္ဒိတတ္ထံ၊ န ဟောတိ သမ္ပရာယိကံ မရဏဘယံ။

ပုန စပရံ ဂဟပတိ သုတဝါ အရိယသာဝကော သံဃေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “သုပ္ပဋိပန္နော ဘဂဝတော သာဝကသံဃော။ ပ။ အနုတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿာ”တိ။ တဉ္စ ပနဿ သံဃေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒံ အတ္တနိ သမနုပဿတော န ဟောတိ ဥတ္တာသော၊ န ဟောတိ ဆန္ဒိတတ္ထံ၊ န ဟောတိ သမ္ပရာယိကံ မရဏဘယံ။

ပုန စပရံ ဂဟပတိ သုတဝါ အရိယသာဝကော အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ၊ တာနိ စ ပနဿ အရိယကန္တာနိ သီလာနိ အတ္တနိ သမနုပဿတော န ဟောတိ ဥတ္တာသော၊ န ဟောတိ ဆန္ဒိတတ္ထံ၊ န ဟောတိ သမ္ပရာယိကံ မရဏဘယံ။ ဣမေဟိ ခေါ ဂဟပတိ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတဿ သုတဝတော အရိယသာဝကဿ န ဟောတိ ဥတ္တာသော၊ န ဟောတိ ဆန္ဒိတတ္ထံ၊ န ဟောတိ သမ္ပရာယိကံ မရဏဘယန္တိ။

နာဟံ ဘန္တေ အာနန္တ ဘာယာမိ၊ ကျာဟံ ဘာယိဿာမိ။ အဟံ ဟိ ဘန္တေ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေန သမန္နာဂတော ဟောမိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေန သမန္နာဂတော ဟောမိ “သုပ္ပဋိပန္နော ဘဂဝတော သာဝကသံဃော။ ပ။ အနုတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿာ”တိ၊ ယာနိ စိမာနိ ဘန္တေ ဘဂဝတာ ဂိဟိသာမိစိကာနိ သိက္ခာပဒါနိ ဒေသိတာနိ၊ နာဟံ တေသံ ကိဉ္စိ အတ္တနိ ခဏ္ဍံ သမနုပဿာမိတိ။ လာဘာ တေ ဂဟပတိ၊ သုလဒ္ဓံ တေ ဂဟပတိ၊ သောတာပတ္တိဖလံ တယာ ဂဟပတိ ဗျာကတန္တိ။ ။သတ္တမံ။

### ဂ-ပဌမဘယဝေဂ္ဂပသန္တသုတ္တ

၁၀၂၄။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ကေမန္တံ နိသိန္တံ ခေါ အနာထပိဏ္ဍိကံ ဂဟပတိ ဘဂဝါ ဧတဒဝေါစ—ယတော ခေါ ဂဟပတိ အရိယသာဝကဿ ပဉ္စ ဘယာနိ ဝေရာနိ ဝုပသန္တာနိ စ ဟောန္တိ၊ စတူဟိ စ သောတာပတ္တိယဂေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ၊ အရိယော စဿ ဉာယော ပညာယ သုဒ္ဓိဋ္ဌော ဟောတိ သုပ္ပဋိဝိဒ္ဓေါ၊ သော အာကင်္ခမာနော အတ္တနာဝ အတ္တာနံ ဗျာကရေယျ၊ ဒီဏနိရယောမိ



ဒီဏတိရစ္ဆာနယောနိ<sup>၁</sup> ဒီဏပေတ္တိဝိသယော ဒီဏာပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတော၊  
သောတာပန္နောဟမသ္မိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော။

ကတမာနိ ပဉ္စ ဘယာနိ ဝေရာနိ ဝူပသန္တာနိ ဟောန္တိ၊ ယံ ဂဟပတိ  
ပါဏာတိပါတိ ပါဏာတိပါတပ္ပစ္စယာ ဒိဋ္ဌဓမ္မိကမ္မိ ဘယံ ဝေရံ ပသဝတိ၊  
သမ္မရာယိကမ္မိ ဘယံ ဝေရံ ပသဝတိ၊ စေတသိကမ္မိ ဒုက္ခံ ဒေါမနဿံ ပဋိ-  
သံဝေဒိယတိ။ ပါဏာတိပါတာ ပဋိဝိရတဿ ဧဝံ တံ ဘယံ ဝေရံ ဝူပသန္တံ  
ဟောတိ။ ယံ ဂဟပတိ အဒိန္နာဒါယိ။ပ။ ယံ ဂဟပတိ ကာမေသုမိစ္ဆာစာရိ။ပ။  
ယံ ဂဟပတိ မုသာဝါဒိ။ပ။ ယံ ဂဟပတိ သုရာမေရယမဇ္ဇပ္ပမာဒဋ္ဌာယိ သုရာမေ-  
ရယမဇ္ဇပ္ပမာဒဋ္ဌာနပ္ပစ္စယာ ဒိဋ္ဌဓမ္မိကမ္မိ ဘယံ ဝေရံ ပသဝတိ၊ သမ္မရာယိကမ္မိ  
ဘယံ ဝေရံ ပသဝတိ၊ စေတသိကမ္မိ ဒုက္ခံ ဒေါမနဿံ ပဋိသံဝေဒိယတိ၊  
သုရာမေရယမဇ္ဇပ္ပမာဒဋ္ဌာနာ ပဋိဝိရတဿ ဧဝံ တံ ဘယံ ဝေရံ ဝူပသန္တံ  
ဟောတိ။ ဣမာနိ ပဉ္စ ဘယာနိ ဝေရာနိ ဝူပသန္တာနိ ဟောန္တိ။

ကတမေဟိ စတူဟိ သောတာပတ္တိယင်္ဂေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ၊ ဣဓ  
ဂဟပတိ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ  
“ဣတိဝိသော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။  
သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။  
သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ စတူဟိ သောတာပတ္တိယင်္ဂေဟိ သမန္နာဂတော  
ဟောတိ။

ကတမော စဿ အရိယော ဉာယော ပညာယ သုဒ္ဓိဋ္ဌော ဟောတိ  
သုပ္ပုဋိဝိဒ္ဓေါ၊ ဣဓ ဂဟပတိ အရိယသာဝကော ပဋိစ္စသမုပ္ပါဒဉာဏံ သာဓုကံ  
ယောနိသော မနသိ ကရောတိ “ဣတိ ဣမသ္မိ” သတိ ဣဒံ ဟောတိ၊ ဣမသုပ္ပါဒါ  
ဣဒံ ဥပ္ပဇ္ဇတိ။ ဣတိ ဣမသ္မိ” အသတိ ဣဒံ န ဟောတိ၊ ဣမဿ နိရောဓာ ဣဒံ  
နိရုဇ္ဈတိ၊ ယဒိဒံ အဝိဇ္ဇာပစ္စယာ သင်္ခါရာ၊ သင်္ခါရပစ္စယာ ဝိညာဏံ။ပ။  
ဧဝမေတဿ ကေဝလဿ ဒုက္ခက္ခန္ဓဿ သမုဒယော ဟောတိ။ အဝိဇ္ဇာယ တွေဝ  
အသေသဝိရာဂနိရောဓာ သင်္ခါရနိရောဓော။ပ။ ဧဝမေတဿ ကေဝလဿ  
ဒုက္ခက္ခန္ဓဿ နိရောဓော ဟောတိ။ အယမဿ အရိယော ဉာယော ပညာယ  
သုဒ္ဓိဋ္ဌော ဟောတိ သုပ္ပုဋိဝိဒ္ဓေါ။

ယတော ခေါ ဂဟပတိ အရိယသာဝကဿ ဣမာနိ ပဉ္စ ဘယာနိ ဝေရာနိ  
ဝူပသန္တာနိ ဟောန္တိ၊ ဣမေဟိ စတူဟိ သောတာပတ္တိယင်္ဂေဟိ သမန္နာဂတော  
ဟောတိ၊ အယဉ္ဇဿ အရိယော ဉာယော ပညာယ သုဒ္ဓိဋ္ဌော ဟောတိ

သုပ္ပဋိဝိဒ္ဓေါ၊ သော အာကင်္ခမာနော အတ္တနာဝ အတ္တာနံ ဗျာကရေယျ “ဒိဏနိရယောမိ ဒိဏတိရစ္ဆာနယောနိ ဒိဏပေတ္တိဝိသယော ဒိဏာပါယဒုဂ္ဂတိ-  
ဝိနိပါတော၊ သောတာပန္နောဟမသ္မိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိ-  
ပရာယဏော”တိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဒုတိယဘယဝေဠုပသန္တသုတ္တ

၁၀၂၅။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ပ။ ယတော ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ  
ဣမာနိ ပဉ္စ ဘယာနိ ဝေရာနိ ဝုပသန္တာနိ ဟောန္တိ၊ ဣမေဟိ စတူဟိ  
သောတာပတ္တိယင်္ဂေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ၊ အယဉ္ဇဿ အရိယော ဤယော  
ပညာယ သုဒ္ဓိဋ္ဌော ဟောတိ သုပ္ပဋိဝိဒ္ဓေါ၊ သော အာကင်္ခမာနော အတ္တနာဝ  
အတ္တာနံ ဗျာကရေယျ “ဒိဏနိရယောမိ ဒိဏတိရစ္ဆာနယောနိ ဒိဏပေတ္တိ-  
ဝိသယော ဒိဏာပါယဒုဂ္ဂတိဝိနိပါတော၊ သောတာပန္နောဟမသ္မိ အဝိနိပါတ-  
ဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”တိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-နန္ဒကလိစ္ဆဝိသုတ္တ

၁၀၂၆။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါဝေသာလိယံ ဝိဟရတိ မဟာဝနေ ကုဋ္ဌာဂါရ-  
သာလာယံ။ အထ ခေါ နန္ဒကော လိစ္ဆဝိမဟာမတ္တော ယေန ဘဂဝါ  
တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊  
ဧကမန္တံ နိသီန္တံ ခေါ နန္ဒကံ လိစ္ဆဝိမဟာမတ္တံ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ—

စတူဟိ ခေါ နန္ဒက ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော  
သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော။  
ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣဓ နန္ဒက အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန  
သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ  
ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာ-  
ဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ ခေါ နန္ဒက  
စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော သောတာပန္နော ဟောတိ  
အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော။

ဣမေဟိ စ ပန နန္ဒက စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော  
အာယုနာ သံယုတ္တော ဟောတိ ဒိဗ္ဗေနပိ မာနုသေနပိ၊ ဝဏ္ဏေန သံယုတ္တော  
ဟောတိ ဒိဗ္ဗေနပိ မာနုသေနပိ၊ သုခေန သံယုတ္တော ဟောတိ ဒိဗ္ဗေနပိ  
မာနုသေနပိ၊ ယသေန သံယုတ္တော ဟောတိ ဒိဗ္ဗေနပိ မာနုသေနပိ၊  
အာဓိပတေယျေန သံယုတ္တော ဟောတိ ဒိဗ္ဗေနပိ မာနုသေနပိ။ တံ ခေါ ပနာဟံ

နန္ဒက နာညဿ သမဏဿ ဝါ မြာဟူဏဿ ဝါ သုတွာ ဝဒါမိ၊ အပိ စ ယဒေဝ မယာ သာမံ ဣတံ သာမံ ဒိဋ္ဌိ သာမံ ဝိဒိတံ၊ တဒေဝါဟံ ဝဒါမိတိ။

ဧဝံ ဝုတ္တေ အညတရော ပုရိသော နန္ဒကံ လိစ္ဆဝိမဟာမတ္တံ တေဒဝေါစ “နဟာနကာလော ဘန္တေ”တိ။ အလံ ဒါနိ ဘဏေ ဧတေန ဗာဟိရေန နဟာနေန၊ အလမိဒံ အဇ္ဈတ္တံ နဟာနံ ဘဝိဿတိ ယဒိဒံ ဘဂဝတိ ပသာဒေါတိ။ ။ဒသမံ။

သရဏာနိဝဂ္ဂေါ တတိယော။

### တသျဒါနံ

မဟာနာမေန ဒွေ ဝုတ္တာ၊ ဂေါဓာ စ သရဏာ ဒုဝေ။  
ဒုဝေ အနာထပိဏ္ဍိကာ၊ ဒုဝေ ဝေရဘယေန စ။  
လိစ္ဆဝိ ဒသမော ဝုတ္တာ၊ ဝဂ္ဂေါ တေန ပဝုစ္စတိတိ။

### ၄-ပုညဘိသန္ဓဝဂ္ဂ

#### ၁-ပဌမပုညဘိသန္ဓသုတ္တ

၁၀၂၇။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ စတ္တာရောမေဘိက္ခဝေပုညဘိသန္ဓာကုသလာဘိသန္ဓာ သုခဿာဟာရေ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ၊ အယံ ပဌမော ပုညဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရေ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဓမ္မေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “သွာက္ခာတော ဘဂဝတာ ဓမ္မော။ ပ။ ပစ္စတ္တံ ဝေဒိတဗ္ဗော ဝိညူဟိ”တိ၊ အယံ ဒုတိယော ပုညဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရေ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော သံဃေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “သုပ္ပဋိပန္နော ဘဂဝတော သာဝကသံဃော။ ပ။ အနုတ္တရံ ပုညက္ခေတ္တံ လောကဿာ”တိ၊ အယံ တတိယော ပုညဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရေ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာ-  
ဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ၊ အယံ စတုတ္ထော  
ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရော။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
စတ္တာရော ပုညာဘိသန္ဓာ ကုသလာဘိသန္ဓာ သုခဿာဟာရတိ။

### ၂-ဒုတိယပုညာဘိသန္ဓသုတ္တ

၁၀၂၈။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ပုညာဘိသန္ဓာ ကုသလာဘိသန္ဓာ  
သုခဿာဟာရ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ  
အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ  
ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ၊ အယံ ပဌမော ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိ-  
သန္ဓော သုခဿာဟာရော။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဝိဂတမလမစ္ဆေရေန စေတသာ  
အဂါရံ အဇ္ဈာဝသတိ မုတ္တစာဂေါပယတပါဏိဝေါဿဂ္ဂရတော ယာစယောဂေါ  
ဒါနသံဝိဘာဂရတော၊ အယံ စတုတ္ထော ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော  
သုခဿာဟာရော။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ပုညာဘိသန္ဓာ ကုသလာ-  
ဘိသန္ဓာ သုခဿာဟာရတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-တတိယပုညာဘိသန္ဓသုတ္တ

၁၀၂၉။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ပုညာဘိသန္ဓာ ကုသလာဘိသန္ဓာ  
သုခဿာဟာရ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ  
အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ  
ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ၊ အယံ ပဌမော ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာ-  
ဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရော။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ပညဝါ ဟောတိ ဥဒယတ္တဂါမိနိယာ  
ပညာယ သမန္နာဂတော အရိယာယ နိဗ္ဗေဒိကာယ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမိနိယာ၊  
အယံ စတုတ္ထော ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရော။  
ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ပုညာဘိသန္ဓာ ကုသလာဘိသန္ဓာ  
သုခဿာဟာရတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-ပဌမဒေဝပဒသုတ္တ

၁၀၃၀။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဒေဝါနံ ဒေဝပဒါနိ အဝိသုဒ္ဓါနံ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ အပရိယောဒါတာနံ သတ္တာနံ ပရိယောဒပနာယ။

ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ၊ ဣဒံ ပဌမံ ဒေဝါနံ ဒေဝပဒံ အဝိသုဒ္ဓါနံ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ အပရိယောဒါတာနံ သတ္တာနံ ပရိယောဒပနာယ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အဓဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣဒံ စတုတ္ထံ ဒေဝါနံ ဒေဝပဒံ အဝိသုဒ္ဓါနံ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ အပရိယောဒါတာနံ သတ္တာနံ ပရိယောဒပနာယ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရိ ဒေဝါနံ ဒေဝပဒါနိ အဝိသုဒ္ဓါနံ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ အပရိယောဒါတာနံ သတ္တာနံ ပရိယောဒပနာယာတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-ဒုတိယဒေဝပဒသုတ္တ

၁၀၃၁။ စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ ဒေဝါနံ ဒေဝပဒါနိ အဝိသုဒ္ဓါနံ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ အပရိယောဒါတာနံ သတ္တာနံ ပရိယောဒပနာယ။

ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ သော ဣတိ ပဋိသဉ္ဇိက္ခတိ “ကိ” န ခေါ ဒေဝါနံ ဒေဝပဒ”န္တိ။ သော ဧဝံ ပဇာနာတိ “အဗျာဗဇ္ဈပရမေ ခွါဟံ ဧတရဟိ ဒေဝေ သုဏာမိ၊ န စ ခေါ ပနာဟံ ကိဉ္စိ ဗျာဗာဓေမိ တသံ ဝါ ထာဝရံ ဝါ၊ အဒ္ဓါဟံ ဒေဝပဒဓမ္မသမန္နာဂတော ဝိဟရာမိ”တိ၊ ဣဒံ ပဌမံ ဒေဝါနံ ဒေဝပဒံ အဝိသုဒ္ဓါနံ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ အပရိယောဒါတာနံ သတ္တာနံ ပရိယောဒပနာယ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အဓဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ၊ သော ဣတိ ပဋိသဉ္ဇိက္ခတိ “ကိ” န ခေါ ဒေဝါနံ ဒေဝပဒ”န္တိ။ သော ဧဝံ ပဇာနာတိ

“အဗျာဗဗ္ဗပရမေ ခွါဟံ တေရဟိ ဒေဝေ သုဏာမိ၊ န ခေါ ပနာဟံ ကိဉ္စ ဗျာဗာဓေမိ တသံ ဝါ ထာဝရံ ဝါ၊ အဋ္ဌါဟံ ဒေဝပဒဓမ္မသမန္ဓာဂတော ဝိဟရာမိ”တိ၊ ဣဒံ စတုတ္ထံ ဒေဝါနံ ဒေဝပဒံ အဝိသုဒ္ဓါနံ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ အပရိယောဒါတာနံ သတ္တာနံ ပရိယောဒပနာယ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရိ ဒေဝါနံ ဒေဝပဒါနိ အဝိသုဒ္ဓါနံ သတ္တာနံ ဝိသုဒ္ဓိယာ အပရိယောဒါတာနံ သတ္တာနံ ပရိယောဒပနာယာတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ဒေဝသဘာဂသုတ္တ

၁၀၃၂။ စတုဟိ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မေဟိ သမန္ဓာဂတံ အတ္တမနာ ဒေဝါ သဘာဂတံ ကထေန္တိ။ ကတမေဟိ စတုဟိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ယာ တာ ဒေဝတာ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂတာ ဣတော စုတာ တတြူပပန္နာ၊ တာသံ ဧဝံ ဟောတိ “ယထာရူပေန ခေါ မယံ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂတာ တတော စုတာ ဣရူပပန္နာ အရိယသာဝကောပိ တထာရူပေန ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂတော ဧဟိတိ ဒေဝါနံ သန္တိကေ”တိ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ၊ ယာ တာ ဒေဝတာ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂတာ ဣတော စုတာ တတြူပပန္နာ၊ တာသံ ဧဝံ ဟောတိ “ယထာရူပေဟိ ခေါ မယံ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂတာ တတော စုတာ ဣရူပပန္နာ အရိယသာဝကောပိ တထာရူပေဟိ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂတော ဧဟိတိ ဒေဝါနံ သန္တိကေ”တိ။ ဣမေဟိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္ဓာဂတံ အတ္တမနာ ဒေဝါ သဘာဂတံ ကထေန္တိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-မဟာနာမသုတ္တ

၁၀၃၃။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သက္ကေသု ဝိဟရတိ ကပိလဝတ္ထုသ္မိ နိဂြောဓာရာမေ။ အထ ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသီန္ဓော ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ—

ကိတ္တာဝတာ န ခေါ ဘန္တေ ဥပါသကော ဟောတိတိ။ ယတော ခေါ မဟာနာမ ဗုဒ္ဓံ သရဏံ ဂတော ဟောတိ၊ ဓမ္မံ သရဏံ ဂတော ဟောတိ။

သံဃံ သရဏံ ဂတော ဟောတိ။ ဧတ္တာဝတာ ခေါ မဟာနာမ ဥပါသကော ဟောတိတိ။

ကိတ္တာဝတာ ပန ဘန္တေ ဥပါသကော သီလသမ္ပန္နော ဟောတိတိ။ ယတော ခေါ မဟာနာမ ဥပါသကော ပါဏာတိပါတာ ပဋိဝိရတော ဟောတိ။ အဒိန္နာဒါနာ ပဋိဝိရတော ဟောတိ။ ကာမေသုမိစ္ဆာစာရာ ပဋိဝိရတော ဟောတိ။ မုသာဝါဒါ ပဋိဝိရတော ဟောတိ။ သုရာမေရယမဇ္ဇပ္ပမာဒဋ္ဌာနာ ပဋိဝိရတော ဟောတိ။ ဧတ္တာဝတာ ခေါ မဟာနာမ ဥပါသကော သီလသမ္ပန္နော ဟောတိတိ။

ကိတ္တာဝတာ ပန ဘန္တေ ဥပါသကော သဒ္ဓါသမ္ပန္နော ဟောတိတိ။ ဣဓ မဟာနာမ ဥပါသကော သဒ္ဓေါ ဟောတိ။ သဒ္ဓဟတိ တထာဂတဿ ဗောဓိံ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဧတ္တာဝတာ ခေါ မဟာနာမ ဥပါသကော သဒ္ဓါသမ္ပန္နော ဟောတိတိ။

ကိတ္တာဝတာ ပန ဘန္တေ ဥပါသကော စာဂသမ္ပန္နော ဟောတိတိ။ ဣဓ မဟာနာမ ဥပါသကော ဝိဂတမလမစ္ဆေရေန စေတဿ အဂါရံ အဇ္ဈာဝသတိ မုတ္တစာဂေါ ပယတပါဏိ ဝေါဿဂ္ဂရတော ယာစယောဂေါ ဒါနသံဝိဘာဂရတော။ ဧတ္တာဝတာ ခေါ မဟာနာမ ဥပါသကော စာဂသမ္ပန္နော ဟောတိတိ။

ကိတ္တာဝတာ ပန ဘန္တေ ဥပါသကော ပညာသမ္ပန္နော ဟောတိတိ။ ဣဓ မဟာနာမ ဥပါသကော ပညာဝါ ဟောတိ။ ဥဒယတ္တဂါမိနိယာ ပညာယ သမန္ဓာဂတော အရိယာယ နိဗ္ဗေဒိကာယ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမိနိယာ။ ဧတ္တာဝတာ ခေါ မဟာနာမ ဥပါသကော ပညာသမ္ပန္နော ဟောတိတိ။ ။သတ္တမံ။

### ဂ-ဝဿသုတ္တ

၁၀၃၄။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဥပရိပဗ္ဗတေ ထုလ္လဗုသိတကေ ဒေဝေ ဝဿန္တေ တံ ဥဒကံ ယထာနိန္ဒံ ပဝတ္တမာနံ ပဗ္ဗတကန္တရပဒရသာခါ ပရိပူရေတိ။ ပဗ္ဗတကန္တရပဒရသာခါ ပရိပူရာ ကုသောဗ္ဗေ ပရိပူရေန္တိ။ ကုသောဗ္ဗာ ပရိပူရာ မဟာသောဗ္ဗေ ပရိပူရေန္တိ။ မဟာသောဗ္ဗာ ပရိပူရာ ကုန္ဒဒိယော ပရိပူရေန္တိ။ ကုန္ဒဒိယော ပရိပူရာ မဟာနဒိယော ပရိပူရေန္တိ။ မဟာနဒိယော ပရိပူရာ မဟာသမုဒ္ဒံ<sup>၁</sup> ပရိပူရေန္တိ။ ဧဝေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ ယော စ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေါ ယော စ ဓမ္မေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေါ ယော စ

သံဃေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေါ ယာနိ စ အရိယကန္တာနိ သီလာနိ၊ ဣမေ ဓမ္မာ သန္တမာနာ ပါရိ ဂန္တာ အာသဝါနံ ခယာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ကာဠိဂေါဓသုတ္တ

၁၀၃၅။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သက္ကေသု ဝိဟရတိ ကပ္ပိလဝတ္ထုသ္မိံ နိဂြောဓာရာမေ။ အထ ခေါ ဘဂဝါ ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီဝရမာဒါယ ယေန ကာဠိဂေါဓာယ သာကိယာနိယာ နိဝေသနံ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ပညတ္တေ အာသနေ နိသီဒိ။ အထ ခေါ ကာဠိဂေါဓာ သာကိယာနိ ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသီန္တံ ခေါ ကာဠိဂေါဓံ သာကိယာနိ ဘဂဝါ ဧတဒဝေါစ—

စတူဟိ ခေါ ဂေါဓေ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတာ အရိယသාරိကာ သောတာပန္နာ ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မာ နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာ။ ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣဓ ဂေါဓေ အရိယသාරိကာ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေန သမန္နာဂတာ ဟောတိ “ဣတိဝိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ ဝိဂတမလမစ္ဆေရေန စေတသာ အဂါရံ အဇ္ဈာဝသတိ မုတ္တစာဂါ ပယတပါဏိနိ ဝေါဿဂ္ဂရတာ ယာစယောဂါ ဒါနသံဝိဘာဂရတာ။ ဣမေဟိ ခေါ ဂေါဓေ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတာ အရိယသාරိကာ သောတာပန္နာ ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မာ နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာတိ။

ယာနိမာနိ ဘန္တေ ဘဂဝတာ စတ္တာရိ သောတာပတ္တိယင်္ဂါနိ ဒေသိတာနိ၊ သံဝိဇ္ဇန္တေတေ ဓမ္မာ မယိ၊ အဟန္တ တေသု ဓမ္မေသု သန္တိဿာမိ၊ အဟံ ဟိ ဘန္တေ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပဿာဒေန သမန္နာဂတာ “ဣတိဝိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ ယံ ခေါ ပန ကိဉ္စိ ကုလေ ဒေယျဓမ္မံ၊ သဗ္ဗံ တံ အပ္ပဋ္ဌိဝိဘတ္တံ သီလဝန္တေဟိ ကလျာဏဓမ္မေဟိတိ။ လာဘာ တေ ဂေါဓေ၊ သုလဒ္ဓံ တေ ဂေါဓေ၊ သောတာပတ္တိဖလံ တယာ ဂေါဓေ ဗျာကတန္တိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-နန္ဒိယသက္ကသုတ္တ

၁၀၃၆။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သက္ကေသု ဝိဟရတိ ကပ္ပိလဝတ္ထုသ္မိံ နိဂြောဓာရာမေ။ အထ ခေါ နန္ဒိယော သက္ကော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသီန္တော



ခေါ နန္ဒိယော သက္ကော ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ “ယဿေဝ န ခေါဘန္တေ အရိယသာဝကဿ စက္ကာရိ သောတာပတ္တိယင်္ဂါနိ သဗ္ဗေန သဗ္ဗံ သဗ္ဗထာ သဗ္ဗံ နတ္ထိ၊ သွေဝ န ခေါ ဘန္တေ အရိယသာဝကော ပမာဒဝိဟာရိ”တိ။

ယဿ ခေါ နန္ဒိယ စက္ကာရိ သောတာပတ္တိယင်္ဂါနိ သဗ္ဗေန သဗ္ဗံ သဗ္ဗထာ သဗ္ဗံ နတ္ထိ၊ တမဟံ ဗာဟိရော ပုထုဇ္ဇနပက္ခေ ဌိတောတိ ဝဒါမိ၊ အပိ စ နန္ဒိယ ယထာ အရိယသာဝကော ပမာဒဝိဟာရိ စေဝ ဟောတိ အပ္ပမာဒဝိဟာရိ စ၊ တံ သုဏာဟိ သာဓုကံ မနသိ ကရောဟိ၊ ဘာသိဿာမီတိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ နန္ဒိယော သက္ကော ဘဂဝတော ပစ္စယောသိ။ ဘဂဝါ ဧတဒဝေါစ—

ကထဉ္စ နန္ဒိယ အရိယသာဝကော ပမာဒဝိဟာရိ ဟောတိ၊ ဣမ နန္ဒိယ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ သော တေန ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သန္တုဋ္ဌော န ဥတ္တရိ ဝါယမတိ ဒိဝါ ပဝိဝေကာယ ရတ္တိံ ပဋိသလ္လာနာယ၊ တဿ ဧဝံ ပမတ္တဿ ဝိဟရတော ပါမောဇ္ဇံ န ဟောတိ၊ ပါမောဇ္ဇေ အသတိ ဝီတိ န ဟောတိ၊ ဝီတိယာ အသတိ ပဿဒ္ဓိ န ဟောတိ၊ ပဿဒ္ဓိယာ အသတိ ဒုက္ခံ ဝိဟရတိ၊ ဒုက္ခိနော စိတ္တံ န သမာဓိယတိ၊ အသမာဟိတေစိတ္တေ ဓမ္မာ န ပါတုဘဝန္တိ၊ ဓမ္မာနံ အပါတုဘာဝါ ပမာဒ-ဝိဟာရိတွေဝ သင်္ချံ ဂစ္ဆတိ။

ပုန စပရံ နန္ဒိယ အရိယသာဝကော ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ၊ သော တေဟိ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သန္တုဋ္ဌော န ဥတ္တရိ ဝါယမတိ ဒိဝါ ပဝိဝေကာယ ရတ္တိံ ပဋိသလ္လာနာယ၊ တဿ ဧဝံ ပမတ္တဿ ဝိဟရတော ပါမောဇ္ဇံ န ဟောတိ၊ ပါမောဇ္ဇေ အသတိ ဝီတိ န ဟောတိ၊ ဝီတိယာ အသတိ ပဿဒ္ဓိ န ဟောတိ၊ ပဿဒ္ဓိယာ အသတိ ဒုက္ခံ ဝိဟရတိ၊ ဒုက္ခိနော စိတ္တံ န သမာဓိယတိ၊ အသမာဟိတေစိတ္တေ ဓမ္မာ န ပါတုဘဝန္တိ၊ ဓမ္မာနံ အပါတုဘာဝါ ပမာဒဝိဟာရိတွေဝ သင်္ချံ ဂစ္ဆတိ။ ဧဝံ ခေါ နန္ဒိယ အရိယသာဝကော ပမာဒဝိဟာရိ ဟောတိ။

ကထဉ္စ နန္ဒိယ အရိယသာဝကော အပ္ပမာဒဝိဟာရိ ဟောတိ၊ ဣမ နန္ဒိယ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ၊ သော တေန ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန အသန္တုဋ္ဌော ဥတ္တရိ ဝါယမတိ ဒိဝါ ပဝိဝေကာယ ရတ္တိံ ပဋိသလ္လာနာယ၊ တဿ ဧဝံ အပ္ပမတ္တဿ ဝိဟရတော ပါမောဇ္ဇံ ဇာယတိ၊

ပမုဒိတဿ ဝီတိ ဇာယတိ၊ ဝီတိမနဿ ကာယော ပဿန္တတိ၊ ပဿဒ္ဓကာယော သုခံ ဝေဒိယတိ၊ သုခိနော စိတ္တံ သမာဓိယတိ၊ သမာဟိတေ စိတ္တေ ဓမ္မာ ပါတုဘဝန္တိ၊ ဓမ္မာနံ ပါတုဘာဝါ အပ္ပမာဒဝိဟာရိတွေဝ သင်္ချံ ဂစ္ဆတိ။

ပုန စပရံ နန္ဒိယ အရိယသာဝကော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ သော တေဟိ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ အသန္တုဋ္ဌော ဥတ္တရိ ဝါယမတိ ဒိဝါ ပဝိဝေကာယ ရတ္တိံ ပဋိသလ္လာနာယ၊ တဿ ဧဝံ အပ္ပမတ္တဿ ဝိဟရတော ပါမောဇ္ဇံ ဇာယတိ၊ ပမုဒိတဿ ဝီတိ ဇာယတိ၊ ဝီတိမနဿ ကာယော ပဿန္တတိ၊ ပဿဒ္ဓကာယော သုခံ ဝေဒိယတိ၊ သုခိနော စိတ္တံ သမာဓိယတိ၊ သမာဟိတေ စိတ္တေ ဓမ္မာ ပါတုဘဝန္တိ၊ ဓမ္မာနံ ပါတုဘာဝါ အပ္ပမာဒဝိဟာရိတွေဝ သင်္ချံ ဂစ္ဆတိ။ ဧဝံ ခေါ နန္ဒိယ အရိယသာဝကော အပ္ပမာဒဝိဟာရိ ဟောတီတိ။ ။ဒသမံ။

ပုညာဘိသန္ဓဝဂ္ဂေါ စတုတ္ထော။

### တသုဒ္ဓါနံ

အဘိသန္ဓာ တယော ဝုတ္တာ၊ ဒုဝေ ဒေဝပဒါနိ စ။  
သဘာဂတံ မဟာနာမော၊ ဝဿံ ကာဠိ စ နန္ဒိယာတိ။

### ၅-သင်္ဂါထကပုညာဘိသန္ဓဝဂ္ဂ

#### ၁-ပဌမအဘိသန္ဓသုတ္တ

၁၀၃၇။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ပုညာဘိသန္ဓာ ကုသလာဘိသန္ဓာ သုခဿာဟာရာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ၊ အယံ ပဌမော ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရော။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္ဓာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ၊ အယံ

စတုတ္ထော ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရော။ ဣမေ  
ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ပုညာဘိသန္ဓာ ကုသလာဘိသန္ဓာ သုခဿာဟာရော။

ဣမေဟိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုဟိ ပုညာဘိသန္ဓေဟိ ကုသလာဘိသန္ဓေဟိ  
သမန္နာဂတဿ အရိယသာဝကဿ န သုကရံ ပုညဿ ပမာဏံ ဂဏေတုံ  
“ဧတ္တကော ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရော”တိ။ အထ  
ခေါ အသင်္ချေယျော အပ္ပမေယျော မဟာပုညက္ခန္ဓောတွေဝ သင်္ချံ ဂစ္ဆတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မဟာသမုဒ္ဒေ န သုကရံ ဥဒကဿ ပမာဏံ ဂဏေတုံ  
“ဧတ္တကာနိ ဥဒကာဠကာနိ”တိ ဝါ “ဧတ္တကာနိ ဥဒကာဠကသတာနိ”တိ ဝါ  
“ဧတ္တကာနိ ဥဒကာဠကသဟဿာနိ”တိ ဝါ “ဧတ္တကာနိ ဥဒကာဠကသတ-  
သဟဿာနိ”တိ ဝါတိ။ အထ ခေါ အသင်္ချေယျော အပ္ပမေယျော မဟာ-  
ဥဒကက္ခန္ဓောတွေဝ သင်္ချံ ဂစ္ဆတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣမေဟိ စတုဟိ  
ပုညာဘိသန္ဓေဟိ ကုသလာဘိသန္ဓေဟိ သမန္နာဂတဿ အရိယသာဝကဿ န  
သုကရံ ပုညဿ ပမာဏံ ဂဏေတုံ “ဧတ္တကော ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိ-  
သန္ဓော သုခဿာဟာရော”တိ။ အထ ခေါ အသင်္ချေယျော အပ္ပမေယျော  
မဟာပုညက္ခန္ဓောတွေဝ သင်္ချံ ဂစ္ဆတိတိ။

ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ။ ဣဒံ ဝတွာန သုဂတော အထာပရံ တေဒဝေါစ  
သတ္တာ—

“မဟောဒမိံ အပရိမိတံ မဟာသရံ၊  
ဗဟုဘေရဝံ ရတနဂဏာနမာလယံ။  
နဇ္ဇော ယထာ နရဂဏသံဃသေဝိတာ၊  
ပုထု သဝန္တိ ဥပယန္တိ သာဂရံ။  
  
ဧပံ နရံ အန္တပါနဝတ္ထဒဒံ၊  
သေယျာနိ ပစ္စတ္တရဏဿ ခါယကံ။  
ပုညဿ ဓာရာ ဥပယန္တိ ပဏ္ဍိတံ၊  
နဇ္ဇော ယထာ ဝါရိဝဟာဝ သာဂရ”န္တိ။

ပဌမံ။

## ၂-ဒုတိယအဘိသန္တသုတ္တ

၁၀၃၈။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ပုညာဘိသန္ဓာ ကုသလာဘိသန္ဓာ သုခဿာဟာရော။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္ဓာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ၊ အယံ ပဌမော ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရော။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဝိဂတမလမစ္ဆေရေန စေတသာ အဂါရံ အဇ္ဈာဝသတိ မုတ္တစာဂေါ ပယတပါဏိ ဝေါဿဂ္ဂရတော ယာစ-  
ယောဂေါ ဒါနသံဝိဘာဂရတော၊ အယံ စတုတ္ထော ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာ-  
ဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရော။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ပုညာဘိသန္ဓာ ကုသလာဘိသန္ဓာ သုခဿာဟာရော။

ဣမေဟိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုဟိ ပုညာဘိသန္ဓေဟိ ကုသလာဘိသန္ဓေဟိ သမန္ဓာဂတဿ အရိယသာဝကဿ န သုကရံ ပုညဿ ပမာဏံ ဂဏေတုံ “ဧတ္တကော ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရော”တိ။ အထ ခေါ အသင်္ချေယျော အပ္ပမေယျော မဟာပုညက္ခန္ဓောတွေဝ သင်္ချံ ဂစ္ဆတိ။

သေယျထာဝိ ဘိက္ခဝေ ယတ္ထိမာ မဟာနဒိယော သံသန္တန္တိ သမေန္တိ။ သေယျထိဒံ၊ ဂင်္ဂါ ယမုနာ အစိရဝတိ သရဘူ မဟိ၊ တတ္ထ န သုကရံ ဥဒကဿ ပမာဏံ ဂဏေတုံ “ဧတ္တကာနိ ဥဒကာဠကာနိ”တိ ဝါ “ဧတ္တကာနိ ဥဒကာဠက-  
သတာနိ”တိ ဝါ “ဧတ္တကာနိ ဥဒကာဠကသဟဿာနိ”တိ ဝါ “ဧတ္တကာနိ ဥဒကာဠကသတသဟဿာနိ”တိ ဝါတိ။ အထ ခေါ အသင်္ချေယျော အပ္ပမေယျော မဟာဥဒကက္ခန္ဓောတွေဝ သင်္ချံ ဂစ္ဆတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဣမေဟိ စတုဟိ ပုညာဘိသန္ဓေဟိ ကုသလာဘိသန္ဓေဟိ သမန္ဓာဂတဿ အရိယသာဝကဿ န သုကရံ ပုညဿ ပမာဏံ ဂဏေတုံ “ဧတ္တကော ပုညာဘိသန္ဓော ကုသလာဘိ-  
သန္ဓော သုခဿာဟာရော”တိ။ အထ ခေါ အသင်္ချေယျော အပ္ပမေယျော မဟာပုညက္ခန္ဓောတွေဝ သင်္ချံ ဂစ္ဆတိတိ။ ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ—

“မဟောဒမိ” အပရိမိတံ မဟာသရံ၊

ဗဟုဘေရဝံ ရတနဂဏာနမာလယံ။

နဇ္ဇော ယထာ နရဂဏသံဃသေဝိတာ၊

ပုထူ သဝန္တိ ဥပယန္တိ သာဂရံ။

ဧဝံ နရံ အန္ဓပါနဝတ္ထဒဿံ၊  
သေယျာနိ ပစ္စတ္တရဏဿ ဝါယကံ။  
ပုညဿ ဓာရာ ဥပယန္တိ ပဏ္ဍိတံ၊  
နဇ္ဇော ယထာ ဝါရိဝဟာဝ သာဂရ”န္တိ။  
ဒုတိယံ။

### ၃-တတိယအဘိသန္ဓသုတ္တ

၁၀၃၉။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ပုညဘိသန္ဓာ ကုသလာဘိသန္ဓာ သုခဿာဟာရာ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ၊ အယံ ပဌမော ပုညဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရာ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။

ပုန စပရံ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ပညဝါ ဟောတိ၊ ဥဒယတ္ထဂါမိနိယာ ပညာယ သမန္နာဂတော အရိယာယ နိဗ္ဗေဓိကာယ သမ္မာ ဒုက္ခက္ခယဂါမိနိယာ၊ အယံ စတုတ္ထော ပုညဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရာ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ပုညဘိသန္ဓာ ကုသလာဘိသန္ဓာ သုခဿာဟာရာ။

ဣမေဟိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုဟိ ပုညဘိသန္ဓေဟိ ကုသလာဘိသန္ဓေဟိ သမန္နာဂတဿ အရိယသာဝကဿ န သုကရံ ပုညဿ ပမာဏံ ဂဏေတုံ “ဧတ္ထကော ပုညဘိသန္ဓော ကုသလာဘိသန္ဓော သုခဿာဟာရာ”တိ။ အထ ခေါ အသင်္ချေယျော အပ္ပမေယျော မဟာပုညက္ခန္ဓောတွေဝ သင်္ချံ ဂစ္ဆတိတိ။ ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ—

“ယော ပုညကာမော ကုသလေ ပတိဋ္ဌိတော၊  
ဘာဝေတိ မဂ္ဂံ အမတဿ ပတ္တိယာ။  
သော ဓမ္မသာရာဓိဂမော ခယေ ရတော၊  
န ဝေဓတိ မစ္စုရာဇာဂမနသ္မိ”န္တိ။

တတိယံ။

## ၄-ပဌမမဟာဗုဒ္ဓသုတ္တ

၁၀၄၀။ စတူဟိ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော အဇော မဟာဗုဒ္ဓော မဟာဘောဂေါတိ<sup>၁</sup> ဝုစ္စတိ။

ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော အဇော မဟာဗုဒ္ဓော မဟာဘောဂေါတိ ဝုစ္စတိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-ဒုတိယမဟာဗုဒ္ဓသုတ္တ

၁၀၄၁။ စတူဟိ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော အဇော မဟာဗုဒ္ဓော မဟာဘောဂေါ မဟာယသောတိ ဝုစ္စတိ။

ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော အဇော မဟာဗုဒ္ဓော မဟာဘောဂေါ မဟာယသောတိ ဝုစ္စတိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

## ၆-သုဒ္ဓကသုတ္တ

၁၀၄၂။ စတူဟိ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော။

ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္နာဂတော အရိယသာဝကော သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ၇-နန္ဒိယသုတ္တ

၁၀၄၃။ ကပိလဝတ္ထုနိဒါနံ။ ဧကမန္တံ နိသိန္တံ ခေါ နန္ဒိယံ သက္ကံ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ “စတူဟိ ခေါ နန္ဒိယ ဓမ္မေဟိ သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော။

ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣဓ နန္ဒိယ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္တာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္တာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ ခေါ နန္ဒိယ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”တိ။ ။သတ္တမံ။

## ၈-ဘဒ္ဒိယသုတ္တ

၁၀၄၄။ ကပိလဝတ္ထုနိဒါနံ။ ဧကမန္တံ နိသိန္တံ ခေါ ဘဒ္ဒိယံ သက္ကံ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ “စတူဟိ ခေါ ဘဒ္ဒိယ ဓမ္မေဟိ သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော။

ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣဓ ဘဒ္ဒိယ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ။ပ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္တာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ ခေါ ဘဒ္ဒိယ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော သောတာပန္နော ဟောတိ၊ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”တိ။ ။အဋ္ဌမံ။

## ၉-မဟာနာမသုတ္တ

၁၀၄၅။ ကပိလဝတ္ထုနိဒါနံ။ ဧကမန္တံ နိသိန္တံ ခေါ မဟာနာမံ သက္ကံ ဘဂဝါ တေဒဝေါစ “စတူဟိ ခေါ မဟာနာမ ဓမ္မေဟိ သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော သောတာပန္နော ဟောတိ။ပ။ သမ္မောဓိပရာယဏော။

ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣဓ မဟာနာမ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ။ပ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္တာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။ ဣမေဟိ ခေါ မဟာနာမ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္တာဂတော အရိယသာဝကော သောတာပန္နော ဟောတိ၊ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော”တိ။ ။နဝမံ။

## ၁၀-အင်္ဂသုတ္တ

၁၀၄၆။ စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ သောတာပတ္တိယင်္ဂါနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊  
သပ္ပုရိသသံသေဝေါ သဒ္ဓမ္မဿဝနံ ယောနိသောမနသိကာရော ဓမ္မာနု-  
ဓမ္မပ္ပဋိပတ္တိ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရိ သောတာပတ္တိယင်္ဂါနိတိ။ ။ဒသမံ။  
သဂါထကပုညဘိသန္ဓဝဂ္ဂေါ ပဉ္စမော။

## တသုဒ္ဓါနံ

အဘိသန္ဓာ တယော ဝုတ္တာ၊ ဒုဝေ မဟဒ္ဓနေန စ။  
သုဒ္ဓိ နန္ဒိယံ ဘဒ္ဒိယံ၊ မဟာနာမဂေန တေ ဒသတိ။

## ၆-သပ္ပညဝဂ္ဂ

## ၁-သဂါထကသုတ္တ

၁၀၄၇။ စတူဟိ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မေဟိ သမန္ဓာဂတော အရိယသာဝကော  
သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏော။

ကတမေဟိ စတူဟိ၊ ဣမ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပ-  
သာဒေန သမန္ဓာဂတော ဟောတိ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ  
ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တေဟိ  
သီလေဟိ သမန္ဓာဂတော ဟောတိ အခဏ္ဍေဟိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိ။  
ဣမေဟိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတူဟိ ဓမ္မေဟိ သမန္ဓာဂတော အရိယသာဝကော  
သောတာပန္နော ဟောတိ အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတော သမ္မောဓိပရာယဏောတိ။  
ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ၊ ဣဒံ ဝတ္တာန သုဂတော အထာပရံ ဧတဒဝေါစ သတ္တာ—

“ယဿ သဒ္ဓါ တထာဂတေ၊ အစလာ သုပ္ပတိဋ္ဌိတာ။  
သီလဉ္စ ယဿ ကလျာဏံ၊ အရိယကန္တံ ပသံသိတံ။  
သံဃေ ပသာဒေါ ယဿတ္ထိ၊ ဥဇ္ဇဘူတဉ္စ ဒဿနံ။  
အဒလိဒ္ဓေါတိ တံ အာဟု၊ အမောဃံ တဿ ဇီဝိတံ။  
တဿှာ သဒ္ဓဉ္စ သီလဉ္စ၊ ပသာဒံ ဓမ္မဒဿနံ။  
အနုယုဉ္စေထ မေဓာဝီ၊ သရံ ဗုဒ္ဓါနုသာသနံ”န္တိ။

ပဌမံ။



## ၂-ဝဿံဝုတ္တသုတ္တ

၁၀၄၈။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သာဝတ္ထိယံ ဝိဟရတိ ဇေတဝနေ အနာထ-  
ပိဏ္ဍိကဿ အာရာမေ။ တေန ခေါ ပန သမယေန အညတရော ဘိက္ခု  
သာဝတ္ထိယံ ဝဿံဝုတ္တော ကပိလဝတ္ထု အနုပ္ပတ္တော ဟောတိ ကေနစိဒေဝ  
ကရဏိယေန။ အဿောသုံ ခေါ ကာပိလဝတ္ထဝါ သကျာ “အညတရော ကိရ  
ဘိက္ခု သာဝတ္ထိယံ ဝဿံဝုတ္တော ကပိလဝတ္ထု အနုပ္ပတ္တော”တိ။

အထ ခေါ ကာပိလဝတ္ထဝါ သကျာ ယေန သော ဘိက္ခု တေနပသင်္ကမိံသု၊  
ဥပသင်္ကမိတွာ တံ ဘိက္ခု အဘိဝါဒေတွာ ကေမန္တ နိသီဒိံသု၊ ကေမန္တ နိသိန္ဒာ  
ခေါ ကာပိလဝတ္ထဝါ သကျာ တံ ဘိက္ခု တေဒဝေါဓုံ “ကစ္စိ ဘန္တေ ဘဂဝါ  
အရောဂေါ စေဝ ဗလဝါ စာတိ။ အရောဂေါ စာဝုသော ဘဂဝါ ဗလဝါ စာတိ။  
ကစ္စိ ပန ဘန္တေ သာရိပုတ္တမောဂ္ဂလ္လာနာ အရောဂေါ စေဝ ဗလဝန္တော စာတိ။  
သာရိပုတ္တမောဂ္ဂလ္လာနာပိ ခေါ အာဝုသော အရောဂေါ စေဝ ဗလဝန္တော စာတိ။  
ကစ္စိ ပန ဘန္တေ ဘိက္ခုသံသော အရောဂေါ စ ဗလဝါ စာတိ။ ဘိက္ခုသံသောပိ  
ခေါ အာဝုသော အရောဂေါ စ ဗလဝါ စာတိ။ အတ္ထိ ပန တေ ဘန္တေ ကိဉ္စိ  
ဣမိနာ အန္တရဝဿေန ဘဂဝတော သမ္မုခါ သုတံ၊ သမ္မုခါ ပဋိဂ္ဂဟိတန္တိ။  
သမ္မုခါ မေတံ အာဝုသော ဘဂဝတော သုတံ၊ သမ္မုခါ ပဋိဂ္ဂဟိတံ “အပ္ပကာ  
တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ ယေ အာသဝါနံ ခယာ အနာသဝံ စေတောဝိမုတ္တိံ  
ပညာဝိမုတ္တိံ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သန္တိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရန္တိ၊ အထ  
ခေါ ဇေတဝ ဗဟုတရာ ဘိက္ခု။ ယေ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ  
ပရိက္ခယာ ဩပပါတိကာ၊ တတ္ထ ပရိနိဗ္ဗာယိနော အနာဝတ္တိဓမ္မော တဿာ  
လောကာ”တိ။

အပရမ္ပိ ခေါ မေ အာဝုသော ဘဂဝတော သမ္မုခါ သုတံ၊ သမ္မုခါ ပဋိဂ္ဂဟိတံ  
“အပ္ပကာ တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ ယေ ပဉ္စန္ဒံ ဩရုက္ခာဂိယာနံ သံယောဇနာနံ  
ပရိက္ခယာ ဩပပါတိကာ၊ တတ္ထ ပရိနိဗ္ဗာယိနော အနာဝတ္တိဓမ္မော တဿာ  
လောကာ၊ အထ ခေါ ဇေတဝ ဗဟုတရာ ဘိက္ခု။ ယေ တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ  
ပရိက္ခယာ ရာဂဒေါသမောဟာနံ တနုတ္တာ သကဒါဂါမိနော သင်္ကဒေဝ ဣမံ  
လောကံ အာဂန္တာ ဒုက္ခဿန္တိ ကရိဿန္တိ”တိ။

အပရမ္ပိ ခေါ မေ အာဝုသော ဘဂဝတော သမ္မုခါ သုတံ၊ သမ္မုခါ ပဋိဂ္ဂဟိတံ  
“အပ္ပကာ တေ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု။ ယေ တိဏ္ဍံ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ  
ရာဂဒေါသမောဟာနံ တနုတ္တာ သကဒါဂါမိနော သင်္ကဒေဝ ဣမံ လောကံ

အာဂန္တော ဒုက္ခဿန္တံ ကရိဿန္တိ၊ အထ ခေါဇတေဝ ဗဟုတရာ ဘိက္ခု။ ယေ တိဏ္ဍိ သံယောဇနာနံ ပရိက္ခယာ သောတာပန္နော အဝိနိပါတဓမ္မော နိယတာ သမ္မောဓိပရာယဏာတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ဓမ္မဒိန္နသုတ္တ

၁၀၄၉။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဗာရာဏသီယံ ဝိဟရတိ ဣသိပတနေ မိဂဒါယေ။ အထ ခေါဓမ္မဒိန္နော ဥပါသကော ပဉ္စဟိ ဥပါသကသတေဟိ သဒ္ဓိံ ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသီန္နော ခေါဓမ္မဒိန္နော ဥပါသကော ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ဩဒေတု နော ဘန္တေ ဘဂဝါ၊ အနုသာသတု နော ဘန္တေ ဘဂဝါ၊ ယံ အမှာကံ အဿ ဝိသရတ္ထံ ဟိတာယ သုခါယာ”တိ။

တသ္မာတိဟ ဝေါဓမ္မဒိန္န ဧဝံ သိက္ခိတဗ္ဗံ “ယေ တေ သုတ္တန္တာ တထာဂတ- ဘာသိတာ ဂမ္ဘီရာ ဂမ္ဘီရတ္ထာ လောကုတ္တရာ သုညတပဋိသံယုတ္တာ၊ တေ ကာလေန ကာလံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရိဿာမာ”တိ၊ ဧဝံ ဟိ ဝေါဓမ္မဒိန္န သိက္ခိတဗ္ဗန္တိ။ န ခေါ နေတံ ဘန္တေ သုကရံ အမှေဟိ ပုတ္တသမ္မာဓဿယနံ အဇ္ဈာဝသန္တေဟိ ကာသိကစန္ဒနံ ပစ္စနဘောန္တေဟိ မာလာဂန္ဓဝိလေပနံ ဓာရယန္တေဟိ ဇာတ- ရူပရဇတံ သာဒိယန္တေဟိ၊ ယေ တေ သုတ္တန္တာ တထာဂတဘာသိတာ ဂမ္ဘီရာ ဂမ္ဘီရတ္ထာ လောကုတ္တရာ သုညတပဋိသံယုတ္တာ၊ တေ ကာလေန ကာလံ ဥပသမ္ပဇ္ဇ ဝိဟရိတုံ၊ တေသံ နော ဘန္တေ ဘဂဝါ အမှာကံ ပဉ္စသု သိက္ခာပဒေသု ဌိတာနံ ဥတ္တရိဓမ္မံ ဒေသေတူတိ။

တသ္မာတိဟ ဝေါဓမ္မဒိန္န ဧဝံ သိက္ခိတဗ္ဗံ “ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတာ ဘဝိဿာမ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတာ ဘဝိဿာမ အခဏ္ဍေဟိ။ ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိတိ။ ဧဝံ ဟိ ဝေါဓမ္မဒိန္န သိက္ခိတဗ္ဗန္တိ။

ယာနိမာနိ ဘန္တေ ဘဂဝတာ စတ္တာရိ သောတာပတ္တိယင်္ဂါနိ ဒေသိတာနိ၊ သံဝိဇ္ဇန္တေတေ ဓမ္မော အမှေသု၊ မယဉ္စ တေသု ဓမ္မေသု သဒ္ဓိဿာမ။ မယံ ဟိ ဘန္တေ ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေန သမန္နာဂတာ “ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါဘဂဝါ”တိ။ ဓမ္မေ။ ပ။ သံဃေ။ ပ။ အရိယကန္တေဟိ သီလေဟိ သမန္နာဂတာ အခဏ္ဍေဟိ။ ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကေဟိတိ။ လာဘာ

ဝေါ ဓမ္မဒိန္န၊ သုလဒ္ဓိံ ဝေါ ဓမ္မဒိန္န၊ သောတာပတ္တိဖလံ တုမှေဟိ ဗျာကတန္တိ။ ။  
တတိယံ။

### ၄-ဝိလာနသုတ္တ

၁၀၅၀။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ သက္ကေသု ဝိဟရတိ ကပိလဝတ္ထုသ္မိံ<sup>၁</sup>  
နိဂြောဓာရာမေ။ တေန ခေါ ပန သမယေန သမ္ပဟုလာ ဘိက္ခု။ ဘဂဝတော  
စီဝရကမ္ပံ ကရေန္တိ “နိဋ္ဌိတစီဝရော ဘဂဝါ တေမာသစ္စယေန စာရိကံ  
ပက္ကမိဿတိ”တိ။ အဿောသိ ခေါ မဟာနာမော သက္ကော “သမ္ပဟုလာ  
ကိရ ဘိက္ခု။ ဘဂဝတော စီဝရကမ္ပံ ကရေန္တိ ‘နိဋ္ဌိတစီဝရော ဘဂဝါ တေမာ-  
သစ္စယေန စာရိကံ ပက္ကမိဿတိ’တိ”။ အထ ခေါ မဟာနာမော သက္ကော  
ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ  
ဧကမန္တံ နိသီဒိ၊ ဧကမန္တံ နိသီန္ဒော ခေါ မဟာနာမော သက္ကော ဘဂဝန္တံ  
ဧတဒဝေါစ “သုတမေတံ ဘန္တေ သမ္ပဟုလာ ကိရ ဘိက္ခု။ ဘဂဝတော  
စီဝရကမ္ပံ ကရေန္တိ ‘နိဋ္ဌိတစီဝရော ဘဂဝါ တေမာသစ္စယေန စာရိကံ  
ပက္ကမိဿတိ’တိ။ န ခေါ နေတံ” ဘန္တေ ဘဂဝတော သမ္ပါခါ သုတံ၊  
သမ္ပါခါ ပဋိဂ္ဂဟိတံ ‘သပ္ပညေန ဥပါသကေန သပ္ပညော ဥပါသကော  
အာဗာဓိကော ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂိလာနော ဩဝဒိတဗ္ဗော’တိ”။

သပ္ပညေန မဟာနာမ ဥပါသကေန သပ္ပညော ဥပါသကော အာဗာဓိကော  
ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂိလာနော စတူဟိ အဿာသနီယေဟိ ဓမ္မေဟိ အဿာသေ-  
တဗ္ဗော “အဿာသတာယသ္မာ၊ အတ္တာယသ္မတော ဗုဒ္ဓေ အဝေစ္စပ္ပသာဒေါ  
‘ဣတိပိ သော ဘဂဝါ။ပ။ သတ္တာ ဒေဝမနုဿာနံ ဗုဒ္ဓေါ ဘဂဝါ’တိ။  
အဿာသတာယသ္မာ၊ အတ္တာယသ္မတော ဓမ္မေ။ပ။ သံဃေ။ပ။ အရိယကန္တာနိ  
သီလာနိ အခဏ္ဍာနိ။ပ။ သမာဓိသံဝတ္တနိကာနိ”တိ။

သပ္ပညေန မဟာနာမ ဥပါသကေန သပ္ပညော ဥပါသကော အာဗာဓိကော  
ဒုက္ခိတော ဗာဠုဂိလာနော ဣမေဟိ စတူဟိ အဿာသနီယေဟိ ဓမ္မေဟိ  
အဿာသေတွာ ဧဝမဿ ဝစနီယော “အတ္တာယသ္မတော မာတာပိတုသု  
အပေက္ခာ”တိ။ သောစေ ဧဝံဝဒေယျ “အတ္ထိမေ မာတာပိတုသု အပေက္ခာ”တိ။  
သော ဧဝမဿ ဝစနီယော “အာယသ္မာ ခေါ မာရိသော မရဏဓမ္မော၊  
သစေပါယသ္မာ မာတာပိတုသု အပေက္ခံ ကရိဿတိ မရိဿတေဝ၊ နော

စေပါယသ္မာ မာတာပိတူသု အပေက္ခံ ကရိဿတိ မရိဿတေဝ။ သာဓာယသ္မာ ယာ တေ မာတာပိတူသု အပေက္ခာ၊ တံ ပဇဟာ”တိ။

သော စေ ဧဝံ ဝဒေယျ “ယာ မေ မာတာပိတူသု အပေက္ခာ၊ သာ ပဟိနာ”တိ။ သော ဧဝမဿ ဝစနိယော “အတ္ထိ ပနာယသ္မတော ပုတ္တဒါရေသု အပေက္ခာ”တိ။ သော စေ ဧဝံ ဝဒေယျ “အတ္ထိ မေ ပုတ္တဒါရေသု အပေက္ခာ”တိ။ သော ဧဝမဿ ဝစနိယော “အာယသ္မာ ခေါ မာရိသော မရဏဓမ္မော၊ သစေပါယသ္မာ ပုတ္တဒါရေသု အပေက္ခံ ကရိဿတိ မရိဿတေဝ။ နော စေပါယသ္မာ ပုတ္တဒါရေသု အပေက္ခံ ကရိဿတိ မရိဿတေဝ။ သာဓာယသ္မာ ယာ တေ ပုတ္တဒါရေသု အပေက္ခာ၊ တံ ပဇဟာ”တိ။

သော စေ ဧဝံ ဝဒေယျ “ယာ မေ ပုတ္တဒါရေသု အပေက္ခာ၊ သာ ပဟိနာတိ။ သော ဧဝမဿ ဝစနိယော “အတ္ထိ ပနာယသ္မတော မာနုသကေသု ပဉ္စသု ကာမဂုဏေသု - အပေက္ခာ”တိ။ သော စေ ဧဝံ ဝဒေယျ “အတ္ထိ မေ မာနုသကေသု ပဉ္စသု ကာမဂုဏေသု အပေက္ခာ”တိ။ သော ဧဝမဿ ဝစနိယော “မာနုသကေဟိ ခေါ အာဝုသော ကာမေဟိ ဒိဗ္ဗာ ကာမာ အဘိက္ကန္တတရာ စ ပဏီတတရာ စ။ သာဓာယသ္မာ မာနုသကေဟိ ကာမေဟိ စိတ္တံ ဝုဠာပေတွာ စာတုမဟာရာဇိကေသု” ဒေဝေသု စိတ္တံ အဓိမောစေဟိ”တိ။

သော စေ ဧဝံ ဝဒေယျ “မာနုသကေဟိ မေ ကာမေဟိ စိတ္တံ ဝုဠိတံ၊ စာတုမဟာရာဇိကေသု ဒေဝေသု စိတ္တံ အဓိမောစိတ”န္တိ။ သော ဧဝမဿ ဝစနိယော “စာတုမဟာရာဇိကေဟိ ခေါ အာဝုသော ဒေဝေဟိ တာဝတိံသာ ဒေဝါ အဘိက္ကန္တတရာ စ ပဏီတတရာ စ။ သာဓာယသ္မာ စာတုမဟာရာဇိကေဟိ ဒေဝေဟိ စိတ္တံ ဝုဠာပေတွာ တာဝတိံသေသု ဒေဝေသု စိတ္တံ အဓိမောစေဟိ”တိ။

သော စေ ဧဝံ ဝဒေယျ “စာတုမဟာရာဇိကေဟိ မေ ဒေဝေဟိ စိတ္တံ ဝုဠိတံ၊ တာဝတိံသေသု ဒေဝေသု စိတ္တံ အဓိမောစိတ”န္တိ။ သော ဧဝမဿ ဝစနိယော “တာဝတိံသေဟိ ခေါ အာဝုသော ဒေဝေဟိ ယာမာ ဒေဝါ။ပ။ တုသိတာ ဒေဝါ။ပ။ နိဗ္ဗာနရတိ ဒေဝါ။ပ။ ပရနိဗ္ဗိတဝသဝတ္တိ ဒေဝါ။ပ။ ပရနိဗ္ဗိတဝသဝတ္တိဟိ ခေါ အာဝုသော ဒေဝေဟိ ဗြဟ္မလောကော အဘိက္ကန္တတရာ စ ပဏီတတရာ စ။ သာဓာယသ္မာ ပရနိဗ္ဗိတဝသဝတ္တိဟိ ဒေဝေဟိ စိတ္တံ ဝုဠာပေတွာ ဗြဟ္မလောကေ စိတ္တံ အဓိမောစေဟိ”တိ။

သော စေ ဧဝံ ဝဒေယျ “ပရနိဗ္ဗိတဝသဝတ္တိဟိ မေ ဒေဝေဟိ စိတ္တံ ဝုဋ္ဌိတံ၊ မြဟ္မလောကေ စိတ္တံ အဓိမောစိတ”န္တိ။ သော ဧဝမဿ ဝစနိယော “မြဟ္မလောကောပိ ခေါ အာဝုသော အနိစ္စော အဗ္ဗုဝေါ သက္ကာယပရိယာပန္နော။ သာဓာယသ္မာ မြဟ္မလောကာ စိတ္တံ ဝုဋ္ဌာပေတွာ သက္ကာယနိရောဓေ စိတ္တံ ဥပသံဟရာဟိ”တိ။

သော စေ ဧဝံ ဝဒေယျ “မြဟ္မလောကာ မေ စိတ္တံ ဝုဋ္ဌိတံ၊ သက္ကာယနိရောဓေ စိတ္တံ ဥပသံဟရာမီ”တိ။ ဧဝံ ဝိမုတ္တစိတ္တဿ ခေါ မဟာနာမ ဥပါသကဿ အာသဝါ<sup>၁</sup> ဝိမုတ္တစိတ္တေန ဘိက္ခုနာ န ကိဉ္စ နာနာကရဏံ ဝဒါမိ၊ ယဒိဒံ ဝိမုတ္တိယာ ဝိမုတ္တန္တိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-သောတာပတ္တိဖလသုတ္တ

၁၀၅၁။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သောတာပတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ သပ္ပုရိသသံသေဝေါ သဒ္ဓမ္မဿဝနံ ယောနိသောမနသိကာရော ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပတ္တိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သောတာပတ္တိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-သကဒါဂါမိဖလသုတ္တ

၁၀၅၂။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ သကဒါဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ စတ္တာရော။ ပ။ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-အနာဂါမိဖလသုတ္တ

၁၀၅၃။ အနာဂါမိဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-အရဟတ္တဖလသုတ္တ

၁၀၅၄။ အရဟတ္တဖလသန္တိကိရိယာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ပညာပဋိလာဘသုတ္တ

၁၀၅၅။ ပညာပဋိလာဘာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။နဝမံ။

**၁၀-ပညာဝုဒ္ဓိသုတ္တ**

၁၀၅၆။ ပညာဝုဒ္ဓိယာ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ဒသမံ။

**၁၁-ပညာဝေပုလ္လသုတ္တ**

၁၀၅၇။ ပညာဝေပုလ္လာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ဧကောဒသမံ။

သပ္ပညဝဂ္ဂေါ ဆဋ္ဌော။

**တသျဒ္ဓါနံ**

သဂါထကံ ဝဿံဝုတ္တံ၊ ဓမ္မဒိန္နဉ္စ ဂိလာနံ။  
စတုရော ဖလာ ပဋိလာဘော၊ ဝုဒ္ဓိ ဝေပုလ္လတာယ စာတိ။

**၇-မဟာပညဝဂ္ဂ****၁-မဟာပညာသုတ္တ**

၁၀၅၈။ စတ္တာရောမေ ဘိက္ခဝေ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟာပညာ-  
တာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ သပ္ပုရိသသံသေဝေါ သဒ္ဓမ္မဿဝနံ  
ယောနိသောမနသိကာရော ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပတ္တိ။ ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရော  
ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ မဟာပညတာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ပဌမံ။

**၂-ပုထုပညာသုတ္တ**

၁၀၅၉။ ပုထုပညတာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ဒုတိယံ။

**၃-ဝိပုလပညာသုတ္တ**

၁၀၆၀။ ဝိပုလပညတာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။တတိယံ။

**၄-ဂန္ထိရပညာသုတ္တ**

၁၀၆၁။ ဂန္ထိရပညတာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။စတုတ္ထံ။

**၅-အပ္ပမတ္တပညာသုတ္တ**

၁၀၆၂။ အပ္ပမတ္တပညတာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ပဉ္စမံ။

**၆-ဘူရိပညာသုတ္တ**

၁၀၆၃။ ဘူရိပညတာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

**၇-ပညာဗာဟုလ္လာသုတ္တ**

၁၀၆၄။ ပညာဗာဟုလ္လာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။သတ္တမံ။

**၈-သီဃပညာသုတ္တ**

၁၀၆၅။ သီဃပညတာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

**၉-လဟုပညာသုတ္တ**

၁၀၆၆။ လဟုပညတာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။နဝမံ။

**၁၀-ဟာသပညာသုတ္တ**

၁၀၆၇။ ဟာသပညတာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ဒသမံ။

**၁၁-ဇဝနပညာသုတ္တ**

၁၀၆၈။ ဇဝနပညတာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ကောဒသမံ။

**၁၂-တိက္ခပညာသုတ္တ**

၁၀၆၉။ တိက္ခပညတာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။ဒွါဒသမံ။

**၁၃-နိဗ္ဗေဓိကပညာသုတ္တ**

၁၀၇၀။ နိဗ္ဗေဓိကပညတာယ သံဝတ္တန္တိ။ ကတမေ စတ္တာရော၊ သပ္ပုရိသ-  
သံသေဝေါ သဒ္ဓမ္မဿဝနံ ယောနိသောမနသိကာရော ဓမ္မာနုဓမ္မပ္ပဋိပတ္တိ။

ဣမေ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရေ ဓမ္မာ ဘာဝိတာ ဗဟုလိကတာ နိဗ္ဗေဓိကပညာ-  
တာယ သံဝတ္တန္တိတိ။ ။တေရသမံ။

မဟာပညဝဂ္ဂေါ သတ္တမော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

မဟာပုထုဝိပုလ ဂန္တိရံ၊ အပ္ပမတ္တ ဘူရိ ဗာဟုလံ။  
သီဃလဟု ဟာသ ဇဝနံ၊ တိက္ခ နိဗ္ဗေဓိကာယ စာတိ။

သောတာပတ္တိသံယုတ္တံ ကောဒသမံ။



## ၁၂-သဒ္ဓိသံယုတ္တ

၁-သမာဓိဝဂ္ဂ

၁-သမာဓိသုတ္တ

၁၀၇၁။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ပ။ သမာဓိံ ဘိက္ခဝေ ဘာဝေထ၊ သမာဟိတော ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ ကိဉ္စ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ သမာဓိံ ဘိက္ခဝေ ဘာဝေထ၊ သမာဟိတော ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော၊ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ယောဂေါ ကရဏီယော၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ယောဂေါ ကရဏီယော၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ပဌမံ။

၂-ပဋိသလ္လာနသုတ္တ

၁၀၇၂။ ပဋိသလ္လာနေ ဘိက္ခဝေ ယောဂမာပဇ္ဇေထ၊ ပဋိသလ္လိနော ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ ကိဉ္စ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ ပဋိသလ္လာနေ ဘိက္ခဝေ ယောဂမာပဇ္ဇေထ၊ ပဋိသလ္လိနော ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော၊ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ယောဂေါ ကရဏီယော၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ယောဂေါ ကရဏီယော၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-ပဌမကုလပုတ္တသုတ္တ

၁၀၇၃။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ ကုလပုတ္တာ သမ္မာ အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇိဉာဏံ။ သဗ္ဗေ တေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ ယထာဘူတံ အဘိသမယာယ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဒ္ဓါနံ ကုလပုတ္တာ သမ္မာ အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇိဿန္တိ။ သဗ္ဗေ တေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ ယထာဘူတံ အဘိသမယာယ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ ကုလပုတ္တာ သမ္မာ အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇန္တိ။ သဗ္ဗေ တေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ ယထာဘူတံ အဘိသမယာယ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဒုက္ခဿ အရိယသစ္စဿ ဒုက္ခသမုဒယဿ အရိယသစ္စဿ ဒုက္ခနိရောဓဿ အရိယသစ္စဿ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ ကုလပုတ္တာ သမ္မာ အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇိဉာဏံ။ ပ။ ပဗ္ဗဇိဿန္တိ။ ပ။ ပဗ္ဗဇန္တိ။ သဗ္ဗေ တေ ဣမေသံယေဝ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ ယထာဘူတံ အဘိသမယာယ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော၊ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ယောဂေါ ကရဏီယော၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ယောဂေါ ကရဏီယော၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-ဒုတိယကုလပုတ္တသုတ္တ

၁၀၇၄။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ ကုလပုတ္တာ သမ္မာ အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇိတာ ယထာဘူတံ အဘိသမေသုံ၊ သဗ္ဗေ တေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမေသုံ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဒ္ဓါနံ ကုလပုတ္တာ သမ္မာ အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇိတာ ယထာဘူတံ အဘိသမေသန္တိ။ သဗ္ဗေ တေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမေသန္တိ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ ကုလပုတ္တာ သမ္မာ အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇိတာ ယထာဘူတံ အဘိသမေန္တိ။ သဗ္ဗေ တေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမေန္တိ။

ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ ကုလပုတ္တာ သမ္မာ အဂါရသ္မာ အနဂါရိယံ ပဗ္ဗဇိတာ ယထာဘူတံ

အဘိသမေသုံ။ပ။ အဘိသမေဿန္တိ။ပ။ အဘိသမေန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမာနိ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမေန္တိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ပဌမသမဏဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၁၀၇၅။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗောဇ္ဈိံသု၊ သဗ္ဗေတေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗောဇ္ဈိံသု။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗောဇ္ဈိဿန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗောဇ္ဈိဿန္တိ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗောဇ္ဈန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗောဇ္ဈန္တိ။

ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗောဇ္ဈိံသု။ပ။ အဘိသမ္ဗောဇ္ဈိဿန္တိ။ပ။ အဘိသမ္ဗောဇ္ဈန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမာနိ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗောဇ္ဈန္တိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ဒုတိယသမဏဗြာဟ္မဏသုတ္တ

၁၀၇၆။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓံ ပကာသေသုံ၊ သဗ္ဗေ တေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓံ ပကာသေသုံ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဒ္ဓါနံ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓံ ပကာသေဿန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓံ ပကာသေဿန္တိ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ ဧတရဟိ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓံ ပကာသေန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓံ ပကာသေန္တိ။

ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဋ္ဌါနံ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓံ ပကာသေသုံ။ပ။ ပကာသေသန္တိ။ပ။ ပကာသေန္တိ၊ သဗ္ဗေ တေ ဣမာနိ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓံ ပကာသေန္တိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယော”တိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ဝိတက္ကသုတ္တ

၁၀၇၇။ မာ ဘိက္ခဝေ ပါပကေ အကုသလေ ဝိတက္ကေ ဝိတက္ကေယျာထ။ သေယျထိဒံ၊ ကာမဝိတက္ကံ ဗျာပါဒဝိတက္ကံ ဝိဟိံသာဝိတက္ကံ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နေတေ ဘိက္ခဝေ ဝိတက္ကာ အတ္ထသံဟိတာ၊ နာဒိဗြဟ္မစရိယကာ၊ န နိဗ္ဗိဒါယ န ဝိရာဂါယ န နိရောဓာယ န ဥပသမာယ န အဘိညာယ န သမ္မောဓာယ န နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိ။

ဝိတက္ကန္တာ စ ခေါ တုမေ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဝိတက္ကေယျာထ။ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ဝိတက္ကေယျာထ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ဝိတက္ကေယျာထ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ဝိတက္ကေယျာထ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နေတေ ဘိက္ခဝေ ဝိတက္ကာ အတ္ထသံဟိတာ၊ နေတေ အာဒိဗြဟ္မစရိယကာ၊ နေတေ နိဗ္ဗိဒါယ ဝိရာဂါယ နိရောဓာယ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တန္တိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယော”တိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-ဝိန္တသုတ္တ

၁၀၇၈။ မာ ဘိက္ခဝေ ပါပကံ အကုသလံ စိတ္တံ စိန္တေယျာထ၊ “သဿတော လောကော”တိ ဝါ “အသဿတော လောကော”တိ ဝါ၊ “အန္တဝါ လောကော”တိ ဝါ၊ “အနန္တဝါ လောကော”တိ ဝါ၊ “တံ ဇီဝံ တံ သရီရ”န္တိ ဝါ၊ အညံ ဇီဝံ “အညံသရီရ”န္တိ ဝါ၊ “ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ဝါ၊ “န ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ဝါ၊ “ဟောတိ စ န စ

ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ဝါ။ “နေဝ ဟောတိ န န ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ဝါ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နေသာ ဘိက္ခဝေ စိန္တာ အတ္ထသံဟိတာ၊ နာဒိဗြဟ္မစရိယကာ၊ န နိဗ္ဗိဒါယ န ဝိရာဂါယ န နိရောဓာယ န ဥပသမာယ န အဘိညာယ န သမ္မောဓာယ န နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။

စိန္တေန္တာ စ ခေါ တုမေ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ စိန္တေယျာယ။ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ စိန္တေယျာယ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ စိန္တေယျာယ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ စိန္တေယျာယ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နေသာ ဘိက္ခဝေ စိန္တာ အတ္ထသံဟိတာ၊ နေသာ အာဒိဗြဟ္မစရိယကာ၊ နေသာ နိဗ္ဗိဒါယ ဝိရာဂါယ နိရောဓာယ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ဝိဂ္ဂါဟိကကထာသုတ္တ

၁၀၇၉။ မာ ဘိက္ခဝေ ဝိဂ္ဂါဟိကကထံ ကထေယျာယ” “န တံ ဣမံ ဓမ္မဝိနယံ အာဇာနာသိ၊ အဟံ ဣမံ ဓမ္မဝိနယံ အာဇာနာမိ။ ကိံ တံ ဣမံ ဓမ္မဝိနယံ အာဇာနိဿသိ၊ မိစ္ဆာပဋိပန္နော တွမသိ၊ အဟမသ္မိ သမ္မာပဋိပန္နော။ သဟိတံ မေ၊ အသဟိတံ တေ၊ ပုရေဝစနိယံ ပစ္ဆာ အဝစ၊ ပစ္ဆာဝစနိယံ ပုရေ အဝစ။ အဓိစိဏ္ဍိ<sup>၂</sup> တေ ဝိပရာဝတ္တံ၊ အာရောပိတော တေ ဝါဒေါ၊ စရ ဝါဒပ္ပမောက္ခာယ နိဂ္ဂဟိတောသိ၊ နိဗ္ဗေဋ္ဌေဟိ ဝါ သစေ ပဟောသိ”တိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နေသာ ဘိက္ခဝေ ကထာ အတ္ထသံဟိတာ၊ နာဒိဗြဟ္မစရိယကာ၊ န နိဗ္ဗိဒါယ န ဝိရာဂါယ န နိရောဓာယ န ဥပသမာယ န အဘိညာယ န သမ္မောဓာယ န နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။

ကထေန္တာ စ ခေါ တုမေ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ကထေယျာယ။ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ကထေယျာယ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ကထေယျာယ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ကထေယျာယ။ပ။ ယောဂေါ ကရဏီ-ယောတိ။ ။နဝမံ။

## ၁၀-တိရစ္ဆာန်ကထာသုတ္တ

၁၀၈၀။ မာ ဘိက္ခဝေ အနေကဝိဟိတံ တိရစ္ဆာန်ကထံ ကထေယျာဟ။  
 သေယျထိဒံ၊ ရာဇကထံ စောရကထံ မဟာမတ္တကထံ သေနာကထံ  
 ဘယကထံ ယုဒကထံ အန္တကထံ ပါနကထံ ဝတ္ထကထံ သယနကထံ  
 မာလာကထံ ဂန္ဓကထံ ဉာတိကထံ ယာနကထံ ဂါမကထံ နိဂမကထံ  
 နဂရကထံ ဇနပဒကထံ ဣတ္ထိကထံ<sup>၁</sup> သူရကထံ ဝိသိခါကထံ ကုမ္ဘဋ္ဌာနကထံ  
 ပုဗ္ဗပေတကထံ နာနတ္တကထံ လောကက္ခာယိကံ သမုဒ္ဒက္ခာယိကံ ဣတိဘဝါ-  
 ဘဝကထံ ဣတိဝါ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နေသာ ဘိက္ခဝေ ကထာ အတ္ထသံဟိတာ၊  
 နာဒိဗြဟ္မစရိယကာ၊ န နိဗ္ဗိဒါယ န ဝိရာဂါယ န နိရောဓာယ န ဥပသမာယ  
 န အဘိညာယ န သမ္မောဓာယ န နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။

ကထေန္တာ စ ခေါ တုမှေ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ကထေယျာဟ။ “အယံ  
 ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ကထေယျာဟ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ကထေယျာဟ။  
 “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ကထေယျာဟ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နေသာ  
 ဘိက္ခဝေ ကထာ အတ္ထသံဟိတာ၊ နေသာ အာဒိဗြဟ္မစရိယကာ၊ နေသာ နိဗ္ဗိဒါယ  
 ဝိရာဂါယ နိရောဓာယ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ  
 သံဝတ္တတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။  
 “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။

သမာဓိဝဂ္ဂေါ ပဌမော။

## တဿုဒ္ဓါနံ

သမာဓိ ပဋိသလ္လာနာ၊ ကုလပုတ္တာ အပရေ ဒုဝေ။  
 သမဏဗြာဟ္မဏာ ဝိတက္ကံ၊ စိန္တာ ဝိဂ္ဂါဟိကာ ကထာတိ။

## ၂-ဓမ္မစက္ကပ္ပဝတ္ထနဝဂ္ဂ

## ၁-ဓမ္မစက္ကပ္ပဝတ္ထနသုတ္တ

၁၀၈၁။ ဧကံသမယံဘဂဝါဗာရာဏသိယံဝိဟရတိဣသိပတနေမိဂဒါယေ။  
 တတြ ခေါ ဘဂဝါ ပဉ္စဝဂ္ဂိယေ ဘိက္ခူ အာမန္တေသိ—ဒွေမေ ဘိက္ခဝေ အန္တာ

၁-ဣတ္ထိကထံ ပုရိသကထံ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)

ပဗ္ဗဇိတေန န သေဝိတဗ္ဗာ။ ကတမေ ခွေ၊ ယော စာယံ ကာမေသု ကာမ-  
သုခလ္လိကာနုယောဂေါ ဟိနော ဂမ္မော ပေါထုဇ္ဇနိကော အနရိယော အနတ္ထ-  
သံဟိတော၊ ယော စာယံ အတ္တကိလမထာနုယောဂေါ ဒုက္ခော အနရိယော  
အနတ္ထသံဟိတော။ ဧတေ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဥဘော အန္တေ အနုပဂမ္မ မဇ္ဈိမာ  
ပဋိပဒါ တထာဂတေန အဘိသမ္ဗုဒ္ဓါ စက္ခုကရဏီ ဉာဏကရဏီ ဥပသမာယ  
အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။

ကတမာ စ သာ ဘိက္ခဝေ မဇ္ဈိမာ ပဋိပဒါ တထာဂတေန အဘိသမ္ဗုဒ္ဓါ  
စက္ခုကရဏီ ဉာဏကရဏီ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ  
သံဝတ္တတိ၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ  
သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ သမ္မာဝါစာ သမ္မာကမ္မန္တော သမ္မာအာဇီဝေါ သမ္မာဝါယာမော  
သမ္မာသတိ သမ္မာသမာဓိ။ အယံ ခေါ သာ ဘိက္ခဝေ မဇ္ဈိမာ ပဋိပဒါ  
တထာဂတေန အဘိသမ္ဗုဒ္ဓါ စက္ခုကရဏီ ဉာဏကရဏီ ဥပသမာယ အဘိညာယ  
သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။

ဣဒံ ခေါ ပန ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ၊ ဇာတိပိ ဒုက္ခာ၊ ဇရာပိ ဒုက္ခာ၊  
ဗျာဓိပိ ဒုက္ခော၊ မရဏမ္ပိ ဒုက္ခံ၊ အပ္ပိယေဟိ သမ္ပယောဂေါ ဒုက္ခော၊ ပိယေဟိ  
ဝိပ္ပယောဂေါ ဒုက္ခော၊ ယမ္ပိန္တံ န လဘတိ၊ တမ္ပိ ဒုက္ခံ၊ သံခိတ္တေန  
ပဉ္စုပါဒါနက္ခန္ဓာ<sup>၁</sup> ဒုက္ခာ။ ဣဒံ ခေါ ပန ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ၊  
ယာယံ တဏှာ ပေါနောဗ္ဗဝိကာ<sup>၂</sup> နန္ဒိရာဂသဟဂတာ တတြတတြာဘိနန္ဒိနီ။  
သေယျထိဒံ၊ ကာမတဏှာ ဘဝတဏှာ ဝိဘဝတဏှာ။ ဣဒံ ခေါ ပန ဘိက္ခဝေ  
ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ၊ ယော တဿာယေဝ တဏှာယ အသေသဝိရာဂ-  
နိရောဓော စာဂေါ ပဋိနိဿဂ္ဂေါ မုတ္တိ အနာလယော။ ဣဒံ ခေါ ပန ဘိက္ခဝေ  
ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနီ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော  
မဂ္ဂေါ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ ပ။ သမ္မာသမာဓိ။

“ဣဒံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု  
စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော  
ဥဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ပရိညေယျ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ။ ပ။  
ဥဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ပရိညာတ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ  
အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ  
ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။

၁-ပဉ္စုပါဒါနက္ခန္ဓာပိ(ဣက) ၂-ပေါနောဘဝိကာ(သီ၊ဣ) ၃-သေယျထိဒံ(သီ၊သျှ၊ကံ၊ဣ)

“ဣဒံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ပုဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ပုဒပါဒိ၊ ပညာ ပုဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ပုဒပါဒိ၊ အာလောကော ပုဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ပဟာတဗ္ဗ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ။ပ။ ပုဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ပဟိန”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ပုဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ပုဒပါဒိ၊ ပညာ ပုဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ပုဒပါဒိ၊ အာလောကော ပုဒပါဒိ။

“ဣဒံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ပုဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ပုဒပါဒိ၊ ပညာ ပုဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ပုဒပါဒိ၊ အာလောကော ပုဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ သစ္စိကာတဗ္ဗ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ။ပ။ ပုဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ သစ္စိကတ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ပုဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ပုဒပါဒိ၊ ပညာ ပုဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ပုဒပါဒိ၊ အာလောကော ပုဒပါဒိ။

“ဣဒံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနီ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ပုဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ပုဒပါဒိ၊ ပညာ ပုဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ပုဒပါဒိ၊ အာလောကော ပုဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနီ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ ဘာဝေတဗ္ဗ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ။ပ။ ပုဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနီ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ ဘာဝိတ”န္တိ မေ ဘိက္ခဝေ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ပုဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ပုဒပါဒိ၊ ပညာ ပုဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ပုဒပါဒိ၊ အာလောကော ပုဒပါဒိ။

ယာဝကီဝဉ္စ မေ ဘိက္ခဝေ ဣမေသု စတုသု အရိယသစ္စေသု ဧဝံ တိပရိဝဉ္စ ခွါဒသာကာရံ ယထာဘူတံ ဉာဏဒဿနံ န သုဝိသုဒ္ဓိံ အဟောသိ၊ နေဝ တာဝါဟံ ဘိက္ခဝေ သဒေဝကေ လောကေ သမာရကေ သဗြဟ္မကေ သဿမဏဗြာဟ္မဏိယာ ပဇာယ သဒေဝမနုဿာယ အနတ္တရံ သမ္မာသမ္ဗောဓိံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါတိ ပစ္စညာသိ”။

ယတော စ ခေါ မေ ဘိက္ခဝေ ဣမေသု စတုသု အရိယသစ္စေသု ဧဝံ တိပရိဝဉ္စ ခွါဒသာကာရံ ယထာဘူတံ ဉာဏဒဿနံ သုဝိသုဒ္ဓိံ အဟောသိ၊ အထာဟံ ဘိက္ခဝေ သဒေဝကေ လောကေ သမာရကေ သဗြဟ္မကေ သဿမဏဗြာဟ္မဏိယာ ပဇာယ သဒေဝမနုဿာယ အနတ္တရံ သမ္မာသမ္ဗောဓိံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါတိ ပစ္စညာသိ၊ ဉာဏဉ္စ ပန မေ ဒဿနံ ပုဒပါဒိ၊ အကုပ္ပါ မေ



ဝိမုတ္တိ<sup>၁</sup>၊ အယမန္တိမာ ဇာတိ၊ နတ္ထိဒါနိ ပုနဗ္ဗဝေါတိ။ ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ၊  
အတ္တမနာ ပဉ္စဝဂ္ဂိယာ ဘိက္ခု၊ ဘဂဝတော ဘာသိတံ အဘိနန္ဒန္တိ။

ဣမသ္မိ<sup>၂</sup> စ ပန ဝေယျာကရဏသ္မိ<sup>၃</sup> ဘညမာနေ အာယသ္မတော ကောဏ္ဍညဿ  
ဝိရဇံ ဝိတမလံ ဓမ္မစက္ခု ဥဒပါဒိ “ယံ ကိဉ္စိ သမုဒယဓမ္မံ၊ သဗ္ဗံ တံ နိရောဓဓမ္မံ”န္တိ။

ပဝတ္တိတေ စ ပန ဘဂဝတာ ဓမ္မစက္ကေ ဘုဗ္ဗာ ဒေဝါ သဒ္ဓမနုဿာဝေသုံ  
“ဧတံ ဘဂဝတာ ဗာရာဏသီယံ ဣသိပတနေ မိဂဒါယေ အနတ္တရံ ဓမ္မစက္ကံ  
ပဝတ္တိတံ အပ္ပဋိဝတ္တိယံ သမဏေန ဝါ မြာဟ္မဏေန ဝါ ဒေဝေန ဝါ မာရေန  
ဝါ မြဟ္ဗုနာ ဝါ ကေနစိ ဝါ လောကသ္မိ”န္တိ။ ဘုဗ္ဗာနံ ဒေဝါနံ သဒ္ဓံ သုတွာ  
စာတုမဟာရာဇိကာ ဒေဝါ သဒ္ဓမနုဿာဝေသုံ “ဧတံ ဘဂဝတာ ဗာရာဏသီယံ  
ဣသိပတနေ မိဂဒါယေ အနတ္တရံ ဓမ္မစက္ကံ ပဝတ္တိတံ အပ္ပဋိဝတ္တိယံ သမဏေန  
ဝါ မြာဟ္မဏေန ဝါ ဒေဝေန ဝါ မာရေန ဝါ မြဟ္ဗုနာ ဝါ ကေနစိ ဝါ  
လောကသ္မိ”န္တိ။ စာတုမဟာရာဇိကာနံ ဒေဝါနံ သဒ္ဓံ သုတွာ တာဝတိံသာ  
ဒေဝါ။ပ။ ယာမာ ဒေဝါ။ပ။ တုသိတာ ဒေဝါ။ပ။ နိဗ္ဗာနရတိ ဒေဝါ။ပ။  
ပရနိဗ္ဗိတဝသဝတ္တိ ဒေဝါ။ပ။ မြဟ္မကာယိကာ ဒေဝါ သဒ္ဓမနုဿာဝေသုံ “ဧတံ  
ဘဂဝတာ ဗာရာဏသီယံ ဣသိပတနေ မိဂဒါယေ အနတ္တရံ ဓမ္မစက္ကံ ပဝတ္တိတံ  
အပ္ပဋိဝတ္တိယံ သမဏေန ဝါ မြာဟ္မဏေန ဝါ ဒေဝေန ဝါ မာရေန ဝါ မြဟ္ဗုနာ  
ဝါ ကေနစိ ဝါ လောကသ္မိ”န္တိ။

ဣတိဟ တေန ခဏေန (တေန လယေန)<sup>၂</sup> တေန မုဟုတ္တေန ယာဝ  
မြဟ္မလောကာ သဒ္ဓေါ အဗ္ဘုဂ္ဂန္တိ၊ အယဉ္စ ဒသသဟသီလောကဓာတု သင်္ကပ္ပိ  
သမ္ပကမ္ပိ သမ္ပဝေဝိ၊ အပ္ပမာဏော စ ဥဠာရော ဩဘာသော လောကေ  
ပါတုရဟောသိ အတိက္ကမ္ပ ဒေဝါနံ ဒေဝါနုဘာဝန္တိ။

အထ ခေါ ဘဂဝါ ဣမံ ဥဒါနံ ဥဒါနေသိ “အညာသိ ဝတ ဘော  
ကောဏ္ဍညော၊ အညာသိ ဝတ ဘော ကောဏ္ဍညော”တိ။ ဣတိ ဟိဒံ  
အာယသ္မတော ကောဏ္ဍညဿ “အညာသိကောဏ္ဍညော”တွေဝ နာမံ  
အဟောသိတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-တထာဂတသုတ္တ

၁၀၈၂။ “ဣဒံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထာဂတာနံ ပုဗ္ဗေ  
အနနုဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခု ဥဒပါဒိ၊ ဣဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ  
ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ

ပရိညေယျ”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထာဂတာနံ ပုဗ္ဗေ။ပ။ ဥဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ပရိညာတ”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထာဂတာနံ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခုံ ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။

“ဣဒံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စ”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထာဂတာနံ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခုံ ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ပဟာတဗ္ဗ”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထာဂတာနံ ပုဗ္ဗေ။ပ။ ဥဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ပဟိန”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထာဂတာနံ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခုံ ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။

“ဣဒံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စ”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထာဂတာနံ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခုံ ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ သစ္စိကာတဗ္ဗ”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထာဂတာနံ ပုဗ္ဗေ။ပ။ ဥဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ သစ္စိကတ”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထာဂတာနံ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခုံ ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။

“ဣဒံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနီ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စ”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထာဂတာနံ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခုံ ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနီ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ ဘာဝေတဗ္ဗ”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထာဂတာနံ ပုဗ္ဗေ။ပ။ ဥဒပါဒိ။ “တံ ခေါ ပနိဒံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနီ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ ဘာဝိတ”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထာဂတာနံ ပုဗ္ဗေ အနနဿုတေသု ဓမ္မေသု စက္ခုံ ဥဒပါဒိ၊ ဉာဏံ ဥဒပါဒိ၊ ပညာ ဥဒပါဒိ၊ ဝိဇ္ဇာ ဥဒပါဒိ၊ အာလောကော ဥဒပါဒိတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ဓန္ဒသုတ္တ

၁၀၈၃။ စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ အရိယသစ္စာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ<sup>၁</sup> ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနီ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ။

၁-ဒုက္ခသမုဒယော အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓော အရိယသစ္စံ(သျှာ)

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ၊ “ပဉ္စပါဒါနက္ခန္ဓာ”တိဿ ဝစနိယံ။  
သေယျထိဒံ၊ ရူပပါဒါနက္ခန္ဓော။ပ။ ဝိညာဏုပါဒါနက္ခန္ဓော။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ  
ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ၊ ယာယံ တဏှာ ပေါနောဗ္ဗ-  
ဝိကာ နန္ဒိရာဂသဟဂတာ တတြတတြာဘိနန္ဒိနီ။ သေယျထိဒံ၊ ကာမတဏှာ  
ဘဝတဏှာ ဝိဘဝတဏှာ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ၊ ယောတဿာယေဝ တဏှာယ  
အသေသဝိရာဂနိရောဓော စာဂေါ ပဋိနိဿဂ္ဂေါ မုတ္တိ အနာလယော။ ဣဒံ  
ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနီ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ၊ အယမေဝ  
အရိယော အဠာရိကော မဂ္ဂေါ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣဒံ  
ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနီ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ။

တဿာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။  
“အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနီ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-အဇ္ဈတ္တိကာယတနသုတ္တ

၁၀၈၄။ စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ အရိယသစ္စာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ ဒုက္ခံ  
အရိယသစ္စံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓ-  
ဂါမိနီ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ၊ “ဆ အဇ္ဈတ္တိကာနိ အာယတနာနိ”-  
တိဿ ဝစနိယံ။ ကတမာနိ ဆ၊ စက္ခာယတနံ။ပ။ မနာယတနံ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ  
ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ၊ ယာယံ တဏှာ ပေါနောဗ္ဗ-  
ဝိကာ နန္ဒိရာဂသဟဂတာ တတြတတြာဘိနန္ဒိနီ။ သေယျထိဒံ၊ ကာမတဏှာ  
ဘဝတဏှာ ဝိဘဝတဏှာ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ၊ ယော တဿာယေဝ တဏှာယ အသေသဝိရာဂနိရောဓော စာဂေါ ပဋိနိဿဂ္ဂေါ မုတ္တိ အနာလယော။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ၊ အယမေဝ အရိယော အဋ္ဌဂီကော မဂ္ဂေါ။ သေယျထိဒံ၊ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။ပ။ သမ္မာသမာဓိ။ ဣဒံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ။

တဿာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ပဌမဓာရဏသုတ္တ

၁၀၈၅။ ဓာရေထ နော တုမေ ဘိက္ခဝေ “မယာ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဒေသိတာနိ”တိ။ ဧဝံ ဝုတ္တေ အညတရော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဂေါစ “အဟံ ခေါ ဘန္တေ ဓာရေမိ ဘဂဝတာ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဒေသိတာနိ”တိ။ ယထာ ကထံ ပန တံ ဘိက္ခု ဓာရေသိ “မယာ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဒေသိတာနိ”တိ။ ဒုက္ခံ ခေါ ဘန္တေ ဘဂဝတာ ပဌမံ အရိယသစ္စံ ဒေသိတံ ဓာရေမိ၊ ဒုက္ခသမုဒယံ ခေါ ဘန္တေ ဘဂဝတာ ဒုတိယံ အရိယသစ္စံ ဒေသိတံ ဓာရေမိ၊ ဒုက္ခနိရောဓံ ခေါ ဘန္တေ ဘဂဝတာ တတိယံ အရိယသစ္စံ ဒေသိတံ ဓာရေမိ၊ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒံ ခေါ ဘန္တေ ဘဂဝတာ စတုတ္ထံ အရိယသစ္စံ ဒေသိတံ ဓာရေမိ။ ဧဝံ ခေါ ဘန္တေ ဓာရေမိ “ဘဂဝတာ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဒေသိတာနိ”တိ။

သာဓု သာဓု ဘိက္ခု၊ သာဓု ခေါ တံ ဘိက္ခု ဓာရေသိ “မယာ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဒေသိတာနိ”တိ။ ဒုက္ခံ ခေါ ဘိက္ခု မယာ ပဌမံ အရိယသစ္စံ ဒေသိတံ၊ တထာ နံ ဓာရေဟိ၊ ဒုက္ခသမုဒယံ<sup>၁</sup> ခေါ ဘိက္ခု မယာ ဒုတိယံ အရိယသစ္စံ ဒေသိတံ၊ တထာ နံ ဓာရေဟိ၊ ဒုက္ခနိရောဓံ<sup>၂</sup> ခေါ ဘိက္ခု မယာ တတိယံ အရိယသစ္စံ ဒေသိတံ၊ တထာ နံ ဓာရေဟိ၊ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ<sup>၃</sup> ခေါ ဘိက္ခု မယာ စတုတ္ထံ အရိယသစ္စံ ဒေသိတံ၊ တထာ နံ ဓာရေဟိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခု ဓာရေဟိ “မယာ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဒေသိတာနိ”တိ။

၁-ဒုက္ခသမုဒယော (သျှာ၊ကံ)

၂-ဒုက္ခနိရောဓော (သျှာ၊ကံ)

၃-ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိပဋိပဒံ (ဣ)၊ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒံ (က)

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခု “ဗုဒ္ဓံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ဒုတိယဓာရဏသုတ္တ

၁၀၈၆။ ဓာရေထ နော တုမေ ဘိက္ခဝေ “မယာ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဒေသိတာနိ”တိ။ ဧဝံ ဝုတ္တေ အညတရော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “အဟံ ခေါ ဘန္တေ ဓာရေမိ ဘဂဝတာ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဒေသိတာနိ”တိ။ ယထာ ကထံ ပန တံ ဘိက္ခု ဓာရေသိ “မယာ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဒေသိတာနိ”တိ။

ဒုက္ခံ ခွါဟံ ဘန္တေ ဘဂဝတာ ပဌမံ အရိယသစ္စံ ဒေသိတံ ဓာရေမိ။ ယော ဟိ ကောစိ ဘန္တေ သမဏော ဝါ မြာဟူဏော ဝါ ဧဝံ ဝဒေယျ “နေတံ ဒုက္ခံ ပဌမံ အရိယသစ္စံ၊ ယံ သမဏေန ဂေါတမေန ဒေသိတံ၊ အဟမေတံ ဒုက္ခံ ပဌမံ အရိယသစ္စံ ပစ္စက္ခာယ အညံ ဒုက္ခံ ပဌမံ အရိယသစ္စံ ပညပေဿာမီ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ ဒုက္ခသမုဒယံ ခွါဟံ ဘန္တေ ဘဂဝတာ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒံ ခွါဟံ ဘန္တေ ဘဂဝတာ စတုတ္ထံ အရိယသစ္စံ ဒေသိတံ ဓာရေမိ၊ ယော ဟိ ကောစိ ဘန္တေ သမဏော ဝါ မြာဟူဏော ဝါ ဧဝံ ဝဒေယျ “နေတံ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒါ စတုတ္ထံ အရိယသစ္စံ၊ ယံ သမဏေန ဂေါတမေန ဒေသိတံ၊ အဟမေတံ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒံ စတုတ္ထံ အရိယသစ္စံ ပစ္စက္ခာယ အညံ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒံ စတုတ္ထံ အရိယသစ္စံ ပညပေဿာမီ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ ဧဝံ ခွါဟံ ဘန္တေ ဓာရေမိ “ဘဂဝတာ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဒေသိတာနိ”တိ။

သာဓု သာဓု ဘိက္ခု၊ သာဓု ခေါ တံ ဘိက္ခု ဓာရေသိ “မယာ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဒေသိတာနိ”တိ။ ဒုက္ခံ ခေါ ဘိက္ခု မယာ ပဌမံ အရိယသစ္စံ ဒေသိတံ၊ တထာ နံ ဓာရေဟိ။ ယော ဟိ ကောစိ ဘိက္ခု သမဏော ဝါ မြာဟူဏော ဝါ ဧဝံ ဝဒေယျ “နေတံ ဒုက္ခံ ပဌမံ အရိယသစ္စံ၊ ယံ သမဏေန ဂေါတမေန ဒေသိတံ၊ အဟမေတံ ဒုက္ခံ ပဌမံ အရိယသစ္စံ ပစ္စက္ခာယ အညံ ဒုက္ခံ ပဌမံ အရိယသစ္စံ ပညပေဿာမီ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ ဒုက္ခသမုဒယံ ခေါ ဘိက္ခု။ပ။ ဒုက္ခနိရောဂံ ခေါ ဘိက္ခု။ပ။ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒါ ခေါ ဘိက္ခု မယာ စတုတ္ထံ အရိယသစ္စံ ဒေသိတံ၊ တထာ နံ ဓာရေဟိ။ ယော ဟိ ကောစိ ဘိက္ခု သမဏော ဝါ မြာဟူဏော ဝါ ဧဝံ ဝဒေယျ “နေတံ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒါ စတုတ္ထံ အရိယသစ္စံ၊ ယံ သမဏေန ဂေါတမေန

ဒေသိတံ၊ အဟမေတံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဒံ စတုတ္ထံ အရိယသစ္စံ ပစ္စက္ခာယ အညံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဒံ စတုတ္ထံ အရိယသစ္စံ ပညပေဿာမီ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ ဧဝံ ခေါ တံ ဘိက္ခု ဓာရေဟိ “မယာ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ဒေသိတာနိ”တိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခု “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-အဝိဇ္ဇာသုတ္တ

၁၀၀၇။ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ သော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “အဝိဇ္ဇာ အဝိဇ္ဇာတိ ဘန္တေ ဝုစ္စတိ၊ ကတမာ န ခေါ ဘန္တေ အဝိဇ္ဇာ၊ ကိတ္တာဝတာ စ အဝိဇ္ဇာဂတော ဟောတိ”တိ။ ယံ ခေါ ဘိက္ခု ဒုက္ခေ အညာဏံ၊ ဒုက္ခသမုဒယေ အညာဏံ၊ ဒုက္ခနိရောဓေ အညာဏံ၊ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အညာဏံ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခု အဝိဇ္ဇာ၊ ဧတ္တာဝတာ စ အဝိဇ္ဇာဂတော ဟောတိတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခု “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-ဝိဇ္ဇာသုတ္တ

၁၀၀၈။ အထ ခေါ အညတရော ဘိက္ခု ယေန ဘဂဝါ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိဿိဒိ၊ ဧကမန္တံ နိဿိန္နော ခေါ သော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “ဝိဇ္ဇာဝိဇ္ဇာတိ ဘန္တေ ဝုစ္စတိ၊ ကတမာ န ခေါ ဘန္တေ ဝိဇ္ဇာ၊ ကိတ္တာဝတာ စ ဝိဇ္ဇာဂတော ဟောတိ”တိ။ ယံ ခေါ ဘိက္ခု ဒုက္ခေ ဉာဏံ၊ ဒုက္ခသမုဒယေ ဉာဏံ၊ ဒုက္ခနိရောဓေ ဉာဏံ၊ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိယာ ပဋိပဒါယ ဉာဏံ။ အယံ ဝုစ္စတိ ဘိက္ခု ဝိဇ္ဇာ၊ ဧတ္တာဝတာ စ ဝိဇ္ဇာဂတော ဟောတိတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခု “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိံ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-သင်္ကာသနသုတ္တ

၁၀၀၉။ “ဣဒံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စ”န္တိ ဘိက္ခဝေ မယာ ပညတ္တံ၊ တတ္ထ အပရိမာဏာ ဝဏ္ဏာ အပရိမာဏာ ဗျဉ္ဇနာ အပရိမာဏာ သင်္ကာသနာ ဣတိပိဒံ ဒုက္ခံ

အရိယသစ္စန္တိ။ ဣဒံ ဒုက္ခသမုဒယံ။ ပ။ ဣဒံ ဒုက္ခနိရောဓံ။ ပ။ “ဣဒံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စ”န္တိ ဘိက္ခဝေ မယာ ပညတ္တံ၊ တတ္ထ အပရိမာဏာ ဝဏ္ဏာ အပရိမာဏာ ဗျဉ္ဇနာ အပရိမာဏာ သင်္ကာသနာ ဣတိပိဒံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စန္တိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-တထသုတ္တ

၁၀၉၀။ စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ တထာနိ အဝိတထာနိ အနညထာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဘိက္ခဝေ တထမေတံ အဝိတထမေတံ အနညထမေတံ၊ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ တထမေတံ အဝိတထမေတံ အနညထမေတံ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ တထမေတံ အဝိတထမေတံ အနညထမေတံ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ တထမေတံ အဝိတထမေတံ အနညထမေတံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရိ တထာနိ အဝိတထာနိ အနညထာနိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဒသမံ။

ဓမ္မစက္ကပ္ပဝတ္တနဝဂ္ဂေါ ဒုတိယော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

ဓမ္မစက္ကံ တထာဂတံ၊ ခန္ဓာ အာယတနေန စ။

ဓာရဏာ စ ဒွေ အဝိဇ္ဇာ၊ ဝိဇ္ဇာ သင်္ကာသနာ တထာတိ။

### ၃-ကောဠိဂါမဝဂ္ဂ

#### ၁-ပဌမကောဠိဂါမသုတ္တ

၁၀၉၁။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဝဇ္ဇိသု ဝိဟရတိ ကောဠိဂါမေ။ တတြ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု၊ အာမန္တေသိ “စတုန္တံ ဘိက္ခဝေ အရိယသစ္စာနံ အနနုဗောဓာ အပ္ပုဋ္ဌဝေဓာ ဧဝမိဒံ ဒီဃမဗ္ဗါနံ သန္ဓာဝိတံ သံသရိတံ မမဉ္ဇေဝ တုမှာကဉ္စ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဒုက္ခဿ ဘိက္ခဝေ အရိယသစ္စဿ အနနုဗောဓာ အပ္ပဋ္ဌိဝေဓာ ဝေမိဒံ ဒီဃမဋ္ဌါနံ သန္တာဝိတံ သံသရိတံ မမဉ္ဇေဝ တုမ္မာကဉ္စ။ ဒုက္ခသမုဒယဿ အရိယသစ္စဿ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဿ အရိယသစ္စဿ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ အနနုဗောဓာ အပ္ပဋ္ဌိဝေဓာ ဝေမိဒံ ဒီဃမဋ္ဌါနံ သန္တာဝိတံ သံသရိတံ မမဉ္ဇေဝ တုမ္မာကဉ္စ။ တယိဒံ ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ အနုဗုဒ္ဓံ ပဋိဝိဒ္ဓံ၊ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ အနုဗုဒ္ဓံ ပဋိဝိဒ္ဓံ၊ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ အနုဗုဒ္ဓံ ပဋိဝိဒ္ဓံ၊ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ အနုဗုဒ္ဓံ ပဋိဝိဒ္ဓံ။ ဥစ္ဆိန္နာ ဘဝတဏှာ၊ ဒီဏာ ဘဝနေတ္ထိ၊ နတ္ထိဒါနိ ပုနဗ္ဗဝေါ”တိ။

ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ၊ ဣဒံ ဝတ္ထာန သုဂတော အထာပရံ တေဒဝေါစ သတ္တာ—

“စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ၊ ယထာဘူတံ အဒဿနာ။  
သံသိတံ<sup>၁</sup> ဒီဃမဋ္ဌါနံ၊ တာသု တာသျှေဝ ဇာတိသု။  
တာနိ<sup>၂</sup> ဧတာနိ ဒိဋ္ဌာနိ၊ ဘဝနေတ္ထိ သမူဟတာ။  
ဥစ္ဆိန္နံ မူလံ ဒုက္ခဿ၊ နတ္ထိဒါနိ ပုနဗ္ဗဝေါ”တိ။

ပဌမံ။

### ၂-ဒုတိယကောဋိဂါမသုတ္တ

၁၀၉၂။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ န မေ တေ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ သမဏေသု ဝါ သမဏသမ္ပတာ၊ မြာဟူဏေသု ဝါ မြာဟူဏသမ္ပတာ၊ န စ ပန တေ အာယသ္မန္တော သာမညတ္ထံ ဝါ မြဟူညတ္ထံ ဝါ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇေ ဝိဟရန္တိ။

ယေ စ ခေါ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ၊ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ။ တေ ခေါ မေ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ



ဗြာဟ္မဏာ ဝါ သမဏေသု စေဝ သမဏသမ္ပတာ၊ ဗြာဟ္မဏေသု စ ဗြာဟ္မဏ-  
သမ္ပတာ၊ တေ စ ပနာယသ္မန္တော သာမညတ္ထန္တ ဗြဟ္မညတ္ထန္တ ဒိဋ္ဌေဝ ဓမ္မေ  
သယံ အဘိညာ သစ္စိကတွာ ဥပသမ္ပဇ္ဇေ ဝိဟရန္တိတိ။

ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ၊ ဣဒံ ဝတွာန သုဂတော အထာပရံ တေဒဝေါစ  
သတ္တာ—

“ယေ ဒုက္ခံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ အထော ဒုက္ခဿ သမ္ဘဝံ။  
ယတ္ထ စ သဗ္ဗသော ဒုက္ခံ၊ အသေသံ ဥပရုဇ္ဈတိ။  
တဉ္စ မဂ္ဂံ န ဇာနန္တိ၊ ဒုက္ခပသမဂါမိနံ။  
စေတောဝိမုတ္တိဟိနာ တေ၊ အထော ပညာဝိမုတ္တိယာ။  
အဘဗ္ဗာ တေ အန္တကိရိယာယ၊ တေ ဝေ ဇာတိဇရူပဂါ။  
ယေ စ ဒုက္ခံ ပဇာနန္တိ၊ အထော ဒုက္ခဿ သမ္ဘဝံ။  
ယတ္ထ စ သဗ္ဗသော ဒုက္ခံ၊ အသေသံ ဥပရုဇ္ဈတိ။  
တဉ္စ မဂ္ဂံ ပဇာနန္တိ၊ ဒုက္ခပသမဂါမိနံ။  
စေတောဝိမုတ္တိသမ္ပန္နာ၊ အထော ပညာဝိမုတ္တိယာ။  
ဘဗ္ဗာ တေ အန္တကိရိယာယ၊ န တေ ဇာတိဇရူပဂါ”တိ။  
ဒုတိယံ။

### ၃-သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓသုတ္တ

၁၀၉၃။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ အရိယသစ္စာနိ။ ကတမာနိ  
စတ္တာရိ၊ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ။ ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ။ ဣမာနိ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ။ ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ  
ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓတ္တာ တထာဂတော အရဟံ “သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ”တိ  
ဝုစ္စတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ  
ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-အရဟန္တသုတ္တ

၁၀၉၄။ သာဝတ္ထိနိဒါနံ။ ယေ ဟိ ကေဝိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဒါနံ အရဟန္တာ  
သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓိံ သု၊ သဗ္ဗေ တေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ

ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓိံ သု။ ယေ ဟိ ဧ ကေဓိ ဘိက္ခဝေ အနာဂတမဒ္ဓါနံ အရဟန္တာ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓိဿန္တိ။ သဗ္ဗေ တေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓိဿန္တိ။ ယေ ဟိ ကေဓိ ဘိက္ခဝေ တေရဟိ အရဟန္တာ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓိဿန္တိ။ သဗ္ဗေ တေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓိဿန္တိ။

ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ။ ယေ ဟိ ကေဓိ ဘိက္ခဝေ အတိတမဒ္ဓါနံ အရဟန္တာ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓါ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓိံ သု။ ပ။ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓိဿန္တိ။ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓိဿန္တိ။ သဗ္ဗေ တေ ဣမာနိ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ ယထာဘူတံ အဘိသမ္ဗုဒ္ဓိဿန္တိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-အာသဝက္ခယသုတ္တ

၁၀၉၅။ ဇာနတောဟံ ဘိက္ခဝေ ပဿတော အာသဝါနံ ခယံ ဝဒါမိ၊ နော အဇာနတော အပဿတော။ ကိဉ္စ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ၊ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ၊ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ဇာနတော ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ဇာနတော ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ဇာနတော ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ။ ဧဝံ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဇာနတော ဧဝံ ပဿတော အာသဝါနံ ခယော ဟောတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-မိတ္တသုတ္တ

၁၀၉၆။ ယေ ဟိ ကေဓိ ဘိက္ခဝေ အနုကမ္မေယျာထ၊ ယေ စ သောတဗ္ဗံ မညေယျံ မိတ္တာ ဝါ အမစ္စာ ဝါ ဉှတိ ဝါ သာလောဟိတာ ဝါ၊ တေ ဝေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ ယထာဘူတံ အဘိသမ္မာယာယ သမာဒပေတဗ္ဗာ နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာ။

ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဒုက္ခဿ အရိယသစ္စဿ ဒုက္ခသမုဒယဿ အရိယသစ္စဿ ဒုက္ခနိရောဓဿ အရိယသစ္စဿ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ။  
ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ အနုကမ္မေယျာထ၊ ယေ စ သောတဗ္ဗံ မညေယျု မိတ္တာ ဝါ အမစ္စာ ဝါ ဉ္ဇတိ ဝါ သာလောဟိတာ ဝါ၊ တေ ဝေါ ဘိက္ခဝေ ဣမေသံ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ ယထာဘူတံ အဘိသမယာယ သမာဒပေတဗ္ဗာ နိဝေသေတဗ္ဗာ ပတိဋ္ဌာပေတဗ္ဗာ။

တဿာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဆဉ္စံ။

### ၇-တထသုတ္တ

၁၀၉၇။ စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ အရိယသစ္စာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ တထာနိ အဝိတထာနိ အနညထာနိ၊ တဿာ “အရိယသစ္စာနိ”တိ ဝုစ္စန္တိ။

တဿာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-လောကသုတ္တ

၁၀၉၈။ စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ အရိယသစ္စာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ။ သဒေဝကေ သောကေ သမာရကေ သဗြဟ္မကေ သဿမဏဗြာဟ္မဏီယာ ပဇာယ သဒေဝမနုဿာယ တထာဂတော အရိယော၊ တဿာ “အရိယသစ္စာနိ”တိ ဝုစ္စန္တိ။

တဿာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ပရိညေယျသုတ္တ

၁၀၉၉။ စတ္တာရိမာနိ ဘိက္ခဝေ အရိယသစ္စာနိ။ ကတမာနိ စတ္တာရိ၊ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ။ ဣမာနိ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ။

ဣမေသံ ခေါ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ အတ္ထိ အရိယသစ္စံ ပရိညေယျံ၊  
အတ္ထိ အရိယသစ္စံ ပဟာတဗ္ဗံ၊ အတ္ထိ အရိယသစ္စံ သစ္စိကာတဗ္ဗံ၊ အတ္ထိ အရိယသစ္စံ  
ဘာဝေတဗ္ဗံ။

ကတမဉ္စ ဘိက္ခဝေ အရိယသစ္စံ ပရိညေယျံ၊ ဒုက္ခံ ဘိက္ခဝေ အရိယသစ္စံ  
ပရိညေယျံ၊ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ပဟာတဗ္ဗံ၊ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ  
သစ္စိကာတဗ္ဗံ၊ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ အရိယသစ္စံ ဘာဝေတဗ္ဗံ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခံ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ  
ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဂဝမ္ပတိသုတ္တ

၁၁၀၀။ ဧကံ သမယံ သမ္ပဟုလာ ထေရာ ဘိက္ခူ စေတေသု<sup>၁</sup> ဝိဟရန္တိ  
သဟဉ္စနိကေ<sup>၂</sup>။ တေန ခေါ ပန သမယေန သမ္ပဟုလာနံ ထေရာနံ ဘိက္ခူနံ  
ပစ္စာဘတ္တံ ဝိဏှာပါတပဋိက္ကန္တာနံ မဏှာလမာဠေ သန္နိသိန္တာနံ သန္နိပတိတာနံ  
အယမန္တရာကထာ ဥဒပါဒိ “ယော န ခေါ အာဂုသော ဒုက္ခံ ပဿတိ၊  
ဒုက္ခသမုဒယမ္ပိ သော ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓမ္ပိ ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ<sup>၃</sup>  
ပဋိပဒမ္ပိ ပဿတိ”တိ။

ဧဝံဝုတ္တေ အာယသ္မာ ဂဝမ္ပတိ ထေရော<sup>၃</sup> ဘိက္ခူ ဧတဒဝေါစ “သမ္ပုခါ မေတံ  
အာဂုသော ဘဂဝတော သုတံ၊ သမ္ပုခါ ပဋိဂ္ဂဟိတံ ယော ဘိက္ခဝေ ဒုက္ခံ  
ပဿတိ၊ ဒုက္ခသမုဒယမ္ပိ သော ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓမ္ပိ ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓ-  
ဂါမိနိ<sup>၃</sup> ပဋိပဒမ္ပိ ပဿတိ။ ယော ဒုက္ခသမုဒယံ ပဿတိ၊ ဒုက္ခမ္ပိ သော ပဿတိ၊  
ဒုက္ခနိရောဓမ္ပိ ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ<sup>၃</sup> ပဋိပဒမ္ပိ ပဿတိ။ ယော ဒုက္ခနိရောဓံ  
ပဿတိ၊ ဒုက္ခမ္ပိ သော ပဿတိ၊ ဒုက္ခသမုဒယမ္ပိ ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ<sup>၃</sup>  
ပဋိပဒမ္ပိ ပဿတိ။ ယော ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ<sup>၃</sup> ပဋိပဒံ ပဿတိ၊ ဒုက္ခမ္ပိ သော  
ပဿတိ၊ ဒုက္ခသမုဒယမ္ပိ ပဿတိ၊ ဒုက္ခနိရောဓမ္ပိ ပဿတိ”တိ။ ။ဒသမံ။

ကောဋိဂါမဝဂ္ဂေါ တတိယော။

### တသုဒ္ဓါနံ

ဒွေ ဝဇ္ဇိ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ၊ အရဟံ အာသဝက္ခယော။

မိတ္တံ တထာ စ လောကော စ၊ ပရိညေယျံ ဂဝမ္ပတိတိ။

## ၄-သီသပါဝနဝဂ္ဂ

## ၁-သီသပါဝနသုတ္တ

၁၁၀၁။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ကောသမ္ဘိယံ ဝိဟရတိ သီသပါဝနေ<sup>၁</sup>။ အထ ခေါ ဘဂဝါ ပရိတ္တာနိ သီသပါပဏ္ဍာနိ ပါဏိနာ ဂဟေတွာ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ “တံ ကိ” မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ ယာနိ ဝါ မယာ ပရိတ္တာနိ သီသပါပဏ္ဍာနိ ပါဏိနာ ဂဟိတာနိ ယဒိဉံ ဥပရိ သီသပါဝနေ”တိ။ အပ္ပမတ္တကာနိ ဘန္တေ ဘဂဝတာ ပရိတ္တာနိ သီသပါပဏ္ဍာနိ ပါဏိနာ ဂဟိတာနိ၊ အထ ခေါ ဧတာနေဝ ဗဟုတရာနိ ယဒိဉံ ဥပရိ သီသပါဝနေတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဧတဒေဝ ဗဟုတရံ ယံ ဝေါ မယာ အဘိညာယ အနက္ခာတံ။ ကဿွာ စေတံ ဘိက္ခဝေ မယာ အနက္ခာတံ၊ န ဟေတံ ဘိက္ခဝေ အတ္ထသံဟိတံ နာဒိဗြဟ္မစရိယကံ န နိဗ္ဗိဒါယ န ဝိရာဂါယ န နိရောဓာယ န ဥပသမာယ န အဘိညာယ န သမ္မောဓာယ န နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ၊ တဿွာ တံ မယာ အနက္ခာတံ။

ကိဉ္စ ဘိက္ခဝေ မယာ အက္ခာတံ၊ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ဘိက္ခဝေ မယာ အက္ခာတံ၊ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ မယာ အက္ခာတံ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ မယာ အက္ခာတံ၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ မယာ အက္ခာတံ။

ကဿွာ စေတံ ဘိက္ခဝေ မယာ အက္ခာတံ၊ ဧတံ ဟိ ဘိက္ခဝေ အတ္ထသံဟိတံ ဧတံ အာဒိဗြဟ္မစရိယကံ ဧတံ နိဗ္ဗိဒါယ ဝိရာဂါယ နိရောဓာယ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ၊ တဿွာ တံ မယာ အက္ခာတံ။

တဿွာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-ခဒိရပတ္တသုတ္တ

၁၁၀၂။ ယော ဘိက္ခဝေ ဧဝံ ဝဒေယျ “အဟံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အနဘိသမေစ္စ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အနဘိသမေစ္စ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အနဘိသမေစ္စ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ” ပဋိပဒံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အနဘိသမေစ္စ သမ္မာ ဒုက္ခဿန္တိ ကရိဿာမီ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယော ဧဝံ ဝဒေယျ “အဟံ ခဒိရပတ္တာနံ ဝါ သရလပတ္တာနံ<sup>၁</sup> ဝါ အာမလကပတ္တာနံ ဝါ ပုဂ္ဂံ ကရိတွာ ဥဒကံ ဝါ တာလပတ္တံ ဝါ အာဟရိဿာမီ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယော ဧဝံ ဝဒေယျ “အဟံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အဘိသမေစ္စ။ ပ။ ဒုက္ခနိရောဓ-  
ဂါမိနိ<sup>၂</sup> ပဋိပဒံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အဘိသမေစ္စ သမ္မာ ဒုက္ခဿန္တံ ကရိဿာမီ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။

ယော စ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဧဝံ ဝဒေယျ “အဟံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အဘိသမေစ္စ ဒုက္ခသမုဒယံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အဘိသမေစ္စ ဒုက္ခနိရောဓံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အဘိသမေစ္စ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ<sup>၂</sup> ပဋိပဒံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အဘိသမေစ္စ သမ္မာ ဒုက္ခဿန္တံ ကရိဿာမီ”တိ ဌာနမေတံ ဝိဇ္ဇတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယော ဧဝံ ဝဒေယျ “အဟံ ပဒုမပတ္တာနံ ဝါ ပလာသပတ္တာနံ ဝါ မာလုဝပတ္တာနံ ဝါ ပုဂ္ဂံ ကရိတွာ ဥဒကံ ဝါ တာလပတ္တံ ဝါ အာဟရိဿာမီ”တိ ဌာနမေတံ ဝိဇ္ဇတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယော ဧဝံ ဝဒေယျ “အဟံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အဘိသမေစ္စ။ ပ။ ဒုက္ခနိရောဓ-  
ဂါမိနိ<sup>၂</sup> ပဋိပဒံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အဘိသမေစ္စ သမ္မာ ဒုက္ခဿန္တံ ကရိဿာမီ”တိ ဌာနမေတံ ဝိဇ္ဇတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခံ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ<sup>၂</sup> ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ဗန္ဓုသုတ္တ

၁၁၀၃။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဒဏ္ဍော ဥပရိဝေဟာသံ ခိတ္တော သကိမ္ပိ မူလေန နိပတတိ၊ သကိမ္ပိ အဂ္ဂေန နိပတတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အဝိဇ္ဇာနီဝရဏာ သတ္တာ တဏှာသံယောဇနာ သန္တာဝန္တာ သံသရန္တာ<sup>၂</sup> သကိမ္ပိ အသ္မာ လောကာ ပရံ လောကံ ဂစ္ဆန္တိ၊ သကိမ္ပိ ပရသ္မာ လောကာ ဣမံ လောကံ အာဂစ္ဆန္တိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ အဒိဋ္ဌတ္တာ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ အရိယ-  
သစ္စာနံ။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဒုက္ခဿ အရိယသစ္စဿ။ ပ။ ဒုက္ခနိရောဓ-  
ဂါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခံ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ<sup>၂</sup> ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။တတိယံ။

၁-ယလာသပတ္တာနံ (သီ၊ သျာ၊ ကံ၊ ဣ)

၂-တဏှာသံယောဇနဗန္တာ သန္တာဝတာ (က)

## ၄-စေလသုတ္တ

၁၁၀၄။ အာဒိတ္တေ ဘိက္ခဝေ စေလေ ဝါ သီသေ ဝါ ကိမဿ ကရဏီယန္တိ။ အာဒိတ္တေ ဘန္တေ စေလေ ဝါ သီသေ ဝါ တဿေဝ စေလဿ ဝါ သီသဿ ဝါ နိဗ္ဗာပနာယ အဓိမတ္တော ဆန္တော စ ဝါယာမော စ ဥဿာဟော စ ဥဿောဠိ စ အပ္ပင်္ဂါနိ စ သတိ စ သမ္ပဇညဉ္စ ကရဏီယန္တိ။

အာဒိတ္တံ ဘိက္ခဝေ စေလံ ဝါ သီသံ ဝါ အဇ္ဈုပေက္ခိတွာ အမနသိကရိတွာ အနဘိသမေတာနံ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ ယထာဘူတံ အဘိသမယာယ အဓိမတ္တော ဆန္တော စ ဝါယာမော စ ဥဿာဟော စ ဥဿောဠိ စ အပ္ပင်္ဂါနိ စ သတိ စ သမ္ပဇညဉ္စ ကရဏီယံ။ ကတမေသံ စတုန္တံ ဒုက္ခဿ အရိယသစ္စဿ။ ပ။ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ။

တသ္မာတိဟံ ဘိက္ခဝေ “ဗုဒ္ဓံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-သတ္တိသတသုတ္တ

၁၁၀၅။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပုရိသော ဝဿသတာယုကော ဝဿသတဇီဝိ၊ တမေနံ ဧဝံ ဝဒေယျ “ဧဟန္တော ပုရိသ၊ ပုဗ္ဗဏှသမယံ တံ သတ္တိသတေန ဟနိဿန္တိ၊ မဇ္ဈိကသမယံ သတ္တိသတေန ဟနိဿန္တိ၊ သာယနသမယံ သတ္တိသတေန ဟနိဿန္တိ။ သော ခေါ တံ အန္တော ပုရိသ ဒိဝသေ ဒိဝသေ တိဟိ တိဟိ သတ္တိသတေဟိ ဟညမာနော ဝဿသတာယုကော ဝဿသတဇီဝိ ဝဿသတဿ အစ္စယေန အနဘိသမေတာနိ စတ္တာရိ အရိယသစ္စာနိ အဘိသမေဿသိ”တိ။

အတ္ထဝသိကေန ဘိက္ခဝေ ကုလပုတ္တေန အလံ ဥပဂန္တုံ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ အနမတဂ္ဂေါယံ ဘိက္ခဝေ သံသာရော၊ ပုဗ္ဗာ ကောဋိ နပ္ပညာယတိ သတ္တိပ္ပဟာရာနံ အသိပ္ပဟာရာနံ ဥသုပ္ပဟာရာနံ ဖရသုပ္ပဟာရာနံ ။ ဧဝေတံ ဘိက္ခဝေ အဿ။ န ခေါ ပနာဟံ ဘိက္ခဝေ သဟ ဒုက္ခေန သဟ ဒေါမနဿေန စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ အဘိသမယံ ဝဒါမိ၊ အပိ စာဟံ ဘိက္ခဝေ သဟာဝ သုခေန သဟာဝ သောမနဿေန စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ အဘိသမယံ ဝဒါမိ။ ကတမေသံ စတုန္တံ ဒုက္ခဿ အရိယသစ္စဿ။ ပ။ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ။

၁-အသိပ္ပဟာရာနံ ဖရသုပ္ပဟာရာနံ (က)

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓေါဓိနီ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ပါဏသုတ္တ

၁၁၀၆။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပုရိသော ယံ ဣမသ္မိံ ဇမ္ဗုဒီပေ တိဏကဋ္ဌ-  
သာခါပလာသံ တစ္ဆေတွာ ဧကန္တံ သံဟရေယျ၊ ဧကန္တံ သံဟရိတွာ သူလံ  
ကရေယျ၊ သူလံ ကရိတွာ ယေ မဟာသမုဒ္ဒေ မဟန္တကာ ပါဏာ၊ တေ  
မဟန္တကေသု သူလေသု အာဝုနေယျ။ ယေ မဟာသမုဒ္ဒေ မဇ္ဈိမကာ ပါဏာ၊  
တေ မဇ္ဈိမကေသု သူလေသု အာဝုနေယျ။ ယေ မဟာသမုဒ္ဒေ သုခုမကာ  
ပါဏာ၊ တေ သုခုမကေသု သူလေသု အာဝုနေယျ၊ အပရိယာဒိန္နာ စ ဘိက္ခဝေ  
မဟာသမုဒ္ဒေ ဩဋ္ဌာရိကာ ပါဏာ အဿု။

အထ ဣမသ္မိံ ဇမ္ဗုဒီပေ တိဏကဋ္ဌသာခါပလာသံ ပရိက္ခယံ ပရိယာဒါနံ  
ဂစ္ဆေယျ။ ဣတော ဗဟုတရာ ခေါ ဘိက္ခဝေ မဟာသမုဒ္ဒေ သုခုမကာ ပါဏာ၊  
ယေ န သုကရာ သူလေသု အာဝုနိတုံ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ သုခုမတ္တာ ဘိက္ခဝေ  
အတ္တဘာဝဿ။ ဧဝံ မဟာ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပါယော၊ ဧဝံ မဟန္တသ္မာ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ အပါယသ္မာ ပရိမုတ္တော ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နော ပုဂ္ဂလော “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ  
ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓေါဓိနီ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ  
ပဇာနာတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ  
ဒုက္ခနိရောဓေါဓိနီ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ပဌမသုရိယသုတ္တ

၁၁၀၇။ သူရိယဿ ဘိက္ခဝေ ဥဒယတော ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊  
ယဒိဒံ အရုဏုဂ္ဂံ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ  
ယထာဘူတံ အဘိသမယာယ ဧတံ ပုဗ္ဗင်္ဂမံ ဧတံ ပုဗ္ဗနိမိတ္တံ၊ ယဒိဒံ သမ္မာဒိဋ္ဌိ။  
တဿေတံ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခုနော ပါဠိကံ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာ-  
နိဿတိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓေါဓိနီ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနိဿတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ  
ဒုက္ခနိရောဓေါဓိနီ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။သတ္တမံ။



## ဂ-ဒုတိယသုရိယသုတ္တ

၁၁၀၈။ ယာဝကီဝဉ္စ ဘိက္ခဝေ စန္ဒိမသုရိယာ လောကေ နုပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ နေဝ တာဝ မဟတော အာလောကဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ မဟတော ဩဘာသဿ၊ အန္ဓတမံ တဒါ ဟောတိ အန္ဓကာရတိမိဿ၊ နေဝ တာဝ ရတ္တိဒ္ဓိဝါ<sup>၁</sup> ပညာယန္တိ၊ န မာသဒ္ဓမာဿ ပညာယန္တိ၊ န ဥတုသံဝစ္ဆရာ ပညာယန္တိ။

ယတော စ ခေါ ဘိက္ခဝေ စန္ဒိမသုရိယာ လောကေ ဥပ္ပဇ္ဇန္တိ၊ အထ မဟတော အာလောကဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ မဟတော ဩဘာသဿ၊ နေဝ အန္ဓကာရတမံ တဒါ ဟောတိ န အန္ဓကာရတိမိဿ၊ အထ ရတ္တိဒ္ဓိဝါ ပညာယန္တိ၊ မာသဒ္ဓမာဿ ပညာယန္တိ၊ ဥတုသံဝစ္ဆရာ ပညာယန္တိ။ ဝေမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယာဝကီဝဉ္စ တထာဂတော လောကေ နုပ္ပဇ္ဇတိ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ၊ နေဝ တာဝ မဟတော အာလောကဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ မဟတော ဩဘာသဿ၊ အန္ဓတမံ တဒါ ဟောတိ အန္ဓကာရတိမိဿ၊ နေဝ တာဝ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ အာစိက္ခဏာ ဟောတိ ဒေသနာ ပညာပနာ ပဋ္ဌပနာ ဝိဝရဏာ ဝိဘဇနာ ဥတ္တာနိကမ္ပံ။

ယတော စ ခေါ ဘိက္ခဝေ တထာဂတော လောကေ ဥပ္ပဇ္ဇတိ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ၊ အထ မဟတော အာလောကဿ ပါတုဘာဝေါ ဟောတိ မဟတော ဩဘာသဿ၊ နေဝ အန္ဓတမံ တဒါ ဟောတိ န အန္ဓကာရတိမိဿ၊ အထ ခေါ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ အာစိက္ခဏာ ဟောတိ ဒေသနာ ပညာပနာ ပဋ္ဌပနာ ဝိဝရဏာ ဝိဘဇနာ ဥတ္တာနိကမ္ပံ။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဒုက္ခဿ အရိယသစ္စဿ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

## ဇ-ဣန္ဒဒီလသုတ္တ

၁၁၀၉။ ယေ ဟိကေစိဘိက္ခဝေ သမဏာဝါမြာဟူဏာဝါ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ နုပ္ပဇာနန္တိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ နုပ္ပဇာနန္တိ၊ တေ အညဿ သမဏဿ ဝါ မြာဟူဏဿ ဝါ မုခံ ဥလ္လောကေန္တိ ၊ “အယံ နူန ဘဝံ ဇာနံ ဇာနာတိ၊ ပဿံ ပဿတိ”တိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ တူလပိစု ဝါ ကပ္ပိသပိစု ဝါ လဟုကော ဝါတူပါဒါနော သမေ ဘူမိဘာဂေ နိက္ခိတ္တော၊ တမေနံ ပုရတ္ထိမော ဝါတော ပစ္စိမေန သံဟရေယျ၊ ပစ္စိမော ဝါတော ပုရတ္ထိမေန သံဟရေယျ၊ ဥတ္တရော ဝါတော ဒက္ခိဏေန သံဟရေယျ၊ ဒက္ခိဏော ဝါတော ဥတ္တရေန သံဟရေယျ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ လဟုကတ္တာ ဘိက္ခဝေ ကပ္ပိသပိစုနော။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ ဟိ ကေစိ သမဏာ ဝါဗြာဟ္မဏာ ဝါ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ၊ တေ အညဿ သမဏဿ ဝါ ဗြာဟ္မဏဿ ဝါ မုခံ ဥလ္လောကေန္တိ “အယံ နူန ဘဝံ ဇာနံ ဇာနာတိ၊ ပဿံ ပဿတိ”တိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ အဒိဋ္ဌတ္တာ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ။

ယေ စ ခေါ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ၊ တေ န အညဿ သမဏဿ ဝါ ဗြာဟ္မဏဿ ဝါ မုခံ ဥလ္လောကေန္တိ “အယံ နူန ဘဝံ ဇာနံ ဇာနာတိ၊ ပဿံ ပဿတိ”တိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ အယောဒီလော ဝါ ဣန္ဒဒီလော ဝါ ဂမ္ဘီရနေမော သုနိခါတော အစလော အသမ္ပကမ္ဘိ၊ ပုရတ္ထိမာယ စေပိ ဒိသာယ အာဂစ္ဆေယျ ဘုဿ ဝါတဝုဋ္ဌိ၊ နေဝ သင်္ကမ္ပေယျ န သမ္ပကမ္ပေယျ န သမ္ပစာလေယျ။ ပစ္စိမာယ စေပိ ဒိသာယ။ပ။ ဥတ္တရာယ စေပိ ဒိသာယ။ပ။ ဒက္ခိဏာယ စေပိ ဒိသာယ အာဂစ္ဆေယျ ဘုဿ ဝါတဝုဋ္ဌိ၊ နေဝ သင်္ကမ္ပေယျ န သမ္ပကမ္ပေယျ န သမ္ပစာလေယျ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ဂမ္ဘီရတ္တာ ဘိက္ခဝေ နေမဿ သုနိခါတတ္တာ ဣန္ဒဒီလဿ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယေ စ ခေါ ကေစိ သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ၊ တေ န အညဿ သမဏဿ ဝါ ဗြာဟ္မဏဿ ဝါ မုခံ ဥလ္လောကေန္တိ “အယံ နူန ဘဝံ ဇာနံ ဇာနာတိ၊ ပဿံ ပဿတိ”တိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ သုဒိဋ္ဌတ္တာ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဒုက္ခဿ အရိယသစ္စဿ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။နဝမံ။

## ၁၀-ဝါဒတ္ထိကသုတ္တ

၁၁၁၀။ ယော ဟိ ကောစိ ဘိက္ခဝေ ဘိက္ခု “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ ပုရတ္ထိမာယ စေပိ ဒိသာယ အာဂစ္ဆေယျ သမဏော ဝါ မြာဟ္မဏော ဝါ ဝါဒတ္ထိကော ဝါဒဂဝေသိ “ဝါဒမဿ အာရောပေဿာမီ”တိ၊ တံ ဝတ သဟဓမ္မေန သင်္ကမ္ပေဿတိ ဝါ သမ္ပကမ္ပေဿတိ ဝါ သမ္ပစာလေဿတိ ဝါတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ ပစ္ဆိမာယ စေပိ ဒိသာယ။ပ။ ဥတ္တရာယ စေပိ ဒိသာယ။ပ။ ဒက္ခိဏာယ စေပိ ဒိသာယ အာဂစ္ဆေယျ သမဏော ဝါ မြာဟ္မဏော ဝါ ဝါဒတ္ထိကော ဝါဒဂဝေသိ “ဝါဒမဿ အာရောပေဿာမီ”တိ၊ တံ ဝတ သဟဓမ္မေန သင်္ကမ္ပေဿတိ ဝါ သမ္ပကမ္ပေဿတိ ဝါ သမ္ပစာလေဿတိ ဝါတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သိလာယူပေါ သောဠသကုက္ကုကော၊ တဿဿု အဠ ကုက္ကု ဟေဠာ နေမင်္ဂမာ၊ အဠ ကုက္ကု ဥပရိနေမဿ၊ ပုရတ္ထိမာယ စေပိ ဒိသာယ အာဂစ္ဆေယျ ဘုသာ ဝါတဝုဋ္ဌိ၊ နေဝ သင်္ကမ္ပေယျ န သမ္ပကမ္ပေယျ န သမ္ပစာလေယျ။ ပစ္ဆိမာယ စေပိ ဒိသာယ။ပ။ ဥတ္တရာယ စေပိ ဒိသာယ။ပ။ ဒက္ခိဏာယ စေပိ ဒိသာယ အာဂစ္ဆေယျ ဘုသာ ဝါတဝုဋ္ဌိ၊ နေဝ သင်္ကမ္ပေယျ န သမ္ပကမ္ပေယျ န သမ္ပစာလေယျ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ ဂမ္ဘီရတ္တာ ဘိက္ခဝေ နေမဿ သုနိခါတတ္တာ သိလာယူပဿ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ ယော ဟိ ကောစိ ဘိက္ခု “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ ပုရတ္ထိမာယ စေပိ ဒိသာယ အာဂစ္ဆေယျ သမဏော ဝါ မြာဟ္မဏော ဝါ ဝါဒတ္ထိကော ဝါဒဂဝေသိ “ဝါဒမဿ အာရောပေဿာမီ”တိ၊ တံ ဝတ သဟဓမ္မေန သင်္ကမ္ပေဿတိ ဝါ သမ္ပကမ္ပေဿတိ ဝါ သမ္ပစာလေဿတိ ဝါတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ ပစ္ဆိမာယ စေပိ ဒိသာယ။ပ။ ဥတ္တရာယ စေပိ ဒိသာယ။ပ။ ဒက္ခိဏာယ စေပိ ဒိသာယ အာဂစ္ဆေယျ သမဏော ဝါ မြာဟ္မဏော ဝါ ဝါဒတ္ထိကော ဝါဒဂဝေသိ “ဝါဒမဿ အာရောပေဿာမီ”တိ၊ တံ ဝတ သဟဓမ္မေန သင်္ကမ္ပေဿတိ ဝါ သမ္ပကမ္ပေဿတိ ဝါ သမ္ပစာလေဿတိ ဝါတိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ သုဒိဋ္ဌတ္တာ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဒုက္ခဿ အရိယသစ္စဿ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဒသမံ။

သီသပါဝနဝဂ္ဂေါ စတုတ္ထော။

### တသုဒ္ဓါနံ

သီသပါ ခဒိရော ဒဏှော၊ စေလာ သတ္တိသတေန စ။  
ပါဏာ သူရိယူပမာ ဒွေဓာ၊ ဣန္ဒဒီလော စ ဝါဒိနောတိ။

### ၅-ပပါတဝဂ္ဂ

#### ၁-လောကစိန္တာသုတ္တ

၁၁၁၁။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ရာဇဂဟေ ဝိဟရတိ ဝေဠုဝနေ ကလန္တက-  
နိဝါပေ။ တဏှ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု အာမန္တေသိ “ဘူတပုဗ္ဗံ ဘိက္ခဝေ အညတရော  
ပုရိသော ရာဇဂဟာ နိက္ခမိတွာ ‘လောကစိန္တံ စိန္တေဿာမီ’တိ ယေန သုမာဂဓာ  
ပေါက္ခရဏီ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ သုမာဂဓာယ ပေါက္ခရဏီယာ  
တီရေ နိသီဒိ လောကစိန္တံ စိန္တေန္တော၊ အဒ္ဓဿ ခေါ ဘိက္ခဝေ သော ပုရိသော  
သုမာဂဓာယ ပေါက္ခရဏီယာ တီရေ စတုရင်္ဂိနိံ သေနံ” ဘိသမုဋ္ဌာလံ ပဝိသန္တိ၊  
ဒိသ္ဿနဿ တေဒဟောသိ ‘ဥဗ္ဗတ္တောသ္မိ နာမာဟံ၊ ဝိစေတောသ္မိ နာမာဟံ၊ ယံ  
လောကေ နတ္ထိ တံ မယာ ဒိဋ္ဌန္တိ။ အထ ခေါ သော ဘိက္ခဝေ ပုရိသော နဂရံ  
ပဝိသိတွာ မဟာဇနကာယဿ အာရောစေသိ ‘ဥဗ္ဗတ္တောသ္မိ နာမာဟံ ဘန္တေ၊  
ဝိစေတောသ္မိ နာမာဟံ ဘန္တေ၊ ယံ လောကေ နတ္ထိ တံ မယာ ဒိဋ္ဌန္တိ”။

ကထံ ပန တံ အဗ္ဘော ပုရိသ ဥဗ္ဗတ္တော၊ ကထံ ဝိစေတော၊ ကိဉ္စ လောကေ  
နတ္ထိ ယံ တယာ ဒိဋ္ဌန္တိ။ ဣဓာဟံ ဘန္တေ ရာဇဂဟာ နိက္ခမိတွာ “လောကစိန္တံ  
စိန္တေဿာမီ”တိ ယေန သုမာဂဓာ ပေါက္ခရဏီ တေနုပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ  
သုမာဂဓာယ ပေါက္ခရဏီယာ တီရေ နိသီဒိ လောကစိန္တံ စိန္တေန္တော၊ အဒ္ဓဿ  
ခါဟံ ဘန္တေ သုမာဂဓာယ ပေါက္ခရဏီယာ တီရေ စတုရင်္ဂိနိံ သေနံ  
ဘိသမုဋ္ဌာလံ ပဝိသန္တိ၊ ဧဝံ ခါဟံ ဘန္တေ ဥဗ္ဗတ္တော၊ ဧဝံ ဝိစေတော၊ ဣဒဉ္စ  
လောကေ နတ္ထိ ယံ မယာ ဒိဋ္ဌန္တိ။ တဿ တံ အဗ္ဘော ပုရိသ ဥဗ္ဗတ္တော၊ တဿ  
ဝိစေတော၊ ဣဒဉ္စ လောကေ နတ္ထိ ယံ တယာ ဒိဋ္ဌန္တိ။

တံ ခေါ ပန ဘိက္ခဝေ သော ပုရိသော ဘူတယေဝ အဒ္ဓဿ၊ နော  
အဘူတံ။ ဘူတပုဗ္ဗံ ဘိက္ခဝေ ဒေဝါသုရသင်္ဂါမော သမုပဗျူဋ္ဌော အဟောသိ၊  
တသ္မိံ ခေါ ပန ဘိက္ခဝေ သင်္ဂါမေ ဒေဝါ ဇိနိံသု၊ အသုရာ ပရာဇိနိံသု။

ပရာဇိတာ စ ခေါ် ဘိက္ခုဝေ အသုရာ ဘိတာ ဘိသမုဋ္ဌာလေန အသုရပုရံ ပဝိသိံသု ဒေဝါနိယေဝ မောဟယမာနာ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခုဝေ မာ လောကစိန္တံ စိန္တေထ။ “သဿတော လောကော”တိ ဝါ၊ “အသဿတော လောကော”တိ ဝါ၊ “အန္တဝါ လောကော”တိ ဝါ၊ “အနန္တဝါ လောကော”တိ ဝါ၊ “တံ ဇီဝံ တံ သရီရ”န္တိ ဝါ၊ “အညံ ဇီဝံ အညံ သရီရ”န္တိ ဝါ၊ “ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ဝါ၊ “န ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ဝါ၊ “ဟောတိ စ န စ ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ဝါ၊ “နေဝ ဟောတိ န န ဟောတိ တထာဂတော ပရံ မရဏာ”တိ ဝါ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နေသာ ဘိက္ခုဝေ စိန္တာ အတ္ထသံဟိတာ၊ နာဒိဗြဟ္မစရိယကာ၊ န နိဗ္ဗိဒါယ န ဝိရာဂါယ န နိရောဓာယ န ဥပသမာယ န အဘိညာယ န သမ္မောဓာယ န နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။

စိန္တေန္တာ ခေါ် တုမှေ ဘိက္ခုဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ စိန္တေယျာထ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ စိန္တေယျာထ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ နေသာ ဘိက္ခုဝေ စိန္တာ အတ္ထသံဟိတာ၊ နေသာ အာဒိဗြဟ္မစရိယကာ၊ နေသာ နိဗ္ဗိဒါယ ဝိရာဂါယ နိရောဓာယ ဥပသမာယ အဘိညာယ သမ္မောဓာယ နိဗ္ဗာနာယ သံဝတ္တတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခုဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ပဌမံ။

## ၂-ပပါတသုတ္တ

၁၁၁၂။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ရာဇဂဟေ ဝိဟရတိ ဂိဇ္ဈကူဠေ ပဗ္ဗတေ။ အထ ခေါ ဘဂဝါ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ “အာယာမ ဘိက္ခုဝေ ယေန ပဋိဘာနကူဠော၊ တေနပသင်္ကမိဿာမ ဒိဝါဝိဟာရာယာ”တိ။ “ဧဝံ ဘန္တေ”တိ ခေါ တေ ဘိက္ခု။ ဘဂဝတော ပစ္စဿောသုံ။ အထ ခေါ ဘဂဝါ သမ္ပဟုလေဟိ ဘိက္ခုဟိ သဒ္ဓိံ ယေန ပဋိဘာနကူဠော တေနပသင်္ကမိ။ အဋ္ဌသာ ခေါ အညတရော ဘိက္ခု၊ ပဋိဘာနကူဠေ မဟန္တံ ပပါတံ၊ ဒိဿာန ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “မဟာ ဝတာယံ ဘန္တေ ပပါတော၊ သုဘယာနကော ဘန္တေ ပပါတော၊ အတ္ထိ န ခေါ ဘန္တေ ဣမမှာ ပပါတာ အညော ပပါတော မဟန္တတရော စ ဘယာနကတရော စာ”တိ။ အတ္ထိ ခေါ ဘိက္ခု၊ ဣမမှာ ပပါတာ အညော ပပါတော မဟန္တတရော စ ဘယာနကတရော စာတိ။

ကတမော ပန ဘန္တေ ဣမမှာ ပပါတာ အညော ပပါတော မဟန္တတရော စ ဘယာနကတရော စာတိ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ။ “အယံ ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနီ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ။ တေ ဇာတိသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု အဘိရမန္တိ။ ဇရာသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု အဘိရမန္တိ။ မရဏသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု အဘိရမန္တိ။ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု အဘိရမန္တိ။ တေ ဇာတိသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု အဘိရတာ ဇရာသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု အဘိရတာ မရဏသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု အဘိရတာ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု အဘိရတာ ဇာတိသံဝတ္ထနိကေပိ သင်္ခါရေ အဘိသင်္ခရေန္တိ။ ဇရာသံဝတ္ထနိကေပိ သင်္ခါရေ အဘိသင်္ခရေန္တိ။ မရဏသံဝတ္ထနိကေပိ သင်္ခါရေ အဘိသင်္ခရေန္တိ။ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသသံဝတ္ထနိကေပိ သင်္ခါရေ အဘိသင်္ခရေန္တိ။ တေ ဇာတိသံဝတ္ထနိကေပိ သင်္ခါရေ အဘိသင်္ခရိတွာ ဇရာသံဝတ္ထနိကေပိ သင်္ခါရေ အဘိသင်္ခရိတွာ မရဏသံဝတ္ထနိကေပိ သင်္ခါရေ အဘိသင်္ခရိတွာ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသသံဝတ္ထနိကေပိ သင်္ခါရေ အဘိသင်္ခရိတွာ ဇာတိပပါတမ္ပိ ပပတန္တိ။ ဇရာပပါတမ္ပိ ပပတန္တိ။ မရဏပပါတမ္ပိ ပပတန္တိ။ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသပပါတမ္ပိ ပပတန္တိ။ တေ န ပရိမုစ္စန္တိ ဇာတိယာ ဇရာယ မရဏေန သောကေဟိ ပရိဒေဝေဟိ ဒုက္ခေဟိ ဒေါမနဿေဟိ ဥပါယာသေဟိ။ န ပရိမုစ္စန္တိ ဒုက္ခသ္မာတိ ဝဒါမိ။

ယေ စ ခေါ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ မြာဟူဏာ ဝါ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနီ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ။ တေ ဇာတိသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု နာဘိရမန္တိ။ ဇရာသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု နာဘိရမန္တိ။ မရဏသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု နာဘိရမန္တိ။ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု နာဘိရမန္တိ။ တေ ဇာတိသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု အနာဘိရတာ ဇရာသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု အနာဘိရတာ မရဏသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု အနာဘိရတာ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု အနာဘိရတာ ဇာတိသံဝတ္ထနိကေပိ သင်္ခါရေ နာဘိသင်္ခရေန္တိ။ ဇရာသံဝတ္ထနိကေပိ သင်္ခါရေ နာဘိသင်္ခရေန္တိ။ မရဏသံဝတ္ထနိကေပိ သင်္ခါရေ နာဘိသင်္ခရေန္တိ။

သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသသံဝတ္တနိကေပိ သင်္ခါရေ နာဘိသင်္ခ-  
ရေန္တိ၊ တေ ဇာတိသံဝတ္တနိကေပိ သင်္ခါရေ အနဘိသင်္ခရိတွာ ဇရာသံဝတ္တနိကေပိ  
သင်္ခါရေ အနဘိသင်္ခရိတွာ မရဏသံဝတ္တနိကေပိ သင်္ခါရေ အနဘိသင်္ခရိတွာ  
သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသသံဝတ္တနိကေပိ သင်္ခါရေ အနဘိသင်္ခ-  
ရိတွာ ဇာတိပပါတိ နပ္ပပတန္တိ၊ ဇရာပပါတိ နပ္ပပတန္တိ၊ မရဏပပါတိ  
နပ္ပပတန္တိ၊ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသပပါတိ နပ္ပပတန္တိ၊ တေ  
ပရိမုစ္စန္တိ ဇာတိယာ ဇရာယ မရဏေန သောကေဟိ ပရိဒေဝေဟိ ဒုက္ခေဟိ  
ဒေါမနဿေဟိ ဥပါယာသေဟိ၊ ပရိမုစ္စန္တိ ဒုက္ခသွာတိ ဝဒါမိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ  
ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-မဟာပရိဋ္ဌာဟသုတ္တ

၁၁၁၃။ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ မဟာပရိဋ္ဌာဟော နာမ နိရယော၊ တတ္ထ ယံ ကိဉ္စိ  
စက္ခုနာ ရူပံ ပဿတိ၊ အနိဋ္ဌရူပညေဝ ပဿတိ နော ဣဋ္ဌရူပံ၊ အကန္တရူပညေဝ  
ပဿတိ နော ကန္တရူပံ၊ အမနာပရူပညေဝ ပဿတိ နော မနာပရူပံ။ ယံ ကိဉ္စိ  
သောတေန သဒ္ဓိ သုဏာတိ။ပ။ ယံ ကိဉ္စိ ကာယေန ဖောဋ္ဌဗ္ဗံ ဖုသတိ။ပ။ ယံ ကိဉ္စိ  
မနသာ ဓမ္မံ ဝိဇာနာတိ၊ အနိဋ္ဌရူပညေဝ ဝိဇာနာတိ နော ဣဋ္ဌရူပံ၊ အကန္တ-  
ရူပညေဝ ဝိဇာနာတိ၊ နော ကန္တရူပံ၊ အမနာပရူပညေဝ ဝိဇာနာတိ၊  
နော မနာပရူပန္တိ။

ဧဝံ ဝုတ္တေ အညတရော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “မဟာ ဝတ သော  
ဘန္တေ ပရိဋ္ဌာဟော၊ သုမဟာ ဝတ သော ဘန္တေ ပရိဋ္ဌာဟော၊ အတ္ထိ န ခေါ  
ဘန္တေ တေမှာ ပရိဋ္ဌာဟာ အညော ပရိဋ္ဌာဟော မဟန္တတရော စေဝ  
ဘယာနကတရော စာ”တိ။ အတ္ထိ ခေါ ဘိက္ခု တေမှာ ပရိဋ္ဌာဟာ အညော  
ပရိဋ္ဌာဟော မဟန္တတရော စ ဘယာနကတရော စာတိ။

ကတမော ပန ဘန္တေ တေမှာ ပရိဋ္ဌာဟာ အညော ပရိဋ္ဌာဟော မဟန္တ-  
တရော စ ဘယာနကတရော စာတိ။ ယေဟိ ကေစိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ  
ဗြာဟ္မဏာ ဝါ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရော-  
ဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ။ တေ ဇာတိသံဝတ္တနိကေသု  
သင်္ခါရေသု အဘိရမန္တိ။ပ။ အဘိရတာ။ပ။ အဘိသင်္ခရေန္တိ။ပ။ အဘိသင်္ခရိတွာ  
ဇာတိပရိဋ္ဌာဟေနပိ ပရိဋ္ဌယန္တိ၊ ဇရာပရိဋ္ဌာဟေနပိ ပရိဋ္ဌယန္တိ၊ မရဏ-  
ပရိဋ္ဌာဟေနပိ ပရိဋ္ဌယန္တိ၊ သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသပရိဋ္ဌာဟေနပိ

ပရိဒုယန္တိ၊ တေ န ပရိမုစ္စန္တိ ဇာတိယာ ဇရာယ မရဏေန သောကေဟိ ပရိဒေဝေဟိ ဒုက္ခေဟိ ဒေါမနဿေဟိ ဥပါယာသေဟိ၊ န ပရိမုစ္စန္တိ ဒုက္ခသွာတိ ဝဒါမိ။

ယေ စ ခေါ ကေဝိ ဘိက္ခဝေ သမဏာ ဝါ မြာဟ္မဏာ ဝါ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ။တေ ဇာတိသံဝတ္ထနိကေသု သင်္ခါရေသု နာဘိရမန္တိ။ပ။ အနဘိရတာ။ပ။ နာဘိသင်္ခရေန္တိ။ပ။ အနဘိသင်္ခရိတွာ ဇာတိပရိဋ္ဌာဟေနပိ န ပရိဒုယန္တိ၊ ဇရာပရိဋ္ဌာဟေနပိ န ပရိဒုယန္တိ၊ မရဏပရိဋ္ဌာဟေနပိ န ပရိဒုယန္တိ၊ သောက-ပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသပရိဋ္ဌာဟေနပိ န ပရိဒုယန္တိ၊ တေ ပရိမုစ္စန္တိ ဇာတိယာ ဇရာယ မရဏေန သောကေဟိ ပရိဒေဝေဟိ ဒုက္ခေဟိ ဒေါမနဿေဟိ ဥပါယာသေဟိ၊ ပရိမုစ္စန္တိ ဒုက္ခသွာတိ ဝဒါမိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။တတိယံ။

### ၄-ကုဋ္ဌာဂါရသုတ္တ

၁၁၁၄။ ယော ဟိ ဘိက္ခဝေ<sup>၁</sup> ဧဝံ ဝဒေယျ “အဟံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အနဘိသမေစ္စ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ<sup>၂</sup> ပဋိပဒံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အနဘိသမေစ္စ သမ္မာ ဒုက္ခဿန္တံ ကရိဿာမီ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယော ဧဝံ ဝဒေယျ “အဟံ ကုဋ္ဌာဂါရဿ ဟေဋ္ဌိမံ ဃရံ အကရိတွာ ဥပရိမံ ဃရံ အာရောပေဿာမီ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။ ဧဝမေဝ ခေါဘိက္ခဝေ ယော ဧဝံ ဝဒေယျ “အဟံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အနဘိသမေစ္စ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ<sup>၂</sup> ပဋိပဒံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အနဘိသမေစ္စ သမ္မာ ဒုက္ခဿန္တံ ကရိဿာမီ”တိ နေတံ ဌာနံ ဝိဇ္ဇတိ။

ယော စ ခေါ ဘိက္ခဝေ ဧဝံ ဝဒေယျ “အဟံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အဘိသမေစ္စ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ<sup>၂</sup> ပဋိပဒံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အဘိသမေစ္စ သမ္မာ ဒုက္ခဿန္တံ ကရိဿာမီ”တိ ဌာနမေတံ ဝိဇ္ဇတိ။

သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယော ဧဝံ ဝဒေယျ “အဟံ ကုဋ္ဌာဂါရဿ ဟေဋ္ဌိမံ ဃရံ ကရိတွာ ဥပရိမံ ဃရံ အာရောပေဿာမီ”တိ ဌာနမေတံ ဝိဇ္ဇတိ။ ဧဝမေဝ



ခေါ် ဘိက္ခုဝေ ယော ဧဝံ ဝဒေယျ “အဟံ ဒုက္ခံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အဘိသမေစ္စ။ ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒံ အရိယသစ္စံ ယထာဘူတံ အဘိသမေစ္စ သမ္မာ ဒုက္ခဿန္တံ ကရိဿာမိ”တိ ဌာနမေတံ ဝိဇ္ဇတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခုဝေ “ဗုဒ္ဓံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ဝါလသုတ္တ

၁၁၁၅။ ဧကံ သမယံ ဘဂဝါ ဝေသာလိယံ ဝိဟရတိ မဟာဝနေ ကုဋ္ဌာဂါရသာလာယံ။ အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီဝရမာဒါယ ဝေသာလိံ ပိဏ္ဍာယ ပါရိသိ။ အဋ္ဌသံ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော သမ္ပဟုလေ လိစ္ဆဝိကုမာရကေ သန္တာဂါရေ ဥပါသနံ ကရောန္တေ ခူရတောဝ သုခုမေန တာဠုစ္ဆိဂ္ဂဋ္ဌေန အသနံ အတိပါတေန္တေ ပေါဒါနုပေါဒံ အဝိရာဓိတံ၊ ဒိဿာနဿ ဧတဒဟောသိ “သိက္ခိတာ ဝတိမေ လိစ္ဆဝိကုမာရကာ၊ သုသိက္ခိတာ ဝတိမေ လိစ္ဆဝိကုမာရကာ၊ ယတြ ဟိ နာမ ခူရတောဝ သုခုမေန တာဠုစ္ဆိဂ္ဂဋ္ဌေန အသနံ အတိပါတေဿန္တိ ပေါဒါနုပေါဒံ အဝိရာဓိတ”န္တိ။

အထ ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဝေသာလိံ ပိဏ္ဍာယ စရိတွာ ပစ္ဆာဘတ္တံ ပိဏ္ဍပါတပဋိက္ကန္တော ယေန ဘဂဝါ တေနပသင်္ကမိ၊ ဥပသင်္ကမိတွာ ဘဂဝန္တံ အဘိဝါဒေတွာ ဧကမန္တံ နိသိဒ္ဓိ၊ ဧကမန္တံ နိသိန္ဒော ခေါ အာယသ္မာ အာနန္ဒော ဘဂဝန္တံ ဧတဒဝေါစ “ဗုဒ္ဓဟံ ဘန္တေ ပုဗ္ဗဏှသမယံ နိဝါသေတွာ ပတ္တစီဝရမာဒါယ ဝေသာလိံ ပိဏ္ဍာယ ပါရိသိ၊ အဋ္ဌသံ ခေါ ဘန္တေ သမ္ပဟုလေ လိစ္ဆဝိကုမာရကေ သန္တာဂါရေ ဥပါသနံ ကရောန္တေ ခူရတောဝ သုခုမေန တာဠုစ္ဆိဂ္ဂဋ္ဌေန အသနံ အတိပါတေန္တေ ပေါဒါနုပေါဒံ အဝိရာဓိတံ၊ ဒိဿာန မေ ဧတဒဟောသိ ‘သိက္ခိတာ ဝတိမေ လိစ္ဆဝိကုမာရကာ၊ သုသိက္ခိတာ ဝတိမေ လိစ္ဆဝိကုမာရကာ၊ ယတြ ဟိ နာမ ခူရတောဝ သုခုမေန တာဠုစ္ဆိဂ္ဂဋ္ဌေန အသနံ အတိပါတေဿန္တိ ပေါဒါနုပေါဒံ အဝိရာဓိတ’န္တိ”။

တံ ကိံ မညသိ အာနန္ဒ၊ ကတမံ န ခေါ ဒုက္ခရတရံ ဝါ ဒုရဘိသမ္ဘဝတရံ ဝါ၊ ယော ခူရတောဝ သုခုမေန တာဠုစ္ဆိဂ္ဂဋ္ဌေန အသနံ အတိပါတေယျ ပေါဒါနုပေါဒံ အဝိရာဓိတံ၊ ယော ဝါ သတ္တဝေ ဘိန္နဿ ဝါလဿ ကောဋိယာ ကောဋိံ ပဋိဝိဇ္ဈေယျာတိ။ ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဒုက္ခရတရဉ္စေ ဒုရဘိသမ္ဘဝတရဉ္စေ၊

ယော ဝါ<sup>၁</sup> သတ္တဓာ ဘိန္ဒဿ ဝါလဿ ကောဋိယာ ကောဋိ<sup>၂</sup> ပဋိဝိဇ္ဈေယျာတိ။  
အထ ခေါ<sup>၁</sup> အာနန္တ ဒုပ္ပင်္ဂဝိဇ္ဈတရံ ပဋိဝိဇ္ဈန္တိ။ ယေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ  
ပဋိဝိဇ္ဈန္တိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဋိဝိဇ္ဈန္တိ။

တသ္မာတိဟာနန္တ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ  
ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-အန္တကာရသုတ္တ

၁၁၁၆။ အတ္ထိ ဘိက္ခဝေ လောကန္တရိကာ အဃာ အသံဝုတာ အန္တကာရာ  
အန္တကာရတိမိသာ၊ ယတ္ထမိမေသံ စန္ဒိမသုရိယာနံ ဧဝံမဟိဋ္ဌိကာနံ ဧဝံ-  
မဟာနုဘာဝါနံ အာဘာယ နာနုဘောန္တိတိ။

ဧဝံ ဝုတ္တေ အညတရော ဘိက္ခု ဘဂဝန္တံ တေဒဝေါစ “မဟာ ဝတ သော  
ဘန္တေ အန္တကာရော၊ သုမဟာ ဝတ သော ဘန္တေ အန္တကာရော၊ အတ္ထိ န ခေါ  
ဘန္တေ တေမှာ အန္တကာရာ အညော အန္တကာရော မဟန္တတရော စ  
ဘယာနကတရော စာ”တိ။ အတ္ထိ ခေါ ဘိက္ခု တေမှာ အန္တကာရာ အညော  
အန္တကာရော မဟန္တတရော စ ဘယာနကတရော စာတိ။

ကတမော ပန ဘန္တေ တေမှာ အန္တကာရာ အညော အန္တကာရော  
မဟန္တတရော စ ဘယာနကတရော စာတိ။ ယေ ဟိ ကေစိ ဘိက္ခု သမဏာ ဝါ  
ဗြာဟ္မဏာ ဝါ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခ-  
နိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနန္တိ။ တေ ဇာတိသံဝတ္တနိကေသု  
သင်္ခါရေသု အဘိရမန္တိ။ပ။ အဘိရတာ။ပ။ အဘိသင်္ခရေန္တိ။ပ။ အဘိသင်္ခရိတွာ  
ဇာတန္တကာရမ္ပိ ပပတန္တိ၊ ဇရန္တကာရမ္ပိ ပပတန္တိ၊ မရဏန္တကာရမ္ပိ ပပတန္တိ၊  
သောကပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသန္တကာရမ္ပိ ပပတန္တိ။ တေ န ပရိမုစ္စန္တိ  
ဇာတိယာ ဇရာယ မရဏေန သောကေဟိ ပရိဒေဝေဟိ ဒုက္ခေဟိ ဒေါမနဿေဟိ  
ဥပါယာသေဟိ၊ န ပရိမုစ္စန္တိ ဒုက္ခသ္မာတိ ဝဒါမိ။

ယေ စ ခေါ ကေစိ ဘိက္ခု သမဏာ ဝါ ဗြာဟ္မဏာ ဝါ “ဣဒံ  
ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ  
ယထာဘူတံ ပဇာနန္တိ။ တေ ဇာတိသံဝတ္တနိကေသု သင်္ခါရေသု နာဘိရမန္တိ။ပ။  
အနဘိရတာ။ပ။ နာဘိသင်္ခရေန္တိ။ပ။ အနဘိသင်္ခရိတွာ ဇာတန္တကာရမ္ပိ

နပ္ပပတန္တိ၊ ဇရန္တကာရဗ္ဗိ နပ္ပပတန္တိ၊ မရဏန္တကာရဗ္ဗိ နပ္ပပတန္တိ၊ သောက-  
ပရိဒေဝဒုက္ခဒေါမနဿုပါယာသန္တကာရဗ္ဗိ နပ္ပပတန္တိ။ တေ ပရိမုစ္စန္တိ ဇာတိယာ  
ဇရာယ မရဏေန သောကေဟိ ပရိဒေဝေဟိ ဒုက္ခေဟိ ဒေါမနဿေဟိ ဥပါယာ-  
သေဟိ၊ ပရိမုစ္စန္တိ ဒုက္ခသွာတိ ဝဒါမိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဗုဒ္ဓံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ  
ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ဗဒ္ဓမဆိဂ္ဂဋ္ဌယုဂသုတ္တ

၁၁၁၇။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပုရိသော မဟာသမုဒ္ဒေ ဧကန္တိဂ္ဂဋ္ဌံ ယုဂံ  
ပက္ခိပေယျ၊ တတြာပိဿ ကာဏော ကစ္ဆပေါ၊ သော ဝဿသတဿ  
ဝဿသတဿ အစ္စယေန သင်္ကံ သင်္ကံ ဥဗ္ဗုဇ္ဇေယျ။ တံ ကိံ မညတ ဘိက္ခဝေ၊  
အပိ န ခေါ ကာဏော ကစ္ဆပေါ ဝဿသတဿ ဝဿသတဿ အစ္စယေန  
သင်္ကံ သင်္ကံ ဥဗ္ဗုဇ္ဇန္တော အမုသ္မိံ ဧကန္တိဂ္ဂဋ္ဌေ ယုဂေ ဂီဝံ ပဝေသေယျာတိ။ ယဒိ  
နန္န ဘန္တေ ကဒါမိ ကရဟမိ ဒိဃဿ အဗ္ဗုနော အစ္စယေနာတိ။

ဒိပ္ပတရံ ခေါ သော ဘိက္ခဝေ ကာဏော ကစ္ဆပေါ ဝဿသတဿ ဝဿ-  
သတဿ အစ္စယေန သင်္ကံ သင်္ကံ ဥဗ္ဗုဇ္ဇန္တော အမုသ္မိံ ဧကန္တိဂ္ဂဋ္ဌေ ယုဂေ  
ဂီဝံ ပဝေသေယျ၊ န ဘေဝါဟံ ဘိက္ခဝေ သင်္ကံ ဝိနိပါတဂတေန ဗာလေနံ  
မနုဿတ္တံ ဝဒါမိ။

တံ ကိဿ ဟေတု၊ န ဟေတ္တ ဘိက္ခဝေ အတ္ထိ ဓမ္မစရိယာ သမစရိယာ  
ကုသလကိရိယာ ပုညကိရိယာ၊ အညမညခါဒိကာ ဧတ္တ ဘိက္ခဝေ ဝတ္တတိ  
ဒုဗ္ဗလခါဒိကာ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ အဒိဋ္ဌတ္တာ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ။  
ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဒုက္ခဿ အရိယသစ္စဿ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိယာ  
ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဗုဒ္ဓံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ  
ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။သတ္တမံ။

## ဂ-ဒုတိယဆိဂ္ဂဋ္ဌယုဂသုတ္တ

၁၁၁၈။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ အယံ မဟာပထဝီ ဧကောဒကော အဿ၊ တတြ ပုရိသော ဧကန္တိဂ္ဂဋ္ဌ ယုဂံ ပက္ခိပေယျ၊ တမေနံ ပုရတ္ထိမော ဝါတော ပစ္ဆိမေန သံဟရေယျ။ ပစ္ဆိမော ဝါတော ပုရတ္ထိမေန သံဟရေယျ။ ဥတ္တရော ဝါတော ဒက္ခိဏေန သံဟရေယျ။ ဒက္ခိဏော ဝါတော ဥတ္တရေန သံဟရေယျ။ တတြဿ ကာဏော ကစ္ဆပေါ၊ သော ဝဿသတဿ ဝဿသတဿ အစ္စယေန သင်္ကံ သင်္ကံ ဥဗ္ဗုဇ္ဈေယျ။ တံ ကိံ မညတ ဘိက္ခဝေ၊ အပိ န ခေါ ကာဏော ကစ္ဆပေါ ဝဿသတဿ ဝဿသတဿ အစ္စယေန သင်္ကံ သင်္ကံ ဥဗ္ဗုဇ္ဈေယျ အမုသိံ ဧကန္တိဂ္ဂဋ္ဌ ယုဂေ ဂီဝံ ပဝေသေယျာတိ။ အဓိစ္စမိဒံ ဘန္တေ၊ ယံ သော ကာဏော ကစ္ဆပေါ ဝဿသတဿ ဝဿသတဿ အစ္စယေန သင်္ကံ သင်္ကံ ဥဗ္ဗုဇ္ဈေယျ အမုသိံ ဧကန္တိဂ္ဂဋ္ဌ ယုဂေ ဂီဝံ ပဝေသေယျာတိ။

ဧဝံ အဓိစ္စမိဒံ ဘိက္ခဝေ ယံ မနုဿတ္တံ လဘတိ၊ ဧဝံ အဓိစ္စမိဒံ ဘိက္ခဝေ ယံ တထာဂတော လောကေ ဥပ္ပဇ္ဇတိ အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ၊ ဧဝံ အဓိစ္စမိဒံ ဘိက္ခဝေ ယံ တထာဂတပ္ပဝေဒိတော ဓမ္မဝိနယော လောကေ ဒိဗ္ဗတိ၊ တဿိဒံ<sup>၁</sup> ဘိက္ခဝေ မနုဿတ္တံ လဒ္ဓံ တထာဂတော လောကေ ဥပ္ပန္နော အရဟံ သမ္မာသမ္ဗုဒ္ဓေါ၊ တထာဂတပ္ပဝေဒိတော စ ဓမ္မဝိနယော လောကေ ဒိဗ္ဗတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။<sup>၂</sup> “အယံ ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

## ဇ-ပဌမသိနေရုပဗ္ဗတရာဇသုတ္တ

၁၁၁၉။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပုရိသော သိနေရဿ ပဗ္ဗတရာဇဿ သတ္တ မုဂ္ဂမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ ဥပနိက္ခိပေယျ။ တံ ကိံ မညတ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယာ ဝါ<sup>၂</sup> သတ္တ မုဂ္ဂမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ ဥပနိက္ခိတ္တာ၊ ယော ဝါ<sup>၃</sup> သိနေရုပဗ္ဗတရာဇာတိ။ ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ ယဒိဒံ သိနေရုပဗ္ဗတရာဇာ၊ အပ္ပမတ္တိကာ သတ္တ မုဂ္ဂမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ ဥပနိက္ခိတ္တာ၊ သင်္ခမ္ဘိ န ဥပေန္တိ ဥပနိဓမ္ဘိ န ဥပေန္တိ ကလဘာဂမ္ဘိ န ဥပေန္တိ၊ သိနေရုပဗ္ဗတရာဇာနံ ဥပနိဓာယ သတ္တ မုဂ္ဂမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ ဥပနိက္ခိတ္တာတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ

၁-တယိဒံ(?)

၂-ယာ စ

၃-ယော စ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က) သံ-၁-၃၅၆-ပိဋကိ။

ပုဂ္ဂလဿ အဘိသမေတာဝိနော ဧတဒေဝ ဗဟုတရံ ဒုက္ခံ၊ ယဒိဒံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ အပ္ပမတ္တကံ အဝသိဋ္ဌံ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေတိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေတိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေတိ၊ ပုရိမံ ဒုက္ခက္ခန္ဓံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ ဥပနိဓာယ၊ ယဒိဒံ သတ္တက္ခတ္တုပရမတာ။ ယော “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဒုတိယသိနေရူပဗ္ဗတရာဇသုတ္တ

၁၁၂၀။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ သိနေရူပဗ္ဗတရာဇာယံ ပရိက္ခယံ ပရိယာဒါနံ ဂစ္ဆေယျ ဌပေတွာ သတ္တ မုဂ္ဂမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ။ တံ ကိ” မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယံ ဝါ သိနေရူဿ ပဗ္ဗတရာဇဿ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ၊ ယာ ဝါ သတ္တ မုဂ္ဂမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ အဝသိဋ္ဌာတိ။ ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ သိနေရူဿ ပဗ္ဗတရာဇဿ၊ ယဒိဒံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ၊ အပ္ပမတ္တိကာ သတ္တ မုဂ္ဂမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ အဝသိဋ္ဌာ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေန္တိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေန္တိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေန္တိ၊ သိနေရူဿ ပဗ္ဗတရာဇဿ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ၊ ဥပနိဓာယ သတ္တ မုဂ္ဂမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ အဝသိဋ္ဌာတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အဘိသမေတာဝိနော ဧတဒေဝ ဗဟုတရံ ဒုက္ခံ၊ ယဒိဒံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ အပ္ပမတ္တကံ အဝသိဋ္ဌံ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေတိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေတိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေတိ၊ ပုရိမံ ဒုက္ခက္ခန္ဓံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ ဥပနိဓာယ၊ ယဒိဒံ သတ္တက္ခတ္တုပရမတာ။ ယော “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဒသမံ။

ပပါတဝဂ္ဂေါ ပဉ္စမော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

စိန္တာ ပပါတော ပရိဋ္ဌာဟော၊ ကူဠံ ဝါလန္ဓကာရော စ။  
ဆိဂ္ဂဋ္ဌေန စ ဒွေ ဝုတ္တာ၊ သိနေရူ အပရေ ဒုဝေတိ။

## ၆-အဘိသမေယဝဂ္ဂ

### ၁-နခသိခသုတ္တ

၁၁၂၁။ အထ ခေါ် ဘဂဝါ ပရိတ္တံ နခသိခါယံ ပံသုံ အာရောပေတွာ ဘိက္ခု။ အာမန္တေသိ “တံ ကိ” မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ ယော ဝါယံ မယာ ပရိတ္တော နခသိခါယံ ပံသု အာရောပိတော၊ အယံ ဝါ မဟာပထဝီ”တိ။ တေဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ ယဒိဒံ မဟာပထဝီ၊ အပ္ပမတ္တကာယံ ဘဂဝတာ ပရိတ္တော နခသိခါယံ ပံသု အာရောပိတော၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေတိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေတိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေတိ၊ မဟာပထဝီ ဥပနိဓာယ ဘဂဝတာ ပရိတ္တော နခသိခါယံ ပံသု အာရောပိတောတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အဘိသမေတာဝိနော တေဒေဝ ဗဟုတရံ ဒုက္ခံ၊ ယဒိဒံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ၊ အပ္ပမတ္တကံ အဝသိဋ္ဌံ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေတိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေတိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေတိ၊ ပုရိမံ ဒုက္ခက္ခန္ဓံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ ဥပနိဓာယ၊ ယဒိဒံ သတ္တက္ခတ္တုပရမတာ။ ယော “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ ။ပဌမံ။

### ၂-ပေါက္ခရဏီသုတ္တ

၁၁၂၂။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပေါက္ခရဏီပညာသယောဇနာနိ အာယာ-  
မေန ပညာသယောဇနာနိ ဝိတ္ထာရေန ပညာသယောဇနာနိ ဥဗ္ဗေဓေန ပုဏ္ဏာ  
ဥဒကဿ သမတိတ္တိကာ ကာကပေယျာ၊ တတော ပုရိသော ကုသဂ္ဂေန  
ဥဒကံ ဥဒ္ဓရေယျ။ တံ ကိ” မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယံ ဝါ  
ကုသဂ္ဂေန ဥဗ္ဘတံ၊ ယံ ဝါ ပေါက္ခရဏီယာ ဥဒကန္တိ။ တေဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ  
ယဒိဒံ ပေါက္ခရဏီယာ ဥဒကံ၊ အပ္ပမတ္တကံ ကုသဂ္ဂေန ဥဒကံ ဥဗ္ဘတံ၊ သင်္ခမ္ပိ န  
ဥပေတိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေတိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေတိ၊ ပေါက္ခရဏီယာ  
ဥဒကံ ဥပနိဓာယ ကုသဂ္ဂေန ဥဒကံ ဥဗ္ဘတန္တိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ  
အရိယသာဝကဿ။ ပ။ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဒုတိယံ။

## ၃-ပဌမသံဘောဇ္ဇသုတ္တ

၁၁၂၃။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယတ္ထိမာ မဟာနဒိယော သံသန္တန္တိ သမေန္တိ။ သေယျထိဒံ၊ ဂင်္ဂါ ယမုနာ အစိရဝတီ သရဘူ မဟီ၊ တတော ပုရိသော ဒွေ ဝါ တီဏိ ဝါ ဥဒကဗုဿိတာနိ ဥဒ္ဓရေယျ။ တံ ကိံ မညှထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယာနိ ဒွေ ဝါ တီဏိ ဝါ ဥဒကဗုဿိတာနိ ဥဗ္ဘတာနိ၊ ယံ ဝါ သံဘောဇ္ဇ-ဥဒကန္တိ။ ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ ယဒိဒံ သံဘောဇ္ဇဥဒကံ၊ အပ္ပမတ္တကာနိ ဒွေ ဝါ တီဏိ ဝါ ဥဒကဗုဿိတာနိ ဥဗ္ဘတာနိ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေန္တိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေန္တိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေန္တိ၊ သံဘောဇ္ဇဥဒကံ ဥပနိဓာယ ဒွေ ဝါ တီဏိ ဝါ ဥဒကဗုဿိတာနိ ဥဗ္ဘတာနီတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ။ ပ။ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။တတိယံ။

## ၄-ဒုတိယသံဘောဇ္ဇသုတ္တ

၁၁၂၄။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ယတ္ထိမာ မဟာနဒိယော သံသန္တန္တိ သမေန္တိ။ သေယျထိဒံ၊ ဂင်္ဂါ ယမုနာ အစိရဝတီ သရဘူ မဟီ၊ တံ ဥဒကံ ပရိက္ခယံ ပရိယာဒါနံ ဂစ္ဆေယျ ဌပေတွာ ဒွေ ဝါ တီဏိ ဝါ ဥဒကဗုဿိတာနိ။ တံ ကိံ မညှထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယံ ဝါ သံဘောဇ္ဇဥဒကံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ၊ ယာနိ ဒွေ ဝါ တီဏိ ဝါ ဥဒကဗုဿိတာနိ အဝသိဋ္ဌာနီတိ။ ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ သံဘောဇ္ဇဥဒကံ၊ ယဒိဒံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ၊ အပ္ပမတ္တကာနိ ဒွေ ဝါ တီဏိ ဝါ ဥဒကဗုဿိတာနိ အဝသိဋ္ဌာနိ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေန္တိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေန္တိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေန္တိ၊ သံဘောဇ္ဇဥဒကံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ ဥပနိဓာယ ဒွေ ဝါ တီဏိ ဝါ ဥဒကဗုဿိတာနိ အဝသိဋ္ဌာနီတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ။ ပ။ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။စတုတ္ထံ။

## ၅-ပဌမမဟာပထဝီသုတ္တ

၁၁၂၅။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပုရိသော မဟာပထဝီယာ သတ္တ ကော-လဋ္ဌိမတ္တိယော ဂုဠိကာ ဥပနိက္ခိပေယျ။ တံ ကိံ မညှထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယာ ဝါ သတ္တ ကောလဋ္ဌိမတ္တိယော ဂုဠိကာ ဥပနိက္ခိတ္တာ၊ အယံ ဝါ မဟာပထဝီတိ။ ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ ယဒိဒံ မဟာပထဝီ၊ အပ္ပမတ္တိကာ သတ္တ ကောလဋ္ဌိမတ္တိယော ဂုဠိကာ ဥပနိက္ခိတ္တာ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေန္တိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေန္တိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေန္တိ၊ မဟာပထဝီ ဥပနိဓာယ သတ္တ ကောလဋ္ဌိ-မတ္တိယော ဂုဠိကာ ဥပနိက္ခိတ္တာတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ။ ပ။ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ခုတိယမဟာပထဝီသုတ္တ

၁၁၂၆။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မဟာပထဝီ ပရိက္ခယံ ပရိယာဒါနံ ဂစ္ဆေယျ ဌပေတွာ သတ္တ ကောလဋ္ဌိမတ္တိယော ဂုဠိကာ။ တံ ကိံ မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယံ ဝါ မဟာပထဝီယာ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္နံ၊ ယာ ဝါ သတ္တ ကောလဋ္ဌိမတ္တိယော ဂုဠိကာ အဝသိဋ္ဌာတိ။ ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ မဟာပထဝီယာ ယဒိဒံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္နံ၊ အပ္ပမတ္တိကာ သတ္တ ကောလဋ္ဌိမတ္တိယော ဂုဠိကာ အဝသိဋ္ဌာ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေန္တိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေန္တိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေန္တိ၊ မဟာပထဝီ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္နံ ဥပနိဓာယ သတ္တ ကောလဋ္ဌိမတ္တိယော ဂုဠိကာ အဝသိဋ္ဌာတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ။ ပ။ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ပဌမမဟာသမုဒ္ဒသုတ္တ

၁၁၂၇။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပုရိသော မဟာသမုဒ္ဒတော ဒွေ ဝါ တိဏိ ဝါ ဥဒကဖုဿိတာနိ ဥဗ္ဘရိတာနိ။ တံ ကိံ မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယာနိ ဒွေ ဝါ တိဏိ ဝါ ဥဒကဖုဿိတာနိ ဥဗ္ဘတာနိ၊ ယံ ဝါ မဟာသမုဒ္ဒေ ဥဒကန္တိ။ ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ ယဒိဒံ မဟာသမုဒ္ဒေ ဥဒကံ၊ အပ္ပမတ္တကာနိ ဒွေ ဝါ တိဏိ ဝါ ဥဒကဖုဿိတာနိ ဥဗ္ဘတာနိ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေန္တိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေန္တိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေန္တိ၊ မဟာသမုဒ္ဒေ ဥဒကံ ဥပနိဓာယ ဒွေ ဝါ တိဏိ ဝါ ဥဒကဖုဿိတာနိ ဥဗ္ဘတာနိတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ။ ပ။ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။သတ္တမံ။

### ၈-ခုတိယမဟာသမုဒ္ဒသုတ္တ

၁၁၂၈။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ မဟာသမုဒ္ဒေ ဥဒကံ ပရိက္ခယံ<sup>၁</sup> ပရိယာဒါနံ ဂစ္ဆေယျ ဌပေတွာ ဒွေ ဝါ တိဏိ ဝါ ဥဒကဖုဿိတာနိ။ တံ ကိံ မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယံ ဝါ မဟာသမုဒ္ဒေ ဥဒကံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္နံ၊ ယာနိ ဒွေ ဝါ တိဏိ ဝါ ဥဒကဖုဿိတာနိ အဝသိဋ္ဌာနိတိ။ ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ မဟာသမုဒ္ဒေ ဥဒကံ ယဒိဒံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္နံ၊ အပ္ပမတ္တကာနိ ဒွေ ဝါ တိဏိ ဝါ ဥဒကဖုဿိတာနိ အဝသိဋ္ဌာနိ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေန္တိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေန္တိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေန္တိ၊ မဟာသမုဒ္ဒေ ဥဒကံ

၁-မဟာသမုဒ္ဒေါ ပရိက္ခယံ (သီ၊ သျှ၊ ကံ) သံ-၁-၃၅၅-ပိဋ္ဌေပိ။



ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ ဥပနိဓာယ ဒွေ ဝါ တိဏိ ဝါ ဥဒကဗုဿိတာနိ အဝသိဋ္ဌာနိတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ။ပ။ ယောဂေါ ကရဏိယောတိ။ ။အဋ္ဌမံ။

### ၉-ပဗ္ဗမပဗ္ဗတူပမသုတ္တ

၁၁၂၉။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ပုရိသော ဟိမဝတော ပဗ္ဗတရာဇဿ သတ္တ သာသပမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ ဥပနိက္ခိပေယျ။ တံ ကိံ မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယာ ဝါ သတ္တ သာသပမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ ဥပနိက္ခိတ္တာ၊ အယံ ဝါ ဟိမဝါ ပဗ္ဗတရာဇာတိ။ ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ ယဒိဒံ ဟိမဝါ ပဗ္ဗတရာဇာ၊ အပ္ပမတ္တိကာ သတ္တ သာသပမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ ဥပနိက္ခိတ္တာ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေန္တိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေန္တိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေန္တိ၊ ဟိမဝန္တံ ပဗ္ဗတရာဇာနံ ဥပနိဓာယ သတ္တ သာသပမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ ဥပနိက္ခိတ္တာတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ။ပ။ ယောဂေါ ကရဏိယောတိ။ ။နဝမံ။

### ၁၀-ဒုတိယပဗ္ဗတူပမသုတ္တ

၁၁၃၀။ သေယျထာပိ ဘိက္ခဝေ ဟိမဝါ ပဗ္ဗတရာဇာ ပရိက္ခယံ ပရိယာဒါနံ ဂစ္ဆေယျ ဌပေတွာ သတ္တ သာသပမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ။ တံ ကိံ မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယံ ဝါ ဟိမဝတော ပဗ္ဗတရာဇဿ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ၊ ယာ ဝါ သတ္တ သာသပမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ အဝသိဋ္ဌာတိ။ ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ ဟိမဝတော ပဗ္ဗတရာဇဿ ယဒိဒံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ၊ အပ္ပမတ္တိကာ သတ္တ သာသပမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ အဝသိဋ္ဌာ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေန္တိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေန္တိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေန္တိ၊ ဟိမဝတော ပဗ္ဗတရာဇဿ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ၊ ဥပနိဓာယ သတ္တ သာသပမတ္တိယော ပါသာဏသက္ခရာ အဝသိဋ္ဌာတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အရိယသာဝကဿ ဒိဋ္ဌိသမ္ပန္နဿ ပုဂ္ဂလဿ အဘိသမေတာဝိနော ဧတဒေဝ ဗဟုတရံ ဒုက္ခံ၊ ယဒိဒံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ၊ အပ္ပမတ္တိကံ အဝသိဋ္ဌံ၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေတိ ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေတိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေတိ၊ ပုရိမံ ဒုက္ခက္ခန္ဓံ ပရိက္ခိဏံ ပရိယာဒိန္တံ ဥပနိဓာယ၊ ယဒိဒံ သတ္တက္ခတ္တုပရမတာ။ “ယော ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယထာဘူတံ ပဇာနာတိ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ  
ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဒသမံ။

အဘိသမယဝဂ္ဂေါ ဆဋ္ဌော။

### တသျှဒ္ဓါနံ

နခသိခါ ပေါက္ခရဏီ၊ သံဘောဇ္ဇ အပရေ ဒုဝေ။  
ပထဝီ ဒွေ သမုဒ္ဓါ ဒွေ၊ ဒွေမာ စ ပဗ္ဗတူပမာတိ။

## ၇-ပဌမအာမကဓညပေယျာလဝဂ္ဂ

### ၁-အညတြိသုတ္တ

၁၁၃၁။ အထ ခေါ ဘဂဝါ ပရိတ္တံ နခသိခါယံ ပံသုံ အာရောပေတွာ ဘိက္ခူ  
အာမန္တေသိ“တံ ကိ” မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယော ဝါယံ  
မယာ ပရိတ္တော နခသိခါယံ ပံသု အာရောပိတော၊ အယံ ဝါ မဟာပထဝီ”တိ။  
ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ ယဒိဒံ မဟာပထဝီ၊ အပ္ပမတ္တကာယံ ဘဂဝတာ  
ပရိတ္တော နခသိခါယံ ပံသု အာရောပိတော၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေတိ ဥပနိဓမ္ပိ နဥပေတိ  
ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေတိ၊ မဟာပထဝီ ဥပနိဓာယ အဂဝတာ ပရိတ္တော  
နခသိခါယံ ပံသု အာရောပိတောတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပမတ္တကာ  
တေ သတ္တာ၊ ယေ မနုဿေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ  
သတ္တာ ယေ အညတြိ မနုဿေဟိ” ပစ္စာဇာယန္တိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ အဒိဋ္ဌတ္တာ  
ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဒုက္ခဿ အရိယသစ္စဿ။ပ။  
ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ  
ဒုက္ခနိရောဂေါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ပဌမံ။

### ၂-ပစ္စန္နသုတ္တ

၁၁၃၂။ အထ ခေါ ဘဂဝါ ပရိတ္တံ နခသိခါယံ ပံသုံ အာရောပေတွာ ဘိက္ခူ  
အာမန္တေသိ “တံ ကိ” မညထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယော

ဝါယံ မယာ ပရိတ္တော နခသိခါယံ ပံသု အာရောပိတော၊ အယံ ဝါ မဟာ-  
ပထဝီ”တိ။ ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ ယဒိဒံ မဟာပထဝီ၊ အပ္ပမတ္တကာယံ  
ဘဂဝတာ ပရိတ္တော နခသိခါယံ ပံသု အာရောပိတော၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေတိ  
ဥပနိဓမ္ပိ န ဥပေတိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေတိ၊ မဟာပထဝီ ဥပနိဓာယ  
ဘဂဝတာ ပရိတ္တော နခသိခါယံ ပံသု အာရောပိတောတိ။

ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပမတ္တကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ မဇ္ဈိမေသု  
ဇနပဒေသု ပစ္စာဇာယန္တိ၊ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ  
ပစ္စန္တိမေသု ဇနပဒေသု ပစ္စာဇာယန္တိ အဝိညာတာရေသု မိလက္ခေသု”ပ။ ။  
ဒုတိယံ။

### ၃-ပညာသုတ္တ

၁၁၃၃။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ပန  
အရိယေန ပညာစက္ခုနာ သမန္နာဂတာ၊ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ  
သတ္တာ၊ ယေ အဝိဇ္ဇာဂတာ သမ္မုဋ္ဌာ”ပ။ ။တတိယံ။

### ၄-သုရာမေရယသုတ္တ

၁၁၃၄။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ သုရာမေရယ-  
မဇ္ဈပ္ပမာဒဋ္ဌာနာ ပဋိဝိရတာ၊ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ  
သုရာမေရယမဇ္ဈပ္ပမာဒဋ္ဌာနာ ပဋိဝိရတာ”ပ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ဩဒကသုတ္တ

၁၁၃၅။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ထလဇာ၊ အထ  
ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဥဒကဇာ။ တံ ကိဿ ဟေတု”ပ။ ။  
ပဉ္စမံ။

### ၆-မတ္တေယျသုတ္တ

၁၁၃၆။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ မတ္တေယျာ၊  
အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ အမတ္တေယျာ”ပ။ ။ဆဋ္ဌံ။

**၇-ပေတ္တေယျသုတ္တ**

၁၁၃၇။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ပေတ္တေယျာ၊  
အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ အပေတ္တေယျာ။ပ။ ။သတ္တမံ။

**၈-သာမညသုတ္တ**

၁၁၃၈။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ သာမညာ၊  
အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ အသာမညာ။ပ။ ။အဋ္ဌမံ။

**၉-ဗြဟ္မညသုတ္တ**

၁၁၃၉။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဗြဟ္မညာ  
အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ အဗြဟ္မညာ။ပ။ ။နဝမံ။

**၁၀-ပစ္စာယိကသုတ္တ**

၁၁၄၀။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ကုလေ  
ဇေဋ္ဌာပစ္စာယိနော။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ကုလေ  
အဇေဋ္ဌာပစ္စာယိနောတိ။ ။ဒသမံ။

ပဌမအာမကဓညပေယျာလဝဂ္ဂေါ သတ္တမော။

**တသုဒ္ဓါနံ**

အညတြ ပစ္စန္တံ ပညာ၊ သုရာမေရယဩဒကာ။  
မတ္တေယျ ပေတ္တေယျာ စာပိ၊ သာမညံ ဗြဟ္မပစ္စာယိကန္တိ။

**၈-ဒုတိယအာမကဓညပေယျာလဝဂ္ဂ****၁-ပါဏာတိပါတသုတ္တ**

၁၁၄၁။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ပါဏာတိပါတာ  
ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ပါဏာတိပါတာ  
အပ္ပဋိဝိရတာ။ တံ ကိဿ ဟေတု။ပ။ ။ပဌမံ။

### ၂-အဒိန္နာဒါနသုတ္တ

၁၁၄၂။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ အဒိန္နာဒါနာ ပဋိရိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ အဒိန္နာဒါနာ အပ္ပဋိရိရတာ။ ပ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ကာမေသုမိစ္ဆာစာရသုတ္တ

၁၁၄၃။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ကာမေသုမိစ္ဆာစာရ ပဋိရိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ကာမေသုမိစ္ဆာစာရ အပ္ပဋိရိရတာ။ ပ။ ။တတိယံ။

### ၄-မုသာဝါဒသုတ္တ

၁၁၄၄။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ မုသာဝါဒါ ပဋိရိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ မုသာဝါဒါ အပ္ပဋိရိရတာ။ ပ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ပေသုညသုတ္တ

၁၁၄၅။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ပိသုဏာယ ဝါစာယ ပဋိရိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ပိသုဏာယ ဝါစာယ အပ္ပဋိရိရတာ။ ပ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ဖရုသဝါစာသုတ္တ

၁၁၄၆။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဖရုသာယ ဝါစာယ ပဋိရိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဖရုသာယ ဝါစာယ အပ္ပဋိရိရတာ။ ပ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-သမ္ဗုပ္ပလာပသုတ္တ

၁၁၄၇။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ သမ္ဗုပ္ပလာပါ ပဋိရိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ သမ္ဗုပ္ပလာပါ အပ္ပဋိရိရတာ။ ပ။ ။သတ္တမံ။

## ၈-ဗီဇဂါမသုတ္တ

၁၁၄၈။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဗီဇဂါမဘူတ-  
ဂါမသမာရန္တာ<sup>၁</sup> ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ  
ဗီဇဂါမဘူတဂါမသမာရန္တာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ ပ။ ။ အဋ္ဌမံ။

## ၉-ဝိကာလဘောဇနသုတ္တ

၁၁၄၉။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဝိကာလဘော-  
ဇနာ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဝိကာလဘောဇနာ  
အပ္ပဋိဝိရတာ။ ပ။ ။ နဝမံ။

## ၁၀-ဂန္ဓဝိလေပနသုတ္တ

၁၁၅၀။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ မာလာဂန္ဓ-  
ဝိလေပနဓာရဏမဏ္ဍနဝိဘူသနဋ္ဌာနာ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ  
ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ မာလာဂန္ဓဝိလေပနဓာရဏမဏ္ဍနဝိဘူသနဋ္ဌာနာ အပ္ပဋိ-  
ဝိရတာ။ ။ ဒသမံ။

ဒုတိယအာမကဓညပေယျာလဝဂ္ဂေါ အဋ္ဌမော။

## တသျဒ္ဓါနံ

ပါဏံ အဒိန္နံ ကာမေသု၊ မုသာဝါဒဉ္စ ပေသုညံ။  
ဇရသံ သမ္မပ္ပလာပံ၊ ဗီဇေ ဝိကာလံ ဂန္ဓန္တိ။

## ၉-တတိယအာမကဓညပေယျာလဝဂ္ဂ

## ၁-နစ္စဂီတသုတ္တ

၁၁၅၁။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ နစ္စဂီတ-  
ဝါဒီတဝိသုကဒဿနာ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ  
နစ္စဂီတဝါဒီတဝိသုကဒဿနာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ တံ ကိဿ ဟေတု။ ပ။ ။ ပဋ္ဌမံ။

### ၂-ဥစ္စာသယနသုတ္တ

၁၁၅၂။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဥစ္စာသယနမဟာသယနာ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဥစ္စာသယနမဟာသယနာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ ပ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ဇာတရူပရဇတသုတ္တ

၁၁၅၃။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဇာတရူပရဇတပဋိဂ္ဂဟဏာ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဇာတရူပရဇတပဋိဂ္ဂဟဏာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ ပ။ ။တတိယံ။

### ၄-အာမကဉ္စေသုတ္တ

၁၁၅၄။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ အာမကဉ္စေပဋိဂ္ဂဟဏာ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ အာမကဉ္စေပဋိဂ္ဂဟဏာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ ပ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-အာမကမံသသုတ္တ

၁၁၅၅။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ အာမကမံသပဋိဂ္ဂဟဏာ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ အာမကမံသပဋိဂ္ဂဟဏာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ ပ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-ကုမာရိကသုတ္တ

၁၁၅၆။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဣတ္ထိကုမာရိကပဋိဂ္ဂဟဏာ<sup>၁</sup> ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဣတ္ထိကုမာရိကပဋိဂ္ဂဟဏာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ ပ။ ။ဆဋ္ဌံ။

### ၇-ဒါသိဒါသသုတ္တ

၁၁၅၇။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဒါသိဒါသပဋိဂ္ဂဟဏာ<sup>၂</sup> ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဒါသိဒါသပဋိဂ္ဂဟဏာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ ပ။ ။သတ္တမံ။

၁-ဣတ္ထိကုမာရိကပဋိဂ္ဂဟဏာ (က)

၂-ဒါသိဒါသပဋိဂ္ဂဟဏာ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)

## ဂ-အဇေဋ္ဌကသုတ္တ

၁၁၅၈။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ အဇေဋ္ဌကပဋိဂ္ဂဟဏာ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ အဇေဋ္ဌကပဋိဂ္ဂဟဏာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ ပ။ ။ အဋ္ဌမံ။

## ဇ-ကုက္ကုဒ္ဓသူကရသုတ္တ

၁၁၅၉။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ကုက္ကုဒ္ဓသူကရပဋိဂ္ဂဟဏာ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ကုက္ကုဒ္ဓသူကရပဋိဂ္ဂဟဏာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ ပ။ ။ နဝမံ။

## ၁၀-ဟတ္ထိဂဝဿသုတ္တ

၁၁၆၀။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဟတ္ထိဂဝဿဝဋ္ဌပဋိဂ္ဂဟဏာ<sup>၁</sup> ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဟတ္ထိဂဝဿဝဋ္ဌပဋိဂ္ဂဟဏာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ ။ ဒသမံ။

တတိယအာမကဓညပေယျာလဝဂ္ဂေါ နဝမော။

## တသုဒ္ဓါနံ

နစ္စံ သယနံ ရဇတံ၊ ဓညံ မံသံ ကုမာရိကာ။  
ဒါသီ အဇေဋ္ဌကဇ္ဈေဝ၊ ကုက္ကုဒ္ဓသူကရဟတ္ထီတိ။

## ၁၀-စတုတ္ထအာမကဓညပေယျာလဝဂ္ဂ

## ၁-ခေတ္တဝတ္ထုသုတ္တ

၁၁၆၁။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ခေတ္တဝတ္ထုပဋိဂ္ဂဟဏာ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ခေတ္တဝတ္ထုပဋိဂ္ဂဟဏာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ ပ။ ။ ပဌမံ။

---

၁-ဟတ္ထိဂဝဿဝဋ္ဌပဋိဂ္ဂဟဏာ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)



### ၂-ကယဝိက္ကယသုတ္တ

၁၁၆၂။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ကယဝိက္ကယာ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ကယဝိက္ကယာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ပ။ ။ဒုတိယံ။

### ၃-ဒူတေယျသုတ္တ

၁၁၆၃။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဒူတေယျ-ပဟိနဂမနာနုယောဂါ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဒူတေယျပဟိနဂမနာနုယောဂါ အပ္ပဋိဝိရတာ။ပ။ ။တတိယံ။

### ၄-တုလာကူဋသုတ္တ

၁၁၆၄။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ တုလာကူဋ-ကံသကူဋမာနကူဋာ ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ တုလာကူဋကံသကူဋမာနကူဋာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ပ။ ။စတုတ္ထံ။

### ၅-ဥက္ကောဋနဝဉ္ဇနသုတ္တ

၁၁၆၅။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဥက္ကောဋနဝဉ္ဇန-နိကတိသာစိယောဂါ<sup>၁</sup> ပဋိဝိရတာ၊ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဥက္ကောဋနဝဉ္ဇနနိကတိသာစိယောဂါ အပ္ပဋိဝိရတာ။ပ။ ။ပဉ္စမံ။

### ၆-၁၁-ဆေဒနာဒိသုတ္တ

၁၁၆၆-၁၁၇၁။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဆေဒနဝဓမ္မန္တနိပရာမောသအာလောပသဟသာကာရာ<sup>၂</sup> ပဋိဝိရတာ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဆေဒနဝဓမ္မန္တနိပရာမောသအာလောပ-သဟသာကာရာ အပ္ပဋိဝိရတာ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ အဒိဋ္ဌတ္တာ ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဒုက္ခဿ အရိယသစ္စဿ။ပ။ ဒုက္ခနိရောဓ-ဂါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော။ပ။ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ ကရဏီယောတိ။ ။ဧကာဒသမံ။

စတုတ္ထအာမကဓညပေယျာလဝဂ္ဂေါ ဒသမော။

### တသျှဒါနံ

ခေတ္တံ ကာယံ ဒူတေယျဉ္စ၊ တုလာကူဠံ ဥက္ကောဋ္ဌနံ။  
ဆေဒနံ ဝဗေန္ဓနံ၊ ဝိပရာလောပံ သာဟသန္တိ။

### ၁၁-ပဉ္စဂတိပေယျာလဝဂ္ဂ

#### ၁-မနုဿစူတိနိရယသုတ္တ

၁၁၇၂။ အထ ခေါ ဘဂဝါ ပရိတ္တံ နခသိခါယံ ပံသု အာရောပေတွာ ဘိက္ခူ၊  
အာမန္တေသိ “တံ ကိ” မညှထ ဘိက္ခဝေ၊ ကတမံ န ခေါ ဗဟုတရံ၊ ယော ဝါယံ  
မယာ ပရိတ္တော နခသိခါယံ ပံသု အာရောပိတော၊ အယံ ဝါ မဟာပထဝီ”တိ။  
ဧတဒေဝ ဘန္တေ ဗဟုတရံ ယဒိဒံ မဟာပထဝီ၊ အပ္ပမတ္တကာယံ ဘဂဝတာ  
ပရိတ္တော နခသိခါယံ ပံသု အာရောပိတော၊ သင်္ခမ္ပိ န ဥပေတိ ဥပနိဓမ္ပိ န  
ဥပေတိ ကလဘာဂမ္ပိ န ဥပေတိ၊ မဟာပထဝီ ဥပနိဓာယ ဘဂဝတာ ပရိတ္တော  
နခသိခါယံ ပံသု အာရောပိတောတိ။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ  
သတ္တာ၊ ယေ မနုဿာ စုတာ မနုဿေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ  
ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ မနုဿာ စုတာ နိရယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ။ပဌမံ။

#### ၂-မနုဿစူတိတိရစ္ဆာနသုတ္တ

၁၁၇၃။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ မနုဿာ စုတာ  
မနုဿေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ မနုဿာ  
စုတာ တိရစ္ဆာနယောနိယာ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ။ဒုတိယံ။

#### ၃-မနုဿစူတိပေတ္တိဝိသယသုတ္တ

၁၁၇၄။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ မနုဿာ စုတာ  
မနုဿေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ  
မနုဿာ စုတာ ပေတ္တိဝိသယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ။တတိယံ။

#### ၄-၅-၆-မနုဿစူတိဒေဝနိရယာဒိသုတ္တ

၁၁၇၅-၁၁၇၇။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ  
မနုဿာ စုတာ ဒေဝေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊

ယေ မနုဿာ စုတာ နိရယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ တိရစ္ဆာနနယောနိယာ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ပေတ္တိဝိသယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ဆဋ္ဌံ။

### ၇-၉-ဒေဝစုတိနိရယာဒိသုတ္တ

၁၁၇၈-၁၁၈၀။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဒေဝါ စုတာ ဒေဝေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဒေဝါ စုတာ နိရယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ တိရစ္ဆာနနယောနိယာ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ပေတ္တိဝိသယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ နဝမံ။

### ၁၀-၁၂-ဒေဝမနုဿနိရယသုတ္တ

၁၁၈၁-၁၁၈၃။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ဒေဝါ စုတာ မနုဿေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ဒေဝါ စုတာ နိရယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ တိရစ္ဆာနနယောနိယာ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ပေတ္တိဝိသယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ ပုဒ္ဓါဒသမံ။

### ၁၃-၁၅-နိရယမနုဿနိရယာဒိသုတ္တ

၁၁၈၄-၁၁၈၆။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ နိရယာ စုတာ မနုဿေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ နိရယာ စုတာ နိရယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ တိရစ္ဆာနနယောနိယာ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ပေတ္တိဝိသယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ပုဉ္စရသမံ။

### ၁၆-၁၈-နိရယဒေဝနိရယာဒိသုတ္တ

၁၁၈၇-၁၁၈၉။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ နိရယာ စုတာ ဒေဝေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ နိရယာ စုတာ နိရယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ တိရစ္ဆာနနယောနိယာ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ပေတ္တိဝိသယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ အဋ္ဌာရသမံ။

### ၁၉-၂၁-တိရစ္ဆာနမနုဿနိရယာဒိသုတ္တ

၁၁၉၀-၁၁၉၂။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ တိရစ္ဆာနနယောနိယာ စုတာ မနုဿေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ တိရစ္ဆာနနယောနိယာ စုတာ နိရယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။

တိရစ္ဆာနယောနိယာ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ပေတ္တိဝိသယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ။  
ဧကဝိသတိမံ။

### ၂၂-၂၄-တိရစ္ဆာနဒေဝနိရယာဒိသုတ္တ

၁၁၉၃-၁၁၉၅။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ  
တိရစ္ဆာနယောနိယာ စုတာ ဒေဝေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ  
ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ တိရစ္ဆာနယောနိယာ စုတာ နိရယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။  
တိရစ္ဆာနယောနိယာ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ပေတ္တိဝိသယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ။  
စတုဝိသတိမံ။

### ၂၅-၂၇-ပေတ္တိမနုဿနိရယာဒိသုတ္တ

၁၁၉၆-၁၁၉၈။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ  
ပေတ္တိဝိသယာ စုတာ မနုဿေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ  
သတ္တာ၊ ယေ ပေတ္တိဝိသယာ စုတာ နိရယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ တိရစ္ဆာန-  
ယောနိယာ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ပေတ္တိဝိသယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ။သတ္တဝိသတိမံ။

### ၂၈-၂၉-ပေတ္တိဒေဝနိရယာဒိသုတ္တ

၁၁၉၉-၁၂၀၀။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ  
ပေတ္တိဝိသယာ စုတာ ဒေဝေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ  
သတ္တာ၊ ယေ ပေတ္တိဝိသယာ စုတာ နိရယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ဧဝမေဝ ခေါ  
ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ပေတ္တိဝိသယာ စုတာ ဒေဝေသု  
ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ ပေတ္တိဝိသယာ  
စုတာ တိရစ္ဆာနယောနိယာ ပစ္စာဇာယန္တိ။ပ။ ။ဇောနတိသတိမံ။

### ၃၀-ပေတ္တိဒေဝပေတ္တိဝိသယသုတ္တ

၁၂၀၁။ ဧဝမေဝ ခေါ ဘိက္ခဝေ အပ္ပကာ တေ သတ္တာ၊ ယေ ပေတ္တိဝိသယာ  
စုတာ ဒေဝေသု ပစ္စာဇာယန္တိ။ အထ ခေါ ဧတေဝ ဗဟုတရာ သတ္တာ၊ ယေ  
ပေတ္တိဝိသယာ စုတာ ပေတ္တိဝိသယေ ပစ္စာဇာယန္တိ။ တံ ကိဿ ဟေတု၊ အဒိဋ္ဌတ္တာ  
ဘိက္ခဝေ စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ။ ကတမေသံ စတုန္တံ၊ ဒုက္ခဿ အရိယသစ္စဿ  
ဒုက္ခသမုဒယဿ အရိယသစ္စဿ ဒုက္ခနိရောဓဿ အရိယသစ္စဿ ဒုက္ခနိရော-  
ဂါမိနိယာ ပဋိပဒါယ အရိယသစ္စဿ။

တသ္မာတိဟ ဘိက္ခဝေ “ဣဒံ ဒုက္ခ”န္တိ ယောဂေါ ကရဏီယော၊ “အယံ  
ဒုက္ခသမုဒယော”တိ ယောဂေါ ကရဏီယော၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓော”တိ  
ယောဂေါ ကရဏီယော၊ “အယံ ဒုက္ခနိရောဓဂါမိနိ ပဋိပဒါ”တိ ယောဂေါ  
ကရဏီယောတိ။ ဣဒမဝေါစ ဘဂဝါ။ အတ္တမနာ တေ ဘိက္ခု ဘဂဝတော  
ဘာသိတံ အဘိနန္တုန္တိ။ ။တိံသတိမံ။

ပဉ္စဂတိပေယျာလဝဂ္ဂေါ ကောဒသမော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

မနုဿတော စုတာ ဆာပိ၊ ဒေဝါ စုတာ နိရယတော။  
တိရစ္ဆာပေတ္တိဝိသယာ၊ တိံသမတ္ထော ဂတိဝဂ္ဂေါတိ။

### သစ္စသံယုတ္တံ ဒွါဒသမံ။

မဟာဝဂ္ဂေါ ပဉ္စမော။

### တဿုဒ္ဓါနံ

မဂ္ဂဗောဇ္ဈင်္ဂံ သတိယာ၊ ဣန္ဒြိယံ သမ္ပပ္ပဓာနံ။  
ဗလိဒ္ဓိပါဒါနုရုဒ္ဓါ၊ ဈာနာနာပါန သံယုတံ။  
သောတာပတ္တိ သစ္စဇ္ဇာတိ၊ မဟာဝဂ္ဂေါတိ ဝုစ္စတီတိ။

### မဟာဝဂ္ဂသံယုတ္တပါဠိ နိဋ္ဌိတာ။



မဟာဝဂ္ဂသံယုတ္တပါဠိယာ

လက္ခိတဗ္ဗပဒါနံ အနုတ္တမဏိကာ

| ပဒါနုတ္တမော            | ပိဋကော် | ပဒါနုတ္တမော         | ပိဋကော် |
|------------------------|---------|---------------------|---------|
| [ အ ]                  |         | [ အ ]               |         |
| အကသိရလာဘီ              | ၂၇၅     | အမစ္စာ              | ၃၁၇     |
| အကာလမေဃော              | ၄၆      | အမတဂါမိမဂ္ဂေါ       | ၇       |
| အကိစ္ဆလာဘီ             | ၂၇၅     | အမတောဂဓံ            | ၁၉၄     |
| အကုသလရာသိ              | ၁၂၇     | အမတပရာယဏံ           | ၁၉၄     |
| အကုသလာ ဓမ္မာ           | ၁၅      | အမတပရိယောသာနံ       | ၁၉၄     |
| အဂေါစရော               | ၁၂၈     | အမတံ                | ၇       |
| အဃာ                    | ၃၉၆     | အမတ္တေယျာ           | ၄၀၅     |
| အဇေဋ္ဌကပဋိဂ္ဂဟဏာ       | ၄၁၀     | အရတိ                | ၅၉      |
| အဒလိဒ္ဓေါ              | ၈၉      | အရိယဝိဟာရော         | ၂၈၄     |
| အဒိန္နာဒါနာ            | ၄၀၇     | အလက္ခိကာ            | ၁၂၇     |
| အနညသရဏော               | ၁၃၃     | အဝိတက္ကောမိ         | ၁၃၅     |
| အနနုဗောဓာ              | ၃၇၇     | အဝေစ္စပ္ပသာဒေါ      | ၃၃၃     |
| အနမတဂ္ဂေါ              | ၁၉၉     | အသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ | ၃၃၀     |
| အနာဓာရော               | ၁၇      | အသင်္ချေယျာ         | ၃၅၀     |
| အနာဝတ္တိဓမ္မာ          | ၃၁၁     | အသပ္ပုရိသတရော       | ၁၆      |
| အနိစ္စသညာ              | ၁၁၆     | အသပ္ပုရိသော         | ၁၆      |
| အနိစ္စေ ဒုက္ခသညာ       | ၁၁၆     | အသာမညာ              | ၄၀၆     |
| အနုဂ္ဂါဟကော            | ၁၄၀     | အသာရာဒါနိ           | ၃၃၁     |
| အနုဋ္ဌိတာ              | ၂၂၇     | အသုခသယိတာနိ         | ၃၃၁     |
| အနုပရိယာယပထံ           | ၁၃၉     | အသုဘနိမိတ္တံ        | ၉၃      |
| အနေကဝိဟိတံ တိရစ္ဆာနကထံ | ၃၆၈     | အသုဘသညာ             | ၁၁၆     |
| အနေဋ္ဌမူဂေါ            | ၈၈      | အသေခေါ              | ၁၅၂     |
| အနောတ္တပ္ပံ            | ၁       | အသေစနကော            | ၂၈၀     |
| အပေတ္တေယျာ             | ၄၀၆     | အသေသဝိရာဂနိရောဓော   | ၁၉၈     |
| အဗြဟ္မညာ               | ၄၀၆     | အဟိရိကံ             | ၁       |
| အဘိသမ္ပရာယော           | ၃၀၁     | အဇ္ဈုပေက္ခိတာ       | ၆၃      |

| ပဒါနုတ္တမော         | ပိဋကော် | ပဒါနုတ္တမော                 | ပိဋကော် |
|---------------------|---------|-----------------------------|---------|
| [ အ ]               |         | [ အာ ]                      |         |
| အညထတ္တံ             | ၃၁၈     | အာရဟ္မဓာတု                  | ၆၀      |
| အညထာဘာဝေါ           | ၁၄၁     | အာရာဇကော                    | ၁၅      |
| အညမညခါဒိကာ          | ၃၉၇     | အာလောကော                    | ၃၆၉     |
| အဋ္ဌကသညာ            | ၁၁၃     | အာသဘီ ဝါစာ                  | ၁၃၈     |
| အတ္တဒီပေါ           | ၁၃၃     | အာဟာရေ ပဋိကူလသညာ            | ၁၁၆     |
| အတ္တသရဏော           | ၁၃၃     |                             |         |
| အတ္တသမ္ပဒါ          | ၂၄      | [ ဣ ]                       |         |
| အတ္တပနာယိကော        | ၃၀၈     | ဣတိဘဝါဘဝကထံ                 | ၃၆၈     |
| အန္တရာပရိနိဗ္ဗာယီ   | ၃၃၀     | ဣဇ္ဇိတတ္ထံ                  | ၂၇၅     |
| အန္တကထံ             | ၃၆၈     | ဣတ္ထိကထံ                    | ၃၆၈     |
| အပ္ပဋ္ဌိဝါနီ        | ၃၈၅     | ဣတ္ထိကုမာရိကပဋိဂ္ဂဟဏာ       | ၄၀၉     |
| အပ္ပဋ္ဌိဝေဓာ        | ၃၇၇     | ဣဒ္ဓံ                       | ၃၂၁     |
| အပ္ပပုညာ            | ၁၂၇     | ဣဒ္ဓိ                       | ၂၄၁     |
| အပ္ပမာဒဝိဟာရီ       | ၃၄၇     | ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာ               | ၂၄၁     |
| အပ္ပမာဒသမ္ပဒါ       | ၂၄      | ဣဒ္ဓိပါဒဘာဝနာဂါမိနီ ပဋိပဒါ  | ၂၄၂     |
| အပ္ပမေယျော          | ၃၅၀     | ဣဒ္ဓိပါဒေါ                  | ၂၄၁     |
| အပ္ပေါဿုက္ကော       | ၂၃၀     | ဣဿရိယာဓိပစ္စံ               | ၂၉၈     |
| အဗျဂ္ဂနိမိတ္တံ      | ၆၁      |                             |         |
| အဿာသမတ္တာ           | ၁၃၃     | [ ဧ ]                       |         |
| [ အာ ]              |         | ဥဒယဂါမိနီ ပဋိပဒါ            | ၃၁၅     |
| အာကိဏ္ဏမနုဿံ        | ၃၂၁     | ဥပဟစ္စပရိနိဗ္ဗာယီ           | ၃၃၀     |
| အာစရိယမုဋ္ဌိ        | ၁၃၃     | ဥပေက္ခာ                     | ၁၁၆     |
| အာစာရဂေါစရသမ္ပန္နော | ၁၆၃     | ဥပေက္ခာစေတောဝိမုတ္တိ        | ၁၀၅     |
| အာတာပီ              | ၁၂၇     | ဥပေက္ခာသမ္မောဇျင်္ဂဋ္ဌာနိယာ | ၆၁      |
| အာဓာရော             | ၁၇      | ဥက္ကောဋ္ဌနဝဉ္ဇနနိကတိသာစိ-   |         |
| အာနာပါနဿတိ          | ၁၁၆     | ယောဂါ                       | ၄၁၁     |
| အာနာပါနဿတိသမာဓိ     | ၂၇၅     | ဥစ္စာသယနမဟာသယနာ             | ၄၀၉     |
| အာမကဓညပဋိဂ္ဂဟဏာ     | ၄၀၉     | ဥတ္တာသော                    | ၃၃၇     |
| အာမကမံသပဋိဂ္ဂဟဏာ    | ၄၀၉     | ဥတ္တာနိကမ္ပံ                | ၃၈၇     |
|                     |         | ဥဒ္ဓိသောတော အကနိဋ္ဌဂါမိ     | ၃၃၀     |

| ပဒါနုက္ကမော         | ပိဋကော် | ပဒါနုက္ကမော            | ပိဋကော် |
|---------------------|---------|------------------------|---------|
| [ ဥ ]               |         | [ က ]                  |         |
| ဥဒ္ဓါမာတကသညာ        | ၁၁၅     | ကုသလရာသိ               | ၁၆၃     |
| ဥဗ္ဗင်္ဂါ           | ၁၃      | ကုသလာကုသလာ             | ၆၀      |
| ဥဿာဟော              | ၃၀၅     | ကုသလာ ဓမ္မာ            | ၁၅      |
| ဥဿောဗ္ဗိ            | ၃၀၅     | ကုသလာဘိသန္ဓော          | ၃၄၁     |
| [ ဇ ]               |         | ကုက္ကုဒ္ဓသူကရပဋိဂ္ဂဟဏာ | ၄၁၀     |
| ဧကဂ္ဂတာ             | ၁၇      | ကုမ္ဘဋ္ဌာနကထံ          | ၃၆၀     |
| ဧဋ္ဌမူဂေါ           | ၈၈      | ကုဋ်                   | ၄၀      |
| [ ဩ ]               |         | [ ခ ]                  |         |
| ဩဘာသော              | ၃၇၁     | ခဏ္ဍာနိ                | ၃၃၁     |
| [ က ]               |         | ခေတ္တဝတ္ထုပဋိဂ္ဂဟဏာ    | ၄၁၀     |
|                     |         | [ ဂ ]                  |         |
| ကရုဏာ               | ၁၁၅     | ဂတိ                    | ၃၀၁     |
| ကရုဏာစေတောဝိမုတ္တိ  | ၁၀၄     | ဂန္ဓကထံ                | ၃၆၀     |
| ကယဝိက္ကယာ           | ၄၁၁     | ဂါမကထံ                 | ၃၆၀     |
| ကဏ္ဍသုက္ကသပုဋိဘာဂါ  | ၆၀      | ဂေါစရဝိသယံ             | ၁၉၁     |
| ကပ္ပိသပိရ           | ၃၀၈     | ဂေါပါနသိယော            | ၄၀      |
| ကလျာဏမိတ္တတာ        | ၂၃      | [ ဃ ]                  |         |
| ကာမေသုမိစ္ဆာစာရာ    | ၄၀၇     | ဃရာဝါသော               | ၃၀၅     |
| ကာယကိလမထော          | ၁၁၃     | [ ဇ ]                  |         |
| ကာယဂတာ သတိ          | ၁၄၇     | စက္ခုကရဏီ              | ၃၆၉     |
| ကာယပဿဒ္ဓိ           | ၆၁      | စက္ခု                  | ၃၆၉     |
| ကာယသမာစာရာ          | ၃၀၈     | စန္ဒပုဘာ               | ၄၁      |
| ကာယာနုပဿနာ          | ၁၅၅     | စာဂသမ္ပန္နော           | ၃၄၅     |
| ကာယာရမ္မဏော         | ၁၃၅     | စိတ္တကိလမထော           | ၁၁၃     |
| ကာဋ္ဌာနုသာရိယံ      | ၄၁      | စိတ္တပဿဒ္ဓိ            | ၆၁      |
| ကာသိကစန္ဒနံ         | ၃၅၆     | စိတ္တာနုပဿနာ           | ၁၅၆     |
| ကာသိကဝတ္ထံ          | ၄၁      | စေတသော အဝုပသမော        | ၅၉      |
| ကုလေ ဇေဋ္ဌာပစာယိနော | ၄၀၆     | စေတသော စ လိနတ္ထံ       | ၅၉      |
| ကုသလကိရိယာ          | ၃၉၇     |                        |         |



| ပဒါနက္ခမော             | ပိဋကော် | ပဒါနက္ခမော           | ပိဋကော် |
|------------------------|---------|----------------------|---------|
| [ ဝ ]                  |         | [ တ ]                |         |
| စေတောပရိယဉာဏံ          | ၁၃၈     | တုလာကုဋကံသကုဋမာနကုဋာ | ၄၁၁     |
| စေတောဝိမုတ္တိ          | ၉၃      | တူလပိစု              | ၃၈၈     |
| စေတသော ဝုပသမော         | ၉၃      | [ ခ ]                |         |
| စောရကထံ                | ၃၆၈     | ဒလိဒ္ဓေါ             | ၈၈      |
| [ ဆ ]                  |         | ဒဠုဒ္ဓါပံ            | ၁၃၉     |
| ဆဝိဝဏ္ဏော              | ၁၉၁     | ဒဠုပါကာရတောရဏံ       | ၁၃၉     |
| ဆန္ဒသမာဓိ              | ၂၃၉     | ဒါနသံဝိဘာဂရတော       | ၃၀၆     |
| ဆန္ဒသမ္ပဒါ             | ၂၄      | ဒါသိဒါသပဋိဂ္ဂဟဏာ     | ၄၀၉     |
| ဆန္ဒော                 | ၃၈၅     | ဒိဋ္ဌိသမ္ပဒါ         | ၂၄      |
| ဆန္တိတတ္ထံ             | ၃၃၈     | ဒုက္ခေ အနတ္တသညာ      | ၁၁၇     |
| ဆေဒနဝဓမ္မန္တနိပရာမောသ- |         | ဒုဗ္ဗလခါဒိကာ         | ၃၉၇     |
| အာလောပသဟသာကာရာ         | ၄၁၁     | ဒုဿီလျံ              | ၃၃၃     |
| [ ဇ ]                  |         | ဒုတေယျပဟိနဂမနာန-     |         |
| ဇနပဒကထံ                | ၃၆၈     | ယောဂါ                | ၄၁၁     |
| ဇရာဓမ္မော              | ၁၉၁     | ဒေဝဒုန္နုဘိယော       | ၂၃၀     |
| ဇာတရူပရဇတပဋိဂ္ဂဟဏာ     | ၄၀၉     | ဒေဝပဒံ               | ၃၄၃     |
| ဇာတရူပရဇတံ             | ၃၅၆     | ဒေဝါသုရသင်္ဂါမော     | ၃၉၀     |
| [ ဠ ]                  |         | ဒေသနာ                | ၃၈၇     |
| ဉာဏကရဏီ                | ၃၆၉     | ဒေါဝါရိကော           | ၁၃၉     |
| ဉာဏံ                   | ၃၆၉     | ဒေါသက္ခယော           | ၇       |
| ဉာတိကထံ                | ၃၆၈     | ဒေါသဝိနယော           | ၇       |
| ဉာတိ                   | ၃၁၇     | [ ဓ ]                |         |
| [ ဓ ]                  |         | ဓမ္မစရိယာ            | ၃၉၇     |
| တထာဂတဝိဟာရော           | ၂၈၄     | ဓမ္မဒီပေါ            | ၁၃၃     |
| တဋ္ဌိ                  | ၅၉      | ဓမ္မယာနံ             | ၅       |
| တာရကရူပါနံ ပဘာ         | ၄၁      | ဓမ္မသမုပ္ပါဒေါ       | ၃၂၅     |
| တိပရိဝနံ               | ၃၇၀     | ဓမ္မသရဏော            | ၁၃၃     |
|                        |         | ဓမ္မာဒါသော           | ၃၁၂     |
|                        |         | ဓမ္မာနုဓမ္မပဋိပတ္တိ  | ၃၀၂     |



| ပဒါနုတ္တမော         | ပိဋကော် | ပဒါနုတ္တမော     | ပိဋကော် |
|---------------------|---------|-----------------|---------|
| [ ၆ ]               |         | [ ၆ ]           |         |
| ဖရသာယ ဝါစာယ         | ၄၀၇     | မရဏဓမ္မော       | ၁၉၁     |
| ဖန္ဒိတတ္ထံ          | ၂၇၅     | မရဏဘယံ          | ၃၃၇     |
| ဖိတံ                | ၃၂၃     | မရဏသညာ          | ၁၁၆     |
|                     |         | မဟဉ္ဇနော        | ၃၅၂     |
| [ ၇ ]               |         | မဟာဥဒကက္ခန္ဓော  | ၃၄၉     |
| ဗျတ္တော             | ၁၃၉     | မဟာဇနကာယော      | ၄၉      |
| ဗျာဓိဓမ္မော         | ၁၉၁     | မဟာပထဝီ         | ၃၉၈     |
| ဗြဟ္မစရိယပရိယောသာနံ | ၇       | မဟာဘိညတံ        | ၁၅၃     |
| ဗြဟ္မစရိယဖလာနိ      | ၂၁      | မဟာဘူမိစာလော    | ၂၃၀     |
| ဗြဟ္မစရိယံ          | ၇       | မဟာဘောဂေါ       | ၃၅၂     |
| ဗြဟ္မစရိယတ္ထော      | ၂၁      | မဟာမတ္တကထံ      | ၃၆၈     |
| ဗြဟ္မညဖလာနိ         | ၂၀      | မဟာယသော         | ၃၅၂     |
| ဗြဟ္မညံ             | ၂၀      | မဟာဝါတော        | ၄၇      |
| ဗြဟ္မညတ္ထော         | ၂၁      | မဟာသာလာ         | ၃၂၈     |
| ဗြဟ္မယာနံ           | ၅       | မဂ္ဂေါ          | ၆       |
| ဗြဟ္မဝိဟာရော        | ၂၈၄     | မတ္တေယျာ        | ၄၀၅     |
| ဗြဟ္မညာ             | ၄၀၆     | မာရိသော         | ၃၅၇     |
| ဗာဟုဇညံ             | ၃၂၃     | မာလာကထံ         | ၃၆၈     |
| ဗဟုလိကတာ            | ၂၂၇     | မာလာဂန္ဓဝိလေပနံ | ၃၅၆     |
| ဗီဇဂါမဘူတဂါမသမာရဏ္ဍ | ၄၀၈     | မိစ္ဆတ္ထံ       | ၁၄      |
| ဗီဇဂါမဘူတဂါမာ       | ၄၃      | မိစ္ဆာအာဇီဝေါ   | ၃၃၄     |
|                     |         | မိစ္ဆာကမ္မန္တော | ၃၃၄     |
| [ ၈ ]               |         | မိစ္ဆာဉာဏံ      | ၃၃၅     |
| ဘယကထံ               | ၃၆၈     | မိစ္ဆာဒိဋ္ဌိ    | ၃၃၃     |
| ဘယဒဿာဝီ             | ၁၆၃     | မိစ္ဆာပဋိပတ္တိ  | ၁၈      |
| ဘတ္တသမ္ပဒေါ         | ၅၉      | မိစ္ဆာပဋိပဒါ    | ၁၅      |
| ဘာဝနာ               | ၁၃၆     | မိစ္ဆာပဋိပန္နော | ၁၈      |
| ဘာဝိတာ              | ၂၂၇     | မိစ္ဆာပဏိဟိတံ   | ၉       |
| ဘိယျောဘိညတရော       | ၁၃၈     | မိစ္ဆာဝါစာ      | ၃၃၄     |
|                     |         | မိစ္ဆာဝါယာမော   | ၃၃၄     |

| ပဒါနုက္ကမော           | ပိဋကော် | ပဒါနုက္ကမော        | ပိဋကော် |
|-----------------------|---------|--------------------|---------|
| [ မ ]                 |         | [ ဝ ]              |         |
| မိစ္ဆာဝိမုတ္တိ        | ၃၃၅     | ဝစီသမာစာရော        | ၃၀၉     |
| မိစ္ဆာသတိ             | ၃၃၄     | ဝတ္ထကထံ            | ၃၆၈     |
| မိစ္ဆာသမာဓိ           | ၃၃၅     | ဝတ္ထုကတာ           | ၂၂၇     |
| မိတ္တာ                | ၃၁၇     | ဝဿိကံ              | ၄၁      |
| မုဒိတာစေတောဝိမုတ္တိ   | ၁၀၅     | ဝါတဝုဠိ            | ၃၈၈     |
| မုသာဝါဒါ              | ၄၀၇     | ဝါတာတပဟတာနိ        | ၃၃၁     |
| မုတ္တစာဂေါ            | ၃၀၆     | ဝါတူပါဒါနော        | ၃၈၈     |
| မူလဂန္ဓာ              | ၄၁      | ဝါဒဂဝေသီ           | ၃၈၉     |
| မေဓာဝီ                | ၁၃၉     | ဝါဒါနုဝါဒေါ        | ၆       |
| မေတ္တာစေတောဝိမုတ္တိ   | ၁၀၄     | ဝိကာလဘောဇနာ        | ၄၀၈     |
| မောဟက္ခယော            | ၇       | ဝိဂ္ဂါဟိကကထံ       | ၃၆၇     |
| မောဟဝိနယော            | ၇       | ဝိစိကိစ္ဆာဋ္ဌာနီယာ | ၅၉      |
| [ ဃ ]                 |         | ဝိဇ္ဇိတာ           | ၅၉      |
| ယာစယောဂေါ             | ၃၀၆     | ဝိနာဘာဝေါ          | ၁၄၁     |
| ယာနကထံ                | ၃၆၈     | ဝိနိလကသညာ          | ၁၁၅     |
| ယာနိကတာ               | ၂၂၇     | ဝိဘဇနာ             | ၃၈၇     |
| ယုဒ္ဓကထံ              | ၃၆၈     | ဝိမုတ္တိက္ခန္ဓံ    | ၁၄၀     |
| ယောဂက္ခေမော           | ၂၀၅     | ဝိရာဂသညာ           | ၁၁၇     |
| ယောနိသောမနသိကာရသမ္ပဒါ | ၂၅      | ဝိဝရဏာ             | ၃၈၇     |
| ယောနိသောမနသိကာရော     | ၃၀၂     | ဝိသိခါကထံ          | ၃၆၈     |
| [ ခ ]                 |         | ဝိစ္ဆိဒ္ဓကသညာ      | ၁၁၅     |
| ရဇောဇလ္လံ             | ၄၆      | ဝိဇ္ဇာ             | ၃၆၉     |
| ရာဂက္ခယော             | ၇       | ဝိညာပကော           | ၁၄၀     |
| ရာဂဝိနယော             | ၇       | ဝေဒနာနုပဿနာ        | ၁၅၆     |
| ရာဇကထံ                | ၃၆၈     | ဝေါဿဂ္ဂရတော        | ၃၀၆     |
| [ ဓ ]                 |         | [ ဏ ]              |         |
| လောကက္ခာယိကံ          | ၃၆၈     | သဥပနိသော           | ၁၇      |
| လောမဟံသော             | ၂၃၀     | သကဒါဂါမီ           | ၃၃၀     |
| လောဟိတစန္ဒနံ          | ၄၁      | သဂါရဝေါ            | ၂၀၅     |

| ပဒါနုတ္တမော              | ပိဋကော် | ပဒါနုတ္တမော        | ပိဋကော် |
|--------------------------|---------|--------------------|---------|
| [ သ ]                    |         | [ သ ]              |         |
| သတိပဋ္ဌာနာ               | ၁၆၂     | သဗ္ဗပဓိပဋိနိဿဂ္ဂေါ | ၁၉၉     |
| သတိမာ                    | ၁၂၇     | သမ္ပဟံသကော         | ၁၄၀     |
| သတိသမ္မောဇ္ဈင်္ဂဋ္ဌာနိယာ | ၆၀      | သမ္ပပ္ပလာပါ        | ၄၀၇     |
| သပရိက္ခာရော              | ၁၇      | သမ္မာဓဗျူဟံ        | ၃၂၁     |
| သမထနိမိတ္တံ              | ၆၁      | သမ္ပတ္တံ           | ၁၅      |
| သမာဒပကော                 | ၁၄၀     | သမ္မာအာဇီဝေါ       | ၃၃၄     |
| သမာဓိက္ခန္ဓံ             | ၁၄၀     | သမ္မာကမ္မန္တော     | ၃၃၄     |
| သမုတ္တေဇကော              | ၁၄၀     | သမ္မာဉာဏံ          | ၃၃၅     |
| သမုဒ္ဒန္တာယိကံ           | ၃၆၈     | သမ္မာဒိဋ္ဌိ        | ၃၃၃     |
| သယနကထံ                   | ၃၆၈     | သမ္မာပဋိပတ္တိ      | ၁၈      |
| သသင်္ခါရပရိနိဗ္ဗာယီ      | ၃၃၀     | သမ္မာပဋိပဒါ        | ၁၅      |
| သဟဓမ္မိကော               | ၆       | သမ္မာပဋိပန္နော     | ၁၉      |
| သဟဗျုပ္ပာ                | ၂၉၈     | သမ္မာပဏိဟိတံ       | ၉       |
| သင်္ဂါမဝိဇယော            | ၅       | သမ္မာဝါစာ          | ၃၃၄     |
| သဗ္ဗမ္မအပရိဟာနံ          | ၁၅၀     | သမ္မာဝါယာမော       | ၃၃၄     |
| သဗ္ဗမ္မပရိဟာနံ           | ၁၅၀     | သမ္မာဝိမုတ္တိ      | ၃၃၅     |
| သဗ္ဗမ္မဿဝနံ              | ၃၀၂     | သမ္မာသတိ           | ၃၃၄     |
| သဗ္ဗမ္မော                | ၁၄၉     | သမ္မာသမာဓိ         | ၃၃၅     |
| သဗ္ဗါမတ္တံ               | ၃၂၈     | သမ္မာသင်္ကပ္ပေါ    | ၃၃၄     |
| သဗ္ဗါသမ္ပန္နော           | ၃၄၅     | သာဓာရော            | ၁၇      |
| သန္တဿကော                 | ၁၄၀     | သာမိကနဝုတ္တိ       | ၃၁၃     |
| သပ္ပညော                  | ၃၅၇     | သာမညဗလ္လာနိ        | ၂၀      |
| သပ္ပဋိဿော                | ၂၀၅     | သာမညာ              | ၄၀၆     |
| သပ္ပုရိသတရော             | ၁၆      | သာရဂန္ဓာ           | ၄၁      |
| သပ္ပုရိသသံသေဝေါ          | ၃၀၂     | သာလောဟိတာ          | ၃၁၇     |
| သပ္ပုရိသော               | ၁၆      | သာဝဇ္ဇာနဝဇ္ဇာ      | ၆၀      |
| သဗ္ဗဒုဂ္ဂတိဘယံ           | ၃၁၇     | သီလာယူပေါ          | ၃၈၉     |
| သဗ္ဗလောကေ အနဘိ-          |         | သီလက္ခန္ဓံ         | ၁၄၀     |
| ရတိသညာ                   | ၁၁၆     | သီလသမ္ပဒါ          | ၂၄      |
| သဗ္ဗသင်္ခါရသမထော         | ၁၉၉     | သီလသမ္ပန္နော       | ၃၄၅     |

| ပဒါနုတ္တမော | ပိဋကော | ပဒါနုတ္တမော          | ပိဋကော |
|-------------|--------|----------------------|--------|
| [သ]         |        | [သ]                  |        |
| သီဟနာဒေါ    | ၁၃၈    | သောတာပန္နော          | ၃၂၉    |
| သုခဿယိတာနိ  | ၃၃၁    | သောတော               | ၃၀၂    |
| သုခဿာဟာရော  | ၃၄၂    | သောဠာသကုက္ကဟော       | ၃၈၉    |
| သုဘနိမိတ္တံ | ၅၉     | [ဟ]                  |        |
| သုရကထံ      | ၃၆၈    | ဟတ္ထိဂဝဿဝဠာပဋိဂ္ဂဟဏာ | ၄၁၀    |
| သုသမာရဒ္ဓါ  | ၂၂၇    | ဟတ္ထိပဒံ             | ၄၀     |
| သေက္ခော     | ၁၂     | ဟိရောတ္တပုံ          | ၂      |
| သေနာကထံ     | ၃၆၈    | ဟိနပဏီတာ             | ၆၀     |

# မဟာဝဂ္ဂသံယုတ္တပါဠိယာ

## နာနာပါဌာ

ပဌမော မူလပါဌော၊ သီ...သီဟဋ္ဌပေါတ္တကံ၊ သျာ...သျာမပေါတ္တကံ၊  
ကံ...ကမ္မောဇပေါတ္တကံ၊ ဣ...ဣင်္ဂလိသပေါတ္တကံ၊ က...ကေသုစိ မရဗ္ဗ-  
ပေါတ္တကေသု ဒိဿမာနပါဌော၊ က-သီ...ကေသုစိ သီဟဋ္ဌပေါတ္တကေသု  
ဒိဿမာနပါဌော၊ ဋ္ဌ...အဋ္ဌကထာ။

## မဟာဝဂ္ဂသံယုတ္တပါဠိယာ

နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

[ အ ]

|                                                                    |         |
|--------------------------------------------------------------------|---------|
| အကုပ္ပါ မေ ဝိမုတ္တိ = အကုပ္ပါ မေ စေတောဝိမုတ္တိ (သီ၊ ဣ၊ က)          | ၁၇၉     |
| အစွယာသိ = အစွသရာ (သီ၊ သျာ၊ ကံ) အဇ္ဈပရံ (ဣ၊ က)                      | ၁၉၂     |
| အဇ္ဈတ္တဗဟိဒ္ဓါ = အဇ္ဈတ္တံ ဗဟိဒ္ဓါ (သျာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)                  | ၂၇၄     |
| အနိယမာနာ = အနိယမာနာ (သီ၊ သျာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)                            | ၂၇၉     |
| အတိဝိဇ္ဇာ = ပဋိဝိဇ္ဇာ (သီ၊ က)                                      | ၁၉၀-၁၉၉ |
| အဒလိဒ္ဓေါတိ = အဒဋ္ဌိဒ္ဓေါတိ (သီ၊ သျာ၊ ကံ)                          | ၃၃၅     |
| အဓိစိဏ္ဏံ = အာစိဏ္ဏံ (သျာ၊ ကံ၊ ဣ)                                  | ၃၆၇     |
| အနဘာဝကတော = အနဘာဝကတော (သီ၊ ဣ)                                      | ၂၈၅     |
| အနုဒေဝ = အနုဒေဝ (သီ၊ ဣ၊ က)                                         | ၁       |
| အပ္ပစ္စယော = အပ္ပစ္စယာ (သီ) အပ္ပစ္စယံ (?)                          | ၁၁၁     |
| အပဿိတံ = အပဿိတံ (သီ၊ သျာ၊ ကံ၊ က) အဖုသိတံ (ဣ)                       | ၁၉၄     |
| အဗျာပဇ္ဇံ = အဗျာပဇ္ဇံ (သီ၊ သျာ၊ ဣ)                                 | ၇၇      |
| အဘိဇ္ဇမာနေ = အဘိဇ္ဇမာနာ (သီ၊ ဣ၊ က)                                 | ၂၃၉     |
| အဘိသင်္ခါသိ = အဘိသင်္ခရေသိ (သျာ၊ ဣ၊ က)                             | ၂၃၆     |
| အဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါတိ ပစ္စညာသိ = အဘိသမ္ဗုဒ္ဓေါ ပစ္စညာသိ<br>(သီ၊ သျာ၊ ကံ) | ၁၇၉-၃၇၀ |
| အယမာစာရော = အယမာဟာရော (သျာ၊ က)                                     | ၆၆      |

နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

[ အ ]

|                                                          |     |
|----------------------------------------------------------|-----|
| အရဟတ္တပတ္တေ = အရဟတ္တေ ပတ္တေ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)               | ၂၃၈ |
| အရိယော မဂ္ဂေါ = အရိယော အဋ္ဌင်္ဂိကော မဂ္ဂေါ (က)           | ၁၅၇ |
| အဿာဒဉ္စ = သမုဒယဉ္စ အတ္တင်္ဂမဉ္စ အဿာဒဉ္စ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က) |     |
| သံ ၁-၄၃၁-ပိဋ္ဌေပိ။                                       | ၁၇၀ |
| အဿာသပဿာသာနံ = အဿာသပဿာသံ (ဣ၊ က)                           |     |
| မ ၃-၁၂၆-ပိဋ္ဌေပိ။                                        | ၂၈၂ |
| အသုခသယိတာနိ = အသုခါပဿယိတာနိ (က)                          | ၃၃၁ |
| အသံဝဒမာနာ = အဝစမာနာ (သီ)                                 | ၁၂၇ |

[ အာ ]

|                                                  |       |
|--------------------------------------------------|-------|
| အာနာပါနဿတိ = အာနာပါနသတိ (သီ၊ ဣ)                  | ၂၇၁   |
| အာယာမံ = ဝါယာမံ (သီ၊ သျှာ)                       | ၁၁-၁၂ |
| အာရဟ္မဓာတု = အာရဟ္မဓာတု (သျှာ၊ က)                | ၆၀    |
| အာရာမနိဿယီ = အာရာမနိသာဒီ (သီ) အာရာမနိယာဒီ (သျှာ) | ၆၆    |

[ ဣ ]

|                                               |     |
|-----------------------------------------------|-----|
| ဣတ္ထိကထံ = ဣတ္ထိကထံ ပုရိသကထံ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က) | ၃၆၈ |
| ဣမေ စာဟံ = ဣမေဝါဟံ (သျှာ၊ ကံ) ဣမေသာဟံ (က)     | ၃၂၈ |

[ ဥ ]

|                                                           |     |
|-----------------------------------------------------------|-----|
| ဥတ္တာနိကရိဿန္တိ = ဥတ္တာနိကရိဿန္တိ (က) ဥတ္တာနိကရိဿန္တိ (ဣ) | ၂၂၈ |
| ဥဒပါဒိ° = ဥပ္ပါဒိ° (သီ)                                   | ၂၃၂ |
| ဥပဂစ္ဆိ = ဥပဂဉ္စိ (သီ၊ ဣ)                                 | ၁၃၂ |
| ဥပဋ္ဌိတာဿ = ဥပဋ္ဌိတဿတိ (ဣ၊ က)                             | ၂၈၉ |
| ဥဗ္ဗင်္ဂေါ = ဥဗ္ဗင်္ဂေါ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)                    | ၁၄၈ |
| ဥလ္လောကေန္တိ = ဩလောကေန္တိ (သီ၊ သျှာ)                      | ၃၈၇ |



နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

[ ခ ]

ဥသ္မုဒကဇာတော = ဥဿဒကဇာတော (သီ) ဥသ္မာဒကဇာတော  
(သျှာ)

၁၀၇

[ • ]

ကေန္တဂတော = ကေန္တိဂတော (သီ)

၁၉၇

ကေဗိဇိ = ကေဗိဇိ (က)

၁၈၀

ကေဓမ္မော = ကေော ဓမ္မော (သီ)

၂၈၇

တေပုရမံယေဝ = တေပရမံယေဝ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)

၁၄၂

ဧဝံ ဟိ တံ = ဧဝံ ဟေတံ (သီ)

၁၂၈

[ က ]

ကဌလာ = ကထလာ (ဣ၊ က)

၃၂၂

ကထေယျာထ = ကထေထ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)

၃၆၇

ကဏ္ဍကဌာနံ = ကဏ္ဍကံ ဌာနံ (ဣ၊ က)

၃၁၅

ကဏ္ဍကိဝနေ = ကဏ္ဍကိဝနေ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)

၁၅၂

ကွာဿ = ကာယ (သျှာ၊ က)

၁၉၂

ကာလံကိရိယာ = ကာလကိရိယာ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)

၃၂၂

ကိမင်္ဂံ = ကိမင်္ဂံ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)

၃၂၈

ကိမိလာယံ = ကိမ္ဘိလာယံ (သီ၊ ဣ)

၂၈၀

ကုဒါလပိဋကံ = ကုဒ္ဒါလပိဋကံ (ဗဟုသု)

၂၆၂

ကုလေ အဇေဋ္ဌာပစာယိနောတိ = အကုလေ ဇေဋ္ဌာပစာယိနောတိ  
(သျှာ၊ ကံ)

၄၀၆

ကုသောဗ္ဗေ = ကုသုဗ္ဗေ (သီ၊ သျှာ) ကုသုဗ္ဗေ (ဣ၊ က)

၄၄

ကုဋ္ဌာဂါရေ ဝါ ကုဋ္ဌာဂါရသာလာယံ ဝါ = ကုဋ္ဌာဂါရံ ဝါ ကုဋ္ဌာဂါရ  
သာလံ ဝါ ဥတ္တရာယ (က-သီ)

၁၉၂

ကုဋ္ဌသိမ္ဗလီ = ကောဋ္ဌသိမ္ဗလီ (သျှာ၊ ကံ)

၂၀၉

နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

[ • ]

ဒိဏတိရစ္ဆာနယောနိ = ဒိဏတိရစ္ဆာနယောနိယော (သီ၊ သျှ၊ ကံ၊ ဣ)

ဒိဏတိရစ္ဆာနယောနိကော (က)

၃၁၀

[ • ]

ဂဝံပတိထေရော = ဂဝမ္ပတိထေရော (သျှ၊ ကံ)

၃၀၂

ဂိလာနာ ဝုဠိတော = ဂိလာနဝုဠိတော (သဒ္ဓနီတိ) အံ ၂-၂၆၃-ပိဋေ

တံသံဝဏ္ဏနာ ဝိကာ ပဿိတဗ္ဗာ။

၁၃၂

[ • ]

စက္ကဝတ္တိ = စက္ကဝတ္တိ (သျှ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)

၂၉၀

စတုမဟာပထေ = စာတုမ္မဟာပထေ (သီ၊ သျှ၊ ကံ)

၂၀၂

စန္ဒိမပ္ပဘာယ = စန္ဒိမာပဘာယ (သျှ၊ က)

၄၁

စမ္မသန္တာဟော = ဝမ္မသန္တာဟော (သီ)

၅

စာတုမဟာဘူတိကေန = စာတုမ္မဟာဘူတိကေန (သီ၊ သျှ၊ ကံ)

၂၄၇

စာတုမဟာရာဇိကေသု = စာတုမ္မဟာရာဇိကေသု (သီ၊ သျှ၊ ကံ၊ ဣ)

၃၅၀

စာပါလံ စေတိယံ = ပါဝါလစေတိယံ (သျှ၊ ကံ)

၂၂၆

စိန္တေယျာထ = စိန္တေထ (သီ၊ သျှ၊ ကံ)

၃၆၆

စေတေသု = စေတိယေသု (သျှ)

၃၀၂

စေတောပရိယဉာဏံ = စေတောပရိယာယဉာဏံ (ဗဟူသု)

၁၃၀

[ • ]

ဇင်္ဂလာနံ = ဇင်္ဂမာနံ (သီ၊ ဣ)

၂၀၂

ဇေရသကဋံ = ဇရသကဋံ (သဗ္ဗတ္ထ)

၁၃၃

နာနာပါဌာ

ပိဋက

[ တ ]

|                                                     |     |
|-----------------------------------------------------|-----|
| တဏှာသံယောဇနာ သန္တာဝန္တာ သံသရန္တာ = တဏှာသံယောဇနဗန္တာ |     |
| သန္တာဝတာ (က)                                        | ၃၈၄ |
| တထာဂတဿ ကာယော ဟောတိ = တထာဂတဿ ဟောတိ                   |     |
| (ဗဟူသု) ဒိ ၂-မဟာပရိနိဗ္ဗာနသုတ္တေပိ။                 | ၁၃၃ |
| တသ္မာ = အသ္မာ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)                      | ၃၂၇ |
| တသ္မိယေဝ ကဋကတင်္ဂါရေ အဝဿဇ္ဇေတွာ = တသ္မိယေဝ မက္ကဋံ   |     |
| ဥဒ္ဓရိတွာ အာဝဇ္ဇေတွာ (သီ၊ သျှာ)                     | ၁၂၉ |
| တသ္မိ သမယေ ဘိက္ခုနော = တသ္မိ သမယေ အာနန္ဒ ဘိက္ခုနော  |     |
| (ဣ၊ က) တသ္မိ သမယေ (မ ၃-၁၂၇-ပိဋ္ဌေပိ)                | ၂၈၉ |
| တေန လယေန = ( ) နတ္ထိ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)                 | ၃၇၁ |

[ ခ ]

|                                                               |     |
|---------------------------------------------------------------|-----|
| ဒဠုဒ္ဓါပံ = ဒဠုဒ္ဓါပံ (သီ၊ ဣ၊ က) ဒဠုဒ္ဓါပံ (သျှာ၊ ကံ)         | ၁၃၉ |
| ဒါသိဒါသပဋိဂ္ဂဟဏာ = ဒါသိဒါသပဋိဂ္ဂဟဏာ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)             | ၄၀၉ |
| ဒုက္ခနိရောဓံ = ဒုက္ခနိရောဓော (သျှာ၊ ကံ)                       | ၃၇၄ |
| ဒုက္ခသမုဒယံ = ဒုက္ခသမုဒယော (သျှာ၊ ကံ)                         | ၃၇၄ |
| ဒုက္ခသမုဒယံ။ ပ။ အရိယသစ္စံ = ဒုက္ခသမုဒယော။ ပ။ အရိယသစ္စံ (သျှာ) | ၃၇၂ |
| ဒုရက္ခာတော = ဒွါက္ခာတော (ဣ၊ က)                                | ၃၃၁ |
| ဒေဝဒုန္နုဘိယော = ဒေဝဒုဗြိဘိယော (က)                            | ၂၃၀ |
| ဒေဝေါ စ န သမ္မာ = ဒေဝေါ ပန သမ္မာ (သျှာ၊ ကံ)                   |     |
| ဒေဝေါ န သမ္မာ (က) ဒိ ၂-၂၇၉-ပိဋ္ဌေပိ။                          | ၃၃၁ |
| ဒွယေန ဝုပကာသေန ဝုပကဋ္ဌော = ဒွယေန ဝုပကဋ္ဌော (သီ၊ သျှာ)         | ၆၁  |
| ဒွိပဒါ = ဒိပဒါ (သီ)                                           | ၃၈  |

[ န ]

|                                                  |   |
|--------------------------------------------------|---|
| နဂရကံ နာမ = နာဂရကံ နာမ (သီ) သက္ကရံ နာမ (သျှာ၊ က) | ၂ |
|--------------------------------------------------|---|

နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

[ န ]

|                                                        |     |
|--------------------------------------------------------|-----|
| န စ မံ ဓမ္မာဓိကရဏံ = န စ ဓမ္မာဓိကရဏံ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)  | ၃၀၁ |
| န မျာယံ = န စာယံ (သီ)                                  | ၁၂၇ |
| နာနာဘာဝါ ဝိနိက္ခေပါ = နာနာဘာဝနိက္ခေပါ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က) | ၁၈၇ |
| နေဝ သက်ဓမ္မယျ = နေဝ နံ သက်ဓမ္မယျ (သီ၊ ဣ)               | ၃၈၈ |

[ ပ ]

|                                                                           |     |
|---------------------------------------------------------------------------|-----|
| ပက္ကုထိတော = ပက္ကုမိတော (က) ဥက္ကဋ္ဌိတော (သီ)                              |     |
| ဥက္ကဋ္ဌိတော (သျှာ)                                                        | ၁၀၆ |
| ပစ္စတ္တရဏဿ = သဇ္ဇတ္တရဏဿ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)                                 | ၃၄၉ |
| ပစ္စပါဒိ = အဟောသိ ပစ္စပါဒိ (သီ) အဟောသိ သစ္စဝါဒိ<br>(သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)       | ၃၀၁ |
| ပစ္စာသီသတိ = ပစ္စာသိသတိ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)                                 | ၁၃၃ |
| ပဉ္စပါဒါနက္ခန္ဓာ = ပဉ္စပါဒါနက္ခန္ဓာပိ (ဣ၊ က)                              | ၃၆၉ |
| ပဇာနာတိ = ပဇာနာတိ ပဿတိ (သျှာ) ဝေမုပရိပိ။                                  | ၁၀၈ |
| ပဋိကစ္စ = ပဋိဂစ္စ (သီ) ပဋိဟစ္စ (ဣ)                                        | ၂၄၉ |
| ပဋိကစ္စေဝ = ပဋိဂစ္စေဝ (သီ၊ ဣ)                                             | ၁၄၁ |
| ပဋိကူလအနဘိရတေန = ပဋိကူလေန စ သဗ္ဗလောကေ (သျှာ)                              | ၁၁၈ |
| ပယတပါဏိနိ = ပယတပါဏိ (သဗ္ဗတ္ထ) ၃-၃၀-မောဂ္ဂလ္လာနသုတ္တံ<br>ဩလောကေတဗ္ဗံ။      | ၃၄၆ |
| ပရိနိဗ္ဗာတု ဒါနိ သုဂတော = ပရိနိဗ္ဗာတု သုဂတော (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)<br>ဝေမုပရိပိ။ | ၂၂၈ |
| ပရိမသတိ = ပရာမသတိ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)                                          | ၂၃၂ |
| ပရိမသန္တိ = ပရာမသန္တိ (သျှာ၊ ကံ)                                          | ၂၄၀ |
| ပရိမသိသု = ပရာမသိသု (သျှာ၊ ကံ၊ က)                                         | ၂၃၉ |
| ပရိမုတ္တော = ပရိမုတ္တော စ (သျှာ၊ ကံ၊ က)                                   | ၂၉၈ |
| ပရိယာဒါယ = ပရိယာတာယ (က) ပရိယာဟတာယ (?)                                     | ၄၇  |
| ပဝတ္တတိ”တိ = ပဝတ္တေတိတိ (သီ)                                              | ၂၀၅ |

နာနာပါဌာ

ပိဋက

[ ဝ ]

|                                            |     |
|--------------------------------------------|-----|
| ပဝိစိနတိ = ပဝိစိနာတိ (က)                   | ၉၇  |
| ပါဏုပေတေ = ပါဏုပေတံ (က)                    | ၃၁၀ |
| ပိပ္ပလိဂုဟာယံ = ပိပ္ပလိဂုဟာယံ (သီ)         | ၇၁  |
| ပုရိမန္တေ = ပုရတ္ထိမန္တေ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ) | ၁၉၃ |
| ပုဠဝကသညာ = ပုဠဝကသညာ (က)                    | ၁၁၅ |
| ပေါခါနုပေါခံ = ပေါခါနုပေါခံ (သျှာ၊ ကံ)     | ၃၉၅ |
| ပေါနောဗ္ဗဝိကာ = ပေါနောဘဝိကာ (သီ၊ ဣ)        | ၃၆၉ |

[ ဖ ]

|                              |     |
|------------------------------|-----|
| ဖာသုတရော = ဖာသုတရံ (သဗ္ဗတ္ထ) | ၁၃၃ |
|------------------------------|-----|

[ ဗ ]

|                                                     |     |
|-----------------------------------------------------|-----|
| ဗဟုကာရံ = ဗဟုပကာရံ (သျှာ)                           | ၆၁  |
| ဗဟုပုတ္တံ စေတိယံ = ဗဟုပုတ္တကစေတိယံ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က) | ၂၂၇ |
| ဗာလဂမနမေတံ = ဗာလာနံ ဂမနမေတံ (သီ)                    | ၃၁၅ |
| ဗီဇဂါမဘူတဂါမသမာရန္တာ = ဗီဇဂါမဘူတဂါမသမာရန္တာ (က)     | ၄၀၈ |

[ ဘ ]

|                                            |     |
|--------------------------------------------|-----|
| ဘဂဝါ = ဘဂဝါတိ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)            | ၃၀၇ |
| ဘန္တစိတ္တာ = ဝိဗ္ဗန္တစိတ္တာ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ) | ၂၃၅ |
| ဘန္တေနပိ = ဝိဗ္ဗန္တေနပိ (သီ) ဘမန္တေနပိ (က) | ၃၂၁ |
| ဘိဒ္ဓိဿတိ = ဘေစ္ဆတိ (က)                    | ၉   |
| ဘိသမုဋ္ဌာလံ = ဘိသမူလာလံ (ဣ၊ က)             | ၃၉၀ |

[ မ ]

|                                                        |     |
|--------------------------------------------------------|-----|
| မစ္စုရာဇာဂမနသ္မိန္ဒြိယန္တိ = မစ္စုရာဇာဂမိဿတိတိ (သီ၊ ဣ) |     |
| မစ္စုဇရာကမ္ပိသ္မိန္ဒြိယန္တိ (က)                        | ၃၅၁ |

နာနာပါဌာ

ပိဋက

[ ဗ ]

|                                                               |      |
|---------------------------------------------------------------|------|
| မဇ္ဇေဝ = မမေဝ (သီ)                                            | ၁၂၄  |
| မယမေဝမှ = မယမေဝါမှ (က)                                        | ၁၂၇  |
| မလ္လေသု = မလ္လကေသု (သီ၊ သျှ၊ ကံ) မလ္လိကေသု (က)                | ၂၀၀  |
| မဟာဘောဂေါတိ = မဟာဘောဂေါ မဟာယသောတိ (သျှ၊ ဣ၊ က)                 | ၃၅၂  |
| မဟာသမုဒ္ဒေ ဥဒကံ ပရိက္ခယံ = မဟာသမုဒ္ဒေါ ပရိက္ခယံ (သီ၊ သျှ၊ ကံ) |      |
| သံ ၁-၃၅၅-ပိဋေပိ။                                              | ၄၀၂  |
| မဟာသမုဒ္ဒံ = မဟာသမုဒ္ဒသာဂရံ (သဗ္ဗတ္ထ) သံ ၁-၂၆၉-ပိဋေပိ။ ၄၄-၃၄၅ |      |
| မိတ္တေ ဘိန္နေယျ = မိတ္တေဟိ ဘေဒေယျ (သျှ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)             | ၃၀၉  |
| မိလက္ခေသု = မိလက္ခသု (သျှ၊ ကံ၊ က)                             | ၄၀၅  |
| မုဿတိ = မုသတိ (?)                                             | ၃၂၂. |
| မုဿတေဝ = မုသတေဝ (?)                                           | ၃၂၂  |
| မူလစ္ဆိန္ဒော ကတမေန ပပတေယျာတိ = မူလစ္ဆိန္ဒေ ကတေ                |      |
| ပပတေဿတိ (သျှ၊)                                                | ၄၄   |

[ ဃ ]

|                                                |     |
|------------------------------------------------|-----|
| ယတ္ထ = ယတ္ထေဝ (သျှ၊ ကံ) ယာနိ ဝါ (သီ)           | ၃၁၅ |
| ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနာတိ = ယထာဘူတံ နပ္ပဇာနာတိ န ပဿတိ |     |
| (သျှ၊) ဧဝမုပရိပိ။                              | ၁၀၆ |
| ယော ဝါ = ယော (သီ) ယုတ္တတရံ။                    | ၃၉၆ |

[ ခ ]

|                                        |     |
|----------------------------------------|-----|
| ရတ္တိန္ဒြိဝါ = ရတ္တိဒိဝါ (က)           | ၃၈၇ |
| ရာဇမဟာမတ္တံ ဝါ = ရာဇမဟာမတ္တာနံ ဝါ (သီ) | ၁၃၀ |

နာနာပါဌာ

ပိဋကံ

[ လ ]

လာဘဉ္စ = လာဘေ စ (သီ)

၁၄၆

လောမသကံဘိယော = လောမသဝဂီသော (သီ၊ ဣ)

၂၀၄

[ ဝ ]

ဝတွာန = ဝတွာ (သီ၊ ဣ) ဝေမိဒိသေသု ဌာနေသု။

၂၉၉

ဝဠဝါဘိရထေန = ဝဠဘိရထေန (သီ)

၄

ဝိတက္ကေယျာထ = ဝိတက္ကေထ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)

၃၆၆

ဝိမုတ္တိ = စေတောဝိမုတ္တိ (သီ၊ ဣ၊ က)

၁၇၉

ဝိဟာရပစ္စာယာယံ = ဝိဟာရပစ္စာဆာယာယံ (ဗဟူသု)

၁၃၂

ဝိဟေသေသိ = ဝိဟေဌေသိ (ဣတိပိ အညတ္ထ)

၃၀၁

ဝေဠုမိဿကေန = ဝေဠုမိဿကေန (သီ) ဝေဠုမိဿကေန (သျှာ၊ ကံ)

ဝေဠုမိဿကေန (ဣ၊ က) ဝေဠုမိဿကေန (က)

၁၃၃

ဝေဒယတိ = ဝေဒိယတိ (သီ)

၁၃၅

ဝေဠုဝဂါမကေ = ဗေလုဝဂါမကေ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)

၁၃၃

[ သ ]

သ ကိ° = သော နူန (သီ၊ ဣ)

၁၃၃

သင်္ချိ° = သင်္ခိ° (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)

၁၉၃

သဉ္ဇာနန္ဒိတိ = သမ္ပဇာနန္ဒိတိ (က)

၁၃၄

သတောဝ = သတော (ဗဟူသု) တတိယပါရာဇိကေပိ၊ ယုတ္တတရံ။

၂၇၁

သဒ္ဓဟသိ = သဒ္ဓဟာသိ (သီ၊ ဣ)

၁၉၄

သဒ္ဓမ္မေဟိ = ဓမ္မေဟိ (သီ)

၃၁၀

သဉ္ဇေါသော = သ ခေါ သော (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)

၁၉၈-၁၉၉

သန္နိပတိတော = သန္နိပတိတော (သီ)

၂၇၉

သပရိက္ခာရတာ = သပရိက္ခတာ (သီ၊ ဣ)

၁၇

နာနာပါဌာ

ပိဋက

[ သ ]

|                                                                                 |     |
|---------------------------------------------------------------------------------|-----|
| သပ္ပစ္စယော = သပ္ပစ္စယာ (သီ) သပ္ပစ္စယံ (?)                                       | ၁၁၁ |
| သပ္ပတိဿော = သပ္ပတိဿော (သျှာ၊ ကံ၊ က)                                             | ၂၀၅ |
| သမထနိမိတ္တံ = သမာဓိနိမိတ္တံ (သျှာ)                                              | ၆၁  |
| သမ္မာသတိ = သမ္မာသမာဓိ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ က)                                         | ၁၇  |
| သမောဒဟတိ = သမာဒဟတိ (သီ၊ သျှာ၊ ဣ)                                                | ၂၄၇ |
| သရဏာနိ = သရကာနိ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)                                               | ၃၂၆ |
| သရလပတ္တာနံ = ပလာသပတ္တာနံ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)                                      | ၃၈၄ |
| သဟဉ္စနိကေ = သဟဇနိယေ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)                                              | ၃၈၂ |
| သဟဿဘိက္ခုနိသံဃော = သဟဿော ဘိက္ခုနိသံဃော (သီ)                                     | ၃၁၄ |
| သဟသာကာရာ = သာဟသာကာရာ (က)                                                        | ၄၁၁ |
| သာရန္တဒံ စေတိယံ = အာနန္တစေတိယံ (က) သာနန္တရံ (က)                                 | ၂၂၇ |
| သာဝိယောဂါ = သာဝိယောဂါ (သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)                                          | ၄၁၁ |
| သိင်္ဂါလာ = သိင်္ဂါလာ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)                                         | ၃၂၂ |
| သီသပါဝနေ = သိသပါဝနေ (သီ၊ ဣ)                                                     | ၃၈၃ |
| သုခံ = သော သုခံ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)မ ၃-၂၈၈-ပိဋ္ဌေပိ၊ အဋ္ဌကထာ-<br>ဦကာ ဩလောကေတဗ္ဗာ။ | ၂၇၈ |
| သုဂတော ကပ္ပံ = သုဂတော ကပ္ပါဝသေသံ (ဣ၊ က)ဒီ ၂-၈၆-ပိဋ္ဌေပိ။                        | ၂၂၇ |
| သုပ္ပတိဋ္ဌိတစိတ္တာ = သုပဋ္ဌိတစိတ္တာ (သီ၊ ဣ၊ က)                                  | ၁၃၄ |
| သုရိယဿ = သုရိယဿ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)                                               | ၃၈၆ |
| သုရေန = သုရိယေန (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)                                                  | ၂၀၀ |
| သေခေါ သေခေါတိ = သေက္ခော သေက္ခောတိ (သျှာ၊ ကံ)                                    | ၁၅၂ |
| သေယျထိဒံ = သေယျထိဒံ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ၊ ဣ)                                           | ၃၆၉ |
| သေယျထိဒံ = ကတမေ ပဉ္စ (သီ၊ သျှာ၊ ကံ)                                             | ၃၇၃ |
| သံဃဉ္စနသမောဓာနာ = သံဃဉ္စနာ သမောဓာနာ (ဣ၊ က)                                      |     |
| သံဃဉ္စနသမောဓာနာ (သျှာ၊ ကံ)                                                      | ၁၈၇ |



နာနာပါဌာ

ပိဋက

[ သ ]

သန္ဓယ = သန္ဓာယ (သီ၊ သျှာ)

၁၂၈

သံယောဇနပဟာနာယ = သံယောဇနာနံ ပဟာနာယ (သျှာ၊ က)

အာနာပါနသံယုတ္တပရိယောသာနေ ပန ဣဒံ ပါဌနာနတ္ထံ  
နတ္ထိ။

၂၀၆

သံသိတံ = သံသရိတံ (သျှာ၊ ကံ၊ က)ဒီ ၂-၇၇-ပိဋေပိ။

၃၇၈

[ ဟ ]

ဟတ္ထိဂဝဿဝဋ္ဋဝပဋိဂ္ဂဟဏာ = ဟတ္ထိဂဝဿဝဋ္ဋဝါ ပဋိဂ္ဂဟဏာ  
(သျှာ၊ ကံ၊ ဣ၊ က)

၄၁၀

သံယုတ္တနိကာယေ မဟာဝဂ္ဂသံယုတ္တပါဠိယာ

## ပါဠိဘေဒါ

၇-ဣဒ္ဓိပါဒသံယုတ္တေ ၂-ဝဂ္ဂေ ပဉ္စမသုတ္တေ ၂၃၈-ပိဋ္ဌေ ပဌမပန္နိယံ—

“ဧဝံ သန္တေ ဘော အာနန္တ သန္တကံ ဟောတိ နော အသန္တကံ” ဣတိ စ၊

ဝိသတိမ ဧကဝိသတိမပန္နိယံ—

“ဣတိ ဧဝံ သန္တေ သန္တကံ ဝါ ဟောတိ နော အသန္တကံ ဝါတိ” ဣတိ စ၊

ဒွါဝိသတိမပန္နိယံ—

“အဒ္ဓါ ဘော အာနန္တ ဧဝံ သန္တေ သန္တကံ ဟောတိ နော အသန္တကံ”  
ဣတိ စ သဗ္ဗတ္ထပိ မုဒ္ဒိတပေါတ္တကေသု ဒိဿတိ။

ကတ္ထမိ ပန လိဒိတသီဟဋ္ဌပေါတ္တကေ တေသု တီသု ဌာနေသု—

“ဧဝံ သန္တေ ဘော အာနန္တ အနန္တကံ ဟောတိ နော သန္တကံ” ဣတိ စ၊

“ဣတိ ဧဝံ သန္တေ သန္တကံ ဝါ ဟောတိ အနန္တကံ ဝါတိ” ဣတိ စ၊

“အဒ္ဓါ ဘော အာနန္တ ဧဝံ သန္တေ သန္တကံ ဟောတိ နော အနန္တကံ”  
ဣတိ စ ပါဠိတ္ထယံ အတ္ထိ၊ တေဒေဝေတ္ထ ယုတ္တတရံ။

# သံယုတ္တနိကာယေ တတိယဘာဂပေါတ္ထကေ

## ဂါထာသုဗ္ဗိ

| ဂါထာပမုခံ                      | ပိဋကံ | ဂါထာပမုခံ                  | ပိဋကံ |
|--------------------------------|-------|----------------------------|-------|
| [အ]                            |       | [ဇ]                        |       |
| အပ္ပကာ တေ မနုဿေသု ၁၉-၇၄        |       | မိ တံ ဇမ္ဗိ ဇရေ အတ္ထု ၁၉၁  |       |
| အဗျာပါဒေါ အဝိဟိံသာ ၅           |       | [ဗ]                        |       |
| [ဇ]                            |       | မဟောဒမိံ အပရိမိတံ ၃၄၉-၃၅၀  |       |
| ဧကာယနံ ဇာတိခယန္တဒဿီ ၁၄၆        |       | [ယ]                        |       |
| တေဒတ္တနိ သမ္ဘူတံ ၆             |       | ယဿ သဒ္ဓါ စ ပညာ စ ၅         |       |
| ဧဝံ နရံ အန္တပါနဝတ္ထဒဒံ ၃၄၉-၃၅၁ |       | ယဿ သဒ္ဓါ တထာဂတေ ၃၃၅-၃၅၄    |       |
| [က]                            |       | ယေ စ ခေါ သမ္မဒက္ခာတေ ၁၉-၇၄ |       |
| ကဏ္ဍံ ဓမ္မံ ဝိပ္ပဟာယ ၁၉-၇၄     |       | ယေ စ ဒုက္ခံ ပဇာနန္တိ ၃၇၉   |       |
| [စ]                            |       | ယေ ဒုက္ခံ နပ္ပဇာနန္တိ ၃၇၉  |       |
| စတုန္တံ အရိယသစ္စာနံ ၃၇၀        |       | ယေသံ သမ္မောဓိယဇော်သု ၂၀-၇၄ |       |
| [တ]                            |       | ယောဝိ ဝဿသတံ ဇီဝေ ၁၉၁       |       |
| တဉ္စ မဂ္ဂံ န ဇာနန္တိ ၃၇၉       |       | ယော ပုညကာမော ကုသလေ ၃၅၁     |       |
| တကြာဘိရတိမိစ္ဆေယျ ၁၉-၇၄        |       | [ရ]                        |       |
| တသ္မာ သဒ္ဓဉ္စ သီလဉ္စ ၃၃၅-၃၅၄   |       | ရထော သီလပရိက္ခာရော ၅       |       |
| တာနိ တောနိ ဒိဋ္ဌာနိ ၃၇၀        |       | [သ]                        |       |
| တုလမတုလဉ္စ သမ္ဘဝံ ၂၃၀          |       | သံဃေ ပသာဒေါ                |       |
|                                |       | ယဿတ္ထိ ၃၃၅-၃၅၄             |       |

န-ဗ-သ-စ-သံ-ဉ-ဂ-၇-၅၇-၁၁,၀၀၀

---

၈၄၉၂၄

